



[\$\\\



क्ष्मव्यासान्ना स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान स

Gelek gyatso yougang.

W\_pencil1772 M\_+919845863630

गुर-नहुराद्युयानेन द्या सङ्गाया।

# यर द्वेत स्नुनर्भा नवी प्रति सम्मान हिंद ही न स्नु स्नु स

### न्गरःळग

য়ঌ৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾ ৼয়য়ৼঀ৾ৼৄ৾৾ঀ৾৾ৼয়	1
यद्वित्-ग्रुय-न्यूय-नर्स्य।	2
इस.स.स्रेर्नरश्रेया	14
ग्रिश्चेशःग्री:इस्र:मुस्र:न्त्र्न्।	27
यमः <u>वेशःग्र</u> ी:इस्रामःग्रुगःनवित्।	49
इयायवित्री:इयायायर्म्यायस्य	62
र्श्वेन:संक्ष्यक्ष्यः न्यः मुद्यास्य स्था सिव स्था सिव स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था	
ग्रुट्र-श्रेस्रश्चर्ट्य, स्ट्रिंट्र-स्ट्रिंट्य स्ट्रिंट्य स्ट्रिंट	93
व्यवःश्र्यरः अ.लावः सद्यः सम्बद्धेवः ग्रीः स्याया	
र्श्वेन	128
ঠ্ ` ` ব ॥ শ্রুমানা	132
र्श्वे र प्रा	
ষ্ট্রীস্মন্ত্র শৌর্দির বি ষ্ট্রীস্মন্ত্র শূর্য	143
श्चर प्रति सम्बन्धितः श्रेमः प्रति सम्बन्धितः	143
र्श्वे र प्रदेश्यक व के दा	
ষমানাক্তামানুর্ বিষয়ের বিভালনালন	153
देश'द <u>वे</u> द'ळ'स् <mark>त्र</mark> म्	160

#### र्यार.क्या.चर्षयात्राज्ञा।

र्श्वेर-अर्घर-श्रेय-गश्य-ग्री-र्श्वेर-।	163
ब्रैं र से क्रिंग पदे ह्या था	167
कें अः भुः त्यु नः चे नः श्रेनः लें स्वरु अं हे न	176
व्यट्यां भूते कु विट प्रार्श्वेर न।	189
श्रुवा भुत्रे कु विवया अविया श्रुवा ।	189
শ্লूनशः धः नविः ग्रीः व्हः ग्राक्षेशः नग्रानः ळग	
सर्केन्'यर'न्हेन्'य।	195
न्नरंतुःग्रान्यव्यात्रःहें हें रःहें रान्निराया	196
<u> </u>	204
बर्ह्र द्या है हैं र	211
यहरायमा हे 'ब्रेंन  स्थायमा हे 'ब्रेंन  यह कह से ह स्थेंन	233
नर कर सेर पंदे हे हैं र	246
ব্যথ্য হ্র ক্রিব্য ক্রিব্য	250
·	
শ্লব্যা-বার-ব্র-বার্থ্য-ন্যা-কেবা	
अर्केन् निर्म	259
মর্ক্র্রন্থর্ম-গ্রীম-শ্রুম-গ্রা	260

## भ्रान्य नित्र नित्

सर्कें र निर्देश	. 267
नहन् मदे व्याया अप्राचित्र के ना सदे हैं राज।	. 268
सर्कें र निर्देश	. 283
स्वयः त्रुटः वी वटः वाश्यः श्रेयः वाह्नेतः कु हुतः श्रेः वयः खुटः वी वटः वाश्यः न्यानः कवा	রম.
মক্ষমার্শ্বীন	. 285
	. 290
<b>芒·奇·秀</b>	. 340
यो:वेश.क्रेंश.श्रु.चवर्गा	355
र्वेट्शः सुदे स्र मार्विग् प्रकट् प्राया	. 389
श्रूयः श्रूदे द्वरं पाव्याः श्रूवः या	. 433
র্ষুম-মূর্ট-রম-দাব্দা-মূর-ম। অধীর-অমা	. 439

# अन्यः नकुन् प्रदेश्यवतः नुर्धेन् न्ययः प्रदेशः धेन् प्रदेशः अव्याप्ति । यहेन् स्रितः यहेन् स्रितः यहेन् । यहेन

सर्केन् निह्ना	451
বর্ষ'র;ঠ্ম'শ্বা 	452
<b>芒·奇·</b> · [ ]	464
लेशक्रिं क्रिं	469
मूर्या श्री यथर् । या	490
श्रुवा श्री	
देशेव रेप	553
धर व्हर क्षेत्र केव	558
, ,	

### सहर्पार्विते इसाबर सर्देर निश्रा

्रिं । ब्रैट.शर्युः श्रुं.पर्तितात्रिः कुष्यः यश्याः १८ : श्रिष्यः तार्ट्याताः स्रेषः षेभ्ने अर्द्यवा न वह रेवि द्वावा की वित्र त्या । द्वा नी द्वह सुवा वहस सर्ग्रेव् मुः संभी । सर्दे स्वायानसूर्य परे मुः सर्वे सेयान या। नर्हे द त्य्य्यः र्बूर्यासेर्यते स्रीतः स्रीत्र रहत्। | द्रायाः स्वास्ति वित्र रायाः वित्र राया वर्रेनमा विमानस्वामानास्त्रिन् वास्त्रामानमानवे वास्त्राम्य विमान्त्रमान्य विमानस्त्रमान्य विमानस्त्रम्यस्त्रमानस्त्रमानस्त्रम्यस्त्रमानस्त्रम्यस्त्रम्तस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्तरम्तस्तरम्यस्तरम्यस्त्रम्यस्तरम्यस्तरम्यस्तरम्यस्तरम्यस्तरम्यस्तरम्यस्तरम्यस्तरम्यस् न्वरावर्हें बावसुकान्ययाव वरायें वे रचा सुराव सुग्वे वा सदी का ही हो थें। १८८ (विवे कें र ज्ञु प्रार्थि कें श न कुर वा आ सरें न शर वी कें वो र वे श य-८८ वर्षाके नर-लूर-य-स्वर्शः हैट-रेट-ब्रुश्वाहा-हैट-ब्रेश्यर-ब्रूट-ल्यः केव नर्रे न कुन् ग्री वद कव न न न मा श्वा भी न में व कुन् न समा प्राय प्राय । वेर-व-दर-लिश्च-वर-धू-विश्वश्नार्षिश्च-वर्ष-दूर्व-कू-कू-वर्ष-वि-वीद्व-श्री-श्चेर्गम्बरमा वेरानाम्बर्भाग्चित्रम्बर्गस्य स्थान्य विष्यान्य स्थान्य *য়ৣ৽ঀ৾ঀঌ৾৽ৠৢঀঌ৽য়ড়ৣ৽য়ৄ৾ঽ৽য়ৣঢ়ৢ৻৸ৼ৽য়ৼ*৾৽৻ড়ৄ৵৻৾৽ঢ়৾ৢড়ৢ৾৵৻৴ৼ৾৽৸৻৴৸ৼ र्वेन न्ग्रं मन्त्र मदे छे । सुर्ने मर्भे न्यस्य सुन् ग्रुन स्था थी मो प्यते र्में न दे से तही न से सम्बन्ध स्व दहारी संस्था सार्थिय साम्या वर्यमा महिर्रेर्भग्नामः रेगः मदेः नद्रमः सबदः र्गः श्रुन्मः शुः स्रु न्ग्रां वहु ग्राह्म स्याप्त वा विद्या वा त्रूर:बेर:रे छेर प्रशाददेग्या त्रेर ग्री हेया ग्रवर ग्रय द्र्या सूत प्रवयः ळनाः से द्राद्याः प्रक्रियः स्ट्रात्याः स्ट्रात्यः स्ट

न्गुरार्थे हेराम्डेमायर अया धुराया म्बराय (ब्राहे न्तुरार् मेनर्भाष्टरः भ्राप्तसुत्राचरः ग्रुवाधितः द्वापाः भ्रुवाः भ्रुवाः भ्रुवाः भ्रुवाः भ्रुवाः सर्वेदे । गुराहेदाः व वह्यान्यवा वर्षा में दे रहे या नावर (वृषा यया क्यया में ना मया यह रहार र सर-देरशःसर-सूर। द्युर-वे हेर-महिमासर-द्वुशःमहर-द्रुक्षेत्रशः वश्चरः सहर् पर स् हेद दस है हेद गर है हेद गर है दि है दे पर है हिर से पर कुंयानविदानेन्दि । धूरायरायेन्यासळस्यासर्वेदार्यास्त्रान्त्रा विषानिवासारास्यासायास्य प्रायत्त्रास्य स्थानिता स्थान्य स्थाने सहयाभ्रम्य में हैं हैं जिया से हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं है से साम है सा ग्रीमासहयाद्याद्यापीमानिमानिमाने । वियादह्यामासहदा हेटापासुट हिंदा सर्वायानुसासर्द्ध सामुद्दा वर्षसासुद्द्रासर्वा भूवरा मुन्या मुन्या न्नरःम्रेरःश्वेरःश्चेरःश्चःविवानवव्यायःशःशुःन्द्र्यःशुःश्चरःहेःवाश्चरःयरःसः त्र्या वर्षात्र न्यात्र न्यात्र न्यात्र मान्य न्यात्र मान्य न्यात्र मान्य न्यात्र न्यात्य न्यात्य न्यात्र न्यात्य न्यात्र न्यात्य न्यात्य न्यात्य न्या नहुन्यराहे न्देशनान्यायर सुराहे खुरानसून नान्या वे नेवे हेर हुर न्ग्रामदे छे अ हे र ख़दे हे द हैं जा अया हो नदे न है। जाद अ न मया ख़द न ग्रा न्त्राञ्च अरावी क्ष्राची र विवाय। श्री अरा श्राप्य कुष्यी वर्षेत्राञ्च आश्री सर्वेदे दुर्द्व स्वा निक्षा निक्ष के स्व निक्ष निक्ष निक्ष निक्ष निक्ष के स्व ह्रेन् डेन् सूँव केंश मध्याय द्वाय नुय नर्गे होन्यून प्रत्य होन् ह्याय ह्या न्त्रां केरान्त्रेश्यायान्त्रान्यस्त्राचेन्यके नेप्रयार्के सुर भुः रगः द्वरः के अः ध्वः दगे क्वर् दुः च क्षेत्रः दशः सुवः दुः द्वरः विषयः नेन्द्रमुराष्ट्रम्यार्था में निरास्त्र देता स्थानित्र स् वर्षे दरा इस्राचन्द्रभूवसाद्राधार्ये स्वाकेराष्ट्रवासाया ग्रुटावराव गुरा ि जेवार्यान्यति वार्यम् सेरार्थेन स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वर्णाः विवायाः सहतः मश्रम्भार्केरकेर्न्या वर्षेत्रवार्ष्ट्रिया न्व्रत्यां सेवे केंद्र्या केंद्रा केंद्रा केंद्र्य के प्राप्त केंद्र्य के केंद्र्य के केंद्र्य केंद्र्य केंद्र वरःग्रेवाशःस्राभेरःधेवःक्वतःश्चीःर्देवःध्र्याःसःसेन्यरःस्याशःसुःस्ना ने न्यान बुर अर्ने कुन जार वा जावे जाया कुन कुन हित कुर बुजाया वा वळर न चुरा केंश मूर वर्चे व पवे भूतश ने न मा ह भू कश न मे व में व्हरक्षे अव अ कुर अद्याप्त वया प्रवेश पार विषय । द्याप कें हिरानि नरायहें वाया यर दीवा हु सेन्या इसानि नियो सेरादी रानी नगदम्बन्द्रम् वर्षेयः द्वर्देन मेथला वेषायं नवर श्वेर में रूर कुर क्राययाकेरामुग्रायादेवायाद्वारिकेरा। वरायाहे वहुवायाद्वारावे येग्राया हे स र्श्वाय में प्रत्य सहित्य सुर्य प्रयास्य हमा र्में प्रमान है गदे वर याय अर्दे अर्थ ग्राय दे ग्राय हे ग्राय हे न् श्री द हे ग्राय स्वाय । गर्वर-दर-अव-रमा-र्-अन्य-श्रुर्य-विरा श्रु-दर-श्रुव-रमान्य-अन्य- स्वार्यं क्षेत्रः विवाद्यं स्वार्यं विवाद्यं क्षेत्रः विवाद्यं वि

न्तुर्के र्रेन्यु स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान

र्से हैं स'संदे 'द्र् 'तर्ड्ग्या द्र्यार से रियार में है स'स' स'से 'से स' में 'से र म्यून' सवतः क्षेत्रः क्ष्यं स्वायः सम्भा न्यू दियो दि स्वायः सम्भावे स्व न्तु-अदे-अवद-नुर्-छेद-छेद-र्स-स्वाय-वाहेर-अह्न-वह्मया हे-श्रेन यद्यामुयामु सर्वे यान्युयाळ् दानु र्ये दाने यादा यदानु न सूया मुदि हा क्र्या.यक्क्षम्.सर.यन्त्री यावय.लट.येट.क्य.तम्.यी.र्मुम.तप्र.सक्य. ८.वीश्रेश.सर.कृ.शुर.ग्रीश.चभ्रैया.ह्र्य.स्यातग्रेवा.सवत.र्नुर.क्र्या.पत्र्यर. खुर्यायाने सहित्। निराभ्राया स्वाम् सर्वेदे मुख्या भूदे हिराया ने खुर्याया थी. वह्रमान्यान्य सुनावन्य सहित्। ने सून्य न्यान विष्ये मासुसान्या स्वास्त्र स नरःरे र्वे द्वे देवे या तु श्रुवायाया हे वाडेवा तु वार्वे या डेटा ह्वा या दटा खूवा यदे खुः सर देवि वया ग्री ग्री शहे अर्दे त यर है ग्री शायि क्रीं प्रति में स्रवतः त्रायाः यावरः।

क्ष्यात्वीर प्रमान क्ष्यात्व क्ष्या प्रमान क्ष्या प्रमान क्ष्या क्ष्या

यासे सम् हैं वि १ २ ० २ वि स् मृ कदानी त्रासर है वदान त्रें नवद के सार्वा नर्भेशके रूट हेट से केद विनय दुट में पिट पर से स दय हुर न विनय सहरा रे क्ष्र-र्ग्र के के राग्डेग क्ष के गाड़िक नर र्गुक गाड़िर न्ग्रान्से से मुस्याद्यान्य स्वास्त्र स्वास्त् য়ড়ঀ৾৾৻ঀয়ৢ৾৾৻৵৻ঀ৾৾৻৾৻ঀয়৻৻য়ঀ৻৻য়ৢঀ৻য়য়য়৻য়য়৻য়ৢ৾য়৻য়ৢয়৻ড়ৢঀ৻ सबद.लश.सपु.मु.च.चश्चेंच्या र्चीट.चेंट्श.ट.चेश्रीश.स.कैंचीश.पचैंची. वयानुवादुःयासे सवा वर्षे सराञ्चा साम है । साम है या से है । विशेषा श्री राष्ट्रिया है या श्री राष्ट्रिया राष য়ঢ়য়ৼ৾৻য়ৼ৾৾৾৴৾ৼৣড়৾য়৾৻য়ৣ৾৾৽ড়ৼ৾৻য়য়৾৻য়৾য়৾য়য়৻ঽঀ৾য়৻য়ড়৻৻য়ৢ৾য়য়৻য়৻ नश्रवायाक्त्रायम् सहन्त्रवायाम् अन्त्रम् अन्त्रम् कृषानदे खुरावी वाचेवायदे र्देश है के दर्भ नग निया प्रिया हिया हुना पर्ने नया परि न्याया नन पान्य र्नावव्यस्याम् म्यास्य स्वास्त्र स्व चुन। वुन्यश्र्यश्रम्पन्तर्नमः विश्वः स्वायः विश्वः विश्वः विश्वः व सरमेंदेरविर्दर्भरावर्थाने सर्दे श्चर्त्र स्वाया विषया रवा हुर वह यहिश्रासदे..श्रासराङ्गीक्राक्षाक्षित्रक्षेत्राचित्रास्त्रीक्षास्यान्त्रना न्ग्रां के विष्या के या विषय मार्गे के स्थान के विषय क गर्डें में दी विकेत नगे पन्त सुद कें गुर्श विकेत नग नगर सकेंग ध्वा बियायास्यार्यार्यार्थयाः विया यहसार्यिरयायरे यह हैं है। हैं हैं। वबरार्देवासुन। बरायमायाद्देयासुनासुन्यस्ति। विम्यार्देवाधेदायम्या युनःश्रेमश्रापितःषुः सरा देःषुराशामश्रुशःश्चीःश्चेत्राशेःमविमासःदेःष्ठेतः सुन्द्र्या ग्री महत्य निष्य निष्य महत्य प्रत्य प्र

### सर्केन्यर निह्ना

न्न | वि.सू.यी.ये.सर्हे.कू. उ. ता

### सम्बेद-पश्चारा नसूत्रा नर्से स

......वहिश्यास्क्रिं रावि कुश्यायर विन्दाराया द्वर दु हो द्वारा कु यह श दर। वह्रवःयःकुःवज्ञश्यन्वदःयःगिष्ठेश दरःर्वे त्या दवरः रु होदः यदेः क्रिक्याह्मार्श्वराना वर्ष्याति हेर्स्ट्रियात्विया निर्माणा मक्रमभाश्चरानाद्या येद्वेराम्बुरानभ्दायाद्या भ्रमभानश्चरानाम्यम ८८.मू.ये. वर्गकातम् वयमा २८.मिष्टेया हेरा पश्चात्रा स्थानिमा मंद्रीन्नर्न्, व्यानदे द्वीरायर इसम्य वसम्य उत्तर्यसान्द मोद्री स् यानसूर्यापदे रे विया मध्या उदा सिंद्ये पारे दे पार्य से साम हो दाय थ इसारागुतासर्देवासराह्मेवासासराहेवासासा वेसाह्या वदीवावर्देसा लर. वर्रे. रेटा विश ह्रियाश सर. लूटश शे. यक्षेत्र रा. लुया हे श्वेश राशः सिंद्रियाम्बुसानन्तर्वेदायरानसूदायाया देखासेससाद्वरायदे धिरः भ्रें सार्ख्या है। क्षातु न्या प्यें ना छे ता भ्रें सार्ख्या नुः सार्धे ना ग्रामा होता 

नदेः खुवः नु न सूर्या द्रशः क्षेत्रः य र नु न न । य वि न वि स न वि न । य वि न वि स न वि न । य वि न वि स न वि स यहिरायाची अनराप्टार्यायाख्याप्टायाख्याख्याख्याची स्रामार्था स्र वन्द्रवा अवश्यविष्यपद्दर्द्द्रसङ्ग्राङ्ग्रीयाविष्यप्रमान्यपद् नश्रमा के शामित स्वित महीत महीत स्वाप स्वा क्रयमा सुर त्रु द्राप्त में विषया या द्राप्त हिंदा यदि । क्षेत्र यदि । सुर हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा यम्। बस्रश्रास्त्रित्रासाहेत्रामाह्यसार्धेर्म्श्रास्त्रीम्वेशासात्रान्तरानु । ध्रेरः परः इस्रायः वस्रायः उदः दरः यसः दरः विश्वेरायः वस्रुः वदेः क्वेरिक्षा क्रियायासराक्रेयायाया वियासी जिस्सुयार्चयानययानुस्याया नश्रम मुन्ने में के ने ने निर्मे के ने निर्मे के निर्मे के निर्मे के निर्मे निर्मे के ग्रे-ब्रेंद्रकेद्र-ब्रेंब्र-च-द्रा अद्विव-वाशुक्ष-क्रे-ब्रेंब्र-च-क्रेवाक-द्र-क्रेंब्र-यसंदिर हिंद श्रेस मुद्रा गरिया त्या सिद्ध गर्भ सं श्रेस श्रेस साम मुन्य द्वा ङ् : इ.चोश्रेश.धु.रैंचा.बेट.एचेल.मु.र्ह्यूर.चटु.लेल.र्टे.चर्क्य.पंश्रक्ष.प ह्नियायर नर्से यायया वास्याह्मिया ह्रीर ना वेया निवास प्रेस प्रेस है। दम्रेयानमः इसामाम्बर्भान्द्रान्द्रायसान्द्राम्बर्भानदेः र्से न्यावयया उर् यद्वित या हेर् या श्रुया स्यापर होर् यया द्या या गुता सर्वायर ह्वाय पर ह्वायाया वेया वास्त्य परि स्था वेयाया वेयाया सम्प्रताम्या निर्मात्र सम्प्रताम्य सम्प्रताम्य सम्प्रताम्य सम्प्रताम्य सम्प्रताम्य सम्प्रताम्य सम्प्रताम्य सम् गुरुषायास्त्रवयद्विद्वारायाम्बुसायस्य द्वार्यायाचे गात्राद्वी विद्वार यर्नरायरास्रिवानाशुंसान्तीः ह्रसामान्त्रसामानस्रवान्यस्य देन्वन्तः नत्तः द्वः सः नाशुस्रानसूतः सः नेदेः स्तेन। वर्नेनः ता ननः सं माशुस्राननः ह्वेसः

भुवार्धनाम्यान्त्रा । पर्देनामित्रीमा विकार्द्धनास्करासमा प्रमेषा केव यथः भरावस्य उर् सिंहेव राष्ट्रेर पाशुस र्र स्मारा गुव सर्देव सर ह्निश्रासरहिन्श्रासदे। हिन्यरंग्रान् विनाधित विन्ता विश्वार्श्वा दिन्यार्श्व ग्री के तर्भे । तर्भे ना तर्भे । ज्यों के त्रा देशे क्रिका के तर्भे तर्भे दर्भे । दर्भे ना शुक्रा रुं विश्वायस्य श्रीसार्विशायम् श्रायदे के दार्थ सानु मासूत्र के दा। निवास प्रदेम ने क्रम्यायेत वि त्रे के न न् नम्रुव मि ने मि न में जुन में। वर्षे या पाना वस्र र र सिंद्र सिंद्र मिश्रुस पेरिया शुः ने या सिंद्र मिश्र सिंदे ब्रेन्द्रायाद्या द्वितः स्रे। ने प्येन्या शुक्तियायायया स्रेसाय दे सुरसा ह्या नि हीर-व-लट-अ-विच-क्री दट-वें नशुअ-तु-लट-कें रेंके कें अन्त्यान निद्निकें धेरा गहेशरा गुरा हो वर्षेया रायश द्वारा त्रु गहे । वेश दरा वस्यारुट्रसिव्यारित्रपारित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित्रपार्थित् ब्रेन्द्राया विनास्री ने या स्रेसारा यया हैया नयस विया परि सुरसा चुरा वदे हिर्देश्वर तरा विवासे। दर में विश्व अर्च विवाद से स्थाय विवासीय गुःसःधितःसः न्दा वदेनः नभूनः सदेः नक्ष्रसः गुःसः न्दः सं ग्राह्यः ग्राहः स् नुः सः नश्रुवः सः से श्रेवः सदे र से हो। इसः न विनः स्था दिनः न न र सुः सुः स नदे हिर वेश य दर्ग वेश य देश विर न सूत पदे हमाय हिर नेश क्षेत्रायासाधितायदे त्यसान्दाने त्यसार्वे वायासी श्रीनायदे श्रीमार्चे । विसा ग्रुट्यामंदे भ्रिम् नल्द र्ख्यादे ग्राह्म द्या स्वर्भ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर गशुअःग्रीशःग्रदःर्वेशःनशयाितः तः नश्रुवः सः ददः। निवः सशः श्रीयः सः विः तः नभूत-मासाधित-मदे-धुरा ८८-में गुन-भू। देश-भूर-निवासर्मेट-भूसासा वड्-वन्द्र-प्रदे हिन हिन है। दे प्रयः केर हैं सारा वसूत पाणेत परे हिर है। यदार्ह्य नम्म श्रीम लेग मार्ने क्षेत्र प्रवेश मार्ने श्रीम हो दर्गे द्या

वर्गेतात्त्रा विषयात्रात्याक्ष्याम्यायात्रात्रस्यायराम्यवमारात्रे सूर् सर्देव:र्रे.ररा वर्गा गेथे तारे नया सर नर्षे व. सह र्रे. गेर.रे गे.वीर.की. श्रेश्रश्चात्रव्यस्थ्रश्चात्रव्यत्त्रव्यत्त्र्व्यत्त्र्व्यत्त्र्यस्थात्रव्यव्यत्त्र यर.व्या जुर्वायायरायवीरा वि.पूर्यायरायया लुर.ग्रीयाज्याया यर नहग्रा अर्वेट प्रश्नित हु हैं ग्रायर ग्रुश द्या दे ग्रिग ग्रु न् नेत यर वर्गा है वर रु प्यर द्या नव्या व्या व्या मुख्य स्थित हिन है। नेतर्हेन्यायायर ह्यायायर स्वायाय स्वाया हिया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया नभूता वरः रु: अवः करः ग्री अः विः भूगः भूतः स्वः निवः निवः वः इस्राचन्द्रात्वमा देःद्वाः इस्राचन्द्रमः चर्मा चीराः चाराने सामा चीराः या भ्रमान्य में मान्य ने मान्य ने मान्य में मा यांवित्वाधीवार्वे विशामाश्चरशासदे श्वेत् इत्वाशामहेशाया श्वाना श्वे अदशः क्रुशः नश्चेतः दृदः गुतः वद्देः दृदः। । श्रेषाशः सः वर्षेषः दृदः। देवेः बदः ग्रेः सर्ने देव रेपेन संवे श्रेन सर्ने श्रे क्वित संया वर्ने व निर्मे स्वे संया महेव वसार्ख्यानविवाधीनायाचीनायावच्या । विवासीयावाया यथा है सूर येग्र सर न यथा पर है कि सारे दिया है द र्थे द रा है द श्रेश्रश्राचार मेंश्राधेर या होर प्रदेश्रिश्रश्राभारी वर र मुक्त कन्या शुष्पेर या ग्रेन्स्य धेन्य ग्रेन्द्रि । वया वियावयावयावया वेयाग्रुन्य पदे मुर्म देशस्यस्य निर्धायन्तरः यथा विदेशः गार्मेशः नश्यः मुर्थः नेशः सरः ग्रः नः नर्सुयामराग्रानाधीदामयार्चेयानययान्दानुययायोदाग्रीगात्दार्थे सेरा गर्डेंद्रायात्त्रस्यायात्रस्या उद्गार्त्या देवाया स्त्री । विया गसुद्रस्या पदी श्रीमा पदा षिः देवा व रे। दरः में वाशुसः दरः वाबे समः ह्वें सः क्वें व स्मेर समः वया भ्रावसः

दरमें मुश्रुसर् अधिव मश्रुस मी इस राम मुर्ग नर सम्बर् हर। नर्व यर अद्वित गार्श्व भी है अर्थ गार्थ यर निष्ठ र शुःदबर् तर वतः सैर्यार्ट सूर्य क्रियं र क्रियं ये के क्रियं ये के क्रियं ये के यःगुरुःसहिर्यस्याययः वर्षित्। गुरुषः यरः वस्ते वासीः देशियः गश्यास्यायाण्याः इसाराप्टा गश्यायरागविः वेशाण्याः इसारास्यव्यः र्सुयोशः श्रासंबंधः स्त्रियोशः ग्रीः योष्ठिः श्रीशः श्रीशः योश्यः ययः ययः ययः ययः स्त्रीः बुराहे। इसानम्दायमा भूनमाद्दास्य कुत्वमान्द्र देवे देवे कु इस यन्ता महिरायस्यसम्बर्धसम्भः इत्यायन्ता महिरायस्यम् मिर्विश्वराम् इस्रायाम्ययान्यस्य विदायदेः द्वीरः र्हे । विसामस्य स्रायदेः द्वीरा परः न्यूयान्यार्भ्यायदे देन र्यून श्री केन से पि डेगान से । .... से न्यू याया इयायानकु नत्तु इत्नाशुया है दिन दुन स्थात्र स्थाया दे। यहित ग्रुयानस्यार्भ्याम् र्देवाधिताचेराते। इयानन्यया र्वेवामी र्वेन यान्यामानि देना त्रो त्या देयात्यायह्या नवना हु वि खूना हुर दह्रेया ही र्श्वेर नश्च स्थावर श्वे नश्चिरा तृ राष्ट्र शाय श्वे सामा सिवा नश्चिरा नश्चिरा नश्चिरा नश्चिरा नश्चिरा नश्चिरा मूर्याम्नी ह्या में विश्वासी विश्वासी कियामी के निर्माणी के निर्मा श्री ह्या या प्राप्त स्था विश्वा श्री या श्री श्री ता ये विश्व स्था या विश्व प्राप्त स्था या विश्व स्था या विश्य स्था या विश्व स्था या व महेशार्धिन पर हिन रहा वर्तेन या ले खूमा बुदा वहेला ही क्षेत्र प्रवेश वहेता सूर्याण्ची:धुवानु ज्ञुयान्याः क्षेत्रायान्या ने व्हर्मा से स्वायाना न्याया यर वया हिंद शे नक्षा क्षेत्र शे या शे पर्दे द ख्या देवे शे पर्दे द वा दे पार तुरामाधेत्रायराष्ट्रया दे सूरार्श्वेमायायाधेत्रायापादावेग के र्श्वेमायायरा याधीवानविष्ट्रीय। नुदार्थियानुनाव। क्यामाने नुनार्श्वियानवे क्यान्ते । गठेग अन्य पर्देर न वर देग्य पर प्रया अन्य पर्देर ह्या या ह्या या

यर रसासासुरायर क्षेत्रायदे भूतराधेत्र पदे ही र वर्दे दावा हमाया नस्यात्राः क्रियापराचया देवे ग्रातः हैन ग्री ह्यापान कु इ गिर्देश ग्राटा र्भेया र्नेन-नया ग्री क्याया नत्न स्व स्व निष्ठित ग्री वर्नेन सायदार्भेया सर वर्देर्-रावे मुन् ह्याय से से स्थापय सुर्या वर्देर्-तः वर्गेय पवे स्थाप बेव सूर ने सूर क्वें या या यहिव गार्य या सूर्य क्वें या ग्री ने व प्येत प्राया वर्रेर्न्यदे हिरा वर्रेर्न्ता रेन्न्याक्रयक्र क्रेंग्यश्चरान्य क्राक्ष्य यासिक्र मार्थसान्ध्रमार्स्स्र साधित्र यासी त्यत्र प्रमा स्रमान्य निर्माणका इसायासासुरायान्य त्रायराकुरायार्श्वसायराक्षेत्रायराक्षेत्रात्राचे सहरामा से प्रमाया प्रति से सामा स्थान से से सामा स्थान से सामा प्रमाय से सामा से साम से सामा से सामा से साम सा यायान्त्राचा दे से क्रियाम निवाह से प्रायम प्रायम प्रायम कर यश्राह्मायहेत्रश्चाश्रामीत्राहेत्रध्राह्मायाञ्चेत्रायराम्पूर्णान्य वयाता वर्ग्रेकारावर्द्रशाग्रामाने स्थानमान इत्यावा इत्यानमा वनायानवे भ्रेम नरमें नुना है। है सूरायश है ज्ञानी है सस्त्र हैं न्या गरमी गहेन रेवि अळन हेर गर धेन सही दिने र न हमा धर वहें न स यासी ह्या याया सँ या साम विवासी विका या सुर साम दे हिमा हिमा से चिरःश्रेम्यान्त्रे स्थान्य। वेनानयूयायय। हेन्स्य स्थान्यायाः सूर्यः मसेन् । हेशमंदिर्द्वाद्युद्दानदे सुन् गहेशमा सुनः हो वर्षेयामायश ह्ना-ध-व-र्शेन्। श्रान्य-प्रदेव-ध-श्री-अन्तुव-धवे-र्सेन्। या केव-धेवे र्रोवे र्रेक् *क्षेत्रः* ग्रेन्स्केत् अरह्मायाया अँग्रयायायात् अग्रयायाय स्थित्रायी क्षेत्रायी श्रेन् व्यमः इस्र स्वरं से देन दुः इस्र स्वरं न्य विष्यः विष्यः विष्यः गुरुद्यापंदे हुर गुरुयापा गुरु है। इतर गुरि वियापा थी है। जुन इसमा विमा श्रमाञ्च नत्त्र प्रमाञ्च पति। श्रिमाञ्च हार्गा प्राप्त वर्ति । इस्रायस्य वर्षः दरार्देव वास्त्रस्य वर्षः स्त्री हा हिनः स्त्री है सी इस्रायदे प्रते न ते स्वाय प्रत्य स्वाय प्रति । विश्वाय स्वाय प्रति । विश्वाय स्वाय प्रति । मंदे हिमा गावन पर हैं दिन द्या मंदे ह्या मान्तु हु हैं दिन ग्रेग हिया द्या क्रॅ्र-पर्देन्द्रियाश्वरदेखेख्या बुर्द्ध्या स्ट्रियाश्चर्या स्वरूप स्वरूप वरायायर्रेरायापरावेदार्धियाय्यरायरायया वेवायावास्यायीः रेवाया देश'गशुभ'य'र्श्वेर'यभ'भ'र्वेन'नर'नर्ग'भेर्'स'रग्रागर'तुर'नी' व्या सर्वेद विन प्रावया वर्षु र नवे सुन्य साधिव प्राया के विदान वे से र है। ग्वान्त्रायमा र्नेन्या म्यान्त्रायामा वेता र्रे र्रेन्या मेनेवामा इसमा षाश्वरानार्चेनामदे हिरारे पहें बादराने शास्तादरा सर्हरशासरा स्वतामा र्टायक्यास्त्री वियाग्रह्मास्त्रेत्त्रीम् वियास्त्री श्रेमार्क्ष्म्यार्स्त्रेमः गहेशाया बुदार्से इन्द्रें निवे क्षेत्रा चुदार्से इन्द्रें निवान वि क्षेत्र यसाग्री भित्रायार्से मात्रायासायासे दायदे त्यासाभितासदे हि मात्रा मात्रायात्रा यश र्रें र नदे थेत य र्कें नश ही स थेत म थे र ने वित्र नश्मी स रदे देश'यर'वर्ग्चेर'यवे'ळ'दर'अष्ठुव'यवे'द्वो'ववे'ह'व'ह्यश्राने। दे'वे'र्दे' वरः ग्रूरः यः प्रः विशः श्रेवाशः वश्रुरशः यदेः द्वेर देः भूतः त्र वश्रुरः नेवर्त्रः क्रेवर्र्से प्येवरहे। वेशस्य वश् यश्रा ग्री इस्य मावमा ग्रीन्स स्या द्यार् बरार्ट्री विश्वामाश्चरश्चारा होता श्रितार्ट्ये वायार्पायायायाया सेन् दुयः पदःवेशः शुर्दे । पदः विषेत्र महोत्रः मशुसः ग्रीः इसः सः यः द्वादः र्चेन:धुर-तुःसिद्धेत्रःगशुस्रःग्री:ह्यायःनस्यःत्रशःक्षेत्रःयदेःसेस्रसःन्यदेः क्यावर्द्धिरादे। क्यार्ट्स्यायार्श्वेरायवे सक्वेदाहेदावेरावः ग्रदायेसयार्श्वेरा ययः यदे : कुर् : ग्री : यष्ठिव : वाशुया ग्री : इया या या दिये वा या या ये वि : खूवा : बुरः वर्तेषान्ते हैं हैं रहें भारत्। सक्त हिरारेर वया इस हैं नश हैं राता पेता विर्देर्भवे भ्रेम वर्देर्भे त्यात्रात्र देवे इस्यायाया द्वर्भे वासवे भ्रेम देर वया देवे इस साया दसे वासाय दे वि भ्रूवा केंगा स्वी हा हिन स्री दे वासेस्रान्वनान्द्रिन्नित्रर्भेन्न्युन्त्र्यार्स्राव्यद्रावर्मे वासानस्य यर शे पर्यो परि हीर है। यस रेस पर्या र्या रेस पर्या प्रथम प्राप्त र सेस र यः द्वरः वश्चरः कुयः वें स्रे। विवर्षे व वार्षे से दः रे प्रे द्वरः वें विवर्षे | निष्टात्र द्रेगे निर्दे द्रियायाया मुद्दाया । देया मुद्द्या । देया मुद्द्र्या । द्रिया मुद्र्या । द्रिया मुद्द्र्या । द्रिया मुद्र्या । क्यार्ट्रेग्यार्श्वेरायाधीता वेरात् द्रिया क्यार्ट्रेग्यार्श्वेरायाळे या उत्। हिंदा कुर्वे कुर्वे कुर्वे विष्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे किया स्वर्ये किया स्वर्थे किया स्वर्थे किया स्वर्थे किया र्षा ह्या श्रिं र य केंट्र केंद्र की यह वा लेंद्र स्था वियासर वया र द्या चरुत्वन्यते भी पर्नेन्त्र। क्रेंन्सेन्स केंन्स केंन्स स्वीया स्वीतः से सका प्राया देशरावे देग्या उत् ग्री ग्रुट से स्था द्रा द्र्या देश हें ग्राय स्व सेंदर सेंटर गै। गुर शेस्र मा शुसारे रे व्या कें या उद्या हेर मा देवे में यहें दा वा सक्त से दः र तः तुः श्रेत या स्वाया । विया परि दिस्या न सूत परि दे र शुर यदे दे प्रीत सम्बन्धा वर्दे द सवे ही मा वर्दे द सी तुरु है। दे द्वा मी प्रस इसशानसूत्रान्यानवे द्धारान्ये अत्यसूत्राचे रो देरानय। कुतावदेरा केंद्र-त्-नु-नवे-म्य्य-नु-द्वर-ह्व-द्व-द्व-देग्य-देय-मु-य्य-नर्श्व-द्वयः यक्ष्यं स्वर्त्ते स्वर्त्ता विद्यान्त्र स्वर्त्ते स्वर्ते स्व

महित्राम्यस्य स्टार्श्वम्याचेनाः नृत्यस्य स्वर्णान्यस्य स्वर्यस्य स्वर्णान्यस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य स

नन्द्राचे भी द्योय केत्रयथा विकेषात्र में मार्थित मा केट्राम**श्**यादे हे भूट्राचल्ट्राचये द्वयायया द्वयायये पुरार्थे सेंट्रियाया षेवाया क्यायागुवायर्वायमाह्यायाम्रहेग्यायावे क्यायायास्य यदे पुरा उत्र प्रेत हो। वेश यर्दे द है। विश म्रा स्व से से यदे ययर नहें न दुंयान्य ने में अपना नहिषाना है। नहें न दुंया क्षा बिदा न्वें अन्यन्तर्भे वाशुअन् सें सें संस्थानिक केन्ना वने सहसामासा सुर्याया मुद्राया के वार्या क्षेत्रा स्ट्री प्रवर मित्राय मानु प्रविष्ठे मान्य स्ट्रीया इस्राचन्द्रात्यमा स्राप्तराकुराया वेस्रायात्रमा वहेदाळ्याद्दाद्वेसा यासी यह नवे से हो विकाम सुरका सवे से हा हमाना महिना साम है। हर र्ये माशुस्र नु सिंद्वेन माशुस्र की में निर हमा सिंदी साम निर प्रदेश सिंद्र नश्रम के क्राया सारा स्था राष्ट्र के नाम के यदे हिराहे। दर्मेया केतायमा मान्तरमा ते मससा उरासहिताय हेरा गशुमाने मक्त हिन्य हिन्द् इस मर नवना या इस मा गुन सर्देन मर क्रियायायर हिंगायाया है। क्रियायायाय है या वित्राया हिंगा वित्रायायाय है या वित्रायाय है या वित्रायाय है या वित्रायाय है या वित्राया है या वित्राय है य म्रे। ने सूर्य मुर्देश नुदेश पुष्य के या पार्ट मुर्देश नुर्देश मुर्देश के या प्रे र्वेश्यासाक्षी निवासामित्र विश्वास्त्र निवासित्र में मुन्यान्य मुन्यान्य र्याम्बुसान्याद्विताम्बुसान्ची सळ्वलेन्ने सावसान्यस्य सम्मुन्यते छेन् ५८। अन्यादिरःश्रें याचे ५ थी श्रें रामले या द्या श्रें या परे के ५ ५ ५ ५ ५ ५ यथा वेश मश्रुद्रश सदे भ्रुद्र दिश मध्रुत स्था भ्रे मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार बिर-नर्गेश्वरम्थ्यान्द्रभाग्वेगास्री नर्सेश्वर्ग्वरम्स्रीयानुन्रम्भेत्रानुन् नर्यात्रात्रादे महिराने यात्रामहिरास्य स्टार्स महिमा वहेते

र्यायम्यान्त्र इसामन्द्रात्यमा देन्त्र द्वीसिन्देन् मसूत्र मर्थे क्वा सेंद्र हेन्त्र न्वें रामान्त्र प्यत् प्रिन्य स्ट्रें त्र मान्ने वे रामान्त्र रामाने स्वारा गशुरायामुनासे। नदार्थे गशुरात्या होता गशुरा नदार दानी सुदा हु नदा व्याद्ध्याने शावशार्श्वभाषान्ता निल्यम् भाष्यमुक्ति वार्षान्तर है गहेत्रास् र्रे र्रे र्रे र पे यात्र रार्ड्डियायदे के दार्त् न सूत्र पदे ही र है। दर्शया केवायमा यायावे द्वरामागुवासर्वे नमर्हे गुरामर हे गुरामावे से सबुद्र-सदे सुँग्र १८८ माहेद सँ र नव्या प्रश्न र न ह सु न प्रोत्त । वस्र १ उन्'सिंद्रेन'मिंद्रेन'मिंद्रुस'दे'स्न्'निंदेन विद्या के सिंद्रेन सिंद्र सिंद्र सिंद्र सिंद्र सिंद्र सिंद्र सिंद धिराने क्षान्य साधिव के विकायक निर्मा विकाय श्री विकासी ने ः सूर्यः के र्सूत्र रहेत्यः के गाठियाः यः ५८: ५वीं का याः सूर्यः यन्तरः याहिकाः का धीतः यदे मश्रुमान चुरावदे भ्रुमा देरावया दर्ग श्रुमानुमान स्था यदे छेट्-ट्रमहेन संदे इसमायास्य स्थान स्थान सम्यास्य स्थान स्था यन्तरायमा यदेराधासम्बद्धाम्यायास्य सामान्यायाः स्वर्थानाः य-दर-ज्ञय-विदे सिव्यान्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्व याद्रश्रान् वर्षायाश्रीरशासदात्रिम् नेशामाने स्थायने नियमा क्रियाश्वाचियायन्त्रः द्वा

चेत्र न्यू अप्यास्त्र विषय् विषयः व

गशुरामार्स्टिनामार्सेनामार्मिनामे सूनिहिन्दि सूनामिरास्ट्रिया मदे नुर सेसम ग्रे क्रूर यस र्हेर केंग उत्। सन्निर मही सम ग्रे माना स वया इसाईवारार्श्वेरानाधेवायते श्वेरावन्वेताता याहिना याहिना याहिना द्यार्श्वित्रार्श्वेर्राताधेत्रत्वे व्यान्त्र्या न्यात्रेया मुकार्या न्यात्रेया मुकार्या न्यात्रेया न्यात्रेया यं क्रिंस प्रशास्त्र मार्था दे प्रीत त सिन्द मार्श्व सामित सिन्द स नेशन्तराष्ट्रीयाचेत्रप्रयाष्ट्रतायदे द्वीत्रात्रायाष्ट्रताचेता वर्देत् से त्याह्न दे सूर बेव केट क्रें या या या यो वा यदे के या यथ या ही क्रें वा टार्टर है ही रायदे क्यार्ट्यायार्थ्ये रायार्थे रायादे से राया देया देया विद्यालया वया वर्ष्टित । अर्बेट्टर्स्स् अयदे यस हेट्या । यट्ट्रय यह से सम् न्मा विह्यान्मारे अस्ति वेशाम्ब्राम्याये द्वीमा यम्प्रे स्था ह्रियाशः श्रुरः नः स्रेनः नदेः यादः वया यः विः ध्रयाः स्रेनः स्याः श्रितः सरः प्रया अद्वितः गशुस्रानसूर्यार्भेसान्तेन्। पदि नुहार्यस्यायाने विनास्यान्नि। पदि स्रीम्। नेरावया अधिवागश्याग्री ह्यायान का निर्वाश्या विष्या विषया व स्वायाक्रेयत्वित्तः स्वायाः विश्वयास्य स्वायाः स्वयाः स्वयः स्

### क्याया सर्म्या

भ गिहेश्याया। इस्यार्ट्याश्चित्राचा श्चित्राचा श्चित्राच श्चित्रच श्चित्रच

वें गान्वहेवा इप्त्रोय नुरा क्र्रें राज प्राचित्र स्वाहिषा पर में वै। ननेव नविश्वस्थायदे नवि से ह्ना स्वा श्रामा स्वा नियाय व्यास्य नियाय दमाया ह्नु : श्रे : समुद्र : सुँ मे शादे : दरादे दे : दमाया ह्नु दे : हु साम प्राप्त : प्रे से शा र्केश उत्र भे समुद्र में पार ने निरमें दे पाहेद में दे सक्द हिन पीद है। भे सञ्जर स्थित अपने प्रत्य देश वार्य प्राची वार्य प्रस्था वार्य प्रस्था वार्य प्रस्था वार्य प्रस्था वार्य वार्य प्रस्था वार्य वार वार्य इर्देशावनायान् विनाशानवे केशाना धेना मेरे हो मा निमान सूना निन ह्नायद्देव श्री क्रें पर्देन्य अप्टर से ह्नाय पर दिस्य स्त्री हेन्य अप्टर है अप्टरन्य नविवः रटानी से समुदार्से न्या रा ही र हैं न र हो न हो ते हैं न हिन है न स्थाप स्वर यदःस्वितःगश्चानार-द्रदःहस्याश्चान्यदःसदःस्यस्यान्यदेःषोःवेत्राक्ष्यः सळव हेन भीव है। ने दे पहेंचा होन भीव पत्रे होना चाहेव में भी भी भा ही इसामार्केशाउदा इसामामाशुमान्। वर्नेन ने वारामी इसाउदागादा महिता हेन्दि मशुस्र न्देश सदे ध्रेम

यंत्रप्रस्ति । त्रायान्त्रस्त्रप्रस्ति । त्रायान्त्रस्ति । त्रिर्ध्याप्यस्ति । त्रिष्ठिष्याप्यस्ति । त्रिष्ठिष्यस्ति । त्रिष्ट्यस्ति । त्रिष्ठिष्यस्ति । त्रिष्ट्यस्ति । त्रि

यदे भ्रेर देव हेवायाया सेदायया हुर बदा ग्राटा साम विदास देव सेदाया धेव दें। विश्वान्य रायदे द्वेर। या द्विय यळ यश ग्री ह्वाश ग्रीय स्री ह्या रेव में केश परे र नश्चन इस मरे सक्त है र नबे र म न नि कुय कर ग्रदःचलेद्रःचये भ्रेत्र द्वाराष्ट्री स्यामार्श्वेद्रःच चर्या स्ययाद्वा विशासदिः इसामदिः सळ्दाकेन् नविन् मदिः द्विम् येग्राश्चन् न्याश्चेनः वर्षेरायमः दरार्थे ह्रमाया दे पुषायमा महिदासे हितासरा नरारे हिंदा नर्ये नर्भुषाग्चराग्नुरायदे। । ५३ वानमु ५८ ५ वासुषार्थे। । वेशाम्सुर्या यदे हिम गहेश मं मुन हो देवे बन ग्री हस नम् प्राया दर में या हिम नवे क्यान दी नेवे वहें दे सूर्य ग्रे शे ने ने ने ने नित्र नित्र हैं हैं गश्यार्थे । विशामश्रम्यायदे भ्रमा वितातुः सम्मा मेरादेना मङ्गीना थेः नेयासदे ह्य में नियद्धार है नर्मन व नर्म नायासद है। वियास या वि वारी दें वी इसानन्दायमा वर्दरानमून परे इसामा सर्वे वार्तरारा म वर्षादेवे सक्व हेर्। पार्से राया दे। इसाया वेषा हा सक्व हेर् दे। विषायवे र्देवः अर्हे ज्ञारा स्ट्री विशामशुर्शाया शेष्य राम्या यन् राह्या देवे । हीरावासाहितासे। सायहोताचराक्सायदीसळवाहेरासीर्पादीसायीवा हे। देव न तुव दुः यदेव कुः धेंद न यदे छैर दर्ग क्या है माया श्रेंद न यस्केंव ब्रेन्केंशनइ नारेनाने नेन्दियं सक्त हेन्न न्द्र के नायेन सदे द्वेर है। इस्राचल्या देः द्वानाविः दरः महेतः में दरः इस्रामा मशुस्रामा नसूतः वर्डेशःशुःवलदःसदेःभ्रवशःदेवःभ्रूदःवदःवशुदःवदेःधेर। वेशःवशुद्रशः

यदे भ्रिम् वर्षेयायायमा से मे रहेमा मध्यायम् वायायाया सदे भ्रिम् वीवा हु र्ह्से श्चा धरळेगाम्बर्धान्यस्य ने माने ने संस्थामने भे सान् भे सामाने सं यशायसंवेशन्ता इसामावेशम्यश्रम्यास्त्रित्तसूत्रचेम देत्व इसा यालेशायदे द्वयायाया गहेत में याहित गशुया ही लेशा द्वया नहीं न्दर्देत गश्रुमःसेन् प्रमः वया ने न्युः न्दः ने न्युः मश्रुमः ग्रीः वदः वया समास्री वि वदेःवेशक्राक्रायाचेदायदेष्ट्रीया वर्देदाक्षेत्र्यात्रे साम्या ग्रवायद्विवाहेदा वे द्वाराष्ट्रिया हि वे द्वारा ग्राश्य दु पर्दे । विश्वा ग्राश्य पर्दे हीरा हिनाक्षे। दे द्वानक्ष्मान वस्या उदासहिन संहिद नाश्या ही लेया इसम्बर्धसन्दर्दिन्छेस्रान्त्रिन्। वर्षेत्रान्यस्। देन्त्वाग्रान वस्र उर् सिंद्र निर्माश्य ही हो वन ने राह्म निर्मा क्रिय हि दूर चलेन्द्री विश्वाम्बर्श्यस्य देश्चरा ने न्या देशास ह्या यहेन्स्य म्यास सन्तर्सुयायान्त्राप्तर्देवायाश्वराग्रीमान्नेत्रास्यास्नेयायाप्तरे स्रीम्। ने स्नूरा यश गहेत्रचेत्रेष्ट्रम्भाग्यादात्रस्था उत्सिष्ठित्रचाहेत्रचाश्वसाग्रीसानस्था यं धेत प्रमा गुत्र महित है दाते हमा गशुम हिन्। दि ते हमाय गशुम दु पर्देत्। विभागशुरमात्री इसामानेमान्यानेमाने विभागशुरमा यदः द्वेरा गहेन संस्विया इस या वस्या उदा सिंह न या मुखा ही । इस या गासुसा या हो दा हे साम अदा पर हो हो हो हो जा बदा प्यादा हो हो साम जा बिर्म साम हो है होत्रप्रमान्या ते सहित्रपासुसाही द्रियासामान्य स्वेत्रामित्रामी हो । वनाने यान्येन या वीत्र की सहित ना शुक्ष की ह्यू न न से नाका या ही न पदे । धेरा दर में ग्रुन हो निव है निया गर्ने हैं द्रियाय पर है निव निव र्सेनामार्सी विमानासुरमारवि भ्रीमा निहेमारा मुनासे। है सूर वमा न्द्रभःस्यान्ध्रम्भानान्ते मानिःनेभानार्ये । विभामासुद्रभानादे स्रीत्र । नन

है नमा देवे पो लेग ग्री हो ज्ञा के इस या गर में भार देव न वि रे पेरिया <u>शुःलेश प्रमानु प्राची वा इस प्राची स्थान शुर्वा स्थान शुर्वा प्राची स्थान शुर्वा स्थान शुर्वा स्थान श्री स्थान</u> यर इसराय में दिन इस ने श इस महिश हुरा द्या विशेष के सहस मिं द नर्सेसाग्राधितायार्देवाह्मसासेवानेमा यायार्देवाह्मसावित्वानस्मिसाग्राधिवाया धेव प्रश्ना अपन्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स् क्षेत्रायर वर्दे द्राया देश ग्राय स्वाय देवा सामित स्वाय स्वित देवी श र्बूट हेट क्षेत्र सम्प्रति । सम्प्राण्य स्ट्रिट हेट हेन मार्थ से क्षेत्र सम्पर्दे ह र्वोश्वर्धितः दर्धे ग्रुवर्षे। स्वाप्तदेव से ह्वापिते स्वाप्तरास्त्र नर-सूना नदेव से हना पर-दर्से अ शुं हैं नाय पदे पो भी या र्से या छुता से द यदे धुँम नेम्मण नेदे क्या यास्य सम्माने से से मान्य ने मान्य स्थार हेन्य प्रदेश्ये क्षेत्र साथे दाये ही माने विषय क्षेत्र साथ के हिनाया हैंग्रायदे थे ने या नर्जे या ग्रुम पर्दे पाय देश ग्रुम से माना के या प्रमानिया येव नर्गे राया वेरा गर्र राय से ही मा गर्र राया मुन हो हैं न हेन पहें र श्रूरशःग्रे:इस्रायरःवरःवरःवरःग्रुशःहे। नर्झेत्राग्रुरःवर्हेत्रःयःधेतःतःनेःहेनाशः यदेवःयवेरःयाद्यश्रायदेःवेरःसर्देःयशा यर्डेशःध्वःयद्रशःग्रुदःकुतः श्रेश्रश्चात्रश्चेश्रश्चात्रश्चेत्रः स्थात् स्यात् स्थात् स्यात् स्थात् स्थात्य यान्डितामरान्त्रीयात्रान्डितालेयान्डितामरान्त्री। लेयामदेखत्त्र्त्। सर्दे यमा नुःरेदे नुःदर्भया गुरः कुनः मेसमा द्रायः मेसमा द्रायः केदार्भेः ग्राज्याश्राहित्यान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रान्त्रेत्वान्त्रान्त्रेत्वान्त्रान्त्रा महारमायदे हिरादर। इसायन्दायमा साहमाया स्थानाय है साहार पर्दे राया

देश ग्रुट हे हें न्या ग्री पो प्लेश क्षेत्र प्रमान प्रमान के त्र न न नि क्षेत्र पर दर्शन्तर्भेत्रः हो विशामश्रद्धार्भेत्र श्रिम् श्रुश्यात्र स्वित्र हो विशास्त्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र सर्हरायमानराकन्येनायमार्केमाउत्। क्रूराहेन्हिन्यमायदेणोन्नेमार्स्समा यदे यस प्रेत सम्बया क्रिं महिन क्रिंस संदे यस प्रेत सदे हिमा हवारा ग्रुन स्रे। र्स्ट्रेन्य अहसायमानविष्यिये भेराधेन मदे स्रिम् वेगा केव मी नर कर सेर प्रसाधिव मदे में यह रात्रा केश म क्रिंस मदे प्रसा धेव मरम्बर्ण वर्रे र मदे से स्वास्त्र महिन स्रे स्वास वर्षे साम वर्षे मार स्वा र्देशमें वर्षेयायवे नार बनाया धेरायवे हिरा वे ता हिरासर वारे केंग उवा र्क्स्टिन् श्री अहसामवना भे ने साया सहसामर मवना मदी भे ने सा सालिवानराम्याली । र्सूराहेरार्स्स्र सावाली भी यात्यासहसामराम्यवना सवी षेभ्वेश्वासाधितामवे मुना सामुना तान्दिशासु प्रमाया में। । विना केटा। वर्देन भे त्याने। भूरिने में अन्यानविषा भे या अन्यान स्वापित से भे या यार्षेर्प्यते भ्रित्। गाव्राध्यत्ते म्यायित भ्रित्ये भ्रित्या भ्रित्य भ्रित्य भ्रित्य भ्रित्य भ्रित्य भ्रित्य बेद्रायरात्रया इसामविदार्वे नासी रात्रादे प्रायम् वासी या वासी वासा दे क्यायिव क्षेत्रायदे देवाया धेवायदे हिमा देवायया देवाक्यायहिव क्षेत्रा व. इश. भड़िव. मु. लेक. मु. संस्थान र लेक. व्याप्त प्रमुं स. न र मिंट. मी स वर्देन्यानेवे भ्रीमा मानवाधारायमानेवे मञ्जीमा मुख्यानेवे वहेन सूर्या ग्री खुवा तु नुया यया हिता यर वया हिता ठवा वीया देवा ह्या पर नेशः इसः ग्राटा रेटा रे विं व न क्षेत्रः तुरः वर्दे दः पवे कुः सळव पे दः पवे छिरा वर्रेर्सीत्राही क्रिंसळ्यायाम्बेर्प्सेर्स्स्र वहेत्सूर्याणीयात् त्रुमानमार्भेमानामानिमान्दा धुवाउन्देवेर्देर्न्नामभेदानमार्भेमाना गठेगान्ता हेशासुरासव्यान्यास्याः क्षेत्रामान्याः नेदे हिंगाया

रेग्रायाण्येयाञ्चराप्तरा यळवाहेराहेयासुर्द्धरापदे स्यापयाञ्चयापा ५८% श्रेंब यस ग्री हस सम श्रेंब स ५८५ तुम श्रेंम शार्थ ५ स है से ५८ से. ग्रन से। नन्ग सेन नन्नेन ननेने निक्त के सार्स सामा से निक्त सेने से मा गहेशमागुनको व्ययमानमाद्वीसहे क्षेत्रमायाक्षेत्राचेनक्षिनेयानमा हेर-र्-चुर्यन्य र्श्वेयाय स्नानु प्येत सदे द्वेरा नाश्याय मुन स्ने र्केनया यस्त्र-द्र-स्वास-द्रवर-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्वाध-स्व र्षेर्पा र्से सामा सुरत्य प्रेरा में निवास सुना सुना महिता मारा सामिता सिना र्वेट-५.वट-भेस्य-ग्रीय-दे-भ्रेंस-म-स्र-तु-धेद-मदे-द्वेर। स्-मानुन-स्रे व्यान मंद्रे निधेनाश्राम गुश्राम्य क्षेत्र वर्षेत्र ग्री क्षेत्र मा क्षेत्र प्राप्त । मदे: धुरा द्येरावा अदशः क्रुशः ग्रुटः श्रेश्रशः ग्रुः सत्रुः सर्वे न स्था श्रेश्यः नश्चेर्यायः त्रां र्गोद्यायर्केगाम्यायय। यारार्यार्थेयायये हिरासराह्यः के'न। दि'न्याक्त्यान'ग्रन्के अन्त्याक्षित्रमञ्जनभा । यादान्याक्त्यान'ग्रन ग्रेश ग्रेत नक्षत्र या दि द्वा ग्रद क्षत देव द् से सम ग्रद न में द्वा विम मुश्रुद्रश्रप्तदेः भ्रिम् । यदावः हेवा दःमे । दुश्चेवाश्वः या विवा वः दृश्चेवाश्वः दुशः ररानी से समुद्रा में नामा प्रतास है दे सूरमा पूर्व प्राप्त प्राप्त है । नेशने अन्य परीम नश्रव परि गहेन में दि सक्त हिन नेम न इस सहित क्रिंग उदा नेर मा नेते हीरा नेर मा भूतर पर्नेर नेर्स्य श्वार पर रुटायानभूवामवे महिवारी स्थिवामवे स्थिता वर्देना रटामी से सम्बन मुंग्रास्पर्नियम्बयावी । वर्देन् मवे भ्रेमः वर्देन् सी व्राप्ति मन वी वर्षि गुःसेन् प्रदे भ्री सम् मुन्ना नी भ्रीन्या धीत प्रदे भ्री स् प्रदेश स्वा

यर हैं गुरु परे ते थे के के राज्या हिंद रह में के समुद सें गुरु सें र ननेवःवहेवःन्दःन्भेग्रयःग्रेग्यःन्भेग्रयःव्येग्रयःव्यादहेवःभूद्यःन्देशः वयायः ५ : (व्यायः स्टार्यः विष्टः स्टायीः श्रे : समुद्रः मुवायः सुदः से : यदेवः वहें त्र श्री गहे तर्थे प्येत प्रवेश श्री मा श्री मा ह्या स्वास स् नकुन्द्रभागर्वेन् चेन् प्येत्रमेदे छैन। इसादमेवायमा से ह्राप्यमा दे स्वाप्तर्भेश्वर्षा विश्वर्षा स्वाप्तर्भे स्वाप्त स्वाप नन्नाः भेन् सः भें सर्देव शुभान् हिंगांभा मदे । भोने भान्ना नने व सेना भेरेवः शुअ:५:हेंग्रअ:पदे:धे:वेअ:दे:देअ:ळेंश:उद्यः रट:गे:श्रे:अशुद:र्धेग्रयः क्यायायान्या नेवे धेरा ह्याया से पर्ने न्या क्यायाया वहें व नहें अ मा न्दर क्षेत्र महिष्य सु व मुद्दे स् । देवे से मुश्र स्था न क्षेत्र मा य'गडिग'य'द्रभेग्रार्यस्य रूट्यो'भ्रीस्युत्रस्य ग्रार्यः वित्रसूट्रार्ट्यः वनायान् (त्नायान) न्यानी स्यानी स्वानी स्वानी निर्माणी निर्मानी निर्मानी स्वानी सळ्द'हेर्'बेर'वर्ट'र्सेस'यस'नर'ळर'सेर'यस'ळ्रेंश'ठदा रट'वी'से' सर्वः सुर्यायः क्यायः सः इतः देरः वया देवे स्वेरा वियः सः विया ह्यायः सुर्यः म्रे। नेवे:नर्रेश:ग्रे:श्वर:ग्रु:ळग्रश:श्वर:पॅन:पवे:श्वेर; वर्रेन:व:श्वर:श्वर:र्रे। । धराया हे या व्यवस्था त्या वा वा विवासी क्या व्यवस्था विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी विवासी वर्देन्त्व। अहेन्व्या महेन्द्रेन्स्यानवे श्रेन्त्रान्त्। मिवेन्द्रानश्रेन हेर्-इसम्पर्ने। शिव-दर्वेव-वियान्। वियानशिर्यानाः सर्मानीः श्रेर-नाहेवः ८८। ग्रेवि ग्रिव ८८। वर्गा नश्चीर ग्रिव में ५८। इस ४८ श्वर व्हीव यदे महेत में निवे से द सर मया क्या रादे महेत में ता हैं द महेत

गठिगार् अ। हिनः सदेः से म् न्या अ। या हिनः से । क्वें स्पाने ने स्थान स्टनः सेन्यसःग्रेसः हिनः पदेः भ्रेम् स्टादमेयः यस् र्भेन्यदेः विदेने पदे विदेने कर्मेर्मित्ययात्रसम्बद्धि । विभागस्य मित्रे दिर्मे वर्षेर्मे स्व है। दे निले पेंद्र निर्मे देर मा हैंदर माहे द प्यद पेंद्र। माले माहे द प्यद र्षेत्। वनानश्चेरःमहेवःर्सेः परः पेत्। इयः यरः शुवः वर्धेवः महेवःर्सेः परः र्षेर्परिन्धेरा र्टार्से ग्रुनः हो नरः कर्ने सेरायस इससा मुदारे प्रित्र वस्या उर् क्षें पर्वे र स्वावत सु तु प्विते पहित में प्येत पर्वे हिर है। रूट वर्गेयायमा निवेदानिहेदार्गे हे इसामर में यामदे यसामी विभागशुरमा मदे हिन्। ग्रुमःम गुनःमे। इस र्जेषः यस प्य कन् ग्री यस न्दाह्नि सर ग्री'यस' इसमाई तार्से दमा निर्माद मित्र वर्षेयायम। वर्षानर्भेरावदे रेजिदे गहेत से है । हिन्य से ही प्रमार्भे है भा गुःनःवरे वे केश येग्राश्चर प्रमुरःरी विशाग्रुप्यायदे भ्रीर प्रा केश येग्रश मार्श्व शामा दे हो श्रुवे वर्दे दाया येश हुर दा श्रुव पर्वे तर देवे वर्देन्यायेग्रायम्य वर्ष्ट्रा विवेश्याम्य क्षेत्र वर्षाम्य विवाहेन र्सेट्यादेवे क्रिंव सर्वेट व्या श्वाप्त विवाद ने प्रिया प्रति ही स्टाय होता यशः इसायर सुदावरीदायदे गहेद से दे त्यस ग्राट मे सावस्य दे त्या र्भुव-र्-अर्धर-वयान्यायर-स्वाप्तिवित्यर-होर्-पर्दे वियानस्य-पर्दः <u> ध्रेमा जाब्द प्पमा अर्हेन प्यमा अळंद हेन से समुद्र से समुद्र में जामा</u> नित्याम्यम्यम् कर्रान्दर्भ श्रीमाने । विश्वराद्यस्य विस्रमार्भे वामान्दर्भे। [र्यामिक्यामेर्याम सब्दानमार्भेरानायवुरानविष्ट्रानुरा गहेदार्भेमार्भेरानास्याविसमा

त्राची रेटान वर्षा सर्देट स्मानु रेटान निवेश वेष्ठ राम प्राप्त विदेश र्भिमार्नेरानाने सेन्यते धेन नेरामया द्वापा विस्नाद्वापायकपा ग्री पाहेता र्से संभित्र सदे हिम् यस स त्या माने त या हेत से से माने सह हिम् यान्त प्या । इस्रान्त्रन्थ्य। वेनायक्त्रेन्धिद्नर्धित्र्द्रम्भाग्न्यक्ताग्रीसकेन त्र शेश्रयानश्चेत्र मदेरम् रेलात् भूति हेत् हेत् हेत्र माया दर्शे दर्शेया वर्शे दर्शेया वेश गर्राह्मर्थं प्राप्त स्वर्धं प्रमास्य विष्य स्वर्धे द्रे दे दे हिंग्र स्वर न्वेशस्यासेन्यवे स्वेमा नेसम्बया यसस्य ब्यायान्य याहेन से सेन्यवे धिरः ग्वितः भरा नृत्रः सम्बन्धः भरान्याः विशावर्क्षेत्रः श्रृतः निरास्त्री र्दिन न्या द्वया यर देश शुरादशा विशामश्री स्था यदे र्थे व शे देव महिना बेन्-सर्माश्री श्रीम् हे केव सेवि श्रूव नुवम् नेवा केव सेवाय मेया निवम हैं व ग्रेशः र्रेट् हेर् हेन् राया दर्गेया प्रमान स्थान प्राया धेरा प्रदेश हो यया या स र्भगमान्द्रा विमा क्रिमासमासमानमानमान्द्रा विमानदे नेशन्तर्दरम्भाष्ट्र। विश्वामश्चर्यासदे देवामहेमा सेटासर वया क्रुव **ग्रे** केन न् ग्रुप्त विष्य विष्य विष्य के स्वर्थ के स यासिकारानेते देवासाधिकाराते ही मा साहिता दाहितासमा हे पहिना गर्या गुरमिष्ठे अरगा द्र र से वा साध्या खाया साव साम र सर्द्ध द सामा दे र छू र्सेन्गी वेशम्बर्धरश्चर्या स्ट्रीम् साम्बन्धस्य स्ट्रीम् वस्य य.र्वेच्याय.य.त्रियंच्याशेत्राची.य्याताचमी.यर्ये.थं.थं.यंशेत्राच्याया ग्रीसंदेशस्य न्युस्य सदि मुद्राग्री के द न् नु नु नदे न नु त्य नु न है स से द सदे

धेरः देरःचया यससात्वारादरादेःगहेराग्रेरादेःसूरःग्रस्तरस्या यश्च स्यापानमु देव ग्रास्याय स्रिटान देव पान्ट देवा स्रेव प्राप्त हिताया यासाधितायदे धेरा देराचया यसासाल्यासात इसाया वर्जी रेरा देता विश्वार्थे दिःश्वार्थः श्वेर्धः । व्यटाविष्ठेव इस्रायानकः द्वाराश्वराञ्चन्यः ग्री:सर्दे:पशर्देव:इसप्यवयःविषा:नश्रुव:बेरा वि:हेष रव:वर्धेर:ग्रीसंवेशः इस्र-८-दे-प्रविद-प्रिवास-प्रस्ट्रिं इस्र-प्रभूद-वेद। यायादे यस स्विता दशनभूत नेर न मुख्य मा भे तम् र पर मा र न पर्वे र पर दे न न न न ग्नित्र मानित्र मानित् रेग्रायायमून्यवे भ्रीमा नेमात्रया न्येमान्यस्यापान्यस्य वर्षेमा ग्रीयायायकेयायावेयाययार्देवात्त्रयाद्या यार्देवातुर्गेवाययावेयात्त्रया गहेशः भूभः वेदःयः नसूदःयः गटः वेग देः नविदः गनेग्रास्यः दसः स्रायदः बेद्रमवे ध्रिन्दे विकासकाह्या संस्थेद्र सवे देव हमाद्रिका दूरिका इसः भ्वामायाय सूर्वा परे द्वीता दरार्थे स्वापा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत वर्डे र र्र रे नविव मलेग्र र ग्रेश ग्र रें व इस र्र लेश इस है। रेग्रायाराम्यास्त्राहे। द्येर्वास्यास्त्रेशायसार्देवाक्साद्दाः देवेत्सरा मुष्यम्भारते सः इसः महिषः सुषः नेदः सरः नसूदः या वेदः महिर्यः सदेः धेरा गहेशना मुनः हो गरोर पद्मेर प्रशा त्रमायप्र सेर पदे छेरा वेशमशन्दिशःशुःहर्षाःसरः सेदःसदेः देवः इसःददः श्वाशःयः देः सेदःसरः हैंग्रथायदेः भेशाह्यायसूर्याय विद्यानी विश्वामशुर्यायदे स्त्रीय गहेशरास्टासुग्राया स्टागीयहेत्रसूट्याग्रीस्याग्रीह्रस्यास् 

यादी महेबारेंदिः अळवाहेता ळाचवमार्से यायया दहेवासूरयासी मायया यद्यः दर्गे वा सद्यः ह्यः वरः वृः तुः नृदः स्र सः श्रें सः विः वे वा नृदः ह्यः सि हो व । पदः श्रून दें। भूरेन महेन से त्या श्रून चुल्य महेन द्वाय मी राज्य हो न श्रून महेना गॅवि'गहेत् व्या'नश्चरःगहेत्रचें श्वादत्वेत्रगहेत्रचें नवि'स्प्रा अन्यः यदेर नभूत मंदे रहा मी यहेत भूहका ग्री खुवा ग्री हसाम निराद सार्य रहा मी भ्री सम्बद्ध में मुकाला मोर्ने दाने दे ने में ने मान के तर में में माने के ने माने के माने के माने के माने के म र्वेदे अळद हेर्। रहे दायम व्याय रहा यय या व्याय ही हे यह या हिया है वेगानाग्रुअ ग्री हैंग्रा ने न्या भी गाहेद में भी शाह संग्री साथ भी ना ग्रुट गीरान्यस्त द्वार पेंद्र दे। गांवे भेरा पांचे निया मार्ग स्त्र । विराध समित इसाने नसूत्र इसामा लेखाम्या महेता मेंदि सक्दाहिन नसूत्र सक्दाहिन डेशम्बर्भिः अर्थः अदे प्रहेषा हो ५ ५ हैं वा वीश वसूत पदे ही १ ५ ६ में मुनःस्री हे सूरः यथा न्हें अचे त्यान्स्यान्स्य से मिले अपर्दे । विश गुरुरुष:यदे:ब्रेर् गहेष:य:गुरुष्ट्री वे:ब्रग:गे:भूर-र्रेर्-वे:वे:वि:वि:वे ने इस मदे अर्दि र पेन मदे होरों है सूर पर्या है ज्ञान है से स्वत र्धेन्य न्यान्य निवासिक स्ति सक्त निवासिक स्ति । विवासिक स्ति हीरा हिनः हो इसानन्दायमा सहिन्या महिन्याम् स्राप्ता न्द्राया येग्र*ाचरभ्*रत्राङ्ग्रेंसायराग्चेर्पदे ग्रुट्सेस्रयाग्चे प्रेप्तेयाहेशाग्चः न ते भूनरा पदेर महेत में दे सक्त हेता हेरा महित्रा मदे हिरा देश वा क्यायालेशा वेशायदे क्यायाया न्या विदारी से दारी से प्रायाया र्श्रेम्श्रासदे देव द्वरान्त मात्र प्रत्य द्वर द्वर माश्रुस दर्श स्ट्रास्त्र माले नेयार्यम्यायार्याद्वेताम्यार्थाराष्ट्रीत्वेयात्त्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य गशुसामी पहें ता सूरमा नमु दें ता सुसायहें ता सूरमा सु मी दें पर हो न म्राया में स्वास्त्र के स्वास्त

गशुस्रामः हेन् श्रेनाया वित्रामे वित्रा सेन् यस र्हेश उत्। रम् वी पहें त सूर्या ग्री ह्या प्रम्य पर प्रमा गहेत र्रे धिव मदे भी पर्दे द्वा रह धुय श्री हमा मन् नर मय वर्दे द मदे धेर-व-स-विन-स्रे। देवे-पुत्य-व-दसेनास-पुत्य-द्रिस-पुत्य-पुनास-पुत्य-ग्रुसः विनः भ्रे देवे दिस्य प्राया ग्राया विना से देवे दिस्य प्राया विना विना से द सः स्थानिया सह स्थाने वा भारतीय स्थान स्था भूतरायदेवि केवाय देव इस ने शाहरा में वा सूर्य में वा से केव दर हे.लय.श्रमःश्रम्भःश्रमःह्य.द्रमःदरःश्रमःव्यावेरःयःमश्रदःरयःश्रीःवः श्रून् भेव ने स्वा ने भे त्वन् पर वया ने वित्र का ग्री व श्रून् वाश्रून रायश नेनिर्यानारावेन नेशाह्यायाधरादेवे द्वीता दरावे व्यवस्थे इत्तरा वसम्भारावे निर्मान विश्वामी । इसामा विभानमा इसावमेयायमा धुयाह्मसारुदादी मान्तराया विराधी हिंग्यामा मान्तरा विराधा मान्यरा विराधा मान्यरा विराधा मान्यरा विराधा मान्यरा नेयाग्री ह्याम दे महेद में यास्य प्रायम्य द्येम्य प्रायम् ग्रीट प्रदे येययाग्री हिर्नर्रो विश्वासहित्वासुसार्श्वी दसारा विश्वापर प्यत्नुसारा विश्वापर यदे हिमा धर वि. य.मे। क्ष्याय वर ग्रीय ग्राम्येय स्था गर्डे में मर्देय शुःनश्रुवःसरःत्रवा सर्देरःनश्रुवःग्रीशःवेशः इसः दर्देशःनश्रुवःग्रीःगर्देः चेरः नुसार्यदे भ्रेरादासान्त्रा सर्देरातसूद में सारे सूराधेदारा मारादेग मुसा नन् श्रीशन्रेशन् स्वाने देव स्वानि के स्वानि स्वाने म्रे। गर्भर पद्मेर प्रमा पर्दर प्रमुद प्रवे स्टुब है सर्देर प्रमुद र प्रमे

यदे इसम्यापान्या कुरान्वन्य प्रतिस्वि की इसम्यापानी से स्वाप्ति किया ग्रुद्यापदे भ्रुर् ग्रेयाम् ग्रुर्य स्रु हार्य प्रदेव मार्थ स्रिया प्रवेत प्रा । विस्तायाने के नर्के खूरानम् । विसानमा के सूरावसा नरेकारानामा या इसामा है खेदा थेंदामा देश मा बेसा महित्सामा मेरेटा वर्षेटाक्ष्ररामलदार्दे। । यदार्वे वर्षे महेव सेदाहें ग्रामधे हसा सहिव ही क्रामा उत्रामी क्रिमा कर्षा वर्षेत्र स्वाप्त वर्षेत्र सेन् क्रिमा स्वाप्त वर्षेत्र सेन् वया दे.पर्यु: म्रमामिव:मी: म्रमामा उव:या पर्वे से मेर् म्यामामा यदे हिरा देर वया दे यह दे हमा सहित ही यह ते सूर मा हमा उत ही हैं र न'य'नदेव'सेद'हेंग्राम्याष्ट्रन'मदे'सेर्न्साष्ट्रनः दें'वा हिंद्र'स्टाया ननेवासेनार्हेगासायवे द्वारासहिवायहेवायवे हेंगाया केंसाउवा ननेवासेना हैं गारा धेत परे दीना हगरा वर्ष स्वीं स्वीं न से से स्वार स्वार से स्वार से स यद्वित मी क्राया उता धीता परि मी या माना नी के का उता हिन परिता हिंगायाहिंदाग्री ह्रा इस उदाधिदायर वया हिंदा वद्या सेदाधिदायर हिंदा ব্রিস্-গ্রাম্যুমা

## याविःनेयःग्रेः इयः यः ग्रुयः यन्।

गिर्धुया प्रतः वि इ.चरः स्रेर्नियः स्थान्य स्थान्य विया तथा विश्वा स्थान्य विश्वा स्थान्य विश्वा स्थान्य विश्वा

वारे वे वर्षे स्र वन् । वे वा तुरा वरे वा वर्षे वा र्र्षे वा र्र्षे वा स्र वा वा न्धन्नि न्दर्भार्यन्ते। धुम्रान्यस्यायम्। नर्हेमाध्यायन्यायने सः क्री लिंबार्ट्य, ये. या क्रया सहारा साम्यार्थ, सीचार्या स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ ब्रेट्-सद्र-ब्रेट्-र्ट्स विश्वा वर्ष्ट्रस-ब्र्य-द्र्य-ग्रीश-वग्वत-सुत्य-या क्रेश-ग्री-न्वेरमान्याम्भामानेन् ग्रीष्ट्रीयाने । विमानवे सर्वे सर्वे स्वमानवे स्वरामित गहेशमही सर्ने हें केंश उदा हिंद श्रेश गावि नेश शे में दा इस हेर नर्द ५८:१० मा स्था हेर न ५ त ५ ५ ते हैं र न हेर न ५ त न सुरा न सूर मा धेर हे। नदेव नविदेशनदेव या दरायें गशुसार्थे से या देव हमासे दान समासे श्चे नदे नर रेश म्यान वि नवि नदा देवे इस उद शे नवि वेश नवि नवि र्टा देवे इस उदा शे क्रें राजा निवान निवान विषय निवास शिवा में यात्रभा भ्रे मार्थे नदे नर्रे द्वात्रमा नर्षे त्या नदे त् वर्डे : खु: दूर। देवे : श्रुं र व वर्डे : खूर व व द : ये द : य गश्यामा श्रेदे देव या नदेव मान्दार में गश्या मी गवि लेया में इसामान्दा विस्तर्वेद्वानी देवे द्वारा दर्श मार्था में देव वर्षा न विद्या में देव वर्षा न विद्या में देव वर्षा न विद्या में देव विद्य में देव विद्या में देव विद्या में देव विद्या में देव विद्या में स्वानस्याह्वायरसेटायदा देवाद्यायरसे सुन्यादार वद्यावीया न्वेद्रायान्यान्वान्वीयाक्षाः है नामित्रे स्वापिता स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप ग्री:इस्रायानवि:नसूत्राने। सूनामनेत्राग्री:से:हनायान्या। सँनारायस्यास्या नश्यान न्याने विष्यानि नियानि नियानि नियानि । वर्षे यो प्राप्ता यथा वस्रयाउदानेयापादेदाग्रीप्तराद्याय्यायेदापाद्दार्थाः न्द्रान्त्रेत्रान्द्राक्षे द्वान्द्रा विश्वार्थे । स्वानस्य ग्री कु र्रेन्य देव <u> ५८.५५.५.५८। ह्रेंग.५र्डे.२.५४.५४.५६५.५.५८। लट. श्रे२.</u>

ग्री क्रेंब कें राज देव प्रभासर भेर से पार से वास है वास है । के वास है वास है वास है के वास है वास है वास है व वर्ग्यन्तेव परि द्वारा निवे निष्ठ्व है। देश निवे व र्मु गुव वर्ग्यन्त भ्रे क्रेन्यविदः इस्यायानसून पदे स्रेम् द्रमेषायायम् ग्रन्थास्य स्र विश्वास्तित्रम् वर्ह्म् न्या स्थान्य स्थान्य विश्वास्त्र यदे हिर् वर्गेग यर्दे व द्या यर वर्गे व से व स्वा वर्ष व व क्रेव क्रेय से प्रस्वाप प्राप्त कार्वे या प्रदेश वर प्राप्त वर प्राप्त है। वर्ष क्री वर्गेनामा क्रीना से निर्मा के सार्थे वार्य ते प्राप्त के सार्थ वर्गेना निर्मे के सार्थ नवि'नश्रुद्र'हे। देश'मश'दर्गेग्'म'वे'न'गु'र्देश'देश'द्युद्र'में द्रश'म'नवे' नश्रुव परे द्वीर है। वर्षेय प्रायमा वर्षे न से प्राप्त मान्य मान्य । भ्राम्य स्वरं स्वर गहिरायादी गिर्विश्वेराग्री त्यसायदेव ग्री ह्राया के सार्व हिंदाया ग्रीसा थॅर्ने रूर्ने अर्च्य क्रिं ररावी अरा गुर्रा कुषा ग्रीश श्रेरा वदे श्री शाश्ची वा ग्री वा होता श्री सा यसः वर्षा नवसः नदा सर्वेदः यसः वर्षा सेदः यहिषः शुः हो नदिः ही मानिः नेयाग्री ह्यायदे भूत्रायदे राने या भूताग्री महेता में भूतायायायायाया सेता दे। ग्रेनिश्वेराग्रीराप्यतः कुराप्यतः मी श्वतः ग्रीतं श्वेराग्री ग्रीतेर स्वितः यसः इस्रश्यान्यस्रामानेदेखेम्। ग्राविश्वेशान्त्रीयस्याननेद्वानीः इस्रामान्देखः र्षेट्टी ट्रेम्ब्रुअन्धिः अर्वेट्याया वर्षा सेट्या निवा क्षेत्रायस वर्षा वर्षा ननेत्रमदे द्वारा दे नर्के खाला निवे दे दें द्वारा मदे क्षेत्रमदे क्षेत्रमदे निवेद र्येर शुरायाधीवाया ध्रमायावे भीया द्वादे श्लीयायदे महिवार्ये प्रीवार्वे । विया ग्रह्म्यायदे हिन्। दर्भे द्वी यर्ने यथा हिन्य में वित्राम वर्गा ने निर्मा

बेर-दरा नेश-स-सेंद्रे-वार-बवा-वी-वर्वा-बेर-दरा वर्से-व-सेंद्रे-वार-वनानी नन्ना सेन्द्रा वर्षान रेदि न्या वन्ना ने नन्ना सेन् सर्देन सुस र्देग्रामान्त्रम् सहरायमान्त्रियम् स्वामान्त्रम् स्वामान्त्रम् स्वामान्त्रम् स्वामान्त्रम् स्वामान्त्रम् स्वामा नवि'नश्रूव'रा'धेव'हे'न्द्र'र्से देवे'य्या श्री ह्यारा न्द्रा निहेशारा देवा पदे ८८। वाश्वासाञ्चरायदे ५८। वाले सारेशाय होता हो । इसायराय सूर्वासा धेव परि द्वेर दरें में जुन है। हे सूर पर्या प्रया ही ह्या पा हे हे हे हे र यार्से साधिवायाहिता ग्रीका मे तार्थिता यहितायि गहिवार्से प्येवा स्वीता र्रा विश्वान्यस्य स्ति होरा निष्यास्त्र निष्य स्ति हे सूर स्था रेना सदे इसामाञ्चे सामुकासमार्हे नाकामान्ते भेनामाञ्चे। वेकामासुम्कामाने भेना ग्रुयायामुनाक्षेत्र देखेरात्यर्ये नायेत्यात्र स्रुत्त्ययाम्याया र्श्वेदाविदावयम्बारायेवायार्थे स्थ्रेताय्ये स्थ्रेतायये स्थिता है। सूदायया र्श्वेदाय इटायेवायवे गहेवारी धेवायवे छेटा दे के के राहेग्र माने सूनाय धेवार्वे विशासदे द्वाराष्ट्रीय स्त्री विशामासुरया सदे स्त्रीमा नवि सामुन स्त्री मासून न्दें दे से देश निष्य देश श्रीत वर्ष श्री ते में प्राप्त के ते हैं । वि स्वर ति त्या ना से न यदः दीम है : बूट : यथा देश : यम : यदी व : यदे : इस : या है। के शावस्था : उन रदःनविवःश्रीशःश्रेदःयःगदःधेवःयःदेरःवेःवेवःश्रेदशःयःयःवत्यःनरःदेशः महेशनः क्षेत्रात्यसः वर्षात्र स्थात्यः स्थितः हो। क्षेत्रसः स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स ५८। श्रु.चड्डव.क्षेत्र.ब्रि.ट्र्य.श्रुअ.च.२८। श्रुवार्ल्य.क्षेत्र.ब्रे.ट्र्य.स नगाना रा निर्देश के के प्राप्त के कि स्थान के कि से कि रदःचित्रचीराशुःद्वःयस्यस्यः वद्यस्यः चेत्रेद्वः सेदःचित्रः द्वदः वदः हिष्यसः यदःश्चित्रायमःहेशःह्यायोःवित्रावृत्यं प्रित्यदे द्वितःहे। हे श्वरायमा श्चिमः

चित्रः वार्षः स्वरं न्वरः न्वरः न्वरः व्याव्यः वार्षः वार्

युवास्त्रीत्वा वित्ता स्वता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता स्वता स्वत

यदः श्रीम् मेनामः श्रीमः संस्थाना यदः । यदः श्रीमः निष्यः स्थाने र्यः श्रीः हैं ग्रायः रेग्रायास्य ग्रायास्य या ने यह या ने यह या ने स्वर्य स्वर्य स्वर्या यह ता से ह्ना सर अर्दे र शुअ र र हे नाय स्पार्ट । स्ना नस्य नर अर्दे व शुअ र र हैंग्रायदे अधिव यारे रे व्या केंग्रा हेरे व्या देवे धेरा वहेंदा वा ननेव पहें व की प्यतः महेव से स्वयं में । प्यतः मि व से मुख्य सामार वनानी निर्मार्श्वामा सुरङ्के प्टर्मिमा सदि महित्र सेंदे हे सूर वेर द्वर । र्थर क्षर केंबा उत्रा नेर वया नेते ही मा हवाया हा वर्देन की त्या है। ने देवे र्श्वेट ग्री महेन से र्शे मुश्र निव माट प्यट स प्रेन प्रेन श्री स्था वर्योवायम। यसमार्भगमार्भेरमार्भरमान्यायासेर्भिम्। विवाहार्भमा ळ्र-मार्ट्र-भेता विश्वामाश्चरश्रासदे द्वेरा श्रेम्शार्यरश्चरादर्व कु ल्रिन्सिन् स्टावाडेन निवेश्वेषा में देशेन्य में स्टिसिन्सिन स्टिसिन स्टिसि र्श्वे प्टर्निम्यासदे र्श्वे प्टर्निम्यादर्भिमासदे प्योत्ये यात्री मित्रा मी स्वाप्ति स्वाप्ति । संस्व हिन् बेर वा बेना केव रेना सर्व मुन् ग्री ने यह दे से ना स्वास के स उदा देर वया देवे छेरा हमारा सुन हैं। देवे कुर ग्रे मिलेश हैं र न र्षेर्भविष्ट्रीम् वर्रेर्भा तुर्भाते। मानिः नेर्भासाधितः मविष्ट्रीम् प्रमाया हेगाः वारी माने भी भागी क्या माधीवावा भी न भाग परिता मार्च मिरा मिरा ही मार्च भी न भी न यसाद्यमः बेरावा वेगान्सवः क्षे मिले साइससा केंसा उदा नेरावयः नेवः धेरा पर्देन्ता हिन्याई र्चेर क्षेत्रायदे चेया केवर रेया थर रेया पेत्र पर् वयार्थे। विर्देर् से त्राने। वेगार्स्य ग्री व्यस्थित प्रदेश्वीत। यावदायर । यद्यादसम्या सुर् ग्री मिले या सु ग्रु मुर् प्रेर ग्रु मिया से प्रत्त हैया ठवा देर वया देवे होरा हिन यावया वर्दे द से तुया हो स्नन या वर्दे र

गर्डे में र नक्ष्र र परे गावे के याया यह या यह माया या कुर ही र हो र परे हिरा देरःवया अवशायदेराहेरावत्वाचन्या क्यां वाववा वी हेव से सेर नेशसंदे केन्येद संश्वास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्त स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान ग्री:प्यर:अ:पीत्र:पिते दिस्में न्यान:क्षेत्र वार्श्वर:प्याया वसवाँशः नश्रास्त्रीं साम्री त्वसादेन नासुरसाम्याम्य मार्था मुसाया है सूर श्चरा वेशन्ता यह मशेर वहेट यश सहित मश्रम मी वर वश्य मित नेयायवद्वियायी भूवयाधिवायाद्या वेयायाश्रुद्यायदे भ्रेत्र सुद्र भ्रेत यायदी:वीवाहु गावदाकी गावियायाच्या है। इयायवदायया स्टाक्त्या रर कुर ग्रेश नसूर्य पा धेव व ग्रुट कुर शेस्र र पदे कुर या भेर पर नन्द्रसन्दरविषयाया वेशमाशुर्शसदिः ध्रेम यरः श्रेंद्रची : केंद्रस्मात डेगानरे। र्रेनिन्दिन्दिन्यानिनेन्नियाग्रीन्दिन्दिन्न्या नसूर्यासर पर्देर सप्तेषा सेर दी यस नरेत की क्या मान के खेते सून्य ग्रे हैं त क्वेन ग्रे महेत में प्रम् वे अ क्वेन ग्रे महेत में महे अ प्रमाणी महित में महे अ निष्ठा प्रति हिंग्रा होत् मानि भी शा हो भी साह साधित निष्ठा है। क्षे। दशेग्रथायाचेदायवेदेः इसायदेः भ्रायथाधेदायथा भ्रायथा देवाचेदाः यदः स्त्रीम् वार्शमः वस्त्रीमः वस्त्रम् वर्षम् विष्वेषः ग्रीः न्रीवार्षः सः वः स्वार्षः यायळद्रायदेः भ्रम्यशायीत्रायशार्थे विशामशुद्रशायदेः श्रीम् महिशायाः गुनः हो देवे दशेग्रायायादेर वर् नयाया हिना पवे हिना देया दानेया श्चैतः गहेतः र्सः गहेशः ग्रीशः रदः कुषः ग्रुदः श्रेश्रशः श्रदशः कुशः गशुशः गदेः क्तुन् श्री माहेत् से विषा सेन् नम्भूत वेन। ने से प्रम् प्रम् म्या प्रस नित् श्री क्रमामान्वराष्ट्रामाना सुनान्तरा माने भी भागी माने सम्मान भी नामे है सामान

यदेवःसः दरः में माश्रुश्रः ग्रीः इसाया यादः सुदः दरः यावी भी शःग्रीः यावी सम्रुवः सेन् प्रते भीता वर्षित्र वासुसा साम्याता मिन् ग्रीसाने प्रवास्थासा नस्यानसूनः भे सुन पर स्या धेव भेव नस्य खुया मह्दाद्या भे दूराना नेवें हिमा विक्रामाश्चमा इत्यर वर्षेत्र वा हैन स स्वि मार बना मी यन्ना बेद हैं ग्रम् पदे ग्रिश्व माने भी मान्या ही देव ही हैं ग्रम् मार्चित है व से हमस पर हैंग्ररायदे ग्विश्वेराय हैं ख़र्केरा हता यस यर्वेर साधेर यर बया वि नेश धेत परे द्वेर वर्षेर ग्रुम ग्रुम ग्रुम ग्रुम दे व रे व रा हेर्-ग्री-न्वर-र्-गुरु-त्या वेय-वन्-पदे-न्यार-क्रेया-यी-इय-वर्ट-सेर्-यर वयः वर्दर अधिव गशुअ वर वया विशेष वयद विगार्से व सदे अन्यायाधीत्रायदे सुरा यास्यायात् वर्षिरामश्रमा देरामया देयायहिता यामाशुक्षामामार्के में सार्दिशाशुम्बस्वायदे द्वीस इत्यस दिन् से त्रान् देॱमाशुस्रान्तीःवदःवसःमाविःवेसःवनवःविमाः भ्रूवः प्रवेः भ्रूवसः प्रेवः पर्वः स्रीतः है। मुर्शर प्रसेट प्रश्ना मुर्ले श्रेश ग्री द्वीम् श्रामा या देर प्रदू न श्रासा हुन ग्रदःस्यसः नदेवः ग्रीः भ्रान्यः सुः दर्ः दर्वे यः है। दर्वः यद्विवः ग्रास्यः ग्रीः वदः वयः ग्रिक्षायम् विमानि भ्रम्भावसाधितामा निसाम्स्राह्म विसाम्स्राह्म विसामस्राह्म विसामस्राह्म विसामस्राह्म विसामस्र ग्वितः भर्भ अवश्वदेरः गर्डे चेर प्रस्व प्रदेशेश स्वीतः ग्री गहेत से ग्वि नेशायाम्यास्त्रितायहिंगायास्रीयम् प्रमाया देखायसम्बर्धास्यास्यास्या सर्हरः र्ह्मेर्या गहिराययायायाया सुरया मधिरा हिना स्त्री हे त्या इया सहिरा र्षेर्वत्रे सूर्यन्त्रायनेष्य सेर्यं सेर्यं सेर्यं वार्यर विस्ताया नश्रास्त्रम् साम्री त्यसाद्गेन नास्त्रम् स्यास्य मुद्रास्य मुद्रास शुरा वेश ग्रुद्य पदे हिरा वेद में अ हिरा सळस्य राय हग्य ग्रुर से भूनर्भायदेन:गर्डि:वॅन:नशून:मदे:यस:नित्र्त्ती:ह्रस:मानर्डे:यू:यासर्वेद:

सर्हरायसम्पर्वत देवे देवासम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धसम्बर्धस सर्वेदायमान्यान्येदाधेदान्द्रीत् द्रा द्रार्मित्युत्रा है। है सूदायमा यमानी यदेव परे दस्यापा वे पर्वे खाल्या वाले वे के कें व से परे से वाले पाले व र्येर शुरान धीत या धूना या ते प्रेमा श्री राश्वी रामित स्वामित स्वामित स्वामित स्वामित स्वामित स्वामित स्वामित श्चीन परि नाहे व से दे त्या स ते हिं स नि के स नि व स नि त नरुषानान्ता अर्वेदानवे व्यवासम्बद्धान्य विषानाशुद्धानवे स्वित्रा वुरुषायात्वार्विकारो अन्यरादिरावर्षिये विराजन्य प्रतित्वस्ति स्वराधिरायरा बया अन्यापदेन ग्विभेयापनयविषागर्रे ने रामभूत परि श्री रामभा वियारिया पर्देरासी त्रानी यावी ने या सुर व्यास प्रायस ने या हेराय द्वार यर थेर मदे हेर देर वया इर सेस्रा है मिले सहेर नत्त सून स वर्देर-द्रिशाशुःसान्धृत्व-त्रःभूनशाम्बत्-त्ःष्टासान्धृतःपदेःर्भूत-त्या द्रिमानवानीया नेरामणा नेरक्षान्त्रमाईनामार्भेरानमानिक्षाणी स्मा यायासुर्यायायी क्रियाय मान्याया विष्या सर्वेदा वी या वासूर्या विष्या सर्वेदा नदे दें दें से दार में स्थान दिए। यस ने शा शी हमा साम करान से ना सा शी र्भुविष्प्रित्यवे स्वर्ति इस्राचन्द्रायम् स्वर्त्त्वा स्वर्त्ता स्वर्ति माने न शैं रें वें र शुर पदे ने श इस है न् इ न रुद भ्रायश वरें र रहें श शु स नश्रुव व द्वार हैं ग्रार्श्वेर नदे ग्रेवे लेश ग्रे द्वारा सास्य स्था मान्य ग्वित्र-तृ: प्यर-दर्देश-शु: अ-न्धूत-धर-विश्व-धेत्र-दर्गेश-ध्रशः वेश-ग्रशुद्रशः गर्डेन होन हें वर्श्वेन ग्रे अळव हेन ने गान विग वस्य उन सहिव पर्वेन

यायानरात्रावित् होताते भी या श्वीता ही अळव केता होता वाता वाती। नन्नायद्देवःक्रें भारत्। नेशःश्चेनःधेवः सम्या वस्रभः उन्सिन्नेनः यायानरात्राम्बित् होतायो सम्बाधिक सामिता सम्बाधिक सामिता यायाने नर्डे सामार्थे व न् पर्वे नर्वे सामी क्षेत्रामा धेवामा वे साम्यास्या यर वस्त्रा कर सिंदे राजें ना से दान के ना कर में विदेश वहें तर्रे के के तर् के तर् के तर् के तर् के तर यदे श्रेन मा धेन प्रदे श्रिम् ने मा श्रम् । श्रम् श्रम् श्रम् श्रम् । श्रम् श्रम् । श्रम् श्रम् । श्रम निष्यायम। नेषानुमासुनार्चनामान्द्रिनार्चिमान्द्रोत्रीनामान्दर्भेषानुदे श्चेतामार्डमारुमार्श्वेमार्टमा । विमारुमार्म्याम्वेसामार्मार्मार्मान्या यर वशुर री विशामशुरशासवे श्वेर दें ताने ता वहें ता के शास्त्र हिंदा सर्देव सुर-त् सुन-त्राध्य प्रदेश न्या निर्मा स्थित स्था सिन् म्या सिन् मिन स्था र्वेन मार्यानमार्नु पर्वेन होना धेनामारी होना माह्यना के मार्यम्य स्वर् ग्रीमाग्रदाबरायायरात्राविहित्यरावयावी । यदाविहेवादारी विमा ผู้สาริาฮูราลิมลาฮีสาขาผมเผมาฮูราลิมลาฮิาลีสาผมาฮีสานาผา नर-र्-पार्ट्-राग्ने-राग्ने-राम्भिन-पार्या दे-ग्रह-स्रेससार्व्हेनासायसा याचेना केत् ग्री क्षें सायस र्चेन पार्से तात्र पर्वे प्रति से से प्रति से से नेयाञ्चेतार्यं अत्यायात्या मुयानमात् श्वर्या थे। श्वराण्या याची स्त्रीया श्री यस्यस्य विवादि स्त्रीय विकास या विवादी देश क्षेत्र यस विवादा यानरात्र्वित्यरावया देशः र्स्स्यायसः विनायाया विद्रायि सेतास्या

हिन है। गर्ने न राज्य ही यानर न्या हिन सान हो न या हिन यदे हिमा धराव हेवा व मे क्षेत्र या धेव व हेव क्षेत्र पर के या क्षेत्र वार रुटाधिवामकाष्ट्रियाचेरावा वें वाक्षेतामार्केका ठवा देराचया देवे छेरा वर्देन्त्वा नेशःश्चेनःधेन्यम् न्या ने महिश्यानः स्टामः विगार्हेनःश्चेनः याधीत पदे भी मार्थिया विश्व मार्थिया मार्थिया मार्थिया मार्थिया मिर्मिया मार्थिया मा यदःवर्गाधेवःवःविदःश्वदयःययः वियःयदः वया विदःविवःश्वेवःधेवः पविः धेरा वर्रेन्ता वनर्षे भान्यायर्षे भागळे भारता नेरावणा नेवे धेरा उ वर वर्रेन व हिन्य ने श होन छै अ हिन पर प्रवासी विश्व साम विन रे। इश्र श्रे केंद्र परे द्वर द्वर दुवा वेर दा केंद्र श्रेव पर विक्र यदे हिम वर्नेन से तुसाने ने मासुसान् नहे न ने सूनिसान हु ता न्रेसा वक्तर् हे : देवाया यया भ्रेतः ख्या भ्रेतः वया ग्रुया नुया पदे : भ्रेतः स्वाया त्रश्र द्वेत्रार्श्यायाः इस्रयाययाः द्वेत्रयाः द्वाः न्या । वाश्यान्याविषाः ग्रीयारीयात्राचित्र। वियाग्राः भ्रूष्ययायर एड्गायार परा। वियाळग्या वरुरायागुरावर्ययावर्या विरामश्रुर्यायदे भ्रीता हिवास्री महरूर योष्ट्रभाष्ट्रीय सहित्र सहित् । विषय अस्त्र स्त्रीय असित्र सहित् सहित् सहित् सहित् सहित् सहित् सहित् सहित् सहित क्रियामामाद्वितःमद्वः नदा। गुनःहेन्द्रन्द्वमः च्वदःमद्विनःमद्वः नदा। बसमः ठ८.२.५मू.चतु.वरायश्राष्ट्रिय.यतु.क्ष्र्यश्चात्रीयाचीयाचीयाचीयाची.क्ष्राची. वर्हेस्रायस्य विवादा वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा व र्बेद-वादशः हेशः द्वायाद्विदः प्रदे द्वाः प्रकेष्ट्यः भ्रीः नः सिव्यः प्रदे स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं गशुअःग्रीशःभूविशादह्याःगीःभ्रीतःयःहियाःयःष्ट्रःतुःवहिस्रशःयःदरः। वयाः बर्सिहोत्रसदेर्भ्रेनशः श्रेशः हेत्र श्लेनः भिराष्ट्रस्य स्परे हिस् दर्से

गुनः है। कुनः तुः नरः ते गाः यथा गवयः नरः गवयः भेवा वेयः यः वया वस्र कर् दें त्रें नदे त्यस्य सिंद्र मा द्वा मी श हें द से द्र स कर स पी द यदे से भे अ यदे में कि भे अ क्षेत्र यदेगा अ यत् हो द या या है हे व्हारा प्रा वेशःगश्रुद्रशःमदेः भ्रुद्र। गहेशःमः गुनः हे। कुन् त्रः सदेः न्द्रः तृगः यथा नमसामित्र निर्मा वस्रा वस्त्र वस्त्र निर्मे न स्रोहित सदे स्रीत्र मासुस ग्रेशः श्रें अअः धरः प्रह्मा धरे : श्रेनः धः केना धः नह्नः धें : मिनिया धः पः हैं : हे : हूं : तु-दर्। वेश-मशुर्श-धंदे-धेर। मशुश्र-ध-मुन-क्षे दे-हेद-धश वना-ध-बर्या अधिवायते क्रिया यारा धेवाया क्रिया स्थायते क्रिया यादे क्रिय क्रिया यादे इस्रथाम्बर्धिराई हे नविद्या वेशम्बर्धर्था ग्रीत्र ग्रीत ग्रीत्र ग्रीत ग् वंसी देखेशक्षेत्राधिवानेमा वावावाने हिंवाक्षेत्रानेमावा देखहिशामाधी वन्नद्रायम् निष्का भ्रीतासाधीत्रायानातीया हेत् भ्रीतासाधीतासदे छिम्। न्दर्भिः अः गुनः न् । दे रे के अः उत्। हिन् श्रुद्धः प्रदे छत् वे अः न् ग्रुः नर्दे अः प्राये । यर वया हिन्ने अ श्वेन प्येत प्रते हिमा हगा अ प्रते प्रते अ ते न महिरामितः स्वरास्यामिता प्रदेशहर्मे राम्या नहें सामा सिरामित सिरामित सहर्नियमः वर्गेवार्चेन विभागायमः इसर्गेवा विभागग्रस्य सदेः म्रीमा गहिरामासाम्याना ने के राजना मिन्स मुन्य में निमान के सामेन यर वया हिंदि हें व क्षेत प्रेत परे हिंदा वर्दे द क्षेत्र व हो। क्षेत्र व व ह्या यी श्चैन'म'यश'स'र्ग्नेय'मदे'न्ग्र'नर्रेस'मदस्य न्ग्र'नर्रेस'मुद्र'सेन्'पेन्'मदे' मुर्म दे:श्वेन:य:लेन:ग्रुस:य:लेन्द्ररो लक्ष:श्वेन:श्वेन:यसेन:यस् दे-श्चेत-स-धेत-सदे-श्चेर-त-स-हिना दें-ता दे-महिकाश्चेत-स-धेत-सेत-सर्दरमानरामया दसानरदायमदासदे मेरा वर्देन में भूसमायह्या मे ब्रैन मध्येत्र तुर्बेन मध्य ध्येत मश्चिन मम्बर्ग यश ब्रेन या देवे द्वेम

विष्राणशुर्मा वर्देन्त्वा नेराशुरामवे हीरा में दापिक के शास्त्रा हेरा वया देव: हिन प्राप्तमा ह्याम सुन है। हुन सुन मानमा यहिम सेन यश्रासुर्द्रानवे द्वेर । हुन पदे रेगान्द्र न्या ने प्रेय प्रेय प्रेय । विश्वान्त हेदे ५२:तेगायमा भूसमायह्वायी श्वेतासमातस्यासये ग्वेट सेंद्राविकासेट मर्भानितारे प्रदेश में सामाया सामाया से से से होता वे सामाय रामाये से सा नुसारायार्वितारी दे के साठवा हीना गहिसा गारा सुराधितारा राया हीना याधीत्रामदे भ्रिमात्रा हिमासमामया श्रीमामायाश्रीमामायाहे सास्रा ग्रदशरेशमधेरम्भे स्वाधितः ह्वाशःग्रुतः वरःमर्भे वरःमर्भे ग्रेन्स्वेराम्हेरामहेरास्याम्यानेरामदेर्धेराहे। न्त्रास्यवायया हेर् र्बेट्यायाथी क्रीनायाद्या नियात्याथी है क्रीनाया है। दिस है क्रीनाया बस्या वर्वसूत्रा । दे वर्षमात्र क्रिया वर्षित्र। वर्षेत्र । वर्षेत्र वर्षेत्र । वर्षेत्र वर्षेत्र । वर्षेत्र । पि. द्वर्या श्रीतः तारा पर्हे तः श्रीतः भी शाशीतः पहिशास्त्रः श्रीतः परिशास्त्रः श्रीतः परिशासः स्ति। परिशासः श्रीतः परिशासः श्रीतः परिशासः स्ति। परिशासः श्रीतः स्ति। परिशासः स् रुरेशमंदे धेरावाया ह्याया न्याया वेवा वर्रे राधे त्या है। क्षेताया वस्र १ र ने विश्व स्थापन् विषेत्र के विश्व स्थापन के विश्व के विश् यः त्रस्य उत् नसूत्र । वियागसूत्यायदे वस्य उत् ग्री देत पेत् पदे सी मा वियः है। श्रेनः यः बस्य रहनः श्रेन्द्र न स्याद्य श्रेनः यः केदः से द्या विदः यर-र्-दर्भे नाया श्रीनायदे नर्नाय सुन्ति । नृतुषा सम्रोता यायमा श्वीतायात्रसमाउदाग्रीदितातसूमायास्त्री श्वीतायाकेत्रसिति। ह्याया गराधेवायर्वे विका देविराधरादुःवर्त्वे नायां श्वेनायां वे का इसकायां श्वेना यानाराधेत्रायद्रि । विशानाशुर्यायदे श्रीम्। नावतायमा पर्नेर्यायशेषा यश गुरु हु रू राया है नु सक्ष्या मार्या प्रताये दाये समुद्र हुँ मारा है नु

सक्रमा वेसामदे त्यत् नु नर्वे दस्य त्यो याया गुत्र हु दसाम दे हे हु । इ'मिहेश'८८। मारुश'८र खेर खेर खेर खेर खेर खेर खेर मारे मारे मारे हो हो श ग्रीट्यामाओ तबर्तामा बत्य या कुराम कुरास बते हिया भूता कु हिर्यामा ग्हिंशाम्हिंशाहेराम्हिंशाहर। ग्रम्थान्याचेरारेरे ग्रमाम्यान्यः गठेगार्थेन संस्था धेरायदे श्रेम् सागुनात्। सान् इते से समुदार्शे पारा ग्रम्भारम् विष्या विषया विषया विषय ब्रैन र से दे हिन र प्रमानिक हिन स्वाक स्व देर दे श्चेत य वस्र रह र वस्रवा विश्व यदे श्चेत य धेत यदे श्चेर हो वर्षेयामायम् न्यो नाक्षान्यस्य स्वानास्य स्वान याञ्चीनामानाम् धोतामदे। भेने विनाममानु पर्मी नामाञ्चीनामाने सामस्यसाया श्चैन यः गरः धेरः यद्। विश्वामश्चरश्चिर। देशः श्चैन यः वर्हे गाः ख्वाः न्यान्वीयायरान्त्यायवे सम्यान्धिन्यायायायायायायाया | प्यराप डेगा व रो हेव क्षेत प्रेव व हेव सेर स ग्री प्यय है र प्रथा हिन हेर व। व्हारत्यवाशः कुन् ग्री पर्देन् पान्दः श्रीन परि कवाशासः केशा रुवा हेवः र्बेट्याग्री यथा हेट्र यर वया हेट्र क्षेत्र प्येत प्रदेश हेता हराया क्षेत्र परेट्र थे त्याने। देयायेयया कुराहें दार्येद्या सुद्या पदे द्या परें या प्रदाने प्रदान होत्राची साले प्रमासी होत्र प्रदेश हो स्त्र खुरा में साल्य प्राप्त स्त्र हो। नवित्रच्चरक्ष्रनः सेस्रसः द्वादे देत्र संदर्भः खुद्य । दे दे सदसः क्रुसः क्रिसः इस्र भें दे.य. तथी विश्व विश्व स्थ हुन विश्व विष्य विश्व विष इसमा शु नर्झे स पद यस ने म नुदे होन पदे गहे द में झें स यस हो हें द र्सेट्र परि क्षेत्र परि पहिन में दि साधित है। त्रा देश हैं द सेट्रास इत्याशुः वेदायराष्ट्रग्रयायाद्वराष्ट्रीयाध्याप्तयाद्वर्गाः वित्राद्वर्गाः

वः ने श्वरमाये न्या यहेमाय स्मारमाय सम्भाउन न्ये के सामित्र स्मार्थ हेमा यदे वनाय सम्बद्ध शुरार्थे । शुरार्थ्य मान्य दि । श्रुव नुर्क्रे दर्शे दर्श सदि है अप स की क्रोट्ट स प्येद हैं। विश्व मासु दर्श सदि ही स दर्दे <u> पर नुर शेस्र र्स्ने स त्यस माया पेता में नुर कुता में से स्थान श्रेता स्थाप</u> वर्षानुदानम्य वर्षान्यो। नवे प्रवेशम् वेषामहेवाधेवाया वेष्ट्राद्यामीया *बे* श्रुद्यायदे हें द बेंद्या यह मुखायायाय वित्तर यन् प्राप्त में या सरा सबर क्षर है। विश्व केश सर होरी । यर विश्व ना तरी हे या नहिंश कि वर्स्यारेशायर वया कवाश क्षेत्र प्रार्थित क्षेत्र विश्व क्षेत्र यह क्षेत्र यह क्षेत्र यह क्षेत्र यह क्षेत्र यह यदे ध्रिम् त्राया ह्याया स्वाया स्वया स्वाया स्वया धेव परि द्वेरा देर वया शेस्रश उद की विस्रश है भू न सास्या र्हें दर्भायमाळवामाञ्चीताद्वा हे स्ट्रेत्यामाख्यासायाहें दर्भायमार्चेवामा श्चेतामुल्देनामविष्ट्रिमाने कुन्त्वामालमा देशेनाम्वीम्मानामाने ८८। विवायाये राष्ट्रियायायेवा वियावास्यायये स्था ने महिरा ग्री के मा ह्वा कवारा है वारा से नाम स्वार्धित स्वार ने दे प्रीर ने ने दे रे र्वेज्ञराद्येयायम्। देःयाद्देःसूः नः निव्यं प्राप्तः हेदः ग्रीमासेसमा उदाग्रीः विस्रक्षः स्टः चित्रे र श्रीकाः इसायसः द्वाः सदेः धुवाः उत् श्रीः श्रीसः तः स्वाकायः बेद्रायाधेदाया हेरबेद्रुद्रायाधेद्रायाहेद्राग्चेत्रावित्राग्चेत्रार्थेतावित्राचित्राया मदे पुरा उद भी भी राज में मारा में राज में मारा में राज में रा हीरा लटायाद्येया देग्यायाद्येशाश्चारमायादेशायराया वर्देदाळेवायदे श्चैतायान्या सुरक्षेत्रायाणीयन्त्रात्रेत्रश्चेतायान्या वृत्रार्वेयाणीय्या

नर्यायायहिषारायदे न्यात्र स्वानान्ता रत्त्र स्वानानी स्वानानी स्वानानी स्वानानी स्वानानी स्वानानी स्वानानी स्व <u> बे दें रामदे न्यम क्वेन न्दरमित पर क्वेन मण्डेन वे से मुक्त साम्र</u> हग्रायाना है। ने निवेदे निर्मे गहिरा होन सहर सुर होन ही होना मन्तर । ब्रे.स.चाहेसाबे सबराक्षराबेराग्रे क्षेत्रास्तराक्षेत्राक्षराहराहेत्यारा वर्णाणे र्श्वे त्रभा से प्राप्त क्षा भी त्रभावे से स्वाया कर प्राप्त के त्रभावे से स्वाया के स न्यादानान्ता सुरक्षेत्रायात्राचन्याः सुन्ता व्रम्बेराग्रीः वहेत्रायाः खेनः इटा रटक्ष्यक्षे रटर्द्विविवरक्षेत्रयन्ने र्वेत्रविक्षेत्रके क्षेत्रके तथा कूशतापूराष्ट्रायर्वाकिंतरा विपूर्यायपुर्वायक्ता ग्रीया वहेग्य-दर्। अस्य उत्रेंद्र या में या से ना विदें रे के दा से म्या विकार्म्य प्रमान्त्र विकार में में का का निकार में यश हेत् ग्री क्रें त्रा के के रामेश्वर में विश्व विष्य विश्व विश्य है। र्रेग्रायम्यायम् वर्देन्छेद्रायन्ता सुःहेग्रायम्पन्ता हदर्रेशः इटा रटक्षट्याक्त्याहै। देर्वात्यादेर्वे प्रविद्यानिवायायवे विस्ययासे हैंग्रायायात्रा अर्देवासुसानु नेत्रायम् सी वसूमानवे स्वीतायायने निवासा न्यायर यात्र अर्थे। विश्वाया शुरु अर्थे से हिन हो है ने न्या हो न विदे सबर पकेट होट हो स्क्रीन संप्रेस पित हो रहे। दर हे गा प्रस्ना हे ना संक्रित र्वेदेःषसः न् नर्वेन् प्यः होन् प्यः गुन् होन्यः दन् न्वाः श्वनः वरः हाः नः प्येनः या ने प्यर श्रेन् प्रवे सम्बन्धित न स्था वि स्ववे सम्बन्धित सम्बन्धित सम्बन्धित सम्बन्धित सम्बन्धित सम्बन्धित सम ग्रह्मार्यते हिम् पराय हेग्राच नेते हि साग्रहेश यस मिं दापेदा वेरावा ने से प्रवास्त्र प्रमा पर्देन के वा प्रवेश वेषा के वा के वा स्थान स्थान । श्रु-भ्रेन्यश्राची नद्या भ्रु-द्रम् १८३ म् श्राची स्वाप्त में प्रदेश में प्रदेश स्वाप्त स्वाप्त ५८। रटम्बायाची टम्बायान्या सेस्या उत्ताया से में या प्रति नहें से दाची

श्चैन'म'नवि'र्से'ने'मर'द्येत'य'श्चैन'मदे'श्चैन'म'णेत'मदे'द्येर। नेस'त'ने' वंबेदेःगहेब्रेस्य भ्रीक्रवं प्रवे प्रवे प्रवेश स्था प्रवे प्राप्त प्रवे प्रवेश स्था प्रवेश प् दरा वरे व दर्भ हवा स्वास्त्र स्वरं स ग्रुन स्रे। दर संदे महेद सें र ने मा केद या सें राम स्रे। धेर के रागी दर सा ८८। गहेशराये गहेत सें र लेर द्वित ८८। गहाय परि गहेत सें र तया समित्यहूर्योः हेर रे तह्रव ररः वर्षे यह यह यहिव रे र स्वा नश्या ही. श्रीटा हे प्येत या देवे हिया ह्या द्वार है। हुन हा सायस हे वा सकेंगा यार्सेश्वाश्चेत् वेशन्ता न्मत्रेगायश वेन्मायश्वास्त्रेश्वाश्चे वेग्या केत्र सेंदि के त्राक्त प्रवास त्या प्राप्त प्रवास त्या प्रमेत्र प्रवास त्या प्या प्रवास त्या प् ८८। ल्या क्रियान हे । विकास क्रियान क् हीरा गहेशरा ग्रुन है। कुर हा सायशा नेशरन ही। शरश कुरा हैं श नश्चेर्यान्या वेशामशुर्शासदे भ्रिम् मुश्चास मुना श्चे कृत स्था यम् नम्मा नम्मान्त्रः भी । नने निर्वासम्य निर्मा निर्माणितम् । वित्राश्विता है। क्रिन् स्थायका हिराहे वे साम क्षा विकानमा निराहेगा यश श्वेतःयःरें दरागहेदार्थे रेश्वराहे तक्दाया वेशादरा र्वेगशः वर्षेयायम्। यदावीमायाहेन्द्रस्य स्थायास्य स्थान्य स्थान्य स्थान यश्चिम्याद्या वेयाम्बुर्यायदे भ्रीम् यवे मार्थे स्मूम्यार सर्म्म्य वर्षासाञ्चेत्राचा नृत्र्वासम्बद्धारम् वर्षामा स्वाप्तान मुन्तास्य स्वाप्तान स्वाप्तान स्वाप्तान स्वाप्तान स्वाप श्चेतः यः ते : यः देशः तः द्वेतः यः द्वारा या श्चेतः या या दः धेतः यदि । विशामाशुरशः यदे भ्रेम व्रवर्षे अन्दर्भ स्टर्म मुख्य व्यवस्थित से द्वार स्वत् स्वराम स्व नेयासर मुद्दा । इ.स्यायायाहेयास मीया है। मैं राम्यायाया यादर यर्गा यरे र्दरह्मा हेर श्री । ध्रव ह्व सर्स्य श्रीव संव वर्षा । वेष रदर । र्षेषा थ

द्योवायम् ग्राट्यो गहेन्स्र रेन्द्रिन्य वित्र ग्रियाम् यादे के मार्गे सुदे पेन हराग्री:सःर्रेयःहःश्रेरःयःनविःह्रयःयरःनवगःश्रे। दरेःसःश्रे। हर्गःयदेःसः र्रेषाहुः ध्रेत्रायान्या वरे वदे यार्थे यार्थे यार्थे वार्या वर्षा वी यार्थे याहा ध्रेत्रमान्दा ग्रह्मन्त्रे सार्च्यात् ध्रेत्रम्ये । विश्वाम्युद्यम्ये ध्रेत्र सुर में से ह्वा पर हैं वारा संवीता लेश ही वर हे विवाधिव सदे ही रा देर वया अर्टे.यशा वेष.व्या रे.यंवेष.या.चेयाश्रासंदे.क्ष्या.यी.श्री. याधिवाहे में वार्त् शुरायर्वे विशावाशुर्यायदे धिरावाया ह्या ह्ये ररक्त्रिं श्री स्वित्रे वित्वरेष्ट्रिक्षा स्वाप्त स्वापत स इससं केंस भु ने निवेद हेन या हैं स हे से नि से सु न सूद पा धेद पदे धिराने। न्यातृमात्यमा केंमाग्री भूषा हैं माने धिवा है विमान प्राविधा परि सुर-दें से ह्ना सन्य से गुरु साम निर्देश स्ट्रें ताम हो ता हो ता हो ता से ता साम हो ता स माणेवाची वेशामश्रम्भामहे स्थान अमानि हेन महिना हेना सु वे नहे देव गहेर ग्रे लेख रव ग्रह प्रदेश हव रह गी श्वेन पर परेंद्र या के प्रवर् यर वया दे तर सेंद्र ग्राट तरे दे श्री न या न वि या न हे अ ग्री अ श्री र क्रुवे क्क्षेत्र राष्ट्रीत देश देश देश देश क्रुव रहा मी हे विद खुंया थी मार्च माराया मॅर्हिम्राययाळेरावदेवाददेवातुः प्रशाके वदे श्रीमा दराहेगा यथा दे वशन्याम् अभिन्ने वार्या केवार्य देश विष्युवा तुराव होता मी हिरारे विहेव क्षर्य शुः त्वरशः याया नहेत्र त्रशः शूरान १ निवे । यदे स्रशायरः नेयायर गुर्हे । वेया मधुरया यदे भी या रेमा यया नसूत पर है। या या होर्डिंग

ग्हेशरास्टाख्यायाया ग्रिकेश्चा न्याचे विकासी निकासी निकासी

गी'न्द्रीमार्थान्त्रयानुर्यात्रयानुर्यात्रयान्त्रमान्त्रयान्त्ययान्त्रयान्त्याप्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्यान्त्रयान्त्रयान्त्याप्त्याप्त्यस्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त्याप्त् र्श्वेर निरं सक्त हिन्। हस्र शु. ये द मार्श्वे श म्या श्रेस्य हत् मी मुन् मी धेव पर देवा न्ते व ने वा पर वा शुरु वा वि पे श देवे र न वा शुरु धेर दे। दक्षेत्रार्थं सन्तदेव नवि नाट सुट त्य दक्षेत्रार्थं स्वर्थं स्वरं नावि ने या ग्री वहें त सूर्य हेर नर्त पार रुट ग्रुय त्या सूर्य परि क त्या नव्या परे शेसशः द्रमदे श्रुं र न दे। वदेर द्रिंश शु मर्डे वें र न सूत्र पदे शेसशः न्मदे ग्रिक्ष ग्री क्रिं न्यदे अळव हेन न्री क्रिं न्त्र्वा रह ग्री देश भूया क्री हैं वार्के दर्भा क्री नाहे वार्षा क्री दाये भूत या पदी सादि या शुरा सूवा यदे हिंगा ज्ञाया की निर्देश सामहिंद हिंगा भारी भ्रामा परि र दिसा श्रामा भूत मदेः स्टः नी दिंश भ्रत्या नी दिंद सें स्था नी निहें दें सिंह र त्या अना से दें नी । नश्रव मदे रूर में श्रूर मुं भे अ श्री न ग्री महेव में मुं र मदे बेव से मा हे अ थ सर्देव हैं गुरु है। अन्य पर्देर द्रेश शु नसूव परि श्वें या प्या वर्गा नर्या ग्रीः सक्तं कित्। त्र्रीः तः स्टाम् यान्दा स्ट्रान् से संस्था ग्रीः वृष्टित। वर्षे साम् श्रामञ्जून सदी महानी श्वराद्याले या श्वीमा मनाया यदी महिन स्वीत स्वीत स्वीत व्याश्ची नदेव मा अर्देव हैं ग्राया दे। अवया प्रदेर द्रिया शु न सूव परि रहा कुलार्ह्रे वा या से वा या हो : या से हा हो : या या या से से हिंदी हो : या से श्रेश्रशः में अर्थेट्रायसः द्वाः प्रदा यसः द्वशः योग्रशः में द्वाराः प्रदा नर्देश माहेव श्री मार्वेश सर श्रु न ने श्रीन संदेश सळव हेन्। न्रे व न् र संदेश रे। श्रीन ख्या ग्रीश न्त्र शास्त्र सार्य सार्य सार्य सार्य सार्य मार्थ सार्य स उर्'सिंद्रिय'य'से से निर्देश हैं निर्देश हैं निर्देश हैं निर्दा निर्देश हैं निर्देश नि श्चैतःसदेःश्वेंस्रशःदह्याःवीःश्चेतःसःश्वाशःयाशुसःददः। याउदः तरे ह्याः

नन्गान्यायवे यम् स्रित्र नित्रा श्रीन यदे नित्र विष्टित्। वमाया विष्टा या वमा न् गर्डेन् परे क त्रानव्या परे क्रीन पा हेन क्रीन ग्री सक्त हेन्। क नव्या र्श्वेर्यायया मुद्दा स्थाप्त स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स र्बेट्यामान्द्रम् सेस्यासंबित्तान्द्रम् सेस्यान्युवामान्द्रवायद्राया सेस्या क्षासन्दः विनन्दः। क्रियानन्दः। बरामन्त्रापदःनमा हेर्न्ध्रीनः ग्रें सु न न न सक्त हे न ने या ने या से मन स्वीया ग्राम्य स्वीया सेन्-प्रम्-सर्मेन् सुस-न्-सिद्धेन-प्रात्य-प्रम-न्-पर्वेन्-पर्वे-कःन्स-प्रविपा-पर्वे-श्चेन परे ने अ श्चेन ग्री अळं द हेर्। क नविन ने अ ले अ श्चेन रन्य अ स यून डिट ने भे अ श्रेन हो न न में ने भ श्रेन हु न भन है न हिन है न है न स् न्यान्वर्मात्रम्यार्थिन्याम्यान्यास्यान्यास्यास्यास्यास्यास्या नम् हें द से म्याने या ना या या या या विश्व से से मान से म ५८। क्रियाश्रमास्म्रमार्थीः ५वार्यास्री विमार्टरा देवे हे सूरायमा ५८ सरसः मुसः ग्रीः वेसः नुदेः श्चेनः मदेः श्चें नासः नुदेन। इसः मरः द्वाः मदे। वेसः महारमायदे हिरादर। वर्षेयायायमा ग्रारा दे दर्भमा ग्रिये ही नायदे । र्धेग्रथःग्रेग्रेग्रंग्न्युरःयदेर्देवःग्रेःक्यायरःहेग्रायःदर। वेशःग्रुरशः मदे द्वेर भ्रुवासावन्द्वेतः सर्दे दरावस्त्रवावर्रेशः ग्रीवन्द्वापे प्र दे। अर्दे :ळंत्र हेर न्त्र श्रीश र्देत ह्र अपी श ह्र अपी हेश नहिश नहित ग्राट नदेवामार्श्वास्त्राचार्यायाचा हे नदुवानी साद्रामास्यायाची निवा दरा यस नदेव या नहें खूर न न द सदे ही या न न र वही द या महें दे न्यायाहे नहुन् श्रीया येनायदे ह्यायान्यान् स्री वियार्थे याया श्रीया वर्ते त्रमावर्ति वर्त्ता व्यानि वर्षा वर्ष इसामानसूत्रां ने सामानितास्त्राम् विसामासुरसामाने सुरा

क्रिंदास्क्रिंदानायावित्राचे। विश्वाञ्चेनाच्याशास्क्रिंशास्त्रा विश श्चेतः सः धेतः यसः वया ने सः श्चेतः स्वार्यः धेतः यदेः श्चेरः तः सः श्विता देः ता र्हेनः भ्रीनः रमाश्रायः केंशा रुवा हेनः भ्रीनः साधीनः सरामणा हेनः भ्रीनः रमाशः याधीवायवे श्रीम् । श्रिवायायश्रीम् । धरावि वासे । श्रीमायो वित्रायाये । सर्दि शुभ न् हें गुभ नि हो नि से सभ हो । से सम्म स्थान वरेते नर्ज्जे अन्तरे त्यायने वर्गे त्याय भी द्वारा धीव सम्प्रम्य व्याय दे वै नर्हे खूर नम्दा विभागवे देव इस प्येव मदे सुरा हमाय प्रमा हिन क्षे वर्वायार्थे र्थे यावि प्राप्ति वर्षे यात्र में वर्षे यात् र्ट्से म्राज्यसम्बद्धाः म्राज्यस्य म्राज्यस्य म्राज्यस्य स्थित्। स्थितः स्था वया नर्से सानु यस नदेव ही से दानी यस ही हमारा से साने दाये प्र धिर-व-स-विना धर-वि-व-रो अन्य-पर्नेदे-प्यस-ननेव-की-इस-म-न्र-नेदे-यसाम्ची पहें तर सूर्या वाद्रा साम प्रेता प्रेता वाद्रा से तर्या से दारा देवे ययाग्री पहें व सूर्या धेव या देवे यया ग्री ह्या या सेवा दे सूर्य सेवा स्वार स्रम्यासाधितायदे। विदायमासी तबदायदे विमा दरार्चे व्यवस्री दे स्रमः क्रियामाययाननेवानी प्रयानी पहें वासूर्या क्रियामायी वास्ता हो। इसामाञ्जीसामासाधीदामित प्रमासामा विदासी नेते। वहेव सूर्य क्रें या व रेवे क्या या क्रें या या श्रीया या या वे या व विया या वे या यः ग्रुनः है। दे तद्वे अर्वेद त्यस क्रेंस स दे त्यस नदेव ग्री त्यस ग्री ह्रास र्सूयामाधीतापाना नेदेराययाची पहेन सूर्यार्स्स्यामायाधीतामदेर छन्। सर शें तबर् पते भ्री राज्या विता है। दे तद्वे अर्बे राय अर्बे अपा दे त्यसा ने त ग्री त्यम ग्री द्रमारा प्राप्त प्रेते त्यम ग्री तहे व सूरमा गृहे मा गा स्री मारा धीवा परे

धिरःर्रे। दिवः इयः वेयः इयः श्रेयः यः धिवः हिवः यद्यः धिवः द्वयः ववदः वेवः यदे सुरा देश यश यहेव श्री रेग्याय प्रान्ता स्वाय प्राप्त हैव र्श्वेयास्त्राध्याध्यास्त्रेयान्त्रीयार्थे। वियामायान्तित्राने। देवे यया ग्रीपदेन श्रूटशः क्रेंसानरारे प्यसाग्री ह्रसामा क्रेंसा द्धारा साधी दारा प्राप्त । विश्वसाग्री क्यायार्भ्रेयाळे नेत्रायार्भे नित्राये हेत्याया प्रति स्वर्धे मार्थे स्वर्धे मार्थे स्वर्धे मार्थे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्व ग्री माहेत में प्येत पर क्षेत्र पर्मे रापि हो हो हेर बया हे पर्वेट सर्वेट यसप्रेचेते महेत्रार्थे कार्या भी दे त्यह्ते सर्वेदायसायसायहेता की हमाना धेव मदि में दिव साधेव मदि द्वीर व साहित हमाय सुन हो है सूर यथा यमाग्री हमायाधीव है। दे दे हो दार्य मार्थ मार्थ दार हे दार्श मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य वहें त्र पर्वे माहे तर्भे प्येत पर्वे ही मा वेश माशुर्य पर्वे ही मा नेश में माश श्चित्र वित्र वाश्वर वितर्क विश्वर प्रति । श्वर्षा श्वर प्रत्य श्वर प्रत्य श्वर प्रत्य श्वर प्रत्य श्वर प्रत्य र्दरनरः हत्त्रन्द्रान्त्र व्यान्तरः । विरान्त्रेत्र व्यक्ते व् होत्-द्रवोः श्रॅद्र-श्रवाया | द्रयः द्रवेदियः वाह्यवायः विदः कुषः ग्रदः वाह्यवायः निर-दर्गेरश्राम्बर्शना । श्वेर-व्याम्बर्शन्त्र-वर्ष-वर्ष-प्रम्पन्नावः लट.यनेटी विस्वयात्रास्त्रेट.याहेत्रायात्रस्तेट.ट्रेय.ट्रेट.वेया हिंयात्रा यर वाशुर्य नविव से विवास हिवाय ग्रामा । धिन कन से न ग्री हिवाय व कें रन्य राष्ट्री | रूट जावन देन जान व्यान यथ नहें न या भी है। | देन वदे हेन्य प्रत्राक्षेत्रका व्याप्त का के के विषय का निर्माण का किया के किया के किया के किया के किया के किया के किया र्वेशयन्त्रयार्थेन्या । १९४८ स्टान्सेन् त्रस्य यस स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा विह्यानविन देन हैं न विने नविन नगर नहुता है। विह न देस्य पा सेर्पदेश्वराद्यरः भ्रा विश्वराविरायश्वराविराश्चायर सके सामुला विद केट-इट-ग्राट-अ-क्षेत्र-भेर्मेद्र-भित्र। । वन-सेर्दे-इग्रुट्य-ग्रीय-इग्रुप्य-

र्यैर.रेश.त.ययश विश्व.तयर.यर.सैयश.ग्री.क्र्येश.शं.यबर.तर्रा

## यसनेयाग्री इसाय कुषायन्त्र

३ महिरायायम् रामे इसाया है। इस्तर कुर्रायाय सम्मानस्य र्टा विश इ.रट.पर्व.र्येग.रुश.पर्येगश.सू विश.रटा वर्येतास. वेशनात्रमा सुमारु इन्तुगाधित दें। विशामसुम्मा वदी या वर्षे मा र्श्वेरानः श्रेरिता समयन्धरायाने। दरारीने। सर्रायमा वर्षेसाय्य वन्यासुर्याक्तरे ते वर्देन कवायान्य वर्षा यदे या देखा तु स्वेता विया नगदः सुयाम। न्रें अर्थे सेन्यते हें केन्यू हैं दान हेन् द्री ग्राम सुर सेन्य हे<u>र</u>ॱग्रे:ह्रेम् वेशप्रदेःचम्ग्रे:सर्ने:ळ्द्रःशॅ:हुण्पॅरप्रपे:हे:चडुद्राग्रेशः वर्देव संशे र्शे र र्श्वे र द्धेया वल्दा संयो हु द्दा यस द्दा श्रेवारा हुर | र्ह्मेन'नर्सेन'ग्रीस'ने'नस'ग्राम्'ननेन'म'नविदे ह्रस'म'र्से'से'य'ग्राम्स'येने सूरविशानम्दायायाद्यस्यायावनायायदे हुमा महिरायादी सर्दे यस् वर्डेसाध्रुव पद्रास्था स्थापित हो दे दे दे दे क्या राष्ट्र न्या प्रायत हो सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सा यदी विश्व नर्देश से से न्या है से से निर्मा है निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्म के धेरा वेशमवे अर्रे केंश ठवा यसके शंगी हमाम से द्वाप्यस्व है। हा गुन वर्रु र यदे व यदे व यस वे अ शे इस य य कु र दर्ग व यस यदे व शे हैं वर्वर्टः स्वायदेवाशे देखादरा वर्षेवावदेवाशे वसले शाशे हमाया नडुं हुना नल्दे सदे छेरा दर में जुन हो। सर्दे स्था पदे हे पर्देद कन्य न्द्राच्यानदे सर् भ्रेत्रम् । शेश्रेश ठत्रा शक्रेश मदे सर् भ्रेत् भ्रेत्र भ्रेत्र स्

यक्ष्र-जिर्न विश्वाश्यर्थन्त्र स्त्रीत्र विश्वा वि

यश्चित्राचर स्वार्थ स

रेदें क अदर दें देश देश दर में अर्दे दें निया ग्री रेश सदे क निहेश निहेश न्वें अयम्भे अन्वें अयवे श्वेम् हे। इस्र नभून यस्य वर्षम् वर्षम् से स्र यर हुद्रे । विश्वाम्बर्धरश्रास्त्रे हुर्। यरेवायविद्ये स्ट्रेटामी त्यस्त्रेश ही स्र मःश्रें नुवासर्दे स्वरावाशुन्या द्धंया पेंदादी गुवादनुन श्रून वाहेवा श्रें विया इसामानकुर्प्ता यसामरेवात्सामहत्यवन्त्रम् से देशाहरामान्त्र वी निर्मा सेन सर्मेन सुसार में मिया मिर पेन से के साम मान प्राप्त हुन वी वैज्ञयानराश्चेन्यवे वर्देन् कम्यान्या यराश्चेन्यान्यव वर्षे श्चेन्यवे गहेत में धेत है। ध्या ने बैंन यर वर्दे न यदे वर्दे न कवा या न न व्याप वर्दे न | धुयायाळग्राबेदाग्रीयात्रीयाद्यायाद्या धुयायास्ट्राचीत्रवेषो नेशाधित प्रति द्वीमा केंशाउद प्रकट प्रमा वर्षेया प्रमा देखा वेशा हुए। नश्चन गुदे कें अने विवाय मन कु निर धेन में पर्तुन म निर । कर्मभान्दा न्यायानान्दा वेशाह्ना ह्याशानी वर्षेयानायशा वर्देना क्रम्याद्रम् न्यायाद्रम् अयाद्रयाद्रम् वित्राद्रम् वियाम्बर्धान्ये धेरा धर अर्बेर यस रे केंश ठवा रेवे गुव वजुर मे क्सार मर धेव या वर्रेन क्या अन्ता वे सूर निया महि सुमा मी महित से धित है। क्या अ बूट र्सेट्याम्बुया ग्री लेव सुवा सेट्र प्रिय हमा उव सीव परे श्री हिंग के या वे वर्षेत्रायात्रमा गुनावर्ष्युनानामाः धेनाम् । वर्षेत्रायामा वर्षे । वर्षेत्रायामा वर्षे । वर्षेत्रायामा वर्षे । र्टा गर्ने सुगर्टा वेश हुटा हगश है। वर्षेय रायश वर्दे र कगश

बेर-सन्दर्भ बेर्श्वरबेर-सन्दर्भ महिः सुमासेर-सन्दर्भ बेशमासुरसः यदे हिम् रम्कुन्य सन् सन् स्वन्य दे स्वरं सुम् स्वरं स्वयं दे सुम् स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स पहें त्री क्या शर्भे या शर्भे दाशा निया कर हारे । अर्थे दाय से दे के शरहता गुक् वज्ञूर वर्षेक संदे रका श्ले दे इस सामार धेक सामार्थ र वर्षे हुना वर्षा गी'ग्व'र्, हॅग्'यदे'ग्रेव'र्यं केत्र'र्यं वित्रहे। देश'ग्व'त्रश'र्हेत सेंद्रश'यदे वित्र *पुषः* येदः सः अर्देदः शुयः तुः हिंग्रयः सदेः द्वेदाः व स्रोयः सः त्ययाः स्वः तुः श्लेः नः ग्रान्थित संक्षे ग्रात हु हैं ग्राय प्राप्त विकार हा हैं दार्थे देश से से से प्राप्त हा वेशामशाके सान्दाह्याया देशानवेदान भ्राप्त देश है रा दे के साउदा होदा शुं द्वारा ग्राम् भेतामा स्टान्य प्रामेश से समा उत् नु सर्वे प्रामेश गहेन में पीत है। रूट न्वट नदे सेस्य उत् से प्रमास से दिन सुस र हैं गया मदे इस उत्र धेत मदे हिम्। र्केश द्र म्म मानेश में सम्म मने स् वर्षेयायायमा मुन्यायाधितायाक्षे सेसमाउन्त्रास्त्राच्या वेसा ५८ अंश्रम रुव से द सरे द्रमाय द्रमा दी विषाम् श्रम्म सरे हिमा विषा वुःकेंशारुवा गुवादवुदानदेवामायानहेवामवे त्यसंभेशा ग्री ह्यामानकुदा र्श्वेद्राचाहेत् श्री क्षेत्र विश्व करते। देवे क्ष्याया वाहेत् स्याया सुर्याद्राया सुर्या <u> ५८:वाडेवा:५८:वाडेवा:धॅ५:धर:वल५:घ:देवे:धेरा अर्दे:वशा सरःधेतः</u> ग्रैअपनगदसूयाम। वर्देन्रळग्यान्येग्यास्य सेन्यानेन्ग्री हीरार्दे। विया यम्भीतायदे विरमेसमा उदासा सके मायदे या में या दुः मी द्वारा वि <u>ૄૹૺૹૹૹૢૡૢઌ૽૽ૹૹૢૹૢ૽૽ૹૺૢઌૹ૾ૢૺઌઌ૽ૢ૽ૺઌ૽૽ૢૺ૱૾ૺ૱</u>ૢ૽ૺૺૢૹૢૺ૱૱ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૹૢઌ૱ઌઌ૽૽૱ૹૢૺઌ है सूर प्यमा ने सूर द पर्रे र कवामा र र ज्ञाय परे हमा पा द मा न हमा न है शेसरा उत्र सेन् परि इसा परि नम् ते में मिरा नवित न्। वेश मासुम्या परे

धिरः ने स्ट्रर्न अर्दे स्था गुन वहुर ननेन सन्देश शुः सन्ति निर्म ने स्ट्र इरक्षां केर धेर है। वार्षर वड़ेर वर्षा दे क्रूर सर्दे वर्षा गुर वहुर वी इसामान्द्रियासुरसामासुरमामानुत्राम्यास्यामानु । वेसामासुद्रसामाने वेगाकेत् ग्री अर्वेट त्यस कें अरुत्। द्वा देव विश्व स्वा प्रिट स्वर वयम्याने। श्रेम्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याः वर्षे में भूवसावहीत् पर्वे व्यस लेव्यदि: हीमा यटाने केंबा उवा बेबबा उव व्यवस्थ उन्यव मारे कें अन्यात्रेत्राचित्राय्याधेत्राते व्यायात्र्याः व्यायात्रात्राचीत्रात्रा भूनर्याद्रनेद्रायदे त्यायीवायदे हिन्द्र हे त्यूरामें भूनर्याद्रनेद्र हे त्यू दे क्रिंग उदा शेस्र राउदा क्षेत्र से दाया वर्ष में भी निर्मा परित्र है। दर्विरः दर्भाग्री सम्बदः ग्रिमः दर्भा दर्ने वा नरः में भूनमः दर्ने राधितः मदे: धुरा कें अपिहें अपे देश देश मान विदान प्रमेण मान अस्य उद वस्र १८८ ता में सिर्य तरी दे तर ता है कि र मुस्य प्राप्त विषय उदायार्गि अवसायत्रेदायाद्वा वेसाद्वा ह्यासायहिसारेसायावेदात् वर्तेयानायम् स्नान्ता सम्यानिमान्ता वेमा र्शे विदेव से दासे दा से सार्व है वा सार्व है वा से का से सार्व है ठवा रैगार्थायानाधीवासदी इसामाधीवाने। क्रियागुवासदेवासे नात्रासी ५५.सर.ह्रेयायासहाता त्रेया त्राची यात्राची ही हे क्ष्रिया है विकास धीव खुव धें प्रदेश विव स्टर्मी विवास सके वा मु वहें व पा से द पर निव हैं द नुः अर्देवः शुरुः नुः हिंग् यायवे : श्वीरः ने । इयायन् नुः यय स्थाः । मार्येरः वर्षेरः यश अर्केनिः हुः वहें दारा से दारा सादी हो नी के दारी है नी सारा दे हैं हु सासा सुर्यास हैं वार्या संपेत्र संदे कुर सळत न सूत है वार्य स्थान से वार्य है।

बूदःयम्। यदःसर्केनाः हुःदहेवःयः सेदःसदेः हस्यःयः हैः हवः वैसादः स्टः सरसः मुसः ग्रीः सः यसः यददरः चरः ग्रीदः यदेः भ्रीरः रे । विसः वासुदसः यदेः हिर् हैं अमिर्वेशके देशका निवा वर्षेया मायस्य देवा समाना प्रवेदाया ५८। हे सूर रेग्र राधेव रा ५८ वेग ५८ हग्र गृहेश रेग निवा वर्षेयामायम् वासीन्त्रमान्ता सर्हेगाः विदासासेनामान्ता वेसा भे हिंगा नदे भे भे भाषी व सदे ही या पर ने कि भारता है स्टूर सूच मा धीव कुषाधिन दे। कैं शाम्रम्भ उन् देव न्यायन मावयान् सेन प्रमा है माया प्रदे हीरा क्रिंग निवेश प्राप्त माने सारी प्राप्त निवेश प्राप्त सारी हीता यानाराधीवायान्या हे सूराञ्चनायाधीवायान्या वेशान्या क्यायराँ से हैंगारान्या मानयानुः सेनारान्या ने सामासुरसायये हीया मानयानुः येद्राचि कुः यळ्द्रादुः यद्दे त्या वदे दे नावयादुः या यळे या वदे वा पुः मुक्तान्त्री विमादासुरामा के सामस्याउदामी के दासाद्यीपायासुरसेदामा बेशमाशुर्यारादे हिन। हिनास्री है सूर प्रयाग्रामा मानय रुसे प्रिये इसायमा के मामस्या उर्गी कर्मा सार्थियाया शुसी राये ही राये। ग्राम्युर्यायाधेवार्ते । वियाग्युर्यायदेः ध्रेम स्वापानुः नदेः स्वापा वर्हेण वेंद्रविद्रार्थेद्रगुद्रार्क्षद्रायायेद्रावेद्राविष्ययेद्रद्राद्रा क्रद्राया सरसः मुसः ग्रीः वः सूरः वः सेरः वेरः वः गुदः ग्रीयः वेवासः सेरः सूरः से । देः केरः उदा ग्राट्येश्यर्यर द्वीत्यवे द्वयाया धेताते। देवाद्यायर क्रम्याया सेदा यर अर्देव शुक्ष त् हिंग्या यदे पो भेया पोव यदे हिंद्र केंबा वे वहाया य यश देशन्यर वर्षेत्रन्य महाधेत्र यादी विश्वन्दा ह्याश्वरे वर्षेयाया यश क्रम्यारासेन्यते ह्रसारान्याते। वेशाम्बुरसायते द्वेम यने या

त्वर्'रा'स'न्रष्ट्रद'रा'म्रिय'चु'हे'नस'र्से । त्यसंनेस'ग्री'यस'नरेद'ग्री'ह्रस' यार्स्रेवायदे अर्दे केंबा उवा दे सूरावत्वावसूव है। यसावदेव श्री यसादर रैवार्यास्य म्ह्रात्रासामाशुद्रात्यामाहेर्यामहेर्यान्य स्थापने वा निवर्षिरात्री अर्दे विष्या कर्षा सेरायि इसाया द्वारा सेरा यदः इसायदे वर वर्त्व वर्षा प्रेति है । हे सूर यस स्वा विश्वसम स्वाननेव ग्री स्ट्रा स्वानस्य स्ट्रित से दावस्य स्ट्रित वंद्रणासेद्र निवे स्टर्गे दें वं द्राया सक्त हेद्र सेद्र स होदे सक्त हेद्र ग्री श नन्द्रमदे भ्रम् निर्मा स्थित स्था स्थान विष्यं हिरायेत् ग्रीस्टार्स केंश्राउत्। श्रीह्मा श्री अट्डिमा मेंदे श्रीर है। है श्रूर यथा वर्षा ग्रूम इसम है वहेग मदे में हैं र पेद मा देग र्शे | दे के अरुवा स्वानस्यानाधेवाही वसवासामाद्रासे समुदासे र्देर नर गुरन दे भेरा है सूर यथा नरे नर भेर हे के विनास्या वेश सी निक्ष्याच्या क्रिंदानाधीताहै। हेत्यमानेदायदेगायेदायदेशीमा है बूरायमा हेत्रपराग्चेरामये प्रत्यापराहे मा मुख्येया परि दे उसायरा सेना डेसन्दरा ग्रासेरप्रहोरप्यसाग्रहरी। निक्सिरह्या नन्ग्रासेन्य धेव है। रह है र यर्ग साधेव संदे ही र है। है सूर यथ। रह है र यर्ग साधितासकार्या विकार्यः भगकेरावद्येरायकार्या दिः केवा उदा सक्तः हेन्सेन्सिरेन्से में भेताहे। देवान्यायम हेन्सिरे हिम् इयान वनायया र्शे । सर्ने प्रश्नासी ह्या पान्य सक्त होने सामक्रेश पदे पर हा या शुर्श श्री विवेश्यादर्गेषायदेवस्यवाधेवस्त्री इस्यायस्य विद्याया दर्धादर्गेषाः यदे द्वराय दे। रद मे द्वामा नु भे रा क्वेन ग्री रा में द्वर्य यदे न्वया प्रश नसूर्यापदे वर्गेना पदे इसायदे दें केंद्र हैं भाउता वरादर है दरानि के

गार्श्वेद्राच हेर् के वर्षे वा सदे द्वारा वा शुक्ष व्यादि हो हे वा शुक्ष व्यादि है बेद'न्याया'सम्भान्या'म्ये'न्ये'न्याया'या'धेद'मदे'धेर'हे। हे'सूर'यमा वर्गेना परे दस्य पान्य स्थान सुरस्य पति । विस्तरे दस्य पाने नेशः भ्रेतः ग्रेः शः र्वेद वि नवे द्वाराये दे रे रे दिन ग्रे वर्षे वा रा के शर्वा केंद्र यक्षेत्रप्ता केवर्ये द्रम् देवर्वयय प्रदा दर्भाग्रम् दर्भाग्र व्यान्ता समयविष्ठात्रा में वासान्तमास्यासेनामान्ता हैरानासेनामा र्बेट्स हेट्सी क्या या न क्या प्राप्त हो। गुवा च ह वा या या वित्र च द वा रेब्र्स हेट्स वरेव वेव व्यापाय पर । क्रेंन भी पहेंचा हेव वा पर । रेव प्राप्त श्री पर वर्ष מיקבין מַלָאיםַאימיקבין מַלָאיאיםאימיקבין בָּקיימיקבישקיאפּמי व्यन्दरा वर्षित्रः वर्षेवास्त्रः सेन्यः वर्षः हिवासः वर्षे सेर्देत्रः वरसेन्यः यानदेवानरावेवानराद्यायात्रका हो नवे ज्ञायाना इसका विदास हो रा कैं अवि विशेषायायय। केंद्रायाद्या वया देंद्रायाकेदायाकेदायाकेदारी इस्राम् के नक्ति निर्मा देश हिना स्वास्त्र है। वर्षे सामा वि निर्दे हस मंदेर् रें केंद्र निष्या अपेर निष्या केंद्र निष्या वेशामश्रुद्रशासदे भ्रीमा हे श्रूदायश ग्रुद्रा सर्देव सम्वेदास इसामा वक्षर्भी महेब सें र वह मार्थ पर देशे मार्थ है स्थाय वक्षर्भी विश गश्रम्यायदे भ्रम् गश्रम्य गश्रम्य मार्गे द्रम्य पार्वे दे हे स्था रहा रहा विव क्रूंट य हेट ग्रे क्याय धेव है। ग्रेट य विव ग्रेय ग्रव वह ग्रेय विव यदे हो द्राप्त स्वादा प्राची प ब्रूट यथ। हे व्रूट गुर्वे सामान्य निवासी सामान विवासी । निवासी सामेश वर्ग्यूरामी ह्रमामा दी दे के मारुवा के मार्च मारुवा में प्राप्त है निर्मा दरा गी'सळव हे न क्रूंन महेन निया के निया का मार्केन में हिरा के निया के नि योश्री बेशनाश्चर्यात् न्नेमा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्व स्वापत स्वाप

न्तं प्राच्या अवस्त्र न्या प्राच्या क्षेत्र क्

रेग्रभार्ति द्रभाष्ट्रनायर वयः देखा क्रेंट हेन् हेंग्रभायमाष्ट्रन पदेखेरा ह्यायापया वर्ट्रन्ता सर्ने त्यया च्रह्म स्रेया सेस्य निवास सम्माणीय हत र्ह्रमःग्रीःत्रमःग्राम्पेरःपेरः। स्टाम्यम्भःग्रीःयमःग्रामःपेरःपेरः। । अर्थाः मुश्राः ग्रीः यसः ग्रादः यसः यस्य वस्य उद् न से द्वा विश यदेर्द्रवासाम्बर्ण व्रद्धस्याम् नियम् रेग्रायाश्वरासेर्पिते ग्रावरायरा स्रायरादिरागहेर्पित्रयः ह्रेयाश्वराधियासदास्त्रीमः वर्द्दान्या यक्चार्ट्यायाश्वराम्ची पद्ची यद्वारा दरायवायार्थे । प्यरावारेवा वेवारकेता ग्रेहिंग्रास्त्रीयास्त्राचात्रस्या यसलेशर्सेर्न्ययार्सेरहेन्हेन्ययायशह्यात्रेरत् वर्न्यन्स्र्रायस ननेत्रा मुःष्या मुः इया पदे व्ययम् विश्व हुँ राना गहित्रा है या उत्। नेरामण देवे भ्रमा वर्देन से ज्याने। येयया उन स्वन सेन सामा मन सवे में भ्रमाया वर्तेन सन्ते के अर्गी वर्षा सेन संस्था सेन संस्थित । ने अर्थ प्राप्त स्थान र्सेनासःग्री:इसम्प्राप्परःबेनाःकेत् ग्री:हिनासःरेनासःपीतःप्परःब्रेटःहेटःद्वसः उदाग्रीयायाष्ट्रिया र्ख्या भीयायर ग्रीया वर्दे दावा वाली भीया ग्री इसाया हेरा नर्वः ग्रीःषयानदेवः ग्रीः इयायाया ग्रीदायां नद्वायोदा हेवायायदे हेत्राया ययाग्री ह्यायाधीत यर हैं ग्रायायि हैं राज ग्रेग ग्रायाय या देव रेग्या यर वया वरेर वरेत छ्या देवे छैर तथा छ्या ह्री स्र ही देव देवे छैर ग्वितः परः सूर्या निर्देतः श्री क्रां उत् श्री पर्देर निर्देश परि पर्दे । यदे । यदे । यदे । यदे । यदे । यदे । <u>बःक्रूशक्र्या ट्रेन्स्बर्या ट्रेन्स्ब्रेन् प्ट्रेन्स्यः व्यापानियः स</u> र्राया दर्भे निवेशेषान्यम् हैं ग्राया से ग्राया थे त्राये हिम् ह्या सामा र्वित्राने। नेविःश्वेन्तान्दार्भे निविष्टिंशास्त्र। यसम्बर्धेनानासाधितासमा वया गर्वे ने अः क्रें र र प्येत सदे ही र त साहित है। से समान्य दे गर्वे । नेयार्श्वेरावाधिवादायायानेयार्श्वेरावाद्वाद्वाद्वाद्वाद्वेरावाविवार्श्वेरावाविवार्श्वेरावाविवार्श्वेरावाविवार्श्वे धेव द्वे रायदे हिन्। इस हैं न्या हुँ रायद्र वे क्विय हैं रायदे व विकास विकास वे धेरा गुरुपायायार्वित्रारी मिलेशक्षेरानाधेराने प्यसनेशक्षेरानाधेरा मर्भाष्ठियःसरः त्रम् श्रेस्रश्चर्यदेते देतः देते हिरादः साष्ट्रम् वर्दे दासे त्र है। इतर्रा निवाले भेषार्श्वेराना धेवावा यसमेषार्श्वेराना निवास सहिता र्बेट्ट न्या स्थान नियान्दरम्यासिवानी क्रिया यो त्यो निया है । यो विष्य विषया उदःवेशनः हेद्दे हत्वे क्रियं र्सेग्रामा में दिव सिंद मिर सिंद हिया सद्भाव है वा वर्ष वर्ष व स्वर् व स्वर् व वर्ष व स्वर् व वर्ष व वर वर्ष व वर्ष व वर्ष व वर वर वर्ष व वर्ष व वर्ष व वर्ष व वर्ष व वर्ष ग्री द्रमान कु द्रमानी द्रमा उदाग्री त्यमाने मार्श्वेर ना न कु द्रमा पर्मे मानित ग्री ह्रास उत्र धेत ने स्त्रा दे प्रण किंश उत्र निया निया निया उत्र धेता यर बया कें दिर्देर पदे हिया वर्देर वा गुवा है वा पदे त्राया उतार वा विं विर्देन्से त्राही क्रेंन्हेन्हें ग्रामवे पोने राषेत्र सवे हिना पन पि. हेपा.च. रो त्या. तेया ग्री हेपाया पर ग्री प्रायी स्यापी स्यापी सळव हेर् नेर वा दें वा यस ने श देवे हैं ग्रायर ग्राय है। यस ने श देवे हसा यदे सळ द हिन् धोद सम्बयः न्यान हत तमन सदे हिमा दर्ने न वेगः केत् मु अर्ह्य त्यम नर्यक्त सेत् त्यम के मा केत्र सर्ह्य त्यम नर्य कर्सेर्यसाम् हेर्ने मार्थस्य मार्थस्य देवे इसाया धेर्यस्य हीरा हिरायाप्रभा सामुराया गर्भरायहोरामी सहितामश्रुसार्टरायम्या वि । तिर्धित्र क्षेत्र में विष्य निष्य तिष्य क्षेत्र विषय । नेशाधित संश्राह्मित वेस्ता वर्षा स्वामानु सामित के मानि सामित है ते । ध्रेम विनः हो किं तरे दें तर्णेन सरे ध्रेम

महिश्रासास्तात्वात्रात्वा यस्रिश्च दित्त्वस्त्राम् स्त्रात्वस्त्रम् स्त्रात्वस्त्रम् स्त्रात्वस्त्रम् स्त्रात्वस्त्रम् स्त्रात्वस्त्रम् स्त्रम् स्त्र

विदे सबद विदेश सेय वदे हैं राव धेद सदे हिया हिवा है। यस देश ही याचियासक्त्रयाची हेप्रायाचीय है। इ.चरा जेशास्त्र होराया है। या है। निता श्वितः हे अविष्यासी मान्यान्ता विषामा सुत्या माने से हिना हो न र्बेट हेन हैं गुरु सदे ने रास्तान्द खूगान रामा ही खेट हेरा हेत सदे प्यम रे रेश गुर सम्मानिक गा नर्या देश रर ग्वित सेस्य उद मस्य उर् यात्रम्पते में भूत्रमा केत्र में प्रते मुन्य से में प्रता ने साम्या में साम्या र्रेया, हा श्री वा पार दे हो हो बाका उव कि पार के का पार पार है। विसः विस्धित वर्दे वे समय गहिमा सु से खुर मदे सार्रे सार्रे हित मदे विशामश्रम्भारते भ्रम् द्वामित्रिया में प्रश्निशामित्र भ्रम् विर्यर ग्री क्रें नमु में न ते वाया क्रिया वा वार वार मु के द व्यय प्र यश्रमा बिं. श्रे. श्रे अश्रम १ वि. श्रे में प्रमा वि. श्रि में प्रमा वि. श्रे में प्रमा वि. श्रे में प्रमा वि. सर्वेदेःशायसःदेसःनर्वेद्शायस्यामुशाय। । नशसःनशसःग्रादाद्वदःवेनः यदे निवाद क्रेंब स्ति। सिविक ग्राम सेवाक निवाद से सिव सेवे वावना विकर्षान्त्रस्य स्थर के नार्देत्र यह न स्रेंटर ने वित्र ही मात्र के संस्के ना नी क्रां अद्यास्त्रम् । अर्थेट व्यादयम् अर्थेट म्यून देन के र सु प्रदेश । र्थे दुम यसने शार्श्वे रावदे क्रिवास्वा । यसने शास्त्रान्तरार्श्वे राश्चे रास्त्रा मुन् विविध्यायपुरभ्रायद्भामितास्थात्र्यात्र्यातर्वा विवाक्ष्यायाक्ष्या क्रेंट.वश्राचीवेचाश्राश्रया विश्वायद्यःचर.स्रेचश्राची.क्रुंचश्राच्यद् यंद्री।

## क्यायविवाची क्यायायर् राचक्रवा

🔻 गशुस्रायाम्स्यासित्रेम् क्रियायासित्रायासित्रायास्या क्रियायस्या म् तकर्तान् इ.चरः रथ.त.धेर.चवयायमायवरः है। । यरमाम्यासमा सदु अवर विवा देशका विषय में निर्देश सदि है मा सविव स्तर । गिव सिवे गश्यार् हो नयात्। वियाह्मरा वर्षे यार्श्वेराना समयार् हार् या गश्या नवनामदे मर्मेयामु द्वीतामदी विशामन की केश वस्र सर्मा स् वस्या उद् : द्रायद्या क्रिया पदि : श्री द्राय द्राय । विश्वापदे : यद्र : यद्र : यद्र : यद्र : यद्र : यद्र : य इस्रायान्त्र साम्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा नुःवळन् धरः इत्याया त्रवा धर्मा क्रियः नुर्धेव श्रीया वळन् धर्मा इवः धः हे.चर.चववानः श्र्वायाच्या वार्यरायद्वरायया द्यायद्विनः ग्रीद्याया र्शे नित्वारी के र्ष्ट्र के रे रे रे रा रे रे के रा नित्वात्ता विष्या हरा नक्तरायानीकेन र्सूस्यायह्मार्नायानीकेन र्सूरायसायानीकेन मान्तरा वदुःवाशुस्रायाने से वदुः दुवा द्रा से द्वाया श्रम्या श्रम्या स्राया श्रम्या स्राया श्रम्या स्राया स् ग्वितः श्रे : क्षेत्र : प्रवे : प्रे : स्रे : अर्दे : प्रत्य : प्रे : प्रवे : विश्व : प्रार्थ : प्रवे : धेरा गहेशयही धुरादरे हे इत्या त्या यह सम्बाधिय हे रे विशासदे नर में अर्दे केंश उदा इस समित में इस मान मु इ न इ न वर

सबयः निविद्याताः निवा । स्वता । यन्दर्भव निहेश दर्भाया विक्तिन्दी निर्वाम्य मुख्य व्यक्ति सदे ग्वायाहोत्राम्ब्रुयान् नित्रुवाने स्थाप्य व्याप्य व्याप्य स्था सिंद्रेन्द्रिन्द्रन्द्रिन्ध्राध्याक्षर्भाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष ध्रीर विश्व हैं द रहेया। या श्रेर प्रसेर प्रश्ना हैं द र पर दी याय है। विश्व श्री दिये यदःर्वेदःश्वःसावः वेषादःरी देः से व्यायः है। दर्देशः सुः सद्या कुशः विदः यार्थेन् हेन्द्रम् महित्राधेतायन्। हेत्राम् सुमायार्थेन् मान्ना महित्रामा বাধ্যমার্ স্ত্রীর বেধবাশার প্রমশাতর গ্রী ঐবিদ্যর অমাঞ্রর র্ বর্ষ সাম্যা व। देवे अद्वित्र मानिका ता है का सामिका के निकास याया देवा वासे । .... के शास्त्रीया है से प्रवाय है। से प्रवास स्थाप इसासिक् की क्रूरानवगाणी इसासिक्षिताया से नित्ता दिना से नित्ता है । है। केनान्त्रयायमा नावव न्ना दी वर्मा इसम्म बस्य उन्सि होत नदी मुदे दस्य सर नवना ने नहें सासु प्रस्य उन्ने साम निरायस ने साम है। क्रायर में र र् इरम हे हेर्दे विमार्से दि त्या दर में भे त्यह पर पर विष यदयामुयायदे त्ययाचे यानावे चे यान न्याया नरा से मुरायदे में मा देरःवया अदशःक्रुशःग्रीः अद्विदः यः ग्रिलेशः यस्त्रेशः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः उदाधिदायदे द्वीराहे। इत्या यया ग्रीनिदेव यदे हे या समुदायर हिया गशुरुरायदे द्वेरा हिन हो। देवे हेरा समुद्र दे त्यस दे पीद राजा हो द र्नोस्यदे भ्रेरिते। वर्षेयायायस्य इत्यन्ते नरानवनायातस्य न्त्रा म्रे। अटशःकुशःग्रीः इसः पदेः सबरः बुगाः पः इसराः देः बसराः उदः सिर्वेदः पः हेर्याश्वराष्ट्रीयान्यस्यायदेःययाधित्रायदेःक्ष्यं वेयावश्वर्यायदेः धेरा हिनः है। दे नवैदः रायमायामया गरायन्त्र निर्धिता है सूरायया गुरा देखायमानी नदेवामादराहेशा शुस्त्र व्यादी पदेखी विसादी मह्यस्त्रे महारा १ कि. १ ५८% इस.स.बस्य.१५८, मधिय.स.धुर.म.धुर.म.स्री वियामश्रीरयास्तर धुयाधराधेराग्रम। इसास्त्रिताग्री ने साइसाधरास्यान्त्र निर्मानित यः इसः सिंदे ने के स्थाना प्यान स्थित । व्यान सिंदे विकास । वि वर्षेटायमा इसामहित्रेते पुत्यामित्रे प्रसाम्बर्धाम् सुसान्दर्पुत्य उत्सहितः गशुअःयः नहेवः पदे : इसः पः सम्दः द्वाः वी : धुवः उदः धेवः पशः ददेवे : इसः य क्रेंत्यात्र गावि श्वेशान्दाय्य श्वेशामहेशा ग्री त्राया पदा क्रेंत्र प्रेंत्र प्रेंत्र प्रेंत्र प्रेंत्र प्र वेशामश्रुद्रशासदे द्वेम वुमामहेशासामुन हो इसामन्द्रायश अद्रशा मुश्राग्री मुद्दाया अद्वित या गश्रु अप्येदाया दे पद्दारी स्वाया विष् ग्रम्भ्यम् म्यान्त्रः स्त्रेन्यान्या महिन्या ग्रम्भ्यान्य स्त्रेन्य स्त्रेन्य स्त्रेन्य स्त्रेन्य स्त्रेन्य स् भूयोश.भुन्ध.तथा वृषा.योशिंदश.सपु.मुन्नी पि.कृयो.य.मी त्सयोश. यर्दिवाःसः नदः श्रुवः सेंदः नदेः इसः सिव्यः श्रुवः सेंदः नदेः इसः यदिव मी क्यापद यळव हिन बेर वा दे व तयमा शरा देगा स न र बुव र्सेट्रन्वे द्वाराष्ट्रित प्रेट्र्य स्वारा देवे द्वारा प्रेट्र्य देवे द्वारा प्रेट्र्य देवे स्वारा पिशा वर्द्द्राची वसवीशासाक्र्यां अद्यास्त्री विशा यायावित्राचे। इतम् क्षेत्रायात्रुवार्येटार्क्ष्यात्र्ययान्या । वियागश्चरया

ર્સેંદ-વી-ર્ક્રેઅ-૧૬-ર્ફ્રેનઅ-૧૬-શ્રુવ-ર્સેદ-સ-બેંવ-પંતે-ર્કેઅ-સ-બેંવ-પંતે-શ્રે-૧૩-याद्या इरर्धिन्य रे.पहिशाग्री मुक्सें राजी के सामार्थे का निवास प्रिया मदे: ध्रेर है। दे महिका ग्री खें द हुद श्री मादी सम्बद्ध से द मदे खेरा धराम ठेग वरेदे: बुद र्सेट र्ट्स् द सेंट साधेद संदे हसा सिंद नाहेश ग्राट बग देवे हैं गुरु देग्या क्षें वया बेरावा दें वा हेव ग्रूट सेस्याया नवगा पवे र्श्याचित्र प्राचित्र श्रेयश ग्री ह्रियाश देयाश श्राम्य श्राम्य श्राम्य श्राम्य श्राम्य श्राम्य श्राम्य श्राम्य वयार्थे। दिवानकवायवर् पदि स्रिम् वर्रे रात्रा गहेत्र सेवे यया इया वर र्से गश्याहें गराये द्वारा होता के राजवा देन हमा देवे हो हमा राजा वर्देन्त्र। भ्रे.ह्याःभ्रेयाश्चायञ्जूयाःह्याश्चर्यः स्थायद्वितः व्रेयाः केतःह्याशः रेग्रार्थित प्रमानवार्थे। । पर्देन प्रवेश्वेम। ग्राह्म प्रहेत ह्रा ग्रावित सेन यर हैं गुरु पदि हु अ अ बित प्यट ने गु के ते हैं गुरु दे गुरु पेतर में निया वर्रेर्प्रवे:ध्रेम वर्रेर्वा अद्याः स्थाः स्थाः यात्राः वित्राम्याः भ्रीत्वर्भरावयार्वे दिन्त्वावाराययरायर्द्राभ्रीत्याही यदेराग्रुर शेश्रशः ग्रीः हैं ग्राशः रेग्रशः शेदः परः रेग्रशः उदः ग्रुशः हेशः शुः ग्रुरः नदेः ळे८.२.घट.श्रेष्रश्र.क्षेत्रात्तेश्व.क.धूर्यश्चर्यश्चरात्र्यं श्चित्रा ग्वितः परा अन्यायदेरः नभूतः परेः ग्रुटः ध्रिम्यः श्रेः नत्त्रः व्रतः भ्रेयः ग्रेः हिंग्यारियायाधीयायरामया सुवार्येटायी दिवादेवे से पर्देटा वर्देटा से न्या है। अन्यादिवे द्वाराकेर नव्या स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया श्रेश्रश्नात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र ह्यरःशेश्रशःग्री:इत्रःसःहेरःनव्यांग्रहःत्रेयाःन्यतःग्री:इत्रःसःहेरःनव्याःयशः विराधरावरु विवेशाध्यायि धेरा अर्रे हे मुवायश हैं स्वाइवाय हेरा

नवनामा अस्मिमानाम्यामान्यः नवे त्येमा । सर्द्धरमामासे नमे से से से से गी'स'द्वित'सळंसर्य'द्रम्यायानुत्रस्री इस'न्यन्द्र'याया नुद्रसुँग्यायार्थेः नन्तःहेवः वः नन् रायदेः क्वें वया यद्विवः या ग्राश्यः वः नन् रायदे । इया ग्राविवाः होन् यदे छे द्वर्षे अ में हिंग्रायदे देग्राय सु यव्या यर देग्राय पेद द प्यर । भ्रम्यश्यदेर:इव:स:हेर:मव्या:दर:धॅर:ळॅग्रथ:यय:ग्री:याद्य:भ्रम्ययः शुःर्श्वेयापदेःद्वापदे द्वादे नुदाद्वाया सेस्याद्वादे द्वाती पर्ये साम्यन्तुः नः भेव दी विशामश्रम्यायदे दीन हेन् ग्रेन्स् में निश्चे प्रमा वेगातःरे। अरअप्ययायाग्रीःभ्रेंनयानवुः गुरः येययान्दः शुद्रार्थेरः नदेः वयम्बार्याचे नर्क्षेत्रा नुः बुद्दार्वेदः नः धेदः परः वयः दिः वैदिः क्षेत्रः वयः बुद्दार्वेदः धेव मायहिंगान्माय नवे श्रेमा वर्ने नवा ने महाने माहिशामावे महिंगाना धेव यर वया वर्दे द रावे ही रावर्दे द वा अरम हुम ही स्वरं हमा र्षेत्रयम्बया देवः क्षेत्राचेत्रयार्षेत्रयवे छेम

र्टा मुन्याया इसाय विवासी स्थाय के स्वासी के स्वसी के स्वासी के स

नवनायिः इस्याधितः द्वी व्यवस्थायः भ्री न्याधितः स्थायि स्थाय स्थायि स्थाय स्थायि स्थायि स्थायि स्थायि स्थायि स्थायि स्थायि स्थायि स्थायि स्थाय स्थाय

क्रिन् क्रिन्यार्वि तारी वित्र क्रिंग्स्य निरम्भ निरम्भ वित्र निरम्भ निरम्भ निरम्भ निरम्भ निरम्भ निरम्भ निरम्भ विराशेश्रश्नाद्रात्र्वे स्थायि क्रिया व्यवाशास्त्रेता विया अरुअ दसम्बर्भ कुर् ग्री कें कि प्यार प्रमास प्रवि कें का उदा ह्या र्बेट निवे ने प्रेन प्रमानम् स्ट मी के क्षत्र सक्त हेन प्रामुन वसम्बाधाया ल्रिन्यदे सुन्। ब्रह्मेस्रस्य सन्तु प्राचस हे चित्र सदे सुन्। सह सूर कुर यथा श्रें श्रें प्यट द्वा देवा हैं नवटा । शर् से वाय परे हैं में श्रें थेवा विभागशुरमामदे भ्रीतासम्बद्धा हेमाशुम्म हेमाशुम्म स्वामाम मर्दे। दि.य.म.पर्वे.स.प.मटम.यसपीम.लुय.सम्.यम। म.पर्वेद्र.लु.स्रेमः <u> अरशः मुशः ग्रेः शंकः प्रेदः भ्रेद्रा अर्देवः है गशः मुदः प्रशा अः द्याः प्रदशः</u> वर्षाण्येत्वेरादी । यादायी सदस्य क्रिया सदस्य मान्या विष्या या सुदस्य सदीः ळग्राक्षंत्र्वाराण्ये क्षेत्राया महित्राक्ष्र्रात्र्या विष्याच्या विष्या हे स्वाप्त्रा विष्या वःधिनःमदेः द्वेम वर्नेन् स्रोत्याने सर्ने व्ययः ने व्ययः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वसम्बाधाराका ग्राटा दे त्रहर प्रवेद प्रवेत हो । दर्ग मुना स्रो । वर्षे वे सर्वे

## 

भू निहेश्यान् कुरान् निर्मा क्रिंग्न् निर्म् निर्मा क्रिंग्न् निर्म् निर्म् निर्मा क्रिंग्न् निर्मा क्रिंग्न् निर्मा क्रिंग्न् निर्म् निर्मा क्रिंग्न् निर्मा क्रिंग्न् निर्म् निर्म् निर्मा क्रिंग्न् निर्म् निर्म् निर्म् निर्म् निर्म् निर्म् निर्म् निर्म् निर्म

<u>५८। क्रेन्स्, वर्ड्स्, वर्ड्स्, वर्ज्ञ</u>, सरसार्ट्स, ट्रेन्स्, व्यक्तिकान्य, स्वराह्म, वर्ष्ट्र, वर्ट्र, वर्ष्ट्र, वर्ट्य, वर्ट्य, वर्ट नर्ह्य सक्ता निर्देश में स्था कि निर्देश में स्था मे स्था में स्था यस्रात्रात्रसात्री प्यताया द्वीत्रात्रा स्त्रीत्रात्र स्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्रीत्र प्रतास्त्र प्रतास प्र गर्भरत्येरत्यमा कैंगमायसन्यम् केंन्यर्राम्यस्य विभार्तः । यह्मायमेयायम। देखासेससामभ्रीत्यात्रम् स्वाद्याया नर्स्रसायः गहेशमान्यपान्यार्स्रमान्या विश्वामान्यस्य विश्वामान्यस्य यद्। विश्वाम्बर्धरश्रायद्वाद्वीम्। यवित्यान्द्वास्याम् न्त्रुश्वास्यवः लमा नगरामें इसमान्दार्भे नमा इसमाना । देसाद्ये न का समुदानि मा गहिसार्से विसागस्त्रासंदे हिम हुमास दूर यह सामुन है। गहें के'नशरे'सूर नुश्रागुर महेशागात प्यत यमा महेशागा पेंदा मंदे हुरा ग्रेस्रावर्षेर्यायम्। देः प्रदासर्वेर्यायम् न्यान्यम् स्थितः विकासम् क्ची·प्यत्रात्यन्याः वर्षेन्याः वर्षेत्रः क्चेः नः प्यतः क्षेत्रः क्चेः नः वर्षेत्रः क्चेः नः वर्षेत्रः क्चेः व यमार्थेन्द्री विश्वामश्चर्यायदे द्वेत्रा मशुर्याया ने न्यामी या यह स्या ळव.रट.म्.चश्रिम.च.क्र्याम.क्र्याम.क्रि.ट.य.क्र्या रचट.म्.कॅ.इ.ट्र.वम. र्वेनः क्रूनश्रः वर्वेन् प्रान्त्र वर्षात्रेन। तुरः कुनः प्रमः प्र ग्रम् अर्द्यम् व्याप्त स्त्रेत्र प्रमान्त्र स्त्रेत्र प्रमान्त्र स्त्रेत्र स्त्र स्त्रेत्र स्त्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्र स्त्रेत्र स्त्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्र स्त कुर-८.वस्त्रावि ख्रेया बुर-एर्येया यर प्रिन्यस्त्रा इत्युया ग्री मरमा प्रिन्यः दरमें महिराक्षेत्र के क्रें रायदे भ्रेम सह दाया विमान्य मुनाय राष्ट्र याधी विष्याने हेरा नविषा नर्जे सामरा है। विषय नश्री स्था सदी हैरा हिना है। इत्र्यामी मद्रप्रे श्रायक्ष्यश्री द्रयान्त्रा हेटारे पहेंद्र देने न्या हा दबुषा दबुना सदी याविदे या हैं के प्रीत स्था हा दबुषा ही मान

यदी विदे प्यट त्यस मासुस देस मानविद दु में दिन स्था में दि दु हिंद पर दु वश्न-वर्षेश्रायदे छेट्र् र्केव्यायय छेद्र र्वे प्रायय क्ट्र-द्वे मार्थः भ्रम्थः द्या ग्रम् श्रम् । विष्या मार्थः विष्यः मार्थः मार्थः विष्यः मार्थः मार्यः मार्थः मार्यः मार्थः मार्यः मार्थः मार्थः मार्थः मार्थः मार्थः है। देशन्य पर द्या श्रिर यदे द्र पर पर य हैं व त्युश कुर स्व की कें या श यसर्चितः साम्रार्थित् परि द्वीत्। यने साम्रीत्रायमा सर्वे परमार्थे साम्री तुर्रे से देन । स्वार्थित स्वरं की स्वार्थित स्वरं से देन विस् वा वित्रर्श्वेन स्नून हेना हमायर से से विता वित्र सक्त गुन हुन्यर । र्देव महेर हैं। इिर वरे छे रेश देश देश राखन्य । विश महर्ष यदे हिम् इस ने ने ने त्या धर ने में हिंदा ने स्था हिंदा सम उन है दारा न्या इवायाहेराचवनाः श्रीयायदे यत्रयातुः वेयायदे छेन् न् स्टिन्यायया वर्तेर-दर-श्रुर-प्यर-सळद-हेद-ळद-व-ळ्याश-वस-छ्र-द्-द्-वश-ग्रुर-वर्शेद-यः धेवः द्वी विशामश्रुरशासवे भ्रीमा इन्हमशामहिशासन् प्राशुर्धासः क्षा इन्ह्रम्यायान्ते प्रामुनाके अर्वेदाय्यार्वेन प्रामुनाके म्यान्त्र र्व्यास्यावियासपुः द्वेर। यर्ट्र क्रे.क्वेयायय। क्वियास्य स्वाद्य स्वाद्वीयाया सर्वराया । इसायाश्चार्केवासायस्यारुट्वी । हवार्षः सर्वेटायदे वसादे ५८। । श्रुव केना मु के विकास स्वर्ति। । केवा मार्श्व स्वर्ति । हिन स्रो देवे.वज्ञेवारावमा ज्ञास्क्रवासेसमाद्ववे.ज्ञास्क्रवाज्ञे.स्वामाद्वासम् मदे के अन्तर्भाषा से नासामा सूर के नासामा मससा उदास में निर्माण स्थान न्माञ्चर हिमार्चिम सम्भागमम हिमा विकाम सुम्काम है मा नवि सही। व्यः हैं न्यार्थे न्यत्वे न्याये न्या

धेव है। अर्बेट यस मंदे कुट्यी से नित्व या द्या द्या प्रमासव दिए। वर्क्षे न न मुख्या न हे न हु या स्थाप न स्थाप यन्ता नेशस्यन्तः हैदारेषद्वान्ता यहरार्श्वेसशन्ता नगयनः न्या हैनायन्या द्वाषित्रयान्य विवासुर्यात्र्यायद्वार्यात्र्या सर्हेर् यथ। सेर मी र्से तथ ह्या सु नहु। । ५५ ५५ न से त त्वुय ५५ न ८८॥ भीषास्यानेरायहेवायन्राकेष्यास्यान्। हिंगाप्राख्याविस्राकेष हि. श्रुट्या वियानाश्रद्यान्तरे श्रीता हिना है। नसूरनायया ग्राटा द्वारा से कि. रटा चिट क्य. कु. ब्रियाय रट राम ब्रिय सा ब्रिय सा या श्रीय खिरा है। इ.चर्ष.बी.कं.चर्या.बी.कंया.बु.श्या.बे.श्या.वे.श्याचर्या.चर्या. यान्यस्याने वा यारान्या प्रदे रवा न्रा यथा ग्री सबदान्या वर्के नान्य | न्यादानान्ता नहरार्श्वेस्राक्षा ने दे दूरान्यार्थे ने न्यायास के सामिता नस्यार्था वियानाश्रद्यायदे द्वेम स्यादी दे द्वाक्रिया क्रान्त्र र्धेग्रासम्बद्धत्वेश नर्हेन मदे कु सळद थेंन्ने। बन्धे क्रे वेश में वेश मादे हुन कुन धेन याने न्या अनुन मान हैं भून नहें न मिन से हैं न स ने सुर्याया सम्बद्धा विशस्ता ।

वर्षेत्रस्वतं द्वार्यं विद्यात् विद्यात् स्वार्यं स्वारं स्वरं स्वारं स्

धिरादासाधियाक्षे। दे हो सर्दियाया सार्यसाय भदासाधिदा परि हो दे । विक्तियात्राचे। सर्हेदाक्षीरेक्ष्रक्षेत्राक्षी क्रुदाया क्षेत्रक्षेत्र स्वित्र विकास विकास विकास विकास विकास व ग्रे भ्रे ख्या धेता परे से या वार्य रायसे रायस के किया से प्रत्यापार मी कुर यारे सूर पर्रे दिने वेश मार्य रश सदे हिरा धराम हमा मेशा वर्षेया मदे के वा ने व स्वरम् रे कंव नत्व रे अ उव वि व न र के वा अ त्य या शुअ त्य रेसाग्रीसास्रु वेरावाकी प्राप्त है। हिराधर उदाग्री से सार्ख्या उसा लेव्यत्रिम् देर्व्या गुव्यत्रुष्यः द्रायमेवायः स्वाया ग्री वन्त्र स्वायः र्झ्र अ: रहेवा रहे । वार्य र वार्य वार्य र वार्य वाय वशः क्रेंनशः क्रेंसः सरः गुवः नत्त्रः क्रेंनशः वशः नशुरकः सः यदे वे क्रेंदे क्रः गवग भेत मी वेश गशुरश सदे में गवत भरा हैं गश यस हुर ५ व ५ व १ हे त्युत्य मार य ५ र । अर ५ व । के व । कर ५ के व । कर १ के व । कर १ के व यर वया दे द्वार्क्षेवारा यस वासुसाय देस उत्रित्र भेट्रे पदे भीट्रा वर्देन्सीत्राने। गुरुन्त्रायम। यन्स्रीयामने वर्त्तमाने नहेंत वर्गुअन्दर्। हैं यान दरा हैं निद्रा सहन सन्दर्। ही रानु रान से दार न्मा इत्रयान्मा लेकाचलेत्रान्मा चनार्धेनाचर्चा विकामासुम्काचरेः धेरा हिनःश्रे। हेशःयः न्त्र्वेः महेनः येरः ने न्त्रः श्रें सः येरे धेरा देनः श्रेः ळग्रायायावियायीयायस्यादास्याद्यास्याद्यास्याद्यायायाया बन्द्रास्ट्र ह्र शुन्त हुर नम्द्रा मान्द्र प्यारा कें मार्थ स्वर हेर हिन वर्षाण्य से व्हर्मा शुक्ष से व्या देवा कर से वा ना विवा से दान प्रवा क्र्यायायमा स्टूर हु त्या देवे छेर। हिन स्ट्री क्रियायायमा स्टूर हु न प्याया स्टूर ह

णट्ट्याः श्रृट्ट्याः चित्रः विश्वाः चित्रः विश्वाः यात्रः श्रुट्ट्याः यात्रः विश्वाः विश्वा

गहेशमार्शेर्शेदेनगदान्यानुषाग्रीस्वयन्धन्याय। क्रेक्त्यन्त्र यथा दर:मंत्री वर्ग्रेयायथा दर:मूर.देर्घ्याम् यास्यास्य स्राह्मेयाया यथा दर:मू.ज.व.इच.य.५) खेश.कूर.श्रेशश.कूश.चर्ष.ज.देश्चश व्यास्टा श्रेवे अळव हेट्याहेया शुः यह याया प्रवे हिटा दे वहेव के यास्या है। इक्रमाहेर्यम्बमामी सळक्षित् वेरावेराका दे क्रास्थ्र प्राप्त क्रियानव्यामी नेशास्त्राक्ष्या उद्या अळव हेट देर ख्या देवे खेरा छित या प्रया हवाया क्षां वर्देन वा हेट दे वहें करने शर्म प्यापिक प्रमान वर्षे न पर्देन वर्षे न भे त्रात्रे निवासे द स्थेत स्थेत स्थेत स्थेत स्थेत स्थित स्य यदे हिर दे पहें व के अर्च द्रा अर्द्ध र अर्थ व द्रा न व के अर्थ व दे दे अर्द्ध व हेर् नेर त्र स्था स्था द्वारा हे नर नव्या परे के शर्म के शर्म सर्वे हेर-रेर-वया देवे-धेरः हिन-याम्या ह्ययान्यानः हो रट-वर्वेद ग्री-इदः यक्षेर्यत्ववाधिवयविष्ट्विरक्षे अर्द्धिर्यमा इवयक्षेर्यववाक्षेर्यर्य र्वे। विशामाशुरशासदे भ्रीमा वर्ने मात्रा विशासना मारास सुरशा थ्रवा प्रीवा यर त्रया हिर दे पद्देव भी शास्त्र प्रतास्त्र शास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र वर्देरक्षे त्रात्रे नेयार्या धेरायदे द्वेरा याष्ट्रियात ह्या सर्द्रिया द्वारा

र्श्रा विषयः परा स्रमः इतः सः हेरः चववा वी स्वे मः रचः दरः सर्द्धरमः स्वरः ग्री हिरारे पहें वार्के वारवा वार्क के दें है ना विवास विवास ह्रम्यास्त्रम् । द्रोत्यानदे इत्रामाहेरान्वमाधितानदे छिर। देराच्या रहा नविव ग्री इव म हेर नवग दर सद्धर श खूव ग्री सेसस ग्रूट धेव मंदे ग्रीर है। सर्हें दःस्या मल्वर दे रहे वा दर दिसे मारा रायसा विकाम स्टर ब्रेम विमास्री महत्वमेषायस्य ने नहासून हेना वर्ग हान के सम्माने वर्त्रेयानवे रहत्याहे नमानवा माधित हैं। विशानशुम्यामवे हिमा हा वर वर्दे द वा दे के शाउवा हिट दे वह व दिर सक्द र शब्द शिव प्रमा विषा हैरारे प्रदेव भेगरन प्रायस्त्र अध्याप्य प्रायस्त्र भागि हेना हना ग र्देशः यदाविके देनवित्यासळ्य हेर्न्वहेशः शुन्तम्य स्या क्रिंसाम्ये हिरादे पद्देव र्शे ग्रांश्यूर सूर सळव हे र बेर वा विश्व वर्ष ग्री र र न वर्ष ह्यरायी दे पाहिका से में दिका किया किया है से मिला हिमाया पिका ह्रम्यास्त्रम् व्रेष्ट्रा व्रेष्ट्रम्यास्त्रस्य मार्थ्यस्त्रम्या स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य बुरा भट्टर जमा नेमारन हमार्थनामा जमानुर नर्दे। विमानस्र यदे. दीमा लम्पार ह्या देश हो स्था हिमा के साम हिमा महिला महिला है साम हिमा हिमा साम ररःश्चेदेःसळ्दाहेरःगहेशःशुःहेगाःसरःग्चेरःसदेःनेशःसःह। देदेःसळ्दः हेर वेर दा दें दा यय य व्याय व्याय द द्वाय हेर प्रविषा पेर पर वया हे द ने वर्षेन संवे श्रेम ने करे कें नाव सार्थेन संवे श्रेम हवाय श्रा वर्नेन से व्याने। ह्यार्स्यायार्थान्यस्थायेत्राचेर्त्येम्। मानवायमा स्थारां य.रश्चेयाय.प्रयाश्चायदर.यदुः इसार्श्चायित्र विश्वायद्वे याद्वे य ग्री:इव:याक्षेर:नव्याः केंशाउद्या दे:नवि:याद्यीयाशादशारमः श्रीवे:सळवः हेर्-गहेशःशुःहॅग्नाः धरः होर्-धदेः वेशः धः धेवः धरः वया। इवः धः हेरः ववगः

धेव मदे भ्रेम विवास विभा ह्वाय ग्रुव स्री दे पद स्पर्ध मदे भ्रिम केंग यर-द्यान्यर-सूद्र-यायम् इर-द्यानेसम् द्यादि वर्ते वर्ते सूर-सुमादि दे मरायादरा मराश्रेरादरा हिवायादरा वया सर्वे विदेश्वेरायादर्गाया र्द्यास्री वेशामशुर्यापदे स्त्रीम् हिनास्रे। नस्नुनानहुशायया से सूमापदे अन्याययास्य स्थान्त्र प्राप्ते न्यान्य रंग्रामुश वेशासुराने द्वाराये सुरा वर्ने न से स्थाने न द्येग्यायदा दे'चिन वा'स'द्रेयार्थाया सक्दानेद'ग्रुट'ग्रिश्यानेह्यार्थ'सदे'ह्येद्रा देरःवया दक्षेत्राश्रासासुश्रास्त्रश्राद्रार्म्याम्यास्त्राश्राद्रम्या यदे हिम्। मान्त्र प्यमा मम्मी सुर्याय सेस्रा उत्वस्य उत् ही सुर्य सुर বমমাষ্ট্রা মমমাতর রমমাত্র শ্রী শ্রেমামনমান্তুমান্তী শ্লুবি বার্মান্ত্র नमसम्पद्धः चुर्स्सेसमः ग्रीः इतः पद्धेरः नवगः क्रिंसः रहे। सुर्सः क्रेंसमः क्रिंग निवे त्यान्ध्रीम्यान्य निवास्य देश निवास्य निवा नेयारवाहु वयावे । व्हार्यया वी ख्रिया के या विकास विका विच.स.चिन्ना स्वाना चीचा स्त्री वार्श्ववा वार् स्वान्त स्वान शेशश्चर्यदेख्यायायुर्याची हेशासु स्वादे द्वाय हे नम् नव्याय क्षेत्र या नन्नानी सुर्भा शेश्रश्रा हत्र महार्था हत् ग्री सुर्भा हे नम स्ट्रिना श्रा हिन নদ্মানী শংশী য়য়য়৻ঽয়য়য়৻ঽ৸৻য়ৣ৾৻৻য়ৢয়৻য়৻য়ৢয়৻য়ৣ৻য়ৣয়৾৻য়ৢঢ়য়য়য়৻য়৻ ग्रम् म्या विकाम्बर्धान्य स्थित्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र यानविष्यायाधीवायाश्चेदेश्यळवाहीन्यश्चीयाञ्चीयाभ्चेत्रा देशासुया इवःमःहेरःमन्माःयवरःभ्रेदेःस्याः वरःमोःस्याःभ्रेःवरःमहिनामदेःस्याः दश्चीयायायाया विचायवदाने याय स्वित्री । वात्वतायदा विदायेयया र्रेट्रि यस्रासदे सुर्भानन्या सेन तु हिंग्रस्य सदे खूया सर्वे त् गुर्मा सदे द्वारा हेन

नवगःक्रें भः उद्या देरः मध्या देवे : भ्रीमा ह्या भः मुनः स्री सुभः भ्रीः सळदः ग्रीः क्षें वर्षा है गर्या परि दे 'धेर परि भें मा दे 'यह दे खुर्या हर परि में मानवा हिंद यदे हिम् केंशायर द्वायर सूर्यायश देश से से से मिश्राय व वरे स्रुयान् सेययाने। स्रुयायने ने ने स्रुयान्यान्य ने स्रुयान्या ने सुरायात्रयास्रावदाष्ट्रमःइतामाने । विशानाश्चर्यामे । इन्दर्दिन्भे तुर्भाते। क्रूट्हिन्हेन्भायायदे खूना सर्वेट त्या बद् न्यस हुरायापराकेंशाउँ दासी सूरावरायरें दार्गे सामित हो सर्वे प्रसा दे वस्र १८८ वे वस्र सित्र के ने स्था है। ने स्था सिन्य सुने या परि हिन गर-र्-ाधर-इक्-स-से-वह्ना-में विकामश्रुरका-मदे-ध्रेम ने-द्रमःश्रुप्तका अर्हेन ने सेय दह्ना ग्रद्ध भेय पर्दे । नवन पर इट सेस्य ग्रे कृत ॻॖऀॱळॅ*र-*न-नदेव-भेद-द्-हॅग्य-धन्ने ळॅर-न-इव-ध-हेर-नव्याः ळॅंश-उँदा ने निवि तार्र होते सळव हे द द हैं नियासर हा इव राहेर नवना धेव यदे हिम नेम बया ने पद प्रेम प्रदेश हमा पर्दे में स्वार्थ है अर अरे अर्थ क्रिंश महिशायदर भेश सर मुद्री।

स्टास्याम्याया इत्याक्षेत्रः निवान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्याः स्वान्यः स्वा

। इसन्नेश्वाः प्राप्तः दे प्रवासाधितः प्रदे के श्वाः सम्माधितः प्रदे स्रीमः है। ग्रादः न्त्रायमा द्रमेग्रामामाने द्रा सुरान्ता केंद्रामान्ता रोस्रान्ता किंग से विया गर्य मा गर्य मा निवास है। दे हैं न है न है न है न स्टा हिट से सम ग्री माशुसार्ट्या दसेमारायदे हैं त्रायान विष्येत हैं। विविध्य है। विराम्य न्दःइवःमार्विःवरःसःबन्दो नेःन्दःसद्धंदसःध्वन्त्रीःर्मेवासःसेससःहुदः इरसेस्र ग्राव देर वहिंग पदे दीन ग्रव नह्र वस्य विवास ग्राट वे वा <u> दे.२व.२८:अक्ट्र.तर.कंद.४:५४:४४४.२८:४४४.५४.५५५५५५</u> इसमार्था । विमानस्मार्थिया सहितासमार्था नहित्तामार्था नहित्तामार्थे न्यावी । श्रुर्न्स्यूर्न्स्यून्स्यून्युन्स्यून्स्यून्स्य्यून्स्य्यून्स्य्यून्स्य्यून्स्य्यून्स्य नविभाननेत्रानविष्यायह्याः ह्या । सुभान्त्रामाहेरानवयाः वीभास्यापनेतः ५८। र्ट्स्याद्वरमाहेराववणायीयाग्वरप्रत्राचनेवामान्या शेसया इवःयःहेरःचल्याःयोशःवर्योगःयदेवःददः। र्केशःइवःयःहेरःचल्याःयोशः यसम्बद्धाः प्रद्वाः प्रदेश्चिम् । द्वुर्यः स्वदःयशः म्वर्यः प्रदेशः स्वदः स्वेदः स्वेदः श्रेन् कुरे धेरा । गावे पे धेर न्य सर्मित्य धेरा । ननेव स नवे य पहुण चु:नर्भे । । इत्रामाने नरामिता । विश्वामानु स्था । विश्वामानु स्था । रेअ'ग्री'मु'अळद'र्पेर्'र्। ग्रेअ'स'क्अअ'र्र'रेर'नर्ग'गी'ग्रअ'र्र'। ने त्र के के राजा वा विषय के द्वा के त्र का के स्वर्ण वा निवा की निर्देश में निवा कैंशायाग्वाहें दान्ताहरानी पविनाहें पायदे हिना सहें नायश देश वे हे सूर भ्रे न नवेवा विषय प्रत्य कर नवे से म स्पर्व स्थित र्षेद्रदे। सुभार्केद्रश्रेम्रम् केम्यार्केम्यावेद्रियात्र से प्रवास से प्रवा गश्यान्ते वया हेया शुः स्वाने प्येव प्रदेश गुवा वहुया या क्षेत्राया यदाने व वदायी खुराया र्रे या या या खुराया र्रे या या यदे हे या शुः सूदें।

| वर वर है : शूर ही : दर | वर : दर ही : खदर है : यवे वर हैं। । वे अ : वा शुर अ : यदे हिम दे ह्य सेंदर्दर हे गा के द ह्य द सेंदर साधे द पदे हैं सा स्वार ही हिन धरःवाशुश्रःविदःदे। दश्चेवाशःधःष्ठ्रस्टःवीशःस्टःशुशःश्चेवाशःद्दःनुहः शेसर्याग्रीयासुर्यात्रसम्याउदात्याद्रयेषाया इसामाधीदायान्तेदाद्धवा ५५ रदावीश्वाक्षात्रम् व्याक्षात्रम् व्याद्यात्रम् व्याद्यात्रम् स्थाद्यात्रम् स्थाद्यात्रम् स्थाद्यात्रम् स्थाद्यात्रम् क्रिंभाग्री सक्रम् सादेरासे प्रसेष्म सामरार्स्म साम्प्रा वर्षमानुवे विदासरा हतः रटा वीशः सूत्रा तस्या चीः खुशः श्रेत्राशः त्रायः तार्वे तः दृषः । चुटः श्रेस्रशः ग्रीकार्ने र्न्यार्न्द्र व्यवस्था से व्यवस्य महिकामा उसासाधित सर से महका मदे श्वरादिन अपर्वे नामदे श्वराद् श्वरादे श्वराद क्रुवायमा हेव प्रामानेव में प्रमाप्त देश । दे मलेव प्राचे प्रमाप्त प्रामाप्त । विश्वास्त्रम्यते स्त्रेम् इतः स्त्री दस्याश्वासः स्वाशः स्त्रे स्वरः ह्येर है। देवे व्योव यायया द्येग्य प्रमाह सूर्य वे वा येयय हत वस्र रूट् ग्री सुराय से वाराय द्वीयाराय दे हिम्। वेर से। । वाहेरा मः मुनः स्रे। देवे व्योवायायमा धेदावा ग्रेदायमहो स्रामु ले मा र्श्रेग्रायर्थः राधे प्रतियायः यदे श्रिरः र्हे । वियः र्शे । प्रायुवः यात्रायः स्रो । देवेः द्योषःसःषर्भः सुरुषःस्रॅग्रायःस्ट्र्ययःनरःग्रुःनदेःभ्रेरःषरःसःषेत्र શે'વર્રાય'નર'દ્યુ'નવે'શુર'ખદ'સ'ખેર'ર્ફે¦ ¡વેશ'ગશુદશ'મવે'શુરા છુદ્ર' यर नहु निवे थें द गुर सर देवा राज्य । विवास स्वर्थ स् देश निवास स्वर्थ स् यदे ही र रें। । वर्ष या श्री वर्ष र पें र दे। ध्रिया श्री श्री र ही वाया इव या हे वर-ववग्नायदे क्रें वर्गानेर वर्हेन यहे हो यश्वाय हैन या क्रेंस या र्वित्राचे वर्देन ग्रुट शेस्रश्राणी गर्डि में नासुश इत्राम हेन नत्ना या है श श्चीत्राश्चीत्र स्वास्त्र स्वास्त्र

गहिरामार्डियानदेखसायम्पन्त्वार्श्वम्यान्यः यथा देवे.द्वा.धे.र्थेयाश्वातात्वात्र्य्येयात्वीयः यद्वीयः यद्वात्यः विष्यायः यशः वीयः यदः यस या बे अ र्शे म् अ सुरा ह्या ह्या र सम्प्रात्म स्था विश वुःकेंश रुद्या इदः संदेर नवना देना हुं । सर दना हुं र न नवे न न न न ने कुः सळ्दः पॅरिन्द्र। इदः यः हेरः यवगः श्रें सः यशः श्ररः गहेदः त्रः देरः यः श्रें वंदे वर्ड्स् दर्वाश दर्वेर वर्ष होरा अवद रश्चर राज रेवावा वर्षा होर गशुमा न्दःर्से या वि हे वा दाने श्वरा वाहे दाया हुदः में स्टिन् स्टिन्स् स्टिन् वर्क्ट्रेन्द्रवासाने प्यान्या क्रिंद्राचेत्र सक्ष्य क्षेत्र वेद्राचे सक्ष्य क्षेत्र हेत् हेत् थ्र भीत ते भर द्वा के राज कुर थ्र के जार बना भीत द्वी शासर बया है। । दसः नडदः दबदः पदे दुर् । दुर्दे द वा श्वरः महे वः वः श्वरः वह वः वसः नुःवह्नमानः अर्केशः उद्या नेनः त्रया नेवे सी यानामः विमानः ने। यानानमा र्श्वेदःचःधेदःदःहिंदःग्रेःदेरःयेदःद्युरःयदेःद्वःयःदेरःववगःगडेगःर्थेदः न् र्रेट न्या हिन सर वया वर्षेया में यथा ने दे रे रे वा मुः ल्याया या वर्षेत व्युमायवुरानमा वेमाग्रुरमायदे स्ट्रीमान माह्य स्ट्री हेमायेन से 

स्तिन्त्रश्री । स्वाप्ति । स्वाप

गहेशासास्तास्याया श्रमानेत्री ज्ञास्त्री निये निर्देत वर्गुअःग्रीःकःद्रशःनव्याःसदेःअद्येदःसःहै। यदःद्याःश्रेदःनदेःसळ्दःहेदः धेव है। सर्हेर यथा नर्हेव प्रमुख प्यम्प पर्हिण है य है। विय प्रमा यदे हिर् क नवना ने कु सक्त पेंदरें। में नश्या पर दन हैं र न के तु ब्रन्सित केन धीव सित ही में गुव नहुर स्था में ग्राया निवा ने नि ॲढ़ुंदश'मर'ॺृद'मदे'शेसश'द्रद'शेसश'षश'तुद'नदे'र्केश'क्रसश'र्शे¦ वियाम्बर्यस्य प्रदेश्चिम् न्वे न्याने विष्ट्री से न्यो ना से सार्थे दानवे दे। बाक्केशनाबीक्केटानदे देन् द्रा द्रवी वाक्केशनाक्षेत्रावदे दे द्रा बा श्चेश्वासाश्चेत्रायदे प्यादान्याः श्चेत्राया विष्या प्रति । विष्या प्रत्या श्चेत्रा नःस्थानुद्रानदेःस्थास्याभारतो नान्दान्तो नाः भ्रेत्रानान्दास्याभ्रेत्रानान्त्रा र्के देश नविव र् प्यार निया सर हिरान रहा। के भेर राम हिरान है या नार र । क्रेन्ट्रिन्स्ये कुते नर्हेत् त्युया पराद्या सर्ह्ये रामये देश हा विश यश्रित्यापरे भेता यायळ्ययाळ्यायाया स्ति । स्त्रीयाळ्या थॅर्ने। कुःदर्वासन्दर्भ महेवार्से प्यम् सावि माव्यान्य प्रदेशन्तर नित्रः श्रूबिया श्रूबिया परि श्रूष्टित्र वित्रा स्थित । वर्षे प्रा वर्षे प्रा वर्षे प्रा वर्षे प्रा वर्षे प्रा

ध्रिम् विकार्या स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स

ग्रुयामात्री वर्षेयामायया हिरारे प्रहेता प्रमाशुर्मे रामदे प्रमा यादर्वायाद्या वया इत्युवामी मदायदे द्याया विद्या वियाम्य एं इत्युवानी महायानि वळदायते मुखळ वार्षे दादी श्रदानि विदाया हेवाया स्ट र्ट्र-विर्वित्वर्ह्रव्यव्युवाग्रीय्वयातुःविव्यूह्रवाग्रीवावेयवायातुः रुट नर हो द परि हो सबय दहा दृष्य मा सुरायका दूर में पार्टि द रो *ढ़ेशःचः* ख़देः गहेदः धॅरः श्चॅरः नदेः दर् होरः नक्करः दरः खदः नदेः देहदः दे। इत्युवाग्रीम्परायदे अळ्वले दिन्ने रावा व्ययाया तुन्या वारा ना वी कुर्गी वे नव्य सूर्य र्था में दे रहें या उदा सकें व मुर्दे र मार्थ सकें व हैंद्र-देवे हिंद्रा वर्देद्र-वा यमाधेव पर मश्रवा वि । यदाव हेवा हेमाय खेवे गहेत्रसॅरर्श्वेर्प्यदेखर्गुन्नेर्प्तकुर्प्रयाध्याधेत्रसारे देवे सळ्त हेर्-बेर-वा अरुअ-द्यवाश-कुर्-ग्री-ह्र-दर्युय-ग्री-मर-ध-क्रेश-ठरा सळ्य-हेर-रेर-चया अर्कें वर्त्य-रेवे भ्रेंना हर्णशक्षः वर्देर-वा अरशः मुशः ग्रेंशः विक्रामाञ्चार्भेरामवे वर्षे विक्राम्य क्षा वर्षे । वर्षे रामवे भी मा त्र्रियास्त्रेक्त्ये हिर्देश्याक्ष्रियास्य विश्वास्त्रे विश्वास्त्रे क्ष्रियास्त्रे क्ष्रित् क्ष्रे क्ष्रियास्त्रे क्ष्रित्ते क्ष्रित् क्ष्रे क्ष्रे क्ष्रे

महिर्यास्त्राक्षण्याः हिर्टि वहित् मुन्ति हिर्द्या स्वर्धाः स्वर्धः स्वर्वरः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्वयः स्वर्वर्धः स्वर्वयः स्वर्वर्धः स्वर्वयः स्वर्यः स्वर्वयः स्

नवनानिशर्टिनें हिट्यी ह्रायसुव्य की म्हार्य स्था धेत्र यदे में नश्य की दे प्यट श्रू दर्गे रायदे श्री रहे। गुर यह रायया में ग्राया ने व्याप प्राय ि नर्हेन प्रमुभाद्या श्रेस्रभाद्या दुर्धित याद्या दे द्वाद्या स्राम्स् यर वृत्रपदे सेस्र प्रदा सेस्र प्रस्त मुद्द प्रदेश के साम स्राम विश ग्रुद्यामदे भ्रुत्य द्वीत्र प्रवे विष्ट्रित् । यूत्र प्रदे ह प्रस्य भ्री मारामा प्र । न्र्रेव्यव्युक्षाःश्चेः स्वयुक्षाःश्चेः म्हार्यः क्षेत्रकाःश्चेः स्वयुक्षाःश्चेः महः यन्ता नर्धिन्यवे हावसुषा की मत्यान्त्यते वित्यवे से र्या रे गहेत में र पर् होर न कुर शेश क्षेत्र प्या ने कें न के त क्षेत्र रेश शेश पर् वेद्रावक्कद्रावस्रेवासी प्रविधानिया है सूरायमा दे सूरास्री वासा विद्या शुःश्रुद्रशः सः वे व्द्वासाया श्रीमाश्रामदे श्रीम् वेशामाश्रुद्रशः सदे श्रीमा भ्रेन मा भूरक र्वा राज्याक श्रीका नक्षा निवासी के प्राप्त कि निवासी वर्देर् से त्या है। सर्दे से कुत वया वयस वाहत सर्वे से देव नहेत त्या विश्वास्त्रम्या देवे द्वीयायायमा नस्रामान्द्रमी सर्देया हुत यायानहेन न्यायत्त्रायात्रा नहें नायायात्रा येस्यात्रा नहें ना यदे हिर्दे पदें व की र्वे न्या र्या हु से या इसाया विदेश स्वर्था कर है यानि वित्वति । अर्देन यम् अनाया इसाया नुमानी । विश्वामा स्वारी धेरा वनसादर् छेरानकुर् नवैरानस्यामा गुनानहुरा स्ट्रा यर क्रुवाय दुवा दी अर्दे श्रेकुव यश अर्वेट व दर दे वाद्यश दवा दर। |ग्रवसंभास्यास्यास्यः हे नान्ता । क्षेत्राययान्ता हे नन्तान्ता । हे स इयामान्य स्थानामान्य स्थाना विकामान्य स्थानिया

नविना अर्देन पर हैं नशर्म दे हैं र नदे खस दी दर्म या प्रश् सर्वित्यरहिन्यायरक्ष्रिर्वित्ययायाई वाद्राहे सेंदिर्दि वेंदिर्दा यन्ता वेशस्यायात्ता र्रेत्रायान्यात्रात्तात्रायात्रेया न्तर्या वै। नेशन्तुःक्रेंशःउव। देवेःदेवाःतुः ददःश्वाशः दवदः संः वृः वळदः पवेः कुः सळवःभॅर-ने। हेर-दे-वहें व ग्रीश शेसश श्रुद्ध रायश नदेव नवि वा भेरे ळेश ग्री द्रापा शे समुद्र में ज्ञार ग्री श शे दे पर्वे द्रवर में खू द्रमुद्र पर्वे भी सबतः दश्च द्रायः वाषा केवा दः दे। दरः दश्च शायसवाशायसः श्री द्रायः वर्षः न्वरः नृशुरः वदे अद्येव परो ग्रुटः स्विष्ठा अर्थे वन् वन् स्वरं स्वी न्वरः सेवेः उदा सळव हिन ने रामणा सर्वे व राम है व हिमा हमा साम से में मिना इसाग्वरावी द्वराधे धेत्रायदे भ्रेत्र देरात्रया द्वराधे ख्रावरा दुरादर सक्रियाध्य में अस्य सेस्य चुराम्बर मार सुराधित स्वे स्वा वित है। गुरु नहुरा यस। वैवास वाद ले दा दे दर सकुदस मर धूर परे श्रेयश्चर्राश्चेयश्चरायश्चिरायदेःह्यास्यश्ची विशामशुर्यायदेः धेरा वर्रेट्या व्रवर्धेश क्रेंट्रियाया पारे वसवाया वसा क्रेंट्रिया वर्षे उदाग्री मार बना धेद सर बना देवे खरा दे दे क्री द में खर रह द्वर उद ग्री त्यस प्रेत प्रेत भी स्ट्रिंग इन्तर म्वत ग्री में त ग्री स वर्षे न न । विश्वानाश्चरमार्थाः विष्ठाः प्रमान्यमार्थे। विर्देतः प्रदेशेन। प्रमानः हेनाः मेश देते देश हरा द्वरा देश का के अर्था हुर दे में अर्थ ने राज रहा। प्यराय डेग रॅ'र्ने'हेर्'ग्रे'र्नर्से'यापर शेशशर्र रशेशश्चर ग्वन वर्रेर्'हेर वा नदारी ने विवाशाया ही सायदा से विवाद समावया दें में हो न सा हुदा न्वरार्धिया श्रेस्रशास्त्रात्र स्वराधित्र गुत्राचत्र साम्या देशित

रदासुम्बाकात्वा रदासुवानदेवामात्वाधिदाळेवार्क्षम् स्वीवान्त्राह्य होत्रपदे द्रार्श्वेष्य वार्षे वित्र सुर्य पदे क्षात्र विवास दे सहित्र या दे। इम्राधित्र वर्ष्य के नियम्प्रियं वर्ष्य क्षेत्र के नियम मुन्य प्राव निवास वर्ष न्वरः में इस्र ग्री: न्स्रेग्र प्रायातः वे व्या व्या व्या वि वे वे वे वे वे वे वे इसमार्स् विमानास्त्रमानवे द्वेत द्वेत द्वेत स्था में गुन्तत्मायमा दे र्वे हिन्यार ले वा नन्य नरा नहें व वश्य भानर । इव य नरा हिन रे वहें ब निरा ने शर्म में विश्वान शुर्श में दे ही में सिंस रहें में विश्वान में विश्वान से सिंस रहें में विश्वान से सिंस रहें में विश्वान से सिंस रहें में सिं ननेवासाम्बर्धायाधीनाळेबासदे निमानम्भेतावका नर्षेत्रसान्दान्तरा <u> ५८.५८.५५.५५५ वर्षे १.५५५.५५५५ वर्षे १.५५५५ वर्षे १ । श्व.५५५५</u> दे। दसम्बार्थायम् वर्षे निष्या स्त्रीय वेशःश्री हिंदःश्रेंदःयार्विकःने। यस्रास्त्वास्यक्तिम्यासेन है। क्रुव क्रें के द द ज्ञान देश महत्य ज्ञाने मा के व से मार्थ देश द न द के व स्थार हिनःसंदे हुन। त्रिम्यान्यते हुन्। विश्वाम्यान्यते हुन। दे त्यायस तुम्या हैनास्य हुन। व्याप्त हुन।

वृत्यादी वर्षेयायायमा सर्देवायराहेग्रमान्दरावर्षेयायदेग्यसा यानर्हेन्यान्दार्हेशास्रहेनानी देने हेन्द्रायान्या वेशासेनाशाहुरा । र्श्वेरानाने भी शानुः के शान्ता देते देना तुः सर्देन हेना शान्दा प्रमेशाने ते त्यसंभूत्रसः व्यन्त्रपदः क्षुः सळ्दः व्यन्ते हेन् हेदे न्द्रः स्वारायशः नर्वेद्र-सर्क्रेनानी क्रेंनश ख्रायेतुरानदे छित्र समय द्युत्रायाम हेना त रे। दर्'र्स्ग्राणी'द्यर'र्स'र्ध्यदा दर्'र्स्ग्राणी'र्स्न्य'र्ध्यर'र्ध्यर' बेर्ना हेन् हेरे ग्रम्भावया ग्रीन्न स्वाया केया स्वया भी वया भी नाम सबुदार्स्चित्रायाः सन्दारार्थे वायाः सीत्रायाः वियः स्री र्दः स्वासः रचरः सं खेदे : सहसः चव्याः हः सः र्दा सः स्वासः से ঀঀৣ৴৻৸৴৻৾ৼয়৾ড়ঀ৾৻ঢ়৻ঀয়ৣ৴৻ঀয়৻ৠড়৻য়৻৸৻ঢ়৻ঢ়য়য়ঢ়য়৻ৼয়৻ गर-र्-रक्षे वर्ष्युर-नवे श्रीमा नर्नाम सुना स्त्रीय स्त्रीय स्त्रेत स्त्रा सन्दर्भाया र्श्रेयाश्वासदे श्री सञ्चत स्त्रियाश्वादा । इत्रायाश्वीयाश्वादे यहित से यहिशा शुःदर्देशःसरःदर्जुरःनःवे:५नरःर्से:वेशःग्रुदे। विशःमशुरशःसदेःग्रेर् यहिषाया युना हो। वर्षेया केताया के समुदाय दे मिषा ग्रीया साव देया यर महेत्र में प्रवद्विम प्रवृत्त न हे हैं न स विश्व मुद्दे विश्व मुद्दे । यदे सुरा विक्रिया वर्ते वा विद्याय द्वाया द्वारा निर्मात विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के र्बेट्ट प्रायम निर्मा निर्मा निर्मा के मार्थ में कि मार्थ में प्रमानित के मार्थ में प्रमानित के मार्थ में 

ळ'द्रश'नव्या'यदे'नर्डेर्'रा'पद'ळर्'ग्री'र्र'र्श्याश'यार'रुर'यी'स्रिद्विर्'रा' दे। इटार्स्चिम्यारी सून्यारी सळ्वाहेटा प्रेवाहे। गुवानह्यायया द्वटा र्धे द्वर्यसः हे स्थानर स्रेनसः द्वर्यस्य ययदः हे निविद्वर्ते । विसामशुद्रसः मदे हिम हिम हो। गुन महुरायया यमे ने हो हो ना प्येन हो। हो सम्बन मदे सुंग्रम देश मर स्वाप्य स्था है नदे सुर सूर्य स्थ्य स्था विष <u> ५५.स.श्रूचाश्रालावा सम्प्रात्तीया भिष्ठातीया साम्रात्ता ५५.सपुः ५५८.सुत्रः स्थ</u> ग्रिने निर्देश के प्रमास प्रमास के माने के निर्देश के प्रमास के प् न्नर में दि है । हुर कुन से सस न्मदे हैं न मदे । इह मदे । न्नर में दे हैं 'हे म मळित्रभ्यानस्यामदेश्रियामदे। हिन्देरदेत्वी न्नन्भेवि वे वि न्नन्या र्शे विश्वास्त्रां भी प्रतास्त्री मिल्या मिल धिम क्षियाद्धयावन्। क्षेत्रयावेयानुः भ्रेषे महेत्ये क्षेत्रयान्यायायी सब्दार्सियामा सर्देव प्राम्या स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त सर्वर सुर्याय है. येय सह सुर्या । क्रूंयय स्वय स्वय स्वर्ध संस्था । विया गश्रम्भ मदे भ्रम

त्या विश्वास्य विश्वास्य

शुःसर्द्रम्भाग्रीःयसाग्रद्धनाग्रीःयदायान्तर्वान्तर्भन्तरे कुःसळ्वः र्षेर्ने। इर्ने अवाश्रीशनदेवनि दिन्यस्विरः द्वारायस्य सर्वेर्वेयस्य श्रीः र्रे में र शुरायवे ग्रह कुन ग्री प्यवायना नत्व पशुरान वे भ्री स्वय द्युरा यायापि हैना तरे व नदेव निवेद नावशासन्य सम्मान सम्मान स्वाप्त स्वाप्त सम्मान हेन्य अपने अधिव स्तर्भी हार क्रुन प्यव स्वापि अर्क्षव क्षेत्र होर हो स्वाप्त र्वेश ग्री अर्वेद या सुवा नस्य केंश नर्वेद केंश उद्या सक्त हिट देर मया सर्वेद मु ने दे ने दे ने प्रति न ने दे न न ने दे न न ने दे न न यर वयार्थे। वर्देर पदे श्वेर। जावव पर फ़्र वें अर्द श्वर श्रेस अस्तर सेंदर यस हे अ विन परि कुर् ग्री हेना पर गुर परि यस हस अ के अ उता देर वया ह्या ह्या अवाधित सदे हिमा दे यह नदे यह वा हेत सदे हर कुन (धन (धन (धन रहे) निष्य । वर्ष प्राप्य । वर्ष पा हेन (धन रहेन । ग्री:प्यत्रायमा:इत्राया:श्रीम्श्रायानानाना प्रीत्मा:पीतायानानाना प्रीत्मा प्रीतायाना स्थान ग्री:प्यत्रायमाप्येत्रास्याः इसासराहेना सदे दि विदि प्येत्रासरा सु नरा ग्रुदि विभागशुरमायदे भ्रेम हिना भ्रे वर्षायम भ्रे इत्रेष्म संहिता नया दर विदेगाहेत्रमदे द्वार्श्यम् अहिंगाम महिशार्षेत्रमदे धेरा यहाम हेगात रे। इरक्ष्यार्च्याचेर्णी वयशाशु सुरायदे अद्वित्यारे देवे अळव हेर बेर-वा ६व.ब्रूग.गी.क्र्यायाययाक्र्यायवा नेर-व्या नेत्र-ब्रीमा स्वाया युनःस्रे। व्रवर्षे या ग्री ग्री स्वर्षे वार्षे ना ग्री ना व्या में दसम्बारायमानु म्वार्को । यदावा देवा दे यो दानाव मानुसा भूव सार् दास्य स बुगागर रुर में जुर कुन ग्रे कु ध्येत समाध्य बेर वा सर्वेद समाध्य है । याधरादमान्त्रदाखुरान्त्रीययाळेँ याउदा देरात्रया देवे से दार्दि से त्रा है। ग्राम्या भूनया प्राप्त सम्मानी मुराकुन ह्या पा धीम प्राप्ती सामि

यथ विरक्षिय में महिशाही श्रद्याय प्राप्त हिंग्याय प्राप्त विशाम्य प्राप्त विशाम वि

रदास्यायाया देक्षेदासदेवास्याद्वाहेषायाययाचेवायवे द्व र्भेग्रान्त्र्त्वाश्चेरान्य्रामदे सर्वेदायमायत् कर्शी सर्वेद्वित्रान्। बद्रासी भी भारादे हुद्रां स्कृता प्यवा यो सस्य हिट्रा प्येव हे। सर्दे से सुद यश र्यम् (वृत्रायाया मुद्रा कुरा मी । प्यम्यना इयायमा नविनाया नहें द्रा किंगान्स्य राष्ट्र देश्येयया उत्राम्य । यहसामा हेन् न् हें माया द्वीर में। विशामश्रम्भायवे द्वेम दे त्या ह्या हुन ही त्या न त्या न त्या न त्या विश्वास लर.रेचा.चेर.क्य.ग्री.लय.जच क्रूब.रच.रे.क्ष.तचेर.लर.रेचा.चेर.क्य. न्ना ग्रुट कुन ग्री प्यत त्यन न्नायन प्यट न्ना ग्रुट कुन ग्री प्यत त्यन । हेट हे वहें त' पर द्वा गुर कुन ग्री प्यत या निहर हैं अश पर द्वा गुर कुन ग्री षवःयमान्त्र्वः षेदः पदेः द्वेमा नेयः स्वः वे स्टः मनेव व हो । षवः यम इवः यान्यान्यान्ते पर्केत्रवस्य वर्षेत्रवस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस् सेन्-पर्वः प्यतः प्रेतः प्रेतः प्रेत्रः न्यु यः सम्यः यय। स्टः निवेतः प्यतः ययाः ग्रवशायवा । ग्राह्याय । यहारा देवा व्यवस्थाय । प्रविष्या यहार्येवः लय-जया-लुया । इस-याश्रस-ध्य-सूर्य-सूर्य-लय-जया । द्रस-याश्र-स्र-स्रिः धेरा ने नत्त् ग्रीश कुय श्रेन नत्त्र स्र श्रुन पर ग्रेन ने। इत पर्य कुय ब्रेन्'वर्षिर'र्थे' सु'तु'न्र'। वेश'र्न्न ग्रीश'सँ क्षंत्र'वहेंत् मविस'रा सूर'र्से सू तु-५८ नर्हेन्यम्केम् सूर्वेर्त्रतुः सु-तु-५८ द्यादनम्भामा स् धूराहासर्केनाः सुन्दान्दा विवासूर्या ग्रीयानदे नान दुवार्याः सुन्दा हिरादे

नर्वायाकी वर्षेयायायमा इसासराह्यायादेशासरावर्षेत्रासंदे यसायाधरान्यायदेग्धानान्यः वेशःस्यायात्रः क्रूरानाने देवे देवाः हुं देश प्रदीव नी प्रयापकर परि मुं अर्क्व परि दे। यर्केट प्रया दुः प्रवः वनानन्त्रः क्षेत्रः यायशः क्षेत्रायया ग्रीः देन् न्यूनः यदे वयन्य वयाया प्यतः लगानकुन्दिन्दिन्दिन् अवत्त्विन्ता अवत्त्विन्तालामान्वेतान्ते। वर्षेत्रविदे नव्यासन्त्रम्यास्यास्य स्वास्त्रम्य स्वास्त्रम्य स्वास्त्रम्य स्वास्त्रम्य स्वास्त्रम्य स्वास्त्रम्य स्वास्त्रम् ग्री अधिव सारी वसम् अप्यस प्यम् सम् मी सक्ष्य हिर बेर द्वा हर हैं अ ग्री:स्यानस्य केंश नर्ने नक्ष राज्या सक्ष निम्मे निम्मे सक्ष निम्मे धेरा वसम्याध्यसाधेव मदे धेरा वर्दे दासे त्या है। यदेव महेव महेव महिला स्वायारम्यायार्यस्व सुयान् वायार हैवायाधिव प्रदे हिरा वावव पर दसम्बारायसायस्य विचाराम् म्यान्य स्वारायस्य स्वारायस्य स्वारायस्य स्वारायस्य स्वारायस्य स्वारायस्य स्वारायस्य स बेर्-धर-भयः द्यानरुवःवन्धर्भवे श्वेरा वर्रेर्-से त्याने। ग्रूट-स्वाप्य यनायायदिना हेत्र सदे ग्रुट कुन प्यता सना हैना सर ग्रुट सदे यस द्रा वन्याययार्हेगान्ययाग्री ययागहियार्थेन पानवित्र नुपर्ने रायदार्थेन प्रवे

मुन्। देरःचया वसूःवःयया धरःद्वाःयदेःसूःवःयःश्रॅवायःयःययःग्रेः षवःषमाः इस्र रागुरः मेरः दमाः यहेमाः हेवः यः धेवः यः देः दमाः वेः स्यायविवः न् नक्षानर नुर्दे । यार न्या वहेया हेत यश वन्य या ने न्या ने प्यर न्या सद्भिकामा विकामाश्चरकामद्भिमा धरामाञ्चामान्ये। वर्षोवामायका यसाग्ची प्यताया न मुद्दान पदारादे भ्री स्वाया न मुद्दार्थे । प्यताया न मुद्दार्थे । ने अर्बेट प्यस नु र्ह्ने नहन श्रीय ग्राट नन्न ग्रायदे श्रीयां ग्रायेट प्रसेट प्यस् ने भू त प्यान स्वापित स वर्रेन्सी त्याने। न्रीमामहेन्सीयायाने दिस्यान वन्सवे सीमाने। न्र्या सबदु दर्जेवारा तथा वरान्या पर न्या पदे खेरा न दे हैं सामदे वसा ही है सर्वेद नवे यस या प्रत्या सु मार्के द परि प्यता या मही विश्व मासु दस परि ही मा लट्राच कुष श्रुव्य श्रुट्र द्वाराय स्तु निर्देश स्त्र स्तु व स्तु श्रुव्य स्वर दी त्रमामी त्रमाने देशमक्ष्य हेर ने माम हिन क्षा प्रमाने का निमा वया देवे भ्रेम वयवारा यस प्रेत प्रेत भ्रेम वर्षेत्र से तुरा वदे व्याद्युत कुःसरः परः धेः नो सरः देना सः से ।

। वि'गव्यात्री:कु'यळव'ग्रुयायी'नहेट'यदे'इव'य'द्टा यहेंद्रक्षेया र्शेन्या सुनः परे हिंदा देव दिन प्राम्य स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्था मुना निष्य यश दें र्वे हे न न ले वा धव यम न मुन्दो धर न म से ह न न न लर.रेवा.राष्ट्र.ध्रेवा.रा.रेटा लर.रेवा.राष्ट्र.रवा.रेटा लर.रेवा.राष्ट्र.जन्म.की. सबयन्ता सराम्यासदे पर्के नाम्या सराम्यासदे हैं यानाम्या सरा न्यासदे र्व संन्दा धर न्यासदे हिर हे तहे वहें विश्वास्य स्था सदे धेरा नसूर्यात निवे पेरिने विद्यान निवे पेरिया शुम्मेर निवे र रिने पर रमा मदे हैं ना में में हो दादा। यह द्वामिय है हमा दहा। यह द्वामिय से स्था ही । सवतः नदः तर्के नः वाश्वाः वाववः धेनः क्रेशः चरेः धवः वावाः नदः। व्यवाः सः गश्यामहेत्रसेते प्यताया प्राचित्र वर्षेत्र वर्षेत्र प्राचित्र प्रा र्षेद्रश्राम् वर्षेद्र द्राम् वर्षेत्र वर्षेत्र केश्य स्थित्। वर्षेत्र केश्य स्थित्। बि:समुदः मुन्न में नहेदः में र दी | यस मु: यदः यन दे न मुदः ही | विश गशुरुषः प्रवे: धुरा क्षुर्व १८ : व्यव्यव्यः प्रवे व्यव्यक्षः क्षुरः व्यव्यव्यः वि मशने सूर नाई न मिरे सुरा

स्रे। त्यान्य स्थान्य स्थान्य

## तुर सेस्र प्रम् मुद्द सेंद निर्देश मिली

यदे क्वें क्वेंट य हे द दर्ग वर्ग वा व्याया मी क्याया व मुद्र अदेव श्रुया द हे वा या यदे इसायर वर यदे क्वें सळ्द सासे दाय द्वा वर्षेत की से हमा दर मंदे क्रमायम् वम् मदे क्रें क्रिं मा मेन्या मुख्य पिन् मदे हिम् सवदान् हुन यायामिक्वायाम्। इयावमानन्त्रियाने क्रिं द्र्याविन यम् वर्षायामा दरनेरस्रे व्ययने स्मान्यक्रियम् यदे दें दें ने जार विया सर्व से द शे दें दें स्पर दें भूर भेदा श्रें द से द शे दें दें लर. दे. क्षेत्र. लुच. चतु. बुद्री दर ह्ये. चीय. क्षेत्र लिय. चत्र. क्षेत्र यथ. विश्व विष्य विश्व यदः इसंयान्य द्यान्य सुरसे द्या विमान्य स्थान्य द्या हिन से निनम दरःवद्याःवीरःक्षःवदेःखुव्यःभेदःयःयारः वयाःवीः वद्याःभेदः श्वःभेदः स्वःभेदः धेराहे। हे सूरायश्राम्या दे ता सूरायाद्या स्वापायहिता ग्रीयाती द्वारायर प्रत्ये देश हें दारा हे दार्दी विया ग्रीद्या परे ही स हवाराविकारायुवारे । ध्रायम् सायरा ह्रायम् हिवाराम् स्रीवाराम् बेर-सदे-ब्रेस्स् विशामशुर्शासदे-ब्रेस् वितासे स्नापदे-कुर्यासेत ग्रीः सक्तं प्रदेति दे प्रमाया प्रवित्ता प्रवित्त स्यापा प्रवित्तर है । से व्याप्ती प्राप्त स्थापा प्रवित्त स्थापा प्रवित्त स्थापा प्रवित्त स्थापा प्रवित्त स्थापा प्रवित्त स्थापा प्रवित्त स्थापा स्यापा स्थापा स्य ग्री ह्रास्य निविद्या लेवा वेयामश्रद्यायदे भ्रेम मश्रुयाय मुन स्रे प्रयय मश्रुयाय सेंद्र यदः याहे दः स्टान्य निर्मादे सी सुरा यस्य स्था क्रिं दः त्यसः द्रिया स शुः सेदः सदेः ध्री सदेश विश्वाना शुरुषः सदेः ध्री स्वार हो। है सूरायश से ह्यासन्दर्भ्यानस्यानदे ह्यासम्बद्धिरान्। गुन्दवृह्यो ननेन्सदे इसायानि में इसरा ग्री सारी दस्यायर वरायदे के क्रिया से दायदे हैं विश

गुश्रुद्रश्रप्रदे हुर् इतर पर्ट्रियं स्थाने। गुश्रेर प्रसेट प्रश्र ही गुश्रुस यादह्माद्धयान्यावेषान्यन्त्रण्यादेने वे ग्रावान्यत्याव्याव्यावे मर्दे। विश्वामश्चरश्चारे भ्रीत्रा मवदायता देखान्त्र विश्वान्त्र व्यान्त्र विश्वान क्रॅट हेट र्श्रे नाया नाश्यान यह नारे में में या यथा क्षेत्र में प्राप्त नाया है विग हिरारे यहें व शुः अथाय १५ या देर अँ या शुरार्वि व था श्वियाय। इया बर-द्याग्री-श्रुयानश्रुवायादेर-वद्याययादित्वायान्वदाद्वीयायदे भ्रीत्रा दरसें मुनः भ्रे वस् नायमा नर दुः भ्रें राम हे दादा र् भ्रें वास से दाय दर । अळव्यायोदापूराची व्यायोदायरा वसूत्राया देरावी दे द्वार्थिया या दरा नमसामान्दरः भ्रेसामास्य स्ट्राह्म । विभागस्य स्थान यदे हिम् हे ज्वा सेन्य दे हिन्य स्यासूर यदे ने दिन है। विहेश या ग्री क्षे नस्यानायमा नारान् केरारे वहेन में क्षार्वित्र मास्त्रामानेराने रे न्यार्श्वेर्यायायया हुनायायहैया हेवायान्यायहैया हेवाययायन्यायाहेन लुय्तर्यर्यक्षेत्रयर्वि । विश्वामश्चिरश्चायद्वात्त्रीय मश्चिर्यात्राचीयः है। यहा यायमा याटार् दे द्या इसायर वरायदे द्वेदे क्षर या शुरमाये दे दे न्नायहेना हेत्र यश्यन्य संहित् धीत सम्यास्य नम् नुर्दे । नाशुन्य सदे धेरा

यहन्यायायाय्यायाय्याय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्याय

ॻॖऀॱ<del>ढ़</del>ॺॱॿॸॱऄॗॣऀॱॻऻॶॺॱॻॖऀॱऄॗ॔॔॔ॸॱढ़ऀॱढ़ऀॸॱढ़॓ॱढ़ॾॖॕढ़ॱख़ॱॻऻॸॱॿॻॱॻ॓ऻॱज़ॸॻॱ सेर्'ग्री'इस'ठर्'ग्रीस'विय'सर'त्रया द्योव'सदे'सुर'देदे'सुर'र्स्'स्वा है। वेगान्सवन्दर्ध्वस्य में में गश्यामी हैं रहेन में नवरन् मुस्य परे धेरा वर्रेन्से त्राते। क्रॅन्हेन्से एकेन्से प्रति वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र हिरारे वहें व व्याप्त प्रवे हिर् हुव यथा हिरावहें व गश्य है। हुर प्रवा वे यायमा क्रूट हेट ग्री हेट दे वहें द ग्री माद बना दरा के माया बदना बेर्-पर्दे विश्वास्य स्वरं द्वेरा म्वरं परः। देर वयः वर् शेयशः है इसाबर दर में सामन्या से दाया है सामे साम होता क्रें व से दारी सामन्या वहें त गडिगार्शें दा। अळव से द ग्री स न द ग वहें त गड़ि स श्रू र स स से देत र् हेर्परे हेरा र्र में जुन हो। कुन द्वीय यथा हेर हेर् नार वन दरकेंशायानद्यासेदायापेद्रशास्त्रात्रेशायम् नुप्तदे हिमाणेदार्दे । विशा गश्रम्भारते भ्रम् गहेशमा ज्ञान स्री क्रुव प्रज्ञेय यथा र्सेव सासेन सादी दे'द्रवा'त्य'वद्रवा'त्,'वहेंद्र'सवे'हेद'श्चेंद'ववे'हेद्रेंद्र'स्वि' विश्व'वाशुद्रश'सवे' यन्ता । अर्देव शुर्य नु वे नु नि हो । श्रिंद हेन व श्रें व श हेन वहेव इसमा विमागस्य मार्थे स्थान

म्बाह्मराद्याम् स्वाह्मरायाम् स्वाह्मर्यस्वाह्मर्यस्वाह्मर्यस्वाहम् स्वाह्मर्यस्वाह्यस्वाह्मर्यस्वाह्मर्यस्वाह्मर्यस्वाह्मस्वाह्मर्यस्वाह्मस्वाह्मस्व

यःचाशुक्षःक्षी । विशाद्मा धुः सञ्चादकदः यद्मा वज्ञेवायः वक्षी सर्वेदः नदे के अप्यानने नर मान्या प्रदे प्रयापा वेश मान्या ने प्रराद इयामा र्क्त्र विश्व वैरा यहेश मादी समायर प्रमित क्रूश हरी हिराय श्रीया नदे यस न्दा अर्बेट के अन्देर में स्थान का मी यस महिका थें न दी महामें अ उत्राग्नुग्रायाः क्षुः नदेः <sub>क्</sub>राध्यः प्रान्। ग्रानुग्रायाः यो नुग्रायाः यो नुग्रायाः यो नुग्रायाः यो नुग्रायाः क्रमः वरः प्रा कृषा सदि क्रमः वाश्वायः प्रात्रः वाश्वायः यो वाश्वयः ग्विदे द्रमः वर नेवि दर केंद्र पर् र्यामाय पर्योग पदे द्रमः वर्रा ग्रेश इसाबराष्ट्री साधामिक सारी धीवासदे हिरा गुरुसाराष्ट्री देवादरासबद न्धन्यामहिन्। न्दार्याची श्रीन्त्राधिनानी हेन्द्रा सेसमाहेन्द्रा युवा क्रें ख्वा देशके वा दर्वे राम द्वा थें दर्भ दे हे ता हे तर हो वार वा र्षेर्-र्रो वेगिक्षेर्-श्रीःर्क्षेग्राययाक्षेर्-र्रो वेग-र्यदश्रीः मुन्त्री दिर खुरा सर्दिन मुन्तर । न्या नर्देस महिरा गादे क यस इस में या ग्रीयाचेर्पयरे भ्रीयाते। यद्दिरायया ग्राच्यायायेर हेयाचा प्रया ग्रीया ही। हिन ठन ख़ूना संसे त्या भी। विकारी। विहेश संधित है। सर्हे न त्यरा नश्यामाहत्र दर्भे महिश्व न्यत्र ग्राद्य मुद्र नह्य सूर नश्यामाहत् वित्रायावहेव परिष्ट्रीय। गुवावहुबायबा धेव हव परिष्ट्रा वाहे थूय सर्वित्यरः श्रून छे व विश्वादर्ग देवे त्यवाद्य गुवानहुशायश ध्वाह्य स्वाः अर्वे रहें वर्षे अर्था श्वरः क्ष्यः श्रेश्रयः द्रायः द्रायः द्राये वर्षे वार्यः यापार तुर हो रचा शे सबर दीव पादे चर्मा मानव चित्र पाया महेव वर्गा सर्वित्यरः स्वानः स्वा विकामश्रुरका सदि द्वीरा मश्रुसारा दी ध्या प्रेरिते। म्बिम्बर्कः कुरावबराद्यार्श्वम्यानाराय्त्रेत्यीः नुस्यार्थेत्याये स्वित्र वि यः इसः वरः नशुसः ग्रीसः श्रुयः द्ध्यः व्येतः देने सेससः हेतः नससः न्युनसः नरः

<u> ५८.ज.चहेव.वश.क्ज.दर्ज</u>ूर.स.रर.ज.चाञ्चयाश.ग्री.पर्न.चेश.चवया.वश. धुःर्रवः हुः ग्राबुग्रथः क्रेः स्वरः नवरः स्वः ग्रारः वर्दे दः श्रुवः सवेः हेरः रेः वर्दे वः दरः नेशन्तरी वार्वाशरून वार्वाशरू स्थाप्तर है निर्माण के स्थाप्तर हैन देशक्यावर्ह्यस्य स्टाया भेटा निवेदे सुटार्से निवेदे प्यत् भेषा ग्रीका ही स्वा हु मार्चम्यास्टि प्टेन् स्थापायते हिरारे प्टेन् न्रान्ने यास्याने मार्चम्यासेन द्रूटाश्रुयामायान्त्राच्या श्रेष्ट्रमामाधेनाश्रेष्ट्रायाश्रुयाममाश्रेष्ट्रमायानवेः गाने वे से र मा श्वा श श्वा श श्वा सव द्वा है श न द श हिं । न द ग मा वे ग यर विषय पर विषाते। देशिय से राग्नी पर्ने के पर रामें के निर्माण कर निर्मा मदे तर् भी भागहे भागभया दशास मराग बुग भामसभा उर् सूर्या माधीरा दिर-तुःस्री सामिति हिरारे विदेव स्वेस रामा निष्वा विष्य स्वा मित्र स्वा वर धिवः यदे हिम् वयम् अप्यास्य स्वर्धाय ने प्रति मार्थ स्वर्ध सम्यादि स्वर्ध स्वर्य स्व सरावात्रशास्त्रायदे वाहेशा द्वेताया सर्वा सर्वा स्वरा ग्रीया सर्वा स्वरा ग्रीया सर्वा स्वरा ग्रीया सर्वा स्वरा र्विशाहे ह्यायासरायावयार्था विद्यायाश्चरयायायाववायायायाश्चरया यदे भ्रीम इसाधमाधी साध्ये सम्बन्ध हो स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप यान्त्रम्थारुत्याधीत्रायात्रसायात्रीत्रीतात्रविति तत्राने साम्यवित्रास् यदे हिरारे प्रहें तर्रा के अर्म या मुम्मा से दाये प्रहें अरम के प्रहा के मा दर्-रग्रायायाके नर्वे नदे दर्वे ग्राया हे हे प्रेर्य प्रेरी व्याया हे या है ऍ८.८। खेश.मी.५र्चेर.य.क.स्रॅशश.सदश.श्रंशश.श्रंशश.चैर.क.सक्ष.२. होद्रास्थात्राक्ष्र्रेय्यायह्याद्वा द्वा प्राप्त स्वाये गुत्राद्यो याद्वा याद्वे याद्वे याद्वे याद्वे याद्वे या वर्षात्रमान्यः वर्षेत्राप्त्रीयाप्रवेश्वेत्र। सहत्त्वीयायस्त्री। विदेशाया

स्वतः न्युन् ताः वा विकान् स्वा क्षाः विन्तः न्युन् विकान् विकान्य विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान्य विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान्य विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान् विकान्य विकान् विकान् विकान्य व

नवि नायन्याययात्री वर्षोयायम्। वहिषाःहेताययायन्यायदे यया यान्यस्य मान्त्र नित्र मान्त्र मान्त्र मान्त्र स्थान्य सर पहुंचा स द्वा क्षे द्वार्षे । विश्व हुंदा वर्षे श क्षेत्र अवव द्वार स गशुरायमा दरार्धेकी धुरायमा नेराधितादरे वे सबराधीमा गवमा मदे र्श्वेस्थासर प्रह्मा मदे सर्च्या मुद्रे सर्वे । विश्वाम्य द्योयाया यश्रायकन्यन्यन्यन् व्रीता विश्वात्वः के शास्त्र विश्वात्वे विश्वात यसायासबराग्वसार्द्रेससायह्वाप्त्या्धेरादे। यद्रशायसाग्चीरेंदिकेरा शुरायदे नश्यां मित्रं मात्र्वासाय सेन् शिः श्रृंस्य सायह्या निक्तु नार्यामा मंदे क्रिंस्स प्रद्वा क्रे न्वा पेंद्र मंदे हिन है। वद्य वस ही दें के मुक् यदे द्वा वर्ग न कुर पेर केर । वर्ग न स्रूबाय वर्ग न या वा वा वा विकास विवास वि र्श्वेययायहणानी सुवा स्वेताये ही मा मुन्ति स्वेत्या मुन्ति स्विया स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा कें स्यायास्यायाः सूर्वायाः स्वायाः स्व न्दार्चनाक्ष्याने सूर्यान्ति सारासाने सूर्यान्ति नावी स्थापना साराया न्यायाः यवयाः श्वरः याश्वरः याश्वरः प्राच्याः विष्ठेयाः । विष्ठेयः । विष्ठेयः । विष्ठेयः । विष्ठेयः । विष्ठेयः । व वसवारायवीवाः भ्रूष्यराया से वह्वा ने स्त्रा इत्यम भ्रूष्यरायह्वा न् ग्राधीः यन्याक्षेत्रप्ता विष्याग्री सुर्वियाय हिन्या विषया विषया स्थित 

ह्वायावया विवासे। यर्ने नुःसयाने स्ट्रमःस्र्रेसया परायह्वा रहेया विवासी यदः श्रेम अर्दे स्था अर्हे रायम बनार्दी । वि हे वा वा दे वा स्थित स्थित । श्रेव-र्-पर्देर-वर्वेव-र्-पर्वेवा-र्श्वेयश-र्-र-पर्वेवा-धरि-द्वशः वर-र्देव-वार्वेवाः वेरावा दें वा दर्गेना पदे द्वा वर्गेना स्त्रे स्था वराया यो अ वित हिरा दर्गेना स्त्रे सथा कालमामाधियामामान्यामामामान्यामा वन्नद्राचित्रं ह्यायावया वर्देद्राधीत्याहे। इस्राचन्द्रावया इस्राचरा नकुर्दे नुरक्षेस्रयायम् वात्रम्स्रया ग्रीयाद्वयायस की दिनिर्दे न्यू नु व्यानान्ता वर्षेताः सूर्याना स्थाना स्याना स्थाना स हेत्रायशायन्श्रामवे त्यसान् नवना में नवेशामश्रुम्श्रामवे ध्रीमान पर्नेमासा विया सराव हेना न विन्या से देने हो हे देन त्य पर्वो ना खूँ सका ना सर हो से द बेर्ना वें ना सहें रायशा गहेशागायरें रापराम्बर्गाश हेता रवा विर्माण यन्दर्भे सेवे दर्द्य । विषान वद्या से प्रवद्य प्रमान दे ना सर्भे व शेवे हेव उव ग्रीयाया प्रियाय वे श्रीया हमाया सेंदा हेर प्रया महमाया सेंदा हेवायानागराश्चे व्याप्ति प्राप्ति श्चेरा यहाता हेना हे श्चिराया हेवा या से शाह्य व बेर-वा अहें ५ र र त्वेयायया वर्षे वा यदे खूँ अया यर वह वा या दे ५ र र्धेर-भ्रे-न्यायी-वर-र्-र्स्रुअअ-धर-वह्यायी । ध्रेअ-शु-४अअ-ध-याञ्चयाअ-ग्री-पिराया शुः श्रूराया प्रमाय प्रमायम् । विष्या प्रमाय । विष्या । विष्या प्रमाय । विष्या । विष्या प्रमाय । विष्या । विषय । विष्या वया ने क्रिंस सदे हे दाय से या हिन सदे हिमा ह्वाया प्रया धराव हे वा ॻॖऀॱॿज़ॱऄॸॱऄॱऄॺॱॾॖ॓ॱॡ॔ढ़ॱढ़॓ॸॱज़ड़ऀज़ॱऄॱऄॺॱक़ॕॕॺॱॷॢॱॺॱऄढ़ॱय़ॸॱॿॺऻ वर्रेर्पिते हीरा वर्रेर् से ज्याहे। सूस्यापह्याप्त्योव परे सूस्या वहुंगाया शेश्रश्राद्यां से गडिंगा धेंन् मंश्रायो भी शकें श्री सामित्र में भी नामित्र से भी नामित्र से भी नामित्र

हे। के.चर्व.क्व.लूट.जी.खेव.ज्ञाताका वर्त्त्वाचाताता.क्षेत्रका.चर.वह्वा. यदे के सेस्रास्त्र स्मर्से प्रम् या धे ने सायसाम्बन प्यराधे निस्तर्से त्वन् प्रवे ने मुर्याप्त प्रामीया ने वे रहे हो स्थे स्थित स्थान स्थान हो सा मुश्रद्यासदे द्वेत्र वर्षेयास यया ग्रदा ह्या हित्र हुन ग्री द्वेत्र या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त वःश्रवाश्वासःश्रीश्वासःश्रेद्रासदेःषेःभ्वेशःश्रीः वद्याःहेद्रः ववशःश्रुद्रः स्थाःश्रूद्रः यात्रस्य उर् ग्रीट के या ग्री स्मूर सर्दे दायर नहें दाया धे दा दें। गश्रम्यासदे भ्रम विमास्री वस्रया उनानमा के सामि स्रीते में दे ने प्रीता प्रीता स्रीता बुरा विश्वासायार्ष्ट्रायारे दे श्रायबदासराबया क्षिताक्यादे तायद्यायसा ग्रीमें में मार्था मार्थी मार् वर्षायमाग्रीः र्वेत्रयाग्रीय। वेषाम्बर्यस्य देते स्वास्त्र मेर्व वन्याययार्भेन्याग्रीः र्वेनायम् नत्र रह्यान्ता भूस्य वह्र्यां यी प्राया श्रेश्वराभेन् व्यवस्थित । स्ट्रिंग्या स्ट्रिंग्य स्ट र्रे में र शुर्र परि पर्वे वा परि रें ब्रुं सरा पहुंचा न्दर न्त्रा पेंद्र परि से है र है। इस नन्दायमा यहेवाहेदायमायद्रमायदेखमानीहेर्देन्य्यूर्यदेवममा न्गासे न्ग्रार्धेन्यदे धेन वेश म्रुत्स पदे धेन यरने या वितरो है म्याकाः स्ट्रम् तर्ने के का हिन्या अहसायमा नव्या प्रदे । यो की का हिन्यमाना ५८। वसम्राम्भेरमिहेमार्स्टर्र्स्म्याम्यम्याम्यदेख्द्रसेद्यासे वलेन्यर्था नेदे र्श्वेस्रायह्या र्श्वेस्रायह्या धेर्यं प्रदेशेन पर्नेन्या श्रात्वर्त्यर्व्या द्रमान्त्रिया दर्ग्यायते स्थित्या दर्ग्यायते स्थित्य स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत र्ये निवन मुक्ता सर्दे से सान हु मदे दिन द् सह द न सार्के साहे द त्या सहसा यर नवना यदे सहसानवना थे लेश हिन्यर न नहेना या सहन था

वर्देर हे क्रेंन द्रेंन द्र दरवया शरा गहिश गुश कें गुश हुग वर्षेर द्र वरुषायारवाषायावायावायवे स्वाधेवायत् होता ही हात्रायाय वेता यर म्याया मी वेया मुद्दार्था यदे में राज्य स्था हिन स्थे हे प्राया स्टेर नन्ग्रामा उद्याय नुर्वे द्र्यामा दे हिन्दि । वय द्र्यून न्याय स्वापित है त न् नुसाद्याध्याकें साहेदाग्री वर्षे वासाकें रायन् रेवासायाना वरे थे नेयन्ता क्रिनन्येवन्तर्यम्यायस्यम्विः धेन्तीः क्रियनेया शेन्द्रिन्तुः र्द्धेर पर् रम्मायायायायाय प्रते स्वासीय की में में रामसी र प्रते स्वास वह्यायी निरादे वहें वाया विदारे वाया विदारी के प्रायति हैं वाया विदारी के प्रायति हैं वाया विदारी के प्रायति हैं मुत्रायम। दर्गेनाचायार्थेसमाचरत्त्वाचित्रचित्रभेभान्ते मुत्राया थेन् ग्री इसामर विभाग से नामाया नदे क ने विन तु स नदे खुव ग्रीमा वह्नाना इट लेगा निर्देश सामाना माना सामाना सामाना हो लेगा म्बर्भार्या स्वेत्र वियासे। यदे हे रेव में क्ष्यान वेदाय स्वया सकें पा ह्वा चलामहिरालामञ्जूलामाने पर्मेनामा धिरामदे । मुर्गेनाम् स्रोतास् इस्राचन्द्राम्याचेद्राम्ये भ्रम् देरामया वर्गेषायवे इस्राम्याचे सूर धेव परि द्वेम वर्षेयापायमा वि नमाम्बर्गापि यस मी माम्बर्गा त्र्भेशन्दर्केराचायर्मेनायदे ह्रसायान्छेना स्रो वेशानासुदसायदे । ब्रेम विमान्ने कॅमानामानामानानानामानामानामानामाना नग्राचारित सूँस्र पद्गाधित प्रसार सेस्र प्रमान्ति सामा खेन प्रति सुमा इस यन्द्रायम् केंद्राचाद्रायद्रानेमारमामामाने वर्षान्याम् ययाग्री:रराविदायायर्भे यादरार्टेरावायर्गे मार्यते स्थायरा बराया

गठेग है। वेश गशुरुष परे हिन है। एन है। यन के अन्तर हैं र न पर्वेग यदे द्वा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे राष्ट्र वर्षे राष्ट्र द्वा वर्षे वर्षे राष्ट्र वर्षे वर्षे राष्ट्र वर राष्ट्र वर राष्ट्र वर्षे राष्ट्र वर राष्ट धेर-५८ दरे पर दर्गे वा सदे र्श्वेस अ दह्वा ५८ हमा बर वाहे अ गा धेर यदे स्रिम् वर्षेम् वार्थ्या देलेश श्रमः श्रिम द्रिम द्रम्य प्रमाश स्र र्श्वेयश्वह्यान्त्वेदावर्ष्यान्यदे भूतशासु हिन्यम् सान्निन्यदे हैं। सळव्र ग्रेना सेन् प्रमा इस घर नुसा सु न वृत्र चेत्र परि हु। सळवे ग्रीकासाधीतामधेरप्रीम् नेमामवा हिन्गीकार्स्टमायन्यकामधेरिन्न र्ळें र पर्नु नगाना सर पर्ने न राये ही रा हिन है। कें र पर्नु न र से समानित क्रुव यथा गुव गवि विश्व येव सन्मानी श ग्राम देवे के हिंद थे में पेंप सम श्चे प्टेंद्र त्या श्चें खेदे इस ने राद्र पे राद्र ने राद्या राद्ये रावहरासा खुर्यास्य निवासी स्वीत्र देवे के निवास मान्य से निवासी प्रमानिक से निवासी से निवासी प्रमानिक से निवासी से निव वेश ग्राश्चरमा से त्वर प्रति क्या सक्त स्तर में मार्थ स्त्र स्त्र मार्थ स्त्र स्त्र मार्थ स्त्र मार्थ स्त्र स्त्र मार्थ स्त्र स्त्र मार्थ स्त्र ग्रीसार्शे । पावदापटा है सूटायमा वे पर्याप्त्र पाद्र प्रसादी प्रसादी प्रमान र्ट्स्ट्रिंग्यायम्यात्रेयाच्यात्रेया विष्याम्यात्राच्या दे वयम्यायायायायाये वित्राक्षे वर्ते वित्राम् वित्राक्षे वर्ते वित्रात्रात्र वित्रा नश्रुवं राष्ट्रमारायस नुभी रामित केर् धीव मदे श्रुम है। नश्रुम प्रसा यादः तुः ते । त्या इस्राध्य राष्ट्र र स्वीते र स्वीते । स्वीता । स हेत्रायशायन्यायाहेनाधेत्रायसायाष्ट्रायसायुद्धे । वियाम्युद्यायदेःस्रीस् हेवःक्रेंब्रायावाव्या दर्ने त्याह्वास्यावासामान्याया वेशःगशुरुशःमदेः धेरा देशः दश्चिशः स्था केंगा में । यदायः हेन गुदः म्बितः स्ट्रेट्ट् कें म्यानुमा विक्रानम् माना याया वर्षेट्ट सारी विष्ठा प्रमान

वया अन्यायदेराग्वावि से पर्देरायदे हिरा द्वीय के वर्षाय गुनेग्राशी स्यायराधरायमुन्द्रिन्दा वेशाद्रस्याख्याया गर्नेग्राग्त्रग्विन्दर्देवःधेद्रग्रीन्विन्द्राः हिनःह्री वयग्रास्त्रेर:न्दरक्षे:नन्त्रःभ्रान्सःस्त्रःग्वःपवि:वर्देनःसःस्वःसन्वःधेवः यदे हिम् वि पर्के अ ग्रमा न्तु या क्रुव म्माय वे वा वे म्मायी अ दे यर मृत्रे भेर पर सेसस यहिस ए मुराय परि मेर महस से प्राया । वस स्ट-द्र-द्रम्य न न हैं मान्मिद्र विशन्त है स्याद होया स्था है मानि श डेगारुम् अर्थेम् नार्थेम् । डेश नाश्यम् मार्थ हिम् के नत्त्र क्रुव स्था के वत्वःश्चीःभ्रवश्राश्राग्वावि।विश्वायेवाधरावर्देन्।धादे।द्वावे।दराहेन्था देवारादे दक्ष्रभार्येदाबेशार्थे। विस्ववाशासुयाद्गार्येदार्द्धयावाशुसार्येदादे। विक्ति। श्रें श्रें र वहवाश वर्षे वा वी दें र्वे श्रेश्रश दिर श्रेश्रश वुद वनावा द्यायायर्ट्रा पाठेगारोससार्ट्याय्वायायायीतायायर्ट्या पाठेगाहेता मुःश्रेस्थः ५८:श्रेस्थः तथः चुटः च वर्षे वा चवे वाद्यः भ्रवः ५८:वाशुसः र्षेर्परि: धुरा र्रार्थे मुनः भ्री नेना नभूश ग्री प्रमेश परित्रामार प्रश विक्ति। श्रें श्रें र नहन्न श्रायदे वर्गे ना यदे हिन् यर ही र र नी रें के अअ दरसेस्रायसम्बुद्धानासी भ्रीमा उसारि वाधीवास्य परिद्वा डेसाम्सुद्रस यदे स्रिम् वर्दे स्वय द्युम्य स्था स्वा सम्वर्दे द सदे स्थाय द्रम्य स्व गहिरामा मुनः हो देव गर्या नि हिना सेस्र नि ह्व मा साधित नर्त्र विश्वानश्चर्यानदे भ्रीत्र नाश्चरान्त्र मुन्तिन मिर ठेगा हेत् श्री सेसस ५८ सेसस यस शुर्म न पर्वे ग्रापिय ग्राह्म स्थान स्थान वेशामश्रुद्रशासदिष्ट्रीम् ने मश्रुक्षाक्षे प्रम्यम् मम् मण्या न्दार्भे प्यम् गहैशना पर से त्वन् गुरुसमा पर से त्वन मदे हुन न्दर्भे गुन से ।

इसाबरावक्यराने साराधितायदे द्वीरा विवासी वर्षावायदे दसाबरादर दर्गेना सदे रेंब्रुस्य पद्वा नी में देंब पद नदे ही मा देंब नायर प्या इस सर.बर.स.च्युर.र्टर.केंब्र.स.बुब्र.ची.च.बैर.चतु.बुर.सू । बुब्र.चाशुर्व्यः यदे हिन हिन है। गुन नहुष यश दर् हिन ही सुर में र न निर यदे हिन गहेशरा गुन है। अन गुन स्थित स्थान स् लेव.सप्त.हीमा कंव.हाय.लट.प्रियाश.सश.ज्या.ह्या.कं.श.याधेश.यशवा. नदे भ्रेम देव नायर प्रया दे प्यादर् भ्रेम भ्री प्रदर्श हो साम हो हो साम गुर्भर त्यमा है गुर्भारा गुल्द गहिस यस गुर्मा लेस गुर्भ संदे हिरा वर्ष्ट्रेशक्षेत्रविष्ट्यविष्ट्रविष्ट्यविष्ट्यविष्यविष्ट्यविष्ट्यविष्ट्यविष्ट्यविष्ट्यविष्ट्यविष्ट्यविष्ट्यविष्ट्यव वर्देन्यान्ययानाधेवार्दे। विनामयाग्रीनितारे वहेवासेन्यम्बया देवे वर गी पर्योग र्श्वेसश पा ल्याश मदे हिर रे प्रदेव रे हिर रे प्रदेव साधेव मदे हिमा पराव हेवा व मे नवावा वावे प्येन है इस वेश है है र नु न्याया शुः के या श्रान्या स्याया स्याया स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वर्य सळ्द्रक्षेट्र बेर्द्र विंद्र दर्गेना मदे श्रूब्र अरद्द्ना नी ट्रास्ट्र से स्थार नाया यासेन्ग्रान्यानार्धेन्यम् त्रया नेदेन्स्यासुप्रवेषाप्यदे स्रूस्यापह्यापेन् यदे हिन्। वर्नेन वा स्वासेव न्यारेन न्यायहेषा सेन नि । यावव परा वर् नेशसेन्यते र्स्नेस्राय तह्या केंश ठत्। वर्गेया यदे स्त्रिस्रायह्या धीत प्रम वया सळव हेर देवे होरा ह्याय सुन ही हिंद श्रेय दे देव यायर योग मह्यस्य निष्यम् । विष्यम् इसरायन्ति रासेन्याम्यायात्रान्यावर्षाम्यायात्रान्यास्यास्यास्या

यदः द्वेम द्वापारायया द्वेषया प्रमान्य प्रमाना विष्णा । दरक्षेत्रकालका हुरावाहे वरावे वाह्य प्राचित्र वर्षेत्र प्रदेशे हा हे स्ट्रिया वर्षेत्र वर्गुर वेश ग्राश्रदश मंदे से हिन हो है सूर वर्दर वर्गुर वेश म ग्राय शर्दरा वि'नर्दे सूरसूर विश्वरादे देव प्येव रादे हिरा ग्वव परा वर्गेनामिते र्श्वेस्र वहुनानी त्रास्र सेस्र विष्ट्र प्रमानित हे पेंट्र प्रमा सर्ने यस नित्र पदे हिम् सर्केन होता समा त्या प्राप्त मा याताः श्रीं स्रायान् वित्रायाना देवे । इसायनः वित्रायाने । खुर्यायया वर्षाया यग्राम्यस्य स्वर्भात्रम्य विष्यः विष्यः विष्यः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं देवे इसायर के शाया सुभादर साज्ञ पर्वे विभाग सुर शाय है में हिन श्रे गुन्नवि वर्देन म्रायदे गुन्नविदे वे श होन न्य वर्देन म्रायद देवे के वह्ना ने या सम्यास से दा ग्राम ने या सामा ना विद्या पर कि दा पर के मुन् सर्द्रियम् स्यास्यद्यस्यार्म्यम् स्यास्यास्य स्वीति वियासे। श्रेस्थासार्साप्तास्य प्राप्तासान स्वापान प्राप्ता श्रेस्था उदानु क्षे-दुर-व-दूर। वि.सुक-सु-बया-व-दूर। युव-अवका-वार-वना-र्देक-दरायनायानवे र्भेत्र स्वाया वियाना हो नित्त के नित्त के नित्राया सेन्'सर्से'त्वन्'सदे कुंसळ्व हे वे वा दर्गेग्'स त्ये स्रम् सर्म् तह्ग मदे इसम्मर्भेशमासुँगन्दायाम्यानाधेत वेशम् मर्दे सर्दे न्दा द्याया नदे भ्री र प्रदा सेस्र उत्याधित पर म्य नदे भ्री र प्रा वेश पावशा য়ৢ৾য়য়৽য়ৼ৽ঀৼয়৾ঀ৽য়৾ঀ৽ড়য়৽৴ড়৽য়৽য়৽য়য়৽য়ৼ৽য়য়৽য়ঀ৽য়ৢ৾ৼ৽ঢ়ৼ৽৽ भ्रेशन्याधेत्रात्रास्याचेत्र्याः स्टेश्चिष्याः स्टेश्चिष्याः स्टेश्चिष्याः सबयः दरायवाया नदे श्री राद्राः विशामाश्चर्या मदे श्री राद्राः। सर्दे श्री सथा वयः स्टः गुवः ग्रीकः इटकः सदेः क्षर्रः यक्षः ग्राटः। हे ः क्षरः प्यवः यवाः केंवाकः

क्रमभाषा विहेवावमानिराष्ट्रमान्हेन्याक्ष्मा विविविद्युरार्धाक्षमभा यहेव वर्षा । गुव हैं य सेसस उव लेस गुर्दे। विस गुरु दस मदे भ्री र दें। |गाववःषटःदर्गेगःसदेःर्श्वेस्रायह्याःगेःकेःवेशःसःर्षेदःसरःत्रय। देवेःकेः नेयानार्येन्यम् वेवा केव् श्री सर्ने त्यया ग्राम्य विवाद सव श्री सर्ने यशःग्राम् नियः अर्दे व्यशःग्राम् नियः वित्रा निरं स्वानः क्षे यदःश्वेदःसंविद्रं त्रिं नदुः सदे सदे त्या वृदः कुनः से सरा द्यादा विष् यदे हिर्टे प्रहेत या निवस वस केंद्र न निश्व महा वर्ष से साम्राह्म र्षेदशःशुःग्रेंदःदे। सर्देवःसरःएदुःह्येदःसःददः। गर्षेःनदेःश्रेशशःश्चेशः र्श्वेर्प्या वेशामश्रुरशासदे श्वेर् छिता श्वे केंरावर्प्यशासा गुरुयागर्वेदायराज्यदायेराधेरा इसावराजवेदार्वे। गाहेसायाज्या हो। स्टायमा दे इसम्यामस्यम् उद्दुन्द्रिम् सेद्दुन्द्रेम् सामेद्रासेद्रासेद्रासे सकेन्यमादन्याने प्रमुक्ष मान्दार्सेन्य पर्वी गाया हे प्रमासून हे प्रमुक्ष र्शे विशामशुर्शासदे भ्रम् इसम्बर्ग दे स्मान्य विश्व स्थान दे निहेश य सेस्र पेंद्र सेद ग्री हिंद्र यर सेद पदे हिंद्र निस्त्र मानुस मानुस है। दर्भे अ से र दर्भे अ से र से द से हुं सके र प्य अ प्य र द व र पर र व र अ हे . दर्भे अर्दरळें रावरवें वाराहे वर्षुवा हे ववश्याय दे हे इसायर वर्यानकुर्दी वेशन्ता धरकेर्यहेर्यश देवस्यानवस्य उर्द् वर्षेयायेरावर्षेयायेरायेवास्त्रे अकरावयायाया वर्षेशन्दर्सेर न वर्षे वा या है नर न सुन श है न वर्ष या है। वर्ष दि द्वा है सबर-ग्रीश-वावशासद-र्धूस्रशासर-तिह्वा स-र्वाद्र विश्वान्यर्थरसदे 

श्चीप्दर्भ्वेश्वाञ्चार्से देप्पदाचग्वापादादाद्वीवाश्वादासेद्वार्यास्यस्यायाः वयासी वर्ष्युमानवी श्रीमाने। वर्षायाया वर्षियासे माने सिंदा से सिंदी सिं सेसरार्सेन्यरात्रेन्छित्। नेदेखस्य नेन्यस्य नर्सेन्यर न्सेन्यर ब्रे<sup>-</sup>हेर-र्दे। । ब्र-हेर-व-वनान-वेर-वनुर-वर-ब्रे-वनुर-र्दे। । वेब-दर। र्हेर-वह्नायमा वनानामास्रूराणरास्रु वनुराने। विर्विभासेरामधे स्रूममा वह्यानविद्या विश्वास्य स्वेदे श्चेरादा स्वाप्त स्वेदा श्चेरा ने विश्वास स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा सूर-सूर-सेर-गुर-भैत-तुर्गाष्ट्रन-स्रो सेसस-सूरसरे-रसेग्रस-पर्म-रन्स-श्रेस्रश्रस्यादे प्रमामा द्रश्रस्था श्रेस्र होत् द्रिस्य प्रमाश्रास्य प्रमीमा सदे र्धूमशायह्यायायह्यायार्ध्यातीः द्वाधिवायवे स्त्रीया देरात्रयाः श्रेप्तत्वः <u> रशः ग्राम् अः वर्षे म् वाक्षाया अन्य अन्य अन्य विकास व</u> कें भें न्यर श्वान न्याय पर श्रुव वर्ष र श्रेष्ठ वेश यश्रिर्श यदि श्रेर् येग्राम्यत्र प्रेत्र हैं। विश्वास्य ग्रीश देश द र्श्वेश्रया प्रह्मा प्रश्वास्य यात्रया परि सेस्या ग्री हेर येत पत्र पत्र हिए। से पत्र में पे प्रें में में हेर येत क्षे-तुर-ववे-क्षेत्र-हे। क्ष्रुंस्रस-घर-वह्ना-वि-सवे-स्रेस्स-दर-देवे-वर-दर्दस-र्रे निवर के निरं न से कार में इसन्वर्भास्त्रेत्रास्य इसन्वर्भाग्री हिरायेत् सेत्राये हिरायटाय्या हि नु-नु-स-र्थेन्-सदे-ध्रेन-हे। श्रे-नन्त्र-क्रुन-सन्न र्श्वेसना-द्वा-सन्न-सन् वनामवेभी अप्याञ्चन हेना न्दार्स नेवान हें आहे होना बेना के आ श्र्यायान्ता ने हेन्यया नेयान श्रूययात्ह्या यया स्टायते पीन लेया अन् ठेवा व साने। यन्यास्य ववा मदिन्वे यामा अन् ठेवा नेन में दिन्हे न त्येत

<u> २८.५.भ.वच.भ</u>ुष.लुष.तर.चैय.तथा खुष.चश्चिर्य.सह.बुरा २६२.स. क्रिवास सम्याव दर वर्षा समाये वास सम्य नुसुन् सम्यो वस से वि | यद्राय केता विद्राशेश्रश्च दे त्याविया वर्षे त्यश्च व्या श्रेष्रश्चा प्रदेश है। गुल्व देव देर पर प्रमुर परे हिर हेर हो दे से प्रमुर पर मेंग ग्वित देव द्रे ने यश देद नर व्याश मदे हैं ग्रां न हैं दर्श विद्रामित धेरहे। श्रुटहे पर्र्तारायमा श्रुरा विवागीम र्वे ग्राप्ते ग्रुट सेसम दर्गेग्'राखार्द्ग्रेस्रसास्र त्यासास्र सेस्रसाग्रीसानर ग्री नस्रयाया नहुःसः यरे न्यायन्य नर हो ने विकामश्रम्य परे हिमा धराम हे या वर्षीया र्युम्यासेस्यासेन्द्रा ने सेन् हेन् सेन् हेने सेस्या वित्त नेने सेस्या र्श्वेयशायाश्रेयशाहेत्र्त्राग्वाहार्येदा देःगहेशागाः शावबदायरा वया देखेस्याहेदार्चेपासराखेदाहेदासेस्याद्राहेसासुःवयासेदासा न्त्रिके सेस्र मेन्द्र ग्रम् न्या ग्रम् क्रिस्य स्ट्रिया संस्ट्रिया संस्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्र र्रे ज्ञून भ्रे सहें न त्या इ.न.इ.नदे सह्म हें म्या श्रा वियान । सहें यथा दर्भेशसेर्सेन्सेन्से सकेर्याया पराद्या सरादर्शने पर दरळें र न वर्षे वा स्व वेश वाश्वर र परि ही या से र वर्षे र त्य र या ग्राह । श्चेन् हेदे सेस्य ने विद्युत्य प्रया द्या सहदाय हस्य पहेन् ने । विश मुश्रुद्रश्यविः भ्रीत्र मिहेश्यारा मुत्रः स्त्री द्रिम्यायविः स्नुत्रशः भ्रीत्रायश्री नमसामान्त्र प्राची । दे त्यमाया स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप यायार्श्वेस्रसायम्पर्वा विस्ता नेप्यसायम्सान्सायम्भिरासेन्पर् नेयासेन्सेन्सेन्सेन्सकेन्याः द्वार्मे । नेययायम्यान्याः दर्मेनारायार्श्वेस्रसारायर्वायारार्धित्ते। विसामस्रिसारावे स्रीमा सर्दे यशः ग्रहा अद्ध्यान्य स्वाप्त्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्व

चित्रेश्वर्यं स्टार्श्वायाया वर्षेवाया स्ट्रेश्वर्या विश्वर्यं स्ट्राया स्ट्रियाया स्ट्राया स्ट्राया स्ट्रियाया स्ट्रियाया स्ट्राया स्ट्रियाया स्ट्रियाया

र्श्वेषयायम् वह्रमायाया देखा ने या द्वाराया देखा विकास में विकास म व्यायदे भ्रिम्ते। वह्नायायया नेयाम्यायव्यायदे वर्षे वाया भ्रम्य वर्षम् । विश्वामश्चर्यास्य भीत्रास्य भीता वर्षे वा स्वरे भूस्य स्वर् वा न्या बुर-दुःग्रेगायादर्गेरयायदेः धेराहे। यदें श्रेश्रायदुः यायय। ग्रेःकुया वदे श्रमा चुर कुव सेसमा द्वार मा जुवारा प्यव कर र प्रवेषि । सामा सूसमा यर वह्ना केर खूर है। वेश मार्य रश सवे हिरा हुश रा वा वि वर है। देन ग्री:न्यानरदादवन्यम् वया न्यवाययार्थेवन्यार्थेम् नवे वेवा केवाया दे सूर देश परि द्वेर है। इस निष्ट एका वर्द दसद प्रमा स्वर्त दार सामें न'य'ते' अ'त्वा'स' प्यत' कद'त् 'र्चेना हे अ'त्रा ग्वान्त् अ'त्र हे गायश न्सर्यायसार्श्रे त्रन् सार्शे दानि देशे वा ना केत्र में ना सार् वा ना त्र सार्श्वे स्था सरायह्व डेशाम्श्रुरशासंदे ध्रिरादायारा हिना है। खुला ठदा हिनासरा नः धुनः बुदः द्विः श्रूँ सर्याः सद्वाः सः त्यः द्वीद्रशः सदेः बुदः है। सः नर्वः सदेः सर्ने त्यमा मार्चामा प्यत्र कर् र र त्यों ना रा ता सूस्र मार तर्मा केर खूर য়ৢ৾৾৾৽য়৽য়ৢৢয়ৢৢয়ৼ৽য়৾ঀ৽য়য়য়৽য়য়য়৽য়ৢঢ়৽য়ৢয়৽য়ৢ৽য়য়য়৽য়ৣ৽ য়ৢঌ৽ঀয়৽য়ৢয়৽ড়য়৽ড়ৢয়৽য়য়৾য়৸৽য়ৼ৽য়য়ৢয়ঌ৽য়ৼ৽য়য়৽য়য়৽য়য়ৼ৽য়ৼ৽ वया दे यश स्वा लिया श्राच वालव देव क्रिव कर वर्षे वरे हिरा देर वया सर्ने हे सदे है दर्ग तथा व्यानत्त्र तथा स्वाप्तर दर्गे वा राज हैं सथा यर पहुण व जुर कुन शेस्र र नवर श्रें र या वश्र र सव पर प्र व श्रुर री विभागशुर्भामये धेरावासाध्याक्षी विवासराष्ट्रसासरार्देवात् विग्वदेशा विग्राय निराये स्था भी भू निया निर्माय स्था निर्माय विश्वास्य र्देव भेव मदे हो । अर्दे सूर्य मर्भिक स्थित स्थित । स्था मिर्डिय दे स्था सेव भेव यहर् सही। ।।

हेव. ह्व. मुंच. मुंच.

## मुन्र सेंद्र संपेन्द्र महीन मी महान मा

मशुस्रायात्रस्यासित् क्षेत्रस्यायायास्त्रीयात्रस्य स्वाप्तायास्त्रस्य स्वाप्तायस्य स्वाप्तायस

सर्ने त्यमः यम् द्वीत पद्ने ते सूनमा नहुते यामेवा तृ द्वीत पदी । तमा इस यात्रस्य उद्दर्भ सद्भाग स्वास्त्र स् नत्त्रः ग्रीश्रानन्त्रास्त्रत् सेंदास्राधितास्य नन्त्राप्ति । वृत्रः सेंदासः धेव-मदे-इस्रासिव-मी-इस्रामकेंश उत्। मिन्या इस्राम स्राम्य स्त्राम प्रिन्ते। र्द्रेनरान्त्रु। से प्रदेग्यामान्वे। से से प्यान्त्राम्य रेग्यामाने यह मुश्रामी के श्रायाय देशायाय हैं यमुद्राद्या दे यविव हिंदा में भी शास्त्र। दर बुरागी भेश इस ५८१। सरस कुर हेर ग्रे इस मदे नर सेंदा म देवे छिय। सबदःन्युन्यायापिः हेवान्याने। बुन्रस्याधिनः पदे स्यासिन् वी स्या याधीवावायम् अप्राचित्रवित्ते हिंग्यारीयायासुरग्वयाययास्यात्वयाचेराव। दि रेग्रायाधेत्रप्रस्था त्रुत्रस्ट्रायाधेत्रप्रदे त्रस्यसित्र श्रीत्रस्य प्रोते धेरा देरावया दे नविद्वाहेदाग्री ह्यायायादेव ह्या दरावेश ह्या पहिला र्षेट्रम्यानेयाद्वयाधेत्रम्ये द्वीत् द्वानन्द्रम्य धुर्याच्या धुर्याच्या नु: नुसः वः सदसः मुसः ग्रीः मुनः ग्रीः है । क्षः नः सिन्ने वे तः प्रेने । प्रेने सिन् । प्रेने । प्रेन ग्री:इस्रायाधिताते। वेसाम्बुर्सायदे श्रीम्। इप्तरादर्दि से व्साते। ग्री सेसरा ग्री हैं नार रिनारा सु नादरा सदे सि म हो। इस सेसरा ग्री प्यस प्रेरा सदः त्यस्त्रेशाधिदः सदे द्वीरा अटशः क्षिशः सदः देव द्वारा है। त्यस्त्रेशः सदेः यसलेशन्दा रम्कुयाग्रीन्। ग्रम्भेस्याग्रीन्नम्बुसार्धेन्यदे श्रीमाने। इ.चरा ग्रेथ.भष्टिय.यशिष.रं.स्रे.चय.या विय.यशिर्य.सप्.स्रेरी लट.पि. डेग यनेवे ने नविव हेन ग्रे स्याम ने स्याय हिव ग्रे सुव से मार्थ व स्वी इसामार्से न्यादे याडेवा या यद्देव बेरावा सरसायसम्बन्ध कुरा की के साहेर कैंशाउदा देरावया देरविदावेदाग्री इसायाधेदायवे श्रीयाहे। इसायपदा

यथा यदमः मुयः ग्रे.श्वायः मुद्दः ग्रे.क्रियः हेदः क्रियः ठ्वा दे विवेदः हेदः ग्रे. क्यायाधीवाही वियामाश्चरयायदे श्वीमा वर्देन शे त्याही यहिवायाया लेव.सप्त.हीमा लटार्ष्व.व.मी मटायी.मयाशायराक्रां व्यवाशायात्र्या अप्त. क्रुन्यार्यन्यत्रम्यायिवाग्रीम्यायान्। स्वार्यन्यत्रम्यायिवाग्रीम्या संदे सळव हे न रह में देवा राय हा स्यासळव हे न संदर्भ वा राय विवा यदः क्रुन्या सेन्यदे द्वारा विवासी द्वारा ने स्वार्थेन संदे द्वार सिंद्रेर् में क्रिया में स्वर्ध सिंद्र सिंद्र में सिंद्र में सिंद्र में सिंद्र में सिंद्र में सिंद्र में सिंद्र सेव सहिव सदे सून या केंगा हवा सुव सेंद निय निय सक्व हिन नेवे ब्रेम देमम्बर्ग देव:स्वारायदार्भः सायसवारायद्वासान्यात्वरायसवाराण्येः कुर्यार्थिर्यंते भ्रीस्ते। देवे हेस्योव ग्रुट्यम्याया ग्री कुर्याये प्रित्यवे धैरा वर्रेरासे त्राने। इतार्सेरासाधेतामवे रेप्येतामवे धैरा वर्रेराता क्रॅनर्यान्य मुद्रास्त्रेत्या धोदायदे दे साधिदायर मया हो । के के प्याप्त प्राप्त यर रेगा स नवि कें राउदा रट गी रेगारा पर स्थाय संदर्धित पर प्राप्त मारा यर्दिनासदे क्रुन्यसेन्यम् श्रुव्सिन्स धीव सदे क्रासिव स्थित ही. क्रामाधिवायविष्ट्रीम् नेमावया बुवार्केमायाधिवायवे क्रामार्के प्रश्नामा ग्राच्यान्य विकासिक स्वासी क्षेत्र द्वार्य स्वासी स गश्रम्यायते भ्रमः वियासे हे सूरायया ने सूराव में रेसाय विवादा पर् र्दा नवि द्रा नवि द्रा नर्वे नक्ष्य न्या निवादिया निवादिया गठेगान्ध्रे इस्रामा बस्या उदासि द्वारा दे त्याया या नहे दारादे हसामा शुसा हु। इन्त्यूर्यन्त्रन्यः धेवर्ते । विश्वाम्युर्यायदे धेरा इन्तरः वर्दे द्वा दे श्चीत्वर् स्र विष्य र्शे स्था स्याप्त स्यापत स्या यात्रवार्षेतायदे भ्रिमाते। देवाळेवायबेटायायवा के के प्याप्ताप्ता के

नवर। । य. दे. जे वायाय दे हैं हों या धेता । विया वायुरया परे हो हो हा हा व ग्री:यर:येत्रेत्रं । यरावि:हेवात्रेत्रे ररःवी:र्रेशः श्रवःग्री:श्रेश्यव्रुत्रेव्यशः वर्ह्समामायासूते न्वरामें ते हैं है ने वामें के न्दाके मासकुरमायते सुवा र्बेट्स धेत्र मदे द्वा अधित शे द्वा माने। यदे र नश्रव हैं नश शे अहंत हेट्र बेर् वा अद्याप्यम्य स्कूट्र ग्री सूच्या न इंटिंग उद्या सक्द हेट्र देरःवया दरेरःवस्रुवःस्र्वेनशःधैवःयदेःद्वेरः हिनःयःविशा दर्देरःवःररः गै देश भूय ग्री से समुद में ग्राय प्रदाय मा प्रदेश में प्रदेश में ब्रिन् ग्री देश भ्राया ग्री से सम्बद्ध में नाया सेन सम्प्राया विन् से सम्बद्ध नाया समयः द्याः श्वर्यः चेतः प्रदेः इया सिव्यः सेतः प्रदेः चेत्र स्याः चित्रः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स वर्षेर-ग्री-नतुश्र-शु-द-वे-क्रिंश वस्त्रा उद्-म्सारा वस्त्रा उद्-दु-सर्देव-धर-*ৄ*য়য়৻য়ৼ৻য়ৼয়৻ড়ৢয়৻য়৻৾ঀয়৻ৼয়৻য়ৼয়৸৻য়৻ড়য়৻য়য়ৢয়৻ঢ়ৢ৾৻য়৾ঢ়৻য় सेन्यमासीयहैनामायदेग्येभ्नेमासबराबुनान्। यन्रानसूत्रसेयहेनामा यदः सक्षत्रेत्रेत् चेरात् अरशः यसग्रशः क्षुत्रः ग्रीः ग्रीलेशः शुः ग्रीरः यदे रहतः यक्तरान्वनायवि केंश्वरम् यदिरान्सूत्र से यहेन्सायाधित यर्षा सक्त हेर देवे छेरा देर वया इस सिव स्थित परे छेरा वर्दे र वा इत र्बेट संपीत परि दस्य सिंदि ही दस्य सम्भावा वर्देन परि ही पर्देन से त्याने। मानेभेयाधेन माने हीया धराया हेमान से। यळ न हायळ न होन ग्रे क्षेत्रभामाक्षेत्रम् सामद्रेषामदे सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य के के के षर:द्या:देया:घदे:अळ्द्र:हेट्:बेर:द्या अद्याययाय:क्रुट्:ग्री:यार:बया:वी: यन्याः सेन् हिंयायायदे यावि श्वेयान्ता ही हिं देवा सेन् सरे हिंयायायदे यावि नेशरेरेरेवशक्रेंशरुव। र्शेर्श्राध्यम्म्याच्या सक्रवः क्षेत्र-देवे श्री स्त्र-वसम्बन्धः सूत्र श्री सिनः

श्री यदेव गहेश यथा यदिव पदि भूद हेगा गहेग गेश ग्रमा विश हिते निक्रीय परितर गुराहिय हर्या विशामश्चर साम हिसा वर्ने नित्र हिसा र्बेट संभीत मंद्रे ने र बया थे। विदे द से जुर्य है। बुद से ट मी दे पी द पी र मुना नेन मया सरमा मुका सदी माने भेरा धेरा मदी मुना धराम हेगा र रे। क्रेंश वर्षिर नर्भेर नदे नद्या क्रेंब र गुरूर नदे सबर मुगायी सिंहेब या रम्यूम्यो द्वार्यरे सळद्वित्वे स्वा रम्युष्यम्य वर्षे स्यार्के स्व सळवं हेन्नेरम्था स्टायुटामी ह्यायाधीव प्रवे श्वेराहे। स्टास्याप्या वर्डसाधित सदे हिमा सहैं दायमा वर्षिम खें मा सुमा दार मा है मा विभागशुरमामित्रीम्। यर्देन्सी तुम। यदामिकेगामिने। केमामसमा उद्दास्यायात्रस्या उद्दार् स्ट्रिंद्रायर हैं वाया स्ट्रास्य स्ट्रिंद्राया दे। सरसामुसाकेदाग्री:इसायदे:सळदाकेदानेदानेदान। सरसाययात्राग्री: भेगानेशक्तारुवा सक्तिकिटारेरावया सक्तिन्तारेवे भेरा हगारा गुन म्रे। सरसः मुसः धेतः पदेः भ्रेमः वर्देनः ता वयः धेतः प्रमः वयः वे ।

यायदेशमायर्रे ममुत् दे मबिदाहेता ग्रीमेशस्य रत्युतानी मेशस्य। NEN क्रुश हेट् ग्री ने श इस प्टर से क्रिं प्रत्य प्रिं । के श सम्म रहेट कवार्थार्स्रवार्थार्थन्यम् हिवार्थात्य। स्रीत्यस्तुत्र स्त्रिवार्थात्यरास्त्र स्त्रित्वार्थाः ग्रीयान्द्रिः से त्यापदे क त्यापत्यापदे यहितापा दे हिंद्र या है। के प्राप्त क धेव है। अदिव धर दे धेव परे छैर है। मर्शेर पर्छेर पर्श दे दम ग्राहर भ्रासम्बद्धिम्याम्यस्य उद्गयसम्बद्धाः विदादे द्वामीयासे हैं नया सूर्वया र्शे विभागशुरमायदे भ्रेम न्त्रे त्र न्यु स्प्रिन्ने व्योवायायमा देवा ग्रवशन्दःग्रवश्येवःयःदरः। वया द्वेत्रशःशः क्याः ग्रुःदरः। वेयः द्वा विद्- मी वर र में मर्थ हैं गर्थ में गर्थ में दर्श के वर्ष के वर्ष नवनामदे सबर मुनामदे सिविन मारी से पहेना मारादे मुसामदे सळ्त. हिना न्हे ना रन्देव सुव केंग्राय है यहि या नावव देव सुव केंग्राय ग्री महिरा प्रदा प्रमेश प्रमा प्रमेश प्रमेश में भारता मुका के लिका महिना हेर्वयाग्रीयादकेयामान्या वेयासँग्याग्रुमा वळन्गुपळन्गुर्गे र्श्वेत्र्यासार्श्वेर्येत्राळग्राचित्र्यासार्थेत्।स्यत्रास्यत्यास्यत्यः व्यानव्यासदे सम्भाषी व्ययाने व्ययम् विर्था स्वास्त्र व्यासदे व्यासदे सक्त हिना नही ता के सन्दर्भ देव निर्मा देश के मान्द्रभ के सम् र्शेष्परः द्याः देयाः यावेष्पेदः दे। वर्षेषः याष्या इयः ग्रद्यः द्वार्थः द्वार्थः द्वार्थः व सक्त हेरा स्वाम हर। रर में से क्व सक्त हेर रा वसम्मार देंगा स ८८.१८८. वर् कीरायादेशासदे कार्यात्र कार्यात्र विष्यात्र स्वर्यात्र विष्या यादी अरमामुमाग्री केंगायादरेगायदे समामित मी समायदे सक्या हेना न्वे ना नर्रे नकुन पेनिने। हैनियामायायदेयामाद्वा र्येन माया वर्ष्ट्रभाराचुना वर्ष्ट्रिनायमायायद्रेभारानासुसा धेःवेशासायद्रेभारानासुसा

र्टान्ड्रिन्जुर्जेर्ज्यने प्रवेश प्रवेश प्राथम रे.क्रेर्अर्थ क्रिंग्जेर्ड्य. यायदेशायावर्ष्ट्रावकुराग्री ह्यायाद्याद्या वेशावासुर्यायदे सुरा दे वि व केराया सुरासी खूरा निर्वास सुरा मी साम सम्मान निर्वास के सारी है। नविव हेर् ग्री ने शक्त भी अळव हेर्। देर शन सूत त्य पुत्य पुत्य उत् भी गहेशार्षेर्या गुरायरेरा अधिवासये प्रवास मुख्या मान्या अरुया मुश्राम्यश्रास्त्र ग्रीशाम्बद्दार् ने मिल्या मेर्टि मेर्टि मेर्टि मेर्टि मेर्टि मेर्टि मेर्टि मेरिया मे धेरा क्षेत्रन्धेव मावव त्याया देवा स्टिश्स स्टिश्स स्टिश्स में अप्टेश स्टिश स् सदत्रवश्चर वदे यो ने सद् । रद् चुर वो ने स इस वी सळ द हे द थि द है। सुर यथा हेर वर्षे र है अरथ कुय है। र य हैं न र में तु सु पर से र विकाम्बर्गास्त्रे श्रीमा भ्रम्यायनेते स्टार्च्यामिक्या प्रिमा प्रिया क्रिंशहिन्द्रा धुवारुद्राधे विकामहिकार्येन्यदे द्विरही मक्रेरविद्री यथ। रट:वुट:यट:गहेशहो केंशकी:नवुटश:नटा श्रेन्यःशयशः नेयानु म्याया वियान्य प्रति । वियान्य प्रति । वियान्य प्रति । धेरा दे महिरा ग्री प्रत्यां दे प्रविद हित भी क्या प्रत्य प्रत्य प्रत्य ग्री प्राप्त प्रत्य में प्रत्य प्रत् न्वेशतह्रवर्न्व्यायदे हीराहे। वर्षेयायायया क्रियावस्याउरायास्या नश्चरःनदेःस्टः वुरःदरः। वेशःगशुरशःसदेः ध्वेर। ध्वरःश्वे। गशेरःवर्धेरः यम्। दरमें दे सरमा मुभावसमा उदा ग्रीमा निष्दा दे निवेद हे दायेत नमायन्त्रामिकारायन्त्री विभागस्त्रास्त्रेत्रीम् क्रिमास्रमाउद् ग्री:इस्रामासासुर्याम्यस्ति सुर्यानु हिंग्यामदे कात्र्यानवगामदे सबर बुगानी सिंद्येत सिंदी अदश कुश हेट ग्री ने श द्वा शी सक्त हेट पीत है। वयोवायावम् इसायात्रसम् उदासद्यायमः ह्वासायम् ग्रीटा क्वायाविः यरयामुयाहेराम् इयायाम्युयास्री वेयाम्युरयायदे भ्रिम्

स्ति स्वास्त्र स्वास्ति स्वासि स्वास

त्र्वेयासायम् त्र्भासान्तः सर्हेन्यस्य स्वान्त्रस्य स्वान्त्य स्वान्त्रस्य स्वान्त्रस्य स्वान्त्रस्य स्वान्त्य स्वान्त्य स्वान्त्य स्व

वर्ह्मानर वर्देर मंद्रे श्रीमा वर्ष्व मान्त्रीमा वर्षे अ वे मावस भ्रीवस वर्ष्य र यः भ्रायाधियः है। श्रुम् ग्रीम्यायः दिस्याया विषा ग्रायः स्वायाया स्वायाया मदे निवस भ्रम्य अर्थे अर्थे र श्रिव मास दिर्यामा या श्रे निया मर विह्नि मर पिर्यायोव परि भी नईव पार्य साम्या मुर्या स्टान्तिव पावव प्रमुन्य धेवाहे। तुन्सेन्यां वेया देशां शासा सामित्रां से सामित्रां सामित्र यः क्ष्ररः न्देशः सं ग्वेजाः ग्रहः स्थायः क्षेत्रः त्रशः सः वेद्रशः सः न्दरः स्वेः सः यः क्रिंशात्रशायन्यायम् वर्देवा छेशावशायेत्रायेते धेराने। सर्देन वशा इसा यंत्रे न्द्रिंशन्दर्सळ्त्र हेन्न्द्र। । यात्रश्राभूत्रशःयात्रवःयात्र व्याप्तः त्रेशः ह्य विशामश्रुरशासाक्ष्ररार्से दिनवित्रीत्वन्यरावया न्रासंग्राह्य वर् ग्री स्वाय न्दर। यहियाय सक्त हिन पर्के वा नदे हुँ न नदा या शुरा यायानु न ने द्वी प्राप्त का भूनका क्षेत्र प्रदेश भूति प्रदेश विश्वास रुषायर्केषायरे भ्रेंतायग्रुमायरे भ्रेमा मान्यापमा ने यने से प्रमासम वया वन्यास वेद्या न्या सुम्मुदे दे के विद्या स्वाप्त के वार्य के विद्या स्वाप्त के विद्या स्वाप्त के विद्या स वन्नद्रमदे हीत्। धराव हेवा व ते। .... क्षत्र सद्वा क्रेका व ववा व तर्मा यदे अळव हे न क्रें नदे कु र्षे न ग्रम् या ग्रम्य या स्टिश यदे अळव हे न भ्रेशायायायायापापाप्तास्य स्वाति सक्ति हिन्। तुर्वाम् सुर्वापिता है। नर्देशः में प्रीवावादा प्रदेश प्राचीता है। नर्देश के मान्या प्रदेश है ना व्याचा व्यवस्था मदे न्देश में किंश ह्या न स्ट्रम न प्येत प्रमा न हे से में पीत परे मुना वर्नेन वा वन्यायवे नर्नेयाचे साधिव वर्ष माम्या न सूर ववे नर्नेया र्थे प्रेत्र सदे भ्रिम् स्रेन्य मान्य कुल में सूर दूर प्रदेश मान्य सुराहर द्ययः ह्र्यः श्रीश्रावश्यद्रायाधेवा बेस्। सद्यम् स्वाद्यः साद्यः। श्रीयः से र्रासार्द्रमानाधीताते। इसायग्रीयायम् यन्मान्यसार्द्रमान्द्रिन्तुः

शेवा विशासवे वर्षेयायम्। द्येम व्य कुयामें केवामें सम्मेशनगुम वर्वुदःवरःशुरःयःददः। कुलःसःदुदःविदरःस्याश्चरःवःवर्वुदःवरःवशुरः र्रा विश्वासाक्षातुर्व विश्वामश्चर्यास्तरे द्वीरा यादेरयासार्वेदासात्वा सर्वायाया कुर्लिन् ग्राम् वियानासुरयायवे हिन्द्रिन् स्वाया सूर्याया में श्रुदे | दिं त्र वर्षाय केंश उत्र वर्षाय दे त्र शत्र त्र शत्र प्रेत प्रमा वर्षासार्टावर्षा सुदे माने समुद्राधित सदे भी मान्या वर्षित माश्रुयाप्पराम्यः वर्देनात्रा ने केंगाउता हिन्हिन् ही वर्षायायायाया यर वया ब्रिन ब्रिन प्राप्त वर्ष के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वय स्वयं स्वर्य स्वर सक्ता क्या क्रिया वार्य वार्य वार्य वार्य हो हो हे वार्य वार्य वहें र व। दे के अं उव। ये दार वय। ये खेर दार वया है र ग्री अ ये द पर ग्री अ राषु.ह्येर विष्र्याविशाविशः विष्याञ्चर ह्या विष्याविशः विष्या नः भेतः सरः वया अर्देरशः सः दरः विदेरः श्चुरः ग्रीः गिले अश्वरः भेतः सदेः श्रीरा वर्र्ट्राची ट्रे.क्ट्र शंक्र ह्या श्री अप्यम् वया वर्ष्ट्र श्रीम प्रवेश हीमा वर्ष्ट्र ब्रेम वर्ष्यावश्वापश गवराया नुश्रामश्रुरावहँगाळे शुंग् मुन् रम्यो न्याय देवा द्वार्य सार्वे स्था है से न्वे सार्य प्राप्त है न्या न्वावाःश्वरः होन् स्रावदः होः वर्हेन् न्त्राः वाः वेह्र्यः द्याः वर्हेवाः वर्षः होन् स्रातः नगुर-दूर-वर्षर-श्वर-तुर-वर्षाय-वेर्याश्वर्षनाय-देवे-श्वर। वर्देद-श्वर त्याते। अत्यान वर्षे वापनी द्याना ह्याना निष्यान स्थान रटानुसायार्द्धसावसाक्षेत्राच्या सामित्राची नुसाची नुमानी सुनाची नामित्रा ग्राच्या देवे द्या यहूँ द्राचे व्यवे द्राय व शुः गुः से द्राय शुः गुः द्रायः याधीतायरायहिंगायाधीताहै। वियागशुर्यायये द्वीरा देवायदे सूरायार्गे

वया नः क्षेत्रमञ्जू कें वाया श्रुया स्वी । यमा विवा वन्या वाया विवा वा नम्या दूरमाराजामाभ्रेमारामावियासमावियासमावियासे हराकुः सूमार्थन्। द्रामा तुः ध्री अरद्यु र र र दे दे र न विव र र अप र हे वा स्था व व अराद द अराद र अरा डेगान्चे:अ:इसश्यास्ट्रिंस्य:स्ट्रान्यन्ते; देन् नुस्य:सून् डेगार्चेगासबदानराम्शुसाग्ची सूर् हेगार्ट्रिये तुसामार्केश ह्या विगामा याधित सदे भ्रिम् विमाना विमाना हिना स्वीय स्वीय स्वी क्रिया उत्तर हो से विमा म्रे। नर्देशःर्सः धेवावान्यः स्टानुभाकः मासुमाधेनः समाध्यान्यः स्वीतः ने । देवः केत्रपद्मेरानायम् हे श्रेन् भून् हेना समय पेन् मा । ने श्रेन मेना समय न्तुश्यम्बान्वीयः विश्वावाश्यस्यायते द्वेत्। वर्तेन्त्व। विवायः साधिवः सर.वता येत्रात.लुच.सह.बुरा ध्यात्रात्रां त्राधियायी हे.कूबावयी श्रीया वासायनानामिद्रार्द्रिंशार्से साधिताम् माना नासूरानासाधितामदे स्रीता वर्रेन्सी त्राने कु धीव मदे छिन ने र मया तुर्व मदे भून हे ना नासुस ग्री स्यापीय प्रति भी वालव परा ने वर्ष स्वरं से निष्य प्रति स्वरं से निष्य स्वरं से स मक्ता वर्षे अर्थे अर्थे अर्थर वर्षा वर्ष्ट्यर मालु वर्ष हिर् हेर वर्ष येथा मः सृ स्रे न मान्या वर्षे स्रो स्रि मान्या वर्षे मान्या वर्या वर्षे मान्या वर्षे मान्या वर्षे मान्या वर्षे मान्या वर्षे मान्या वर्षे मान्या वर्या वर्या वर्षे मान्या वर्या वर् है। वर्च शर्वः स्वेदः स्वेदः देवेः स्नेदः हेवाः सः स्वेदः वर्च शर्वः स्वेदः स्वेदः है। देवे:भूद्रान्डेनाः द्वी:साधितायवे:द्वीदा धरावानेन भ्रेसायावनायादी वन्यानवे सळव हेन कु पें न त्या सा के या ने सार्वे सळव हेन हिंद्राधित त्र हुर्या स्था हिंद्राधित त्र मुर्था स्था हिंद्राधित त्र मुर्था स्था हिंद्राधित स् वर्रेन्त्रा तुस्रासंविषासंक्रिंश्वता देरात्रया देवे ही वर्रेन्से तुसा

है। सेन्-न्याया धेर-परे हिन्। स गुरा द्वा रहस र हैं म उदा हिन् विया स ग्वित थर्रा अर्देर्श्य स्थित हिर्धेत त्र देश स्थित प्रें यर बला ब्रिंट लुब ब ब्रिंट की की लूट टेब्र्स मान हो हो हो वर्ट्ट वा विष्य मा सर्वेदसामक्रें साउदा ने राजवाँ ने वे र श्री रा वर्ने न से न से न से न से न धेव परे भे मार्च मार्च विष्य मार्च म लेव मरम्बर्ग ब्रिन नेर्ट्र अस्ति लेव स्वरे हिरा लट वि हेन लें ने स्टर्ल न विद्या मदे सक्त हिन् है अ वहुर अ देर अ मदे सक्त हे र हे र हे र ता दें ता हु या पर्यात्रभाष्टियासार्यरा पर्यमायीतासार्यरमास्मावियासरायमा सक्ये क्षेर्याक्षेत्रात्वर्यान्तिया कुःस्रार्द्यरात्वर्गातुः ध्रेत्रात्वर्याः धेव य ने वे से वर्षे न परायांचेन न्रेंशार्राधित्वात्रिंदाक्षेत्रे मुन्नियात्रियान्य स्वाया नुः बुनामशाद्यना बेरावा ह्यां गुंरकेश रुवा नेरामणा नेवे हिरा वर्नेनावा ह्युं म् भे नित्र नुरुष्धित वर्षे वर यर वया ने मशुस्र नुस्र महिमा यदे हो या वहें न सुर मुदे । रुषःक्रियः उत्रा श्रुःग्विः ग्वयः रुषः रुषः दिगः रुषः धेवः यरः वया श्रुःग्वेदेः श्चें नदे नुशाधीन मंदे श्चेरा नेरावया रतावी नर्देश कुदे नुशान्दार राज्या ग्रा-रु-रु-रु-भ्री रन-रुअ-शु-श्रे-भ्री-नवे-ध्रेम दन-वे-स्री नु-भ्री-नवे-ध्रेम वः शुःगुदे नहें शक्त क्रें के शास्त्र हैं हैं ने हैं ने स्था हैं ने ग्री-र्याश्वाश्वानाप्रयानवेशनवित्रा हिन्गी। वित्राभी वित्राभी वित्राभी। रुषासुन्देश्चे नविदायाधीदायदे द्वेम हिनास्ने वह्मायायमा स्ने नविदाया

न्द्रें अर्थे व्यास्तानी भ्री मात्र अप्ति मान्यते नु अपाश्रु अर्थे मान्यस्य स् हिन सर वया देरें अर्थे या रह में भ्रे मित्र यह मार्थे दुर्भ मार्थ से स उदानु सुनामका द्विनामदे से होना ने राज्या ने दें का से त्या स्टामी ने दें का सुदे र्शने र्राप्ते भ्रे र्श्वाप्ता र्रा व्यापार्य र्श्वाप्ता र्राप्ते र्श्वाप्ता र्था र् र् रूप्त्राभूत्रवेषामहिश्रास्ये त्राते रूप्ताची यहेषा त्राधित स्ये श्वेत्र बेद्रायदे ध्रिम् विदेश या गुन्से स्टान्स प्रमान स्टान्स विदेश हैं द गडिगामदे हिराहे। दे गहिराखेँदामदे हिरा ग्रास्थान से। रदानी वनानानुसान्दरम् वहिनानुसार्देन निष्यो स्वीतानि है प्रहेना साया सर्वि-तु-र्श्विमाश्चान्त्रश्चस्या उद्देन्देन्द्रिमा-तुष्रात्याप्यश्चेत्रःसे देन्या प्रदेश धिरा श्रेंशामशास्त्रेयाचे । मङ्गेनाय हेया दारी । । । यापया वर्शा स्था उर्भूर् हेना साधिव प्रश्रात्र सम्बद्ध भूर् हेना सान् हेना त्या सी र्सेट् नेर वा द्राया क्राक्र्या व्यायवा स्थान स्थान स्थान स्थान क्रेमासास्त्रेत्रायदेः द्वेत्र वितासायमा हमायाम्या देत्राच्यास्त्रे वर्षाच्यास्त्रे धिमा वर्देन वा ने केंबा उदा कें साधिव मम वया नुषा सवते सून हेगाया ग्रिन भ्रेत वित्र है। वित्र है। वित्र प्रेत वित्र वित् ; वर्देर:ग्रेट्र:इसश:वेंदि:इस:ग्रद्धाःधेद:पदे:ग्रेट्र| दक्के:सेट्र:सहेंट्र:यश| कॅर्न्स्फ्रिंस्वम्रास्यम्याने नित्र । विमेर्के केर्न्स्ने पर्वे स्ट्रेस्ने विम्र गश्रम्यायदे द्वेम व्यायायादि वासे यादियायमाययः श्राप्त वासेया <u> ह</u>्याश्रास्त्राच्या प्रतास्त्राच्या स्थान स्य

 र्म् क्रेम् कर्म महित्र माने क्षेत्र माने क्षेत्र महित्र महित्र

म्वान्त्र स्वान्त्र स्वान

इन्दि:र्देवन्यूरवे। देन्यात्रस्य उद्येश्यानं हेद्रा ही द्रसाम देन्द्र र्वेशन्दरमुद्रम् सुराये स्थाप्त स्थापे स्थापित स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापित यन्ता वनायन्तर्वरुषायन्त्राण्या धीतः वै । विश्वर्शेन्या सुतः सवदः न्ध्रन्यायायाचेवात्राचे। इयाग्रन्यायदेशः ववानवस्याधेत्रः ववानवस्या धेव प्रमान्त्रिय प्राप्त द्रमान्य रमा प्रमान विष्य मार्थ प्रमान स्थान स् क्रिंश उद्या वर्गा नरुश धीद सर वया इस ग्राम्स सदे वर्ग नरुश धीद सदे धेरा देरावया हैं दार्शेरशा श्रूटा हुते याई कें राशे हुट पते हुट से समा हुट ग्री खरा धेर पदे हिन है। दे गर्डे रें र से हैं र नरा है। दर नर र पर नन्द्राचे भे भेरायय। इसम्बद्धा ग्री वर्षा मेर् यन्दर्भक्षायाधीत्राहे। ग्रुद्रक्ष्याश्रेस्याद्मय्याद्भी वेयाम्बुद्या यदे हिन हिन हैं। देव केव पद्मेर न प्रमा देव ग्रार ने वे हैर हे प्रमा विरक्षित्राचरात् श्रीतासळस्य श्रीत् । विशामश्रीत्रायात्रात्राचित्रामहिमा मदे हिमा वर्रेन से तुराने। वम कन सेन प्यस धेव मदे हिमा मानव पर

। कुत्रल्यायाकुर्णेरहेत्रसेर्यार्श्वरादर्र्रणेर्यययायाळेयाउत्। वर्णा बेट्र खेत्र प्रमान्य इसा मुह्मा प्रदेश वर्गा सेट्र खेत्र परि खेर हो हिंद्र क्षेत्र गर्डे ने र र्श्वर निर्मु न ग्री त्या धीव प्रति श्री हिन क्षेत्र हैं ने गर्डे ने र र्श्वर न यानेवे वना सेन नुप्ते वना संवे ही मा नियम वी के भेर्वे हुन ही कना का सेन नविवः नार्भरावद्येदायमा हेवासेद्रमात्त्रसम्भास्तिः नुगाँनदावदानरार्द्येदा नवे भ्रिम् वना सेन में । विशायकन में । विशामाश्रम्भ मने भ्रीमा वर्नेन से त्याने। वनान्यव्यापेदायदे द्वीराने। हैंनायापेदायदे द्वीरा रहासुन्य षंक्रित्र स्टार्श्वेत सदे कुट् ग्री मिलेश क्रिश क्रिश क्रिश क्रिश मिलेश मिलेश क्रिश मिलेश क्रिश मिलेश क्रिश मिलेश क्रिश मिलेश मिलेश क्रिश मिलेश वसनाया कुर् भी में निया हमया हमा प्राप्त माना में निया में निया है। [असमा वहेगाहेत् भ्रे न्त्रिं नने भ्रे न से किंगाळवा | नन ए अर नर होत् प्रस्के अकेत् हो। विश्वाचेन नासुया वर्षेत्र हिनाय वित् क्षेत्र प्रया |भ्रेतःमहेशःस्रदःनशयःभ्रेःवयमशःदमदःवदेःमुश| |श्रेसशःग्रेःस्माःसः क्रिंश क्षेत्र सुना शान्त्र विविद्य निविद्य नि नमः । वार्षे स्वाचितार्ये स्वावितायवे सुतार्ये सुतार्ये । वर्षे सात्रा स्वीतार्ये से स्वीतार्ये । दे-शु:वेग । डेश:ययर:यर:भ्रमश:ग्री:क्रेंगश:शु:नडर:यर्दे।। ।।

## र्श्वेर:नदेः श्वेरा

क्षरायास्यासराग्रेया। स्यायासायम्यासाय्यासायम् यं माश्रुमा दर रें दी धुमानमानायमा नेम दीन पर्दे मेग्रा ग्री नुप्त रेवाश्राग्री:तुःर्क्रे वारावी इत्यसर् ्यावाश्रासर शुरास रे द्वा ग्राम र्क्के द क्रुया नःयःनभ्रेत्रनग्रान्यःनज्ञानविः ।विश्वार्यम्यःग्रेश्वार्याम्यास्यः नभ्रेत-नग्र-न-१ देश-म-५-१ दे-५ अध्वेत-भ्रेन्था-भ्र-म-मासुस ग्रीसःवेरःग्रीदःग्रीःकेंगाःद्वरायः दरा वस्त्रसः याद्यसः वास्त्रसः ग्रीसः वास्त्रसः ग्रीसः वास्त्रसः ग्रीसः वी ब्रूॅर,र्.चोश्रेट्यायदे र्ट.स्.पक्रट्रायम्। यट्याक्रियायास्यायास्यायाः वर्ष्ट्राचिषाञ्चर। द्वीःसामहिसायळ्ट्राधरः स्ट्रास्त्रसाम्हेत्राद्राःग्रुदः पर्ने दर्। श्रिम् शक्ष्मिश केन स्वरं निविद्या हिरा हिरा हिरा से स्वरं क्रिंग्राययायान्तरः र्हेदाक्रिया उदा हिन्ने राष्ट्रीदाया है या निया स्थार गश्यानी र्भेट्र र्रे रेर् भे र्वे अर्थ मुर्थ अर्थे वा नम्भेव नग्र रा नुदःशेस्रशःधेतःमदेः भ्रेत्र

यवर्त्यंत्रेत्रायायययाः स्वाप्त्राय्याः स्वाप्त्रेयाः वित्राः स्वाप्त्रेयाः स्वाप्त्रेयः स्वाप्त्रेयः

यदयाक्त्रयात्राच्येत्रवात्राच्याच्या ध्रयादेत्दे वार्यवायाचेत्या शुँदःचवे नदः वना दे रें के अं उठ्ठा देर वना देवे से मा हिन या प्रमा हनाया ग्रन के इनमा यने अवन्याधी के निया विया मार्य स्था भी मार्य वर्रेर्स्थे त्याने वार ववारे वर्ष्यं भेते हिन हो इत्या यह मुश्रानक्षेत्रप्तः गृत्रपद्भेष्टा विश्रागश्चर्यास्य स्त्रिम् सर्दे स्थ्राग्यमः दे महिरासे स्मान्य निर्मा से से साम के मान से से से स्मान निर्मा गहेन गहेश न्र स्थन प्रते ग्रम से समाने वर्ते र नमून हैं र न न हैं स यदे हेत की मार बना में अळत हेर बेर ता मात्र स्था तसूत रिव स्था मदे शेस्र रह्मा मदे निरम्भ स्था हिंदी साम सम्म स्था हिंदी हीरा ह्याशः सुन स्रो शेस्रशः इसायर सुरायदे ने रासर्दिः यार्यः स्रायः याधिनायदे द्वीमा वाववापाना ववार्ष्य कर्मे वार्षि वाव्याया क्रिका ववा वार्ष्य हेर-देर-चया सर्वें व.च.रेदे हीरा हगशः ग्रुय-स्री हव में शः ग्री-र्से र य नर्भे अरपदे निरावना धेर पदे हिरा धराम हेन धुरा हर पदे र्थे द धेर धेर हा ने क्ष्य मदे भूँ न रुट धेव मश्चिम बेर वा भूँ व अदश क्षुश र्शे ग्राय या स नश्रेव मर निवेश्वेश भूर उं अ हव भिरे हव में शक्रें अ के वा दे दे र धेरा ने : धेर : सबे : धेरा यर : दगार : यथा सर्वे व : से : ने : से द : यर वा : उवा : उवा : उवा : उवा : उवा : उवा र्चेशःशुरः । । विराक्षतः द्यान्यः । । विराज्यस्यः । विराज्यस्यः । यदे भ्रीमा वर्ने न से न से है। ने दे सक्त है न से खून परे भ्रीम है। है सून यम है:भूर्-र्-वाशुरमानदे कुं यमानक्षेत्रामान्य समान्द्रिं र नर होत्रपति कुर्यादी वियागशुर्यापति होता यादाव हेन ह्यू रावते हें दार्द याने मार्के मार्चिमायमा विचाने मार्ची सारम् सम्मा है मार्ची मार्ची नु नि नि से से स् प्रदेश परि हिस देस मारा क्रम परि हैं द मारास पर नि साम

र्सूयाची र्सून निराय विषय में स्था है स्था में त्या र्सून नार्स दे स्या यःचविःस्रे। वेशःगश्रुद्यःयदेःध्रेम्। ह्याःस्रे। गर्थमःवर्धेदःवया ५ दःय। येवामा वहेवामा द्वापानविवाधीनायाचीनामर्थे। विवामाशुरवामये धिमा रदःस्वायाया र्वेद्रायद्याः क्रियायक्षेद्रायाद्दा देःषयाद्वो हः नश्चर-मन्द्रा वेगाकेर ग्री-द्रयो नदे न लेख गाहेर ग्रीख वेद माग्रुस कर्रानितः भूनमायदीरानभूतापितः वात्यावादी भूनमायदीरानभूतापितः धुस्राह्म रादे रें न् रुटा महा वर्षा मी सक्ष्म हिन् न हो सा स्याल्य साहर यस्यास्त्रम्यार्भे म्यार्था स्वर्मा स्वरंभ स्वरं नन्द्रमें भीत्राच्या नेराधिताद्री नेत्राधी नेत्राधी ने र्बे मिट्टिया मे इ.जंबर रे मिया अस्तर है द्या ग्रीट के स्वी किया या प्रस्रीय नग्र-नः ग्रुंश भर्दे। विशामविष्ठ प्रदानाया मारामी इ प्रथा र् म्यानायाया दे-द्वाःग्रदःदे-विवःग्वेवायःचःयःद्वो वदेः इःव वश्चेदः धर्दे । यदःवी इः यस-न्-म्यास-स-ने-न्या-ग्रह-न्यो-नदे-न्येस-याहेत-ग्रीस-प्रह्म-सु-न्युह-यः धेदः द्वी विशामशुर्या सदेः द्वीरा ययः यः व्याश्वास्त्र सहिदः मशुर्यः ग्री द्वारा या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद त्रत्राची भैर्यापूर्यं भेर्या विष्याय कुर्त्या । विरायर रे प्रिया ब्रवायवे ग्रम् अवया प्रदेवे । भ्रम्याय देवे । भ्रम्याय प्रदेवे । भ्रम्य । भ्रम्याय । भ्रम्य । भ्रम्य । भ्रम्याय । भ्रम्याय । भ्रम्याय । भ्रम्य । भ्रम्य । भ्रम्य । भ्रम्याय । भ्रम्य । भ्रम्याय । भ्रम्य । भ्रम्याय । भ्रम्य श्रेश्रशः में अळद् दे दे विषा सायशा विषा साया श्रेष्य शासि श्रेष्ट श्रेष्ट स् में विश्वार्थे । दे:रे:रे:याववि:पेंदादे। यह्यामुयायावश्चेत्रावग्नरावादहा | र्नेद्रायदे नाम्या श्रीतार्थिया वार्षित्र विष्या महित्र ग्रीमाग्रीमाग्रीमानस्यमानाविमानस्यामानविमान्। क्रमानमा क्रिमा वहें वायान्या देवा की यहे नायान्या कुषाय विवाधीनाया हो नाय वे के

## र्श्वेर:ग

३ विश्वास्त्रीत्रः विश्वास्त्री इत्तर् विश्वास्त्रास्त्रीत्रः स्त्रीयात्रः स्तर्भावात्रः स्त्रीयात्रः स्त्री

र्श्वेन्याः । हेर्न्यः स्वात्राः । द्र्याः स्वात्रः स्वत

सबयः निविद्याया महिमा निरामें त्यापि के माना है। याया याया करा ग्रिल्यस्य म्रास्य प्रस्य प्रमेत स्ट्रिंट र्स्ट्रिय ज्या र् हिंग्य प्रदे वि ख्र्या तुर द्येषान्ती सेस्र राष्ट्र द्या दर्जे राष्ट्री स्वर्भा दिर पार्के में राष्ट्र रा र्श्वेर्यते सक्त हेर् बेर्वा दें ता दर्र नम्भूत ग्रह सेस्य कें न्यायस केंद्र से सदे कुर शे केंद्र हेर हें प्रश्र सदे हैं पार्य सदे हैं पार्य सकेंद्र हैर देर वया अर्कें व नु देवे भी नियम विया ह्या श्राम हो दे थें द सदे धिराते। वेगाळेवाग्री क्रूं राते राहे ग्रामाये खूगा सर्वे रार्वे नाया दरावेगाळेवा यदे खूना अर्घेट र्घेन या या देवे वि नाव शर्चेन या शून रुप्ते पूर्वे अपवे मेरा मुर्देर दिया तथा वि. योवश र या में त्रेय स्वर से यो अर्थ र यो शा वितर ब्रिट्या इसायर पर्ट्याया प्राप्तीय गुरुष्ट्री विष्यास्य विष्यात्रया गु वेश गश्रम्य परिया अविया अर्द्ध स्थाय मित्र मित्र मित्र मित्र स्थाय परि यश र्रेंट्र मंहेट्र या द्वीम्या मदे र्र्के या हुट्र मी श्वेश रवा है र्र्केट्र यथा हैट्र सवःक्ष्यान्या वेयाम्बर्यायते द्वेता इत्यत्तर्देत्से व्याने। र्या भ्रेवे कें ग्रायस वर्षा है स्रेन सवे स्वा सर्वे र लेन स्नित् हैं न से सवे ले यश वि'ग्रवशं सळव हेर्पाया सहसाम नवगा नविव परे प्राहित्व र्द्वेद्रायाक्षेद्रायाप्यदाद्रद्रायम् न्याद्र्यात्राक्षेत्रायात्राक्षेत्रायात्राक्षेत्रायात्राक्षेत्रायात्रा यम् वात्राया विकामा स्वाराय स्व

नवे नदेन क्रेंद अर्देन शुक्ष ५ है गुरु पवे गुद शेवर गी क्रेंद प्यक्ष हैन ह्यॅद्राची सेससाद्वाद द्वार पर्वे द्वार विद्वार पर्वे क्षेत्र पर्वे क्षेत्र पर्वे क्षेत्र पर्वे क्षेत्र पर्वे क्षेत्र नवे सळव हे दा बेरा वो बेगा के वा रेगा शारेश क्रिं रायस मंदे क्रुं दारी ग्राप्त स यानग्रापदे क्रिं रान के शाउन। यह वा वे राने रामया यह वे ना ने दे ही रा वियायाविया ह्यायायुयाक्षी याद्यायायायायवे क्रियायायायायाया सर्हरः र्ह्ने र त्यस दश हिन पदे हिम इस निन् इस निन हिन से विदेश से व्याने श्रीते र्रेट हेट हेन हेन या सदे हैं थेव सदे ही में में मुख्य हम या ह रे। हे र्व्दे स्याय से क्रिं रानदे रामानिक रामानिक स्थाय करा में निकार में न द्र.या ब्रैंस्य कं. या कंतु वायका सैयका यथे यथे स्था क्रिया प्राप्त स्था है। वरःगव्याञ्चवयात्रव्यविराचल्यायवे स्वीत्रा वर्देन्त्व र्वेषाया केवा ध्वा र्रेटाहेंग्रायायदे श्रूरायायटा देवा वर्षेत्रायायया श्रूरायरायया वर्षेत्र यदे धेरा वर्रेन् से तुर्य है। ने भूग त्य ने र धेर भूर य है र र र र र र धुव देर रें र ख़ूर वर्ष के वार्ष के वा धुव देर र र विन पद खेर है। है खूर यश गुनः हु भूगायश नेन पर देश राहे हेर देश पर सुर नश हैं गुंश यदे के अ ग्री के द्वार अप स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वर्य स्व हीरः निरस्ति तथा वेवारां यावायर प्रविवाय पदे ग्रह स्वायेया न्यव्यक्षा नेराधिवाचनास्यावनै स्थाने विवासरासूरावरावक्षा यशः प्रिं प्रमाद्यूमान देवे लेगा शके दार्श शासुदा मेट हैं विवाद शा विश गश्चरमायुः द्वेरा गम्ररायद्वेरायमार्ग्रा । यरायाद्वेय क्रियमायमा यान्यर हैं वाक्ष्य के प्राप्त के वरः श्रुरावा शेरवेश देश देश द्वार द्वार द्वार हा विश्वर हो विश्वर न्वरः र्हेन ग्रीयः हेन्या सुरायः सुरावरं वित्राप्तः भ्रीया वित्रा वित्राप्तः सुरायः सुरायः सुरायः सुरायः सुरायः

ग्रेरप्रेरप्रमा ने परने यान्तर में ग्रेश मुन्य परे हुया में प्रत्र विगायानु से। यदे र्सूरामान्यरास्य उत्ती यगया ता सुमाया दे प्येतरासा श्री विश्वानीश्वरत्रासदे द्वीरादर्श वर्षोवा क्रेत्रायश्वराम् गुरासासास्य यः भ्रमान्यर मन्द्रान्देव दिन् दर्मेष छ्राष्ट्रमा कुम्मार्थस प्रमान्त्रमा यवी नगेनिवे इन कुरन न्दर्धेर्य सुन्धे न ने नर्थे व र्रेन्य मुन्य श्चेत्रमात्त्रस्य वियाम्बुरसामदे द्वेता यराम हेमात्रे राजामा साम धे प्यत्रम् प्रमा केंग्रा कें त्र शक्त स्था से मार्थे मार् केव मुंदिर देंदर देंदर देंदर वा की क्षुया में कुदर दुर्चित मदि सुदा दूर में मुन नेवा गहेशरा गुन है। र्रेटरायस भूनशास्त्र निन् वेतराये हिरा गुल्व परा र्बेट्ट निर्देश के किया वार्बेट निर्देश निर्देश के किया निर्म किया निर्देश के किया निर्देश के किया निर्देश के किया निर्देश के ग्रेश सुवा नित्र वास्त्र स्था स्था सुवा ठवा सित्र मिश्रम ग्री सुवा निश्रम ग्री ૹ૾ૼૹૹૢ૽ઽ૽ૢ૽ૼૼૼૼૼૼૹૹઌૡ૽ૺ૱૱ઽઌૣૹૹૼઌ૱૽ૢ૽૱૽ૢૺૺૺૺૢૼૹૢૻૢૼ૱૱ઌૢૹૢૹૡૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽૱ है। वर्षेया केवायशा वावश्याया थे रेष्ट्रीया वावश्याय से वाया विकास वै। मात्रुमार्थाः सँमार्थाः संने प्रमानी त्रवार्थः के प्रमान माने प्रमान माने प्रमान माने प्रमान माने प्रमान म हेन्द्रा क्रासेन्सहेन्ह्र्यायास्य प्रमूर्स् वियापासुरयासये सेना गहेशमात्रुवाक्षे केंगशकेवाग्रीने केंगशशयात थेंन सुनावक्षत वि यदे दे। हिरासे हिंगायदे दे। देश वहुर गे दे। यर कद से द यदे दे यहे र्श्वेरायमानविदे ग्राम्भानमानार्थित। ग्राम्भानमाना ग्राम्भानमाना र्षेत्। अदशः मुश्रः सुरः नवे दे सः द्वाः शः नत्त्रः तः पेत्। वावतः देवः मेः दे।

दमेयादम्वीतासेन् परि ने हिं से किया हिं सामिता से समित से परि न समा *ब्रे हिन ग्रे ने इस पर से हैं न पदे ने ख़* सन्हुन सह से दिन दह्य हैं। यन्तर्धेन्। अः अळ्अअः श्रुँ मः नः ळें नाअः यस्य अः अः नन्त्रः पदेः नमः नुः र्षेनः यदे हिम् दर्भे शुन स्रो ग्रोम् त्येर त्येर त्या भे भ्रम् ग्रामे त्रिर तस्र र्वेन मन्दर्से ग्रम्थ सम्बद्ध द्वर्ग हे नियन्त है। वियन्त हिर्मे र्थेगामकेन्द्रन्द्राविक्ते से स्वापनि विकाद्या देवामम्बद्धारम्पद् वर्डेन्यव्या वेयन्त्य वर्ष्य वर्षेन्य प्रम्पत्य वर्षे गश्रद्यासदे द्वेस गहेश संगुन क्षेत्र विषय से निषय स्वास्त्र विषय स्वित स्वित धैराहे। क्वरायमा इराद्ध्यायार्वे हे याद्या विमागसुरमायये धैरा गर्भरत्येरत्यम्। ह्रिग्रम्पदे ग्रुर्स्कृतत्यक्षेत्र पर्दा वदे सर्वेरत्यसः वर्भाते। वेर्भागश्चरमायदे श्रीमा गश्चमाया मे। श्रूमायदे ने सर्मे त्या तुन् सेन् प्दे ने ने ने ने से से से में मार्थ प्रमान कर प्रमान प्रमान है। विश्व प्रमान वया ब्रा ब्रा हिराकेवाने प्राप्त से स्थाने स्थान स यक्षेत्रस्य स्यास्य विद्या विकामश्रद्ध स्थित विका हो देवे स्थर नमृत्रायानमुन्यदे धीत्रायदे भीता मुन्त्र सायया यान्त्र हेयायनेया ट्टे.स.स्यम्। ।सटतास्यम्भःट्टे.स.ट्ये.ट्ट.सर्व्ह्टम्। ।सटतास्यम्भः वर् से हैं मानदी थि लेश ह्या पर ही दारा निवा विशाम सुरका नदे धेरा देशन्यस्य कुर्यस्य विवास्य स्याप्ति । है अन्त्रा गर्भरत्येरत्यम् वर्ने संग्रेष्ठ्रस्य वर्त्तरम्य वर्त्तर्य वर्षः र्शे । इन्हर्गश्रान्वे राज्ञुनार्शे। ग्विन र्देव क्री र्श्वेरान सेंग्रायाय्या नक्ति रा पवःकरःगवनःर्नेवः धेरःर्वनरः मदेः द्वेरा क्ववः यथा क्वः ग्वः र्नेवः धेरः

नेयायराज्य वियामग्रुरयायदे भ्रीम मयेरायश्वेरायया ने सूमामवर र्देव होत्र या वसेवा वसी वा सेत्र सम्हेन या या हे दस्य या या सहत्र या द्या है। वेश गर्शन्य परि द्वेम इन्ह्रम्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान र्ये के श्रेत्राया प्राप्त स्वर्थ में त्रा स्वर्थ विश्वास्त्र यदे हिंदा इ हमाश हमारा सुन स्री मार्शेत प्रश्नेत प्रश्ना हमारा द्वारा प्र इरायदेशान्त्रामान्त्रा है। योशेर पद्मेर प्याया पर्दे किं योश प्याय स्थाय स्थाय प्राय प्रा याप्यवाळन् वे ने सूराया सळस्य या ग्रीया से न्वया होन् सी न वे या या या या विशामशुर्यापदे भ्रम इसामन् प्या भ्रम्यापदे दे प्या र्श्वे साम है थेव'यर'श्वर'य'दर'यर'श्रथ'दर्गर्थर्याचेवा'द्युर्थ'विवा'वे । यर' षिः ठेवा तःरें। केंवा था के तः श्रें राया श्रें राष्ट्रे राया हैं वा शास्त्रा हिया हो राया। श्रेश्रश्राद्यवर्द्यदाहुताळ्याश्रात्यश्राकेष्ठाचेत्रकुट्यी श्रेट्रहेट्रहेत्र स्वाराचिर वि नवस के संख्वा देन ख्या देवे छेना द्वर में हैं हुय नहें संग्रास दे वशः र्रेट हिन् हिन् राया प्रति वि नावशारेश स्य में वि ना स्थ प्रति हिन् वि स्थ प्रति न श्चें नमः वेमाग्रुरमायदे धेम पराव हेन वर्दे देसराम्य वर्षे वार्ष र्श्वेरानाधेवावासुरानसूर्वार्वेनावेवास्यान्त्रियावेम्। यायानेाधेवावायम्या मुर्याययासुरानसूर्यान्दियासुर्वेनाययाद्यमानेरात्। मान्दरान्यादारी दे गहेशागा से प्रवर्ष प्रस्था पर्वे नाया संदिर्धा सदे के ना धे दार से ही मा देर:बवा दे:अरअ:कुअ:महिअ:अअ:मह्युअ:र्सेम्अ:यअ:से:देर:धर: सुर नमून र्वेन परे र्नेन प्येन परे सुर । हे सूर प्या सुर नमून र्वेन परे र्श्वेन्। व्या यर्च्यान् श्वेन्यान् व्याप्त विष्यान स्वाप्त स

रटास्यायाया यावे यया इया याश्यायदेव यदे श्रें या यया तु श्रें या मदेः कः त्रभः नव्याः मदेः श्रेस्रभः नमदेः द्वयः वर्ते रः नेः भ्रूनशः वर्ने रः नसूत्रः श्रेः सेसस-न्यते र्स्ट्रेन्यते सळव हेन्। न्त्रे व हे स् प्यान्। न्य से स् र्कें ग्राया केंद्र में दे न्या न्या न्या निवेद सामक्ष्र साम्या सुदासूर गर्भर पर्सेर प्रमान ११ में देशी । हैं र सेंर प्राप्त देशे हिंद ही म सक्सरा से त्वर् पर वया नेर त्वर वी सार्हेर वासाया से पति व <u> बुर्य प्राचित्र क्षेत्र दे किंद्र भ्रायायका सदा श्री भ्राया करा स्थार</u> त्रूरः नश्रश्चारः क्षेत्रः त्रूरः माश्रुशः धेरः यः देः निवेतः त्र्वेतः निवेतः निवे । यदरः धेरः यदे.ब्रेम भिन्नासमाना भूमातब्रिमान्स । विद्वानिया विद्यास्य भीत्र सिवाना ययर-न्याया ग्रिये श्रिन्यर अया मिन्या श्रुर्य या है स्वये अदारे दिया यहे निवित्र न्वें राजेरायर द्वेत र्स्ने राख्यायवर त्रुवा धेतायया हुर वन द्वे ना धेता र्वे॥॥

## र्श्वेर निवेर विवास

विशेषायायार्श्वेराविः वित्रान्त्रान्ता ने विश्वेषायिः वीवाषाव्यविः वाः महेश दर्भे है। इन्नम् नर्द्रिक्षे सञ्चन्य स्वायास्य । विद हराइसामान्य निर्वे विकामा उपने पानुमा वर्षे सार्श्वे मास्य प्रम् गशुर्या ८८:र्से दी शुःरेदे तुः श्चें गश्य पड़ प्रदेश हेत् ग्रात शुः प्रदेश हेत् ग्री'विस्रशः क्षेत्रसेत् म्याद्रशः सेत्रस्य न्याद्रशः स्वर्शः स्वर्शः सेत्रस्य स्वर्शः *ऄॸॱॸॱॺऻढ़ॺॱॸॿॖॺऻॴऄॸॱढ़ऄॕॱऄॣॕॸॱॸढ़ॱॺॸॺॱक़ॗॺॱॸ॓ॱॺॗ॓ॸॱॻॸॱ*ॻड़ केव निराधिव पर्ने पर्ने नापकरान क्रेंगामाम किंत्र होन ख्यान विवाधीन पा ग्रेन् नर्से सामायान्वे न्यायर सहन्याने के सामित्र के विका वर **ब्रेत**्रुणःर्रः इस्रायः यह्णः यायाया त्र्रेतः य्युयः द्रस्याया स्थाया ह्या । र्रा विशासदे सर्रे क्व नविश ह्यें रानदे प्रवास्त्र समय प्रशासन्य हे नडुंद ग्रीय नडु नदिर गुरा हे पळ द पर पर दे ग्रुट । गहिया पहे । इस हैंग्रशर्श्वेरायायश्चेरायाये वितालित हैं वितालित है। यह निर्माणी वितालित है। यह निर्माणी सर्वानर्डेसामान्या। सरसामुकाग्रीकान्वेदिसामान्या। देवान्वेवासामा <u>न्दा अदशः क्रुशःन्दः हे नःन्दा देवः के नःन्दा धुवःन्धुनः सःन्दा धेवः</u> हर्न्ह्रम्थायान्या श्रानदे श्रेयात् हेरान्या शेष्ट्रीत्यहेरान्या नगे हा बुव-र्सेट्स्य धीव सः क्री नान्दा न्यानवरा सुनानान्दा वन्यानु क्री के ना न्दा श्रेश्रश्च क्रम् में देव नश्चन या न्दा वहें ने देव देश यम हिन यदे खेव हर्निन्द्र निष्ट्र निष

सन्दर्भन्यायाम् स्टार्सायाम् इत्राचान्त्रम् क्रिंस्य नर्झें समायायानहेन नमार्चनायदे प्यंताहन हो। वेना केन र्श्वेर नवे प्यंत नर्भेस्यरायाय्यरार्भेनायदे सम्बद्धियार्थे साम्या हेना स्वता ही हैं मानदे र्षेत्रं हत धीत सर वया सळत है न ने दे ही रा ने र वया र न है न हो न वे या न्यवःश्रेःश्रूरःनवेःर्धवःनवःधेवःनवेःश्रेरा इःनरःवर्देन्वा रदःर्वेवःश्रेनः ग्रे क्रेंन न न क्रिस्य प्राप्त स्वरं क्रिस्य प्राप्त स्वरं धेरः वर्देदः भे त्र भ है। के भ उद देवे धेरा धराव देवा वेवा केद दी भूर न'नर्झें अ'र्सेन अ'री अ'र्सेन'पिते'पत्र'पें त'ते। वेग'केत'र्सेन'नदे'पेंत'हत ग्री'सळव हैं र बेर वा बेग छेव क्रें र न र र न र र ग्री सम् न र से स्थित हत केंग उता देर वया देवे छेरा हमाय मुन हो नेर छेत हत नयस भूत्राचाश्वरातात्रास्याक्त्र्याच्यात्रम्याच्यात्र्याच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या नमान्त्रिकारी स्वायायदे स्वाया दे स्वरायया नत्र से सम् यदे थें व प्रवासी वर्त्य वर्षे व प्रवास कर होत् यर वर्षे व प्राप्य ल्या व प्राप्य होता व ग्रन्सुंग्राम्बुदेरदेग्नेद्वानेद्वानेद्वानेद्वाने । व्यापाने व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व ल्रियाश्चाप्रविद्याचे प्रतित्रा ही स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्व यदे हिम् इतम्पर्दिन् से त्याने ने निन्द्र में यद्याय है हिम् यदाय ठेगातःरे। वेगाळेत् ग्रेःक्ट्रेंर्यानक्ष्म्याक्ष्म्ययाग्रीयार्वेनायदे येययान्यदे र्धेव प्रवादी वेगा केव क्रिंस निये प्रवादी में विश्व में किया में विश्व में गर्या गर्या मह्या महित हूं मा महित हूं मा मह्य हित है र हे मा मह्य मह्य ग्रानेदे भी मान्या हमारा सुना है। नदु नविदे पेंद हुद श्रामा पेद यदे भ्रिमः देम त्रया क्रिम न न क्रिया महि स्पर्व स्पर्व स्पर्व मह स्वर्थ महिन्द स्वर्थ महिन्द स्वर्थ महिन्द स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्व

वी प्रज्ञर्भा तुः के ना ने प्येत प्रवेश द्वी मा है है । सूरा या या ने निक के ना है ना या या या या या यदे वित्र हत्ते। वेश द्रा देवे अर्दे प्रशा वेर धेत वर्षे पदे है श निरायकरावरावशुरावादे र्वादे देवाके वादरावव्या तुःके वादरावेशः गश्रद्याराद्यः द्वेरः वियासे। इयायन्तरायय। यदयाक्याययायाया के.या वेश.यशिटश.सदे.हीमा श.सक्सश.ता.वि.हेया.व.मी यश्च.यवेदे. विशाने स्वरामक्ता स्वरासित स्वरासित स्वरामित स्वराम स्वरामित स्वराम स्वरा नडुदे रासकंसरादेश उदाय धेद मदे ही मा वर्दे द से जुरा है। से सर्हे द यश धॅव न्व पर्ने न्या वे प्यश्न न्य से प्रते श्व श्व स्व श्व से न्य स्व श्व से न्य से ग्री वेश मशुरश मदे भ्रेम पर पि हेगा तरो भ्रेत स्थर भ्रेम न से भ्रे नवे कुं भेर्न मश्में निर्मा भेर्म निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर यर विषा धिव हव देवे वज्ञ र देवे कें मारा वर्ष न वर देवें र विष्टे र नेर वया ने क्वेंर न क्वें अपि के कि का मिल के कि कि स्वर या कि के वदे यत भेत्र व निर्वेश हैं। इवेश दर्श वार्श र प्रवेश प्रश्न हिंग द्विश षरम्बर्धेवर्न्नवेद्रम्भरेदेन्द्रम्भतुःधेदर्दे । विभागशुरम्भनदेः मुन् देखाद्यं दाने चिराशेस्रश्रास्त्रं वाश्वास्त्रास्त्राह्यं चित्रमे मुन्या दच्यानुः धेत्रायम् वया क्र्यूमान व्यवस्ति । दच्यानुः धेत्रायते । दुन्यान् । वियासे। यस्रासाल्यासान्साने सामे सामे सामे प्रायसान्या वियासे। र्वेन संस्थान ने स्वाप्त स्वापत स् सूत्रासद्यायम् तत्र्यात्राह्यस्य सहित्रह्मायम् विष्याचेत्रात्रे सद्याह्यस्य नविःश्वाभान्यविः विदानिः सन्तर्विः सन्तर्विः सन्तर्वे । देवदः नवेः स्वाभाव्यस्य विद्यस्य विद्यस्य । सन्तर्वे न्यस्य विद्यस्य । स्वाभाव्यस्य । स्वाभाव्यस्य विद्यस्य । स्वाभाव्यस्य विद्यस्य । स्वाभाव्यस्य । स्वाभावयस्य । स्वाभावयस

र्रास्त्राया वेनाकेत् ग्री क्रूर्यन क्रूर्य क्रिया ग्री कर्मित प्रदे वेगा केत प्रया व्याय कुर ग्री पेंत प्रतरी वेगा केत ग्री क्रूर राज कें साम रे वेगाकेव ग्री प्रव प्रव ग्री सक्व हिन्। न्री व न्य न्य नि प्रव मार्थ मार् देवायादेयाग्री:क्विवायाययाकुटादुवे:देवे:यदाधेंदावदु:ववि:दया यदया मुश्राश्वर नहु नहिते नर स्प्री हिन् श्वर त्या वित्र ने विवा के दा में स्वर न क्रिंश उदा वेगा के दार्श्वेर प्रदेश्येद एतर प्रदेश वार्ष प्रस्तर हिर देश ही रा वर्रेन्त्र। हिन्हिन् शे व्यव प्रवास क्षेत्र स्वर प्रवास क्षेत्र प्रवे हिन वः साम्रिनः स्रे। क्रेंनः न नक्षें सामावेः प्रवानिकः प्रवानिकः स्रोति । क्रेंना नक्षानाः श्रेश्वेशप्रदेश्चेंद्रश्चा भूद्रधेत् वेषाक्षेत्रप्रम्कद्रशेद्रप्यशक्वेश उत्र प्यश क्रायर त्रया यसक्राधिर परि द्वीर है। विवर पर द स्यासहित हेवा केत्रः श्रूरः नवे : धेत्रः न्त्रः साधेतः सर्या । इसः सिव्यः श्रीः धेतः न्त्रः धेतः सवे । धेरावासाध्यासे। क्रेंरायायक्षेसामये प्रवासवासीयाप्यासे राजाप्यास्य या ठवा की प्रवाहन है। विकासी खेवा यदी ही मा विदासेस की मास से दी न्स्रेग्रास्त्रेन्यान्स्रेग्रास्तरे स्रेन्हे र्केश्वरा न्स्रेग्रस्तेन ने हिन्छे नुस्रेग्रास्य हिन्द्रियायासेन्यान्स्रेग्रास्ये स्रेट्रेन्स्रेर ब्रेम वर्षिमान्युसान्वेशास्त्रमः वर्दविः व्यवान्त्रम् नामान्याः प्रवानि

न्यान्यायर्द्द्र-प्रत्ये स्रुयान्यायः विष्यायः स्राध्यः विष्यायः स्रुवायः स्

# र्श्वेर:नवेरश्चेत्

गहेशमानी क्रिन्दे नडुरळ्दानविरानड्यामा । दुगारुरेशमराहेग्या यरः है। विश्वासंस्याः वर्षे श्रःश्रेरः वास्त्रवरः न हिर्मा न स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र यथ। रनःवर्धेरःभूनश्रंगः ५ उदःवर्धः भ्रे भ्रें तर्रे विदः केत् ग्री नर्रः त्रश्राद्रियात्मर वृद्ध विश्वारा त्रश्रा श्रद्धा क्ष्या क्षया क्षेत्र ह त्रश्रा ग्रद्धा व. श्रेट. स. लट. ट्वा. सर. क्वांश. सह. चिट. क्वा. तथा ख्रेटश. श्रु. क्षेश्य सर. श्रे.दश्चराह्याः हुत् श्रे.ळद्रायरावश्चरायाद्राः श्रुवयायाद्राञ्चावरः सहर् पर प्रमुद्दा विशायते क्रिंत्र वि द्वाप्य निर्मा हे पर्द्व मी शायकर यर वरे ग्रुटा महिशास दी बेमा केव ग्री क्रें राम के के कि साम के कि र्दायानहेव वंशास्त्रव क्रेवासार्वा निया में वापा क्रेवा निया क्रेव यानहेत्रमाम्बुसाह्मशार्षेत्रमदेश्वेत् समयन्ध्रत्रमायावारेगात्रमे बेगाळेत्र:ग्रे:क्रॅ्रूर:न:क्रें:न:५८:ग्रुत्थ:य:य:गेग्रथ:ग्रेट्:ग्रे:नर्५:ग्रे:यथ: यदे र्श्वेनश्रामं मुं उदा शुरानदे र्श्वेम र्श्वेन र्र्हेश उदा सक्त हिट देर वया सर्द्धेत् मु देवे खेत्र व वेर्येयामायमा क्रिंत्र मान् रहा सुरान प्राप्त हो स

गश्रद्यासदे भ्रेम वर्देन व्या केंग्रायस स नेवे कुन या क्रें मन सेन म वया क्रिंरानः क्रेंगान्दान्यवयायदे ने न्या क्रुंदाय्वरे धेवायदे हिना वर्देदा भ्रे त्या धर्म्य सन्दर्दन द्वर हुव ग्रीय के ग्रेय के दर्भ में वर्ग ना विश्वरे रे'त्राकेंश ठत्। नर्र या भीत पर प्रया क्रिंर न क्री न्वराय ने न्या होन् मदे मत्न प्रभाषीय मदे होन्। ह्याय सळव हेन प्राप्तय। दनेदे हेन् बे दुवा गुरु नर्र व्यवस्था संदेश हो स्वर्ण नर्र द्रें वर्ण व्यामदे यस ने निर्मायस निर्मा ने यस मान्य विमायम् न न्या वर्षायःविषाःनेवे नर्नः यस्य ग्री मु होन्यस्य न्त्रायस्य स्थानन्य स्थे धेरा गर्वेद्रव्हेंस्य कुर न यथा दे या न द्र छ । यथा दे या न द्र छ । नर्राहित श्रीमानमाळन् समानि । विमाना वमा ने प्रवासान नर्रा थी यस-दर-वर्-वर्-धेर-वर्द-ग्री-वस-वेस-ग्रेद्री विस-ग्रुद्रस-पर्व-धेरा रदःस्यायान्ते। नययानुः भ्रित्दान्। येयानेदः याहेदः याहेया बेगाळे दाग्री क्रिं राम क्री मादका में रायमे वा कि रोग का मान में निका के निका के निका के निका के निका के निका वर्षान्त्राय्यास्यान्त्रान्त्रान्ते। क्रिन्नत्रे क्रिन् न्त्रे क्रिन् न्त्रे वाले

 त्रुतः भ्रे । यद्यः क्रुयः दे दे दे ते त्रुयः विष्यः विषयः वि

## र्श्वेर नदे अळव हे न

🛊 गशुस्रायार्श्वेरावदेशस्त्रं त्रिताया सर्देरावसूत्र कुरावन्दाविया न्दर्भे दे। इन्ने न्या नियासर्के दाने सक्द हेन्न्। वियासे न्या के न्या नवर गविगा हुर। वर्षे अ र्श्वेर अववर न हर या शुर्वा न र रे दे। धुरा यमा निराधित पर्दे हैं है ने निवित माने माना राष्ट्र माना सर क्रियायाये अट्याम्या द्याया न्या वेया स्याया मेया स्री राजवे क्या सळत्र सँग्र निव निव निव में निव के निव में निव र्श्वे प्रमायक्षत्र प्रमायते ह्या महिमायते । सर्ने स्मायाय प्रमाये प्रमाये प्रमाये प्रमाये प्रमाये प्रमाये प्र मुंत्रक्ष्य ह्या ब्रिन् ग्री सक्ष्य हेन् नेय सम् मुः द्वार स्वा व्यन्ते । यन मिया सर्कें बरमरा हो दर्भ भी भागवे । चद्या 'हे दर्भी । सक् बर् 'हे दर्भा । ह्या स्टर्भ ब्रुव-ब्रॅट्स-धोद्य-प्रदे-विद्यायम् ग्री-सर्व-प्रक्रित-प्रदास्य प्रविद्यायम् व यर हो द्रायदे सळ द हि दा दे हो दा श्रुया मुख्य हो स्या हो सा सळे द यर ग्रु नदे अळ द हे द त्य श श्रुन ग्रु ना हे ना द द ने ले पि द सदे हि द द से ल यायमा सक्यक्षित्वे स्यापायवित्रिक्षायत् मुद्री विद्यार्थी । समयः

न्ध्रन्यायायाशुक्षायम। न्दार्यायार्थेवाग्रीनस्मार्नेवापार्वेगावारे यामा नेयायळवार्स्यायाळ्या होनायळवार्स्या विया यवु.स.रसया.चे.चुर.यः सु.तबर.सर.बका जुरासक्य.स्यायासु. व्यात्राक्ष्याः वित्राचित्राः वित्राच्याः वित्राचः वित्राचः वित्राचः वित्राच्याः वित्राचयः वित्राच्याः वित्राच्याः वित्राच्याः वित्राच्याः यायादेशायदे द्वीम् यागुनात् अँदशाक्तुशाग्री शाद्र प्रेशायळ्ताये नामा वया नेशसळवायार्श्वेरावदे दे वेदारीशाह्यायदे हीरा सामुवावा हेशर्थेन नहिश्चा नुनासर तुन् ने सून ग्रीन्यन निल्प संसेन्यर मा सिंद्रेन ग्रुस से रुटा ग्रव्न स्य क्षिर परि से से ग्रेस प्रसेट स्य म नेयासक्त हेनायासु नुयात्या वेयानासुरयासदे सुरा नुयासायार्वित रे। दे-रुट-नर-चया नेशासळंद-यासे-सेट-इसाम्हें-रुटा हिटासळंद यानावन स्व स्व मार्चे न न होन सक्त या से स्व स्व मार्चे न हु या केंगा मदे हिर्देश वर्षेत्र मित्र क्षेत्र के ने दिस ही सामित्र क्षेत्र मित्र के प्रमान यदे सुरः दयमा मिले सिहेन मिश्रसाय से स्टर्स से से मिश्रेर प्रसेट यम। र्सून यस द इस महिद से द प्रमास हित प्रास्त सहित प्रास्त से स्वर्ग है स म् विशस् । तरक्ष्यम् नर्षात्रक्षान्तरात्रक्षान्तरा । विश्वस् केंद्र'र्स्'वि'र्डवा'द्र'रे।'''व्स् अर्म्'र्स्चे'नदेव'नदेवे'नद्रु'द्ववाहेंवार्र्स्व ग्वायाह्य नाश्याह्य स्थायाना प्रितः है नायायया श्वीराना सर्वे या प्रिया यळवा दे या इसाद्या क्री या हिदासळवा र्से या सार् पर्देदा बेरावा दे भीवा हा शुःतबर्।यर्वया र्वरःस्यायदेःस्रवयःग्रीःयविदःगशुयःदरः। स्रेरःवरः यर देव मान्व वया से वर्ष से वर्ष से प्राप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से स्वाप्त से से प्राप्त के से से से से से स नःश्रेष्यश्राभीःध्ययाश्चेःवद्यान्वेनकुत्यानेःक्ष्रम्यन्वरायवेःभ्रेम्प्ता हित्

सक्रमः भराष्ट्रेम् निर्मा निर्माति । स्वाति स्वाति । स्व नशर्ने महितामश्रम् ही स्वार्थित महितामश्रम् ही स्वार्थ यश विशामश्रुरशामशास्त्रीम यर श्रृवामी केवा केवा वासी सर्केवा म क्रिंशः भ्रुते : मु: श्रुव : क्रेंट : स्याधीव : प्रदे : भ्रुट : स्याधीव : प्रदे : स्याधीव : प्रदे : स्याधीव : प्रदे : स्याधीव सळव्या में अंसळे वाले दा स्राम्य र र र र वि सूचा हे र र र वि स्राम्य विवर र्नेव-स्वरःक्रेंग्याञ्चयः होन-न्यक्रेंव-यय। नेयावन्वेयाह्यनः होन ग्रास्याहीः ग्लुरम्भ्यास्त्रम् द्वार्षित्र द्वार्षि द्वार्षे प्राय्य विद्वार्षे प्राय्य विद्वार्षे व्याय विद्वार्षे व्याय गुन्दः देश ग्रेन क्दायाया सर्कें दायम नेमान क्रिंदायम पर्दे दाने। इस यन्तरायमा सर्वेदानु निरासक्तर प्राने रासक्तर में मार्सिर यर सक्रू व.स.स.लुव.द्यी वेश.रटा ट्रेश.लीय.द्यीश.लीय.११४.प्रस्था वर्षानमूत्रामाधीतार्वे विषामाश्रीम्यामवे मुन्न दे निविष ग्निग्रासादगुराचार्यः । विश्वार्यग्राम् विश्वार्याम् विश्वार्ये सक्तः हे<u>न नडु नुना न नड्डा की नट में जा</u>वे ले श की ले श सळव यस ले र हो व वडु-इवा-वन्द्र-सासाधित-सर-वया नेस-छिद्-छेद-वाश्रुस-छे-सळ्द-हेद यदे ही यदें दिन्त भीत हु से प्रवर्ष मारा हे पर्वत ही या दे प्रवर्ष यार विया वसया अर्थेर याहे अर्थे अर्थेर यम्पर यदे ही रा दर हैं अर्थे या प्र इ.चर्। वर्षा १८५७ थारा हुर सैचरा ही । जुरा सह अक्षर हुर चर्रा धेवा विकामहरूतामाक्षेत्राचा नेकाने निकास्या धेरा हिनः हो नर्रे अरु। या बन् केना या बेन परे छेर। नावन यदर ने हर ह्या महिरामानामही है सूरायया दे याने यामदे सळव है द है र है में बस्रश्राद्य भी सामा है दार्ची द्वरात् चुर्या द्वरात् स्थाया वर्षु चुर्या हुः भी सामरा चित्र। विश्वामश्चर्यायदे स्त्रीमः वर्षेयायायशास्यास्। विश्वायदे स्यायदे स्त्रीः <u> च्या पञ्च च्या यो शः द्ध्या प्रविद प्रवस्थ उर्ज शेश प्रविद श्री श्री र प्रवस्थ ।</u> पर। इन्नरं क्रूंटक्षेट्रसळ्द्रसंसेट्रनडरूट्टा शिवाराग्रीरायस नेयाग्री नेयायळव देर्म्या शुर्या नन्दाय सम्बन्ध नेया ग्रुट ग्रेट ग्रुया शुर्या ग्री सळव हेर न्देश शुः शे क्रेंब मार्वि बर न वर मिर ही स वर्रे र वा का नरा यसिक्राहेर्णी स्निन्या में हो विकाम्बर्या संस्था पर्देर् मदे हिम हिम भें। देश दूरेश शु. क्षेत्रा हिम त्योय म यश विश्वरादे इसामदे विदासमान हु द्वा मी शाहे व्यान निवाद विवाद प्राय नेशमाहित्री क्रिंत्रा क्रिंत्र वाद्या सर्वेद्र प्रशास्त्र विश्वा विश्व नः सर्कें तः वेशः मदे दें तः पेंदः मदे श्रीमा हे श्रूष्टः यशा दे हो यशके शः महेदः ग्रे:वेश-प्रति:इस-प्रान्व दुर्गा ग्रीशः वेश ग्राश्चर्रा प्रदे: मेरा ग्रवह प्रदः इन्न देवेदेदेन्ये क्रियानहेव वया सिन्या से स्यासिन से र नदेश्वेशासळ्य. नर्ट्शाशासाम्भ्रमामा न्याम्यतास्त्रम् नदेश्वेम वर्रेट्रा के ज्या है। इत्या इसाया गुरुष हिर खुवावा दी। विशाय वे सक्त हैर हेश ने १८ दे। विश्वानी सुरका सदे हिम हिन है। दर्श या या या है। क्र्राचराञ्चवराग्री केंग्राराष्ट्राचर्दाया निवास ने या प्रते सक्त हेटा हे दे हैं र्वे हिन्न् नहें न देश विश्वास्य स्थित हैन। म्वर प्यता नश्य से हिन र्येग्रथः वित्रप्रस्क्तीयाः वित्रा वित्रप्रस्थळंत्रकृतः यन्तर्भाषीत् । वित्रा न्द्रंश शु नाश्चर्या से तबन्यम प्रमा श्रूम नवे विन्यस्त्र न्द्र्य शु स यन्त्रप्रे भीत्र विक्रम्म श्रुम द्वित केर पर्रे द्रा से सामे विक्रा प्रायम नर्वेद्रासाद्दरनेशासदेश्यळद्रहिदाश्चदार्वेषायानवुः हुँगाःगीशास्यसनेशासा

*क्षेत्र*ायः श्रें ज्ञायः प्रदेः श्रें त्रः नात्र जात्र स्वेत्रः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः र्चू । विमानामिरमासदानुमा वर्षमानामाना विमाने। क्रिमानामान विमाने। ग्रुर्यासदे हिर् हे सूरायया हिर्यं स्क्री सक्द हेर् या हिर्यं हिर्यं स् धेद'मभः नमस'से हिन'सेन्माहिन'मर हीमा विमानसुरमामदे हीरा वियः भ्रे। विराधरा ग्री देवा पर १३वा रहा यथा विराधरा वसवाया सवे देवा लेव्यत्रिम् हे बूटल्या हिट्ल्य्या विक्त्रिया विक्राम्य विक्राम विक यायमान्निर्यम् र्वत्यवामायद् । विमावास्य मान्ते स्रीमा वावमायदा है सूर यथा हो र परे सळव है र नाई र पर हा न पेव प्रथा सव र र न ने दरः क्रिन्यः प्रदा विषया शुरुषः या शेष्ट्र प्रस्ति । यदः दरः श्री वाषः য়ৢ৵৽য়ৄৼ৽য়৾য়ৼয়ড়৾য়৽ঢ়ৼ৾য়৽য়ৢ৽য়৽য়৵ঀ৽য়য়৾৽য়৾য়ৢয়৽য়৽য়ৢয়৽য়৽ঢ়ৼ৾য়ঢ় वितासें। इन्तरा वासाहेवाकी सहरायासे। विदेशवे ने निरायदे सळवाहेता लेवा विशामशुरुषायदे भ्रीतः माववायरा इत्यम् सर्वे व मुः सुर सर्द्धेत्रम्यात् । सर्द्धवाहेत्रम्यवेत्रम्यवेत्रम्यवे । वियाम्युर्यामधेः त्वर्यस्वया रें में हेर्यों क्रेंस्यदे सळद हेर्र्स्य शुः स्वयन्तर पदे धेरा हिनः हें। अळद हें र निवेदे निवर्ग निर्मा निर्मेश सळद हे र र म् निर्मा निर्मा इ.चेड्च.चर्च.यहाडीया वर्ग्रेजायाज्या टे.क्रेंयाडीयाच्यारे पर्जूष्या व व दे द्र्या न व द र मि व मा दे मा दे मा दे मा न व मा स्था मा से दे में मा से र्वित्राचे। होन्यळव्यन्यळेव्यावित्रसम्यक्तियाच्या स्टायन्यसम्य वसवाशःग्रीःवाववःर्देवःश्चेत्रचेत्रःत्रःसर्वेवःसरःवया अदशःवसवाशःग्रीः गवनःर्देवःस्वार्ळेग्राशः भ्रेतः ग्रेतः येतः यदेः भ्रेतः वास्राह्य से हे। ते ने ने भ्रेतः वेदाधिवाधारामळें वास्त्रादे स्वराधे मार्थिया देशे वा यर यस भेर दीव प्राया होव गारीय ही हैं र न कर समारेश है सारी है

इसामहिन ही हूर देश मदे हिरा देर वया ग्लूर यस देश सुदे भेर धेव गश्या ग्री देय प्री रेया वया प्रवास मुन्ते र खेव त्या धेर प्री र ग्री स र्नेव गहेर रंबा बा पीव पर कंद खारा प्रवास प्राची भीर दीव प्रवेष प देशनायार्थेद्रन्तायम्नेराधेदाळदास्यादेशनार्थेद्रन्तायर्थेन्त्रायस्य यसनेराधितासळ्याहेराचवेदार्श्वीत्रमान्तराधिता द्रसाचन्दायमा ग्वन देन स्न केंग्रा क्रीन चेन धेन धन क्षा ने क्षा सकें न संकेत के वया शुः न्दः त्रे व्यापी सळव हेन प्दे न्या विश्वासी । यह या क्रुया या व वर्तेते श्रामक्षेत्र स्प्राम्या सर्या मुर्यास्य सित्र मासुस स्प्रित प्राम् धिरावासाध्या वर्देरासे व्याने। सिंद्या स्थानी से या सिंदा से या सिंदा सि मी देवे क्रें र नवे के सक्त प्रेंत प्रें र प्रें में देर मा सक्त केर नवे नन्द्राचे प्रति देश हो इस नन्द्रायम नेस सक्त सदस हास ग्रीः अप्यानित्रेन्या अस्ति। अस्ति हिन्दि निया मी अन्य दिन अहिन्य ममा वेमाम्बरमामदे द्वेमा यमाम हेमान मे हिन्स स्व ही संवेमा सळंद्र'ले' त्या'रूट'रूट' यी' र्थे या'रा'द्रश्राण्ट 'ह्रद'रूट' यी' र्श्वेट 'र्यायश हिट् ल्यायायर नसूत पर नया देयायया ह्या यहिया गुः सं यहिया र देया वयाग्यमाष्ट्रम् व्यायाम्यम् वस्त्रम् वस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् दे सन्दर्भत्यायसम्बर्गाविकाग्री दे स्टार्थे वा दर्भाग्राम् हिन् व्वाकासका न्द्रभाश्चानभूत्रमादे भ्रीमा इसामन्द्रात्यमा मिले ने मार्श्वे मार्थसादे महा गै र्वेग्पर्यक्तरम्य में केंद्र मार्थिय विष्य केंद्र | परावारियान रो वाले के या ग्री के या सकत न इ दुवारी वाले के या के राजा याधीतासरामया यहेगाहेतायहेगासेना हेशासवे न्देशानसूत मी यहेगा

हेत् निर्नेत् से दिन्निया संदे त्यस्त्रे में हुत् खेट्ट संदे हुट स्वास्त्र हित् स्वास्त्र हित् से हित् से हित् मून हो दे नित्र विश्व सिर्मेश हित्र से हित्र खेट स्वास मिलेश हित्र संदे क्षेत्र संदे हित्र से स्वास स्वास मिलेश हित्र संदे क्षेत्र संदे क्षेत्र संदे हित्र संदे हित्य संदे हित्र संदे हित्र संदे हित्र संदे हित्र संदे हित्र संदे हित

गहेशमार्या अर्द्धन अर्द्धन मिली अर्द्धन है। इस हेन्-नइ-इन-न्द्रः क्रुं-न्द्रः क्रुं-लु-क्ष्रः त् नहेश्यः यह क्रिं-हिन्-न्यः नन्न सेन् सः रवारा वार सुर हैवारा परि लेश रन सेवारा वनस लेश हैवारा मर्था बेद मदे वि ख़ूना बुद प्रवेष भी कें नाक दर्श मत्ना मदे से सर्थ द्रमेर क्षापर्द्विराने प्रमाने राष्ट्रिक द्यी सक्त हिन्। सर्दे प्रमाने राष्ट्रीक विमान यं अ श्री दे दर्दे त रें दर हे द शे द शे द शे त अ क र जलग श्रू अ शे विदे र हें दर वरुषान्त्रभूत्रे । प्रतिः वास्त्रियास्य स्त्रे स्वाप्तिः स्वाप्तिः स्वाप्तिः स्वाप्तिः स्वाप्तिः स्वाप्तिः स्व नत्त्र नडु न्दा अळव हे द नविदे हें न छ तथ अळव हे द में नडे न हें न यदे न्त्रे न र्षेन्। ग्रुयामाने। श्रेमायळ्तानेन त्यास्याम्यामान्याम्यामान्याम् दे। येदेः कं नः व्रुं नु न्द्रां महामा अकंत हिन्। नद्रमा येदा व्रुं नु श्रेदे अकंत हिन्। न्द्रभः सं महिना या त्रुभा से हना न्द्रभा सं से सिन सक्त हिन मासुसा सू तु र्थेग् क दश से नदे अर्क्द हेट्टा रेद्र दे या साम्र मिन केश गहिश गर्डेन् पर्वे अळ्त् हेन् ने ग्रम् शे अनुत्र शेषा प्रवे अळ्त् हेन् न् न लेंगा हेगा शेयानवे सळव हे न सून् तु नु सार्थे न सवे स्ट्रीमा ने शाव परी मही से वाश भ्री समुद्र सेया नदे सळद हेट हटा केंगा ळदे सळद हेट गाई स्री यस निरः द्वेतः वः व्याप्ति सदेः क्षेर् त्राप्ति शाह्यन् द्वेनः र्यदेः सक्तः क्षेनः नवि द्वारा प्रदेः धेरा अधिव नशुस ग्री नश्चेनश्च नश्चार स्वर वार दश्चेनश्च श्री र न रे

नविदानिवारायात्वुरानिवारायात्वे राम्यानिवारा विदानिवारायात्वे स्वाप्तानिवारायात्वे स्वाप्तानिवारायात्वे स्वाप्त निराधितारे परीरामध्रवाने यासळवार्धे रामदे सळवाहे रा वर्षे यास्या नेश मदे सक्त है द नवस्य उद सिंहे त महे द महित महित महित महित है। व सेसम नियं मिले भे से क्रिंग वा यस भे स क्रिंग वा इस सि हो व क्रिंग के गशुमा गविःवेशःग्रीः द्रभेग्रां सास्त्र स्त्रीग्रां स्त्र स्त्रे स्वितः ग्रेव्या यादतुरावालेशायार्शेषाशावद्वातुषांषी क्वात्रशावत्वापदे दिने रावसूत्र यसमेराधेवारे प्राचित्रसळवाहेन। न्हे वान इत्वार्सेनाया प्राची वस दे निवेद निवेदाया प्रमुद्द न स्वाया मुद्दा यस वेदा मे प्रमुद्दी निवाया याः भूरान् भेग्राया वर्षाः भूराहे ना सक्ता से ना सामा सम्मान सामा का व्यानव्यान्यदे प्रदेन नश्चन प्रयाने न ही व ने गहियानदे सळव हिन नही यदिव ची दश्चीया अस्य सूर चुया वया यह या कुया है द गी के या ने या प र्सेनामान्य दुन्तानी कार्यमान्यवी सार्व त्यास्त्रे मार्थ सार्व सार विता रही:व:वहुन्।सँग्रायाधीता इ:वरः वर्हेर:दरःवेश:सहरःसँग्रायाः तुर। नशसःसे विनःसँग्रसः र्हेशःनदुः दुगः हे सेग्रस्तीशः हेगः नसदः यशः हिर्म्सर्तु दसम्बार्थासदे क्रान्त्वमा सदे दिर्मर नश्चन त्यस्ते र हिन्दी दर्नरानभूत सेसमार्मदे विरासक्त भ्रिं रानदे सक्त हेरा रहे तानह त्रुवाःश्रेवांशःर्थेत्। इत्तरा नश्रधःश्चीत्रःतरःश्रेवाशःत्रुदः। वाववःयःसवः नरे र्भेन र्से मुका हो द र्के का नहु मिहे मा मी का दका नविमा सदी एका ले रा धेवारी परेरानभूवाशेसशान्यवे छेनासळवार्श्वेरानवे सळवाहेन। न्हे विन् विन् विन् वाश्वाक्षेत्र वित्र व

हेन् सेस्य न्यदे थे भेयाने वने रामसूत सक्त मिने हे सुरान दे सक्त हेना न्हेरनम्बन्धियःश्वेरानान्दार्यान्वः ययक्षाम्यःश्वराहा ह्याः बहित ही नत्तर्तर नर नह द्वा र्ये द परे हिरा इ नरा है व से दश हगा था यः पार्यासक्रम्याप्प्रिताते। सक्रम् हितानि गार्के ग्रीयायास्य स्वर्धास्त्र सम् वर धेर् हैं द र्श्वेद व विव से असम द्वा के कुर की दें के द व कुर की क्रिंश उद्या १दा मरार्श्वेम नायश्रामेश विदाने ना शुरा मीश प्रमाय प्रमा वया हिन्ने मश्रम ही अपसर्के न न अपन पन परे हु। सक्न पेनि परे ही म वर्रेन्दा वर्षेत्रेःह्रेम् अस्म मारास्ट्राह्म स्टायां सेन्य माराम वर्षेत्र यदे सुरावासा स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्य हुः । व्याद्याया क्रिया क्ष्या क्ष्या क्षा व्याद्या विकार त्या विक [माशुर्-र्नःप्यनं प्रमान्य महिषायशाम् वेशायम् । प्यमानिशायशा गश्यामहराम्यायाम्यामश्याम्। दिस्याम्यादावे सहरावनस्रियास् हिंदी भिर्मार्थाया स्वाप्ता विष्या प्रदेश से स्वाप्ता या स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्व भ्रुनशःग्रीःळेषाशःशुःनहर्पर्दि।।।

#### वर'न'क'स्रवा

 र्नु चर्ते मर्भ चुर्देश म्बुर मन्द्र । कुर् श्चेत्र चुर् स्थार सुर देश देश सर्दिन हैं गुर्शा हिन् सर उदा हो देश न निन सं गुरु साय शा न न से दी। इ वरा सळ्वःसेन् रवः हुः श्रेवः वः स्वाया विया विया स्वारं विया रवः रवः रवः इसारी विश्वीरा वर्स् मार्से रामवद्विरायायायाया रेटार्स् दी मर्ट्र यथा नृरिदे ना ज्रारके विष्यासर सेसस नक्षेत्र मान्यान ब्राह्म इस यात्रस्य उदासिक परि सेस्य प्रमान्य विषय प्रमाने स्वार्थ यदे नुरक्ता हु रेश यर वनुर नर वनुर दे । विशायदे सर्रे नु स्राय सर यःकः समुद्रः केदः में 'दृद्रः । कुदः दर्जेदः तसूदः समः दृदः में मेवा केदः ग्रीः मदः कः धेव प्रशाद्रिया शुः द्रामावव महिषः वृग्याय मध्य ग्रुया वया प्रकट प्रमः इरशस्त्रमा मुद्दा महिश्रामा दी नेश मुर्केश उदा स्रामन प्रति र्सेट न'नमु'र्नेन'नाशुंस'र्स्स्य'र्द्द्य'न्दः। यसनेर'र्सेन'सळन्छेन्'नवेश'नन् याः सूरानर्द्वेसायदे यसा ग्री विवासर वेवा के दाग्री वराया का सब्दा से ना र्टा यभेषाक्रयाच्याक्रा भ्रम्भाविष्याचीयावस्त्र मि.यद्वात्र स्वाची ह्रा सर र्शासहस्र र भे भे विवा केत्र रेवाश ठत श्रीश र र श्वीश खास स्राप्त । यदे दे सूर नर्से संस्था ही दान में तर पार्टा के नाया स्थार न्त्राया स्थित लियाकात्रात्रात्रात्रयात्रयात्रयात्रात्रात्र्राक्ष्यात्रात्रात्रीत्रा निर्देश निर्देश वर्षेता यायमः दर्नायात्रम् स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः द्वा केमा नाम्याः यदे हिम् गहेश म गुन हो इस मन्दि यथा धे ने श हे रहेर गहेग वी'सर्ह्य'सर्ह्यार्थ'सदे:र्ह्यार्थ'स्वर्यं स्वाप्या वर्षा वर्मार्थं क्रास्त्र मुन्या भ्रेमाना वेमा मुद्दा विमाना सुद्दा स्त्रीम् सर्ने त्यमा गुन्। वेमा बुरिन्द्रम्बन्यास्याद्रम्यान्यान्द्रम्यान्यान्यान्त्रम् इस्रशः ग्रें : द्वारा विस्रशः ग्रें : सुरः दें : त्यः से न्या सः ने : धेन् : त्यः से स्रशः ग्रम् : स्वरं

सर्भे मुन् क्यावर क्रेंग्स्य स्थाय सक्त सर्भे मुन्त देगाहेश सु श्री भूराविरास श्रूमास हमसा सरा त्रा से राहे प्राया ग्री राहिता विषा मशुरुरायदे द्वेरा समय रहार या ना सुमः रूप में ज्याप के ना सम् यद्वितः स्टः कृतः याः श्रुवः यरः यविशः यदेः श्रेश्रशः द्यदेः कृतः क्रेट्वः हिंग्यारी वर्ट्रेरावसून वरायाक समुन ग्री सक्त हिंदा वेरा ने वा दसन न् भूरावरादेशासवे व्यटाक्षेत्रका केंग्रिया स्वाया सवे प्रोत्ते का केंग्रिया होरा वया यदेरानसूत्रवेगाळेत् ग्रीरियोत्रायदे भ्रीता देरावयः वेगाळेत् ग्रीर वरायाका अवुताधितायदे भी । ह्या भी । इता वरायदे का प्रायवित यर वर्रे दा इंडे शर्म श्रे वा प्राची श्री वा वा विष्टे वा श्राच श्री वा वा विष्टे वा श्री वा वा वा विष्टे वा व देर वया वेना केन की देर देश नश्चन नहीं सय दर्ग कन रह नी दे न्वायायायस्व प्रेरा देराचया देयायमु देवायस्य में वर्षा स्वार्थ सर्वानमूर्याये भ्रीमा सर्ने प्रमा इसामा सम्मार स्मार्थ स्मार्थ सम्मार्थ सम् सर भे मेर् हेरा वेश महारस्य मेर मेर हिन हो से मेर महर संस्था वेश मु यावी वर सदी कार्टा अधिवास ही रायक्षेत्र सदी विकास की स्था सदी ही रा इ.चर.७र्ट्रेर.धु.चं.४.६। रट.क्रैर.ज.ट्रे.चक्रैर.सद्ग.वय.श्रीट.सद्ग. नदे-दे-धोन-नदे-धुँन। हिन-ह्रो सर्दे-लयः न्यानश्चानी यह्या वर्षा र्रेविन संवे निर्दे ति स्वे निर्देश स्वे निर्देश स्वे निर्देश स्वे निर्देश स्वे निर्देश स्वे निर्देश स्व ने। ज्ञारकेव पने वे साञ्चन केरासाञ्चरा प्रमास से में हैं नाया ज्ञार नु पर्कर मुद्र विश्वानश्रद्यायद्वाद्वेर विश्वासे विश्वार रेते विश् र्नेव प्येव प्रति सुरा है सूर प्या सूर पादी हव में या या से प्याप प्रति सर सिर्यम् । श्रिमामानु मिराक्ष्याक्ष्यम् त्रामान्यम्

मुना लटाय.कुर्याय.मी वृया.कुराक्क्ष्यात्रा.जत्रा.स.रचटा.मू.मू.पजीटास्या. ग्रुअः में दे देश पा सूर देश प्रवुद र्षित पर प्रवाः वेषा के द शी देश श ठवः ग्रुटः श्रेस्रशः र्क्षेत्राश्यसः सः द्वादः हेवः द्वादः । स्टः क्रुयः ग्रीः देवाशः ठवः व्यट्ट श्रेस्ट क्षेत्र स्वाया साम्या प्रवास स्वाय स्वय स्वाय शेशशर्ळें वाशायशयान्तर हुयाधे दाये ही मा ने राष्ट्रया वरे वे सर्हे यश वृद्भेते तु। के प्यम् मुम् कुन शेस्र म्म म्म मुम् मेना मानदस्य विरःक्ष्यःश्रेश्रश्चात्रस्यः स्टामुषाः मुत्रान्यव्य विरःक्ष्यः श्रेश्वश्चात्रः ह्य दुन से समान्य दे वे नामाना नासुस नुष्टे नि हो वे स नासु द स परि <u> ब्रेस्स्य अप्तर भ्रे</u>। दे ब्रह्म सेस्रस्य निष्या स्वर्था निष्या स्वर द्येर्पाहेशहर्नर्पाचेग्पासस्ट्रिंप्येन्पित्रपरिधेन्। इस्यान्त्र दर्जेट ने गारा कुट दर्जेट धे दर्जे अदे दे सुर्य ने दर्ज हर में या प्राप्त हर के त शेशशान्यम् श्रीमान्याशासास्याया नित्तात्या हेना मान्या केता मिनि कें निया यसायाम्बर्भानवे देवां भारत्याम् सुसामी द्वी न ने माने न ने भारत्याम् स्वापानि । विभा यश्रित्रायदे द्वेत व्रायाया वित्राता विताया यथा दे स्वादित्व द्वा देव में शामित्र माना नाम निष्य माना निष्य माना नाम निष्य माना निष् न्यवः इसं या गुरुषा सेन्या हेन् ग्री सामि वर्षेन्य ग्री हा से समान्यवः गठिगानु वयान्या वेयाग्रुर्यायदे द्वेराव परायाद्वरा हो देव द्या यर ग्रुट सेस्र मार्च मार्ग प्राप्त से स्ट्रेंट या ग्रुट सेस्र ग्री मार्ग स्थान ग्रीःकृतः स्टामी ग्रुटा सेससा नुसायटा से वर्देन प्रवे श्रिस्ति। के सूटायसा वरेवःमः नदः वावयः मदे ग्रुदः द्धवः श्रेश्रयः न्यवः वाडेवाः नदः नुः सदः विश्वः श्रेः येव प्रभा वेश मार्य द्वारा स्थान स्य

र्ये चेवा न्यव धेव चेर व। दें व। ने हें हुय न् न सेवाय खुय खुय खायाय नर भक्ष्य ग्राट प्रचार के वार्ष का का का की क्षेत्र पर है वार्ग प्रचार के वार्ष नःह्यःसॅवेःन्नरःगेशःह्वाशः गुरःर्वेनःनगेदःश्चः गवेशः वेनःसः येनः यर मया ह्यार्स मेगान्यद या होन परि ही मा वर्नेन से त्या वि यायमा भुषाद्वर्यायाष्ट्रायाकेमायायम्यायाधिवादी । दे स्वर्धेदाशी वेगा गुरुद्यान्यते भ्रीत्राद्याः गुर्यत्र प्रस्या वर्षेत्र हुया स्विगाद्यत् भ्रीः धेव पर कु र्वे द प्रवाद विवा न विद गुर से प्रवर है। विश वासुर स परे धेरा धराय हे मान रो क्वा की के तर्तु ज्ञान दे मान्य का नाम से किया गहिरासुःसःदेरायरःवय। देःगहिराग्रारःसुरःसःधेरःपदेःद्वरःवर्द्वरः व्र-र्-त्रक्र-र्ग्यायदेवित रेर्-वया हे सूर-इसादम्याम्यायायायाकः र्र्येन र्नेव्यो भे नकुर्यस्टिव्यायस्टिव्यायस्टित्येर् स्ट्रिय्यास्य स्ट्रिय्य साधिय। स्वामार्चिया ही। योग्रेमारह्येमालम्। हे.कॅमार्थमाराच्यायायायायाया र्क्षेत-दर्भद-हेश-दर्श-दर-वरुश-ध्रश-छुर-दर्श्वर-छे-ग्रुश-र्-च-१८-छ। वेशम्बर्शस्य से हिन् पर्देन से व्याप्त है। हेमा के दान में दिन से प्रीय परि वेगाळेवायान्वराहुवान्यव्यास्यवे धेरा विवासे नेयाववेरावे बुरान् है भ्री-दर्गि अन्यस्तुर्यार्से द्वारार्थे के कुरामहिका हो दायते हिस् मार्थेस प्रदेश यथ। भून-देर्वन्त्री-दर्ग्दश्याध्याध्याक्षेत्र-द्वर-दर्वेद-ह्यासेदेन्दर-त् नर्भात्रभाविभाशुः सहित्यमा विभागशुरमा परि श्रीमा विभासी है। हे <u> ५५.सपु. ईश्वत्यरश्चरश्चराक्रुश्ची. ईश्वत्यरश्चाक्षेश्व.श.र्मुश्चामः</u> धेव भी नगर में वर्षे र में बुर र वळ र म र । हुय में मेग र सव माया र्श्वेरः नः श्रेम् श्रादे मात्रः मे दिवः धेदा है । स्मा है श्राम् श्रुर्या स्वेरः धेरा विनः

कःवर्रे क्विंग्रार्श्वेर अर्वेट श्वें यायय में ट देंगा वयय उट र ने या द्वेंया रटास्यायाया स्यायेसया ग्रीहेरामहेरासेयया नश्चेत्रप्र र्रःश्र्याश्रःष्ट्रःयायायश्यदेः कः द्रशः नव्याः पदेः वर्षः प्रेशः विदः परः ठतःगहेशःग्रेशः वेदःपदेः स्टः नविदःग्रेः न्नरः र्हेदःग्रेः र्ळेशः सर्देदः हेंगशः दे। वर्देर-दर्देश-वश्रुव-ग्री-नेग-केव-नर-प-क-सन्तुव-ग्री-सक्व-हेट्। नवशः नेशक्षे के नवे रूट नवे क्री नवट वर्षेट में केश सर्दे के मार्थ रूट मुलाग्री देवे सळ्द हेर्। वनशानेश हे ळे नवे रराने देव ग्री र्नर हुला ग्री के अरबर्दिन हिंग्या दे। इन विश्वारी देवे सक्त हे द धिन हे। ददे गहिया न्त्रायानसूत्र धेता प्रति हात्रा है के नार्ट सूर्के नाया हैना विया ग्रुद्यान्दे भ्रेम द्वे न देवे न देवा न स्थान के के प्यत् के स्थान के स्था के स्थान श्रूरःयश दर्ने द्वा वस्र रहार्चे श्राय द्वा तस्य स्वर दे दर वित स्वर स्वर नेशासराग्राक्षे देवियासार्वित्ररामस्त्रामायायह्यामवे कुतियो निर्मा ब्रेर्रो विश्रश्री अपनिर्धिरही बर्धित वेश्वराय धेरे खारे के खार यत्रायश्वात्राचरामाः कार्यमुत्रावेशानाईनायराययात्रायशानावनायवे भीता कुत्रायानहेत्रत्राध्याष्ट्रायादातुदादे दिरादे हिंग्याद्र्येया क्षेत्र रैगाश उत्र है। कुत्र ग्री के द द ग्री नवे मार्य ग्री वे सक्त है द द ग्री त है वे केन्-न्-न्-न्न-भे केन्द्रियामहेश पेन्। या सक्सरायस सम्बन्धा स्त्र वसम्बार्थाययान्तरः नुःर्विन् त्या ने प्यतः कन् वदरः मन्ययः प्रमान्दरः हे थः *नभू*त्र-ग्राट-त्रे-तुःश-तःर्थेद्-ग्राट-ग्रिश-ग्रिवे-द्वट-त्-तुःशक्-स्रोद-सर-नेशन्त्रींशने। सर्नेश्चेश्चरायश् हेनाने हेन हेन सरेशया । साह्य ग्वःह्निः क्रिंग् उद्या विश्वाग्रह्य स्वरं द्वेत्रा स्ट्रायः यहेवः सः श्रेग्रयः स् र्शे क्षे किं वर निव निव के तुर के निव के देश चर्वेत्रः स्ट्रा हो न्या क्षेत्रः ची क्षेत्रः ची क्षेत्रः स्ट्रा क्रितः स्ट्रा क्रितः स्ट्रा क्षेत्रः स्ट्रा क्षेत्रः स्ट्रा क्षेत्रः स्ट

र्हेन र्श्वेन त्यावित्र ने। कुर क्षेर केन न् नुया वात्या वात्या वात्र या हैया या ह्यर वर्षे व र गाव क्षुवे हिर यर से र यर वया विक्रा गाय रे वें व र गाव नदे: ध्रेम नेमः बया त्याः ग्रें स्वयः र्वेनः मादः नदेः ध्रेमः वः या व्रिनः स्रे। त्यः देरः षरः गर्वः ग्रुवे द्वरः षेव ग्रुः श्रुरः र् नर्वे र पवे गर्वः ग्रुषः ग्रुषः परः षेरः यदे हिर। अरशः कुशः ५८: ५ वा नहें सायदे हैं द्युवा के नुदे वसान के र यासूरानामहिकार्ये प्राचित्रीय। यदावाने मानायो सुन् श्री से दारी से दारी से ग्रियाचु त्याचुर त्यम् मार्गा प्रत्येत् चेरात्। वेरत् क्रुत् चीर् द्राम्म स्था रुद् क्ट्रायमान्याचेमान्याचे निर्मान्याचे स्थाप्त विद्राम् वात्याचे प्राप्त केट्रा निर्मान न्वें राधिव सर मया हिन्ने केन्नु चुन्वे ने प्रिव स्वरे हिना वर्ने न वा सर्रे के कियाना र्रेय ने शासाली क्रिया सम्मानीय । विश्व समानित्य प्राप्त हिन्-न्-निस्त्रा विभागस्रित्सामधे ग्रीवेत्सान्त्राह्म । विभागस्य । नेविन्द्रियं बस्य अप्तर्रास्त्र स्थाने अपने वित्र ग्राम् स्वेत्र प्रमाने वित्र प्रमाने धैर-१८१ १८-११-१ मुन-ग्री-धै-र्नेय-पर-१ना-पीद-दाहेश-शु-नश्चन-ग्र-हैंग्रां नेत्र्त्राग्रदादेवे ने विक्षायदाद्या धेत्र दर्गे या सरामया न से प्राया बर-द्राः सर्वेर-लर-क्रे-नस्त्र-प्रश्ने

## देश'वर्गेद'क'सन्त्र

भ गहेशसायान्दिशान्दा अदिनार्हेग्यास्तुगामी मिर्देशायार्वेगाहेगा श्रद्यायाम्बर्ग प्राचित्रं इत्यम् हैं या इस्य हैं प्राचित्रं विषय विषय मश्रमा पर्से भरद्धाया अर्दे त्यमा अर्दे छेत् पर्कट क्वा पर्दे दे प्रमासीसमा उत् वस्रयारुद्राधी दुरात् सेस्रयासहस्रामा हेरात् वाद्रयास्य हो। सेवायासर् ळॅत्र न इ. गहेश ग्रेश श्रें र ख्या न वे रे रे खा छूट व वेट के गश्या ५८। दे-द्याः वी द्रश्चे या शाह्र स्वाप्त अपदाः दे । द्रश्चे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त न्धन्यायार्वेन्।वार्वेनावारो र्स्वेनान्येवानन्यार्वेनाळेवार्येयानान्यार्श्वेना वदे खुवावस इस स ५८ वरे द स ५ से वास सर व १८ स दें र वर मा इ.चर्। ट्र.च.र्थां की.रश्चीयां तर्तरी । श्रेश्वा वर्षा वर्षा वर्षा र्टा नर्वेव के या वेव या वेव स्थान न स्व या वे से स्व या विव से सिन न्में त्रिक्ष क्षेत्र अवस्था क्ष्य विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व वया श्रेम्रश्च विषय १८८ विषय १ यर प्रवेद प्रवे ही रहे। इस प्रविद प्रथा वस्र र उर् ग्री श वस्र र उर् प्र न्भेग्रयम्भेर्यस्य होत् । विराम्ध्रयः यदे हिम् वर्नेन् भे तुराने। ररावी दे रत्यत्व कि र केत से र द्वापाय धेत परे हिरा देर वया वासेर वर्षेटायम् वर्देराविकेष वमा इत्वरे वर्षेम् न्टर्ट्सेम्म रामेसम उदायसमारुदार्दे। विभानेरानासीयम् देव विभागस्तरमारि सेरा केंगा

ग्रयान्य ने भेस्रयान् इते प्राप्ति सेस्ययास्त्रया है प्राप्ति ने हिं सुराह्ते । अःधेवःबेरःवा देशःसद्धःयः प्रः त्युस्यः प्रदेश्येस्यः ग्रीयः प्रेयायः विदः क्रायरको प्रके नदे क्राय उत्रेश नर्जे या मान्य विष्टि । विष्ट दे दे श्री मा वर्रेन्त्व। क्रुवःश्वरःयय। र्रेन्न्यक्षिययःयः कुरः दःवे सक्रयःयः न्दः ग्रुसयः यदे सेस्यान्यां यो या के पदी हिन्यायाव्या या विषय स्थान सेन्या या स र्शे । विश्वामाश्चर्यायाक्षीयम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रसे व्यक्तिया है। ये नमुद्रायया सेस्र उदावस्य उदायासहस्र पदे सेस्र प्रदे व्ययमार्यः सेस्रयः दरः स्रेटः हे केतः ये न स्रोटः यरः व्या वेयः ये नयः ग्री सर्देः श्रुरायर्गामये श्रेरा ग्रेरायश्रेरायश्र हिंगाग्रयायशाश्रेसशाद्रार्थे सब्दाया वेशाम्बर्धरमायदे भ्रम ग्रुमायाय वित्तरो देन ग्री देन ग्री देन ग्री देन ग्री देन ग्री है । वया है खूट यथा है नर गहिंग्या मा कुट हु है से स्था उद वस्य उट या श्रेश्वरायक्ष्यायक्षेत्रायक्षेत्रायक्ष्यात्रा देखाद्रश्चेष्यश्चराय्वेषात्रः न'य'र्सेन्य'र'न्द्र'न्युद्र्य'रा स्रे वियान्युद्र्य'रादे स्रे र त'यात्रु श्रीयायाः सुर्या ग्रीययाः परि से स्था प्राप्त होता से स्था स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था देर वया है सूर सँग्रायश कुर दर्रेट के ग्रुस ग्री द्रेग्राय पर से से र नन्द्रान्द्रीम्बार्यादे सुन्वारा दे प्येत्र प्रवे स्वेत्र हो। इस्र नन्द्र प्याया हुद दर्नेट से से र न र द र र स से द र र र स से द र है। इस स र र र ही स इस स र र र षान्भेग्रमास्यम्भेरासम्युक्ति । बिर्याम्युम्यासदेः स्रेम्। यमावः स्वापः रे। क्रेंन-नर्येद-हेन्-भेग्र-नते-त्य-हुन-त्रीन-के-ग्रुस-भे-नतेन्-मर-मत्या वर्गेयायर केंगा ग्राया विस्तेर सदे से राज्य से इनदे केंगा दर रें नश्रुव रंबा धोव मदे श्रिम् नाकोम त्येम स्वीम स्वीम खुन स्वीम नाक्ष्या

८८.श्रुं र.च.केर.श. धरश्रासर ३.चतु.क्रुंचा.चीश. वृष.क्रुंट. चणवा. प्रशासि म् हैं द्राता हैर यारे विषायशिर्या ततु हैर देश इया येपर हैया इत्र्वेयानन्द्र्यायरादेरान्ध्रुवान्द्र्या । इत्यरादर्द्द्राक्षेत्रान्। हे श्रूर-५८: क्रुव-श्रूर-पित्रशान-श्रूर-पित्य-पित्र-पित्य-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्र-पित्य-पित्र-पित्य-पित्र-पित्य-पित्य-पित्य-पित्य-पित्य-पित्य-पित्र-पित्य-पित्य-पित्य-पित्र-पित्य न्भेग्राम्याम् अर्भेराम्यान्यान्यान्याः स्थित्राम्यान्यान्याः स्थित्राम्यान्यान्याः स्थित्राम्यान्याः स्थित्राम्यान्याः स्थित्याः स्थिति स्या स्थिति स्या स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स् वर्गेषाकेत्रामहेत्राष्ट्रमा देशामरावर्गेरामदे कार्रास्त्रम् स्वीतामा वर्गेराम ग्रम् कुर् दुः दूर प्रश्चेर द्रार के द रे दि द्रश्चे प्रश्न से से दे दे दि द स्थाय प्रश्न स्थाय वश्रुमः में विश्वाम्बर्धम्यान्ति होम देखा विष्ठाने वर्षेत्र दिन्हें स सर्केनाः अन् रहेनाः साधीतः सर्वा सर्देना यथा दे स्ट्रान्य वित्र हेना अन् ठेवा'सः । विवापीत'ने'नदित'र्हेर्याची'सर्हेव । ठेर्यानश्रुद्यापदे चिन्द्रात याष्ट्रियाञ्चे। रटार्नेवाचेनायदेष्ठ्रास्टायाने सूरायन्नियावने यापावन दॅ्र में देश र् होर प्रवे र्श्वेर न प्रवेर प्रवास कर में देश महिला मार्थ मार्थ स ग्रुमार्थेन्यते धेराहे। हे सूरायमा वर्ने दे ग्विन्यानहेव पवे छूराहा न्दा अवाशन्दा वर्षेषाकेतायश ने ने ने न्दर्मेन मी न्वर्म, न्वर्म धेवा वेशःश्री । धरावः वेग र्हेनः श्रेम् शः नवुः महेशः ग्रीः नुश्रेम् शः सः श्रेः र्शे वि वर ने निर्मा स्था इ निर्मा के निर्मा ने कि निर्मा ने कि निर्मा ने कि निर्माण ने कि निर् ; हेर्स्य से प्रेन विश्व स्टाय विषय के स्टाय प्रेन स्टाय इस्स्य स्टाय स यन्ता वर्षेत्रयम्बदेवाविष्यावह्यायान्द्रवश्यात्रविष्ट्रस्य न्वादःश्रेवाशायादर्वेन्। इत्राप्त क्रिंशासक्रेवावीशाश्रेसशास्त श्लेवायान्य श्चैत से नुप्ता रव न्याद से या सामा या या वा सामा हो न पर हो न पर से महा सामा हा व क्षे केंग सकेंग भूनमा सुरमेसमा नहुमा मेसमा उत् मी देवा हो दा पा दा होन् द्धयापर से न्वो नइ र्सेन्न न्य स्ट्वेन या स्वापार स्वापार्थन या ने

नलेत्र-त्रालित्र-त्यद्य-त्यद्य-त्ये श्रीम् । तेम् त्राण्याः स्ट्रिस्न स्थाः स्ट्रिस्न स्थाः स्थ

सद्धियाश्वा यहिः स्ट्रान्त्रः श्री विश्वाश्वाद्धः स्वाधः स्वध

# ब्रैं र अर्ह ट ब्रैं य न श्रेय छी क्रें य र्हे ट ।

अविश्वासात्री वर्षेत्रामात्रमा क्यामान्मात्रमात्री वर्षामान्यात्रमात्रेत्रम् ।

सत्या नेयासराग्रही वियाग्रहा। सम्मान्यानायानवनाः भूरः गशुमा नरमें प्यापि हेगा तरी दरी हैं सार्श्वर दिं तर खेरा हो प्यर भूनस बेन्ने न्द्रिंग्ब्रुसन्न्त्रवन्द्रिंग्यर्वेद्र्युं स्वर्वेद्र्युं सः वार्यसः यसः सळ्तः हेर्यार्टा अन्यानने पाष्ट्रायानुगायाना सुर्यानी हेर्ये रासे हर है सामा सुर्या र्रे निविष्याम् स्त्राम् स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्रिम् स्त्राम् स्त्राम स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम स्त्र क्र-तर्र्य- क्र-पश्चातार्श्वेर-अर्थ- श्वें या ग्रिय- नुपन् व्याप्त- न्या प्रवे ल्रेन्व्राकुरावर्त्रेराके माशुकावार्युरासर्वरार्द्वेरामशुकाम् कुरावर्त्वेरामशुका र्नन्त्र द्वारम्रस्यावद्वार्यदेश्वर्णे धेर्म्याक्षराद्वर्षे र्श्वेर-अर्हर-श्रेंबा-मदे-प्यबाम्बुबा-त्यिन्यन्ति । वेबा-मदे हिन्द्वा वै। वर्षेषाकेवायमा सर्देवायमार्देषामार्यामे मे त्यारेमायमायते नायिका न्दासमुक्रामा केदे भी क्षामुद्दा नेदे त्यक्ष मुक्षा क्षा यन्द्रायमा पिंडेग म्ब्रायदेन हिंगामायमप्तिमात् मुमानमा वेशासी निर्दे दिख्यादे दुराबदाग्राराक्षायबदायरावया वितासरावयदाद्याक्षा त्वर्। वृःसरःचन्तरःद्ध्यः परः स्रे त्वर्। त्वाः सर्वे दे प्यरः स्रे तवरः सर्वे ब्रेम दरमें जुन है। ब्रिन हम् न कें न्यायस यस सम्बन्ध निया न्द्रभाशुः भ्रुः नरः वयानः नदा निवास्यः भ्रुं रायसः सदेः द्वेरासे व्यासदेः ह्याश्रास्त्रम् वर्षास्य स्वाधाः यायम् वरायवे कर्रायवे कर्रायवे कर्षाये के विष्यवे कर्षायम् विष्ठे प्रवे कर् दरसमुत्रसम्बुद्धात्रम् वेयाम्बुद्यस्यामान्वेम हिंद्रश्रीयादेवे हेंद् त्रमामानम् । या मान्यामान मान्यामामान्यामान मान्यामामान मान्यामान मान्यामान मान्यामान या श्री मा श्री वा मा प्रति विकास सक्ष्य कि मा मा स्वार मा स्वार में स्वार में स्वार में स्वार में स्वार में स

श्रेश्विन प्रदे न्वो प्रत्व की अळव हे न नश्व प्रदे ही र प्रवित्र न न र हा हा नव त्रशायन्त्राचा वेत्राचाशुर्वात्राचा शेत्राचा श्रीतात्राचा श्रीतात्राची स् र्धेगामदे हग्रम्भासानम् प्रति स्थित। मान्य प्रति साम्य के सामके वारी नविव सेस्य उद इस्य विय परे पर्म प्रमुद केंग सकेंग केंग प्रमु याधीतामरामया नविषयि र्श्वेरायर्भेरायर्भेयाम्युयानेवे स्थिता वर्नेनाता ने अन् हेना साम्युसान वन् सान्ता वर्षेया सायस्य केंसासे दिन संदेश सहिन यश हे सूर नर्वे र के द सूर हे मा शा मिह मा धि द रे न विद के श शे अके म गुश्रदश्रायदे त्याय श्रिट्से देग्याय स्वया दे या श्रिट्रायस साधित स्वरा वियायानेदे हिम् ह्यायायया वियायाया वित्रामा वियायायायाया यानाधीत्रायमात्रया इत्तम् नमायात्रयाग्त्रात्रहेंस्रसायान्या विसानमा व्यक्षयावहें समाचेत्रत्रा गृत्रमहित्केत् ग्रास्त्रमळे सम्माणी । वित्रा शः ह्रियायायाः त्रासे । वियासिक्षया श्रीसं श्री हियायायाया । यदे ही र त स हिया दे त स्मयश्रादर से दे हैं र त्यस प्यर हैं र त्यस स प्येत यर वया इ यर द्या दर दे द्या अळव अ अ दे हैं है अ दूर हिर पहें व देखे होदार हेत्। खिर हें वारा दर हैं या या बदा । हे या र्या हो या र्ये पार्थ या न्यायान्या विदान्यायान्या न्ययान्यायम् नवे नेदाने नेदाने में या यन्ता स्रार्क्षेत्रयन्ता क्वें अया बन्यन्ति हैरारे वहें त्रक्ष्यय स्था ह्रियास्थ्यायान्यत्रस्थः स्थित्। स्थितस्य स्थितः स्थि। देवे स्थितः स्थि। र्स्य मुस्य न्दर भूगि हु सुदर भूव ना स्वाय भीव ने ना हिन ही ने भार ने र्टा अर्थेट्य वेया श्रुप्ति यद यह मित्र विश्व यह स्वाप्त्र मित्र यह स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्व वै। ने नुगाय हैं य क्रें न से न है। सनय न न में गर्य न हैं न सर्वे न क्रें स

गशुस्राचन्द्राचात्रस्य सु:सूद्राचेत्रे:द्रवद:दुः चुर्या सूर्वस:वर:वासुस: ग्री-भ्रम्यश्राष्ट्रस्याश्रायेष्ठाते नित्रः नित्रम्यश्रायः स्याया वर्षा हेना ना शुक्ष र्से ना पदे 'दर से 'ना शुक्ष की 'दर्ज क' सं 'दर | इक्ष हेना का क्रें र 'व र्श्रेन्यायात्रुयायात्रम् नार्म्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्याया ससास्त्रसामित मिना द्वाना के दार् देश सुराना धेना मिना दिस्स ग्रीय है। इसायन्तर यथा गलिर पर्ने समाग्रीम ग्री में का ही र साथर हर बर् श्रूर र् रु र से द्वा हे स रहा वासे र पद्ये र प्या है रह से से दे हैं स सःश्रद्धाःसःक्रिन्।सदेःस्रिन्।स्रिन्।तायसम्बाधाःसदेःह्र्याशुःवज्ञदान्यः चिर्दा विश्वास्त्री विश्वासाम्बन्धे इसाम्बन्धा हमारूराश्ची नार्या गुनः है। इस्रान्यन्या इस्राह्मार्स्य स्वाह्मार्स्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्म्य स्वाह्मार्य र्सूयाची वेयायावया हे सूर्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या । सन्नर्ग्रीयार्श्वेर्राचयात्रुः प्रदेश्चर्षर्वात्रवात्रित्वाः वी भूनयाशुः वेता उराद्राः । बेशनाश्रुरश्रम्वे भेर्ने सर्ने स्था स्थान् कर्मा स्थाने स्थान वर्देर्नायायाः मुद्दान्दा अययान भेर्ने द्वाया या स्टिन्स व्यासा व्याप्त विद्यालयाः ब्याप्यम् प्याप्य प्रमायम् विवास्य स्ट्रिन् ने सून वर्षेया यस स्ट्रिन यस मुद्द निर्देश मिन्द्र मिन्द्र निर्देश मिन्द्र मिन्द मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र वरःवःगशुअःग्रेःश्वेरःअर्वेरःश्वेयःगशुयःवनगयःयःवःधेवःयरःवय। देः क्षेरःश्चेतःनेत्र्वाचीयास्यात्रयात्रात्रत्वेत्रात्रयात्र्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत् ग्रे क्वेंन न्यें त ग्रे खुन्य न ने न पर का धेत पर दे भ्रेम क्या न न न पर पर शृद्वियायश्चर्यन्द्रायाचे प्यत्र श्चित्र द्वित स्टावी निवेदाया संवित्यर र्श्वेत द्वेत र्थ साम्वत में पर्देत सामग्रित्य वेश मासुरस सदे में सा

म्यास्त्रम्य म्यास्त्रम्य विश्व विश

## ध्रेरःक्षेःक्ष्याःचवःहगश

स्थाह्मार्था सक्त्रं सान्यान्यात्वा विश्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त

द्यालटा वैटा के कार्य हैं। वेश हैं राय हैं या स्ट्री कैंशा वस्र शंक्ष हुन देशा सामे ना सम्माना से ना से र्बेट्र-अर्बर-ब्रेंब-पश्च-क्री-हर्गश्च-पन्-पानिश्च-प्या न्ट-रेंप्वकर यर अर्देर पश्चर प्रा गहेश या वळ प्राय क्षा वल प्राय विश्वाय वै। क्रेंन्सर्वेटःक्षेत्रागशुर्याग्रीःग्रुट्स्येययावनयायद्वरायदेःयेययाद्वर ৾৾<del>ঌ</del>ঌয়য়য়ড়ৢঢ়ৢয়ড়৾৾য়ৢয়৾ঢ়৽ঢ়ৢৼ৾য়ৢয়৽য়ঢ়৾৽ঀয়৽য়য়৽ঢ়৽ न्याकेंश रुवा दीर से र्वे या रावे या राव या तु रेश है। यने व यहें व मी स्मा यर से हिंग रेट खुरा नग र्षेट् प्टर हमा देव खूद प्टर ग्वद रा क्रिंद से क्ष्यानरायेग्यान्त्रन्तिं वासूरायेवानीः नुहासेस्याधेवानवे नुहा सहै यथा दे निवेद हेद या रे रे सेद गहिया हु सेद गहिया हु साथिद या पद बेर्ने इर बर् रेग् ग्रम्बर स्य पर हैंग पर बे होर्ने । दे वे ग्रम् इर बर् र्द्यापर ग्रुट कुय रु श्चान या धेव हे देव दर ध्व पदे के ना श्चा धे देव दर क्षे·ध्व·मदे·क्षेम्।क्षुःनःमःभेत्। म्वनःम्रीःग्वमःमःन्दःमःग्वमःमःमेःधःवेदः येग्रासर नहें द्राया केंग्राम प्रेम् विष्या के वेंग्रासर देग्रासर होते। विशःश्री।

स्वतः त्युन् । त्युन् । व्याचित्रः व्याच्याची क्युन् यो या व्याच्याची या व्याची या व्याच्याची या व्याच्याची या व्याच्याची या व्याच्याची या व्याची या व्याच्याची या व्याच्

सर्दर गुर्र में पारा प्रार्थ हो हिसाया न मुर्प प्रार्थ का के सार हो। सुरा ८मा मार सुर में। अळं व अ प्षेव प्यर मणः श्रुर प्यय प प्रतर हैं व सेर से । क्र्या.सह.स्याम.धे.सी.स्.सट.सेट.लुच.सह.सुन्। विय.स.प्रमा स्याम. युनः स्रे। इन्नरा मञ्जारायार्शेनारायरार्थेनारान्ता विक्रेंसारीन्या बर्यार्ट्य विश्वास्य स्टिश्चेर वर्देर् से स्थाने स्था में साधित रमानी पर सं धेर पदे हिम् हम् रामहिरा मुन हो महम्राया देते यर वहें दारा भेदा शे के का सा भेदा सदे हो या का नाहे का सा वा ह्रें रायका ৼৢ৾৾ৼয়ৢ৾৽ৼয়৵ৼৢ৾য়৽ঽ৾৽য়৾৾ড়ঽ৽য়৽ঽয়য়৽ঽয়৽য়ৢ৽ৼয়৵৻য়য়৽য়ৼ৽ वया र्बेर्ययायान्तर्देत्देन्देन्ययावनात्याह्नायार्वेन्यये धेरा हिनः हो देन् ग्रेन्स्वार्या नहामहिमात्या रोस्या ग्राम्पेन् प्रदेश होरा स गुनावा देवे कुर्णे भूनशामवशायर प्राप्ताचे कें अवस्व गुराबराया ५८। व्यम्भारादे प्येन् यादेश के मार्च प्रवास मार्च प्रवास यह यादे या स्वास र्रासाधित्रस्य वर्षा । पर्देन् द्वा इत्यम्। ब्रुस्य ख्रिय स्विता व्याप्त यः दे। विश्वासायः प्राप्ता विश्वाम्य प्राप्ता हैं वर वर्रे र वा र्श्वेर यस हे से र्श्वेर सवाय हे से वेर हवा र य से र विदा क्रिंश अर्के वार्षेत्र अप्रवाश देते ह्वा अप्युत्र रासेद प्रमः वया ह्यूर यसायादेवे भेरा वर्रे दावा केंशासकेंगार्चे न सामगानी कुरा ग्री वर्षेर गश्यायदेव से द द हैं गया यदे पो भी या द । हे से प्रदे हु द ही से स्था ग्राम्या सेन्या वर्षेत्राचारे मुत्राम्या स्त्राम्या स्त रमः इस्राक्षिण्डम् ह्याराष्ट्रिः यादा सुदासाधित सर म्यावि । दि द्या इयासाम्यामी दे से दारे में यहें देश स्थान स्था स्याया स्था यन्दर्मित्राया दें त्र रद्मित्रित्री ह्रम्थायर्द्मित्रा भी भू द्रश्चीर

शे.र्ध्यायर हेया अप्याविया सेर्प्य प्रमाय ह्या अप्रेप्य द्वा अप्राची । पर सेर मदे ही ये देरे न सेर प्रमा इस मार दर हरा मार सक्त सा <u>दे द्या द्रा ध्रव संदे ग्रुट क्रुव श्रेश्रश्च द्या दे द्यो भ्रिया सर या बुट वर</u> ह्या विश्वासदे महित्याया दे महिश्वामार सुर मी विश्वास महिमा से दासर वया वर्देर्प्यदेश्चिम् वर्देर्प्यात्रात्राही वर्ष्याय केत्यमा महारामर चिर्द्रावेश चिरायदे कि. त्रुशायदे कि. त्रुशायचेश के. यदा इशाशा देश शा देश वारा यानाराधेवाया विवासाववायावे से से से सामिता विवासिवा यर नहें । वेश प्रते खुवा ग्रीश द्वी वाश प्रत्य ग्री । विश वाश दश प्रते धेरा देखार्विकारी खुर्यारमामी देखी दर्सम्यायारमामया मध्या वर्षे ठवा ही। सुरु द्वारमा मी व सूर् द्वार व दाने हैं के समुद्र पदे भी राद्व साम्रित सूर्व मार्थे ठत् ग्री सुर्या सेस्रया ग्री प्रत्रेया नासा देया ग्री । सुर्या मी मा सूर् । ठत्या श्रेयश्चर्त्रम्याराश्चरितायदुःह्येत्। क्रिन्यावयःश्चरायायश्चराख्या स्टाख्या नेयावश्या वियादमा यानद्वापदे सर्दे त्ययाः द्वापया दे सेरानेया र्टा कि.सेर.जग.धु.के.जेग.केरा विट.केर.श्रम्भार्यात्रे.केर.की दिवास है सळ द स दवा प्रसाने सा विस दरा है सूर प्रसा हवास है रदायानहेत्रत्रभासळ्त्रस्यानस्यानदी विभागशुद्रभारादे श्रीराद्र विद्यानार्श्वेषायान्त्रयायान्त्रत्येत्रिम् यमावार्ष्यान्त्रम् र्श्वेमाया नर्वे न्यानायाने वे स्वीत्राक्षेत्रायवे स्वायार्वे नाय्या हिना वे स्वी यापराने सूराह्मिरायर वया वर्के द्वाराया ने वे से हिना हिना है। क्रें रायस र्देन् ग्री ह्वास नडु विवार्षेन या विवास विवास रहे से विवास विवास स्वार्केस ठवा नेरावया नेदे हीरा नेया सर्वेरायसामा परार्श्वेसायसामा परायेसा

श्री । लट्टाय. इया चार्चियाश्चर्यात्रायाचेत्र यहेत्र सहत्य सुर्यायाः र्सेनायाह्मायाह्ने नहीं नाटा सुटा न्दराध्य सदी खेस्या न्दरादी ही साथी हिंगा यदे द्वो प्रत्व श्री अळव हे द वे र व अद्य प्रयाय य के या व व व हेर-रेर-वया सर्वें दानुरेये द्वेरा रेर-वया वेगा केद ग्री से ह्वें रायये दगे वर्त्रधीत पवे भ्रीमः वर्देन ता शेसशन्यम मय में। । सक्त हेन ने र्सेन यास्त्रीत्रास्त्रीत्राप्तिः द्वो पद्त्वास्त्री सळ्व हित् से द्वा द्वर हुवा सर्वे दायस यक्तिं अक्ति वित्राचित्र वित्र <u> ५८ म्हीर से में वा परे ५ वो पर्व में वा वो समुव प्रें व परे में वा वेर मया</u> न्यव ययार्थेव यार्थे दावी चेवा केव यर्थे दायया या धेव यदे छिन छिन स्री भ्रास्त्रित्ते। वेशाम्बर्धरमायदे स्त्रित् वाता वित्तर्भस्य स्त्रिम्यायसः यायसाम्बदानुःसीयह्मायाद्वेरासीक्ष्मायदेः स्वायदे निम्दन्दाधेता वेरावा ने क्षेत्रायर वया वर्षेत्र प्रवेश होरा वर्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रकेश यसायसान्स्रदारासान्त्रन्त्राचीत्र यदावान्त्रेन्। यदावान्त्रेन्। यसावान्त्रेन्। यसावान्त्रेन्। यसावान्त्रेन्। कुर्-सु-स-प्रमा हे-सेर्-स-नकुर्-स-र्वेन-मा हि-सेर्-मेग-स-र्मद्र-ममः व्हेम्या विश्वान्य म्वावराद्यात्राचे सुदादे स्वदाम्वेम्यास्य नेदानः गहेशागाः शेष्वदायम् वया दे कुर्दे हे हे से से दे के वा धेत सदे हिमा धर र्रेटा हे गाया वारो वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वे वार्या यदे ह्याश र्चेन गुर नश्या पदे रे देश सार्चेन से रहित प्रवाद विया वी र्नेत्र-त्रम्यार्नेत्र-त्रमहेर-नवे ग्रुट-वयम्यायाः विद्याययायाः है:श्रेट्र-श्रावक्कट्र-श्रार्थें न प्राप्त विश्वा ग्रुर्यायदे द्वेर बेर व्या देवा बेग केत सेस्य न से र हमा परि हर

मदे ह्नाश र्चेन मदे ने प्षेत्र त ना बुनाश र्से नाश पा न ने त लेत सर्देत सूर यायनाम्यास्याद्याः वेराम् वेरायया वेरासे रासे विनायदे हमाया वेरासे दे ग्राच्यायायायदेवायदेवायुवार्श्वेयायदेवायुरास्त्रायाय्यवायदेशयया नमदर्केश उदा नेर मया नेदे हिरा नेर मया ने प्येन सदे हिरा सन्मा यर विकित्त स्रान्त्रा सामा के ता के सम्मान के सामा से साम साम से साम देवे ह्वार्यास क्रियासर सामक्रिया यह साम्यास स्था क्रिया स्था साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या नःकेंशरुवा नेरावया नेवेरधेरा हमश्राम्वानःश्री ननरार्हेवरग्रीशःश्रेरः वसः भूतर्यः द्रा द्रवरः वर्षेरः वीयः सर्वेरः वसः भूत्रयः शुः द्रा द्रवरः हुवः ग्रेशःसःनमुन्यदेःनाद्रशःभूनसःसुःदर्भनःयदेःभ्रेनःहे। इसःनन्ननःयस्। न्नर्भिः द्वर्भे अविश्वेर्यायसः द्वर्प्य विश्वर्भे अविरायसः विश्वर्थे अविरायसः विषयः वि । द्वरंभें हे क्ष्र्र्त्वाधरायात कुर्यं द्वार्थेन प्रत्वास्य प्रत्वार्थे विभागश्रम्भामवे भ्रम् इति । स्वर्षे नियम् स्वर्षे । स्वर्षे । स्वर्षे । स्वर्षे । स्वर्षे । स्वर्षे । स्वर्षे नःयमःहे। तमा ननरःमःह्यार्यः ते साम्राम्यायमःह। वेसाम्युरमः यदे श्रेम्

र्श्वेरायमार्देराग्री नदुः पठिया हे सिंदे द्वा नर्देरायदे यदिया है या सहिया गी'गठिग'से से र्ह्हेर'त्यस ग्री हे त्'न्रा सर्हेर त्यस सून हे ग'स नह हुगा गी' ह्रम्यायात्र हुम्। न्द्रा क्रियायया श्री श्री मा स्वीतायवे ह्रम्याया स्वीताय हुम् स्वीताय स्वीताय हुम् स्वीताय देवे भ्रितः दर में ग्रुव क्षेति इप्तरा हमका वे के श्रुदे दमा मेका विद्राद्य डे. ब्रॅ. नर्डर नरुष ५८८ । क्रियायक्रिया ह्रययाया यात्रयाया है। हिंगाया पदे विरः क्रवायमा से विषा विभाग स्वरमा परिभाग विभाग से से सर्वर लश्रभ्रवश्राची वार्वाश्रास्याश वर्षेत्र त्रादे द्रात्ये वारा प्रदर्श क्रुश ची नेशाग्री नर नहु नुमार्थे द प्रदे हिरा इ नरा दे प्रदे अद हे मा नहु नुमा दे। ।र्ह्सि:ध्रुव:सर्वेद:चवे:यस:ग्रुव,यी। विद:स्रो:क्र्यंत्र:स्याय:द्या:पीत्रः विश्वार्था विश्वारा मुनः स्रे वनाया स्वायान मुन् स्वीता है। नम् भ्रेन्न-न्द्रित्वानान्य-न्द्र। विश्वा वनश्राधानश्रामः वावनःयःहेन्। विमान्य स्वास्थान्य स्वास्य स्वास्य स्वास्थान्य स्वास्थान्य स्वास्थान्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास् नडुःगर्डगार्भे ने ने देशे होटाया ग्रुमा ग्रुमा थें प्राप्ति हो। दे ने ने देशे होटा मी इस यावी माहेब सेवि सिमाया याया स्था सामा महिया निमाया है। स्टा व्यामात्रसामाने सामाने स्वासामाने स्वासामाने सामाने सामाने सामाने सामाने सामाने सामाने सामाने सामाने सामाने स व्राप्ता क्रिया के व्यवस्था भी त्राचे प्रति के व्यवस्था के विष्ट प्रति के विष्ट क केत्रायसं नित्रासदे ध्रीम्।

र्हेन् र्श्वेन्तायि त्रामे श्वेन्य श्वेष्ट्र विष्य स्वित्य स्वत्य स

न्नरमें रन्भी ग्रुरकुन सेसस न्मय दे केंग्रस ग्री सदस ग्री देस ८८। इस्राम्बर्यस्य विवादिवारिवास्यास्यार्थस्याधितः पराचेवा केत्रः क्षे<sup>-</sup>क्ष्र्याम्प्रते ह्यायाधीत त्वाने नित्वे याटा सुटाधीत द्वीयाय स्वया दे विता ग्रीप्रथमार्श्वेरासुदार्क्षेण्यायाद्वेयार्केयारुद्या देराम्या देवे स्वीरः देवे नगरार्भेर्स्त्रस्त्रस्य र्रें नगराये हिन्य राष्ट्रिया स्वार निर्मेर स्वार स्वार निर्मेर स्वार स् यर-दर्भग्नारादे-द्वेरा इसायलदायमा वयमालेमाह्यदार-रुदादेन्ना ८८.र्षेत्र.सपु.स्याजाता व्रजायाचित्रासपु.सु.मा ट्रे.स्याजाग्री.याड्र. र्वेर-८८-वाबव-सवायाधिव-सदे-ध्रिया वाश्रेर-दर्धर-वश्रा वर्गरावेगः क्रुवःविवः तुः चह्रवः यः गहेशः वे :हगशः ग्रीः गर्डः चे :धेवः यः ग्राववः ह्रस्रशः कः द्यार् रेगायर होते । विशामश्रद्यायदे होरा यर वितरो अहर यया नियानर्वेत् अत्रित् वायानवु नुवा द्वेत्र से व्यापित हवाया धेत्र प्रत्या इ.चरः अहूर.यपु.जंश.ज.याूर्य.स.टरा निकायपु.स.द.क्या.यथ्.येया. वै। । ह्यून: र्रोसर्य: द्वान: स्वीत: स्वान: द्वान: स्वान: स्वीत: सर्वान: स्वीत: सर या विश्वानाश्चरश्चारते से राज्या हिना से नास्त्राच्या श्राम्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त्राच स्त् यव्याः स्वर्थाः स्वर इगायाकुःवेशावर्वेद्रावडुः इगावी सेटावहवाशायाचादिवा देखादर्वेशा यक्तर्भें विन्यवे द्वेम न्यस् व्यामन्य व्यामन्य व्यामन्य व्यामन्य व्यामन्य व्यामन्य व्यामन्य व्यामन्य व्यामन्य बःसूर्वाह्यरायराउदायाने सावर्वेराग्री सेरामी सावन्यसादसावन्य देशा द्रा गुर्भर दस्रेट त्यमा वर्षेट्र य दूर वेश यमा वेश य वहा वहा तुःषः कुः सेटः वी सः यह वा सः सर्वे । वि सः या सुद्रसः सर्वे : स्रे सः सः युतः भ्रे। अर्यावश्वराधी वेश्वर्याः विश्वराधित्याचित्रः चित्रः विश्वराधित्याः विश्वराधित्य विश्वराधित्याः विश्वर

महिशाना हैं साथ हैं नात्र महिशा निकार्शन निकार मिला हैं साथ है साथ हैं साथ हैं साथ हैं साथ हैं साथ हैं साथ है साथ हैं साथ हैं साथ हैं साथ हैं साथ हैं साथ हैं साथ है साथ है

र्यः निहित्त् स्वेत्रात्वा । विश्वार्यम् वार्यः विश्वार्यम् । विश्वार्यम् । विश्वार्यम् । विश्वार्यम् । विश्वार्यम् । विश्वार्यः । विश्वार्यम् । विश्वार्यम्यम् । विश्वार्यम् । विश्वार

# क्र्यास्त्रुप्तयुत्राचेट्रास्त्रेट्रावे सहस्रहेट्रा

भ नश्याप्त भुगश्याप्त न्याप्त न्याप्त

भ्वायानसूत्राने हेन निर्देश शुष्टकन प्रमायने ग्रुमा यान मुन्यान केया वर्षा श्रीन् वि ननेव पर इस पर से हिंगा परे कु सळव थे नि हे स हैं न **तु** निर्देव यहेव सर्व शुराश्चे निर्देशी श्री निर्देश निर्देश स्वीत सहस्र हिन् श्चेरान र्वेन मदे सेसस नमद धेन मदे होता समद नम् नम्म स्थाप हे गान ने। सेन वि'सहसंहिद्गी र्श्वेर्या धेर्यं स्ट्रिंद हित्र हित्र स्ट्रा हित्र वेर द्वा राज्युद यायते कुन् श्री मानुनायहेत ह्यां मान्य श्री या सूरायन हें माया यदि । यो ने या दरः वार् बना वी नद्या से द हिंगा स स दे प्ये स्वे स महिस के स उठा केंद्र हिंद हिंग्रायरम्य श्रेन्विः सहस्तिन्त्रीः श्रेन्या न्यासदे नन्या सेन् सार्यासायास्य यान् स्टार्ट्स्यासायदे से साधित यदे हिम हिम स्री ने प्रेन न सम्माने माहिन सम रहन महिम ही न न न इस्राचन्द्रात्यम् द्रार्धे क्रिं भूदे यम् हेस्र वह मानेद्र श्रेद्र द्रा ने सहस्रामाहित्यी क्रिंग्नी विश्वास्यामित विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्यास्य विष्य विष्य विश्वास्य विष्य विश्वास्य विश्वास्य विष्य विष्य विश्वास गहेशःग्रीःगविषःग्रःक्ष्रिंदाहेदायाधेदायदेःभ्रेत्। इत्यत्। ग्रद्यायेदाया र्श्रेग्राम्यम्भ्रम् मान्स्रम्यः । । नुस्रामये रेन्न् नुस्रम् न्योत् । स्रम्यम् माने स् गहेशयायते प्रत्यास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य मदे हैं अप मन्दर त्राया सात्राया यो दे हो दे से प्रमन्त्र मा स्था रम्यळव्यन्मार्थेयायार्थेयळव्याचेव्यवेर्धेया नेरावया नेर्द्धरार्भेवा यसन्त्रिके कुराद्वायदर यहासातु नर्से दात्रस्य मारसासे दान्याये दा ळ्ट्रासेट्राम्बुस्यम्ब्र्स्याः स्ट्र्राटेर् स्वदर्ग्म्बुस्य मुख्यान्य स्वर् गरेगारेन क्रेंगायाया श्रेर्भिन निम्ना में नि

नन्याक्षेत्रः केत्रः भें विद्वारकः संयान्यः ने विद्यान्यः विद्या नि दसम्बार्था से दानी प्यार प्रमेरिका साथ स्थान वर्षेरायमा वर्देरायदेवायहिमासुग्यन्दायादे हुँ माराद्रावयामान्या न्तुः अः यः ज्ञान्य अर्थः हिनानो यः ज्ञान्य अदी वसा ने प्यनः नन्ना हेन् ळेद'र्से हिरामी निवेदास है। साद्या प्रहोदी निवेदास स्थास मामास पिटा न्ययः ध्रवः कः यः न्दः रेषाः नयः पदः द्वीः यः नवेनः रेषा विकः रेषा विके रेषा न्तरक्षे क्रित्रक्षरत्वर्वा क्रिनायायाक्षेत्रात्वराहे नराक्षेत्रायाक्षेत्रा रदानिव भी देव गरेगाय रव हु क्वेंदान धेव या दे ने या व देव द्या यहा वेश गर्शन्य संदेश हिन हो ने सुन हा गर्शन वर्षेत त्ये से सायस ग्रीश क्षेत्र प्रवेश्वर्शेत्र वस्त्र श्रूष्ट्र वार्ष प्रवेश है । हरा विवा केत्र हिं वारा वार क्रिंशन्त्रशंस्त्रामुस्याने देवाद्यान् द्वी नियान् स्त्राम् वि धैरा यराम हैना वरो श्रेन विस्महम हैन ग्री श्रेन न श्रेन प्याप्त प्रेन यर वया र्बेर यस परे कुर ग्रे केर वे नित्र हैं र र र ने हेर से र पर हैंग्रायते हुँ र न से प्रायत हो र न साहित हो। यहे वे शेष्ट न सहस हे र क्री:र्नेब:हेश:र्वेन:तु:श्रेन:वे:शॅर:शॅर:यनेब:यर:यहेंब:य:यरेंब:कूर:श्ले:य: श्रम्यायायात्रेन्यवे श्रीमाने। हे श्रूमायया वर्नायन कन्से समुनायान्य याहेव.सूत्र.स्थ.तर.सूर्याश.सद्य.यायश.स्याश.लूटश.श्र.याययाश.सद्य. न्यर-र्-चुर्यात्रया गहेयागाः अहसामाहेर-र्-हेग्या वेयाग्रह्मानदे हिरा हिनः है। यानकुर्यंदे भूनयादिर्यन है त्यसाकृत्रान्यने वासेन हैंग्रायायि धे भेराहेत से नर्से सम्मानहिरा हैत द्या मर्से से स्ट्रेंत मा बदावर्षासेदासदे द्वीमा सर्दे त्यर्था श्वासेदे त्या ही त्यसाद्व हे वासर दे हिस यरःह्रेग्रयःयःसेर्ययेःध्रेरःह्य विश्वाद्या इत्यम् क्रेयाद्वस्याद्वीयायः

दर् नदे भ्रेम । श्रेन्प्त ले नर् शे हे गम। । वे या गुर्य पदे भ्रेम ने वार्विन्दाने क्रूनावयान श्रेन्वियक्षक क्षेत्र श्रेन्य श्रेन्य विष्य ययानु या बन कें ग्रायाय या में दिन वि यह या है न नि नि नि में कें में नि नि नि में में में में में में में में विश्वास्था मुक्ति स्वास्था मुक्ति स्वास्था स्वास्य स्वास्था स्वास् यश हिं प्रशास्त्र स्थानव्या न्वे या है। यह मासुस है हिंस हस्य हैं या व्यान् क्षेत्रायान्दाविदान्यायम् होन्यान्दाक्षेत्रयाक्ष्यक्षेत्रयम् होन्या गुरुयाधेत्रायादे गुरुयासे हो दात्राह्य सेस्यासाधेत्राय राष्ट्र हुर त्या स् <u>ૄૡૺ૱ૠૹૢઽ૱ૡૡ૽ૡ૽ૺ૱૱૱ૹૢઌ૱૱ૢ૽ૺ</u>૽૽ૢ૽ૺઌૣૹૢ૱ઌૢઽ૾૱૱૱૱૱૱૽ૢ૽ૺૺ૾ र्भेयाळुवार्ययान्त्रन्ति देश्रीयायार्ययाग्रीयार्मनाययायाग्रुनायरा ननेत्र यहेत् भ्री नदे में भ्रान्य नर्डे या यदे प्राप्य थे पो से या है भ्री प्राप्त स सहसंहित् ग्री हें रानदे सळव हित् हेर हेर हार प्रमा रसम स्वा रसम स्व रसम स्वा रसम स्व यानकुर्यते पो भेया के या ठवा यक्षत् हिर्देर वया यक्षेत् च ने दे छिरा वर्देन वा वरेव वहें व क्रें के रें रें रें के के अपने के के किया वर्षेत में के धेरा वर्रेन्से त्याने नेवे कुन्या क्षे रुप्ती यार्चेन व्यन्यवे धेरा नेरा वया दे प्रदारमें दाये प्रमान के नाम क रे। भ्र.जमाग्रीनेमानालेदादायमामालेदायमान्त्राच्या भ्र.जमाग्री हः धेव व ह सः धेव प्रशाह्य प्रवे श्वेर व साह्य व दें द से व साहित हैं। यसपीवावादगीयासपीवासीदिम् भारति द्वीरा देरावया से यसार् हेर हेरःर्झें अप्यापेर् प्रदेश्चिम् इप्तम् हे यथात्यापर हैं शहरास्य ग्राह्य हिं त्रयास्य त्रमास्य वेशाम्बर्धास्य स्वीमा यार हिनाय पर देन न्याप हेया न्र्रेशःश्चान्द्रान्त्रुः साम्द्रेश्चेद्रान्द्रात्र्यम् त्रुश्चेद्रा विष्ठेगादे नगागाः

वशास्त्र कुत्र पात्र विषायणुर प्रवे हित्यात्र प्रवे तु कुर वेरावात्वापा वि.क्रियाः व.मे ने.याहेशः याः श्रे तबन् सम् वया ध्रुयः क्रुशः वर्षे नः वर्षे श गशुर्यानियार्दे स्वर्धान्द्रियाशु नश्रुव सदि हैं दारा दरायव पीव सदि हैं रा व्याष्ट्रितः भ्रे वदे त्या गुना सम्रदानि गिरी हिंदा साद्दा समा स्वरा नहना हुत्या अन्याधित प्रति द्वीमा नेम प्रत्या ने हिन्साप्रत त्या ही अहि से स्था ह्या गुशुअःस्ट्रियःग्रद्धिम यवःग्रेद्रायाववःश्रेश्रश्रायःद्वायःस्ट्रमुद्रायः वयावश्रुरायावाश्रुसार्येदायदे द्वीरा दरार्या गुना हो। हो सर्दे विश्वरे यो श्र नइन्:र्सुया दर्मयानायमा हे.र्स्ट्र-स्त्री:र्स्यामी:र्न्द्रम् स्वानियानायाः सन् डेगासहेत्। तथा श्रेंगामार्डेन्यायाश्रेंग्यायासस्यस्य प्रहेंगायाने प्रवितः र्वेश्चरः। क्रिन्यूरःयश हे स्रूरः हे रेवा हे देन व्याप्तान्यर हु नवे स्वायः वया द्वेदेः देवः वेदः स्यारः द्यायदेः स्वायायः यायरः द्वेः ययः ग्रीः वावयः अन्यान्दाय्वर्ते । वियागशुद्यायदे द्वेत्र हिनास्रे। इयानवदायया है सूर-द्ये-र्रेय-र्रेव-र्-्र्यु-वदे-अर्रे-स्थे-य-र्-। व्रे-व्या-र्-्र्यु-वदे-स्याय-य-र्देव द्रमायमाने। क्वें र्देव द्रमाया द्रवदाने या सायहाया वर्षा वा हरारेमा हेया गुरुद्यापदे द्वेर दे नविद्र दुः सेस्या दसायमान इत् दुःवान सुन्तर प्यतः ब्रूटाया यटाइन्तरा इस्रायाने हेटायरे याते। रिना हु श्रु द्रेस्र म्यूरा सरकें वा विराधान्य प्राची प्रमान विराधी विरा न्रें अन्यस्त्र स्त्र में अस्य से नाहे अत्य से स्वारं स्वारं स्तर से न यदे भ्री में इस न निम्मा नहें सा सु न तु सा सा सा में न परि में सा न ने न श्चापिकापार्वे प्राप्त स्थापार्वे स्थाप्त स्थापार्वे स्थाप्त स्थापार्वे स्थापार्वे स्थापार्वे स्थापार्वे स्थाप क्षेर्रित्रायायार् र्रित्यमा विमाग्रित्यायते द्वेरा गहेमायाया से। श्रेश्रश्राद्यात्रादे विवानसूत्रात्या द्वार्यात्राद्वार्या

वर्देर्-प्रदे हे न्यर हुँ र्या हे हे सूर वशुर सूस र् सेंस हे न हैं न परे हीर क्षे त्यस स्वर मुद्दे हिन्द्र विकाद्दा निवर में स्वर में दिन स्वर पार्यस गशुराज्ञासाः भूताः धेतासदेः धेता गर्भराद्येतायमा भूतः है। सादीः माया यव गर्य म् र्यं म् र्यं विश्व प्राप्त वर्षः प्रमा विश्व मि रिष्य में र्यं मि रिष्य मि रिष्य में रिष्य मि रिष्य विभागशुरभारादे हिन। हिनास्री वयान्याविभागी यक्ती कुनसूरा यमा दे नमान द्वासाय सदे स्वामा स्वीमा महिद सीमा सर्वे मा सदे मानमा हीरा हैंद्रायह्वायमा वायाहे सेसमाउन ह्या वितमाहे हिराही वे व विश्वाम्युर्भारां पराञ्चा सार्ट्स से त्ये सामा मिना साम्युर्भारा दे धेरा ग्वराधरा ग्रानासम्य निवेशनहर् स्वाप्य केरासरि देवारा धेत्रचर्चा अर्दे ध्ययाचन्द्रचि हैं दायाद्व सेयया स्वाया ही हैंद्र क्ष्यासाधितामवे द्वेम वर्देन से त्राही इनम यन ने हे सून न न यर बर्। १ठेश म्युर्श यदे द्वेर् छ्र । द्वित क्षे क्रेंद्र य प्रत्माय र्या गुन अवयन विवे गार वना से द प्रदे हिर है। दर्गे द अप वर्षे या वर्षे अ वयात्राशुःद्ववः क्री. चेया याया प्याप्य स्वाया व्याया व्याया व्यायाशुरुषः यदे भ्रिम् देवे भ्रेषायाया नहें द्रा भ्रेष्ट्र स्त्र के द्रा स्त्र महिरामार्डे नदे हिर्म इस नविरायमा त्रा नर में रास्ट हे नर मावद र्श्रे मि हिया हेश श्री प्रिट मि हिया त. दी ही खरा दें ही या यहिंद साही शावश यद्-द्याषायाययम् ठेयायद्वेत्वेत्-द्वार्याद्वयात्र्येन्याव्हेद्र्यीः यश्रायश्रार्थेरश्रार्ट्स्वाश्रारार्थेर् बेरावा दें वा ही यश ही ही प्रशासी यश्रायमार्ग्यद्रभाशुः ह्रियाश्रायार्ग्यद्रायम् स्रायमात्रुः सेस्रशाउदानसद् यः क्षेत्रात्रत्रात्रप्रात्र्यास्त्रात्रेत्रात्रेत्रात्रत्रात्र्यायसः भ्री साधित सार्टर दे त्या श्री स्था स्थेत स्थित हिना है। क्रिना स्था श्चु अदे भ्रुक तु नगर र्वे वायाया । येयया येट द्वे र व स्वा येट हो । वेया गुश्रद्यारादे हिर् याधियासक्स्याता स्वीया से क्रिया ग्री से अपने से यदे मा बुम्या थेव परे हिमा ने सम्बा ने सूर ये म्या स्वर्शे म्या यहें न यानाराविन ह्यान्यार्क्ष्याग्री ह्यो सकेरामदे ग्राम्य महामाया सदी महिना स्था विश्वासे विश्व के विश धेर्-ग्रे-वेश-प्रश्नानुर-वर-ग्रु-व-विवाः है-व्यय-द-धेर्-प्रश्ना वेश-वासुर्यः यदे हिम् गहेश मं श्वान है। इस न न न ने हे न प्या है प्यस न न न न नेरायाध्याष्ट्रमञ्जूनात्रसंस्रातीत्वीतातित्वातासूनात्रात्वा वेराया वर्षा क्रेंश ग्री भ्री सकेन प्रति गार्च गर्मा धेव त्याने प्यत् ने वि गार्च गर्मा स्था ग्व-निन्न्यायादी म्बिनायाधित हैं। वियाम्बिन्यायदी हिना हिना है। हैं। ययाग्री मह्मार्थ दे रे रे मार्ग हा मार्के याग्री क्षे सके र सदे रे प्येत सदे धेरा दे.वार्वि:वरो झे.वसाग्री:से.चसदाराञ्चेसारावादसावसदार्दे सूसा नुः अर्देदः बेदः इताः रें या नार्येयः नार्यः ययः ये नयनः ययः विषयः विषयः यर वर्त्वर नर वया दे यथ से नयर प्रवे यथ यस वर्त्वर प्रवे ही र दस विया है। ही त्यसायविता के क्षेत्र में त्येत्र मंत्रा श्रीस्त्रा में स्त्रा नामाया नामाया निया नश्रीं न्नो न नडुदे येश यस पेंन् गुर स हैं नश्र स्थान्सन सर होन् न्वें या अन्न्यायान्नव्यानिन्येययान्ययान्यान्यो से न्वोदे यया यसः ह्रियारा धित्र पदे द्वित् द्रा द्रा गुन हो। हे प्राचया हो यस

सेसराते पाहेट ग्रेस हसरा | देस द प्रच्या मुख्य साधित | विस प्टा मुन्दुर्यायम् गहिन्दे सेस्रायह्मयायदे मुन्द्वाध्यापित पहिन्तीस् भ्रीमार्थायान्दरावर्ष्ट्रवारान्दर्भे मार्थास्य स्थान्दर्भ स्थान्तर्भाविषा विशा श्री विष्ठेशताचीय है। मैद सराजश विष्टेत मेशास स्वीप राष्ट्र सेवश श. वै गहिन या श्रेम्य परि पहिषा परि कु न्दर ज्ञाय नश्र श्रेस्य ग्राय विद दक्ष्यानराञ्चरानाकेराग्रीयानायन्यान्यायुष्यानाधीनार्ने । वियानासुरया यदे हिर् पराव डेवा दरो हेवा द्यव वयवा शर्य से दरे देवा शर् यर वया श्री दिन्दि सहस्रित भूतर्थ सुर्यश्री यथा स्वीय प्रति व से दिन्द वलानार्श्रम्थास्रात्वन्यते स्त्रेम् स्त्राह्म स्त्राहम स्त्राह वया द्रि-श्रूद्रः केत्रः संग्या स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया सामित्रा स्वया स्वया सामित्रा स्वया सामित्र सामित् मदे हिम हैं निवह वालया वार नवा देन खर के देश या । से वाय प्रय गितर्द्यम् अत्यास्त्राच्याः विकामस्त्रम् स्त्रे स्त्रे स्त्रम् स्त्रास्त्रम् न-५८:३५-भासद्भाषानुषानुदे देवाशामासेयानदे केन्-५-धेदानदे धेरा इस्राचन्द्रात्यमा न्युःदेवे तुमार्या वर्धेरावा सुना ने हेट्रायमें दारा वे·मदेवं गहेशःयगयः मरः यहेवः यदे गत्यः गुः हेशः शुः ग्राह्यः केदः केदः तुः वे क्वें अ प्येन्य स्थान स र्रेट:हेग्।य:द:रे। क्षे:यय:र्:बे:ययर्य:क्षेय:यय:ग्रट:बे्ग्।य:वर्श्वाद: देवे छे द्वो क्वें द्वो क्वें अप पान प्रत्य के वार्ष प्राप्त के विकेश के प्रत्य के विकास के व ययान् नियो से नियोदे यथा यश्चिता उसाधिन ग्रामा नियो श्चिम या स्थान गर्नेद्राक्षात्रम् इत्या द्वारायाः भूत्रम् न्वर्षायाः साम् हिरा ह्वाशावशः स्ट्राया हिरा हे। हें दारे राउश द्वरा वीश हें सारा र्वेन महिन से सेन होन प्रवेश होना नियम महिन सुन महामन्तर से नि ध्रेशकें श्रामें तामा महेता मारा है वाया माना विद्या है स्मेर्या विद्या विद्या केता त्रश झे.तत्रा.त.श्रूचश.सप्त.चीयश.श्रीचश.श्री.ताट.तत्रश.चे.तूर. यर वर्देन संभीत सवे द्वीरा नगे हैं राम धीत संभाग की मान से है का सं र्षेर्पर्से महर्दे ने मक्ष्रमाम क्षेत्रमान्य विश्वामा स्ट्री हीमा मान्वरापमा ही यसाव नियो ही नियो दे यस मार्थे माना से नाम स्था वि । दे : विद्युत्त द्यो : श्रूर मी : श्रूर मा महिर द्ये वा स्व वा स पिया पर्टेट्रिक्षे व्याने इत्या ही त्याया व त्यार हिंया द्वार माना विष <u>५८। वक्कद्राक्ष्टायमाग्रदा नेमार्या ग्रीसर्यम् मुक्रायाम्</u> ह्यम् कुनः सेस्रसः न्यवः सेस्रसः न्यवः केतः में वेः से वसः व्यवः वे सः मनः हीः सः र्रायापुर्यं सुर्याम् वर्ष्यं स्त्रा विषाम् स्त्रास्त्र स्त्र स्त्रास्त्र स्त्र स्त् त्रश्राचित्रः श्री.त्रश्रायाः श्रूच्यायाः स्त्रीयश्राय्याः श्रीत्रायाः त्रश्रायाः स्त्रीयाः स्त्रीयः यर वर्रे र य धीव यथा वेश ग्राह्म स्वरे ही रा वेव हैं हैं।

र्ट्स्युम्थायाः हे या हिंद्र्या च्या व्याप्त स्थायाः स्थायः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स

हेर-तवना हिर्न्न हुँर-तम्बद्धित् वन् हेर्-हिंग्यहे हुँर-त्ये हुँर-त्ये हुँर-त्ये हुँर-त्ये हुँर-तम्बद्धित् वन् हुँर-तम्बद्धित् हुँर-तम्बद्धित हुँर-तम्वद्धित हुँर-तम्बद्धित हुँर-तम्बद्धित हुँद्दित हुँर-तम्बद्धित हुँर-तम्बद्धित हुँर-तम्बद्धित हुँर-तम्बद्धित हुँर-तम्बद्धित हुँदित ह

हे हेद पर नर्झे अप्यश्र इस पर प्रयेय द से प्यस रु से अप्यश गुर हस यर वसेवार्ये । विशादरा अदावशास्त्रायर हैंगा हैर वश्रदायर वर् नेयाभ्रेट्रेन्अयायाययद्द्री विया ययायाय्यायराद्यूरार्द्री विया ग्रुट्यायदे द्वेत् ग्रेयाय गुना है। देन द्यायर वसेया वर्गेन से प्राप्त ब्रेम् हे हि यथ। वृत्तेते तु हे सूम नर्डे अ सूद प्रम्या की शहें या स्रया उर्-ह्री-यस-क्षु-तुर्-ग्राह्य-स-दे-क्ष्र-द-दे-यस-ग्राह्य ग्राप्यस-द्र्वी-त-सेन्द्री विशन्ता नक्त्रक्षेत्रयश नर्डसाय्वरायन्या न्या नर्सना यः बेट्टी विशामश्रुदशः सदेः श्रेम बयः वश्रुसः महेशः यादी वृः देवेः यानहेत्रत्रायमायमार्येदमासुः ह्रेन्यमार्येद्रायमात्रयां सदायाद्राहरः है। यस्यस्ट्रिंद्र प्रति हिन् पर्दे द्वा क्षे यस दुः से नमदः म क्षे सम्या ग्रहः न्ने र्रेट ने र्रेस पानि प्रमान के विष्य पानि प्रमान के विषय । हैवःसरःश्रेंगाःगर्हेरःसःदरः। श्चेःयस्य दःश्रेंगाःगर्हेरःसःरेःय। वया हिंदः हे. भूर बेरा वेश राये श्वास ग्री वया प्रश्नर धित त्या वेश रहा वर्षित क्रूंदरम्या नुरदेते तुर्यः क्रुयाया क्रेरम्या द्वीया यार्केदर तुर्यासी वियाया वया भुःरेवे तुःरे रे नवेव हो वेय र्या विव दी रव दर्रे र वय वश्रूर ने·शुक्रविक्रायम्। स्वाप्तिक्रायम्। स्वाप्तिक्रायः स्वाप्तिक्रायः स्वाप्तिक्रायः स्वाप्तिक्रायः स्वाप्तिक्रायः गी। हिन् सर सिन् केर सर्देव वेद द्वा से अ गर्से अ यह यह वो से द्वोदे यश्रायश्चर्त्रायश्चर्त्रायदे श्चित्र दे स्प्रित्यात्र श्चेत्रायशः र्बेयामा से महिंदा से दे विनामहिंदान सुनामा नरुषा द्वारा प्रथा निवास है। धैरा है हि यथा रन वर्धेर यथा दे द्येग्याय पर दर नहरू या कि दर श्री विश्वान्ता मार्थनायद्वीतायशा यवामहिशामादी विश्वामाद्वशा ने प्रमा

र्ह्स्टर्यद्रादेरम्बिकाग्रीका विकार्को । विकायग्रुट्याम्बुकायादी वृत्तेदेरस्य सर्ने प्रशासकान्द्राक्षेत्रकारा वसका उद्गद्वेत् सर्गा सुद्रकारा से प्रवद् यर वया अर है महिरागर यर महिंग । यह स्वार प्राप्त । यह है । वि यस रवादर्वेरायश्वस्थाउदाद्वारशेस्थायावस्थाउदाद्वेदायदे । विश गशुरुषात् ने हे हे हूर प्रेयायाय प्राप्त वर्षायर हो। वेय प्राप्त वर्षुत क्रूट प्रमा रम पर्में र पर्मे क्ष्मा वेश मान्या है। क्री वेश में विश्व है। रवावर्द्धिराग्चेश्वास् द्रित्राक्षाव्याचरात्रवा सर्दे व्यवायात्राहरू द्यायर सेन् पर पासुरसाय धेवायायसाय स्वसायात के किन स्वाता स्वीता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्व मुरा है हि यथा वृत्देवे तु अळव अर मुरा वेश म देश प्राया दरःवडर्थायरायराञ्चे स्री द्रीयार्थायासेदायरादे साधिदादी विरादरा नकुर क्रेंद्र त्यमा श्रेममाना पर सक्त समादनेत मा क्रे वहें न हेत की म सूर्यानहेव वया से दें। बिया पश्चिमा सदि से हिना से प्रेमिया से र र्ट्यस्व सम्प्रित प्रमान्त्रित प्रमान्त्र प्रमान्य प्रमान प्रम प्रमान प् ग्रीः श्राप्त्र ने ग्राप्त हैं न मृत्ये प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप् उटाबयानाने। नुःरेदे तुर्यास्नायर्ग्ने राया है या स्वापने हैं सामित र्वा.य.ह्यंश.घट.र्.यर्रेश.व.क्ष्यंश.याष्ट्रेश.लूटश.श्र.ह्यंश.तर.वर्धर. वरःवया द्वेःयम्भायमार्ह्यमार्यदास्त्रेम् वर्देन्द्रन्रहः वयाने। क्रे.जमाग्री.जमाजमाजटान्याम् वाक्राम्याम् विकास है।बि·षशः रवःवर्द्धेरःगणःहे।बुरःळेदःब्रे:श्रेवःम। दशा ब्रःभेदः<del>ह</del>्याशः विर-र्रे.लूरश्रश्चेश्वासर प्रवीर है। वेश रेटा वमेर हूर तथा वी रेदे तुर्भ श्रुर्भ मा द्या श्रुर्भ में प्रमार्थ मार्थ भारत विर्मात विर्मा श्री वित्रवित्राधियाधिता रवावर्ष्ट्रम् श्रीयादिवास्य स्मानवादिश्य

योष्ठेश्रासदीः स्रोत्यस्य स्वास्त्रीयः स्वास्त्रीयः योष्ठेयाः स्वास्त्रीयः योष्ठेयाः स्वास्त्रीयः योष्ठेयाः स्व वस्र कर तर्वत्र या ग्राम के दिवा राय है है । देश के है । है । या श्री हिम के त केव-में नुस्राना वया यव केंव यर वश्रूर में वियन्ता वर्म मुंद यश व्यवसारायदे सर्देन श्रवाद्वात्वा वर्गा यव हें व सर वर्णूर र्रे विश्वार्ये विरेत्या मुस्यायस्य ग्राम्य विष्य देवा विष्य विषय विषय वशःश्चेनःविःचनेवःश्चेनःनुचेनःश्चेनःभवःनिवःग्चेशःयवःसहनःनेःन्देशः शुः शेः सह्र न्यः सः देत्रा पदे स्या स्या सुर्यः दर्ते द्वा स्य न्य विषयः यदे हिम् अर्दे त्यमः व्यम्भाया वेशायदे सेट त्यद हें दावस वर्षा वर्षा अर्देदः तरः ह्वाश्वासरायद्धरः क्वानरायकुरः ह्या श्विश्वास्या विश्वापरा वो नक्वरः यायया वेयानुगरने सुन्गानकुरायाधेन है। वेयान्या नकुरार्द्धेन यश विश्वश्रात्वेशवात्रात्व श्रात्रां श्रीत्रां विश्वात्र विश्वेत् विश्वेत् विश्वेत् विश्वेत् विश्वेत् विश्वेत् ले न कुन्य द्याद वेषाद्य स्थार की न वे निया पर सूर पर है गा होन स्थे इस्रशःग्रीशः सः वेदा वेदाः न्यास्य स्थाः भूरः धेदाः प्रशः द्वारा वेदाः स्थाः वर्यायाः स्त्रार्भे त्वराधे न स्त्री स्वराधे न स्त्रार्भे स्वराधे स्त्रार्भे स्वराधे स्त्रार्भे स्वराधे स्त्रार्भे स्वराधे स्वराधे स्त्रार्भे स्वराधे वःरी अन्तक्तर्भनवे क्रुर्ग्यी अवस्य नव्यापे विश्व के अञ्चर यगाहेशवहिंगानुनाधेत्राध्यामान्य। श्रीनावीत्राधितानीत्राधितानीती धेरा वर्रेर्स्य तुर्यने। ग्राच्याय स्नुवे व्यग् हेर्य वर्षे ग्राचेर्य वे सेर व.म.चियाक्षी वार्क्स.मार्क्स.सक्षा.क्ष्म.स्वर.क्ष्म्याया.स्वार्थना याध्रित ज्या वी त्यया हे अ जन्द प्रदेश ध्रेत्र ।

# र्येटशः शुदे कुः वेटः द्याः श्चें रः ग

३ महिरासिक्तान्ति। श्री स्वास् श्री स्वास् श्री स्वास्ति। श्री स्वासि स्

## र्श्वेतः श्रुदे कुः व्ययश्याप्यः श्रुद्धः न

द्र.या अप्रशादन्र मेगा त्यव स्या सेन सिर तर्य में या संदे त्या पर्ट्या मर्भाग्नुन्निक्षास्य । व्याप्तिन्तिक्षास्य । व्याप्तिन्तिक्षास्य । नर्र नर्डें अपने देवे ही मा वर्रे राजा हैं का बेर अपन रासु राधे प्रायक्ती नर्गा गी'नर्र'नर्डें अ'सर'नया वर्रेर'सवे'ग्रीमा वर्रेर'तः रे'र्के अ'उता अरअ' मुरुष्यराम् वर्षा वर्ष्याचित्रास्य सम्वर्षे साम्य स्वर्षे मा वर्षि मा वर्ष्ठ मा वर्षि मा वर्षि मा वर्षि मा वर्षि मा वर्षि मा वर्षि मा वर्ष्ठ मा वर्षि मा वर्षि मा वर्षि मा वर्षि मा वर्ष मा वर्षि मा वर्ष म विया है। वर्ष् वर्ष साधियाया वर्षे या पर्टा यह या की या पर्या से या विवास यदे भ्रेम स्रायम भ्रिम् भ्रेम स्रायम नवि'नर्डेस'यम्बार्यस्य विषाम्बार्यस्य प्रति द्वीम् म्बोम्'वर्धेम्'यम् ग्राम् वैवाक्र-नर्वेसास्य भी सामानुदी । विकाळेवा वासवायसाम्य निमालूमा मिश्राञ्चरार्टे। विशादरा इसाम्बरायश नर्दानविसासुशासरामर्डेसा याते अद्यामुयायात्रे वियापाश्चित्यायदे भ्रीतः पावतायदा वया र्देव ग्री अ र्रा र्वा राज्य से राज्य स्थान स मर्भाष्ठियःसरः त्रया महिर्भागादेः कः यशः मैं यः नदेः न् मः नर्देशः मर्भा पकेः नन्यायी नन्न नर्के अध्ये भी पर्ने न्य या के अध्याय के स्था में व्याप्त के स्था मे स्था में व्याप्त के स्था मे स्था में व्याप्त के स्था में व्याप्त के स्था में व्यापत के स्था में स्था में व्यापत के स्था में स्था मे स्था में स्थ न्यान्वर्ष्ट्रमाराः क्रिमार्क्ष न्या नेत्रः श्रीमा वर्षेत्रः से न्यान्यके नन्नानी नत्त्रस्नायायायर्डेयाध्यस्त्रम् सेन् ग्रीष्ययाग्रीयाञ्चरयायदेः धेन् खुरु ग्री वर्के नन्ता वी नन्न अर्थे नर्डे अप अप्येत प्रेत हो न् वया अट्यामुयायाद्दायके वद्यायी वर्त्य संस्थित हैं साम्याय यदे सुरा मुर्भर दसेर यथा यथ हैं द श्रीश दक्के न शर्र र से दश से र ग्रमा धेन्खुराग्री वक्के वर्षे न सम्सामुरास में न न मन्त्री हिंग पर्या वेशन्ता कुन्त्रासायमा पक्षेत्रोन्वि नवे मानसाईनामा विके नन्ति कु नः सेनः मदेः द्वेत्र । विभागसुरमः मदेः द्वेत्र। मवनः परः। सुरः मदिः नत्ने

वाच्याः वठशः हेरः वेदः च्रीः सुदः र्वेशः विवः प्रयः व्याः विवाः द्यवः स्वाः सेदः मर्भाश्चरमानवे भ्रिम् वर्देन् से तुर्भाते। सामेवा मवा स्वाभाग्री सानेन बना એ<u>઼</u>ڄ૾૽૽૾ૢૺ૾ઌૹ੶૪ૼૹૻ૽૽ૢ૾ૹૻ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻૹ૽૽૾૽ૢૹૢૹૻ૽૽૽ૢ૽ૢૹૢ૽૱ૡ૽૽ૢૺ૾ૹૢૹ૽૽૾૽ૢ૽ૡૢૹૻ૽૽૽ૢ૽ૡૢૹ૽૽૽૽ૢ૽ૺૡૢૹ૽૽૽૽ૢ૽ૺૡૢૹ૽ अर्भेन नर न् न्र विश्व नर विश्व मित्र विश्व मित्र विश्व मित्र मित् वणायासेन्यदे यसायानहेन्द्रस्य धेन्यी स्टान्नेन्यी स्टार्से गुन्तु वर्गुरावदे भ्रेम दे वर्गाना मंने द रहा नदे नदे स रेवा हा भ्रेत से के वर्षे न डेश'माशुर्श'मदे'धेर। हिन'श्रे। हेंब'र्सेरश'हेंब'र्सेरश'मदे'नर्नु'धेव' षदर्हेत्र: सेंद्रशः ग्री: नर्द्रायः हेंत्र: सेंद्रशः ग्री श्वायः स्वायः श्वीतः हो। देवे निवायः कवारात्यात्वरहें वर्षेद्ररायदे वर्त्र त्रें वर्षे वायदे हिम् वेषाय वर्षे वर्षे द्ययावर्षेटावी अर्दे द्रद्यायायया दे याद्या वर्षेयाया स्टायद्या मुर्या ५८। ५न८: ईन परे नुरक्त सेसम ५नव इसम दे हे नदे हैं द से रम बस्रश्राह्म होत्र त् शुरायायारीया प्रदेश्यया कवार्याश्री साम्राञ्चरस्रायस व कें व कें त्रा स्वरे हैं स्वरे हैं र नवे नवा कवा य न र ख़्व सवे छे र व व र र नदे सः र्रेयः हु से सः से प्रेर्वन में । विश्वान्य स्ट्रिस प्रमा प्रेना वासी वर्तानिक्षास्य स्था ने स्थित वस्त्रा ने स्था ने स्थानिक <u> अरअप्तस्याअप्पॅर्रपदे भ्रेर्र्र् । दे भ्रेर्ट्युर्ग्रेप्यअप्ति पेर्र्र्य</u> इ.चरा रग्र. क्षश्रक्षश्रक्षः व्र. वर्षः त्र. विष्यः वर्षः व्रत्यः वर्षः व्रीरा

रदासुम्बर्गाया दे निवित्र पर्हे मान्यते क्रुं सळं द प्येद् दे मान्यके निवित्र पर्हे मान्यते क्रुं सळं द प्येद् दे मान्यके निव्या मान्यते क्रिं स्व क्रिं स्

वदे ने न राष्ट्रदे तुदे वर्त दे दे प्रायः स्व द्वा द्वा द्वा द्वा द्वा स्व राय विष् धेरा हेर येव ग्रे स्टर्स स्वयाया या र र दे स्टर्स दे य र र शे स्टर्स दे य हेना हेंब सेंद्र स्वान्दरने वे नवा कवाया वाद सुदा हेंब सेंद्र स्वान वित्त ग्री:सळ्व हेन्। यश हें वर्र ने देर नवा कवा वर्ग नर मुर वी वर के नदे कर दे। वक्के नद्यायी नर्द्र भी अर्द्ध के दे दे विश्व अरद्ध व स्थान स्राम् विद् ने न्या र्या श्राय श्राय द्वार स्था भेषा ने या न्यव साम्यशास में दाय स वशन्दर्भवाक्रिवर्भ्रेत्रायमावसास्येत्राच्चेत्राचन्त्रा भेवान्स्रवः इसासर में वायदे द्या वर्षे साम्या वर्षे विषय में विषय विषय विषय विषय बेर्-कें-स्र-रेविःनर्र-रम्भायायश्वर्वि । वेमा-केव्यानकुर्परस्र र्वे दक्के नम्मार्क्त्र से म्या की नम्मार्थ सामित्र मार्थ सामित्र विमा <u> अरशःक्रुशःयः ५८: नर्</u>दः नत्ने : सःसुशःयः नर्डसःयः सहसःस्।

हैं न्श्रॅन्यार्विन्ने हैं। ब्रुदे नुदे नुदे अप क्षा वस्त्र मान्य के स्व निष्ठ स्व के स्व के

### र्टा विक.यदु.र्या.यर्वा.६८.य्य.श्रम्या वियायश्रम्यायदे.हीमा

শ্রুমানা

वनसःविशासुशः क्रुशः वेनाः क्रेवः सः श्रुदः श्रेदः । इसः हैनाशः श्रुदः निद्धः निद्देशः स्वरः स्वरः नि । निवेदः से स्वरः से ति स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः । । श्रीनः निवेदः स्वरः से वाद्येदः से वाद्येदः

सर्विः सर्वितः वेसः सुन्यः वित्वानः वि

मुत्यः नः गुत्रः मुः खुत्यः मुद्रः द्वारः निष्ठः । नमुः नृतः नृत्रः नाशुत्रः ने स्थः स्वः स्वः स्वः । निष्ठः नृत्यः मुन्यः मुः स्वः स्वः स्वः स्वः । र्बे में राष्ट्रियामार्स्यामान्नानायमा।

वेशःसदरः नरः भूनशः ग्रीः केंग्रशः शुः नठनः धर्दे।

नग्रभिश नगेर्दे।

२९विषाः भूषः प्रमान्त्रेषः मुद्रास्त्रेष्ट्रास्त्रः स्वरः प्रमान्त्रेष्ट्रः स्वरः प्रमान्त्रः स्वरः प्रमान्त्र विष्यः भूषः विष्यः स्वरः स्वरः स्वरः प्रमान्त्रः स्वरः स

#### सर्केन्'सर्'न्हेन्'स्।

२०० | | स्वायव्यस्याः स्वायाः विश्वास्य स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वाया विश्वास्य स्वायः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्ययः स्वयः स

हे हुँ र भ्रवस रे स्वेष्य मन्द्र हे से द्वा | र्वे र प्रे मे प्रवेष मुद्र प्रयास के स प्रास्त हु। | र्वे प्रयास के स प्रास्त है स प्रवेष स्वेष । र्वे प्रयास के स प्रवेष स्वेष ।

### न्नर-तु-न्न-त्न्य अ-तु-हे-ह्ये र-ह्ये र-न्न-न्।

३ गहिरामान्तरात्त्वातात्व्रयातुः हे क्वें मान्या वर्षेयानमें दाया सक्समाञ्चर न न से खेदिर माल्र न न न मान्य ग्री देन मासुसा ५८ मु.ध्री वर्ग्रेजाराज्यशी अंशाराज्यश्वात्रर्थात्राच्याचा ह्यायाचा स्थाराज्या र्चन'य'त्य'र्न्न ग्री'सबर'द्येत'यदे हिंग्य'य'त्युर'नय। तया हे सेंदे सदेत यरः हैं ग्राया वियायदे अवदान्ध्रनायायां हे गायाने हे हैं रार्कें ग्राया यस्य स्थापे निष्ठा स्वा स्वा हे हे र्रे निष्ठा निष्ठा निष्ठा स्वा हे रेरे स्वा निष्ठा र्देन्यःश्चरः वःश्चेरः वयन्यस्या ने स्वित्राय्यस्य स्पूरः वयः श्चेरा हितः है। गर्भराष्ट्रेरायम्। इपायमाग्रदाहेर्स्यान्त्रप्तन्त्रप्तिः सार्हेर्प्येतः यथा वेश ग्राश्रुदश यदे द्वेमा अदाव हे गाउ मे हे ह्वेम हे न साय द्वर र्हेन ग्रीयाद्यन नेरान दिन नगराहुया ग्रीयाह्य स्था हेन या सेरान नहीं सा व्याहेग्यायान्वरान् श्रूरायार्वेनायासेन्यरावया ने विनायायान्वरा र्हेन ग्रीय वितायदे भ्रीया वर्देन से न्या है। नयर में हैं हुया ग्री ग्रुट सेसया ग्राम्भेतः भरः क्रां हेंग्रां क्रिंग्या क्रिंग्या है। क्रां क्रां के क्रिंग्या स्वा वर्हेना-दर्गेश-संवे भ्रेता देर-त्रया हे र्ह्नेर-र्वेन हे र्ह्नेर-की भ्रेता वी हवा या विचारी प्रति या प्रति या प्रति यो प्रति विचारी या विचारी धेव-धर-देव-धे-ध्रेंग-धवे-हग्रथ-व्याधेव-धवे-ध्रेर। ग्रथेर-व्येद-व्यथा हे हैं र विवास ता हवा भारे दवा विवास भाष्ट्र ना भेर हैं। इंदेश वाश्रुर भा यदे भ्रेम वियः भ्रे भ्रेम स्वाप्त स्वाय प्रमान स्वाय स

न्नर्वर्षेत्राचेत्रास्त्रं स्वरावया न्नर्क्षाचेत्रास्त्राचेत्रास्त्रं यस्य वस वित्र परि द्वेर इस न न न प्रमा दे त्य द्वर में में दे से में दे हैं र यसर्देन्द्रम् प्रदेन्द्रम् यद्वेन्द्रम् मार्थेन्द्रम् व न्वन्द्रम् हिन्दूर् <u>षरः अः वक्कुर् सः व्यः र्वे नः सरः चव्याः वे वियः यश्रिर्यः सदेः द्वेरा द्विनः स्रो</u> ने अन्त्र हा इत्यम् देश वहीन प्यत्र विषय विषय विषय हो। विष्टि निर्मे विषय मदे यस न्याया । ब्रम्कुन सेसस न्यय याम न्यायहरू। । ने यमेर ध्रीर भ्रे में वा संदे रहें वा शा विश्व श्री । यह विश्व वा तर हो ह में द सहें वा वा शुम्र । <sup>त्या</sup> भूत्र अपन्य व्याप्त विष्य के त्रे के के अपने के के अपने के के अपने के किया के किया के किया के किया के कि दर व्यापार स्वाया भी ह्वाया वार सुर र्वे वाय देश से स्वाया देश स्वाया स्वया स्वाया स्य धेर से वें न मदे ने ने निर्मा सकत के न ने र ने के न के न के न के न के न व्यट्ट स्रोस्ट स्वार्थ स्वार्थ क्षेत्र स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ लेव.तर.वतः अक्ष्य.धेर.देव.ब्रेरा वियायाविशा देर.वता दे.वर्च.वतः बे कें सम्बद्धारमंदे से समान्यवाधित प्रवे हिम् इन्यर पर्देन ता ने प्रवः नदे र्क्षे न्यायस मार्के या उत्। र्ह्से नामा से नामा स यर वया वेगा केत क्रूर यस वितास हिंद नदे नद वा धेत पदे हिंर है। र्येवार्यायन्तुः वेर्यार्थेवार्यार्थेवार्याः कुन्त्वार्यातान्तुरः केवार्यवेर्येयस्यः न्यदाने। क्रिनायाधितायादीन्यो प्रत्वाधी सक्वादिन्यो ही र्रेल:र्नेव:वहेव:ग्री:हेन्न:प:बन:यर:श्वर्य:पदे:ग्रुट:श्रेयय:ळॅन्य:पय:प: क्रिंग उद्या सर्वेद र प्राप्त र द्वार स्वार स्वा नेर वया गुरु निम्मा शीका नसूका भरि निम्म स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन मदे शेश्रश्रान्यवयोत्रामदे ध्रिम्ते। ध्रीम्यान्त्रा वहेत् की हैं नामा बनायम

श्रुरमः संदे स्रेसमः द्वराधेत्र संदे श्रिमः दिवसः ग्रुस इतमः दर्देनः त्र वेपाळेत्र ग्री क्र्रें रायस वें या हीं रापी यारा वर्षा या सें या या ही रा शे के नामते ने ने पर्वे प्रवेश के मार्थ हो नाम हे अपने ने प्रवेश प्रवेश हैं निमा है अपने ने स्थापने निमान यगान्यान्यान्त्रहा । वियागशुरयायदे धेरा गवरायर । हरायेयया र्श्वेरायमान्यरार्हेवाळेशाउव। यात्रुयाशासीयाशायानेवायहेवासरेवा शुरामार्थे वा मदि सेससा दमयाधीता सरामय। धिरासी धूँ वा मदी द्वी पत्त्र लेव मंद्रे हिन हिन मासक्व हेन ला र्से द । यदें द वा दे के सार हा सर्हे द यसर्चितः ह्या स्रोस्था न्या विद्यासः स्था विद्यासः स्था स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थान वहें व सरें व शुर्र पार्थे वा पवे से समा प्रवास के व पवे खेरा हिन हैं। इ वरा ग्राचन्यास्त्रम्यायद्भियार्थेनायाद्मा विया देखद्वे स्नूद्विया वडु:इग् वे वि: व्रवः सर्वेदः सदेः यस व्यवसः ग्री विरः से वें वा सदेः ह्वासः न्याधिता विशामश्रम्भानवे द्वीमा वर्षेषानायमः महामी सळव हेन क्रॅट.स.धेट.ग्रीअ.चार्चचाअ.ल.ज्र्याअ.सद.क्र्याश्र.ट्रेचाअ.स.चयार्क्नेचासः र्टः वेशामश्रुदशासदेः धेरा धटावाडेवावारी मह्मशासार्श्वेषशासार्श्वेषशासार र्थेगामदेन्नो प्रत्न भी अळव हेन ने मन् ग्रम्भेसमार्थे मास्यामान्तर र्हेन देन प्राया के भारत् हिना महा भी के स्वाया है स्वाया है सामा है साम है साम है साम है साम ब्रैंगा मदे नगे प्रत्न धेन मदे श्रेम पर्देन के नुका है। नेदे हगाय है श्वे वदःगी'ग्राञ्चनाश'श्रेषाश'य'र्थेम्।य'त्रश'र्मेश'र्शेषाश'ग्राडंद'वदे'वद्र'वडुः गठिगायश्वरार्थेन प्रति हीना नेन प्रया हिन्याने पर्वा विवानना हे हैं। यासुर्यायाश्चेत्रातुः से प्यतुदानात्र्याम्बनार्देत् त्रात्रुयानायर्देत् परिनरः दुग्-दर्। वर्डेद्रयरम्बद्धश्रिंशर्येग्नयरवग्नेश्चित्वर्यःदर्। यस

'क्षर-वर्डेर्य-पर्देव-पर्दे-वर्त्त-वर्त्त-त्र्द्रेव्यय-प्राचित्र-त्-। क्रेयः सक्र्याताः अटशः मुशः द्योशः पदेः श्रुदः यः याडे या भ्रवः यस्य वदः पदेः स्री स् दरमें मुनः भ्री वर्मेयायया मैं याया से म्याया प्रें म्याया से स्था से मुन्या महर नःवेशः नुःनः इसाराः नदुः ग्रेगः न्दा वेशः श्री । ग्रेश्रेशः रागुनः श्रे। द्योषः यत्र्रेर्यालेश्राच्यान्या वेश्या । मश्रुश्रामान्य हे। वर्षेश्यामा यथा नर्रायानर्राहेरार् हेंग्यायान वेयातान इयान महियारा वेया र्शे । प्रवे.प.चैय.ही रचेत्र.प.तथा शरश.मैश.रचेश.प.वेश.चे.प.संश. याम्बेमामीयामें रेयानविदानु र्रेजन्दर हे से न्दर नहिंदा पान्ट है या ग्री सक्र्याः इसमायायावमा प्रदेश विमायास्य स्थितः स्थिति। स्थितः स्थिति। स्थिति स्थितः स्थितः स्थिति। स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति। स्थिति स्थिति स्थिति। स्थिति स्थिति। स्थिति स्थिति। स्थि ह्रवाश्वाच्छावाच्चेवान्द्र-। वाहेश्वाचराच्छाचनुद्राचान्द्रा वाश्वाचराच्छा न्ग्रान्ता नविःसरःहग्रथःहेःश्रव्युद्धान्यदेःश्चेत्रा धरावःहेगान्तःते। ग्रदः शेशशः श्रुर्वेर तिश्वारा लीव वर्श्वेर प्रवेर श्रुर्वे वर्श श्रुर्वे वर्ष प्रवेर हे वर्ष श्रेवा मश्चितः बेरः व दिः व इरायेययः श्चेराययः मधिवः व दीराये श्चेषाः मदेः ह्माशर्चितःसशाद्धितःसरःचया देःधैतःतःर्भेतःतरः भ्रीतःस्वीरः सेः भ्रीमा यदः स्वाशः स्वाधियः यदः स्वाशः विशावशा वर्ष्ट्रः वाश्या विशः वर्रेन्त्र। श्रेंश्रश्नान्यत्न्त्रम् हृयाची चुर्श्येश्रश्चेर्यायश्चर्या केंश्रा उत् र्श्वेर प्रथा ग्री ग्रावेश भ्रावेश शुं में राधे हैं गाय दे हि ग्राथ है गाय दे रहे से स्था न्ययः धेवः यरः त्रया हिन् द्वेरः क्षे व्यायवे ह्वायः वितः यवे ह्वार क्षेय्यः र्श्वेरायमायाधेवायवे द्वेरा वर्रेरावा मेममारमवार्वराह्यामाधेवायरा वया वेवा केत क्रिंर यस भूतरा शु भ्रीर से वेंवा सदे हवा र वेंवा सदे भ्रीर

त्विरः नश्या विश्वाश्वर्षर्थः स्विरः स्वित्रः न्याः न्याः स्विरः स्वित्रः स्वित्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्वतः स्वतित्रः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्व

ग्रेश्यास्त्रायाया स्टाकुः इस्राह्म्यायार्षुरायाया नहेत्रस्य वेगाकेत केंग्रायय यय एइन यर न्यूर यदे क्रे केन गर्य या शुरा ही क्रेंया यायान्वरान् शुरायार्वेवायवे भी यारवाशीया वेदायवे येयाया स्वारा द्वारा वर्चेर-दे-क्रे-क्रेंन्चेर-ग्री-सळवन्देन। द्ये-च-च-स्यान-क्रेंस-सर्वेद-क्रेंस-मार्थस-न्यम् कर् सेन् परे हे क्रिंम् परी परी मार्सिम स्मिन से के र्श्वेयानम् कर् सेरामदे हे र्श्वेमान्स मुरामम् हो न सहित ग्रुय:ग्रु:इय:य:नमु:र्देव:ग्रुय:र्स्र्य:यदे:हे:र्स्ट्रेट:नमु:द्र-र्देव:ग्रुय: र्षेर्-दे। गर्भर-पर्यटायमा रही-व-हे-स्-नर्द्र-द्र-। वेस-र्टा इस नन्दायमा न्वे:नानस्यान्तन्तिः क्रायम् नम् न्यान्त्रः व इ'मशुसर्से विशमशुर्शराये भ्रेर्रा नकुर्देव मशुस्र वे हे र्से्र्र नर्वःगवे ने ने वे भूनशक्तर वेदर वेदि । श्रास्त्रस्य ने वा के व ने ने भून यसर्देन्'क्राकृत्संबदे'चर्न्, र्वेन् हेन्से हेंग् पदे ह्र्ग्र केंग्र वे शेशशान्यवानी क्षेत्रायाधीराशेष्ट्रियायवेष्ट्रयोष्ट्र्याधीशस्त्रवाही मही व में मार्थ के वा मार्थ के मार्थ के मार्थ में मार्थ मा शे क्षेत्रामदे ह्या शर्चे न मदे क्षेत्र त्या माने क्षेत्र त्या माने क्षेत्र त्या माने क्षेत्र त्या माने क्षेत्र शे र्थे वा सदे द्वो पद्व में अळव हे द्वा के स्था में वा सदे हवा शहे वा सदे

क्रिन्श्वर्त्ताव्यक्ते। अन्यविक्तः श्री स्वास्त्रः स्वास्त्र स्वास्त्रः स्वस

अर्डियाः याद्याः याद्याः मुर्यायम् अर्घरः क्रियः स्री नमु विग्रेत्। स्रेययः उत् नकुःश्चेत्रःसःसँग्रसःपितःहतःनकुःध्रमःनञ्जःमहेर्यःचेत्रःसेस्रसःन्यतः लेव्यत्रित्रीत्र अर्रे हे अप्वरुप्यायमा स्नित्रे वा मत्रे वा स्वर्पा स्वर्या स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स् यानेरारेपदेवानमुप्तानु र्वेन वेरार्थ्वे अर्था प्रस्ताना व्या मुर्यायमुः अर्वेदः नः दद-। दया नभ्रयः सः नमुः यः र्वेदः मुः अवयः ददः सुः अवेः सन्नतः म्पार्वेतायः प्राचित्रः क्रिंशः श्रीः क्षेत्रः त्रमः स्वरायमः त्रेत्रः याप्ताः विशः गश्रद्यासदे भ्रेत्र वितासे अयया वह्या सासूर तृषा ग्रीया द्वारा से हैं। ह्याचेरामदेखेरा धरावित्रारे र्यानर्डेमामधेरादाहग्रायामहेता वंशक्ष्यां विश्वास्य ह्रेंगान्ने न धेत्र प्रशाद्य परि द्वेर वेर त्र विर श्रेस्य कें न्या या स यः ब्रेंद्र हेद्र संहिष्य प्रदे हिंद वें स्वाप्त केंद्र में प्रदेश हैं प्रदेश कुर्वा क्रिंट हेर् नायर र्हें नया संदेशिया संदेशिया से स्था दे हे या द्या बॅं भेतर्म मार विमा बर्देन सुबा भराबा भेतर मदे हुरा दर में बागून ता देशःहन्यशःश्रयः क्रुः यळंतः प्यदः द्वाः यः नहेतः द्वशः हेवाशः यदः वया देशः हेशन्यमामीशहेँम्थायदेष्ट्रिम् महिश्यायसम्मन्त्र हेशकेंद्रिन्यः र्वेश न्य सार्थे हीरा पर्टराया वार्यरमा मिया ही सार्ट्रायमा विवार्षमा सम्मारी समार्ह्याया शुर्वेर वर्षे विश्वाश्वर्याया श्वीत्वर प्रमान्य वर्षेत्या देवे से हिन व्यार्भ्रेयामदेवि स्वा तुरावर्षयार्भेयार्भेराययामान्दरने व्यापिष्य श्रूर-त्न-सद्यासद्व-श्रुय-त्-ह्नियाराक्षे-नेन्।केव-ग्री-सर्व-प्यस-र्निन-सर्व-धेरा हिनःश्रे। देवे के द्वाप्ते रायर्दे रायर्दे वाया से वाया के कार्ये पाया है नाया के कार्ये का से कार्ये का

ब्रूट हेट्यहें द्राया दुर्हे न्या प्रयाधिय त्र त्रहेट्य त्र त्य व्याप्त स्वाप्त यः श्रृंत् अं रः स्वायाययायया श्रृंदः हे दः सर्द्त्रः श्रुयः तुः हे वायायाय वर्षः ग्रुदः । श्रेस्रशास्त्राम्प्रम्प्रम् कृत्यायाने वित्रातृत्वायानये क्षेत्र दिन् गुर ररःगविव सराधे अर्थरादे स्थरादे अर्थर्गा दे सश्व द्वा ग्रारासरा खियानात्वर केष विभागा भीवर है। । यावन परा १ स्था ने र्र्य भी केष र्राधित्रप्राचित्रप्राचित्रप्रमान्त् क्रुव-श्रे-पक्षद्र-प्र-प्युव-प्र-प्टर। वेग-प्यव-प्यग्र्य-प्र-पे-क्रुव-श्रे-पक्षद यूर्-भ्राःक्रेयः सर्वित्राच्या स्थाः वर्रेट्र से ज्या है। वेवा के दायवायाय दे हैं वायाय स्वर्धित से दार कर् विवाद्यंत्रवयायायदेःहिवायायादे विवादियाने यात्राक्ष्याय स्थान धैराने। ने सूरार्श्वेन नर्धेन नर्धेन नरा है । धना श्रूषा हमा ग्रीया ग्रीया ग्रीया परि धैरा वर्षेयाकेतायमा नर्गाकन्सेन्यन्यन्यकेषार्वेयास्यासुर्ग्यन्ति । र्देशःम् अवतः न्यान्तः वृतः न्या वृतः न्या विषः न्या वर्षेयः यथाः ग्रमः नम्राक्षन् सेन्यान्या विवार्षे साक्षासून ना हिन् ग्रीसान्य सामा न्याः ध्रमः न्याः विषाः याश्यास्यः स्त्रे । विषाः स्त्रे । वरा स्त्रे । वरा स्त्रे । बेर्-स-र्रा महिमार्नेशमहिशाग्रीर्देव धेर्-सदे भ्रीत-र्रा ग्रुट-दसम्बर ग्रीयानभ्राया केत्र मार्या ये दिन में या या वित्र में या स्वार्थ मार्थ म धुत्र-देर-स-नर्झस-मदे-सन्।हेस-सें-सें-सें-सदे-धुर् इस-न्नि-सस्। वर्तेत्रवहेत् श्रीःवरः ळत् सेत् यः तृरः विष्ठवाः विषः शुः वरः ळत् द्राः वष्यः यर बूट न हेट ग्रेश यस ग्री देहें अ में अवद द्या कुर से दकर दु ख़र

यः दर्शः ध्वाः विश्वः विश्व दर्श्वरः विश्वः विशः विश्वः विश्वः

## र्श्वेर प्रथा है र्श्वेर

३ यहिरायाय। ह्रीं रायया हे ह्रीं यह रायया हे ह्रीं में स्वायया हे ह्रीं रा नरः कर् सेर् परे हे हें रावे। रट में या दें रहे से नर्वे र परे का सकेंगा गी हे हुँ र पत्नी पर में हूँ व पर। इ पर ही से प्यस व पर वेश से पास क्षेत्रार्थः नवर निवित्त वृद्धः । वर्षे राष्ट्रेयः स्वर द्युर या ग्रुया दर में वै। रवावर्त्वेरावायाने तुराकेवाक्षाय्या ग्रीवरावायराकें यावस्याउदाक्षा हेर्-र्रहे-वर-दश्रू-र्वायम्बर्धा विषार्यम्बर्शे-र्रेव-दळर्-धर-दर्ने-हुर-। गहेशपादी वर्नराम्ब्रान्यराईवाग्रीधिराश्चेतापवे हे हुँर য়৾৽ঀয়৽য়ৢ৽ৠৢৢৢৢয়য়৽৻৴ৼ৾৽ৢয়য়য়ৼয়৽য়ৢ৽য়ৢয়য়৽য়ৣ৽য়ঢ়ৢয়৽ ५८.व.भ.यषु.भ८.तषु.योषभाभेयभागी.स्योभागी.द्रयोभागी.तषु. र्ये न कुर प्रज्ञ शहन शहर ही सामने स्टामने न में हम शामित है। इस में नकुर<sup>्</sup> के र्श्वेर के न हे अ शुर् दे प्रस्ता हो द रहा । वा स्रान हो के र्श्वेर प्रदान हु अ

गरेग'मदे'न्सॅग'होन'धेव'मदे'होन।

सवयन्त्रन्यायायास्यायस्य न्दार्सायायान्त्रेयान्त्रेया हेर्सून् र्देन्याम्बर्यायये नुरस्ये स्थान्तर हैं वर्ष्ट्या रहेन्य हैं न्या है न यर वया ब्रिंट या महिट सेट पदे श्रीमा देर वया ब्रिंट श्रीस नससामाहत ग्री-नर्देश-मानि-विन्धिन। सर्देन-प्रश्ना ने-प्य-पर्ग्रीन-मानेन-सी-नमी-इसमा । नमसमानित-दर्भ-द्यान्त-सेत्। । हेसमासुरसम्पर्ध-सुर्वास हिन स्रे। देवे संसानस्या ग्री दे से द सवे देव पीत बिट दे त्या से दिनो नवे गहिन्सेन् ग्रम्नो नदे गहिन् पॅन्यस्स से विषय नदे हिन्दे । गहिन वर्षेरायमः गहेराध्यायावह्यायदेनेमायास्यार्मात्राचेरा यःहेंद्रः सेंद्रशः उदः द्रदः सुर्यः यह यः यदः चेदः यः द्यो वरः यदः द्यादः याहे यः र्षेर्प्यम् वेर्यम्बुर्यप्रेते द्वेर् इत्यर्पर्र्प्ये व्याने ह्वेर्प्ययः या बद्राया वर्षायदर क्षेत्रा वृत्रा ग्रोत्र विद्रार्थे ग्राया या वर्षा प्रदेश क्षेत्र चुर्यायातार्वित्राचे। इत्तरः चुर्ययास्ययार्थेषायान्दरः श्चेतायाते। । इस्राया गहिन् स्वायार्थे वायाञ्चीन पान्दार्थे खूत पर निम्दार्थ । व्यव पर प्राय वियासे। क्षेप्रची प्रदेशेयामा स्पर्मा स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स सर वावस अवद से ववाय वद होरा वासेर वहोट खसा वदे दवा है स ष्ट्रमा ग्री ह्वामा प्रेत तर्हे द तमा वाहे द त्या में वामा सवे ही वासा खाद द से यायेन्ग्यन्धिःयार्षेन्ग्ययार्भेत्र्यम्नि । वियामश्रुम्यायये धिनः प्यापा वेग नेशमार्त्त्री तुरावदे श्रूरावाया ही त्यसावहण्या वेरावासी तवदायरा

वया ने नहमारा या नर्भे राया है । यद । यह मार्थिया है न य न्नराई वाक्री ज्ञाराके सका धेवावा का नाम नाम का नाम नाम नाम नाम का नाम का नाम का नाम नाम नाम का नाम नाम नाम का नाम वा ननर हैं व क्री हैं न हे हैं र धेव व ह न या न ह न हे या है या है या स्वाधन सर वयः नेवे ग्रुट सेस्र त्यानेवे भ्रीमा वर्ने न ता के ता के में के के सामा यदे र्श्वेर यस मान्यर हैं व यहिन संवेता यदे हुन ही हैं न हे श्वेर हैं न उवा ह्यायान इ.माहेश वेंना मरावया न्यर हें वे नुर से स्था शै कुर शै र्देन हे हैं र धेव मवे छेरा वर्देन के वुका है। देवे ही वका की हवाका है सका हे हें र सर्वेद रादे प्रवास हवास प्येद रादे हिरा देर हाया हवास प्रवास हवा गहेशःग्रे:न्दःर्यः नकुनः वज्ञशःहगशाधेवः यदेः श्वेरःहेः र्वेनःहेशः शु: ह्यून: नवे: ने: नवें ना: होन: होन अ: अन्य नवे: होन। ना अन्य वहोन: ढेग *न्*रःस्वित्त्वाःसःन्राष्ट्रःस्वेत्रसःन्र-ः यःनन्त्वादिकःगहेकः गान्द-। बार्याञ्चार्यान्द्रवित्त्वार्याः श्रीत्राचेत्राची ह्यार्यान्द्रवित्राचीः धेव मदे भी पर्दे द से व्याप्त माने माना माने प्राया के प्राय के प्राया के प् वेशन्त्रभूत्रन्त्र्विश्वर्षेत्रे मुश्रेर्द्धर्ष्यश्च क्षेत्र्यस्त्र स्थान स्त्राचित्राचित्रास्य स्वर्धाः स्त्राच्या विद्याचित्राचित्रा चित्रा षद-। गर्वेदःश्चेतःदरःभः वःश्वांशःश्चेशः वेदः पदेः वदेवः क्षेताः गोशः वश्चदः यः अन् यः विः द्वेरः भ्रम्य अः ग्रीः ह्मायः धेदः यनः व्यावः अन् यदेः भ्रम्य यः ग्री हिनास धीत परे हिमा वर्दे द से त्रा है। दे निहिस गरि सूनस ग्री हिनास धेव परि द्वेर देर वया दर में दुवा है यस दर-। दे वया वहिया वहिया गिदे-८८-। बासानिक स्पर्धित्व स्थानिक स

गर्भरप्रश्रेरप्रथा नक्कर्पराने के स्थानस्थान स्थान के पार्टि सुन्दर न्यायार्थे वायायायी वियाग्यार्थात्याये हिमा वर्षे स्मून्या ही वर्ष् नवि-अन्-सःवेअ-श्रुमःमेग्रायदेः ध्रेम् ग्रोमः दश्चेमः यश्रा नृग्नायः वे अनः यदे के बेश यवी माय श्रुराया वेश माशुर्श यदे श्रीरा धराम हे मात री ह्रवाशान्त्रुःविहेशान्दाध्वानियो होवा केवा ग्री देशाद्ये दाका समुवादारी हो। र्देन हे हें र में अळव हेन ने र वा ग्रुट से सम न्यट में ह्या प्रीट पहिसा ग्रे कुर्ग्ये हे क्वेर रे रे देश केंश उदा सक्द हेर रेर वया सकेंद्र ग्रेरे हिनामानिका हमायासुनाक्षी बेमाळेवासी क्रिंगायमार्देनाधेवासेवा धेरा वर्रेन्ता हिन्सेसंसन्बद्धन्य देवन हैं व ही हुन ही हुन स्यस धेव पर वया ह्यायान्युः महियार्वे सार्वे र्र्यून त्याया धित्र पदे रिवे पदे दिया वर्षे दिया हें। क्रिंश उत्र में म्हर वारे वा प्येत स्वरे श्रीमा पर वि त्र में। ने वह नवे श्रीम यसारी श्रेसशान्यवान्यमाईन की कुन की हिन हे हैं मही सक्त हिन बेर ठवा ह्यायानञ्जानेयान्यः युवायम् इत्ते क्रियं प्रवायने स्थिता वियायाम्या वर्देरायः क्षेष्ययाम् म्यायान् वार्ष्याय्या विदेता यदे हिम वर्दे द्रारी त्रा है। क्रिं रायस दें दर्षे वात्रा या विदायदे हु दर्शी र्श्वेरायमाध्येत्रपदे श्वेरा धराव देवा दरो है। यम समामरा निर्ति है। यार्ग्रेटा हो रासे शास्त्रे ना पान देवा परि हो वा की शाम स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास केट द्याद विया स केया द से समा क्वर दे द्या में म के मा सूर म प्रदे हुस श्चेत्राधेतायमात्रया है। विष्यमाने व्हरायन्तराये स्वीमान साहिता है। ने त्या

ह्यरः सेस्रसः स्टावेदः श्रीः देः ददः वादेशः व्यादः स्थान् वित्राः स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान ष्ठी:स्रानक्किन् क्रूँ मार्याम् १५८ मार्थः ख्रीमा यमायः विवासः के स्रायः स्रायः विवासः स्रायः स्रायः विवासः स्र नविदे देश पहें न क्षेत्र प्रमें न प्रमें न प्रमास स्था है साम हेन बन्दर्भागशुस्रायन्तर्भेद्दरसायगानासदेः ध्रेत्रस्याद्यम् ह्रम्यास्य है। दम्या के तर् निम्न निम्न मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ में गहेत्रचे सर्वे र त्यस क्षेत्र त्यस क्षेत्र त्या मान्य प्राप्त न विश्व यः श्रूरः त्यसः र्हेर् हेर्स्थेरः स्वासः निविष्यः नामस्यः नामस्यः नास्यसः संस्थः र्श्वे द्वार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या ग्रम्भायर पर्दे प्रामाशुक्ष मन्द्रा स्टिश्च प्रामा स्ट्री विषय केता यशः विक्रियात्रास् के स्वायास्य स्रमान्य विक्रियं सर्वे त्यस निर्मेश यदे यस द्या वी स इस यर हिंगा य यदि दे यहित से हिंग स य से इस य नवि'नश्रूद्र'म्य द्रुयामानविरान १८ मा धेदार्दे । विष्यामा सुरुषा मदि सिर् वर्रावसम्बार्यायते निवेदाना धीता है। वर्षेत्र वर्पेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर यर इसायर हैं गाया नविदे गहे दार्ये र सर्वे र न र र क्षेत्रा यदे खरा र गा गी हैंग्रश्यार्थि हसायायि विश्वास्य हुसायायि स्थायायि स्थायायि । महारमान्यते हो न नन् हिला दे हे सूट मे सूनमा दूर है दिर सहन सर वलः वास्त्र-तस्त्र-तस्त्रा स्वास-वास्त्रस्य-वन्-राद्य-दर्गिद्य-तसवासः मदे भेत त्या वेश मही रश मदे हिमा महिश म मुन है। वर्षे व के त के त ग्वित्रद्वा ते ह्वा शन्दर द्वा सर प्रयेष न न दर महत्र सन्दर से सश्राप्त त्रवात्रशासदे श्रीतात्र मित्र में मित्र मि विशायर्दिन्दि। विशादन-। याश्रेरायद्येरायशा हे हें राजवे दर-। वेशः

गुरुर्यायंद्रे हिन् वर्ष्या इन्या इया है गान वि र्या ध्वान हे वा विया वाश्चरमायायम् स्ट्रिक्ते । हवामावाश्चरमायुक्तामायुक्तामाया गशुअः सः ने : श्रूॅनः नर्से तः स्टा खु गुश्राधीतः वि दः है : श्रूदः गी : भ्रूपशः नदः से : नदः सम्बद्धाराधित प्रवेश दे विषय केत्र प्रका दे प्रामेग प्राप्त दर में र विषय र्श्रेम्बर्धिकान्त्र्त्वानात्वान्वर्षान्त्र्वे । भ्रित्रः से भ्रेमाना से से मार्थि नाया र्श्वेनश्चार्यः श्वान्युर्यः यात्र्यः यदि । भुनुः नः याद्वेनाः योशः विवाश्वाराः देः शः वर् पर्वः विश्वाविषः द्वापळ दः द्वा विशः दर-। वाश्वरः पश्चेरः पश्चः श्वेः सः दे रदास्यायास्य सर्दे रायादे हे दायम् रायास्य स्था वियापास्य <u> अद्याक्त्र्यामा श्रेन्या भीत्रः भीत्रा भीत्रः मान्या भीत्रः मान्या भीत्रः मान्या भीत्रः मान्या भीत्रः भीत्रः मान्या भीत्रः भीत्रः मान्या भीत्रः भीत</u> र्श्रे वार्था न वित्र प्रति । वार्थिन वार्यिम वार्थिन धेव पर जुर व श्वाश श्रम वर्त वार पुर वी अधुर वे श पर जुरे वे श क्रेंग'ग्रथतस्य विश्वाम्बर्धरश्चार्यः स्रीम्

स्टालुन्याया है हुँ सहन्याया छै या अर्के त्र या यह त्र प्रति का सहन्याया या है हुँ सहन्याया छै यह त्र प्रति का सहन्याया यह त्र प्रति का सहन्याया छै यह त्र प्रति का सहन्याय छै यह त्र प्रति का सहन्य का सहन्य

याने। वर्षेन्यते हे ह्यू माण्या अळव हेन। न्त्रे नाया अयया गुव वया व्याने। क्रिया या व्याप या क्रिया या व्याप क्रिया या व्याप क्रिया या व्राय या व्राय

र्हेन्-मार्श्वेन्-नायावित्राने। हेर्सेवेरहेर्स्ट्वेन्-पीत्रात्रह्माययेयानहा इगाळदान्याद्यनाम्या देवानस्यार्भेवासे त्या नहार्गाहेदावे हे र्से विश्वा वि केवा ने अन् वर्देन या सेना केश वासुरस सदे हिरा वासाहिता र्दे त्र ह्र सायमेया प्राप्त हिं साह्य साम्य स्वर्ग प्रम्य से निर्मा से निर् र्वेदे हे र्श्वेर धेर द इस प्रयेग न इ दुन र्लंट न र वेदा प्रश्ना हुन प्रदे हिरा ह्यायावया वर्षिरायाश्चया वर्देरात्रा वर्देवे ह्यावयेषा वर्षु द्वार्यो रात्र्या मूर्रित्रेषायदुःयोष्र्याभ्यात्र्याभ्यायदुःद्वार्ट्युम्द्रयाय्येर्द्रयायः यर वया वर्रेन पवे श्रेम वर्रेन शे नुशक्ती ने स्थि श्रेवे मान्य भ्राम्य या वर्ष इग्-दर्भूर-दर्ग्रायदे भ्रेत्र वर्ग्यायाया र्ग्नाद्या मिर-द्यार्ग्र द्या प्रमा र्दे। विश्वानाश्चरमायदे ध्रेराद्दा नात्रमाञ्चनमाय हु नुनादे हुना दे । र्षेर्'यदे:हीरः गर्भर'वद्येर'यथा नर्भेर्'वस्थरंरे'यथ'र्र'र्से'र्राहे यश्रिः अरह्मअर्थोद्दर्भ वीदः द्र्या विदः प्रद्यवाश्रामः हेदः श्रीः द्ध्यः श्रीशः र्शे विश्वान्युर्श्वान्यदेश्चित्र हिनःश्ले देख्याग्रदान्यययान्यः मुखळ्नः ग्रीभागश्चरभामदे श्वेर। इसामन्दायम्। हे सेंदे हे श्वेरामह पुना र्वेन यदे नात्र अभूतर न उ दुना नी में में में दिन दे के राज्या न से म् द्राया मुसा विर्मर्र्वयम् अयं विर्मा हेन्। हेर् म्यूर्य सदे हिन् हेन्य प्रम्ये ग्रवश्यीव प्रथाये ग्रथः प्रम्यः प्रभूदः दे।

## सर्वर त्यस हे हुँ र

याद्वेश्वरायाञ्चेदाया द्वेदान्त्राच्या द्वेदानुःहेत्वायान्वदायाद्वरा गहेत्रसे हे हें रायन्त्रयाहेशः तरसे या ग्राह्त हे ग्राह्म सर्रेर नमूत्र कुरान भर गहेरा यथा र र में प्रह्वा ध्रें वा वी वा वे र हे वा महिशः क्रेंब्रः सम्। वहुमाः सः मान्दाः वे वे विष्याः सः वा । व्यविष्यः वे वा विषयः व इस्यानम्बर्धाः वहेत्रहेवा विदेशः द्वेत्रप्ता र्स्यास्य द्वे स्वर्धास्य द्वे यथा । श्रेयाथ गुर-। यहिश स कुश यन् निया या वार हे या पर पर हे वा स गहेशायश दरसे वहुगारा ग्राह्म न्त्री हें दारा दें से दें हे दारा रेग्रायान्यत्वे। । वेयायान्यत्वे व्यायान्य हेर्यान्य केत्रायम् अनान्य वि'नरः भूरः नवे भ्रेम्। । श्रेम्श ग्रुह्-। महिश्रामा यहे व हे मा मी ह्रा यहे व न्ग् क्रेंब यम वहेंब य न्दि व निर्मा वहेंब य निर्मा व निर्म व निर्म व निर्मा व निर्म व निर्म व निर्म व निर्मा व निर्म व निर्म व निर्मा व निर्मा व निर्मा व निर्मा व निर्म हुर-। यरे यः वर्षे अर्दर-। समयर्द्यन्यः गहिषा दरः में है। सरें ख्या र्यायर्चेरायरे हे सूसार् सेसमा श्रुमा सुरा सुरा से से समारे हिंदा ही साथर न्नान्यर अर्बेट नर्भा तथा निट ने प्रस्था पर्वेर की न्ये ना स्टर्भ वरः ग्रीशःवह्वाः व्वाश्वाश्यायन्त्राः वर्षः श्रास्त्राः स्वारा देः वेति र्श्रेग्राश्चर-। सर्दे लगा स्वायर्चे स्पर्दे क्षाक्षे। द्ये स्वायर्वे स्वाया स्वायर्वे स्वाय वदे मुल दें। वेश संवश द्युर वे कें वश्य प्रवास वि दूर युव संदे र्थेव र पर्टर दे । विश्व स्वाय ग्रीय स्वाय ग्रीय प्राय विर हे ग भ्वाय प्राय विर

यान्स्यासुः स्वाप्तान्त्र विष्ठाः स्वाप्ता स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्त्य स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्त्र

श्री त्या प्राचित्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र

धेरा विक्रियात्रारी इसावहेत्रार्शे क्षेत्रे हेत् कत्त्रात्र नित्र स्वापन वहें तुर्भे भे ते हे तुर्व दुर्याय विद्या से विद्या स्था से से भे में त्या यदः निर्मायः यद्देव हिमायः यदः यदे श्री र व या श्रिमा हमायः श्री रे र्श्वाभु र्वे त्याप्यम् वामान्ते वार्ष्ट्रमञ्जू वात्या भुवात्य वार्ष्ट्रम् वहें न या या नुश्चे माश्चान शर्मे माश्चे न या या वहें न या थें न मदे भ्रीमा नेमात्रया ने या यामा वर्षा यने वा स्रोता मुंता स्राप्त प्राप्त भी मा वर्गेयाकेतायमा र्रे.स्ट्रिंसे.स्रे.स्यमाग्रीमाग्रदाकेमात्रम्या बेद्र यदे ले अस्ते अस्य अस्पे द्रायदे द्वर यदे द्वराय र हे ग्राय र नव्या य इर्सि दे साध्यास धेद दें ले दा लेश मासुरस सदे हिम इन सदें द भे त्याहे। भे भे यादा वर्षा यो यद्या से द हिंग्या या पे द ग्राट्य सुमा र्देग्रायाम्याम्याह्यावहेवार्याक्षेत्राहेवारुवार्यान्। वसम्यायामा सर्देव शुस्र नु हिंग्य या पेंद्र यस यह माना यह देव प्रस्मा स्वर हेव उठ नु नन्द्रप्रे हिम् दर्भे मुन्द्रे वर्षे यर्षे वर्षे यर क्रें अ यदे 'भेर 'वा द्वेर या भेर यश्वर यश्वर है र हैं हैं हैं हैं र भेर वा द्वेर याधीत्रायम् प्रविद्वायश्चार्यस्य स्था विश्वायाश्चर्यायदे द्वीम् यहिषा याम्यान् हो। वर्षेया केत्राया वसम्यामान इसमाने भूतान् मुह्मान वि बःस्रूद्रायाधेवाग्रीदिवाद्यायायाधेवाययाध्यदाद्यायायाधेवार्वे। विश गश्रम्यायदे श्रम् दर्भम्य म्यायम् यन् वित्र हि । यम् भूवयादिवे र्देवःयःश्वरःवःश्वेयःतःवेदयःश्वरःयदेवःयरःवदेवःयवेःह्यःवदेवः र्श्वेति हैत उत्पीत प्रमानया दे द्वा वी रादे साञ्च माने प्रमान सा न्यायी कुन्या श्रेष्ट्र स्वरं श्रेम् नेरः चया अर्वेदः श्रूटः यी अन्यरं श्री ने लेव.सप्तु.हीमा अङ्के.समा महूर.यप्तु.श्रर.यम.घे.यप्तु.सप्तु.सप्तु.

मुना वेशामश्रुरशामदे मुना धराम हेम अर्घर स्था हे र्श्वेन प्राप्त नि यानकुरायश्रासेराबेरात्रा माबुरायहेत्राक्कीहेनायाश्रीतुनार्सीपस्यशक्तीः ष्ठे'त'नकु'स'नकुन'र्धेन'न'कृत्र'सर्वेन'यस'हे'र्सून'न्नवेन्न'ननकु'स' नकुर्भे रुर्न्स्य इस नरुष्ट्रेये से पर्देर्भे तुर्भि हो सर्वेर श्ररःग्राह्मः नर्दाः वहेव प्रवेष्ट्रसाहेग्।ग्रीशः नृत्ते। नः सूर्यसे हरायसः हे। र्बेट्ट-प्रमास्कर् सेरायसार्थे गामसार् होराधेर प्रदेश मासेरायसेरा यश अन् देगा गडेगा पदे न वेन् राधिश न सूर्य पर ने हे क्रें र विने र सर्वेर ययाधीत है। वेशन्त-। धरने हैन यथा अर्चेर यया है से ने हिंग्या यर भ्रेश्वारा वर्षा अर्थेट श्वर वी वात्तर नर दिव पदि त्रवार मर हैं वा या नम् इ. नम् र सरमा ने माना स्थान स्था र्रिते श्रे केंद्रियन्या ह्या पेन्न्य पेन्न प्रदेन प्रदेश हैं ह्या प्रदेन न्या श्रे श्रे कि न्या र्षेत्। वसम्बार्धाः यदम् यत्रम् यत्रम् वार्षेत् त्र्वः वहेत् स्वतः वहेतः ८८. तसमायाना मिं वर पेंट्र हैट । दे महियाने या क्षेत्र पहें वर्षे मानिया ग्री:धुव्य:धेत्र:बिद-। देईत्र:हॅग:गहेश:क्ष्री:दयग्रथ:गहेश:ग्रूप:बेर: यः शेष्वर् प्रमः वया इत्यः द्रायः वर्षे या राष्ट्रे स्थूरः श्रेया शायशः शेशशः वर वहेंबामानिकान्दाधामान्द्रमा अर्थान्द्रमा अर्थान्य विकास विका र्शेदेः भ्रे: वें प्रयाय प्रें प्रया । ये स्रथः उतः ह्यः प्रः प्रमायः पें प्रया | इस हैं ना पहें दारा द्वा रहा परेंदा | डेस ५८- | प्रमेया सामा से सिंदी श्चें निर्देश्य वाष्ट्र वार्य वाष्ट्र वार्य वार्य विष्ट्र श्चेष्ट्र वार्य विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र वार्य वार्य वंद्रवाशास्त्रः विदानिक क्षेत्रः विदानिक क्षेत्रः विद्यानिक विद्या यदे. ब्रेम वियासे इ.यम. श्रेशशास्त्र विशापना वर्षेता. या वर्षेता. या वर्षेता. या वर्षेता. या वर्षेता. या वर्षेता वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्

वेशप्रदेति हैं गायी धुयायाश्रया यस्य प्रति । यसे राव हेटायशा दे'वे'केशसी'वन्नद्दी हैंद्र'यदे'स्रवश्राहेंग्राय'द्रार्थे'द्राग्वेशयदे इस्राचन्त्रासाध्यार्चे नेशाहेता सामहिसाया नहर हिर्। नेसामहिस्सा राष्ट्र-ब्रिम् वर्ष्रेया-न्वन्द्रमानाययायया श्रेन्त्रे,स्या-नुस्याह्या ऍ५ॱ५ॱवद्देवॱमः५८:वसम्बायःमःधुवः५; ग्रुयःवयः नहम्बायःऍ५:५;वद्देवः मा वेशन्त्रवर्गः ने प्यत्र से त्वर्गम् वयम् वयम् से रामि हेशामा प्रम भ्रीसिन्द्रम् । भ्रीसिन्द्रम् । भ्रीसिन्द्रम् । भ्रीसिन्द्रम् । भ्रीसिन्द्रम् । भ्रीसिन्द्रम् । भ्रीसिन्द्रम् र्रे भ्रेशनुः ह्या शुः पेर्नायाय हेताय दी वियान्त-। ने हेनायया यहिया यादमग्रामादी ग्राम्य विद्वार्य देव स्थित स्था स्था है ग्रामा क्षेत्र स्था प्रमान र्षेर्प्यायायहेवायावी वेशाम्बर्यायदे द्वेर हिना हे गरे पहिना हेव-५-नन्न-भी-धाय-५-स्ति-धिमा वर्षेयाकेव-यश्याह्य-। र्श्व-श्री भ्रे:र्ने:८८:५४ग्रथ:पदे:ग्राट:३ग्:८ग्:थ:र्गे:रेस:प्रेवेद:५:भ्रेस:तु:ह्र्य:८८: नित्रम्यास्य स्थित् सदि हेन उन की वहेन सदि हमा हैना निहेश सित् स्था वेश माश्रुद्रशासदे भ्रेत्र। श्रुत् भ्रुत् भ् धरःश्रूरःवर्ग्रेषः वेदःहैं।

रें। श्वीय गिर्देश श्री दे सा बदा श्वी प्रदेश पर से दायर से देश सुसा दुर्हि गया यदे अवर व्या मी पो भी अ है। इर कुन के तर्रे दे अक्षत है र बेर दा वा भुनिते कें भारवा सक्ति हिन्देर मा सक्ति है ने दे में देर मा व्यतः द्धेन के तर्मे त्या भू निवे प्यत् प्यते ही ना वर्मेया नायमा के मार्गे भू या र्सेन्याया है व्यापाय विवासी वर्षा कित्र स्वाप्त केत्र से प्रियाय पर्वे हैं न र्री विश्वानीश्वरत्रात्रवे द्वीरा श्रियायायात्रि दारे श्रिराक्ष्याके देशिया श्री यथे.लूरे.स.मु.तबरे.सर.बजा परेषु.बरे.ग्री.पर्गेष.कुरे.तम् कूरा.ग्री. अभिकारवाकी यार्च है वाता है विश्वाय विवासी व कैंत-में पित पर नहें द्वा है या से नाया क्षा से प्रत्य दिन निया है व। वेद्रासळव्यव्याच्याप्ताच्याप्ताच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्या क्यादम्या केत्र द्राप्तम्यायायाय विष्याम्य विष्याम्य विष्याम्य विष्याम्य विष्याम्य विष्याम्य विष्याम्य विष्याम्य होत्राधिवानविष्ट्रीमा वर्नेत्राक्षीत्वान्तान्त्रीया होत्या विष्ट्रीया वर्षेत्राच्या वर्या वर्षेत्राच्या वर्षेत्राच्या वर्षेत्राच्या वर्षेत्राच्या वर्षेत्राच्या वर्षेत्राच्या वर्या वर्य भ्री सम्बद्धार अस्ति सुरा भ्री सामुन सदि भ्री मान्तर पर मान्य सर्व हिरा है। क्र्याक्ष्या चिरःक्ष्यःक्षेत्रःक्षेत्रः विद्यायेत्रः योत्रः योत्यः योत्रः योत्य वियायमात्रयाः विनानेवासळ्याहेनाध्यायवाद्येमा वर्नेनाया सेससाउसा मश्रादेशम्बरायेदासरामयायाँ । पर्देदासवे मेरा पर्देदासे तुषाहे। देवाई या बदा श्री मिहिया पदिन सुवाह पदिन पदिन देन पदिन देन पदिन स्था देन स् यदेव स्वाय र प्रदे द प्रदे ही या वव प्यत । वेया केव सी अर्थे द त्या के मा वेगाकेत् गुःर्बेर्प्ययार्केशायर्केगावायपे पोश्वेशादे प्राप्त स्वाया ग्रह्मा केता 

यरायाक्षेत्रायाचे नेते बर्गे प्रवास्त्र व्यास्त्र वा मुख्या स्त्रे स्त्र विष्य र्सेवायाञ्चारोदायार्सेवायाञ्चारोत्वद्वद्वेरात् दे ञ्चवानेद्वेद्राद्वेरात्र वया कु:दर्भ:दे:अ:द्वा:धर:अर्देव:धर:ध्रेरा देर:वया वर्वोव:धर:र्श्ववायः शुः धेरः प्रदे श्रिमः देमः वया वर्षेयः चल्यः वाहे सः गमः श्रीवारः श्रीदे चल्यः मासद्रामदे से के नामस्यायस्य के सामी सुना से नासा वे साम नश्रिः निवः करः महिरः है। वेशः ८८-। मश्रेरः वर्षेटः वश्रा केमामश्रवः यश्रास्त्रवासार्श्ववाशार्वितः दशानित्वेतः दिन्दिवशान्यान्यः प्यतः स्वारास्त्र लूर्यस्थान्त्री विद्यायोश्चरमानाद्यान्त्रीमा लटायान्न्यायान्त्री योष्ट्रमान्या ग्री:ग्रुट कुन सेट नेर द्वा दें द्वा द्वा स्थान निरायशः सम्मेर ग्रुट के दाग्री कु यर क्रेंत्र मः धेत्र क्रेंत् भी। मत्र अन्निम्य भी ग्रुट्य क्रुव केत्र में अर्वेद या अर्डें र्श्वेरःग्रेःकुःश्वेर्यायादेशायराश्वरायराग्वायावित्ववि विशामश्रुरशायाशेः विष्यान्य के विष्या के विष्यान के विषयान के विष्यान के कुन के द में ने त्या नाद स अन्य द द सबर खुन ने जुर के द नाहे स से द यदे हिन नेर वया ग्रम्भनम ग्री हिन छन छन में सेर यदे हिन हिन म्रे। दे विश्वास्याम्य भूत्रा द्वारा स्वारा में निर के दान मूद के र मुंदे धेंदश गर्हे द हेश प्रश्न ग्रुट हुन हे द में दे गहेश ग्री मुर ग्रुट वेर र्श्वेत से क्रिस्य प्रमानित स्थित नित्र स्था से प्रमान में त्र प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से नश्रक्षेत्रः भ्रेतः वनः सँ प्रदे । भ्रितः या जान्दः ग्रेशः वेशः जास्तरः स्रेतः भ्रेतः

 विनः ह्वार्यासुनःस्रे। स्र-निस्त्रन्यः वेदःदेवे स्रेन्।

गहेशमायान्दिशाङ्कादै।विश्वायोदानियाश्वराध्यानगायास्यास्य वरःवर्गायः क्रेंबःसर। मानवः ग्रीः क्रेंबाइस्या ग्राटः खेंद्राया । विश्वः सेंग्रायाः र्ट-। वर्ग्यायम्। देः पटः श्रे नः द्रायदेषाः प्रशः श्रें दः पदेः श्रे मः वेशः श्रें प्रश ग्री:सबतःन्धुन्यायाम्बुस्य न्यार्थे त्यापान्ते वात्राने इत्यापर्धे नाम्या वरी-न्यायी-न्दर्भे यहिषाह्रवर्भे राष्ट्रे यान्दर्शेष्ठा राष्ट्रियायी वर्दर-द्रम्मान् अधिव पदि श्रेम् देर वया दे द्रम्माने देव द्रम्म पदि द यायदी द्या मी शागुन हिंच हु । यदेन प्या मिलन । यावन । ग्रीशर्देव द्या ग्रुश माद प्येवा । दे वे मानव ग्रीश ग्रुव हैं च प्देद्र । विश गुश्रद्रशासदे भ्रेत्र यदाव हेगाव दे। इत्य दुर्गे संगत्ते राग्ने राग्न्य व्या गहेशमार्म्स्य अद्यास्य स्थानि । स्थान्य स्थान् ष्ट्र'न'न्द्र'सन्नुत्र'पदे द्वापदे के स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स्थापके स रट कुष प्रश्रेस्र उस परि स्वाय स्वाय स्वाय प्रश्राम प्रश्राम प्रश्राम स्वाय स्वय स्वाय स्वय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वय विवास मदे भ्रीमा सदाव हेवा द मे। वाहेस मस भ्रीमें स दें स खें स मदे ग्राबुदःवहेत्रःह्रुःग्रावितःग्रीयःश्रेदःयरःहेत्र्यायवेःह्रवःवर्गेदःग्रीःयःवश्रुत्। यश्चित्रास्यात्रात्रेयायाः स्वित्रास्ये यात्रुत्तात्वे साह्यायात्वत् स्वीत्राः स्वित्ता हैं ग्रामाये द्वापार्यों राष्ट्री सामाया स्वापार्य । द्रमायमार्ट्रेयामायम् स्वायव्या स्वायव्यामायम् न्येग्रारेशःग्रीःहग्राराग्रीशास्त्रानात्रस्तानाते भ्रीत्रास्त्रा सदुःस्रानाश्वेस्रानाश्वेसाग्राम्यासाञ्चरस्यानदेःस्रीम्। जाववाप्यरः क्षातर्त्रिम् श्री भागविम् श्रीमा प्राप्त भीवा हिन से स्थान स्थान

बैरनेशासामभाइसाम्बदालेवासाम्याभावम। कू.बैरनेशासाकूयासा लशःहराष्ट्राचार्त्राचीरावहेत्रहराम्बरायाव्यायायायाः [महिरामायरक्षरायरक्ष्यस्य । विरामाशुर्यायये द्वीराद्य-। इसायम्यायस्य दे: भ्रीतामहैका र्सून मान ध्येतामा दि से दे प्येयन दे हिन धेव। विश्वाम्ब्रुद्यायदे द्वेरार्से वित्तरो इत्यादर्देर ग्रीश्वामिकायर यावव रच्या से विया या या या युदा यहें व ह्या या वव ग्री या सूदा या वर्षे र ग्रीः अः नाशु अः स्था श्रें तः वेरः नवरः नितः हैं । से नवा अः सर्वा नाः मदिःरेग्रयास्यान्तेः स्राविग्रयासदेः भ्रीत्। इसायम्यायस्य। देरापरावहरः मः अर्द्धन्यः द्वीरः है। विशानाश्चन्यः प्रदेः द्वीर। द्विनः स्त्रे। शेस्रशः द्याः प्रदेः त्थः नः ख्रुतः ठेनाः न्रेना शः ने शः शेः ह्ना शः वः नहेतः त्र शः ह्नेना शः वरः हेना शः व्यायाने त्ययार्वे दाव द्वाराया विष्याया या विषया स्था विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया केंत्र पद्मेर न प्या वि के वा त्या के या के वा त्या के व हेत्। वितार्थे ति विविध्याया उदायहेषाया । ब्रिंट हेट श्वेट हेटे श्वेट में उदा विरःक्ष्यःश्चरःसावःद्वयाया विरामश्चरयायदेःस्त्रेम् विरास्त्री महासः ग्राच्या व्याप्ति व्याप्ते व्याप्ते प्राप्त । व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व नन्द्रः प्रदेः ध्रेम्।

याह्रेश्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वासः स्वतः स्वासः स्

यदे हिं । दे सूर र्भूव पदे कु अळव वे पदे श हे श शु ग बुद कुदे ग दुय तुःदेःषःदेग्रथःठदःग्रह्यसःदुःदेशःयःददःवर्श्वेयःत्रुदेःवद्गःयेदःयःदग्रथः गशुस्र-१ श्रम् नुदे श्चेतः याशुस्र-१ श्रम् नुदे नुम् कुन मे त्यासकेंगः वर्त्तेर:न्यम् ग्रासुस व्यादि स्वीत् ने त्यःन्वीत्राम् स्वास्केन् नाहेन् नु न् र्धेर-पार्व-पेश-५८-। दे त्रशायसंपेश-पाशुस-५८-। इसासिहेद-५८-। यद्वित्रवाशुक्षाक्चीः वेत्रायळ्द्रवाशुक्षाद्द-। क्वेंत्रावाशुक्षाद्द-। वद्देत्र क्षावर्त्ते राग्नी अपन्यस्य प्रति श्रिम् दे स्वरावस्य प्रति स्वरावस्य प्रति । दे। कुन कु के द द व निर्मा कर महिला कु देश कुर द र में र मार बना मी निर्मा सेन-न-। ने हेशाशुःमातुन-पहेंताह्यामावतःग्रीशार्सेन-पानन-। ने हेशा क्रिंश मस्य र उद् । यदे व से द : द : या हव : या य य व य : क्रेंस : य ये : देस : य : वे य : यदे छे द भी व र यदे हो दे दे व द या हे र यदे या द या हु या हा हे या हा यह व यर वर्दे द द्वीं श य देवे छिर। इस व शेवा यश व हे खूद स्वा व स्वा गर्विसामित सेना विस्थान सम्भागानि सम्बन्धित स्थित विस्थान मु:भ्रेमा मुरायया । दे पळदारा दे दगाय राधिता । वेया गुरु राय रे से स दें वा ग्व्राळवं यं प्वी प्रमुद्धा प्रक्रिय सक्त है प्येव वे वा प्रिन्दी क्या दर्जे र ग्री अ अ गारे अ रामर अवसा नव गा है । क्रें अ रहे य रहा । हे अ र्हे न हि । धीन्षानुन्द्वान्यसून्रप्रे केन्धिन्यदे स्रीत् न्राम्यान्त्रियाया ने सूर नर्देश शुः शर् श्रूरा ग्रुर में न्यूरा है। नर प्रश्न न्यूर स्था ने महिषाया र्षेर्नम्हिन्यात्र्यायदे भ्रीम् वर्षेराह्मा वर्षेराह्मा वर्षेरा मु क्षायर्त्ते र र्श्वे द प्रवे द्वा साम दे र्श्वे साम साम सम्बाध सम्बाध समान सम्बाध समान समान समान समान समान समान ठत्रगशुसाग्री सुनवे र्स्ने साळ्या नसूत्र मदे भ्री माने से साम्या नि

दे'ल'दमम्बार्यायायाः मेन्यायाः नेयास्याः स्वार्यायाः सेस्यः नगदनसूत्राही सेससारसात्रात्रात्रात्रहेत्त्रमा भिःर्रेषार्देत्तायासी नहमार्गे दि नविव हिट्यी द्येम्य मार्थ द्या विस्था द्या यथ यह न्रज्ञानराष्ट्रा विया धेलेयान्यायान्यायेनायम् अरूपायोनायया अर्ह्यरायरायग्रीम् विभागश्चरमायदेश्चिम् विभाग्ने। क्रिनाममायायमा ग्र-। ने त्यः भ्रे न न्दरवहेषा प्रश्नः भ्रेंदरपदे भ्रेंद्र लेश ग्रु न त्यः भ्रेंष्यश्राप्य श्वेद रेंदि रेंद्र श्वें या पादे रेया या पीद त्या द्या या पदि है। वे या दर् । हैं गया न्गदायमाग्रद्भ। बसमाउन्नुपर्वे नदे नद्यासेन् नसूत्रपादे ग्रुटा सून हे : ११ नु : धेव : या द्वारा अवे : या अवे : या अवे : या अवे : या अवे : अवे वर्षाः वेषामाश्रुद्रशासवे श्रीमाद्र-। माश्रीमायश्री प्रदेशमा वर्द्रमामश्रवासा इस्रान्त्रन्थस्य ग्राप्त-। विदेश्हर्षा विदेश्य ग्री स्थाप्त विश्वास्त्र स्थाप्त विदेश स्थाप्त विदेश स्थाप्त विदेश स्थाप्त विदेश स्थाप्त विदेश स्थापत स्यापत स्थापत यर हैं गुरु परि क्वित त्यर है । सूर गुरु रूप परि स्वेद सेंद सेंद हैं त सेंस परि रेसाराक्षेत्राराधिताया वेसाम्बर्धरसारादे द्वेर हिरासेससार्केम्यायसा मश्रभुःदिद्देना ठदा ग्री हिनाश ग्रीश हो रायेदा ग्री सुरार्धे नारा बना नी निर्ना सेट्रंच्यस्य तुर्वे सामाह्य त्यास्य द्या र्स्सिस यात्य केंस उद्या द्वे सामा नन्ना पहेन श्रूर नर ग्रु नवे केन धेन पवे भ्रुर ग्रुर शेस्र कें न्या प्रस नश्चित्रः हेना दशेनाश्चरेशः ग्री हिनाशः ग्रीशः श्वेतः से स्वादितः ह्या नावतः ग्रीभः श्रेंदः सरः मानुदायः सदाः दुषाः श्रीं सायः व्यक्तिं सायः विदाने । गरुषाग्रास्टामुषाग्रीःरेग्रायारुदाहेशाशुग्गतुरायाद्वारियार्देवावहेदा ग्रे हिंग म र्श्वेट केट धेन मदे भ्रेम यह ने मन्या महिया महा महिरा महिरा

र्हेन्-मःर्ह्येन्-नायावित्रन्ते। हिन्टिक्याने-नन्यवर्द्धवान-नन्यन विग हिन्द्रभेग्राहोन् ही रहन्या धेव व ने द्रिम्य म्याहोन् ही रहन्या धेव मश्चितःसःदे। ब्रिंदःक्रेंशःदेःददःश्च्वःक्षेत्राःदश्चित्रश्येतःसदेःसळ्दः हेन् नेर वा र्वेन में कें भारता हिन नियम होन ही केंन भाषी न न सेंन वहेंबरळंदरअर्द्रभेग्रभरहोद्रशीरळंदरअर्धिवरम्बरहिवरम्पर्दर। बूँबरवहेंबर यश्चितःसरःवया विंदःक्ष्र्वःयहेवःक्ष्रंनःसन्दःक्ष्रवःहेवाःद्रभेवाशःदेशः धेव मंद्रे भ्रीमा वर्ने न क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विकास क्रिया वि सर्वि शुम्राकेन् सार्केमा उद्या र्थेन में दिन सार्थी हिन में किन सर मार्थी । र्वेन पहेन कर्म अन्य मार्शेन की कर्म अपने में में ने प्रिन परि ही मा अःग्रुनःतः र्वेदःवहेदःकेनःअःकेशःउदा हिन्छ्यशःहिनःगेःननःनेपाळनः सार्धिन समान्या हिन स्वना स्वना सामित स ठता हिंद्रा ही दूरिका सुवाया के का सका का हिना सरामा की विदेदा सदे। धेरा पर्रेट्या पहेन्यस्यायाधेनासरामयाचे । गान्नाधरापर-। र्वेनपहेना भैगानेशक्रेंशच्दा र्येदायहेदाक्ष्मायान्भेग्यायम् वयावे। सिंदारी न्सेम्बर्भरे स्ट्रिंस प्रेम्प्ये स्ट्रिंस प्रेम्प्ये स्ट्रिंस स्ट् न्वरःमेंदिःश्रेश्रश्रद्धरेनेशःश्चिरःन्दः। विश्वानश्चिर्यः यदेःश्चिर् यदःविः

डेवा'त'रे; र्क्ट्रेंत'र्द्रेंत'यहेंत'ग्री:विश्वायाधूत'डेवा'न्सेवाश'रेश'पेत' बेर-वा क्रॅब-र्य-क्रॅब-उद्या क्रॅब-वहेंब-लेब-च-लेंद-ब-क्रिन-लंद-चन-क्रिय-यर वया ब्रिंट दे दर खूब हेगा दक्षे ग्रम रेश प्येव सदे ख्री हा हान है। केंश सर्क्रियाची प्रमेश स्था स्वर हेया या है न्या यह या यह । निर्धिया या या है ह्रेयाश्वास्त्र । देशासात्री हिनासद्य । विशामाश्चरशासद्यास्त्रीम्। इत्तरायद्रेतः व। र्वेव में कंद्र सम सादिश्वामा प्रवेश सें वाम केंद्र में कंद्र म शुः धें नित्र हो हिना हो। हैं ना धुवा नित्र के नित्र हो। हें निर्मा निर्मा हो। केंश वस्त्र उर् या पहुर्ग रुट रु सून सरे हम् राष्ट्र प्रारा प्रेर स्वी रा र्वेदः ५ १ वर्षे देव देव से से देव धिरः जरावित्रारी क्रिंताचे प्रतास्थित स्वराप्ति अप्याप्ति । धीव वि व र्रेर सूर प्रदार विशा धिर व हिंद धिर धिर प्रवेश सर मा हिंद देर:बला देवे:ब्रेस हग्रशः वारा है। यार्य से वेंद्र में र ब्रूट पवे द्वर नेशार्धिन्यदे होता नेत्रवा केंशने सूर नदे नन नेशार्धन व केंशने र्षेर्-से-नर्गेश्न-मदे-द्वेर सन्तुन-म त्रुन्न त्रुन्न-महेश-धेर्-मर् वयां त्रु गरिया तुः गरिया धीता प्रेमा सूरा नदे । नवर विया धिना से गया सर्वेदा विशासवे सुदार्दे वात्रा सवे सुदा वर्दे दा से विशासवे सुदार के विशासवे सुदार के विशासवे सुदार के विशासवे गरेगाधेवादादायायाधेवादर्गेयायदे द्वेता यदावारेगादारे। द्वेत्ररेगा द्येग्राराचेशाची देव स्टार्स्या सर्देव शुरायाचेया यो शाचिया उराद्येयाशा

मर्भाष्ठ्रमः मदे देव भेवा बेरावा के वा रेगानेशर्स्त्रसंत्यान्द्रशस्य स्थान्यम्य वयावे । स्वासीन्द्रस्य वहें त'न्वर भे अ'ख़ुत' डेवा'न् क्षेत्र अ'से त' से देश हे व क्षेत्र से हो इसारेशायशा व्यव हेना न्येग्राशारेश संदे हिमा हिं निराने हिंगावन याधीता विकामां सुरका सदे हिमा वर्ने न ता क्रें ता वर्ने ता ता स्वापन नवे रूट देवा केंश उदा वालव देवा धेव पर वया वे । वर्दे द पर देवे हिरा वर्षिर गशुसः वर्देदात्रा सेगाने शागी वहेत इसाया गर्दा इसावहेत इसा महिराधेरामरामयावी विर्देरामानेवे भ्रीम यरामानेवानामे सेस्रा उदावस्य उदारी क्रिंग्य क्रिंग प्रदेश्य देवा दसेग्य रोग रोग रोग प्रदेश क्रिंग वेशन्माह्माश्रास्योद्दां नेराता विताता श्रीतात्रा रामा श्रीस्राह्म दे'त्य'विं'त'रे। ह्याश्रास्यायाता स्री शेसशं उत्पारिया यो क्रिंश स्वर्धे न्सेम्बर्स्करहें क्रिस्केम्बर्धिकराम्बरम् यदे हिम् हेम त्रा देवा लेश हा केश उदा यद्या सेट सर्दे सुस र् हैं या श য়৾ঀ৾৽ঀ৾৾য়৽ৼয়৽ঀৼ৽ঀ৾ঀ৾৽ৠৼ৽য়ৢ৽য়ঀয়য়৽ড়ঀ৽ ग्री क्रुन्य हिं या परि श्रून पाहे वा प्रेवा पर प्रया ये या ये वा पी क्रुन् यः वेंद्रमा सेदः हिम्मसः सदेः भेसः स्वः क्षेत्रेसः तुः वेदः श्वः द्वः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः न-निवेत्-तु-श्रेश्रश्न-ठव्-नाद-नी-क्कुन-व्य-प्यत्निश-दन-दे-भ्रेश्नेश-द-श्वत्-ग्र-ग्र-नन्गायद्देवाने र्श्वेनान्य हिनामये र्श्वेमा यर्नेनाना नन्गासेनास्रेन स्रामा र् हिंग्यायदे नेयार्य दे सेयया उदा वयया उदा ही कुराय है या परे गुहेन सें र म्या कें। विर्दे र यदे हिरा वर्दे द ता र र कुर वें गहेन से निन

बेदःहॅिष्यायदिःवेयार्यादे सेदायदे येयया उत्राधीरायर वया वै। | प्यत्यत्रस्तिन्दे। युवान्ने वायान्यवायाने या ग्री देवा स्वारी दिया शु न्सेम्बर्स्स्त्रेनेबर्ध्वरद्देवरसेम्बेबरग्रान्नेबरग्रान्नेबर्धर्म्बर्धान्यम्बर्धान्यम्बर्धान्यम्बर्धान्यम्बर्ध र्येद'यदेद'भेग'लेश'न्देश'शु'नभेगश'य'द'र्ह्वे'नेश'र्येद'र्य'ट्या'न्द्रिश' शु-दर्भग्रम्भाष्ट्रमा बेरार्से । दि त् र्यू व पहेन से गानि शादेश र्यू व पहेन र्देश शुः दक्षेण्या परे द्वेस वर्षेस ग्रुमा वर्देन द्वा क्रेंद वहेंद सेणः नेशः क्रें व प्रहें व से माने शाया र र रे मा धेव पर र र र या थे। वरें द र र रे रे से र वर्देन्त्रा नेशन्त्रस्थरास्टानी देने वास्तर्भना केत्र देवे भ्रेम वर्देन वा अक्षे ह्या है या राष्ट्री है या द्या किन सदी दें के या ठवा हिंद्रश्चा से महमा हैं नाया ही हेया दमना स्वदासदे दिया खुता धीता सर वया ने हिन ने अप्तर्था यह या निष्ठ स्था से निष्ठ से से स्था से सा बुनन्ता ने हिन्या सम्मेषा समेति सुराधित मानुना वर्ने न तो ने के सा वर्ष ब्रिट्रर्ट्स् क्रिट्र वर्षे रर कुर थूर के जार बना ने कुर के हेश र्यमा कर अदे नावय हा धेर यदे हुँ र हे वारावर्ग वर्ट्र रा राहें रराय हैं वा शुरा है |गाववः थर-१ हे अर्पयाः के अरुवा हिंदः हे गा ख्या धेवः ग्रुटः खुयः स्टः अळ्दः ग्रुयः वसः श्रुटः वदेः वेशः यः धेदः यदेः श्रुर्वे अः ग्रुवः वा नेरावया रहामी दें में रहा सक्त सर्वेत सुसान् सूरा नवे रहा रेगा धेता यदे हिम वर्षिम ग्रुम वर्षेम स्रिम स्रिम हिमाय धिव यदे हिमा

न्यमा धोत्रायदे द्वीत्र वित्राम्यस्य म्याव्यायान्। न्या स्वेरा ग्री ध्राया द्वी र्रेयावित्यसाधिवासरामया र्वेवायहेवासेनानियाग्रीयार्वेवायहेवासेना नेशः हें ग्रायदे हिमा वर्षिमः ग्रुमा वर्षेमः में वर्षे अरही नगर ने अरही ध्ययः ध्रेः र्रेयः वित्रः धेतः यदेः ध्रेर। इसः दर्गयः यस्। द्रवरः रेदिः सेसरा देः देशः ध्रेरः ५८-। विशागशुरशः प्रते ध्रेरः प्रविरः गशुर्या धरः विश्व ध्रुवः डेग्-द्रश्रेग्र रेश-वेश-प्रदे-द्रश्रेग्र राज्य र स्र र स् नवेत-तृःभूत-देना-त्रीनार्या-देश-ग्री-ह्नार्य-ग्री-स्युत-त्री-स्तुःन्दिर-ह्ना-नि न'गहेरा'सूर'में 'न्नर'भेरा'नबेर' बेरा दें ता है गडिम'है 'गहेरा र्खंन' समान्ध्रेयामान्यस्या नुस्रेयामान्यस्येन्त्रस्य सम्बन्धयामान्यस्य होत् ठेट तुः ग्रेग तुः ग्रेश खूद रेग द्येग रा स्या ग्रे समुद द्रे पेद रा देवे धेरा हिनः भेः अर्देर तः भें भें ग्राया द्वर भे या या देव गावव सेव नविव न् भूर नवे र्वे र वर्गे र रेगा अ ग्रार । गावव व व ख स्व रेगा र से गाय र अ धेव'सर'क्षून'सदे'सबुव'न्धेर'दर्गेन्'से 'रेग्र 'सदे' ब्रेन्'हे हे 'सून'त् इसन्ने सन्देशियानसा है। या पहिस्य विराधना मानिसा म्बर्स्य प्रति द्वीरः यर वि हेना व रो क्रिंव प्रदेश से मान्वे स प्रति व स्वार् नदे र्श्वे दर्भ निष्ठे भ दे निष्ठे न न्द्रे भ शु न्द्री न भ न दे र स्थित स्थित स्थित स्थान न्दें अरु नुसे गुरु स्वरूप स्वर्ते देशी कें बर्ग कें अर्ज स्वर्ण के कें विका कें जा ब्रूबः श्रेतः ५८: अर्के ५: श्रेतः गहेकः ग्रेः श्रेगः ने वः गहेकः ग्रेवः श्रेतः रें। गठेगा बुदार्सेट र् प्टेंस शुप्त से गुरु परि के प्टेंप प्टर परि खूरा खेता है । नेयार्क्य उत्। हिंदायर्केदाश्चेतारी योगनेयादेयादियां शुप्त येगायायरा वया ब्रिंट्र ग्रीश सकेंट्र श्रीव श्री मानेश या श्रूट न ते श्रेंब में हे न हें शर् न्स्रीम् रायते स्त्रीयः नेयात्रा क्रिंतारी या स्वापित स्त्रीता स्वापित स्त्रीता स्वापित स्त्रीता स्वापित स्त्रीता स्वापित स्त्रीता स्वापित स्त्रीता स्वापित स्

ॻॖऀॱऄॻॱऄॺॱॻऻढ़॓ॺॱॻॺॱऄॕ॒ढ़ॱय़ॕॱॻऻढ़ॆॻॱख़ॱॿॖढ़ॱऄ॔॔॔ॸॱॸ॔ॖॱॸॖऄॻऻॺॱय़ढ़ॆॱॺॖऀ*ॸ*ॱ व। रेग्रामुक् ग्रीयायाष्ट्रवासे। ग्रेगायासूरावाग्रेग्रियायासीसूरा वेरा बेर्न्द्रम्कुन्वर्भरत्यावियाः श्रद्भान्य वियाः विराधिकाः श्रास्त्र ह्रम्यास्यासुनास्थे। दे महिसारेम्यासस्त्रम् स्री नम् स्वासासरान्ये सेमा नेश. इव. लेव. राष्ट्र. हीमा इया प्रमेषायशा मेगाश समुव. नगा कगाशा शनः यं ठवा विशामश्रदशायदे श्रेम देशवा श्रेप्त मुनासून स्वा र्स्व से ८८:र्बे्ब वहेंब कंद संनुषासहस्र ५ कंद समादिम मान र्थें दर्भ द्रीय भारी द्रायी कराया है या यी भार्थे दाद है दाया सुना सर ही। नबेर्नसे हिम् दर्ने लेग्न सम्सेस्य है। के सामके पानी साद होया सा ष्य नेया चुरान्धेन्यायायाने स्वेयायान्येन्यायान्येन्यम् । स्वेयायान्येन्यम् ग्वित्र: तुं ते : संपेत्र : यः वे सः सः दक्षेत्र सः सः प्यः वे सः तुः दक्षेत्र सः सदे : यद्गः हेर धेर हैं। विश्वास्य सदि द्वेर। हिरा है। विश्वाद्व देश वार्य स नेशमान्द्रीयाशमान्द्रम्यन्याम्बियायन्द्रोत्यन्द्रम्यम्यम् नेश मुन्देशे वाश्वार प्रदान प्रवाहित वाहे वा पा उदा मी प्रदोष प्रमान प्रवाहित धेरा वर्रे रेग्राम्मुन ग्री प्यर दर्गे रश्यर श्रूर हे । । वर्ष्ठ्व य द्वो वर्ष्ठ वाह्याम्बरम्भेयाव्याव्याव्याव्याच्या द्वार विमामानुदानामविमायहेनान्त्री । माविमायमायदेदान्ताने स्वामा हिकार्की याधीतःस्थावितःसदिःश्चेत्र। देतःसय। स्वाद्धंतःसः ददः गुरुगः दक्षेग्यायः व गठेगार्भे अर्द्रभेग्रभर्दर्गे अर्द्रायान्य स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त गुअ:रुअ:अहअ:रु:द्रेशेग्य:द्र्गेय:य्य:दे:बुद:द्रेय:विग्य:पदे:बुदा

यश्चितःसदेः भ्रेत्र वितः हेर- । ह्याशः सुतः स्रे। यतः स्र्वः यद्याः हेर् याहेषाः धेव व इशामानव साधेव नर्गे शासदे हिम् द्वारेश एकः रमानेव व वेशामश्रुरशासंदे धेरा धरान्मे प्रत्व श्रुराम व रे भूव हेमान् श्रम् देशाया ह्या ग्वित प्रेत प्रयाधिय प्रमाया अंध्रया श्रेयया ध्रीया श्रीया ब्रुव हेना न्रेमिश हेश धेव पर इस मानव धेव रामार वेन सरश क्रुश इस मान्य प्रेय नेर है। दे हिंद श्रीया सरस मुख प्रे ने स मान्य से सस ५८-। अस्र ५८-स्रेस्य प्रयास्य हुट इस्य श्रीयाः वितर के न्याय पर्दे हैं। विष्यास्त्री विषास्त्री दिवे ह्यासारे रे देशसासाम्या से सेससासेससा ह्यादियात्रेयात्र्यात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र् नेयान्दासेययारुवा ग्री नेयाना गरिया ग्राम्यूवा रेगान्ये गया देयाया धेव परि द्वेर दरमें ग्रुव के अअअ अ दिश्वा अअअ ग्रुट न्धेग्रायायार्येन् हेन्स्रेय्या हुन्यान्धेग्रायम् सेय्यान्धेग्रायार्येन् यदे हिम् देर वया दे यहिषा के र्से र क्षेत्र समादे सूर दसे या भारत स्पर् यदे. द्वेर व्हिंश सक्ति वी. प्रत्येष या या श्रेस्य दिर श्रेस्य प्रस्त विद नशःग्रदःविष्यःसरः भेष्वग्रुरः है। देःद्वाः इस्रशःग्रदः स्रेरः सद्वाः हेदः लर्रियास्य स्वास्त्र हिर्से विश्वाम्य स्वरं हिर्म महिश्वास ह्या श्रे। शेसरा उदा ग्री श्रेरा प्रदेश मुरा ग्री प्राया मुरा ग्री प्रोया स्रीया स्र धेव-मश्र-इन-मन्दि। । धरामक्षेत्र भ्रवक्षिमान्धेमाश्र-देशः ग्रीदिनः

याडेवा:लूट्रं त्रंतुः लेक्ट्रं त्राडेवा:लूक्ट्रं त्राक्ष्यां व्याच्यां विक्रान्यः त्रियां विक्रान्यः विक्रान्

दे नश्च न्यूव के ना द्वी नश्च सर देश सदे देव पदी धीव है। व्यूव डेवा डेश सः भ्रवसः दर्देरः धुत्यः तुरुः वाडेवा सदे देवः दद-। दशेवासः संदे ळंद्र'स्रस्य द्रियास्य प्राप्त । देस्य प्राप्ते वित्र प्राप्ते प्रम्य प्राप्ते पार्वे पार्के प्राप्ते । स्थाश्चित्रः नदेः नुषः शुः नेदेः वाहेवान्त्रियः ग्राटः श्चितः स्था विनः वाहेवान्त्रियः ळॅ८. प्रमाश्चितः रंभा कीता. क्रिया क्ष्या श्चित्रः विभागवितः विभागवितः विभागवितः यदे ध्रिम्ते। द्येम्त्व। ध्र्वामें भ्रूवादहेव सर्व सुसाळद् समा ह्यामा र्येद'यद्देव'सद्देव'सुस'णद'र्र्र्रा'देवे'र्र्र्रित'स्त्रेस'स्त्रेस'स्त्रेस'स्त्रेस'स्त्रेस'स्त्रेस शुँदःनशः वियाय। शूँदायद्देवासद्दाशुस्रास्ट्रासन्दर्भागस्दि शुसास्ट्रा यश्रुंद्रिः नदे नुषा शुः श्रृंद्रिं भद्र श्रृंद्रिं यद्देव स्पर्देव शुष्ठा छन् स्यश्रुंद्र नर्भाष्ठ्रन हेर्यामा सुन्तु प्येत मदे श्वेर है। इस देश प्यश् सूत्र हेगा द्वेपाया यादेशायवे भ्रिम्। भ्रिम्पर ने भ्रिम्पत्र मान्य साधिया विश्वापर । भ्रिम्पे प्राप्त । वी'दर्शेष'र्य'ष्यं वेश'र्श्व'र्द्धवार्य्य'र्द्वेशेष्य'र्य'र्द्धवार्य्य'र्यद्वेत्र' उदाधिदान्तीः नावदान् दिसेदाया नेवायान्येनावायाः धारानेवायाः यदे निर्माने देवा विकामश्चरका सदे हिमा ने का सव रहें वा सुवा सुवा उदायान्याम् विवादनेया धेदास्या हिनासान्य द्वारा स्वीता स्टानिदा 

गहेशना अर्हेन त्या हे से सार्हेन पर हिंद रहें वा से दाया है त्या शेरानो इसामञ्जीरशासदी । विशासिनाशासुर-। वर्सेशान्यास्यवयन्धनामा गहेश इटार्से है। अर्दे ख्या रव वर्द्धेरा दे इस बर वर्क्च दे दे दे प ८८-। अवरःग्रेशःगवशःभदेःश्र्रेश्रथः यह्गः५गःभःने ५ नगःशेःवे८-। शेरः गे क्यायर नश्चीर्यायदे हिट दे वहें वाया श्वें यया पर वह गार्गे विया हेव इट. दचेषाचर. दच्चराचा बेश श्रेगश ग्रे. र्ट्रेय स्थर पर दर्ने चूर-। सबत. न्धन्यायायासुस्यायस्य न्दार्साया अङ्गायते न्याय्यस्य स्था स्रान्धायाय शेर ने इस न श्रेर्स ने वित्र म्य श्रेर नि सेर ने इस न श्रेर्स ने प्येत ग्रीः श्रूरानायान १८ मिटा केरा ने अस्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्व ग्रेग्रायदे ध्रिम् देम्प्रया केंग्राय देग्रिय ग्रेयाचित्र मास्य स्वर्पाय वित्र दे·महिरायमयानाधिरामदेः धेरा दरार्चे मुनास्ह्री हुमाळवाहुमार्हेमारा

हेशः ग्रे: श्रेटः नो : इस्रानश्चेट्र अप्रस्य श्राहेत् । द्वेषः हेन् शस्त्र । स्वास्य स्वास्य स्वास्य यदे हिम है हि यश दे शेट ने इस यर न हिम्स प्रदे हैं र दे दे दे त नित्रत्यार्चेन् नियाशी हिरारे पहें ताया र्यू स्था स्थापन पर्वा विवादिन ग्रम्केन भी हिम्मे प्रदेश भी में मुख्या माम लेखा लेखा मुख्या प्रदेश भी मा ने अन्त्री योश्रेन तर्रेन त्या विया क्षेत्र विया है या शु. याश्रुन्य परि शेर ने इस नश्चेर्य ग्रे अन्य शु हेत प्रतेष हैं न्या दुवा सर्रे वा सेर नश्री विश्वान्यस्थानदे स्वार्थान्त्रेश्वाना स्वार्थान्त्र स्वार्याच्यान्त्र स्वार्थान्त्र स्वार्यान्त्र स्वार्थान्त्र स्वार्यान्त्र स्वार्याच्यान्त्र स्वार्यान्त्र स्वार्याच्यान्त्र स्वार्यान्त्र स्वार्यान्त्र स्वार्याच्यान्त्र स्वार्यान्त्र स्वार्यान्त्र स्वार्यान्त् नक्षेत्रामहिरामशुर्यापदे प्रतिस्थित स्थित स्था है क्षेत्र प्रति । महिराम र्ये ग्रुन क्षेत्रे हे बूद प्रका दे प्यादनद त् ग्रुन वि श्री म हिर दे प्रहें द प्या क्रें स्व यर वह्नाय है। दे दश सेट में इस न है दश पदी विश्व पदि से हिंद मदे यस न्य निर्मे विकादर । वर्षेया के दाय में सर्वेद निर्मे यस कि निर्मे प्रमे निर्मे निर्मे प्रमे निर्मे निर्मे प्रमे निरमे निर्मे प्रमे निर्मे प्रमे निर्मे प्रमे निर्मे प्रमे निर्मे प्र यदे द्वापदर्रे राया दे देव से द्वारा प्राप्त प्रेम प्राप्त होते हो वा प्राप्त से प्राप्त प्राप्त से मदे हीं मा हिरारे वहें ब इसामर न ही हरा न है हिरास हिरास है एस न्ह्रेन्द्रमा वेशमाश्चर्यस्य द्वेरा महेशमा मुन्से हे श्वरायमा श्वेस मदे यस पर सबर मुका मानका मदे क्रिंसका मर दर्गा म र ग्राका न क्रा यःधेतःयःनेःन्नाःगुरःर्वेनःमयःग्रेःर्श्वेययःयरःयह्नाःययःवसूयःयःधेतः है। वेशन्द-। नकुन्र्सून्यमा स्वायर्भ्यासम्बर्धाः वसमा उदःधिदशःशुःम्बुदःनरःवर्देदःसशा वेशःददः। देवेःवर्गयः छेदःयशा सवर ग्रीस नात्रस परि र्स्ने समा पर पर्वा मा प्राप्त मा प्राप्त नि यदः विदः म्याः ग्रीः भ्रूस्याः यर त्र्वा यसायस्यायस्य प्राये विदायर विसायर ग्रीही

विश्वानश्रुद्दश्चित्र। देश्वत्रश्चेत्रभाक्षेत्र्वर्ष्ण्याः हित्रः देव्यः विश्वानश्चित्रः विश्वत्रः विश्वत्यः विश्वत्रः विश्वत्रः विश्वत्यः विश्वत

यहिरान्य स्थान स्

শুখানা

वस्त्रीयाध्यावह्यान्नीरानायवानरानेरायवे मुन्।

यानयः सर्केनाः ज्ञानिः देते दिन्दः स्टेन्नियाः । श्रुनः नस्त्रुन् नर्ज्ञः महिष्यः निष्यः निष्यः । नर्जे सम्बन्धः स्वानयः सुनः न्वेः निष्यः ।

## क्ष्रियायया हे हुँ म

र्श्वेसर्यायम् तह्ना परि श्वेम् ना सेट ने स्यान श्वेट्र संस्था है सा निर् वदेः धरः र्सेटः विवेषाः दर-। वस्रसः वात्रुवासः वक्कुट् यः वर्वेवाः सः श्रेयः वदेः <u> परःश्रॅटःग्रेच्यःद्र-। अन्नरःग्रद्धश्रेष्ठश्रद्भगःद्र्यःद्र्यःदर्</u> श्रेषानवे सर दें द्या गरे गा स्थया ग्रुद्या पदे सुरा दर में ग्रुन श्रे। सर्ने प्रमा रवायर्रे राग्नराकेवाग्री हैरारे प्रदेवा मेरामी इसामराम् श्रीरमा यानाराने वा रवावर्दे रायदे त्या द्वारा के वायदे दाय विकास ने त्रात्र स्वायाय स्वयः प्रायः भी सकेन भी भी स्वयः दह्ना यदे । । ने त्रयः नश्यामिष्यात्रियात्र्या । दे नश्याम्बर्धायात्र्या । दे नश्यामिष्यायात्री दि वशानस्य गान्तर्दर्भे स्वर्ते दि सेर मे स्वरं मर निश्चर्या स्वरं निर दे'यहें ब्र'दे' नहर व्रश हें द् क्या ही हिर दे यहें ब्र'या क्षेत्र अर पर यह वा वे विशामश्रुरशासदे भ्रिम् महिशास मुना स्री सर्ने तथा स्वादर्वे महार केव मी हिर दे पहें व मी में दि माय दे मार वे वा परे पा मार केव न अस गहरून्दरमें वार्श्वेस्रायरप्रम्यायस्य दे निविद्यान्य विकास्य विकास्य र्ध्वेययायरायह्यायाद्र-। वेयायाश्चरयायये भ्रेम याश्वयायायात्र भ्रेम र्शे । दे :यश :यदश :दश :दर्शे वा :या : श्रें सश :यम :दह्वा :वे । विश :या दश । दे'द्रश्यत्र्भेशसेद्रसेद्रभें सकेद्रयम् दे'यशयद्शय्यद्शयम्पादर्भे र्ध्वेयरायरायह्वायायार्ध्वेयरायरायह्वार्वे विरामस्यर्थायये ध्रीम् वर्ति मः श्रुवा स्ट्रें। सर्दे प्यस्य। सहस्राध्यम् सावत्या प्रिते सेस्र प्यस्य प्रस्तियाः यदे र्श्वेस्रम् स्ट्वायाया स्वास्य स्ट्वायं । दे यस यद्यात्र सहस्राधरास्यानवनायदे सेस्राधान्यम्यास्या । दे त्रसादर् वेशसेट सेत्र

विश्वास्त्रम् नश्याम्वित्त्रः म् विश्वास्य स्वास्त्रः स

गहेशनान्ध्रम् नर्डे साग्री नसूत्र द्ध्या विष् नि नर्वे ना न्दान करा यदे रेंब्रुस्य पहिंग द्वारा विस्य या निकास मानिक स्था विसास्य प्याप्तर र्शेट्यरवेट्यो र्श्वेर्य सेट्यो इस्य म्रीट्रिय पिर्वे स्वर् हेट-। व्य वेशास्त्रान्यात्यास्थ्यात्रम् द्भूस्यायह्ना न्ना त्यास्नाया सम्बन् न् दह्नामदे सूँसमादह्ना श्वामाया महत हेर-। दर्ने न स्वेमा से नामा ळेचा मद्राचा हे अर ग्री अर अळ अअर दहें द्रा ग्री र दें द्रा शे अअर दहें अर शुर न सूद्रा गठेग'र्र'वेश'र्सेग्र'ग्रे'केंग'म्र्र'ग्रेश'ग्रेश'सर'र्देर्श'पर्रेर'सेस्स' श्चेलान देवानसूर् दरान उर्थाय दिया शुरान सूत्र द्या वारा परा पर द्या श वद्यानदे पर्दे पर्दे निष्ट वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे षरःश्रेरःश्रेष्वरः यादेषादेशः वृत्रायायः यश्रुवः यदेः द्वेरा इयाय वरः सूरः र्रे। निश्चन दुवानिवर पर पेरिने। मुद्यानिर वशा शे वर्र र वर्गे विश नशःश्रुंसशःदर्गानकुरःदरःवर्गेनाःसःचकुरःश्रेवःदशःस्वाशःसत्रुदःदः वर्त्रे नदे में नम्यानसूर्याया वर्रे नायर वेर्या में नाया महिर्या ग्रीरा है यस पर्दे न से समाया पाद साम दे तुन कुर न सूमा पर्दे न समा दे साम दे स मरायापिकार्तरः विवार्तरावेकायिः मरायापिकार्तः । सेप्टर दॅर-वेश-धर्भार्श्वेयस-पहुण-द्र्ण-द्र्र-पर्देद-सेसस-द्र्ण-झेप-द्र्य-सुण्य-वस्रेटायमा ग्रेगान्दातमा भ्रायद्यायम् विमायमार्भूसमायह्यानम् दरःवर्षेत्राःसःवकुरःश्चेतःदशःस्वाशःसन्नुदःर्,वर्षे वदेःर्वेर् क्याःवसूशः वा वेश मुश्रदश मदे हिमा महेश मं मुन हो। मश्रेम वहीर वश्र वहेंद न्त्रात्त्राचार्यस्य वर्द्द्रात्रेय्यायात्र्याच्यात्रेयात्रे हिन्द्रात्त्रेयात्रे हिन्द्रात्त्रे हिन्द्रात्ते हिन्द्रात्त्रे हिन्द्रात्ते हिन्द्रात्त्रे हिन्द्रात्त्रे हिन्द्रात्ते हिन्द्रात्त्रे हिन्

सबदःर्शिरं तातार्याया यथ्या श्वरायश्वरायशा र्रासेयः ५८-। र्श्वेस्ररादह्वाःवीःर्टे:वॅ:५८-। वस्वाद्धायःयः५८५ यःस्वारायसा दर्भायापारी हेवाद्यायार्थे वादारी हेवाद्यायार्थे वादायार्थे वादायार्थे वादाया वसन्दर्भेर विनः बेर वा देवा पह्नाम खर्मा नेस रन मवस पर्म वर्गेग्'म'र्चेन'मर'वश्रुर्' विश्वाग्रुर्श्वायाश्चे वश्चर्'मर'न्या द्र्यान्वतः देवे हिमा परावि हेवा दरो दसदायस हैं दर्श सेंदर दर्श स्वाप्त प्राप्त ळन्।विंत्रशर्भेनायायह्यायान्नस्यायन्तन्ग्रीःन्वेन्रायाधेवानेनाव। देः वः नमवःलमःर्मेवःर्भःमःर्भः नवेशम्बर्धः सम्वर्धः मुन्योः सबरः नव्यः र्श्वेयशायह्यान्त्रासेन्यम् न्यानकवानेवे सेम् वर्नेन्से न्यान देवे क्रुट् ग्रे अवर ग्रव्य स्वयं अराधर प्रमुप्त प्रवेश्वेट यो क्रिय प्रमुट्य ग्रे हैरारें वहें दार्थे रामवे छेरा इप्तरा दे दशा शेरानी हरा न श्रीरंश मधी किरारे प्रदेश या भूस्य या व्याया विया पर । देवे बरा ग्री सर्दे प्रया ग्रद-। दे द्वारा वर्षे ने दे दे दे दे ते दे ते ते ते विश्वास्त के विश्वास्त के विश्वास्त के विश्वास्त के विश्व के विश्व

वह्नायान्त्राः में ने न्नाः इसायम् छे वित्रसेत्नो इसायम् न श्रीत्सायवे हैरारे वहें दाय खूँ समाध्य प्रत्या विभाग सुरमा परीय । ग्रथर र्वेत पर प्रया र्गेव सकें वा श्वेत प्रथा न्यूय प्राचेत्य से राम यद्वेश ग्रीश देश प्रस्ति वृद्द प्रदेश ग्री स्था प्रस्ति विष्य प्रस्ति विष्य प्रस्ति विष्य प्रस्ति विष्य प्रस्ति विषय प्रस् सरायह्वासरावाश्वरकासवे द्वीराबेरात्व। दे से विष्ठासराष्ट्रा सुरादेश <u> अ.चक्केर.त.र्थात्र्यात्रात्रर.र्ध्रीशश्चारात्रद्यात्राचर्त्रयात्र्यात्र्यात्र</u> र्वेन-न्यानभून-मासाधीन-मदे-धीम। नशू-नायशःगुम-। नभूतामःग्रम्याः बेद्रायाम्बेशाग्रीयादेयायराद्युरावदेग्व्यास्त्र्यायेययाद्याद्यादेश नविव निवाय पर्चित नव त्रें स्था न स्वत् न से विया न स्वत् न स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्व धेरा दे यार्वि वरे। वस्त्रयामा महस्यासे दाना विश्वासी साम प्राप्त हुर विवासरावया दे राजकुरायरा होदासदे ही या वर्देदा से व्यापी व्यापी वर्चरमी च नवे क्रिमा र्या मुख्य व व नव र व मा मुख्य व नव र व नव र व मा मुख्य व नव र व मा मुख्य व नव र व नव र व मा मुख्य व नव र व नव धुवारुद्राधेन। विशानविरामाधानुदेशम् गुत्राम्वरानुमा लर्पायाञ्च वार्यात्रेयां अर्थायसर्वाश्राणी कुर्पायां के विष्यं के विष्यं विषयं विषय बेर-दे। दे-दे-ताः श्रूबमाय-तह्मायायाँ दर्मिमाया बेर्-पदे श्री साही दे यन्त-। न्यानर्वेषायादर्वेषायम्भूष्ययायम्यह्वायायविष्यं न्यवश्यी:केन्-न्याशुर्यायवे:सर्ने-न्न-न्यूव-नर्देयः इस्याधे त्यवन्यनः वया वर्रेन्यनेवेरिष्ठेना गावन भन्। सन्सावस्यासाग्री कुन्गी ने र्पेन

यर वता अरश दस्याश ग्री कुर ग्री अवर यात्र श्री अश दह्या द्या प्रांति यदे भ्रिम् यमापा हेगा तम् । यससामान्त्र श्रेया श्लेस र्वेन प्रदेश स् र्षेत् वेरत्। सर्देत् ग्रेवेंत् मयाया भ्रूस्य रायर यह्मा त्या दारे दे प्रयस गित्रक्षेयार्श्वेयायार्श्वेययायरायहणात्यात्यात्यात्यायराष्ट्राया वरेदेवेर्षेट्र म्याताः श्रुव्यवान्यम् तर्म्यान्यम् तर्म्यान्यम् वर्ष्यान्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् वर्षे देश'नश्रय'गिहत'दर'र्से'त्रश'र्ध्रूयश'यह्ग'नक्चद'र्नेर'त्रश'यर्गेग'सर' र्श्वेययायरायह्यात्याराधिरायरावया यदेवे वे दिवासार्श्वेययायर वह्नामवे क्रव र्वे अ व्याप्त मिन वर्षे दिया वर्षे दिया वर्षे प्राप्त के अ विकास मिन वि रेट नशक्त में शक्त भारत्यत प्रथा से त्या प्रेट हो मा हेर मणा सेट हे <u>५८.५६६८ अभ्रम्भाषेक्र.५८.य.यष्ट्रेय.५५.५५.५५.५५.५८.५८.५८.५८.५८.</u> यात्रवारिंदरशेययायर्वेदर्शेद्रियात्यायर्वरे हिम् इयावन्दर्वया १५४ र्वेशः इस्रशः वनशः दस्रदः प्रशः हेदः ददः । दस्रेग्रशः प्रदः । इसः पः ददः । र्ध्वेययायह्याप्तरमेराना इयामानवियामेरानवे भ्रीता खेता खेता होते हो या वया वर्देर्शेयमा अर्देन र् होर से त्या वेमा मुस्या परे हिरा विकेषा दरो यदालदानरानुः सामञ्जापादी स्पर्का स्वा केंद्राम्या की स्री सम् वह्नासाधेत्रप्रस्था र्वेद्रम्या ग्रीदिस्यानिसाधेत्रप्रेति श्रीराद्यस मिलेश मध्यापि के निर्मेश प्रमेश प्रमेश के माने के मिल के मिल म्याग्री हिर्दे त्रहें व ध्येव प्रमामया र्वे नियाग्री निर्देश ग्रिव निरासक्या नवगः श्रुवः गरेगा गे अः न सूर्यः प्रदे हिरारे वहेव धेवः प्रदे श्रुरा देरः श्रया र्बेट्-म्बर्ग्यो न्ट्रिंश-पावि न्ट्रिंसहस्य नव्या पिर्वण पीर्शनसूर्य पिरे वि निवा

ग्री-१६४ मिन्यान्य प्राप्त के स्तर के सळ्य. ग्रीश्रासर्दे. पट्टा संबेय. सरायम्याता. सार्वे स्थान्ता. स्थान्ता. स्थान्ता. स्थान्ता. स्थान्ता. स्थान्त वहें तर्न निर्मित से हो निर्मे हैन्यायाधीताहे। श्रेषायान्द्र। वैसायानाष्ट्रायनायेन्ययार्थे। विश्वानेना लर.भर्र. पर्मेत.री.भ.ध्या.मीश.सूर.यात.री.मधर.सश.सूरी विश्वामाशेरश. यदे द्वेर ग्वित्पर-। र्र्युर्न राशेर में क्यान क्रेर्स ग्री है सामग्री है म्बानी मेर हेर हेर हेर के ब्रिस्ट के स्वरंग षरः सः नहुन्। सदेः षरः र्सेरः र्सेर् नवः ग्रीः हेरः रे वहे व्याधेवः सदे ग्रीरा ह्यायाप्या वर्देन्ता यर्देग्यया येटाची ह्यायर वर्धेट्यायं हेटारे वहेंव दे नित्र वर्ष में दाना की हिर दे वहें वर्ष भूसर पर वह ना में विभागशुरमार्भाष्यप्राप्यम् वया र्ह्मेरानाभेषानी द्वारान ही द्यारा ही हिरा दे प्रदेव निर्मा वर्षा विद्वाल की हिन्दे प्रति प्राप्त की मान ह्रमायामयाः वियासे। नेदे हेया शुर्से स्वयास्य पहुना सदे हिन स्वयाना र धेव वे व वर र् अप व इवा चये । धर धेव । धरे । वर्चे र चुर के ब छी हिर हे वहें ब रें र मत्य है मार बे ब वहे व्य चुर कुन शेशशन्यवायशयान्त्रन्यस्य मेश्वर्त्ता श्रीयश्रीयश्रीयश्रीयश्री । विष्युत्ते । विष्युत्ते । विष्युत्ते । विष्युत्ते । दर्मे वा परि प्रमा के किया में में किया लट-। हे.कॅट.जर्भ। क्रेंश.सप्ट.जश्र.लट.शबर.म्रीश.यायश.सप्ट.क्रेंशश. यर वह्रमारा द्रम्याय ध्रेयाया वे द्रम्या में द्रम्या में स्था मे स्था में स यर वह्ना प्रश्न सूर्य पेंद्र है। वेश म्राह्म सारी विष्ट्र प्राप्त स्था र्वेन् म्या ग्री क्रेंन् नवे केट मे क्रान क्रेंन्स हे साग्री माट न्टर साक्षेया नवे षरःर्रेटःगेःर्रेवयादह्याद्यां विराम्या ग्रीः दर्या ग्रीक्या यस्याया

लुय.सपु.सुमः स्यायापया यावय.लट-। त्योता.कुय.तया ट्रे.लट.सबमः ग्रीयान्ययान्यतः र्यूष्ययान्य प्रमान्य प्रमान्य विष्या । विष्या इट्-म्यान्त्री स्थ्रम्य स्ट्रिया स्था व्यूष्य संस्थित स्थ्रा स्थ्रम्य स्य स्थ्रम्य स्थ्रम्य स्थ्रम्य स्थ्रम्य स्थ्रम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्रम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्य स्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स्थ्यम्य स् नश्चित्राहेशासुःवि नश्चित्रः व्यूत्राम्यान्य न्यात्रः वरात्रः वरात्रः वर्षाः वर्षे वारावे । प्यतः र्शरानी र्श्नेस्थायह्या प्रमुर्जिप स्था मी प्रम्यानी देश र्श्नेस्थायह्या साधितः यदे हिम् हम्यापया हिम् ही असे पर्याय से वार हिम् स्वाय पर्याय नश्राधियःसर्पवश्रास्रदश्रासद्गास्त्रीर। यावयःलर-। याश्ररःपस्रीरःजश्रा सर्ने त्रोयानु समामन्त्र वासुरमामासी त्रम् प्रमामन्त्र है सूरान्दा त्रोता केत् मी खुर रे र्या मेश रे खूर स न न र रहे हिरा मन्तर पर । दसम् नश्री नकुर र्रेट मदे स्वायाया निवेद सेट मे द्राय केट्र मारी हेया शु र्देशमिविष्यम् प्राप्त स्थानहुन्। स्थानहिष्य स्थानहिष्य स्थानहिष्य स्थानहिष्य स्थानहिष्य स्थानहिष्य स्थानहिष्य बिः क्ष्रर सेट जो इस न श्चेट्स हे स सु । धर सेंट वर्षे जारा श्वेष नरसा नन्द्रस्य वर्षे वर्षेत्रम्य श्री द्रिया ग्रिया ग्रीट प्यत्य प्यत्य प्रमाय वर्षेत्र प्रमाय र्शेट्ट मार्ड मा स्रोट्ट प्रिया पर्देट्ट से तुरु हो। प्यम् रास्य दे सूर्य स्वर् यानार विन हेर्नि र्रोक्ष हो सारे से दार्थ प्यार से दावर्गिना साझे याना न विन यदे हिम दरमें व्यव के वाके र वही र तु अर्रे दरका स यका हर के द ही। र्वेद्राम्यादे ग्राटाबे वार्ययादे वेद्रायदे त्या बेद्रा सूरा सूरा सूरा व्यापनी गा यदे नर नर । दे यश यरश वश नश्य गात्र नर में वश नह सश हे श्चित्र स्टे दे त्यर त्या वर्षे वारा श्वेया द्या विश्वा वार्ष स्टिश्च वार्ष श्वा वार्य वार्ष श्वा वार्य वार्ष श्वा वार्य वार्य वार्ष श्वा वार्ष श्वा वार्य वार वार्य वार्य वार्य वार वार्य वार्य वार वार्य वार वार्य वार वार्य वार वार्य वार्य वार्य वार्य वार वार व गुनः हो वर्गेयः केतःयथा ने सूरः सुग्रायः नदः समुत्रः सः नदः सुग्रायः नदः सेः सञ्जर्भामा के साम्री साम्रामा करा महिता महिता साम्रामा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स

दर्मे ना रादे अर्द्ध रहे द शे श्रेष्ठ अराध र प्रह्मा स र म् म् स्वीर से द दि र दे र र स षरःनश्रयानुदःनरःमें यः श्रूष्रश्रासरः वहुनाः श्रेःने वशायरशादशः दशः वर्गेनामाया वेशमाशुर्शमधेरधेमा हिनास्री वसन्यश्रेमानम् निनास्या भ्री समुद्र पार्च स्वर्ते स्वर्त स्वर्ति प्राप्त प्राप्त स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर्ति स्वर् दर्न गहेश ग्री सर्ने से समुद्र या दे क्वें न दर्भे द ग्री स है वि दर दस्याया या स वि'नक्कुन्'ब्रेंन्'रा'इन्ब्र'यर'वळन्'र्ने । विश्व'ग्रस्य'यदे'द्वेर। येग्रथ' *चन्द्रप्रचाश्र्राधीःषीःवोःसःद्रवाःवीशःग्रदा*अर्घेद्रास्थायेवाशःसरः नन्दःद्वा । नान्व स्पद्न । र्सेन द्वा ने सार्वे सार्वे स्वर न न्व द्वा सार्वे । वि द्वा न न स्वर सार्वे । याधितासराम्या है। विष्ट्रराधितास्यादम्यादिना प्राप्तासम्बद्धाः श्चीमानरानन्त्राचे भ्रमा वर्षे र्नेव वरे हेर ग्रे नवर र अहर वया मुळेर वसूव य वे। वया र्ये अं अहेर थे ह्या विश्वामाश्चरशायदे हिमा दे त्यावि दाने दे ता इसामन्या यदःलदःचरःर्'अःचञ्च्याःचदेःलरःदूरःदुःर्युक्षःकःचन्नूदःचःद्रसःलेतः यशर्चेन् म्या में नेर्देश माने साधिन है। नेर्श मासुरश साधी प्रवन पर वया ग्रां प्रांच क्रां च क्रां चित्र व्या च व्या र्वेट्राम्यायाधीतावेर्यायादेर्द्रेत्राधीतायदेर्युम् इयायन्द्रायया श्रेयायविः दर्भारदान्भ्रियाद्यादम् नार्मे नार्मे नार्मे नार्मे नार्मे नियाप्या मदे मत्र मत्र भवे भ्रम दे न्य किंतर हो दे के अरुवा में द नाय में भ्रम अर वह्नासंधितःसरःवय। सवरःग्रवशःश्चेःक्वेंस्यःसरःवह्नाःसःधितःसवेः हीरा देर.वता र्थूयशतह्वा.र्वा.त्यायवर.क्याश.श्री.र्थूयशतरार.तह्वा.

मदेः र्स्रेम्सायह्मा प्येतः मदेः द्वीरात्राया ह्याः स्रो हे स्यानम् । मुर्ग सरसः मुर्या ग्री नगदः नगुनासः सर्वे । ग्री विष्टा । प्राप्तः हेना स्री विष् वक्तर्भेरायाययाश्चर् हेते त्र्राख्यायुर्यायारे वार्यात्राप्तराह्या ग्री-र्यट्र-र्युम्बिन्। हे.ब्रि.यम्ब्र्य्,क्र्ट्रम्याम्ब्रुम्मान्नेनार्याम् न्वरार्हेन ग्रीन्वरात् ग्रुशा बेरान् अर्दे ने ग्रिश ग्रीशास्तर सरावी के नत् चु:नदे:न्न्यानु:ने:वर्:व:न्न्यान्न्यान्यः ने:न्न्देश:ग्रीश:न्युर्शःस्वः देवे भ्रेमा वर्देन वा के ब्रिकेट केन न्यान विष्य मुख्य माने प्रमुन केन त्याहै। श्रायायाधीयाई नवे धिरा देरावया वत्याधी केरात्या वत्या ग्रुषः चुःषशः न कुर् क्रूरः चवे केर् र् चुः चवे ग्रुषः चु र् नदः चे क्रूरं चवे । धेरा देरःचया देःसर्वे र्श्वेर्यास्य स्थानी सार्वे प्राचित्र प्राची सार्वे स्थानी सार्वे सार्वे स्थानी सार्वे सार्वे स्थानी सार्वे सार्व मुन्युर्यायम् अर्गे र्भेमायदे में नासर्म्यानस्य प्राप्तान्य स्थान उत्रस्यशहेशासुपदित्याम्ब्रह्मायि। द्वरान्त्र्यम् द्वराम्या ग्रुर्यासंदे भ्रिम् ने ग्रुया ग्रुप्तर में हैं ह्या क्वें द्या साधेदायम वया व्यत्यवार्याचीयायीयायात्राचित्रं नायायी हित्रेत्रं यहेत्र या व्यत्ये के त्र-क्र-भेर-न्नेश्वाद्यां वर्ष्य-क्ष्रिय-प्रमान्य-वर्ष-प्राप्त-। स्राप्ति यर<sup>'</sup>ष्पर'ष्पर'दर्शेदे:श्रेव'र्केश'ग्री'दर्शेव'र्पा'र्य'र्द्रा सक्स्रश्रादहेत् ग्री'दर्देत् श्रेश्वराम्बेशक्षाक्षेत्राचित्रम् व्यास्त्रम् विद्याम्बेद्रम् मित्रम् विद्याम्बेद्रम् वर्गेना मन्त्र श्रेष कें रावें दा श्रेश रावे र स्वा निवास र स्व ब्रेम विमासे ने स्मायहर्म मान्य स्माय स्मा वेत्रच्यानवे प्रत्य प्रत्य विश्व प्रत्ये च्या विश्व वि

क्रिंश दर्भे वा पा न्दर दर्दे द र शे अश वाहे श रेदर व र व वे श रेदर व र अ अ र शेश्रशक्षेशक्षेत्रक्षान् । त्राच्यान् । उत्तर्भाव । त्राच्यान् । विष्ठ । यस । याव । विगाग्यसर्त्र्न्र्र्स्र्र्भूत्र्यदे छे खूर्यात्र्र्यस्य श्रेत्र हे त्यत्त्र हुरुर्भारे दे हो निर्मार प्रमेर प्रमेर स्था देव गुरं निर बना नी हिन सर प्रमाद विगान्यसम्मास्य सम्भाष्ट्राचा प्रमान्य स्थान्य वर्देन सेसमान उदासा वि ना देश खूदासा तुमा ममा श्रेन हे ता तुन पर ग्रयान्यः विश्वान्य्यान्यः स्टेर् हिना हिनास्री सर्दे ग्रिश्यः ही द्वीद्यायः गरः बगायगदनिगादरः ग्रहासः ग्रहासः स्ट्रास्य स्ट्रास्य स्ट्रीसः वास्रीसः वर्षेटायमा सर्ने महिमाग्री दर्गे दर्भारा दे स्ट्रेस्स् विमाग्रस्य पर्वे मुर् इ.स्यांश्वादेशरा यीया है। यीरायदुः कु.तंशायोरा वया यी विरासरा दवादःवैवाःयःदर्वेवाःयःययःदर्देदःयेययःग्रेयःयूटःत्यःयःपॅदःयदेःग्रेत्रा देरःवया वुरःवदेःकें तसामरःवमामी विद्यार्यः वे सूरासूरः वृत्रायः ऍन् परे न्नर नु जुरा दर्भ है । ब्रे न्द र दर्शेष पा से तु न कुन् सर श्रेन हे दे व्र-इन्स्याम्बर्स्यायदे द्वेम मुस्य द्वेन त्यम नेस्य द्वन वित्रे हैं। दंश'नाद'वन'पि'ठेना'ल'ले'नकुद्रस्य 'इदश'स'ॡर'दर्गेना'स'लश'दर्देद् श्रेयशःग्रीशःग्रदःष्ट्रदास्त्रास्ति हेशःमाशुद्रशःसदेःभ्रीम्। धदावःहेमानः रे। ब्रैंरज्ञायारेटाब्रेंरज्दाहे ब्रैंरज्ञिका विकास का दूरा दें। वा केटा वो उत्तरा र्श्वेषरायह्मान्त्रां लेखान्वन्यां से स्वर्धां से रामने वहाहे प्यम श्रंशासी निवेद संदे होता दे दिर्देश मविदे न सुर्शास्त्र न नदा होता संदे होता गुर्भर पर्सेर प्रमाग्रद्दा गृहेमारा या गृहेमा स्राप्त पर्दे स्मार्ग्य | इस्सें या महिन्न वर्षे मा साइस्सा श्रेया नाइस्सेया नदे से साम हो । विना

महारमाया होता इस मन्द्रायम ग्राप्त । महिमाया हे सर्दे सम्बर्धा न्र्याश्चानम्बर्धियाराष्ट्रायात्र्वाराष्ट्रायात्र्यायात्रायाः यदे हिन हिन से। यन स्थानिहेश ग्राय दिसा ग्राविदेश महिन्य सुरस् मास्रेन्द्रम् समुत्रामाधेत्रमित्र मात्रत्याप्त-। दे प्रद्वेष्णमार्थेन र्श्वेययायह्मान्त्राः क्रियाच्या वित्तात्मा क्रियाची हिन्दो प्रदेश प्रवास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वा सहस्रान्तवना निर्वास्य हिंद्र ग्री र्स्नेस्य स्ट्रिन प्राप्त । हेर्स हेरा दे सामना नश्यामान्त्र-दूर-संव्यार्श्वेयश्चर-प्रद्वाप्यदे द्रिशमानेदे हिर्दे प्रदेत धेव्यविष्ट्रीम् हे बूट र्यं स्ट्रिं इट्याय एया स्वावर्ट्ट महार केव् ही हिट यात्रवाद्याः विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्यास्य विश्यास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्यास्य विष र्श्वेषश्चरायरायह्वार्गे ।दे यशायरशावशावश्चरायह्वार्माहे यरा नस्रम्या नियान्य नियास्य नियास गर्नेगश्री हैर दे पहें तर्दे र नदे । धर रेंद नी मेंद न व राज्य हैर देर:वया भ्रूंसरायह्वा:दवा:या:सर:देररास:व्रुग:सर:सर:सर:सराविश: व्रेन्परे सूर्यमायम् वार्षेत्र प्रदेश्चिम् वर्षिमावस्य विमानस्य प्रमास्य श्यायायास्त्रेयानमानस्यामहत्रान्यस्यायम् गहर दर में रे का वर्गे गान के वा कर के राम है। बीका सके ही मा मार्थ र वर्षेरायमा हिरारे वहें वर्षेराम्यारे माराने वा स्वावर्धे सवरे वा ने रूराष्ट्रराष्ट्रराद्यायवीं नारादे नरार्टा दे यथायर्था द्यार्था नश्या नार्द्र <u> दर्सि दश्य न इस्र भारे श्रेद्र हेदे न र त्य वर्षे वा मा श्रेय दश्य वेश वाश्वर श</u> यदः स्त्रेम सियः हो दे त्यश्यायम् अत्यव्यावेशायदे सुरुष्ट्रिया प्रमान्त्र यादर्वे वा सदी हिरारे प्रहें वा सहवा सदी ही मा ने स्हे वा का का विराधि मा

वर्षिरः वाशुमा धरावः हवा दः रो इत् क्या की सूम्राया वह वा धिवः देशयः यवि श्रेय के राशे पर्यापा के राशेया प्यय कर प्रवास राश्वा से रा मयायाञ्चेयामविष्ट्रेयाळेंशासेन्यम्में देसावळेंयात्रशास्यानाम्हेना सेंद्राचरात्रयाः हिंद्राग्री हेंद्रान्याग्री हेंद्रा श्रेया पवि श्रेया हेंद्रा श्रेया केंद्रा श्रेया हेंद्रा श्रेया हेंद्रा श्रेया हैंद्रा हैंद्रा श्रेया हैंद्रा हैंद्रा श्रेया हैंद्रा हैंद्र श्रेया हैंद्रा हैंद्रा हैंद्र श्रेया हैंद्र हैंद्र श्रेया हैंद्र गहेशकेंग्राधित्रम्याद्यत्रमें वर्देन्त् क्रूर्या सेरामे स्या न्द्रीत्राग्री हेरा शुः क्रेंस्राया पहुना द्वाप्या प्याप्य सेंद्र नी क्रेंस्राया पहुना के रा उत् र्वेन् म्यामी हेरारे प्रहेत्या धेता प्रता र्वे या मिता से या के या मिता से या से या मिता से या मिता से या से या मिता से या से य वर् न निर्मा के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य र्वेर्मण में हिरादे वहें वा धेवायवे में या देरावण विरावर र्वित विराव वर्षायह्वायर होत्यवे हिटारे यहें वा धेवाये होता हिना हो। विता क्षेत्र यानरानु विराजान्य केयाना मारानु दानी या के माराने हिरा देरा मारा हिंदा सबर वादशः स्र्रीस्था पह्ना प्रवृति हे था दे । साबवा वर प्रवृत् वे र देशः नश्रामान्त्र प्राप्ति ता श्रूष्ठा श्रामान्य प्रमान्य विष्ति । स्वाप्ति । स्वा लेव.संदु.हुर् हेचार्थ.क्र्य.क्रव.श्रीयां यावव.लंट-। लर.स्ट्रां रायाया गञ्जारा नकुर त्या दर्गे ना सार्थे या नदे । तर् क्रि. क्री. न रासा ना नद । दर सेंदी । र्श्वेययायह्यायांचेयाःचें दे केंया उद्या विदान्या ग्री हिटा दे पदि वा यो वा प्राप्त प्र प्राप्त प्राप् वया श्रेयापिते श्रेयाके सामित्राके मार्के प्राक्षिता हो सामित्रा हो सामित्रा हो सामित्रा हो सामित्रा हो सामित्र हिंद्रश्चेषाम्बे मुद्दानवे हिटादे पद्देन धोन्न पदे हिन् सम्मन्त्र हे प्राश्चेषा र्केशःग्रम्स्टर्यस्य अःग्रुवःसःनेदेः भ्रेत्र सःवसः वर्देनः व नेः केशः ठता श्रेषार्श्वेषाग्री हिरारे पहेंदा याणेव प्रमानमा वित्तामा ग्री हिरारे पहेंदा याधीवामानेवाधीमा वर्नेनायी त्याने। श्रेषाञ्चियाची नेनानेवाधीवामवे धेरा देरावया श्रेयामविःश्रेयाकेंशामारास्टामी हेरारे पहें स्थीतामवेः

यहिता ने निविद्या स्था स्था निविद्या स्था स्था निविद्या निविद्या

### नरःकन्ः सेन् परे हे हैं रा

वर्ते निया निया ने के स्वार्थ के

नर्सन्त्रस्य स्वर्धित्र स्वर्धित्। विश्वर्थ स्वर्धित् स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्येत स्वर्धित स्वर्य स्वर्येत स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर

सन्दर्भ निर्मायाम् द्वाप्तरम् अधिवागश्चरानस्याञ्चरास्य हु-शूर-पदे-वेश-रव-श्रीश-वेद-पदे-श्रेशश-द्मदे-हुन-पद्-। इस यहिंद्र-द्रिशाशुःश्चेद्र-होद्र-देवे सळ्द्र-हेद्र-बेद्र। द्रुयायहिंद्र-होद्र्य मुरागुरायदे मेगा केवा गुर्भेरायया केंगा उदा देरामया देदे भी देरा ब्या ह्यश्रादर्से ग्रुवायायार विया यहिषाया धराग्रुवाय वे भ्रीमा दर्से । न्तरक्षे हे क्वेंर्येय प्रत्ये हिरा महिकाय न्त्र के के कर हिर हिरा हा यर वर्रेर वा क्रिय समय थे भ भी मा भी मा वर्रेर में ही मा क्रिया क्य.ग्री.ट्रेय.यर्षे.वे.त्या य.सक्त्रया भिय.यहत्या वियापश्रिया मदे: धुरा धराव हे गात रो क्षेत्रायम हे क्षेत्र रूट-। नर कर मेर मदे हे र्श्वेरामहिरायम्या नेरात् दित् नरक्ता सेरायि हे श्वेराया र्श्वेरायस है र्श्वेरःग्रेथःयः विचः परः चया देः पिद्देशः दर्पायः पदेः श्वेरा ह्रायः प्रया पर्देदः हें व्यव ख्रश्य के द्वीद्रश्य प्राधेव प्रवेश विश्व के'नश्राधेवाहे। जाववार्वावाचराकन्सेन्डिं झॅसाडे'साधेवायरावशूरार्नेह हिलेशाहर-। इसामलरायमा क्षेत्रायमा हे क्षेत्राक्षेत्राही हर-। नराकरामेरा ई.रेटु.विर.सर.क.यकर.सदमः वेश.यशिरश.सटु.वीरा विश्वास.क.पूर्. वारी ने पहिषाक्षे रहें वाया स्वी से नाम माने करा से निक्षे से साम स

धेव परे भे माना परेंद्र से त्या है। क्षेत्र से स्वाय क्षेत्र देवे हे या सुप्तर कर्सेर्डेस्रुविस्रुम् ग्ल्रियेश्यान्त्रिस्रिस्र गर्भरप्रदेश विष्ण क्रिंस हेते हे अप्यानर कर से रेपिय प्रसामी हे से क्रि नः धेतः समार्थे । विमानाशुरमा मदे द्वीरा धरार्वि तरो ने निष्ठिमाय दे यान्याः यान्याः वी विनास्य स्था नुष्या ने याहे या से व्याया नि से ही रा व द्यारा ग्रेग हु या हु या प्यारा प्यारा प्यारा विवादी । यदे दा से त्या है या से त्या है या द्रै-सं-सं-द्रम्-स्य-द्वित्। मुडेम्-व्रिय-य-द्रम्-स्य-द्वित्र-स्ट्रे-द्वित्रः देतः वर्षा र्देशनभूत क्षेत्र के ते जाहेश त्या विद्रास्य स्वित्र स्वास्य विद्या स्वास्य ग्रुवाकी द्रमान्त्रिया लटावाक्षिमात्रमा हे से दे स्मानमान्या क्सर्याते हैं गायते सार्वे तर्दान्य स्थाया धेताया नरा करा से राहे दे र्याता शर्चेत्रहुरः बद् ग्राट्सेद्रप्रशाह्यद्रप्रमः वित्रः हु वेशाम्शुद्रशः प्रवे हिम् हीरा परापाउँगायारे। महिताग्रुसानस्यार्भेसानीःसेससान्यारे स्या वर्चेरानारा इसासिक्षेत्रान्रें सार्धित न्हें सार्वेत होता निरा करा से दा हे दे सार्वेत हेट. बेट. ये। स्थाय हिया छी. यव्यया सुटा शुटा यदे हो हो संस्था सह साम स्थाप सह स्थाप सह स्थाप सह स्थाप सह स्थाप नेर वयः सर्वे व च ने दे हो र हमाय मय प्राप्त या

पहित्रास्ता विक्वान्ते। कृत्यवित्वस्य स्वान्त्र स्वान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त क्ष्यान क्ष्य क्ष्यान क्षयान क्ष्यान क्षयान क्ष्यान क्षयान क्ष्यान क्ष्यान क्ष्यान क्ष्यान क्ष्यान क्ष्यान क्ष्यान क्

मुं.क्ष्रावि अक्ष्यं धेरार्ट्राचना अक्ष्यं में हुरा रेरावना रे.वरा वदे वर कर सेर हे पेंद्र यदे हीर वेर व। हग्राया स्वा ह वर वर्देद व। रटक्रिंद्धन्त्रे क्रिंद्धा स्थाय हिन देर्श्या सुर्वेद्धा स्था देवे क वशायवना सदे हिरान साहियां मिर्साया दिया क्रिंच सबदे पर कर सेर यसः भूनः हेना न्दः सें कुन सबदे नर कन सेन यस नु वस से । वर्नेन नदे यर वयार्थे। विर्देद यदे श्रीमा वर्देद वा सम्स्रो भ्रीद श्रेमा दूर में विषय र्ह्रूट.ये.श्रेम.वेश.तर.वतात्र्। विर्ट्रेट.वे। ३.यर्। श्रेश्रश्च.र्श्व.र्श्व. कुनानम् । मैन्याश्रीदाष्ट्री स्रशागुमासाधित् । विशादमा विशासमा मे रेश ग्रुट कुन पर दे रेग्या पर साधित हैं। विश्व रहा। सूट हेगा सामहिश यासेन्यम् कुन्दरव्यस्य तृति सळत् हेन् सेन्यम् हेन्यान्य वस्य गुःनःसेन्यां वेशःगशुरुरायः इस्रासे त्यन्यन्य प्रात्या विन्यीयः नरक्रासेर्यसम्भेर्ये मार्रे मार्रे नरक्रासेर्यसम्बद्धा वर्षिरः वाशुमा धरावः हेवा वः रो क्वा सम्वेतः वरः करः सेरः वसः भ्रानः हेवाः श्ची साम्यासासी विद्या दें ता दें ता दें ता सम्यासम्यासी का से द यर वया दे अद्वाधी या सेद यदे धेरा ह्यायावया वर्दे द से बुरा हो। भून केना संप्येत प्रदेश होना केन केन स्वाया स्व डेगासासी श्रीना समायनितासा नुसाळ सेना ग्री स्मान हेगासा भ्रास्त्रित्यम् श्राम् वार्मित्रम् भ्राप्ति । विमान्त्र-। देवाळेवा वर्षेट्यायय। हे.ब्रेट्सेट्ड्यायवर:ल्ट्या ।ट्रे.ब्रेट्ड्यायवरद्युयः वहवारान्वीय। १२.५४. सूर् हवा वाश्वयः वर्वा ही रः । विरावाशुरुरा सदेः धैरा

नश्रवाञ्चिताः श्रुवाः श्रेषाः द्वाताः नदाः नहश्राः ।

### नश्यानुःसँगासुन।

गिरुषायानस्यानुः विवास्त्रनासेयाः द्वायान्यस्य प्रमान्यस्य ।

विवासिक विव वर्रे यात्री रवाहु श्रुम्बर्थ कुर्य सर्मेया विश्व इसाय वहु दुवा द्वा हु निवेद्य विश्व मुद्दा विश्व मान्य मान्य विश्व अन्त्र क्यायात्रययाउन्याद्वेतायाहेन्न्र्र्यायायायायावे स्तिन्तिहेन् यग्रमा वेर्यायात्रमा सेस्रयाउदाइस्ययास्ट्रार्याम्यसार्तात्रमान्यस्य विशासदे र्देव पळ रामर पदी हुर-। महिशास दी। इसा सहिव रहा नर ळ८. श्रेट. कुषु. रश्चेमाश्राक्षात्राचे हेव. वश्चाने व. महिशादमाया नरा ह्या न इस्रश्रा भी विवाहिता नडु नुवा विदाने। धुवा भी क्षेत्र नडु नुवा हु नुवा नि धेरा यस क्रेंस राया महिला देवे प्रत्र राया महिमा मिले परे दा महिला यानिका हिन्यमानिन हिन्यिते हेन् स्रीत्र वर्षे यानिका हिन्यते हिन्यरायान्वेन अर्देनहिन्यान्दरानेवे श्रूटा ग्रुपानिका यस मी दिने यान्वेन र्रेट्याहेर्ट्ये नर्याहेन र्रेस्य वित्र र्रेट्या वित्र देर्स्य प्राचीत वन्यम् मयान्य महिना क्षे नहु नुना विन्य ने वि हिम व ने वा के न व न गुरुषः तुते रुत्ते : नशः इर् रुपते : द्वेरुपे ग्रायर हैं ग्राय समय प्याप । बेशन्त-। वसराउन्सिह्येन्यहेन्। हेन्उन्यहुन्याधेन्द्री बिरा নাধ্যদ্রমানর শ্রীমা

सवयः निवास सामा स्था निवास स्थान स्य अन्याधित तर्हेना याधित प्रशाहित बेरात्। शार्वेत ग्री शुःना नविना भ्री राया र्देव-द्रसायरामुन-यरामणा दे-स्ट-र्देश-द्रशामुन-प्रदे-ध्रिरः वेश-द्रेदेशः श्रुभार्त्युःसारात्याययद्भारावे श्रुवायवीव केंशाउव। देरावय। देवे वीरा देरम्बयः क्रेंशरुवर्रेधिवरमदेखिराहे। देखरमाडेमार्धेरमदेखिरा हर वर वर्रेन व नेशय धेव पर वय थे। वर्रेन परे भ्रेम वर्रेन के त्रा है। श्वाधीवानवे श्वीमा नेमानवा गुवाहें नार्श्वी उवानी ग्रावाणीवानवे श्वीमा है। रटर्ट्शवश्युवाराण्युवार्ट्याधेवारवे द्वेरा वर्षिरामशुर्मा धटावा विमानारी वर्तराम्ब्रुवारी मिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिनायापिना वहें व सवे अ र्वे व प्रमा ने अर्दे व शुरागर रुदा व दे र व श्व र व श र व श्व र व श र व विवास्त्रवारी अळव हेट् नेरावा वर्टर वस्त्रवा वर्षा नुर्वे वास्त्रवारी विवास दगासेंद्राधराम्या द्रसानहदावम्दायदे मुंद्रा वर्द्द्र से त्राही वर्द्दर गर्हेशन्त्र-। से त्र ने दुः तुना सैनाश ग्राम् धिन प्रति से न न में ग्राम से हैं। वर्षेयाकेवायमा देग्वमावागुवाईनाद्दार्देवाद्यायदेश्वी ठवार्षी स्ववाग यार्ची देश नविव र दें व दश दर ग्व हैं न क्षे व र यव गदन दर्गे र प्रश विशादम् । है हि सूरायायशासम्। म्यायी यहें प्राये त्यसासम् सुया यासेन्यम्यहेन्या वेशन्त्। इतम्यत्। इस्यायावेषेन्यनेयावे। | रन: तृ: क्रु: त्रुयः कुट्: अर: र्केया | वियः म्युट्यः पदे: ध्रेर| हम्यायः महियः यः ग्रुवः भ्रे विशेषः क्रेवः यथा ध्रुवः ग्रीः द्र्येः वश्वः द्रदः प्रवेः भ्रीः व्यापः प्रवाः प्रवाः प्रवाः प्रवाः ह्रियाना सम्मद्भाष्य । विशान्ता विशान्ता विश्वाना हिया । विश्वाना हिया । यास्त्रवराष्ट्रभागुमान्यसुर्वातुषान्तर्वे विद्यान्तर्वे विद्यान्तर्वे विद्यान्तर्वे विद्यान्तर्वे विद्यान्तर्

यदः द्वेर धेत्र द्वा विश्व ५८ - इस यन् ५ त्या ग्रह - ध्रिय की ह्ये द्वा नइ:इगः हः नवेदः भदेः भ्रेम विशामश्रुरशः भदेः भ्रेमः मवदः भद्रा देः न्ग्राकेंश ठर्वा ननेत्र महिशारेंशेंग विमायामित सम्बन् न्यन् से नुमानम वहें व सवे अ रें व दूर | दे अरें व शुरागर रुट धेव सर वया व सया ग्र क्या मियाला हियाना विया हियाना हियाना हियाना है वियाना हियाना है वियाना वियाना हियाना शर्मेर्दे परासाधीता सर्दे त्युरापरासाधीतामदे स्रीता परामि हेगातारी ग्वाहें न क्वें रुद ही सुद गाय देंद न्य ही त्यद पदे नय प्याहिन। देंद न्या र्भ्भ रुद्या क्री ने त्या गृदा है ना क्री त्यदा यदे न का स्वर्भ हिना ने स्वर्भ व्यवस्व स्वर्भ स्वर्भ हिना ने स नर्झेसामायान्वेसामासेन्यमा यसामहेसाग्रीवर्मानुह्र्यस्या ह्यरं वर्षा सर्वे र् से होर् पवे हिम् वेषा पवे ग्वा हैन हैं उव ही स्वाना कैंश उत् देव द्रा में क्षे क्रा यव में द्रा के स्वर मार मार मार मार में क्रा के क्षे कर ग्री-दे-लिव-सदे-ब्रिम् वियायाम्याः ह्यायाग्राचानः हो ग्रावः हितः रेवायास्त्रवः ग्री चया ना सून सदे मुन्या धिन से हो हा ना सामा स्था नहिसा यःग्वः ह्वां सृ तु नर्गे द स देवा या या बुद ही देव प्ये द पदे ही स वा यो र वर्षेटायमा देःवारीयामास्त्रवार्वात्राह्म्याह्मामास्यामार्गेट्वमान्यास्या ५८-। वेशमाशुरशमधे भ्रेम इन्नर वर्देन शे तुशके। ने व म्यम् क्रें वया द्विया से दारी व्यव हो दार्वी या या दे ते से दारी दाया देवा या सम्बद्धानिक वार्षा मुद्देन वार्ष दे हिन्दा विकाम सुरका प्रदे मुन् मान्द पर-। र्देव-द्रस-दु-वर-ळद्-स्रोद-क्रेवे-द्रसेवास-स-सेद-सर-वयः र्देव-द्रस-र् पुरानिकासेर् परि हिमा वेशायि सुरानिका केशा गुरा हैन हैं। व्यायवाने द्वायायराष्ट्रया देवाद्या क्षेत्रवाने स्वायाय विवायवाने स्वायाय

वियायाम्या ह्यायायायाया है। देवाद्यायी ह्यायायायया देवाया सम्म य्वतःगाःधेतःसदेः धेन। नेनः त्रया र्नेतः नयः हगयः शुः नर्गेतः तयः र्नेतः नयः वयानाययेतायये सूत्रानाये ताये स्थिता हिना हो ने ने ने नाया सब्दान ही ने न धेव मंद्रे श्वेर है। देवे देव मार्च मार्थे द मंद्रे श्वेर मार्थे र प्रश्नेर प्रश्ने देव <u> न्याह्माश्रास्त्रीन्यम् न्याद्वान्याम्यानायमेवानव्यः । विशामाश्रुम्यानवेः</u> धेरा इप्तरपर्देन्से तुर्वाते। नेप्यार्देवप्तयातु नेवेप्तरीयायायी प्यार यर पर्देर यदे प्यव हो र देवीं या यदे हो या यो र प्यो र प्या हेव दया षाधर देव द्या शुः क्षे वया यव याद्य द्वे या श्री विया या शुर्या प्रदे धेरा धराव हेवा दरो वहु व त्याव वदेव य वहिषा ग्रदे व्यव ५८-। वहु महेशमायापमधेनामी ग्राहर्मिन महेशमी प्यतान्ता नामिन नामिन यानिकाराष्ट्रायानुमानायामिकायान्त्रयायान्त्रयायाम् विकासी त्यानिकार्या हैंग्रायान्यादे स्वायाया सुरत्ते न स्वाया स्वया स्वाया स्य गहेशगदिखन्द-। न्रुःग्रेग्रायायाग्र्नाह्नायाधरावेग्रासुःनदेखन ५८-। ग्राव्याम्यार्थः स्वार्ग्याम् हिनाग्री त्ययायने यथायम् सहिन् प्रवे श्रीमा गुर्भर दिश्वेर त्यमा हैंग्रम दुर्गर दुर्ग साय नदेव सामि क्रमा प्रदा नहुः ग्रेग्रायायाग्र्राहेनायाधरावेग्राग्रेशस्युत्वेग्रान्ता ग्रव्यास्य उर्'या गुर्हेन भी त्वर पर्ने न सामा निया मुहार सामे ही मा षराविक्षेत्र विक्रित्र निविद्या विक्रम् वया हिंदारी अन्त्रा प्राया यदेवा गहिशारी त्यवा होदा ख्यादे । गाववा इस्य यासर्द्धरमान्य सूरानदे द्वेर देरामया देशान प्रामे हेरायन महिना ग्।ग्वाहर्म्याञ्चे उदाधिदासदे द्वीर वार्यर प्रदेश वार्या विवाय प्रायाधिदा है। द्वाराया वया सर्ह्यस्य सर्भ्य वया वेस दर-। वासेर प्रसेट

यथा वर्नेदे हें न यव गहेश ग्रव हें न क्षे उव हैं। विश रें। । ग्रवव पर-। हेनाय:८गाय:<u>हे</u>य:यञ्चरय:८८:यठय:यय:यत:ग्रेट्:ळुव्य:ये:५वट:५२: वया नशयानु नहु नुगानी न्त्रा सान्दानहु सान्दानहु याहेशासामाशुसा यःगुर्त्रःह्न्यःग्रेःयदःग्नारःविया यावदः इस्रशःयः नर्द्रशः नस्र्वःग्रेः हेशः वर्गेः लःगुनःह्निःग्रीःवनः १ वृंगायम् देशम् । व्राप्ता विकार्या । वर्षे वार्षे देशम् । वर्षे वार्षे देशम् । वर्षेषामवे न्वेन्यामाधे व मवे हिन्। ह्वायान्य में व्यवस्था ने वार्यया ग्रीव क्रिंच देवाया समुद्रा की सूद्रा मा प्येद स्वेद स्वेद स्वया द्या । य-८८-वर्ष्ण-४-८-वर्ष्ण-४-वर्ष-४-वर्ष्ण-४-वर्ष-४-वर्य-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्ष-४-वर्य-४-वर्ष-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-वर्य-४-या विश्वासार्य स्त्रीमा महिश्वासास्त्री महिमारास्त्री महिमारास्त्री मिन् इसशर्देव दसर्दर गुवर्हेच ग्रीरेग रासी संवुद गहिशा गरिहा वया नदे हेशरको दर-। वेश गशुरशर्धर धेरा गशुराय गुरा है। गशेर रखेर चलेव र्से । लेका मार्स्टर स्था स्था स्था मालव प्यान । कार्से सम्मान कार् युःग् क्रेन्र पासे तबन्यम् सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध स्थान् क्रेन्य क्रे न्यर मेश प्रविषा पार्ड सार् वर प्रवे हिया वेश प्रवे व्यापसूर केश रहता ग्वःह्निः क्वें व्याह्मायाया सुनः ग्रीः यवः ग्रीतः रेमायाया प्रें वित्रया क्वें वर् ग्री वर्ष त्यूर प्रेत स्थे मुर्ग वियामानियाः ह्याया सुन द्वासा यदे देव द्रान्य न्य कर् ह्राया शु नर्गे द रादे खा द्रमु र प्ये पार । विवास यानुनानी त्यव दर्गे या सदी ही म्र स्यान निराय या निया सर्दे न द्या क्रें उव धेरा इतरादर्रियं भेरत्याते र्वा देवार्या क्षे विवासी स्वासी स्वास ग्र-प्य-ह्रम्थ-सः ग्रुन-ग्री-प्यत्वित्व्यास्य द्वित्वा द्वस्य न्यन्ति स्थान्यन्ति ।

र्ट्रेव.रेश.सू.२व.ग्री.प्रेव.ग्र.ता.पीय.हूरा.ता.हूरा.यश्रमायायाया.ग्री.तय. दनद्विमान्निकासासाधिकार्ते । विकामासुरकासदेधिमा मावदाधर-। शर्चेन्यश्रुम्तुः श्रुद्रायः श्रुद्रायः श्रुद्रायदे द्वदः वीश्वायवता सः सः धेन्यदः য়ৄ৾৾৾৴৻ঀৢ৾৾ঢ়ৢ৾য়ৼয়৻য়ৢয়ৼয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৢ श्चेन्यदे भ्रेम वेशयदे प्रयादशुर केंश उता देव न्याय हें शहे हर्णश यव ने द्वारा निवास स्वया स्वर्गा स्वर्गात्र में स्वर्गी म्याप्य स्वर्गी स्वर्गित स्वर्गी स्वर्गित स्वर्गी स्वर्गित स्वर्गी स्वर्गी स्वर्गित स्वर्गी स्वरंगी स् हियायाम्या ह्यायास्त्रीयास्त्री न्यायायदे पर्देनायदे ग्यायास्त्रीयास्त्री वर्गेद्रमदेः चयः दशुराधेदायदेः द्वेरा वर्देद्राक्षेः तुषः है। गुवः हेवः क्षे छवः ग्रीः त्रयः त्र्युरः प्रेतः प्रदा । वितः यः यात्राचारः यतः ग्रेतः द्वीता प्रदेश श्रीरा इस्रान्निरंत्रमा वेस्रामागुर्देनार्झे उदाग्री वसावग्रमाधेन धेना मासामुनामदे प्यदामान्नामे मानामदी । विसामासुनसामदे सुन। मानसा वर्तेन ख्रियायवर विराधन स्ट्रा वर्ते प्रति । वर्षेयायाय वर्तेन । द्रायवि देन <u> २८:गुद्रः ह्रेन:२८-। विशासशामहिशानश्रृदासर:नभ्दा म्याशाळराधरः</u> यदेव गहेश र्शे र्शेन गुरु पार्ट । द्योप केव र् । यहेव र्शे सम्बद र्धेग्रथः द्याः दर-। विशासशायित्रशायश्रवः सरायन् दाये प्रयोगः केतः लेग्रासर हेश ग्रीस्य है। ग्रीस प्रेट्स प्राया मुन सूर र स्टा मिन गहेशर्श्वर्श्वर्यस्त्रपादेत् स्वत्रित्रप्ति । विश्वास्त्रा यदः अन्यायदेरावर्षायः कुरादराह्मायन्द्रायु हो ह्यायन्द्रायया हेर यानिक्रान्दाविकार्कार्के राज्यानिकार्वे वानिकार्वे वानिकार्ये वानि ग्रीयानियानेयार्थेयार्थे । वियानियानियान्ति । वियानियान्ति । वियोगान्ति । वियोगान्ति । र्वेर-वळर-भ्रुवश्राधेद-पवे-धेर-र्से । दे-श्रेग्रश्चर-घर-घर-र्से-। । गहिरामान्या निवासे मित्रामान्या निवासे मित्रामाने माने सामाने साम

ग्रें क त्र प्रतिष्ठ प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । वर्षे प्रति । वेया सून ग्री सळव हिन्। ने त्यं न्री ने त्यं न हे त्यं न हे त्यं ने स्व इगान्दे-। ने स्रमः र्के यानवे शुक्र यही वासूमा श्रूमा नहु । इगा गहि शार्ये नाने। श्रां अप्तार्हे ना प्रमान । श्री साम्रामा भी मा भी मा से स्वार ही मा स्वार प्रमान से स्वार ही मा से स्वार ही मा ग्रेंश्रेश्रार्युम्। न्त्रायायशावशात्वर्यायी न्त्रायार मेग्राह्याया शुःनर्गेदःसर्भःत्रयःस्येदःसदेःशुदःद्वीदःसूरःसूरःदे। देवःद्यःर्सेःठदः ग्री साव गाये अळव हिन्। न् ग्री व ह्वाया मायाय देवाया समुद न् । देवाया श्री सम्बन्धि साम् । या स्था साम सम्बन्धि समिति थेव'रादे'हिरा द्वु'स'राया'प्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रेयायाः देवायाः हग्राश्राप्तर्गे दात्रशासी पर्दे दायते चया या प्रमेत प्रदे शुत प्रदे ता सूरा सूरा ने। यनिरानभूतागुनार्ह्मार्भे उत्तामी सूत्रागित सळत् हेन। न्ने ता हगारा ग्राया देग्या समुद्र दूर में देग्या से समुद्र गहिश पेर् । यद ग्रीया सेया द्ध्यः स्र-राजन्दः वेदः स्र-राधेदः दे।

गहेश-८८-। वेश-गश्रम्भ-भारे हिम हिम स्रे। गहेश-८८-। वेश-भरे र्शे से र पाहे स सु । चल १ पाहे से स्वायन १ पाहे स १ ५ १ । वर्रे गहेश र्शे र्शेर निष्ठ पर प्राचार में ना प्रेश में ना प्रेश महिशा वेशः र्स्स्यः स्त्री विशामासुरसामवे स्त्रीमा महितः स्त्री सम्रम् स्त्रीमायाया यद्विमामान्यात्र विकासिक स्थानिक स्थान यशिरमाराष्ट्रा हिया है। तम्बाता किरा ही हिया भी तम्बाता के वामिया अर्चेत्रप्तः भ्राप्तवे अँग्रायाय अर्धे प्रम्पायने प्रमायने प्रमायने स्वर्धे । धेरा गशुँभःयःवेजाः हेनाः नशयः दशः नरः ळ**दः भेदः यदेः हेः श्वेरः भ्वेदः** यदः यद्रम्भारा वर्षेत्रारायमा श्रद्धारम्भम्भार्यद्रवीतार्द्धारम्भ मी विश्वास्त्राम्या देश्चेश्यादार्येदान्द्रम्य विश्वास्त्राच्या कुः वें स्ट्रिन्दर् नदे हीनः इन्नि नदे श्चन खें नद् स्व स्व कें न्या गुन् । हा सर्हें हें ता है में नही | विश्वाम्यर्थ सदे है में भूनश है मा से मार्थ सर नन्द्रः वेदः है।।

গ্রুঝ'না

हैं हैं र ह्या प्रविदे हैं कें किया स्रोह प्रदे | | मुखा खुया से प्रवास हैं र प्रविदे प्रदार से स्रोह - | | मुखा खुया हैं र स्यापर हुया प्रदे से ज्ञा स्रोह - | | स्रोह र स्थापर हुया प्रदेश से प्रवास हैं र - | |

धुयार्देव हे र्श्वेर रेंग्से से से से स्थाय र रेंग्री

२९विषास्य म्याम्य स्वाप्तः स्व विष्यः स्वाप्तः स्वापतः स्वापत

#### यर्केन् नाईन्।

यस्यासर्ट् मुलायदे प्रसाया मुकायका प्रत्ति । साम्यायका प्रसाय प्रस्थ प्रसाय प्रसाय प्रसाय प्रसाय प्रसाय प्रसाय प्रसाय प्रसाय प्रस्थ प्रसाय प्

नक्तः नृतः त्रिं नाशुस्राचनः र्ने नः साख्याः गुन् । सन्दर्भः स्त्रीसः स्त्रीमः नित्रः नित्रः स्त्रीतः । साख्यः प्यस्ति स्त्रेतः स्त्रीतः स्त्रीतः । सर्ने नः स्त्राची स्त्राचने स्त्रीतः स्त्रीतः ।

#### नहत्त्रेत्यवरःग्रेशःश्रूरःन।

ने त्यायने न्यान क्षेत्रा व्याप्त क्षेत्र व्यापत क्षे

यवत्त्रीत्रायायावश्यायया त्राम्यवित्रावित्यावित्रावित्रावित्रावित्रावित्रावित्रावित्रावित्रावित्रावित्रावित

क्रावयानविषानित्रेम देराचया यष्टिवाचीस्याची द्वारा ह्वायासर लियारी यक्ष्यायया श्रीयायद्वा स्याक्ष्याया श्रीयाया प्राची ते हे श्रीयाया यता हु:सुवानु: बुदानर वर्धे नदे: हें कें निया ने मुख्या की ह्रसाया समयाना र्गे देश रे भूषा तर हो दे त्रावे सम्मानी शार्शे राम दे सम्मानी ने अन् हेना क्रेंन पहेंना पदे होना इन्नर ने ले क्रेंन न न । ने न न ने ले र्गे देश दरा दि समय वेश महरमा स्टेश हैं इस हिन है। दे थे में देश वेशमदिन्द्रिम्पिन्मदेन्ध्रम् नेदेन्द्रम्यामायम् र्रेग्सेन्नन्मस्यमः केट्र: र्रेज्ञ अप्यदे रेव्र: इस्र अप्ते रेस्र: चित्र द्वा वित्र: र्रेंक्ष वित्र क्वा वित्र क्वा वित्र क्वा वित्र यदः द्वेर द्वारायर क्षेत्रायर हो दाश्रास्त्रयर हो सामार्थे । वेश मार्थरशासदे ब्रेम विमास्री समयन्तारिः स्रामानुः रूपान्तानुमा विभागान्ता है। क्षर वर्देन मं क्षेत्र नर्दे त् श्री मात्र नर विषय नर श्री अ सदे क्रिंग नडु माश्रुस देस उद र भ्रेंस मार्वि द प्येद मदे हिमा साह्य दा र्रेस द्रीत ग्रीय सळ्यय हुँ र ग्री प्रमेष प्राथय। श्रीशी न दर्ग स्था प्राप्ति र प्र सर.श्रेंश.सर.ग्रेट.समः वेम.योशेटम.स.म्.म.समः स्रेचम.सर. म् विशेषार्थे सिष्टीये विशेषा भी भिष्टा राष्ट्र भी सिष्टी नदे खुवानु नसूर्यान्य इसामाने साउन नु क्षेत्रा मन नु न माने स्तर ब्रेम् हग्राम्या वर्द्राक्षेत्रमहो देख्याक्षेत्रम् इयानवर यथा वर्तवः सळ्स्रशः ह्यू मः वेशः न्ता धरः ने हिन त्यथा सिन्ने ना सुसः ग्री:इस.स.स.स.सेस.स.मेंचा.स.क्रेंस.र्जीश.ब्र्या.चाड्या.स.स्रास्त्रवर. ग्रीयामदे क्रिया स्वाप्त प्रमान प्रमान प्रमान क्रिया मुक्त मार्थ प्रमान क्रिया मुक्त प्रमान प्रमान क्रिया मिला क्रिय मिला क्रिया मिला क्रिय मिला क्रिया मिला क्रिय मिला क्रि मुन। भूरान्य केवा लटाव ह्याय हो। सबर ग्रीय ग्राय लेव व केवाय

यसपोत्राच्या सहराग्रेशः र्रेतासपोत्रात्र र्रेत्रेरायसपोत्रायमा सबर ग्रीश स्नुन पा भेदाद ग्रुट दसवाश ग्री सिद्धित पा भेदा संश व्रिन होर दि र्दे व अवर ग्रेंश क्रेंद्र न पेद द अवर ग्रेंश नु न पेद के द में अप र प्रा न्यानरदायम् परिष्ट्रीयः पर्देन् सी न्याने। ने पीन्य न सम्मीयान्य लेव.सम्बाधिय.सह.हीमा इ.सम् सम्माधिमास.लु.घे.यम.यबुटी विमा गशुरुरायदे द्वेरा धराव हेन सिंद्व मशुरा मुंद्र स्थाय में रेस रेस हरा न् क्रिंस माला नहतामार्चन द्वीर न् क्रिंस माले क्रिंस माले हिया पर्वे र ने दे सक्द हेट् बेर वा अप्तक्तर पदि नर कट् सेट प्रस कें अर हता सक्द हेट् नेर वया सर्वेत शरी देश हैन हमार मुन है। सिंहेत मह्यस श्री इस मारेस उत् नुः क्रिंस मदे भे स न्ना ग्रीस बेत मदे से सस न्मदे द्वा पर्दे न धेत मदे मेरा इत्यर पर्ट्र वा गविलेश में इस मार्सेस पर मया समित गर्स ग्री हमाया क्षेत्राय दे स्वाया के स्वाया के स्वया के स्वय हीरा ह्याराप्तरा परिरागशुरा विरान्तरिन से न के न के न ही। हिंग्यारियायास्यान्यायार्थिता देनावया वेगाकेनास्या स्वार्केनास्य यसप्तेत्रपदे भ्रीमा पि उपा सिंद्य महीत महीत ही समामा प्राप्त महत पर्मित हैत रु.में रेसरु क्रेंसप्तरे सेससर्प्तरे क्या पर्चे र रे रेदे सळव हेर बेर वा चिरःश्रेमशःश्रेमःवमःपदेःसबरःग्रेभःपदेःश्रेनःपःक्रेभःउत्। सक्दंरहेनः नेरावया अर्कें वाचारे वे से होता हमाया श्राह्म हिनाया प्रयोग पर्दे दावा अहिवा गशुमाग्री इसामाया नहतामा सार्चनामा वर्षेत्रमदे ध्रीमः वर्षेत्रसे व्याने। ने या नहवायार्चिया वेवायते श्रीमा विविदायाश्रमा

ग्रेशः र्श्वेरः नवे : सक्द हेर्। रग्ने : समर ग्रेशः श्वेरः ग्रेशः र्श्वेरः श्वेरः ग्रेशः र्श्वेरः यन्ता सन्नर्भे अर्थे रायाश्वराधिता दर्भावी गर्द्वास्त्रास्य यादर्ग गहेशायादी गर्डे में श्रुरायसायादर्ग गर्ससायादी गर्डे में भूत्रात्वस्यायादह्वाग्यूटा भ्रुटार्वेट्रास्यादेग्वासुस्राम् स्वास्यस्याद्या शन्तरु नदे नर् नु र्षेत्। या ने त्या न् ते त सर द्वेत नु न ने समर क्वेश र्बेट्ट न्या द्वा देश द्वा द्वा मी अवर ग्रीश क्वेंट न द्वा दिश सेट दि के दि ग्री'सबर'ग्रीस'र्श्वेर'न'गडिन'न्द्र'नडु'न|श्रुस'र्स्द्र'म्डिर| नडु'न|श्रुस' होत्रपदि कुः सळवाधित्रो क्रिंत्रपदे हेवर सेसस्य मुक्तेत्र वर्षा होवर हुवाया र्श्वेत्र परि देवर द्वेश वस दर रे द्वा दे द्वा वी हेव दर्गेव सर्केव हैस शु:५४:माशुअ:५८। क्षे:अन्नुद:धुँग्रथ:यशःधूँग्रामदे:खुंय:ब्रिअय:५८: । नवी न या यह वा सदी वार्ते स्वार्ते स्वार्ते स्वार्ते स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स इक्-य-५८। दे-वर्ड्ड-वाहेश-सँ-बस्थ-४५-वदेव-सेन्-ग्री-मुश्च-दिवश-सदे-न्र्रें अन्रेन्रेन् भ्रेन् भ्रेन्

र्हेन् श्वॅन्यार्वित्तः वित्तः स्रेस्यार्थितः वित्तः स्रेस्यार्थितः वित्रः स्रेस्यार्थितः वित्रः स्रेस्यार्थितः वित्रः स्रेस्यार्थितः स्रेस्यार्थितः वित्रः स्रेस्यार्थितः स्रेस्याय्याः स्रेस्यायः स्रेस्यः स्रेस्यायः स्रेस्यायः स्रेस्यायः स्रेस्यः स्रेस्यायः स्र

यानाराविम दे हे प्यन श्रुशामित्रेशाम्या ग्रुप्ता मुद्द्रा स्टार्से गुनाक्षे पुरानरानायशण्या गुराकेवानेशारनाग्रीवराधेवायार्क्षेत् यात्रास्त्रवराष्ट्रीयात्रष्टीः यवराष्ट्रीयार्श्वेतायात्रा सवराष्ट्रीयाञ्चेता तर.ह. क्षेर.वारवाश्वासर. एकीरा वृश्वासीरश्वासपुरश्चिरः वियासे। सबूर. ग्रीशानु निते र्श्वेराना शेश्रामा निश्चेराया मान्या स्थान स् र्श्वेर प्यस दश्य देश समर ग्रीश सुन प्र सर्वेट स्थित प्या गर्वे में र प्रहेग मदे: भ्रेम हम्यार प्राचीत है। है सूर एका नश्ची न र्से वास्ता है से सवा भ्रेन्यान्त्रुरावदेर्नेवर्त्व वियान्युर्यायदेर्धेरान्या येययाभ्रेन् इंश.तश्र.वंर.योवय.श्र.ववीर.यदुःहीरा योधेश.य.वीय.ही हे.बैर.जा र्नेवर्न्द्रि विश्वर्शे । गशुस्रायायायाया है। है सूरायश सुनाया सूर्यायशही सर्हर नदे त्यस दर्। क्रिंस मदे त्यस ने स मदे के द द्री विस महित्स यदेः द्वेर। हे खूर प्या ग्रासुसः र्से या यय ते सर्दे या राहे ग्रया यदे समर मुर्भाय भेर्य प्रति द्वार्य । विर्याम् स्थाय प्रति स्थाय मार्थ स्थाय मार्थ स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय चुनःस्री गर्भरःवर्षेरःक्षा गर्भुसःस्र्र्भःवर्भा धेदःद्वी विभःगर्भुरमः यदे कें न्यायाया द्या कुत्र सम्मे न्या प्रत्य के साम्या क्रिया स्थाय स्थाय स्थाय शःसद्यस्य नेपाः केत्र केषा साम्यस्य त्रा क्रुत् सम्ये स् वेषा सामी प्रमा विभागशुरमामदे भ्रीम् ने यार्वि सम्मे वस्मामामदे खुमामाया धेता ग्रीमा र्सेन-दर्भन्तियायायादे से स्टान्न-प्रया स्निन-दर्भन श्रीयायायाय कर्वित्रराज्यप्राधित्र वर्षेया क्षेत्रायमः वित्राप्रवित्रः देशायरः वर्गेर्न्यदे कर्न्यसम्बन्धान्य सर्मेर्न्य म्या स्रीयामहे वास्य

ग्रेन्यमा वेसाम्ब्रम्सयादे प्रेन्य सम्बर्धा वर्षे या विस्तान प्रेन्य मे न्स्य-वर्ष्ट्र-वर्ष-वर्ष्ट्र-वर्ध्य-वर्ष्ट्र-वर्ट्र-वर्ट्य-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ट्य-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ष्ट्र-वर्ट्य-वर यादिन्रान्वावापा सुराउँ साधार सेन् प्रदेश स्त्री वासेरादे सेना सूना न्स्य तर्देत्र ने स्ट्रम इव सदे मावश भ्रम्भ नश माश्रुय न् सहन सही वेश यात्रमा देवे केंगान्य नस्त्रम्य स्थ्रम् । यद्यम् स्थान्य स्थान्य स्थान्य । यद्यम् । यद्यम् । यद्यम् । यद्यम् । क्रियायाययाययायायाया वियापायुरयायये धेरा इतरायर् वा दें व अदशः मुशः हेशः इव खूरः ग्रेन परः क्षेत्रः निव ग्रेशः शेति वेदः यर वया वर्षेयाय गहेश शु ग्रुट हुँग्या शें यर्त्र छंत य ग्रुश र् प्रवर् वशःश्वेरःश्वरःश्वेरावश्वरःर्भयाम्यान्यः भ्वर्यः भ्वर्यः भ्वर्यः भव्यः भव्यः भव्यः भव्यः भव्यः भव्यः भव्यः भव्य मायमा ह्यामायाना है। यामेरायद्वेरायमा देख्राय्योयानायहिमासा वै अद्या मुका हे या शु द्वाया गुरुषा दृषा वि या या द्वा के या ये वि द्वाया वि र्रे दे र्व राम् शुरानु न उन् द्राया या शुरानु सम्या मुरान्द्र रहेते र्द्भेव पर नवेर दें। विश्वा ग्रह्म श्रद्ध र पर । वर्षेय केव यश ग्रह । देव:न्य:मर:इव:म:सेन:मवे:सळंव:हेन:न्:यरय:क्रुय:हेय:शु:इव:म: इसामाम्बुसारी में देसामिवन निर्मान स्वीत प्राम्य प्रीत प्राम्य स्वीत प्राम्य स्वीत प्राम्य स्वीत प्राम्य स्वीत प्राम्य स्वीत स्वाप्त स न्द्रसर्वेद्रान्द्रः भ्रें सामदे त्यस भ्रें न्यू स्त्रा हो न्या वेश म्युद्रस मदे हीर-१८। वर्षेयाकुर-अर-वर्षे । इन्नर-वर्षेर-मा देनविव-मानेग्रामः ग्रुग्राश्चिम्राश्चार्थिनायाश्चीनायान्या ने निविदान् सळदान्ये सँग्राश वनाः सेन् भी सुन में न्यू मान्या केन्य <u> न्यायर धीराया थे छोरायदे यह या कुया हे या शुः इता खुया खा छ्या तया</u> र्रमें कें वारायया वावव नवे हैं रायस नवे ता वहें वा सर वसवारा सेरा

मिले स्त्रीम्।

सिले स्त्रीम्।
सिले स्त्रीम्निम्।
सिले स्त्रीम्।
सिले स्त्रीम्।
सिले स्त्रीम्।
सिले स्त्रीम्निम्।
सिले स्त्रीम्।

> सवरः ग्रीका क्षेत्रः नविः से विः गाः धोः स्तु । स्रुवः केटः नयाः नवरः वर्षेत्रः व्यानकाः नविः ग्री। । स्रोतः त्रुविः केवा क्षेत्रः व्यानवः स्वः केवाकाः क्व। । स्रुवः केटः नयाः नविः नविः व्यावः विद्याकाः ।

बेश सर में व्याप्तिशा।

बेश सर में व्याप्तिशा।

बेश सर में व्याप्तिशा।

बेश सर में व्याप्तिशा।

# यर्षेयात्रास्य विज्ञास्य । य्येष्ट्राक्षित्रः श्रीत्रः स्वरः द्वीत्रः स्वरः स

न्न | वि.सू.ची.ये.सर्डे.सू.ि.ता

यी: विवेश अर्देना प्रकट खुद्द्र शास्त्र स्था निया स्था निया के स्था क

व्यायः स्वर्धः त्यायः स्वर्धः त्यायः स्वर्धः स्वर्

ষট্টির'নাধ্যুম'র্ড্যুম'র্ট্ট্র'র্ট্র'র্ট্রর'র্ন্থ্য'ন্যা। 267 र्रुयाने स्वाप्तायम् सर्वे स्वाप्तायम् स्वाप्तायम् । सुन्ति त्ये त्यस्य त्यम् निर्देश्य स्वाप्तायम् । सुन्ति स्वाप्तायम् स्वित् स्वाप्तास्ति ।

## नहत्रपदे प्रव्या स्य अत् अत् । अत् । अत् । अत् । अत् । अत् ।

विशेषायासिक्षण्यास्य विशेषात्री स्थायाया वह्ने वार्षिक स्वित्से स्थापित स् हेगासदे र्र्यूर्य प्रकर्पाया श्रुवाया स्वीत्राया स्वीत् यः दश दे हिद् भूद हे वा वा हे वा वी श अर्थे ह-। विश्व स्वरे वर श्री वा वह वर्ते व्हान् वर्ते वे भूत्र शु वर्षे श क्षेत्र न समय न सम्म न सम् वै। सर्ने यथा के न्दर्ध्वारा स्वादर्हे राह्य के वार्ष्ट्रिय स्वार्थी या र्रेय:५:ध्रेव:य:य:र्बेर:पदे:ळें:श्रेयशनश्चेर:वाडेवा:वी:य:रेय:५:ध्रेव:य: नुगार्धेरमासुपदे वारायग्रमा वेया व्यापियावान्। वर्षे साय्ये पर्या ग्रीसानगदासुर्यामः सनादर्शेसानुराक्षेत्रःवेसासनाग्रीःसार्सयानुःश्रीतासाया ર્શ્કેન્પ્રવે:જે:શ્વેન-વાર્વેન્પ્રવાન સ્થાને શામના છે.તામું તારે છે. તાર્જેન્સ શું दहेव सामम् वेश र्रम्य मार्थ में में किया में में किया मार्थ स्वापन के साम मार्थ मार्थ स्वापन मार्थ स्वापन स मार्श्वेरानायमें नारते। कुनासमिता भेनाके मार्थिया स्वाप्ता स्वापता यः भीवः है। अवरः ग्रीशः क्रें रः यशः श्रिवः ग्रीशः ग्रीः द्यायः यग्नुः यनुवः द्यः हः नाशुअः में भे अः देश उद् र न्य स्था कर प्र र न भ्रूष प्र मा मुद्र से द न न शुक्र । 

क्रॅन्यःग्रीयः भूतः हेनाः यानिनानीः धुनः यानिनानी स्वाप्तीतः यानिनानी स्वापति स्व

सन्दर्भ स्तर्भाता स्वाया स्वया श्वर या स्वया डेगायदेः श्रुं रावाया मुदायवदे श्रुं रावदे त्यया द्रा मुदायवदे त्ये प्रेया गठेग'८८'गहेश'ऍ८'बेर'व। दें तम्ह्रुत'सबदे ह्यूर्र'वदे वसारे केंश उत्र श्रेश्रश्नाद्वात्र म्यादर्श्वेरास्त्र स्वाप्तित्र स्वराम्या स्निर्छितास्तरे स्र्रिरायः लुब्र-सद्य-हिन् हेर्यायात्रया विच-ही इ.चरा ट्रे-सबद-बुय-रर-। द्योवा यायमाग्रम्। देवेष्ट्रम्यम्दुवर्षे वम्भेद्रपदेष्यम्द्रम्यस्भूद्वेषाः यान्वेनान्त्रेयास्त्रास्त्रास्त्राह्म्यायास्त्राह्मास्त्राह्मास्त्राह्मास्त्राह्मास्त्राह्मास्त्राह्मास्त्राह्म षशःग्रदः। अदःवेषाः यावेषाः वोशः सर्देवः सरः हैषाशः सरः ग्रुदः द्ध्वः सः वेः सबर बिया रा. लुय. है। बेया या श्रीरया सदे ही या वाबवा यह या से राय हो हा यश अद्गत्वेनाः यादेनाः दश्वे सम्मानुनाः प्रदाने द्विनः यस दादे वशाह्यद्रायरात्रावर्षे वरासेद्रायसार्सा वेशायदे सुदार्देव सामुनायरात्रया अन् देना अदे र्श्वे रानाधेन न ने त्या हिना सरानु त्या माने श्वेन त्या । अन् देना अदे रश्वे रानाधेन स्वाप्त स्वाप सेर्'स्थासावियासवे सेरा देरावया क्रियासवे सेरायवे त्यसारे सिर डेगार्श्वेराधेदायापादावेग देवे र्वोदादाकुदासम्बद्धार्थे से सार्थेदासवे स्वीता हवारा-दर्भावरा वावरायदा इसावर्यदास्या स्राप्तिका सदारे हें रावा या सक्त हेन दी सबर ग्रेश हूँ र नदे हैं नरायर गुर नदे रोसरा नदे क्षावर्द्धेर्सम्मार्भाको विकासदे सुरार्द्देव सामुनासर मधार्ये । भूत डेना'सदे'र्स्ट्रेन'न'णे**न'न'सेसर्थ**'न्यदे'क्य'दर्चेन'स्वर्भ,स्वर'सेनास्य वियासदासीम् देरावया क्रियासवरायम् करासेरायसार्वेनायासदायावसा

अन्या ग्रे व्ययः दे विद्रं ग्रेयः अद्रं विद्रं कुत्र अद्यदे नर कट् सेट त्यस र्चेन पि सदे न्यूत्र भूत्र राष्ट्र व्यस प्रेत्र त श्रेंशशान्यदे द्वापर्वे रासवर वृग्णित प्रशासा वितायदे भेरा देर विष् ने भीतात कुत सबदे भो ले सार्चे न न वे सारी त्या भीता न वे सारादे हिमा ग्वित पर-। दे से विषद् राम विष्य भूत है गा सदे हैं मानदे सा सळस्य रा मियासवरात्र्यायस्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्या मुँव सबदार्य व तर्पे न दें ले रागश्र र र र र र में नावव पर । मुव सबद वैतापासदे गुरासेससाग्री कुराग्री त्यसारे केंसाउत्। सवराग्रीसे कुराना लुयंत्रम् वता क्रियं अवद्भूयः विषयुः येटः शुत्रश्रात्रीः क्रिटः ग्रीः त्रश्रात्रीः मुन् वियासे देवालास्य क्रियास्य क्रि वर्रेट्रा टे.क्रूबा वर्षेयाच्या बार्षेयाची स्थायाया वहत्याया स्वापिता वर्षे यसपीत्रपरात्रया सन्नराष्ट्रिकाः र्ह्हेराना पीत्रपति सिर्व ह्यान परायका नहत्रायार्चनार्नेत्रपुर्श्वयायायवराग्रीयार्श्वरानवरात्वेयान्यप्रस्यायदे भ्रीमा वर्देर्सी त्यात्री यद्वित ग्रुस द्या स्याय महत्य र्घेन वित्यवे यस लेव.सदु.बुरा ट्रेर.बला अट.कुरा.बुर.लुव.सदु.बुरा स्वायापया स्या नन्द्राया नह्रवःयार्ष्ट्रनायाः भूद्राचेताः सदेः श्रुं रानदेः वेशान्यशुद्रशासदेः द्येम। व्यथायायार्वित्रमे। अन्तित्रीयार्थेनायाः गठिगान्द्रक्तुत्रस्वदेरधेःभेत्रागहेत्रःधेन्यस्वयो यम्धित्यसः नश्चेग्राचेग्राकेत्रः श्वेर्तायम् अत्रचेत्राश्चेरायः श्वेरावदेश्ययः त्राचर कर्मेर्मित्यये प्रयापित्रे अप्पेर्मित्यये ही सार्श्वेर्मित सित्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त सित्र सित्र सि नवित्रमदेरदर्धित्रम्भावेभागशुर्भामदेर्धित्रम्भाष्ठ्रमञ्जून सबद्गान्य कर् सेर् यस प्राप्त के साथित प्रवि क्रिया सबद्गा से सायित साथित स्वी सायित स्वी सायित साथित स्वी सायित सायित स्वी सायित स

ल्रिन्यरः क्रूर्यः या प्रवासी सुर्वा सम्ते स् र्ये वा सामित्र से न्या से स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स शे र्श्रेव परे भे मा पर कि व मे अहिव नाश्व अ मी क्या मा न मा न मुल्य है। स ववा अन् विवार्श्वेन धीव प्रमा विवादि से अअशान्य दे त्या विवादि न धीन यानाराविन अन्नराग्चीयार्श्वेरानायाधीवानवेराग्चीरावेरावाहनायाञ्चीयाया ग्रनः स्रे। न्यू अर्चे वार्याचिवा त्या सिवेदा वार्यसामी स्थाना वर्मा वर्ष स्थाना वर्ष स्थाना वर्ष स्थाना वर्ष स गशुस्रासन्तराष्ट्रीयार्भेसायदे नुदायसग्याया ग्री सिव्यायीय प्येत प्रेत्रा होता होता गश्याद्याम् अस्त्राचित्राच्यायायाम् । अधिवायायान्यायाया है। ने कुत्र सबदे हैं र नदे निवस भूनक ग्री प्यस पीत पदे ही र इस निन्दायर्थे। वयासेदाग्री केंशायां हेया सर्देत दुःशुराम दावेश मात्रा कुत सबतुः र्रेट्र-प्रतुः योष्ट्रभास्त्र स्त्रान्त्र स्त्रान्त्र स्त्रान्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् लामिन्दारी अधिवानश्चानी द्याना नम् नर्वे स्थान निवास न ग्रेग्।यार्गि रेशरेश ठ्रुर् रेश ग्रीश श्रुंशप्रेश राज्य प्रति थे पेश केंश उत्। सूर् देगार्श्वेरः संपेत्रः पर वया सवर ग्रीशः श्वेरः तः पेत्रः पदे श्वेरा गुडेग्'यार्गे'रेशरेशड्र, र्रेशडीशक्षेत्रासे श्रामदे शाम द्वारी यो प्रेश येत यदः श्रेम नेमः वया ने सबमः श्रेशः यदे र सुंवा खेवा यदे र श्रेम इसः यन्तराया अष्टिवरम्थ्याची द्यारायम् यर्व द्वारा मुख्यार स्वाया गठिगायाहासुगायाधूरावेशायात्रशा पर्देदाद्वीशावेशामश्रुद्रशासदी धेरा पि ठेँगात रो हैंगान गठिया गीरा सिव गार्श सामी हमारा नहीं नन्त्रः द्वः सः नाशुः अर्थे अर्थे अर्थे के स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः विकासी निष्या निष्यः विकासी निष्यः विकास

यात्रान्ध्रेस्रसायते हियाना दुराबन् नर्गे साग्रमा वन् गाये भूनसासु **षट.लट.चर्ड्डीश्रश्च.स.ट्र.क्ट्र्य.च.श्चट.बट.क्यट.श.ट्राय्य.स.ट्र.यादश.स्रायश.** ग्रीः या न दुवि प्यो भी या दे र कें या उद्या या या या महिता या प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त अन् हेगार्श्वेर न प्रेत प्रेर हिरा नेर नया नेव न में प्रेर या नुका प्रवे के र्हेषानाक्षे नर्गे यासराया बनाधूनाया ह्रययाषा प्यनार्हेषाना दुनाबनाग्रना बेद्राचि भूत्राया भूद्र हेना भूर रदा। अवर ग्री श र्भूर राज धेद्र दा सिद् ग्रुअःग्रेःक्यःयःवज्ञुःददःर्देवःग्रुअःग्रेःददःर्येःधेदःयःग्रुअःयःवःर्हेवःवः न्वींशायाञ्चनाःशाने नेते भ्रान्यायाया यहा हियान हुटा बनाने नियायते हीर। इस्रान्निरायम। क्रुवास्त्रवेरम् र्यान्यास्यान्यहेरे नावस्यास्रास्याः ह्मानाक्षातु न्दर्से पीट ये तुरुषा न देश न स्थित्र परि हैं याना इ८:ब८:८८:वरुष:संक्षेत्र:धर:ब्रेर:बे्ब:ग्रुट्य:संदे:ध्रेर:द:स:घ्रिन। देश-द्रमुश-र्वेग्रथ-ग्रेग्-थ-सिंद्येद-ग्रुश्य-ग्री-इस-य-न्तु-वर्द्य-द्र-इ-इ ग्राह्यसर्गे रेसरेसरहर द्वार् रेसरीस क्षेत्र स्थित स्व के के लेसरे सम् ग्रेशः र्रेट्र-वरः वस्त्रायः धेतः ग्रेः सवरः ग्रेशः र्रेट्र-वः यः देशः विवः यरः सः नश्रव नदे हिन् निम्द हिन् में हिन में इस्रायानमुग्नत्वाद्वास्यानुस्राची सेस्रादेश उत्तर् देसाम्यान्य स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया नडुदे : भे न ने : भून : हे न : श्रू र : न् : दे न : से : दबन : मर : बया ने : न से : न र : श्रात्मीयात्रात्रात्रीत्। इ.चरा इ.क्षेराभीत्रात्राम् क्षेत्राभीता डेगामडेगार्भे अप्टेप्तवेदार्दे। विश्वाम्युर्यायदे द्विम हिनासे। स्रोया तुशार्ध्रेया वर्षा श्रीशार्चे खुद्रा श्री कुट्टा यहिया राष्ट्रीट्टा यह स्थार उट्टा डेगा उर दगुवान ने निवत दुः भूत डेगा र्श्वेर छी के दर में पेंदावा हुया मा वःस्वाः सः इस्र सः द्ववाः वरः दुः धीदः धुवः दुः दुः स्व सः सदेः द्वीरा वर्षोयः सः

यथा र्वे कुत्र ग्रे मुत्र प्रसम् उद् रहेगा उद र दु र त्याया व दे दिवेश ५८-। अर्डिमासम्बेर्धमार्मित्रयात्रमासेराधेन्यस्विराम्हेमासर्द्वर्ग्सूर यात्रारेग्रासम्बद्धान्ते । व्यासम्बद्धान् । विता है। ठेना ठर र्र्र्या महिना या ने सारा देर स्नूर हेना सामहिना मिं दाया ने सा मंदे इसम्बद्धान्य निर्मा मार्के दारी देवा स्वाप्त मार्थित स्वर्धित मार्थित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित ठमानी पर्देन दुलाने से प्रवाद प्रमायया वया सेन ग्री के शासे वाप स्थान से व्यन्तवरार्धे नकुन्द्वे नराग्रीयावना सेन्ग्री कियासवरान्ना हेना हरान्। र्श्वियाधी तुर्याप्य देया ठव र् र्श्वियाय देवे के सम् श्रीया श्री राजा दर्। वर्णा बेद्रा ग्री के अर्भेद्वारा दशाद्वी ग्रीद्वार वाहरीं वक्कुद्र खुदे वर्षा ग्री वाहरी हो । र्केशासबदाद्वा हेवा उरातु क्षें सात्रा भारते देस क्षें सासबर दीता पादर-। अन् हेगार्श्वे र विन या भेताया नहतायार्थनायदे कन् गुर ने भेतायदे ही र इस्र नन्द्र त्यम् वर्षा वर्षा सेद्र श्री त्यस्य म्हिता क्षेत्र स्व वर्षा सेद्र श्री त्यस्य स्वतः न्गार्भेयात्यायाधेवानवे द्वीमा नम्राक्ष्माया विषया द्वी के ने प्रमार्भेया नवे सम्बद्धानी व स्वत्राची रावे व स्वत्राची सम्बद्धानी सम्व वन्नन्यर नया गर्भर वसेर यथा सनर ग्रीश सें र न या सक्त हेर है। यद्वितःगशुयःग्रीःभेशःहयःवेगःवरःत्ःश्चेःनवेःहेगःयःनहतःयेरःग्रःगःववेः <u> बुर्</u>भाष्ट्रेत्र,याश्चित्र, क्री. संस्थान्त्र, संस्थान्त दर्चे र-र्स् । विश्वानश्रद्यायदेश्वायायायविदानश्रयाची ह्यायारेयाची श क्षेत्राक्षे प्रतिकासम् केषा कम् पुरक्षेत्रामा यहत् में किया से वे प्रति प्रमुतः यदे हिम वि हेना व में कुव सबदे पे ने शाया कुव सबदे नम कर से न यसः मृतः प्रायतः यात्र सः भूत्र सः ग्रीः यसः न्दः मृतः संमितः वरः स्वदः सेदः यसः श्चे नदे न्यात्र भारत्र भी त्याया महिषा विष्ठ ने स्वा क्षुत सम्रदे नर कर से र

वसार्चनामासदे नावसाञ्चनसार्गी वसाने किसाउदा नावसान्तर वेदानी है। याम्यमा उद्दर्दायानवे यया धेत्र प्रमामया क्रुत्र सम्रे से भी माधेत यदे हिन हिन से इन्निम् निरके के अन्निम् वर्षे अन्निम् वया ने के अन् जेवा विवाधि क्या विवासि वर वासुर रायदे ही रा वर्रेट्रवा ट्रेक्ट्याक्वा लेयाक्षेत्रद्राच्याचद्राययाध्याप्यद्राच्या वाद्या न्द्रायेद्राची दे अप्रथम स्ट्राइट व्यायदे यथा पेद्राये ही प्रेर् द्रा गरःवगःरेदेः कुर्ग्यः भेराः श्रीतः दग्गगः वेदः परः वया देदेः यसः देशेराः श्रीतः न्दान्यानदेः व्यापीन प्रदेशिम् वर्देन्त्रा म्हान्यामिन मिन्स् नेयाश्चितायम्मान्यादेवाहेयाशुम्यराळद्योदाययाश्चीम्यरावया देदेद् यदे हिम् वर्नेन्से त्राने वामानवा विवानी कुन्य के सार्धिन विवान वा ८८:वर.कर.मुर.वर्भे, वर्षायक्षात्रात्री विवरमे स्था यर्नरागित्रेव स्था श्वर श्रु प्रश्चर श्रु प्रश्चर श्रु अ रहंवा श्रु श्वर प्रश्चर प्रश्चर प्रश्चर प्रश्चर प्रश्चर यदे से । वि हेन देवे महिरा हो वर्षेया यायया इसायर क्षेत्र यदे के साहे ह য়ৢ৽য়ৢঀয়৽য়ৢঀয়৽ঽ৽য়৽য়য়য়৽ঽৼ৽ৼৼয়ড়৽য়৾য়৾৽য়ৢ৾য়৽য়ৢ৾য়৽য়৾ঀ৽য়৾ঀ৽ৼৢ৽ न्गर नदे रे में हिन्नु क्षेत्र पाने दे के लेश पदे है सान्य व्या न कुत सबदे नर कर सेर यस नरेन यहें न सेंग्र नर ज्यान या होर बेर न ने से तमन मन्या ने से निया है से निय है से निया है से निय है से निया है से नि वायाचेदायवे भ्रीमा देमानया द्ये द्यामायवे मुख्यक्त भ्रीवायवे भ्रीमाद्य । कुत्रः सबदे निरः कर् सेर् यस से सब्द से मुर्गे निरं निरंदित से मुरा निरं वयायामित्रम् वर्षाचेत्रम् वर्षाचेत्रम् वर्षाचेत्रम् वर्षाच्याचेत्रम् गुनाके। मार्थरावर्षेरायया न्येन्गरायवे कुः सळ्व वे कर ग्रीय ह्या ग्री क्षियां या या वर्षा प्राप्त विया श्रुर्धिया था थी है। या व्रेय या उद्दाद दाया वर्ष स्थि

बिरामश्रम्यायदे भ्रम् महिराया ग्रम् । वर्षेयायायया वर्षा सेर क्षेत्रामदे के नरक्र सेर्यस्य से समुद्र मुंग्य सेंग्य रूट्य नर्गे रर् निन्दिनेत्राचित्रः वार्यम्यविद्यायम् वात्तरः वर्षः वर्षान्यायः र्श्वेरः नः बेश : बेरः नः शेर वेषा शरेर हें श्वार प्रमुद्द । सुद्द : सूर : द्राया । यह से मार्थ मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार् नेशः श्रीनः नृदः ज्ञायः नवे व्ययः नृदः या ज्ञायः नवे व्ययः नविश्वः व्यन् । मुन्यस्त्रे नर्क्रिया स्त्रिया मिन्यदे निर्मा स्त्रे निर्मा स्त्रे निर्मा संबद्गः भेशाधित पदि द्वीरा वर्दे दाता दे त्या सर्के गान्स त ही हिना सर र्षेर्नम्म् वर्षा देन्यम्वेशः श्चीनः न्दः ज्ञयः नदेन्यसः न्दः स्वयः नदेन्यसः गहिराधिन प्रति द्विमा नेमात्रया कुत्र सबदे नमाळन् सेन प्रसार्विन प्रायासे यविशः भ्रम्यशः श्रीः यसः यसः श्रुवः संवदेः योः विशः श्रिनः यमः नुः दसयासः यायेवः यदे हिम् नेम मया अपवर्षे भेश क्षा मुक्त सम्दे भेश हिम्यम नु वसम्बार्या संप्रेत्र प्रति ही मार्थ र विद्येद त्या भी सुद हिमा सार्वे हिम्बर ही <u>ৠ৴৻ৡ৶৻য়৻ৣঀ৾৴৸য়৻য়৾ঀ৴৴ৼ৴ঽয়৻য়ৼ৾য়৻য়য়৸য়ৢ৻য়৻ঢ়৴৸ৼ৻৴</u> वयवाशासराभे गुर्दे । विशासदे सुरार्दे वा गुनासरा वया वे । हिराग्रेशा अन् देवा क्रेंन्य या अर्के वा न्यव की न्वी का विश्व स्वरूप स्वरू ठेनानीय। अन् ठेनार्श्वे<u>नः लेयायदे अन् ठेना ग्र</u>िक्नायायी अन् ठेनायाया ग्रुशात्रशादेवे पुत्राच्य प्रायदेवें विशादें रामग्रुपाय वारा प्राया पुत्राकः बेर्-ग्री-भूर्-हेना-अ-बेर-च-न्हिश-गा-बे-व्यव्य-प्रस्था दे-ग्रु-हेन्यश्री: ब्रुट्र अवदे अप्तार्थ के ना अप्या के देश के मान के ना रुषाकासेन् ग्री सून केवासासी सेन मका ग्री हैवारा ग्री सून केवासदे सुन सन्नदः तेयः दर-। वायेरः सेरः यथा देयः तः भूतः हेवाः र्सेरः ते सः हेवायः सीः

अन् देवा साधेव प्रमाले माना सुरमा प्रदेश होना पर पि देवा वरे। अन् डेनाःश्वेरःक्रेंशःडवा हिंदायःश्वदःडेनाःश्वःधेःनरःनश्रुयःहीःकःधेदायरः वया हिन्नुः ह्वाया ग्री अन् रहेवा या धेव यदे रहेन्। देवे अन् रहेवा ब्रेस्टे के अन्तर् वित्रभूत के ना स्थान के अन्य अन्तर प्रत्यम्य यदे यस प्रेत्र प्रमा हिंदा दे त्या भूदा हे ना सृ ही नमा न सुसा ही नदे अर्डिगादी संस्थित सदे दीर व त्याय विय स्थित है। कुव सबदे यर कर सेन्त्यसायाञ्चन् हेना सृष्टी नन्त्रम् सुसायबन् गुराञ्चने हेना दी सास्या यश्विन्यर-न्वयम्भायासाधिक्यवित्रीत् विक्रमानीस सन्देवार्स्ट्र षान्त्री निवे हरा पर श्रेव पारा धेव पवे अन् हेगा श्रेन निवा स्थापर श्रेव यदे अन् हेन हेन सक्त हेन सेन यदे अन् हेन हेन हेन हेन शुः से दः परिः भूदः के गाः श्रूरः पतिः सं गादः रुदः धीवः वः सुवः सम् देः नरः कदः येद्राययाधेद्राययाष्ट्रियाचेराद्या दें द्रात्त्रयायराञ्चेद्रायायधेद्रायदेः स्नूद्रा डेगासदे क्रिं राजाधीत त क्रुत सबदे नर कर से रायस धीत प्रशासित पर बला दसःचरुतःवबदःचर्देश्चेरा वर्देरःदा बण्सेरःग्रेःसरःधेदःदुणःदसः वबुराक्षे क्षेत्रशावदुः सायदेशाया सळवा प्राप्ते । जुपावबराया विज्ञापा दुवे नरः हेना या पाने : इसा परः श्लेन : या थीन : पाने : श्लेन : या ये : श्लेन : या उवा देरावया देवे धेरा देरावया दे खेरायवे धेरा देरावया गर्भरा वर्षेट वर्षा कुं सळ्व वर्ट सूर व वर्षा सेट वस्य उट कुं धेव स्वाय हैंग्रायायायायहर्षेतासूरासूरायारादे उद्यादी यादरार्थे द्रयार्थे । क्रिंश उद बना से ८ ग्री ग्रेंना म हिन्य राया यह ना बुह हैं वियान सुह या सदे। धेरा हिनः हो यदेवे वना सेदः ग्रे कें साया वना सेदः ग्रे सरः धेतः द्वना ददः र्बेन्यान्युःन्त्याद्रेयायन्त्यळ्युन्त्र्ये गुन्नवर्ये न्युन्युदे

वर खेंद्र प्रदे सुरा इ वरा क्षेत्र प्राया के वाका रे रेका ग्राटा विकास दे श्रुवाशाविरशावशादे त्रुमायदेव पूर्वाशायवे स्रुमा वर्षायायशा वर्षा *बेद*ॱग्रे:श्रेुवःमःद्रशःद्रमे:ग्रुदःनबदःमें:नक्कुदःद्रदे:नदःमें:वेशःगशुद्रशः यदे हिम् इ नम पर्ने न वा बना से न ही पर हिन हुन न स न में हिन न वर र्थे नकुन् दुवे नम् हैं गुर्या मधे ह्रया मम् श्चेत माया धेता मवे सून् देगा श्चेता कैंश उदा क्रेंट हेट या है गाउँ गाएं सहसायर नवगा मदे क्लें प्येत पर वया मुत्रस्वते न्य कर् से द त्यस पीत पति भी पर्दे द त्य दे के साउता सहस सहसामरान्वना नविदासदे प्राप्त वना से प्राप्त स्मान्य न स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य वुन्नवन्रें नकुन्दुवे नर्हेग्यायवे त्यसाधेत्र या जान विज ने तर्वे क्वें धेरा गल्दाधरा वर्गासेर्धः सर्धितः दुगाद्यावया सेर्धः स्रीत्र र्शे.चर्व. ग्री.चर. ह्रेच्या.चवे. इयाचर श्चेव. चवे. श्चेर. क्या. ग्वेंया ह्या. व्या देर वया देवे धेरा दे खेर प्रदे धेरा गर्भर पर्वेर प्रशा अर हेगास गडिगात्यावना सेन्दे न्याहिना सामदे क्रुवा समदे पो सावे सेन्दे ही न सिन् डेगासामहिकासदे क्रें रायदे विकामहित्रा यह से वह देश वन *য়৾ঀ*৾য়ৢ৾৾৽৳য়য়য়ড়ড়ঢ়৽য়য়য়৸য়৾ঀ৽য়ৣ৽য়ৼ৻য়ৢ৾য়ৼৢয়৽য়য়ড়য়য়৸য়৾ঀ৽য়ৣ৾৽য়ৢঢ়৽ धुयायास्य यर्था यरास्य साम्राज्य होता साम्राज्य साम्राज् Bुव-स-५ुना:ऍ८श-शु:₹नाश-स-५८-। क्रॅट-हे८-इसश-उ८-५८-¦ ग्रुट-कुन: ग्रे-ब्रियायाग्रे-क्र्याश्वयाञ्च स्वत्त्राध्याश्वर्षेत्राश्वर्याश्वर्या নাপ্যদমান্যন্ত্রীমা

इस्रायर श्चेताय प्रात्र इस्रायर श्चेताया स्रीताया स्रीत्याया स्रीताया स्रीताया स्रीताया स्रीतायाया स्रीताया स्रीताया स्र

वरे अयार्विन प्रते वादाववा वी क्रुन् श्री के शाह्य प्रमास अर्थे वादान । श. ह्र्य. सद्य. योट. बया. यो. क्यूट. यो. क्यू. स्थायर श्रेष्य. य. प्टाप. द्या क्यू. मुेव मुेरा पर्ने सारी सार्ष क्रिया स्थान मार्स है ये ता साली या पर्ना ने पर्यो र्धेनामः इसम्मर्भेरमन्। विकेन सम्बन्धमास्य स्वरूप्तः स्वरूप्तः इसायराञ्चेत्रायायायेत्रायाद्या यात्रकृतायायत्वरक्ताः श्चेत्रार्येत्रायाद्या यरःश्चेत्रयः धेतः वेरः त्र देः वश्चयः मास्रे व्यवदः यरः वया दरः से ध्यारं से वन् गहेशसायरक्षावन् गशुस्रामायरक्षेवन दर्भे यागुनाम् वर्देवे ह्यासराञ्चेनायायाधेनायाच्यासेनायासे नुनासरामया <u>अर्दर्स्थार्भ्यः सद्यान्याम् कृत्योः क्रियायः वर्षास्य प्राध्यायः स्वर्यः स्वरं </u> यदे भ्रिम् देर वया देवे क्रुन् ग्री प्रविस्त न न न हिंद से दस से न स स्ति । धिरा दे त्यावि तरमें देवे क्रिट गावि चना से द से तर या के स हि द चना से द प्येत यश्चास्य श्रीव पान्य। इसायर श्रीव पासाधीव परि न्ती वाधीव परि ध्रेर बेर दा दे से तबद पर बया के राहित या रेगारा से तद परे द्वी प बेद्रमित्रे में गहेशमाध्यम् भेरत्वद्रम्य विष्यं दे द्रमः भ्रेद्रम्य भ्रेद्र सालेवासदे दिवासालेवासदे स्थितः वास्त्रसामा सावद्वा सावद्वा यास्रवाळन् ग्री कुन् ग्री के साया द्वाया र श्चेताया साथित प्राप्त प्रिया प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प देन:चवा देनेते:चना:सेन:वाः स्रुतः सँनायः तयः सूनयः नहः सः दहेयः सः सळ्त्र-५८-५भे-छ-५-नवर-भें-नक्तु-५३दे-नर-भें-५-ना-विना दे-त्य-दे-५ना-सेन्यते भ्रम् वार्यम्यस्य ने त्यासस्य निर्मान्यस्य वार्यस्य यात्रस्थायकन्यास्यात्र्वायास्य कन्याद्देश्वरावर्षेत्राचित्रस्य यदे हिम् पराव हेवा वरे । यदे दे स्या श्चेत दर स्या श्चेत या पीत यदे । न्वे न भून हेना र्भे र रूप में रूप र ने रिकार का प्रवेश के साम किया है से प्रवास मार्थ

दिनेते क्या यम श्चेत पति भूप छेण श्चे म प्राह्म सम्मा श्चेत पाया धीत पति। अन् देन क्रेंन निक्र ग्री सुन अन् देन क्रेंन क्रेंन के निन्दर सुन स्वारी न न्वें रामितः से मार्थमा वर्षे रामिता वर्षे से से मार्था वर्षे से से मार्था वर्षे से से मार्था वर्षे से से मार्थ ळ८.२ं.अळ्य.२नु.कूंचरायायड्रेयायार्श्ववायायायाच्याची.ह्र्याया रेग्रार्शी:व्राप्तायवरःव्राप्तायार्वेनाया क्वेंब्रायदे केंप्यर द्वार हिंदा रग्रायान्द्रायुर्यात्र्याञ्च्याद्र्येयान्व्याय्यात्र्याञ्चेत्राय्या भैचर्यात्रा याचक्रित्राणवाकरात्रा वित्रायरात् क्रियावरे यावया अन्यास्त्राह्मियार्भवायाः ने प्रवासी त्यामायात्रम् स्वासी विकास स्वासी स कें प्यरायवर हैं या से दाय शहरा मर्ग हो दाय देश महा साम हो है। दे'द्रवा'त्य'क्रसंस्भेत्र'य'बेर्स्य निर्देश्य विश्वासं वि यशः कुः अळ्वावी अदाविषाया गविषा विष्याया राकुराया इया परा श्रीवा यदे नार्ये अञ्चान अर्गु मुन्य यदे बना य से द यदे के अर्मे सका जे के अपीत मयार्थे। विश्वाम्युद्यामदे धुन्।

रदःख्याश्रायः भूदः वेषाः र्र्ह्वेद्रः या सळं दः हेद्द्रा द्र्ह्वेद्रा श्रायः स्वार्ध्यः स्वार्धः स्वरः स्वार्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वार्धः स्वर्धः स्वार्धः स्वार्धः स्वार्धः स्वार्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः

बेद्राची क्षेत्रायात्र या न तुराक्षे प्रयोग्च द्वारामा न तुराक्षेत्र विष् अःग्रेग्'यः अर्देत्-तुः तुषः प्रदेः शेस्रशः द्वतः द्वीरः स्वरः सुगः दे धिव मदे हिम् निहेशम दे पळद मम् निम्के के सम्मान महासार है म्या विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विष्य विष्य विश्वास्य विश्वास्य विष्य विश्वास्य विष्य विष्य विश्वासय विष्य वि श्चेत्रपते वणासे दारी श्चेत्रपत्र पत्र पत्र वहार हो दिने वहार परित के दिने होते । *नरः* ॠ८ॱडेग्।सः डेग्।यः सर्देद्र-तुः हो८।तुः सः पदेः सेससः ८५वेः द्वयः पर्हेटः सबर बिया हे त्रीय तर होरा यशियारा है त्यकर राजा क्रीयारा स्वाया र्श्वेद्रायाया विश्वास्त्रां विश्वास्त्रां विश्वास्त्र विश्वास कैंश वस्र शरु निर्मेद केंद्र न्या स्वार मेंद्र स्वार मेंद्र स्वार मित्र स्वार शेसशः न्यते द्वापत्रीं र सबर वुगाने पितः यते विरा नले याने हेन पळन याया केंगान् है।ययायइ। यदे हिम् विश्वर्भे म्याने विश्वर्भा माने वाहूर-। नेवे अळव केन पॅन्ने कें अ वस्य उन ग्राइन वहें व ह्या ग्रावन ग्री अ केंन यर अर्दे र शुक्ष पुरे हैं वाका परि क तका प्रविवा परि के सका प्रविवे ह्या पर्हें र सबर बुगा ने प्येत प्रते बुरा ने नित्र पर से र में। इस ग्राम्स प्येत विर स सळंस्रशः क्रुत्रः सद्दार्तिः त्ररः सिंद्रा

नशुँ अं या ईं द्राया श्वें द्राया या विष्ठ देश विष्ठ विषठ विष्ठ व

अ.चर्चे.त.स्रव.कर.म्.मैंचेर.त.स.सूच.तस्य.स्य.तर्मा स्रुव.त.र्टा क्वैव. सवदःसदे कुन्ताः वनाः सेन् ग्री त्राः साम्यान्यः वनाः संवाः समान्यः स्वाः समान्यः समान्यः समान्यः समान्यः समान्य श्चेत्र संधित है। दे महिरादम्य से दर्मे सम्बद्धिम् ह्या सम्पर्धितः रे। जुर शेस्र मुद्र समय परे कुर ग्रे श्वेर पा ग्रेश से र पर मा हिर ग्रीया गर हें हैं ये दगर बयय उर ग्री विय से गया ग्री सर दें द रहें द कुलावबर्यते से विद्रा वर्देर् भे तुराहे। देवे कुर्ये भे वाया विद्रास्ति से से नेर वया नेते कुन ग्री भेश श्रीन ग्री यहे ग्राय प्यान प्रति श्रीमा हिन श्री कुर्-सु-स-प्रभा दहेग्रस-दर-वरुष-धुर-दयग्रस-प्रेस्वया । गान्त-ग्री भुन्य से व हो वेया ग्राह्म से हे दे वेया भ्राह्म से दे वेया भ्रीता ग्री:दिहेवार्याय:प्रप्राप्त क्राया वित्राची:क्रुप्तर्याया धेर्याय । प्रिपाय प्रमुद्राया धेव भी। गृहव भी भुनम सेव व लेग भी व भी वहि ग्रम य प्राप्त सम् वियायायश्रम् यायाधीमायदे स्रीमा विराधियायायी स्री स्रीतायायाया यदे कुर् भी प्रविस्ता स्था से से स्वर्भ व्यक्ष है व भी शायके न शार्द्र में वर्षास्रेर्यायदे स्निमः नेमः वः याद्या ह्वायायायः स्री

कुन् त्रुः सः यथा दयम् शः स्था त्रः त्रः त्रः त्रः त्रः स्था । दक्षे त्रदे स्या त्र्या त्रस्यः स्ट्रा त्र्यः स्था । यथः द्रः हेत् सेंद्यः द्वदः मेथः स्रो । दे यः दे स्ये द्वे सः दे स्ये न ।

डेश'ग्राशुद्रश'मदे'ध्रीम्।

यविष्यां भ्रम्य विषय निष्य विषय के निष्य के निष्

चर्वियोशःस्। । योर्चेषुःकुःकुवःस्राःचयःदिह्यःप्रियःस्रयः २००। भिन्नयः चर्चितःस्रयः वयः पहितःस्रयः

## यर्केन् नाईन्

यर्थेश २०११ थ.म.२.म.४.म.४.म.५४.म.५४.म.५४.म.५४.म.५४.

क्र्यात्रिर्द्यस्य स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्य

क्रे.च.द. अक्र वा नक्षेत्र क्ष्य निष्ठ क्ष्य प्रति । व्युट्य स्वर्ग प्रह्म प्रति स्वर्भ क्ष्य प्रति । व्युट्य स्वर्भ स्वर्य स्वर्भ स्वर्य स्वर्य स ञ्चन्य द्वे त्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त क्ष्य व्याप्त क्षय व्याप्त क्ष्य व्यापत क्ष्य व्यापत क्ष्य व्यापत क्ष्य व्यापत क्षय व्यापत क्ष्य व्यापत व्यापत क्षय व्यापत व्यापत क्षय व्यापत व्यापत क्षय व्यापत व्

म्याम्युयाध्याध्याक्ष्याः म्याम्युयाध्याः । च्याम्युयाक्षयान्यः प्रवटार्क्षयाक्षयान् । च्याम्युयाक्षयान्यः प्रवटार्क्षयाक्षयान् । व्याम्युयाध्याध्याध्यान् । च्याम्युयाध्याध्याध्यान् ।

र्त्वा संस्थान क्षेत्र स्थान स्थान

याश्वरायश्व केशायाश्वरः भ्रुप्ति विदेश्याश्वरः यादि । । स्राहेष्यश्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः । । स्वरः केदः यायाश्वरः दिदः द्वायाया श्वरः स्वरः स्वरः । । स्वरः केदः यायाश्वरः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं । ।

स्टालकान्स्रम् त्यास्य न्द्रास्य स्टालका क्षेत्र स्टालका न्यास्य स्टालका स्टाल

## न्गवःसरःहेशःचन्दःविदःवर्ष्टिग्यःगर्हेदःचवेःश्चन्।। वहसःन्वरसःसविदःस्वःस्यःश्चेःग्देदसःचवेदःतुग्या।।

## यक्षयगः श्रुरा

अव्यास्त्राचित्रः अत्राचित्रः विष्याः विष्यः विषयः वि खेदुदे र्ने व निर्मा मह्या सुन स्ट्रा मह्या सुन न स्ट्रा व करा सम् अन् ठेवा सं वर्षे वा पर्वे सर्देव सर् हेवा सामर होत छुन सामस्य स्राप्तर वर्षे स यशः भूर देवा अपविशेषायाया के शामी भूर अर्देव पर हेवा शायर मुर कुन याधिताते। वेशासूरा वर्षेते र्वेतायकर्षाया न्याया नवया स्राम्यस्य हु वर्ष्य अपने क्रिया भी वर्षिय स्थाप से प्रति से स्थाप से प्रति से स्थाप से प्रति से स्थाप से प्रति से स्थाप से स्था से स्थाप से गहिरायादे सामगा हु भू निवाय स्ति हिरा विरायमें द्रा भूनरा वकुर्भर्राचर्वर्भर्गहेश्यः शेर्वे रेश्वः श्रेष्ट्रेर्भर्गे रेश्वर्मे रहेरा र्श्वेरः रगायदे यर्गेयायम्। अप्राचिताया विवासिय अर्द्रिय सम्ह्रित्य सम्राचित ढ़ॖज़ॱज़ॱॾॖॖॖॖॖॖॹॱज़ॾॣॕॶॱज़ढ़॓ॱॵॣॸॱड़ॖॴॱॴॳॖॶॴज़ॱज़ॱक़ॖॣॶॱऒॖॱऄॗ<u>ॸ</u>ऒड़ॣऄ यर हैवाय यर ग्रुट कुन य धेव है। वेय यदे वह रें र द्रें य न सूर्व ग्रे क्रिंर न इस न्या धेव बेर वा दिव ग्विट वरे गरि के कर भूवर पर्व यदे हे मा भी न कि दा तक दा तदे कि मार्थ न कि दा ता विदास थित पर वया ग्रावुर पर्दे म्राई र्वेर प्रकर कु रहेय प्रकर हो र ता के र देवा का प्रवे धेरा हगर्यापया देर:वया हिंद:ग्रे:ब्रेंस:च:दबद:यदे:धेरा दर्देद:ब्रा

ग्व्रावर्तिः स्रान्यारे ग्विया ग्रीस् द्वेति सक्सया ह्वेरि ग्विता ग्विराया प्रेरायर वया वर्नेन प्रवेश्वेमा वर्नेन क्षेत्र मही हे प्यम श्रम महिमानिक नन्द्रमहिरायरायनेतानमें द्रायरायस्यरास्त्रम् । वेराम्स्रद्राया ने स्रेग्रास्त्र में प्रति प्रति द्वीमा जावन प्यमा ने से प्रमान मान्य न्व्यान्त्रः स्त्रीत्रः न्द्रा अन्यान्वन्त्रः न्याव्यान्त्रः स्त्रान्तः स्त्र र्बेद्र-प-देवे स्वेद्र-हे। मल्द-वदेवे बद्र-शै खेम्बर-वद्ग्निये रशि वर्षेट-व यथ। अन्दिनार्श्वेन्द्रमार्श्वेन्द्रमार्श्वेर्याः अन्ति अन्दिनाः यादेनाः यदे अर्दे त्र पर ह्रेन शायर ग्रुट कुन यदे हुँ र न इस यर नहीं साय है भूत ठेना'स'निहेस'स'ल'ळेंस'ग्रे'सूर'सर्देद'सर'<del>ह</del>ेनास'सर'तुर'ळुन'स'पेद' है। देवे छेर। वेश दरा वदेवे बर्ग के इस नम् वर्ष स्थान ग्री: हे अ. शुं के अं ग्री: भ्रां पकर निर्मे अक्षर : प्रें रे विकास अं रामित ठेवा'स'वाठेवा'सदे'सँदेव'सर<u>्</u> ह्वास'सराग्रुट'कुव'सदे'र्स्ट्रेट'त्रस्य'सर' नर्सुयामदे सूर् हेगाया गहेयामा के रामा के रामा के रामा है या रामा व्यतः स्वायः व्यव्यानः विश्वायां स्वायः विश्वायां स्वायः स्वायः विश्वायां स्वायः मर्भाग्यम् मुन्यादि महिला ग्री विष्या मुन्या है । मुन्या विष्या है विष्या है विष्या है विष्या है । धिराने। ग्राल्राम्बरान्यान्याम्बरान्वितार्वे स्थान्याः द्वी परापार्वम दम्यायानम् अप्तार्वमायाम्यायाचे मार्याये विष्यायात्रम् विष्यायायाः विष्यायायाः विष्यायायाः विष्यायायाः विष्याया यदे नर ग्रे म्व्रिर देया में भ्रम्य यदि महिषा ग्रे अस्य अस्य सुर ग्रे म्वर धेव बेर वा दें वा ने पर रे केंद्र ग्रे भ्रु वेश श्रें ग्राय ग्रार ने प्येत पर बला वर्रेर मधे भ्रेम वर्रेर से बुर्स है। वर्रे स्निन्स न मुन्म वर्ष बर ने सु नवि'दळन्'होन्'ग्री'ग्विर'ळव्'श्रेदें'सळस्य स्थूर्'ग्री'ग्विर'धेव'र्यदे'श्रेर्

देरःवय। अन्यान्त्रायदेःह्यासुन्त्रमुद्रायदेःह्यास्त्रम् धेवाव। अवशावकुरायावरीयार्केशाक्षाहीत्रमावकरावेखं रेट्संवया न्त्रे निर्देश्वर्भान्त्रविरायकन्ति संस्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स वर्षेयानम् ने पर में में हिन शे भा वेया से म्या स्ट्रामित हो में भूत <u>षरर्टेर्निक्तिन्ग्रीः भ्रु</u>ग्यः श्रेनिश्चायदे न्त्रीः नश्चा स्थायः नित्रे धेतः प्रश्नारे नित्राः नश्रवःहैं। विदेश्यां गहिशा श्रुः दहा सह दायों। विशामश्रद्धा सदि श्री हो ग्वितः धरा दे स्रूरः दबदः चर् प्रया अन्या ग्रुत्रः प्रदे हे या शुः अन्यः नमुन्यमार्केमाञ्चा पर्यापानमा अर्डियाः याद्यां सदी वियार्थेया याद्या अत्यानकुर्ययाः क्रियाः शुनिवेदे र्से द्रशायकन् प्रदे रेष्ट्रिये प्रदेश से मार्गिया प्रदेश में नेन नेप्परार्टिनेहिन्र्जीः भ्रात्यार्थे ग्रम्भाग्यदे न्त्री नमा स्थापानि वित नमा वेमार्चरा रे.क्रेर.भे.चबुद्र.त्रच्या.क्रेर.चक्रेय.यमा चे.चना.ध.भे. न्दायत्रेयाक्षेत्रायम्। वर्षेयायम्। ने प्यदारे में कि ना क्षे विकानमा क्षे यिष्ठेशरादे प्रचेषा क्रिया प्रचेषा या विकास के शा भी क्रिया में यवीयायम् वाश्विमास्तिमा वर्षेत्राचम् वर्षेत्राचित्रास्त्रीत्राचित्रास्त्रीत्राचित्रास्त्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्राचित्रास्त्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रास्त्रीत्रीत्राचित्रा डेशरादे दे श्रुप्यत्। वेद्यो सर्दियम हिष्या सर्भरम सुरा है। वेश यदे द्रिंग नसूत्र या स्रेग्या रेग्या यस त्रया हिंद ग्री ले वर्दे द या दे वर्द्ध वर्वासदे हिरा वर्रेरवा रे प्यर वेश र्शेन्य ही र्रे प्रवेश हो सुरवे

र्ने दे। गुलुर में र अदे दिसान सूत्र ग्री हैं गुरा पदि सरस मुरा धेत पर वया वर्देर्प्यवे सुरा वर्देर् दा अरम सुमास वर्गा पवे सुप्ये पर पर वया वर्देर्-मदे: ध्रेम वर्देर्-भ्रे:वृश्वाहे। दे:चले:रे:रे:यवद:शर्शः कुश्वाश्चा धेव सेव रु सं धेर प्रति से से हो सून या न सुर प्रया मुद्र प्रति सु न वि रे रे.च.रे.क्षर.लूर.स.रेव.हीरा गवरालरा येग्रस.यंभराग्रेर.वहीरा यमा कैंगः भू ने प्यटारें में हो न भी मार्थ मार्थ नहीं नमा इसाया नहीं धेव प्रमान ने प्रमान मुद्र हैं। विभादरी इसाम विपास के मान निमान क्रिंश उद्या द्रसामानि धिवाही दें में हिन् ग्री सुन्य स्वासामित प्रति ने ही नस इसामानि धेरामरार्थे। विश्वास्त्रम्थायरि है स्मूमान्यक्षाय वयद्गरम्भवा देः परः वेशासः देः क्षेत्रः श्रुः श्रुः वाश्वरः दशः वन् दशः देवाशः यास्रेगमारेगमाये धेरा हगमार्थे । देरामया हिंद् ग्रे स्र्रेराख्यादर बेर्द्र्रान्नायम् राये द्वेरा यराय ह्या म्बर्द्रिय स्रायन्त्राय क्रिंशः भ्राप्त्युनः न्यान्यस्त्रायदे श्रीरः है। द्योषः नर् भ्रूनः हेना सः नहियायः याक्रिं भी स्थान्य स्थान्य हिंग्या सम् मिरा हिंदि स्थान सिर्म हिंदि स्थान सिर्म स्थान सिर्म सिरम सिर्म सिरम सिर्म सिरम सिर्म सिरम सिर्म सिर्म सिर्म सिर्म सिर्म सिर्म सिर्म सिरम सिरम सिर्म सिरम मदे हिम जूराम हेन न्रें अपमूत्र त्याने तर् से सुर हे स्वतर । से तमन यर वया नर्रेश नसूत गर्रे में सेत पर नर्रेश नसूत यय न नर तुर ड्यार्-नर्भवासत् हिराहे। दे त्य्यायार्भार्ट्याश्चायभ्वासते त्योता नते ग्व्राग्वेग वर्तर पॅर्प्य प्रेर होर है। वर्तर भ्रम्भ नश्र अपर नमश्र प्रेर ध्रेरप्रा वर्षेयावदेख्य र्देव देवे ध्रेर्दे ।

यहिरास स्टास्यायाया नियानु के या उद्देश वदी यहिरा ग्री स्टी दे वि

गशुरामार्केन्यार्श्वेन्याया मिलेगानारी देवाह्मानम्नार्शीमात्र ने द्रम्य अर्थे दे सक्त्रम्य क्रिंन त्यमा ग्रावन स्थान उत्तर सामित्र स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान वया ब्रिन् क्रे. चन्त्र ख्याने तवन्यते श्री स्वाधन स्री केना स्वाहर हरा न्वेंद्रश्राचार्यसाधिवारविष्ट्रीम्। नेप्यश्रामाववान्यम् वार्यस्याचीशा यानवराने सूरासहरामा से प्रमास के प्रमास के स्वाराम के स्वाराम के स्वाराम के स्वाराम के स्वाराम के स्वाराम के स ह्यायापया वर्देराया लयारायाची यविराधा सत्रवास्याची विदेर भे त्याने इयाने १ ग्याना यो ना यो ना विकास दर्। इरावसूवर्वा नेदारि द्विरादर्। देः पर्। वेदार्शिवायाः सूवरा <u> र्थः भ्रे.वाहेशः भ्रे. अळ्यशः श्रें र.म्रे.वतरः भ्रः यदः भ्रेरः पदः भ्रेरः पदः । इ. यरः </u> म्र्टिटी बन्नानायबुरायुः लटारेया यहूरी विश्वायशिर्याता केरी स्रीयश यदेवे ग्राबुद ळव नवेवे विदान ग्रावया मदे भ्रानवेवे द्वी न सळस्य भ्रें द ग्रे:क्वॅं:वर्थ:वर्ष:पंतरेदे:ग्वेरा वेद:ए:ब्वॅंश:पशक्रेंवाय:हेवाय:पट:क्वेरी | पर्मित्र दे ने अग्रु के अग्रु के अर्थ हिर से स्था कुर सम्मान स्था में र्श्वेराग्री नुराक्षेत्र केवा विदेश सम्भू विदेश केवा कर विग्र विश्वेष हेर के श য়য়য়৾৽ঽঀ৾৽য়৾ৼ৾য়ৼ৴ৼৄ৾য়য়৽য়ৼ৾৽য়ৢঢ়৽ড়ৢঢ়৽ৡঢ়৽য়ৣঢ়৽য়ঢ়য়৽ঢ়য়৽ श्रदशः प्रवे श्रीम् विशः प्रवे श्रीमः यादिः यविरः प्रदे वे प्रदेशः वस्त्रवः श्रीः देवः र्श्वेर-इस-द्या-लेब-सर-वया ग्वंद-तद्दे-तक्द-मु-द्वायायद-र्श्वेर-देग्य-यदे श्रेम ह्रम्याप्तया वर्देन हा देवे दिस्य मध्य श्री मार्ड रेवेर दे स्थर वर्गेर्देग्रास्य वर्द्र्य वर्देर्द्र वर्षि हो स्वर्ष वर्षे व श्रभाग्रीभाग्रदार्श्वेरानादे निर्देशानश्रदायान वेदायरामया वर्देदायदे श्रीमा वर्रेन्से त्राते क्रिंग्ने सळसरार्श्वेरायासूरावदेर्स्वेरादर्गेरासहरायदेर्धेरादासाह्यासे। द्रेश नश्रूवःगर्डे र्वे त्यः दर्गे दर्भः यदे श्री सः दर्भा वर्षा यहा श्रुवः यः धिवः है। दे·**षदःबेशः**मदेःदेःश्चःददःषदःश्चदेःत्राःमःश्चृदःत्रशःनन्दःद्ध्यःगठेगः लूर्यात्राच्चेर् वियाक्षे कूर्यास्राप्तवीयार्थान् किरालुयायरायाचराकूरा शुर्ने यान्ते ने प्यार है में हिन् की शुर्शे ना यान ने प्यान के या प्यार शुरी हैन न्दा ने भूर ग्रुट कुन राधिव है। वेश ने श्रुश्रीश रश वेंगा साय देवा सा ५८। रे.२८.वर्षेत्र.क्षण्यायारा.रे.श्रेष्टे.र्रेष.लेब.चर्ष.द्वीर.हे। रे.श्रु.ह्याया वर्त्रेव केंगान्ता धराश्चावत्तेन सून्यी केंगाधेव पदि श्वेरा

## क्रिंशः भुतेः श्चेः दिवा

दक्षन्तम्। तम्रोयायम्। नेप्यन्तम् श्रीतिन्त्रभ्यायाविषान्तः। तस्रेष्यायाविष्यान्तः। वस्रेष्यायाविष्यान्तः। वस्रेष्यायाविष्यान्तः। वस्रेष्यायाविष्यान्तः। वस्रेष्यायाविष्यान्तः। वस्रेष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्यायाविष्याः। वस्रेष्यायाविष्यायः। वस्रेष्यायः। वस्येष्यः। वस्रेष्यः। वस्येषः। वस्येष्यः। वस्येषः। वस्येषः। वस्येषः। वस्य

इसारा निले भेर प्रभा वेसाम्बर्धा परेते देते दिन प्रकराया प्राची मानमा श्चरःगश्चरायम। दरःरीयापाउँगादःरी ग्वरःश्रेममः कुरायशरायगः ग्रथरः र्'दळ्टा कु'रावे हेव त्या वर्दे र मा बुग्रथः गृहेश गृदे हेवे व्ये र बेर वा द्र.यी जर.योजेयायायया वर्ट्रेट.स.विश्वयान्ट.याचियायास्रेट.यी विरया कुरु हुरु । विदेत क्यार्यात्रास्त्रित् पक्षंत्रः मुःदि । विश्वासदे सुतः दिव सामुनः सरः मय। वर्देतः ॺॎॺॴॸ॔ॸॱॻऻॿॖॻऻॴऄॸॱॻॖऀॱढ़ॆक़ॱॴॴॸॱॸ॔ॖॱढ़ऴॕॸॱक़ॗॱॸॱऄॸॱज़ॱॻऻॿॖॻऻॴ विस्रयाग्री देवा सेव ग्री हेव या वासर र प्रकंट मु ट्वें या वेश वसूव या स धेव मदे छेर है। वर्रे र मदे हेव या ग्रायर र पळ र कु न ग्रे गा थेर मदे धिराने। वर्देरायवे हेव उव ग्री क्रुव समय न न हेना पेंदायवे भी न न नव यदा देवा सेव ही हेव उव साधेव मदे हुव समय न महेवा से दाम मान वर्रेर्पिते हेव ठव क्री क्रुव समय न न हे ने प्येर्पित परि हे मा हन र र्रेर्प नेर वया हिंद शे द्या वे उत्यव द्या परि से परि द्या के व शे हे व त्या शर्थासामुशासर पर्दे दासदे हेवाया ग्रम दुः शर्था मुशासदे शर्था वसम्बर्धिन सर मया वर्देन सबे मेरा वर्देन से मुबारें नर्गेन यदे सर्दे त्यमा सरम क्रिम वसम उर्दे त्या से दर्दा सरम क्रिम स गुर वर्देर विस्था श्री । यरमा मुसासहर पासी सहर दें। विसामा सुरसा पंदे मुन् विश्वासायावित्राने। श्रद्यामुश्वासायवात्रवेत्वाराववायवित्रादेवाः बेव-मु:हेव-ठव-धेव-दर्गेब-धर-प्रया दर्कट-मु:व-घबक-ठट-देवे-कें-देवा-श्रेव मुं हेव रुव या पळंट मुं दुर्गेश पदे मुं रवा वि रेग रे विग स हिन बेरा इतरावर्देन्त्रा गृत्याबुदेन्त्रराग्रेशास्याम्यायादेन्ते विर्मित्रसम्भाष्ठत् श्रीः स्वाप्तान्त्र विरम्भाष्ट्रम् विरम्भाष्ट्रस्थितः विरम्भाष्ट्रस्थाः विरम्भाष्ट्रस्थितः विरम्भाष्ट्रस्यात्रस्थितः विरम्भाष्ट्रस्थितः विरम्भाष्ट्रस्य विरम्भाष्ट्रस्य विरम्भाष्ट्रस्य विरम्भाष्ट्रस्थितः विरम्भाष्ट्रस्य विरम्भाष्ट्रस्य स्थाप्तिः विरम्भाष्ट्रस्य स्थापितः विरम्यस्य स्थापितः विरम्भाष्ट्रस्य स्थापितः स्यापितः स्थापितः स्थापितः स्थापितः स्थापितः स्थापितः स्थापितः स्थापितः स्थापितः स्यापिते स्थापितः स्यापितः स्थापिते स्थापितः स्यापिते स्यापितः स्यापितः स्यापितः स्यापितः स्यापिते स्यापितः स्यापिते स्यापिते स्या

र्रेतास्त्र-इ.इ.प्रशक्ताक्षा देरावता देवास्त्रीम विचाराविया स्वाया गुँव क्रें। ने वर् वर्ष क्षया भु : वर्ष नियं ही र है। ने न्या नर्षे व सर हें व स्वैदः सुर्याहेत् उत् नुष्यार्थे। विदेन प्रवे श्रीमा वर्नेन से सुर्याहे। विस्रया गश्यागरामीवराख्याहेव उव याधिव प्रवे श्वेरार्से विरात्या हिन सक्तरातास्वारास्त्रीयास्त्री स्वार्धात्वर्ग्दाराद्वारास्त्रीया सद्यास्त्रीया वस्र कर दिवा से दर्श विश्व से वाश वाश रश रा देवे ही रा वर्दे द से वुश है। ब्राट्स सुन्दर्देश कु हेर खेद क्रेंद स्थरा क्रिया राज्य पार्टिया था रणायमाग्री देवेयामाग्रुन मदे पर्दे न हेन उन ग्री श्रूया भू पेंदा मदे श्रीमा नेर वया क्रिंश भ्रुंश निष्ण क्रिंत निष्ण स्ति सक्षेत्र स्त्री व्याप्ति स्त्री मुनः अः वना नी र्यः शुः अे दः स्टा दे त्यदः यदे त्य वे त्य मुनः स्टि दा व व व व ग्री हेत उत् ग्री श्रुप भ्रु उं अ अवय अभ य भें द प्रेट विम दर में ग्राट विग द्ये:सन्देवे:द्येम् इराम्यान्त्रम् इसाम्यान्यम् वेद्रमःसुरामद्याःस्व व्यावयायहर्पानवु गहियाची क्षेर्या मृत्यावु हेया सुपदे द्रापदे धेरा महिरासम्बन्धे। देः क्षरायान्य मुयायान्य स्थेयया उदानारा ल.चीर.वर्चत.म्री.कुर.रे.बूर.चबर.लश.सदु.ईश.स.वर.म्री.श्रेंत.श्री. र्यायन्त्रस्यार्ष्ट्रेत्र्यते स्त्रीरात्रास्त्रात्रात्र्यात्रेत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्री देशाये उवाधिवाधारायर्देनामये हेवाउवायाधिवामान्याधिनामये श्रीमाने। दे चेंदा गी क्या पा उव ग्री श्रुवा भु दे विस्र सामा सुरा मादा मीवदा हेव उव साधिव प्रवे धिराते। ते ते वे खु या हे वे उव या धिव पवे धिरा वे ति त्या श्वानावा ने पद यदु.सूर्यास्री.कूरा.वर्ष ब्रिटे.ग्रीयायरयामिताग्री.सैतायाट्रा.कैरार्सूयायर

वया यवर व्यानी यो भी राजवी कुर व्यानी राजवार या राजवी राजवी हीरा हिनः हो। अहअहिराधे ने अही अँ रुअ गुन् हु ग्रिय हा या गर दर्या ॻॖऀॱॹॖॱॸॣॸॱऻ॔ॻॖॱॿॣॖॸॱफ़॓ऄॺॱॻॖॸॱॿॣॕॸॱॸॹॖॸॱॸॻॱढ़ॻॖॺॺॱॾॗॗख़ॱढ़ॺॱॸ॓ॱ स्रर्भेह्रवा ब्रुवा सर्वे : ब्रेट्रा हे। सर्दे : क्रुवा व्यवा सहस्रा हेट्रा पो स्वे वा प्येव सर वर्रेत्। द्रिशः इसः गुरु: गुस्रशः प्रदा । शुन्रशः हे के दः रें प्रना प्रमा शिस्रा उद इस्रा या स्रा या निवा । यह या मुरा सु दे हे या यह स्रिवा विभादरा देवे वर्षे या पर द्वीया या हे दारी भा दुशा में सार उदा दुर्ध संस यः केतः संभ्वत्रायः हे केतः संभूतः यः प्रमान्या सेस्रयः उत्तर्मस्ययः संस्थाः यः द्दे<sup>.</sup>ष्ट्र'न'नबित'र्'अरअ'क्रुअ'क्री'श्लु'देअ'सर'र्स्ट्रेत'सर'सहर्'स'धेत'हे। वर्रे वृत्र सेस्र उत्। विज्ञानी सार्वे दे निवित निवास पर्ये दे में र सर्वे र विक्रिया वीका विक्रिया केर वेर सर्वेर स्वेर हैं विका द्वार वेर व्राप्त स्वार सर्वे। वियाम्बर्यायदेश्वेर वियासे इत्योवामहियामदेशम्भात्राह्याम् यन्ता अस्र उत्र इस्र वास्य स्थान है स्यान विद्या विराधित देवा वि यदः द्वेर वर्षः दे । पः देवा वर्षः स्थार्भवरः वार्षः च । वर्षः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः वेरात् ने से तवन् पर वया ने यं वेर राष्ट्रिया विश्वामा के ना के नि र्गेट्सी हग्राम्यामुन हो। यदें हो कुत प्रया ै ग्राम हुन प्रति प्रेसे विकासी धिया सिस्रयाउदागुदानी दिवाया पर्दा वियादा देवे प्रमेखा नरा न्दीनानिहेद्राचीया वुःनःसूनःसदेःधेःवेयाने सूत्रानःसूर्यः सूर्यः स्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर न्यमाः हुः सेन्यान्यस्य श्रीस्य से । श्रुनाः यान्याः मीस्य सेस्य । उत् श्रीः नैतः सहरान्द्री विशान्ता धेर्वशास्त्रीतान्त्रीयान्त्रेशाणीयम्यायायशा इस्रायानान्द्रमानायीयावी । यानान्द्रमानावानानानानाने । अत्यायवानु

र्वे निर्मान्तरम् । ने ने पेरिका शुःश्चेन च नम् । इसाय ने ने करे निर्माने नि.लु.कु.रेट.र्.लु.कु। वियासतु.यार्त्रेतु.विट.शूचेशायशा विवास यारूय. श्चानरावरीया विकामश्चरकामधे स्त्रीया विकासी क्याम मिरान्य प्राम्य ग्रीयायहेगाहेत् म्रीप्ययाग्राटान्टान्याग्राटान्टाग्री स्थाय्व श्रीत यर हो द्रायदे हो राद्दा इसाय वदायशा ग्राया सदस हुस हो सुवा वदे श्रुदे हो ज्ञा त्याद विया विद्रा श्रुद् में या अपने श्रुप्त दिन हैं या अपने श्रुप्त विवास स् ळॅर्या विवात्यारवात्यश्राशीत्वेयावा श्रुवादि रहेया तु विवाद रेशे शायर चुर्ते विश्वाम्बर्धरशासवे भ्रीमा नुषाने निराने वे के में व्हर श्रूषा व श्वर्था मुर्थासाम्यानी त्यात्रदर्दे सूर्ये द्रात्रीय है। दे त्या सुदर सूर्या नया *ढ़*ॸॣॴॱॸॖॏ॔ॴॻॖऀॱढ़ॾॣऀॴॱॾॖ॓ढ़ॱॻॖऀॱॺॎॺॴऒॿढ़ॱॴॴॱय़ॱॺॱॴॗॸॣॴॻॖऀॱॺॿढ़ॱ षशःस्र्रिः मदेः द्वेरः न्। देः दुशः श्लान्वे सः ग्वानः सरः वर्दे दः सवदः वर्देशः विवास स्त्री। लट्याय स्वरम् मिन्न स्वर्थ मिन्न स्वर्थ स्त्रीत होता है से स्वर्थ स्वर्थ होता है से स वा ने से प्यन्ते । मु से न गुन कुन हे न स मना ने पर्ने न हे न उन से न परे धिराते। त्रायेराग्रहाराक्ष्यायह्रेयायाय्यापादी।पययायास्यायारास्टरायी हेता उदायादिया सेदादि दिवे हेदा उदा श्री साध्या मदे श्री मा वह या प्रशेषा यस्य त्तुः तः सेन् : पदि : पो से का ने : प्यमः नर्हे सः ख़्तः यन् सः ग्री सः दिनाः सेतः ग्री : नात्र सः र्वित्यरमहेश्यर्भे विशानमा हेवे ग्रह्मा वळमहा मित्रे हेव वे सर ब्रेव ग्री बेग राष्ट्रर देंग शेव ग्री ख़ंदे हेव विं वर नवेत हेश ग्री रूप पदे मुन् व्यायायां वित्राने व्यास्त्राची व्यास्त्राची स्त्राम् वित्राची स्त्राम् वित्राम् वित्राम त्वर्यम् वया रे सूय सूरे कुर्णे सिवियमा धेर परे हिमा रेम वया थे म्तरालेश अध्यात्रेरालेश स्रम्भेत्र

क्रून्यी अद्वित्यान्तिन । च अत्रायां भेरा स्वाया अदि क्रून्यी अद्वित्याया व्रेंद्र-दर्ग्यायदान्त्रेम दर्स्य व्यवस्थि सर्दे में मुद्रायया धार्म्यायान्त्र ही मुःसळ्वः धेरा । यो भेरा द्वारा गार्य अक्तर से प्रदा । विरसा र्से र हैं गारा गर्दे अद्यास्य मुराहेदा । हेया से विदायो मे या विद्यास्य स्थान उड्डार्वे सेशास्त्रम् ग्राम्प्राम् ग्रावि स्यायम् वेशा । ये वे म्ये प्रेये श्री शुरामा । ने प्यरार्के अ ग्री नि ही र भ ग्री हो । नि में हिन नु प्याय विया पर्ने ना |कैंद-र्सेट्स-ठद-पेट्-ग्वस्य:ग्रुट-या | | सक्सकेट-पेक्स-वाहेट्-पर-ह्य शिर्शेरहें नश्चारियों नेश्वी थिन् श्चित्र श्चित्र हिन्देरी दिन्ता क्रिया श्रीत हिवास अहित । इस वास्तर सद से हिन से दे वेंद्रशः भ्रुदे वद्या क्रें व श्री क्रें व्या वेंद्रशः भ्रुद्र वह्या या प्रया धेव प्रदे धिराहे। मशेरावर्षेरायशा वदीःवेरिशः श्चरंग्यन्दायाती देवे कुः धेदायः यः र्रेन्स् हिन्सेन्स् स्वायन्त्रि । विषाम् सुरुषः सदेः द्वेर । मेन्सी हम् गहेशमानुनक्षे उड्डार्गिक्षेश जुन्मसूनमाउठ्याहेन्द्रिन । नेप्परह्ना यर वस्त्र वर्ष । र्या है निवेद न्दे नियस है निवेद । यह या कुरा इसराग्री श्रुषा भु श्रे । विरामश्रद्धा प्रदेश हिन स्था हिन स्थे। ने श्रुषा होन ग्री-निर-रे-वहें वाग्रेन-पाड्यायान्वें रयायाधीवायवे भ्रीता है। उड्डार्वे सेया होता दें ने हिंद्र न्द्र वा वेंद्र अपन्त हो हो । विकासित निकासित होता हो ने का निकासित निकासित होता हो हो । विकासित निकासित होता हो । विकासित निकासित हो । विकासित निकासित हो । विकासित हो श्वयानार्श्वन्यवे हिरारे वहेव नरा श्रुवा सुवे कुरायाहेगाया सेरान विवाद ढ़ऀ॔ऀॸॱ**ॸ॓ॱढ़ॾॆढ़ॱॸ॒ॸॱॻऻ**ॿॖॸॺॱॻॖऀॱऄॗ॔ॱ<del>ढ़</del>ॖॺॵढ़ॻॗढ़ॕॱॸॏॸॸऄॎॺॺॱढ़ढ़ॱॻॖऀॱऄ॔ॺॱय़ॱ हे स्वानानितानु स्वानिताने स्वानि क्षरायेदायादावें वा श्रुवाश्चायादे क्षरायेदायेदाये स्वायाद्वार्ये वात्रा

श्रे। देवे:कुरायाग्राञ्चरायोःलेशायोदायवे:ग्रेट्रा ह्वायापया ह्विराश्रे। सद्यामुर्ये ग्रीयाम्ये हिंगासे दानिता द्वारा सहिता स्राम्ने त्रा स्राम्ने ता स्रामे ता स्राम्ने ता स्रामे ता स्राम्ने ता स्रामे ता स्राम्ने ता स्राम्ने ता स्राम्ने ता स्राम्ने ता स्राम्ने ता स्रामे ता स यदे थे भे रात्री विरासियार स्मार्ट्य में ने के राया सामानी में देर वया देवे कुर या से विराधिक सार्ट सहस्र हैर यो निसार र से र ह्रियायायानेयाद्वययाये स्वायापया हिनास्री देयाळे या वस्र १०८ वर्षा मृत्य देव पासे दाये देव स्था के रावस्र १०८ वर्षे द्या सु यक्तरमान्ता न्याग्वात् वेषायायायेन सम्बद्धार केषान है। से में र पो भी अप्री प्यमा हे अप्मार विम् कुषा न त्रस्थ अप्री अप्से स्था उत्पार तुःग्रेग्। सः क्षुःतुरः वहेः यः ५८: देवेः ५व८: यो शासुः ८दः त्यश्रः से । ८५०: वः दे यहसहिराधेक्षाण्चे वाण्डे वाण्डे वाण्डे कृषाना इसवाण्डे वाले वाणुनावा ळग्रार्भेग्रायेन्य सम्सर्भेर्व सुमान्य होत्र हेट हेट दे प्रदेश स्मारी गर्धिः नरः कें अः ग्रीः करः पने नर्यः भः ने ः र्रेरः हें गराः धेः भे अः ग्रीः यगः हे अः धेव परि द्वेर दर्भे त्रा स्ट्री सर्दे के कुर प्रशा से वेर पेर पेर पेर म्रेटी लिटमाश्रीमाळट्रेस्यारिक्षी निमाश्चीयायास्त्रीत्माया हिया हु-दे-त्यासर्द्र स्त्रिम् अस्ति विकाम् स्त्रिम् स्त्रिम् दे-त्यासर्द्र स्त्रिम् शैव विश्व सदे देव धेंद्र दी वाशेर देवेद ख्या विद्य सर है। सदे देव वे इसामकानरासार्केन्यराध्यासिकालेकाका धरावा वहेन्सूरकारीः इसायादेशासु कदायासेदायसाध्यायादेशासु कदायदे स्थित्र स्था मदरसाधित विश्वाम् । विश्वाम् स्वर्त्ता स्वर्षाम् स्वर्त्वा स्वर्षाम् स्वर् ह्री बर्दे हे कुर यथा है अप प्रत्याप के समारहत या । सहसाम हे द री पे नेश पर्देन । शे मान्य ने प्रम्य न्याय परिता । यह संहित पो ने या पीन पर

दर्ने । र्भः इस्याग्रवः हुः इस्यायः प्रान्। वियासेषायः स्राह्यायः षेक्षात्री कियानु गुत्राय ह्या से विषया हिरारे वहेत दराय बुर्या इसशःश्री । महेर:८८:५५:वि.य.लेया । विक्र.श्री:८श्रीय:विक्र. इसशः शुःवी विर्त्तेरानाम्बर्धारुदार्भेवासद्दामा विर्त्वेदामस्यारुदान्विदामा थी किंगः केतः कर दे रना मुख्येनमा विमागश्रम्मा परि ही र दियाता सर्ने से मुन्दर उंडू में सेदे ग्रास्ट में केंग बेद या थे ने साम बेदे दर में गश्याक्रास्त्राभु प्राप्त ही साञ्चयाभू राजन् गण्डा प्रेश प्राप्त विश्वा प्राप्त र श्रुयाची नन्ता में वाची न ख्याया न वे निया प्राप्त प्राप्त प्रिया चित्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप् न्वेत्रावेद्र्याञ्चायाची नद्यान्चेत् चेद्र्यायाई छे छ्टादे सूराधेत् ग्राटा नन्गाक्तेव ने ने दुल्य न्द्रकृत्य स्व दुल्य त्य विन सम् दुर बन् ग्रह्मेन यदे हिराहे। वार्शरायहोर यथा दे स्राम्य स्थान स्य नवि'षे विश्वाशी सूर ग्रुश दश न्युग्य श्रुग निहेश देवे नद्या स्रेत त्यश वैर.यदुःश्चर.विद्रा विश्वावाश्वरश्चादुःहिरा वक्षरःक्वःयदुःववश्वा वरः पि. द्वेया क्षेत्र हैं स्कूट स्कूट दे साम्या मी दिया से त र अर आ क्रा ने र नर्झे अर्ग्ने अर्भे नाये द्रायंत्र देवा से दर्श तक्षर कुर नर त्रया वर्रे न संवेर ही रा वर्देन्सी त्राही दे मात्र अर्देना सर नवना सदे से र द देना से त सूना से नर्गेर्ना लेखानु नर्वे मान्या देरा अर्था मुखाया धेरा पर्वे हिराहे। यहें यथा देव.क्रव.क्र.क्र्यायायहं याचाधी विचा.श्रव.वावयावे.ध्रययाद्यावः नम् । पाउँ र अदे पाद्या ग्री क्षेट पत्याय दया । पाट पा है पाय यह य नेर-अद्याक्त्या । श्रुवायार्थे नाडेना विदेश दक्ष्य क्रिया क्रिया से शुन्यायम् दिन् सेत्र नित्र क्षेत्र नित्र क्षेत्र क्षेत्र म्यून स्त्र स्त्र म्यून स्त्र स्त्र म्यून स्त्र स्त्र म्यून स्त्र स्त नर्गेद्रमाबेशन्त्रमान्याम् अप्योक्तिमाने विकाम्यान्याम् म्रीम् ग्वित्याम् देराश्चे नात्त्रम्यान्ते क्रिक्षेया विष्या दे न्याया गहराञ्चेयानञ्ज्ञ्याचीयाञ्चे नाज्ञान्यान्य प्रति देवा सेदायाची नाच्या स्वाप्ति सेट्र है। नुसानरुवायम् पर्वे श्रीमा पर्ने दासी नुसाहै। देस ही नायो नाया र्श्वेत्रत्यसः केत्रः संत्रुसः श्रम्। नजुः सः स्मिनः संत्रः न्यानः स्वेत्रः स्वेससः दसम्बारायाया व्यवप्रक्रिया दिवे विश्व के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्व र्श्रेनाश्चार्या यात्राप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र विष्ट्राप्त्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र हीराने। गाःसायानीयस। देरासानद्वायानत्वासामदेग्वराद्धनासेससा न्ययः श्रेन्यः श्रामार्थिः त्रमा श्रेष्ट्रामा वेशामा श्रुम्यायदेः धेरा वर्देवे श्रेर्प्य श्रमायाया वेराक र्वेष्य श्री विदेवे यावया देवा श्रेय <u> दे माञ्जनशाम्बर्भामावसार्द्रमान्यानञ्च नत्त्वः क्षे क्रान्योः देवाः वेदार्द्रमा</u> गर्निग्रा व्यानायावित्राचे देन्ध्रात्वेत्व्यात्वात्रात्वेत्रा र्धुम्याग्री सर्ने इत्वोयान्ता सर्वे संदे सदे सर्ने न्वे द्यादशेयान्ता वर्ष यानित्रम्थायराष्ट्रया वर्देरायदेः धेरा वर्देराता महम्याप्यया ग्रीहेता यास्यासामुकासरामया वर्देदासवे मुना वर्देदाता वेदसाभ्रादे सर्दे श्रेन्याकुर्वत्रविदेवाक्षेत्र्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या व्याद्यत्र है। ग्रव्यारेग्यायञ्च त्र्वाची देंगा सेव दराने वहें वक्षर र्

<u> चुर्यायदे देवा सेदावहेर्य पेंट्र यदे भ्रीटरहे। सम्बेर नन्द ख्यादेवा हुः</u> सरसासामुसासरामया वर्देरासवे भ्रीमा वर्देरासा ने विस्तामाम्साम गर-गीयर-हेत्राय-अर्थ-या-मुश्रायर-वयावी विर्देद्वा देश्यर्थ-मुश्रा यदे हे द से द पर प्रवासी विदेश मा तुमार प्रवास मा द से मार प्रवास मा द से प्रवास नत्तर्त्यानित्रम्यायदे नर्वे नकुत्या से पर्देत् वेराना परावित्रम् देखा र्वि: तःरी अर्रे: यथा ग्रह्म: अदे: ग्रात्य: र्गाः श्रम्य: तथः दी। दिवाः भेता वेश महारूष प्राप्त के त्या के महिला है महिला के महिला है साधिवासवे भ्रिमाने। दे विवासिवाया सामिनाया साधिवासवे भ्रिमाने मान धेव है। सर्ने से मुद्र यथा ग्रह्म से समान्य दस्य में भी पर्के या ना दी। [अ.स्ट्रे.स.रट.अ.चक्राअ.ब्र्यारटा अ.स्ट्रियारारटाटाक्रियासेट. यद्रा रिक्वित्रं स्टर्स केवा स्टर्स में विश्वास विश्वास विश्वास के स्टर्स विश्वास के स्टर्स के स्टर्स के स्टर् शुःकेंशः भ्रुः सेट्राया र्श्वेट्रायसः ग्रीः दुर्गः शुःकेंशः भ्रुः दृरः वरुषा सः द्वाः सः नर्वःग्रेःर्अःशुःर्क्रभःभुःर्वन। न्नाःसःभःगशुसःग्रेःर्वःशुःर्क्रभःभुःह्नेन्यः हे अर्था क्रिया पर दि स्वार्थ क्रिया के स्वया क्रिया क्रिय यदे भ्रीर है। यदेव गहेश दर्शेय याया दे यश श्रुय यदे श्रेव भ्री मुत्र [ग्वास्त्रास्त्रास्त्र विकास्त्र विकास्त्र विकास्त्र विकास्त्र विकास्त्र विकास्त्र विकास्त्र विकास्त्र विकास्त वर्च अर्च. क्रू. श्रे. क्रू. संतु. अर्बूट विषया संत्ये नियम स्वता क्रू अर्थे क्रू. श्रे. क्रू. संतुर दे.लूर्यस्तुम् वर्र्राया श्रुंचालयायः ह्यायायदे यर्यास्यास्य र्षेर्नम्मा वर्रेर्मिश्चेम् वर्रेर्सेन्सेन् वर्र्सम्मान्सेन्स्

यदे हिराहे। क्रिनाय प्रेन प्रदेशहिरा हिना है। हेना के दारे नाया देया हैया <u> अरशः क्रुशःयः दरः श्रेश्वां यसः व्रवःयः द्रशः स्रवः स्रवः स्रेरः है। ग्रवः वर्षः</u> ष्य वेगावर हें दार्शे र सामान स्वेश मुक्त होते ही नाम होता है ना वर प्रमा वर्डसामान्द्राने विवासामान्यामा विवासामान विवासामान विवासामान विवासामान विवासामान विवासामान विवासामान विवासामान अन्-त्र्वोरःयथा वेयःनन्-ग्रुटःश्चेनःययःन्यस्यःमुयःर्वनः यं सेर्प्यस्था से प्रवादित्र में विकाम स्थान से से से मालक प्यापित है से किस भुः सर्वेन पर वया देश देरे दे दे भुन्द थे भे शकेश भुः सर्वेन पान् वैंग वेंदशसूय हिंद रद मेश ग्रद सें वर्दे द सवे हिरा दद सें ग्रुव है। दे रट.यबुव.योब्य.द्रयाय.टट.क्य.तक्यंट.क्री.द्रयाय.क्टंट.क्रंव.क्री.याट.चया. धेव परे में में चिर से सका सर्वे र त्यस परे पित है। इर यम हिंग्रामाधीते के राष्ट्रमान्या विश्वासत्या वह्मासदे हेताया रेग्रायालेयाच्या वियाग्रह्मायदे मेरा म्वरायमा नेयाने सर्मेन सर वया देशर्टे में देन सुराय विनाय हो ने हिंदे हिंद सुर्वे ने साय हुत सबतुःचरःकरःसरः त्रायुं विचार्षे सामवे द्वीरा रेश विवा सेवः रुक्त सबेवे नरक्रियोर्याया ग्रुट्र सेस्रा ग्री क्षेत्रायस हैं हे सु नुवे हेट दे वहेत ग्रीशःश्चीनःपःगुत्रःनर्देशःश्चेःनेवेः इसःम्वायायसः र्वेनःपवेः कें स्टानितः निवः देवा उर विवादिक्या स्वीता होरा होरा हो तर निवास है। निवास र र्विन'म'न्मा प्रव्यान्, क्रिंग भी व्यापान्य में वारान्य में मार्थ वेगानसूर्यायय। यटाहे सूर्के राजी सुपदी रग्यायायया वेगाय हेटा र

वर्षेत्र हे त्र वेग् मक्रेत्र मेंदेर केंश्याय देश माया द्री ग्राम म्याम स्थाप स्थाप ह्रेगामान्त्र। देवे हे अप्यार्चेन मवे प्यान्ते अप्त स्थान प्राप्त में स्थान अप वस्र १८८.र् क्रिया राज्य वार्य स्थान राज्य वार्य वार वार्य व न्गायन निवास सवि भ्रेम हें हे सु नुवे हिर हे पहें न श्रीस हिर हे पहें न देवे सह्यार्चे ग्राश्चा श्री नामा मस्य राउदादा निया नवे सी मादे प्राप्त मान्य शुरामकार्चेनार्ने । विकाद्या द्वायायदी त्याद्वी दका वका इसामक्या स्थीरार्थे मुंदायमागुरा देवमाभूदान्वागिहेमायायाद्वसार्मेयायसाभ्रेमायदेके नेयानु है क्षानाया महिया सूरात्न तया सु त्या सु नवमा हु से राना है वे ग्रेग्राम्ये दे दे ने श्रे ने स्रेने स्रोम्या वस्त्र स्राम्य स्रोम्य स्रोम्य ने स्रोम्य स्रोम स्रोम्य स्रोम स्रो ववनायाः भूरासर्वि सुसार् म्विनासाया देवे क्वें भेसा सुवाबरायर सुरसा यन्ता धरन्तायदेशस्त्रवस्यर्तेत्र्र्यः सन्ता क्रेंशःश्रेः स्राहेत्र् चित्रातार्या क्रुतावस्त्रात्राच्यातावस्त्रात्रात्राह्याताराह्यातारा नुम्र कुनः या बे अ नुदे । अ न इ कुन अवदाया नाव अ यदे के अळ द प्रये अ श्वरायदे भू ने हिन् ग्री ने ग्रायड है। या के राभू में नायदे के यक्ष हिन् थ क्रवान्ता सूर्याध्यक्तिक्यान्ता ह्याताक्तिक्र्मी.सूर्याश्चरह्यायासद् श्रीतियीयात्व विशान्ता श्रीयात्वर श्रीयाची यात्वायात्वेय द्रशास्यायात्वर इंदर्भामादेवे भ्रीमा नावव प्यान रूपान विवास निवास नाव वा प्रमान विवास निवास निवास निवास निवास निवास निवास निवास सवर विवा वृष्य त्या क्ष्य त्यार की स्वाया विषय विषय स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया यर वया न न में भेरा है। के निया है न स्वाप के निया है साम महान व्यात्रा वर्शन्त्रस्यातीः स्वायास्य स्वीत् स्वीतः स्वार्थः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व र्वेन पर वया न से नास सु स में दास ने नातु दान ने न सव दाय स र्रेस पर स क्र्या.म् । यावय लटा क्र्या श्री त्यीय ताता सीट मू कि याय था तयीय अवर

त्रुगार्वेन से नर्गे सामान्य विदासे समान के सामानिन परि हो मा है। द्रमानरदायम् प्रति भी पर्दे द्वा दे त्यु व मालाद्वर पर्वे माला इसामाधार्षेत्राक्षान्वीयाम्याच्या वर्देन्यवे श्वेम वर्देन्सी त्याने ने ৾য়ৢ*ঀ*৾৽য়৾৽ঢ়ৼৢঢ়ৼ৽ড়ৣ৾৾ৼ৽ড়ৣ৾৾য়৽য়৻ৼঢ়ৢৼ৽ড়৽য়ঢ়ৢয়৽য়৽য়৽ড়৽ र्वेन मान्ना नुषा सहसामदे श्री माने भेषा नसूषा स्था समान्य माने माने इस्रायान्त्राक्ष्यान्ते भून्वरावर्त्ते रावावर्षे वाचे स्वर्थान स्वरा यः ध्यादर्वेन स्रे। ग्रुंग्या ग्रुंग्या सुरार्वे त्युरानदे स्रिरान्द स्युया न सळ्य. रट. रमे. घट. यवट. मू. रचटमा स्वादमा स्वादमा स्वादमा स्रम्भी अर्वेदानाया द्वराय हिंदाना द्वा विश्वास्य स्था स्था सम्बेश स्टार्स्याम्बर्याद्यम्यादेः स्ट्रीयासे स्ट्रास्य स्ट्रास्य स्ट्रिया सहस्राया स्ट्रीया स्ट्रीय र्शेर-हिनाश्राय-दर। च्यान-सून-यदे-धो-नेश्राय-दनदः दर्चेर-दर्भन-दी। विश्रा माश्चरमायदे हिन। यर पि हेमा मीमा वर्कर हु नदे के सुनवी हेमा हर हु गुनामाक्षी कुनामनया कुनामनया निमान्त्रामान्यान्त्राम् यः रहार्रेव के शासु प्राप्तावन रेव वे रिया सु पाहिश वि व उस रेव पा धेव यदे हिराहे। कुर्ये ही हमायया या यह या है न्या सक्सया ही प्ये नेया ने या कुत्र अवदे थे भे भावे भाग्य मात्र हैं है से नुदे ने मात्र विकास के मात्र चःक्री रेक्ट्रायाक्षेत्रायदेःक्ष्र्राचेत्रायादेत्रायादेत्रायाचाळ्याचीःक्ष्राद्राया र्श्वेट ह्याया पद्ध सुपादिया पद्धेया हे ह्याया पर यह या सुया सी विया ग्रुट्यायदे भ्रेट्ये स्वर्धा ह्या स्वर्धे दे स्टार्ट्य प्रताविव र्देव श्री भ्रुदे गर्डिं र्चे रहायान्वे द्रिया पर्दे न् से त्रा है। सुनि विदे में प्रमार डेगाडर-र्-तर्ययान्यनश्चित्रशाचेत्रपदिः द्वीर् यादाविः हेर्गे विद्रशास्त्रीतेः ग्रवसर्दिना सेव त्या हो द्रासी ने प्रमासी ने दिना सेव सूना में नर्गे द्रास

भेर्ता भेरा भेरत हो सर्हे स्था निर्दास में निर्देश में स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स किंगा सेवा वेशन्ता महामश्री प्रसंश की किंगा सेवन्ता विदेत कवारा चलाब्रिटावक्टामित्र विशामशिरशासदामित्र तारामधिशासराष्ट्रियाता मिक्षित्राचारमे वर्षाक्षामे भूवासारम् कुराम्बेषा सुराम्बेरास्य हुरा श्रेश्रश्चित्रस्वतः वर्ष्या श्रेष्ठा हो हेव त्या श्रद्धा हु हो श्रेष्ठे तु प्राप्त यः र्ने वा ने या नः वे नः शुन्न व व वे ने शुन्न वी मुखः स्व नः रु न न न सून न व वे व *ॺॱॸॺॱॸॱॸॕज़ॱॸॻॸॱॻॖऀॱक़ॗॺॱऴ॔ॸॱॸॖॱॸॸॸॹॗॸॱॸढ़॓ॱक़ॗढ़ॱॾॕ॓ॺॱॺढ़॓ॱॾ॓ॱ* वर्ष्व विषयायावे दिवा सेव दुर्केश भू वहेश हैं रहेश कुया स्वार प्राप्त पर नभूर नवे रहन खूर की खुर सेना पेरिन र क्रें र के गा ने र र सार कुल हो र व्या दिःयावित्राने हिन्दीःस्वारायादेःस्नार्यहरःसुर्यादा देःयह्यः क्षेट पदेर सेवर्श सर हे व द रह में इस क्षेत्र की खुरा ववा दरा देंगा भेव-र्भिवन्वयादर्धरामु नेमा हिन्दी क्रमान ने भे त्वन्यम् वया ने या खरन्देग्रयन्त्राधिन्द्रविष्ट्वेरिन्। देविगाखरदी हेवेयाखरन्द्रयाध्या न्वायः ध्वान् भ्रेशायः श्रीवायः श्रीवायः श्रीवायः श्रीयः श्रीयः । श्रीयायः श्रीयायः श्रीयायः श्रीयायः श्रीयायः ग्रुट्याया वेयायदे सुरार्द्रेव या गुनायर त्रया कुर त्रु यदे भूनया ग्री सहर्पान्छ गहिशा क्रेंत्याप्त्र स्रम्भ सरमा क्रुश वेतापा साथित प्रदे ब्रेरते। देनकुमित्रेशर्रेग्वरासुरायास्याम्याम्यान्या मदे हिराहे। द्वाय स्व द्रा हो साम देव सह दाया से देव हिरा द्वाय स्व ही स मुलाळ्याला अरुआदसम्बर्गा अरुआह्य स्वरित स्वरित ही स्वरिका मुकासरा क्रूव्यायदे खराइया से दायदे से दाय मार्थिया वालव लिया है व क्रिं-मिं माना क्रुंग की भी तथा या वालू या ना विषा यह पर प्रिंच में

क्रियायाः ग्रीया । श्री प्रायमें त्राप्तर श्री प्राप्त । । प्राप्त व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था न्या विश्वर्श्वाशन्या नेविन्नरं तृगायश केन्न् चुन्यवहेवा हेव ग्व यः नीत्रेन्य त्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राय या नार्षेत्राय र द्वारा श्रुवा निवे र र विव सु र्क्षे वार्य ग्री स वार्ष ग्री पर दे र सम्म देव सम विद्यार्श्वेन हेवाया परि श्रूया नाश्रया नम्म निर्मा ने हिन यश वर्देन पदे विस्र र हैं जो सर हैं नदे हैं या है वा पद विद है वा दे विस् यर्नेवादग्रस्येन्ध्रत्रस्यरेवयस्य भ्रीत्यद्या देवयस्य स्ट्रियावरुष्वियः पर-दे-छेद-प्यमा द्याय-ध्रव-द-भ्री-च-दर-ध्र-चेद-व-ध्रुममा सु-विग्रमा र्राचक्ष्रम्भामा विवादि विकास दे खेरा है वा माना सर <u> ने न्या मेश क्रुत अन्नर य इसस देया सेत नु सरस क्रुस हेश सु कें स सु </u> यश्री मुर्वे निवित्र नुस्हिन सम्बद्ध मुहिश हिंदा सर निवित्र सामाधित रादुः द्वेर किताक्य विश्वराश्च्रीय र्टर क्रिट्र गाड्या रादे क्रिय अवतः यश हे यदुः श्चिम् ह्यायाप्या श्वरायाया वित्राम् ने श्वरास् श्वरियास् गहेशक्ष्रिं ने हो ने भी वर्ते मुन क्षेत्र में निर्मे के ना महिला म वडुःविहेशः र्ह्रेव हो द्रिया वेरावा देरवा देरवर्ष कुरायदेर दुर्या ही सहदर यान्य गहिराक्षेत्र में ताने नाम प्रमा मुनास्त्र यात्र गहिरामी राने नक्ष्र या साधीवानवि श्रीमा शिया हो। यह सामा महेवानवि सामें खिया सावहैमा वर्षा मु:र्खुयःविवाःसेन् प्रदे:श्रीरःहे। यन्याः सम्वाधिः रेवायः विवश्यान्तिः ग्रवशादग्रम् रहेषा क्रेंब होन सेन प्रदेश होना ग्रावन परा श्रूषा भू श्रे देश सहन याने सुराहे नडुवादिका के सूँवायदे सुराहि सुराह्म यान्या सिनावे सूँवे के या याववा

लटा जिटालमा लटार्या ह्रियमामरमार्ट्र मरमा मुमा विमायदे खटा र्ट्रेन.य.च्या पक्ट.मी.य.इसमाटे.क्षेर.पक्ट.मी.यर.म.यक्षेत्र यदे भ्रेर है। हे नड्ब या देवे भ्रेर अंग्राय दर। ग्रावर पर। ईग्राय सेर ग्री मेना नस्यायया स्वापनि सुनि नि स्विपानि स्वापनि स् न्वादः धूर्वे मार्गात्र्यः तत्व्वायाः सार्ग्यान्त्र्यः स्ट्री वर्षे नान्ता नास्र्ययः यन्ता वर्तेन्यायार्श्वेन्यान्ता अर्देव्यस्यव्युत्यन्ता श्राक्षेत्राव्यक्त ग्री मात्र र् मालेग्रास प्राप्त प्राप्त श्रुप्त स्त्र । सर्वे सम्हेंग्रस सम व्यतःक्ष्वारान्दा क्रेंशाग्री पवित्रावे निर्मा वित्राश्चार्यायश वन्यामा केवामें ग्वान हार द्वें नायते श्वेमा वेयामवे खुटार्ने वाया या नाया श्रुवः भ्रुदे : सह्दः पाद्यु : पाद्यु : याद्यु : वहें त'यर नश्रूत या साधित यदे हिमा ने रामया श्रूया नदे भू नगदा थ्रूत ग्री:कुव्यःनवे हेन् उदाद्वस्य राग्ने अ के अ भू व्यान्य स्वेतित र र नेवाद खूदांद नगरमी मुखळन ने अने प्रस्य सहार या श्रेष्ट्र या वे भी मिन मी निया नरदादम् परि भ्रीमा नावन परा सर्ने भ्रे मुन ग्रीप ना निमान होन ग्रीयासहर्मायया न्यायास्य म्याप्तास्य म्याप्तास्य स्वाप्तास्य स्वा वेशःश्रेवाशः नदा श्रेटः नवटः वीशः ग्रदा नवादः ध्रुवः ग्रीः वावशः नव्यवाशः यायार्श्वेष्यश्चार्ग्वर्षुः र्द्वेष्वर्यम् सुम्या वेश्वर्यदे र्देष्ये द्यम् वया सहर्भागञ्जातिका ग्री<sup>-</sup>र्वेषा सन्त्राय स्वार स्व वर्षे न ग्रेम मुं श्रुम में सह द मान हु महिन में इत मर वळ द मा साधित यदे भ्रीताते। क्रुवार्क्स या में त्या देवे भ्रीताते। दे सहदाया दरा में त्या वावया यावर संभी र परि ही र संगुरा द दे पर में र दें वा से द र सर स कुरा

वयाने हे या तर्हेन विस्था शु अद्या कुषा परि सहन पा सहन पर प्राथ है वर्रेन्।प्रयाशुःश्रुवानवेःश्रुवेःयह्न्।केव्नव्युःग्रेयःग्रीःन्दःर्येःयह्नः यपित्रः सेत्रः सेत्रे हुन्। ह्यायं पिया हिना स्रे। देवा सेत्रः स्वर्था साम्या यर-दे-स्र-र स्र्रेत् से श्रेन् पदे श्रेन् हो क्रुत् स्रुवा में नर्गेन् यायय। यन्य मुरुष्ट्रम् । यह्यः मुरुषः सुरुषः | अरम कुम सहर्पा से सहर्पि | विमान सुरमार देवे हिर वर्षिर गशुम्भार्भित्। देवामानमाञ्चनावदता देवाग्वतत्वदेमानसूनामदेवि श्रियः श्रुते हो ज्ञा हम्मायदे स्ट्राय स्वया दरे श्रुयः श्रुदे हमायावया क्ष्याधिन मदिन्द्रा देनित्र नेति देनित्र म्याप्य वन में अकेषा भ्रूया भूता याळ्टान्या वर्देन्यवे हीया वर्देन्ता देवे देव दे हें दाने हा या वा क्टरनरम्बर्ग वर्देर्सदेस्त्रेरा वर्देर्स्त देवे नमून देवे नमून विकास राम्या वर्रेन्सवे भ्रेम वर्रेन्त्रा वर्हेन् मुहेन् मुनेन्त्र मा वर्रेर्न्त्र। रे क्रेंब् हेर् होर हो नाबुर इस र्वा खेर् पर इस हो। विवेर ना शुस पिर्या मिल्रे प्राप्ता ने संश्रुषः भ्रामिल्रे इस्र सन्दर्भ सहित संशिक्ष स्वर् विगार्भेन पर त्रया श्रुया भु श्रे दे सह द पान इ महिना में द हो द पहें न दे दे । सहर्मा से कें वायते कुं सकें वार्षित् पति से हो हो हे निवेत् नु मालु हा यह वार्षित नेवे सहन्यां भे कें वार्षे के सकता कें नाम के नाम क दर्भानुसाम्बुसाम्भेष्मा केत्रारेम् सार्थाम् मुसामेरे र्भेग्रायान्यन्त्रित्वयादित्यात्रुयात्री सेत्या क्षेत्राया धेत्यया वित्तु

र्श्वेशायश्राक्चित्र व्याप्तात्रित्व वित्रास्त्रान्द्रान्त्रित्राक्क्यात्राहेताः यः रवा यशः ग्री अर्केवा श्रुयः पेंद्र पर वया रदः वी वाद्यः ग्रुरेवाशः उदः गशुरायार्केशयिरानर्भेरानदेनेयदियस्य स्वार्थितास्य स्वर्थितास्य नर्भूर्यत्रेश्वराभुरे त्र्रापुरायार्थेर् प्रदेश्वरा देरात्रया गर्या गर्या गर्या ह्या. की. द्रेया या. वर्ष या. साधियासहास्त्रीमा ने मावियामाहिकाताहर तर्ही तर्मायास्त्री विस श्रेयशः क्रुवः सम्मदान्यः स्टानुशः स्नूनः हेनाः नहिशः सर्वे हैं। सूर्यासीयु.सू.प्रतरासूर्य.रे.येशारासु.एबर्.सर.वता पूर्यासीया सर्देव-र्ने होने क्रिये के देश होने हेश के स्वार्थ के स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ नःस्टःरुशःभूदं वेगागिवेशं सरः वर्द्धः कु नवरः शे वश्वरः बेरः दे विदः व व्यान्त्रेय्या कुत्र्यवयान्त्रात्यात्यान्त्रात्या कुत्रम्या दे स्टान्या शुःदर्जर से कुं न गर विग ने रूर न्या भून हे गा गहे श सर पर पर दर्जर से । मु:नदे:मुन् ह्वार्यावियायादिया द्रार्या नुनर्धा मुनर्धे। येययाउदामी:न्या शुःदर्करःकुःनवेःगरःवग्रासेरःमवेःध्रेम् क्षेत्रायःसःश्वरस्यामवेःर्स्यासुरेवेः धेरा अःग्रुवःदा देःवळदःकुःवःवःअर्देदःदुःर्धेग्रवःववेःद्वःदेःवळदःकुः न्याधितायमात्रया नेवेरन्याधिना नेर्यम्यामुयायात्रयानवार्यवेरन्यानेरनेया धेव मदे द्वेर दर्भे क्षा विश्व म व्यव के दे वेद्र अनुर अद्या कुषा स वनामदे रुषा दे रे साधिव मदे श्रिमा वर्षिम नासुस र्वेमा वर्षेम नासुस र्वेमा वर्षेम नासुस रे वर्षेम स श्चे नाया सर्दे न दुः श्चिमाया दुया दे ने श्चामा श्चे न द्वे न स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त हैंना वर्नेन्ता युःग्वे कुःनुस्स्यानेवे सर्वे कुःनुस्ने ने स्रे नुस्येव तर वता दूर सद होरा दूर वा शै. वीद में तवावा तर र शै. वी. भैं . व.

रुषास्रास्त्रसामाम्या वर्देर्पादे द्वेरा वर्देर्पासे त्रानी सुरारेषाया स्वतः स्वरं वित्रं वित् न्देशस्यस्यस्य स्टानुनार्यस्य द्वाप्यायास्त्रस्त्रम् स्त्रास्य स्त्रीया यस-नर्देश-सं-लोब-ब-वहिना-स-लोब-सम्भाष्ट्रिन-ग्राह्म न्देश-सं-नेते-स्ट-न्य-देक्षेद्र-दर्देश्वः देवे व्यहेवा-तृश्वाः धवाने। दर्देशः विवाने विदेवा-तृशः इटाम्बर्यात्र्याम्बर्मात्र्याच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या श्चेदिःवेशवर्हेग्। ए. श्रे. रुटः नश् वज्ञश्रानुःश्चे नाया सर्देन् रु. सुँग्वेशासदेः त्यान्दावन्यान्ते भ्रीत्यार्देवाभी याचेया भ्री नियेतान्य ग्रीत्र से स्था भ्रीता कु'न'य'सर्देत'त्'र्सुन्यारादे'त्रापीत'ग्रामा यस'की'मात्रास्त्रास्त्रारी विशामश्रम्भारति द्वीमा विश्वासाया मित्रामे दे क्रिशा उदा महात्रा भूत विमामिक्षामित स्थान्य यर्यामुयाळ्रावदे धुरावायाष्ट्रया विता वितरायाळे या व्यापाळे या व्यापाळे या व्यापाळे या व्यापाळे या व्यापाळे या रटात्राञ्चराठेवाविष्यासराधायहेवासरावया देत्रासुञ्चेत्रयात्रा विगानिक राये हिना हिना साय होगा वर्ने ना से माने। ने न साय हेगा न सरा त्राभूत्रचेनानिहरास्य प्रदेनाचे यात्राये व दर्गे यात्र ही र है। यह या तुःदेःवयःश्लेखः रूटःकुःवहेषाः तुषः श्रयाषाः तुषःशुःश्लेखे वेरः दर्षे श्रयः नविव धिव नदे ही देगा केव ने हिन सूर न यथा नर्स में ने न्या वया श्री के पहेना व रूर मी र्या निवास राम पहें ना मी विवास है ना प्री या ग्री:रद:र्भ:व:पद्यामें विशापहेंगां शे:रुद:यवे:श्रीर:रें विशाददा प्रयं

तुः भ्री नवे रुषा ने कु वनाना रुषाया गुर्नेषा ग्री वेषा नासुर्वा पवे से मा गुरुष्यायार्वित्राचे दे न्यानुष्यास्त्रम् हेवा विदेशास्य प्रकटा मुन्वित्रासा धेव'यर'त्रया दे'रर'त्राञ्चर'ठेवा'विषेश'यर'यर्याकुराळर'वदे'ह्येर' है। देवे:रुअ:रु:देवे:ध्रीर:व:क्यायाम्डेमा:हायाध्या वर्देद:शे:व्याह्म ररात्राञ्चराकेषायकेषायरावळराकुर्वोषाधिवायवे क्षेत्रावेराव्ये तुवा यक्तिंश ठत्। रम्पूर्य भ्रम् छेवा विदेश सम्बद्धेवा प्रेत्रिंश साधित सम्बद्धा ररात्रामहिरायरावेषाळ्यावदे श्रीयाहे। देदे त्रास् हो देदे श्रीय श्रियाया वर्शन हम्बर्गसुन हो देवे दुबा शु लिया कर हु मंडिया थें द परे ही रा वरःवर्देनः भेः तुरुषे। रदः तुरुषः वाहेरुः धरः वेदेवाः नविश्वेषः धेनः । मु:नःसेन्दिः केंशान्यान्यान्यान्येन्यान्ति केंन्दिनायमा नसेन्या मं सेरायर रात्रा ही विकार रा वह माया यस से सेसस विमाय समारे भ्राःधेशः सर्देवः शुस्रः सहित्। विशः शैताशः श्रीः देवः वेरः वा दिः वः वह्ताः सः येश इसःग्रावः सिवं केराये श्रेन्या । सर्देवः श्रुसः सळव केरा उवारः वर्त्ता विशान्ता क्रिंत्वह्यायमा सरमामुमाग्रदास्यासेसमान्यवः न्य । ग्रा्व रहे विषय से द या विषय स्था । विषय या सुरस्य से स्वर यर वया अदशः कुशः वयवाशः य दर चुर श्रेश्रशः ग्रीः कुर ग्रीः वदेवः विदेशः सर्देव शुस्र न् हेन्य स्वते सिद्धेव सासेन सदे हिम् है। नुस्र नहत प्रवन् सदे हीमा गावराधमा बस्यारुनासहितामदेग्धेन्येयाधेन्येनाहेराम्यायास्य बेरावा कुरायवादराद्यिदायायाद्रिकार्यायदेशकरमाकुरायाया योश्चित्रभाष्य। योषयःहर्म्भयोश्चित्रभाश्चित्रभाष्यः वियोशस्त्रीरायः वियोशस्त्रीयाः अ। लट.क्रॅन.ग्री.बट.श्रमानाःश्रम्थान्यविमान्द्रा अपा.क्ट.क्रं.क्रं.च.

<u> न्या अर्थ क्रुथ ग्री प्ये श्वेश या ग्र्य हैं या प्रेट खूट या या तृत से प्रकर है।</u> क्रिंशहेर प्रवाद विवा विवास प्रवे श्वेरा वह्वा व्योव वसा प्रदेश से शुरा य उदाय अ ने या पर रामा विदायन विया अर्दे व रामा है हो रामा विवाय है हिन वियाशास्त्र-सदास्त्र-सरमास्यास्यान्यान्त्रान्त्रा वियान्ता सुनया गश्यानत्व दुः मायया ग्रमा केया हम्यया मानवया यदे हैं ता अरश क्रिश नहें विश्व नश्चित्र यदे हैं र दर्श वनद विना <u> ५८: ४८: नविवार्वि विवे मुसानकन् ग्री में विष्येन प्रवे श्रीमा ने प्यट के साहित्</u> ग्रम्स्यायेन्द्रस्थन्येन्याचेन्ययायायर्निन्ता क्रिन्द्रम्थेन्यथिः न्व्रिश्यामा ने मान्या स्ट्राम्या ग्रेग्रायाये देर देर असे अग्राया के या उत्ता गुत हेरा या या ग्रेग्राय र क्रॅंश हेट प्रवय विवा प्र रेक्स हेट वि द्राय अहस प्रवा सम् मुवा सदे *ब्रेर* हे। दे या मात्रकाराये प्येश्वेकाया करका क्रुका क्षु प्रकट्टा या क्रिका प्येत प्रयोग मुना मिन्स्र राज्यायायायाया अस्वास्य मान्य प्राचीय राज्य सम्बन्ध राज्य समानित सम्बन्ध राज्य समानित स ग्री:इस्रायानमु:नर्तुः द्वान्युस्रान्नन्। यह्नायाः स्ट्रायाः स्ट्रायाः स्ट्रायाः स्ट्रायाः स्ट्रायाः स्ट्रायाः देवे के या ग्रेट ग्री अर्दे र्ये ग्रया या या सून या या या ग्री पित हत यह र मुग निष्ट्राची से त्या निष्ट्राची से स्थान से स्था से स्थान स यदिव परि पो भे या यह र हुना से द परि हिं र है। दे हुन हुन हो यह या वसम्बार्थाः प्रदासीन् मित्रः श्रीत्रः प्रदासी स्वार्थाः स्वारं स् ग्रुरायायार्वित्रात्रे। देग्नाद्याग्रायनायावेनानी देखाणे दाग्री सद्या मुर्या य:८८:२४:४१४४:२१३४४:४४४:३८:४४८:८११:७१:४५८ व्या श्च-गश्च-रश्चग्रार्थे, व्याप्त प्रमान्त्र स्वर्या स्वर्यः श्वर्या स्वरं स्परिः भ्रुः १८ : श्रूरः नः निव रगिवे साग्नुनः ग्रुरः गर्यः ग्रुरः श्रूरः उसः धेवः

यर वया वर्देर यदे ही रा वर्देर वा शेर यर वय वा विष्टाय है वा किया हेर्यश्राश्चात्रम् वर्षे क्रायळव्यीशागुवाह्याश्चात्रम् वर्षे पर्दे प्रायः यागुरायार्भेर्द्रादी देखी यहसामवनान्दराहेशार्भेरायोक्षरादेशी *ज़*ॱऄ॔॔॔॔ॸऻढ़ॱऀॻऻ॔॔ॱॿॻॱऄ॓॔॔ॱय़ॸॿय़ऻॱॱऻढ़ॸऒख़ॱय़ऻॴॱख़ॱग़ॖढ़ॱॾॣॕॸॱऄॱॷॗड़ॱ यदः हीरा वर्षर मश्रमा वर्रे र वा हिर है सामान्या नेम र या ले ने इस में या इसमा | मामया प्राप्त प्रमा क्षिर प्राप्त वि प्रमा वि प्राप्त के प्रमा वि प्रम वि प्रमा वि प्रमा वि प्रमा वि प्रमा वि प्रमा वि प्रम व द्र्यत्य । भ्रि.सप्.य्ग्रीयाय्य्यः इस्याप्तरास्त्रम् । वियाग्रस्याः यदे देव सामुन पर मान अदसायमा सामि क्रिंग में भी सामि माने माने प ૽ૢ૾ૺૢઽ૽ૹ૾ૼ*ૹ*૽૽ૢ૾ૺૢૡૻૡૢૻ૽ૡૻૡૢૻ૽૱ૡઌૣૻ૽ૢૻ૱ૹૢૹ૽૽ઌ૽૽ૻ૽૽૽ૣ૽૱ૡૢ૽૱ૹ૽ૺૡ૽ यदे गु.न न्द खूद यस द देंद न्यासय न न्द सस्ट्रिस । यो ने स दे हे द हे स्रेन्-पदे के अध्यव न्या यहिया सूर-न्य क्या सर-यशियाया पदे हे या र्वेन प्ये क्षेत्र प्ये क्षेत्र क य-८८-८मे-१५ मुँ र-भे-२ न्याय-प्रते भ्री । व्यास्री व्याय-८८ वियायया सहस्रानवगान्ता वर्सेन्द्रावेशानसाहेशार्चेनायोःवेशान्ता हेरसदे न्ग्रीयादिन्त्रम्स्रमान्त्रस्य । विभागमार्देन्त्रमान्त्रान्त्रमान्त्र धिराहे। धेःवेशादेःहेदार्देवाद्यायार्थेशहे हे सूप्तायापहेशासूदान्तापदे ळ दश्यासहस्र नव्या पो श्वेश ५८। दे हिन्दे से द्वारा या हे शहे पहिरा के स्वर इटावडर्शायदे क द्रशाहे शार्च न पो श्वेश शु नविषायदे श्वेर है। कुर ह्रा यद्र खर् रेदे वर् में के विषय वर्षेया यथा दे या यर या मुया में दे या सदयः नवे वहे ना हे त वसा वद्या या इसा यर से हे ना यवे के या रेन है। द्र्यायकायायाया क्ष्याया हिता है या वार्ष्य विकासी विकासी

डिन् श्री भो भो भा की भी भा तुर्दे प्रेटिंश में अप्सुभा मदि । इस भा प्रस्था उन् । या वह्ना प्रश्नात्र हिंद् नेर ही द्वारा वर्षे न द्वारा है । विश गशुरुषारावे भ्रीता ने भूतात् केंद्र मुद्रा भूषा नवदा से गाय होता यहा गहेशः सूरः त्रार्यदे रे ज्ञार्केश हेराया है । सूर्या सिंदा सर्वे राज्ये का ने या अहआ नवना नदा नहिं अ अदानदान कर्या परि क्षे क्या गृत हैं न या है। श्रुंद्रायासित्रायरार्श्वरायदेश्वर्षेत्राचेश्वर्षेत्राचेश्वर्षेत्राचेश्वर्थाः मदे: द्वीरा दर्भ दें प्ये भे यादरे महिया है या है या द्वारा महा ८८ कुषामित्र महाराष्ट्री । यह मेर् निवास्त्र महाराष्ट्री विवास हा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स् नवनानवित्र-तृत्वे प्रत्ना स्निमान् स्थाना सहसा हे साय हे साय हे साम हे स वा दें वा अवसाहे अन्दें र्वा विवा कुं अदावि अं क्षेत्रे विदाय प्रवा दें वादे *ष्ट्र*-रष्ट्र-राये के क्री: केंद्र-राये केंद्र-रो केंद्र-रो केंद्र-रो का का निवास का निवास केंद्र-राये के कि का र्वेन के सूर् हे क्रें या येयया निवया नृत्या प्रदेश है या वि मान्या नुवास प्रमान्या देर-वर्षाश्चेन्द्र-गुवन्वहुश्वःवज्ञेयःयन्द्र-छ्वःश्वरःवन्द्र-ववेःध्चेरःर्रे। विर्देत्त्व नदेव गहिशास्त्र सुसानु वह वा नदे ह्वा गहिशारे में गहिशा यदे हे . स्ट्रांच प्रमा वर्षे हिम हिम है। क्रिन सं स्थाय वार्यया न्दायर्श्च न्दा वेशायरे सुदार्दे वार्षे न्याये सुना मानवाष्टा यह्याया यश इसःग्रवः सिवंदिर भेराये। सिर्देवः श्रुसः सळव हिर उवः रु पर्नेता । गान्वर दे हे के न हे द शेषा । सर्मेद शुरा ने श ग्रुम से पर्ने द दें। वियानमा याने हे नियमन्यत्रेया हिनायन विवासी प्रेमिया ही स िर्वश्चः व्यवस्य उद्वाह्य व्यवस्य श्ची विद्वायस्य विद्यायस्य स्वर्यस्य उद्वा |भेषाञ्चार्विः बःध्रवाः यावाया । वियः ५८१ वरेवः विदेशः श्चेः अर्देः ययः श्वरा यदेवःयःगद्देशंः श्रुण्यः शुः छुदः ययः यदयः क्रुश्यः शुः यन् दः यः इययः श्रेः

दबर्'चर'बया र्ययःर्वे'दर'वे'च'खू'द्रर'ह्नु'चवे'व्वय्यःग्रे'खुग्रयायः <u> अरशःदस्रवाशःग्रीः अष्ठितःसशःक्रॅशः वसशः उरः सर्देतःशुसः रुः हेवाशःसशः</u> वियाय। विरायसम्बारासदासदाम्यास्य स्वर्थान्य स्वर्धान्य स्वर्थान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्याच्यान्य स्वर्थान्य स्वर्थान्य स्वर्याच्यान्य स्वर्याच्यान्य स्वर्याच्याच्यान्य स्वर्याच्यान्य स्वर्याच्याच स्वर्याच्याच्याच्याच स्वर्याच्याच स्वर्याच्याच्याच्याच स्वर्याच्याच्याच स्वर्याच्याच स्वर्याच स्वर्याच स्वर्याच्याच स्वर्याच स्वर्याच स्वर्याच स्वर्याच स्वर्याच स्वर्याच स्वर्याच स्वयं स्वर्याच स्वर् यासम्बादमग्रमा या यो या के या बस्या उदा सदित सुसानु से सिद्धे दाये ही दा हे। दे निवेद हेद प्रवर्विया प्रश्नाविद से सिवेद से से से मार्थ सम्बर प्रमासः हैं माया करान उरामी किंदि । वाल्व प्या हिरामे समा है मार्थ ग्रम्भारम्य । स्वार्थितः सार्थितः सार्यः सार्यः सार्थितः सार्थितः सार्थितः सार्थितः सार्थितः सार्थितः सार्थितः वयानान्ता वृत्रक्षेत्रकाकानवुत्तानान्त्रकात्रवाकानिके हे सेन यायार्क्षेत्राने जिर्मात्रेयता या वर्षेत्राचा या वित्राचा कि के वर्मा वर्षे । यह या वसम्बार्श ग्री अपने प्रावित होन् रहें साय अपने साने तर होन् परि में साने हिन ररःश्रेषाश्चान्दर्भस्त्रासरावश्चराय। हेरारेवहेन् श्चीःश्चे स्वदापश्चा श्रीस्तरत्रम् वर्षान् स्वार्था श्री स्वार्था स्वार्था स्वार्थित स्वार्थी स्वार्थित स्वार्थी स्वार्थित स्वार्थी स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य ग्रीन अधर मुः अर्के सुः तुरे द्वारा निवा वस्य उदा सिवा सदे स्या स्वार् म्बर्यानदे हुँ द सेर नभू होता स्थानेर नद्दे । दे पार्वि द रो नदेव गुन मुन मुन महिन पोन माने माने माने माने माने माने माने मिन मिने धेरा वर्रेन्दा गुरुखिराधेःवेशायाननेत्युनात् सूरानार्धेन्यरामा दे'त्य'नदेन'मुन'रु'खूद'न'धूद'नवे'स्चेर'न्यत्वात्य'ह्यनचे । तर्देद'से'नु य' है। वहुवानास्त्रवान्त्रनाम् निर्माने सामित्रामे हैं से देशान ने सामित्र में वन्नद्रायम् नवा अदशः कुशः ग्रीः भेशः वानुवाशः श्रवाशः नदेनः यम् सः गुन-नविन-नुन-सन्भर-नाभर-विन ने स्यान्त्रम्थ-र्राम्य वरेव सूव रु से सूर वरे हिमा दर में सूव स्री देश मह्य सुधारी प्राप्त प्राप्त पर

यायविकायपुरम्भेर्टियम्भेर्त्राचेत्राचेत्राचेत्राच्याचाने न्यायी याहेत से सार्या अध्ययन्या सर्वेत शुर्म न्या सिव प्रति ही राहे। ने स्र-सिव्या के निया में निया मे र्नेव-रद्दान्नेव-अर्देव-शुव्य-दुःहेनावा-ववान्त्र-नुद्दान्न-विदेशवान्त्र-नद्दान् क्रेव हो द नवे त्या स्वेश स्वेश स्वेश स्वेश नव स्विश स्विश स्वेश स धेर-१८। देशेर्वाववरायन्दर-१वदावीयान्वर्धेः श्वाप्रस्य सूर हेशः ग्राम् भेरामदे सुमाने। ने स्नामन्त्र। ग्राम् स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य <u> ५८. अटशः क्रिशः ग्रीशः श्रीवरः राजिशः वर्षायः वर्षः श्रीरः र्ही । विशः ५८। ।</u> सरसः मुसः ग्रीः कें सः सः पद्देशः सः पद्धः पदि पाः पदेशः स्वाद्धः स्वादः सेदः नदुःबर्.ग्री:सर्रे.पार्डरशःकीयःग्रीशःविश्वाराःतशा द्रयाशःग्री:यी यावयःलरः ने निवित मुलेग्र मिर्दे लेश स्व हें स्राय स्थित हैं लेश स्व मार वे ता क्रिंश्चराया क्रिंग्चरा के विया प्रति विया प यश्चर्यात्राचात्रक्ताः हेरान्यावश्चिराहेर्यायाचेशायवे । हिल्हरानेशाया नविव-र्षे कें अपि केंद्र निविश्वे अपि । वस्य कर्र र् क्या या से दारे नेयानर्ते । वेयानायाश्वयास्यानरान्मेनायक्ष्रामनेयान्ने । योगया वर् ग्री श्रेयया ग्री श्रें दाया महत् वि यति श्रें दार्य द्या शुः ने या पर्दा विका ग्री स्टार्ने नकुट् वि नवे केंट्र कें केंट्र कें केंट्र निकास केंद्र सम्वेश सदी विश ग्रुर्यास्त्रेत्रिम् ने निविद्रम् म्रियार मेरे ने से से मिर्ट प्रमेश निव्यक्षिण इटस्वेशायरावण्यारी विटानी ह्यायायाहेशाया सुना है। देशावहाया सु मुर्याणी भेरते याया श्रे सूरानदे हिराने। दे त्यानदेव सून तुन सूरान सूरापर गर्यानु या सूर नदे र्नर में शसूर न धेत मु मुयान र र देश द्या स्था से

ब्रूट नदे भ्री मुल न रट देश दश मा बुग्य से ग्रय न देव पर सा ग्रुन मन्दरमदेवरमरसेदरमरसूदरमधेरस्चित्रहे। ग्रुटस्कुनरमसर्देसरमभा देवेर ध्रेरःग्राबुग्राश्रर्भग्रायः रदः वर्षेत्रः ग्रीश्रायः ग्रायः वर्षेत्रः त्रेरः श्रूदः वः श्रद्रशः कुषाग्रीषा यद्वितामा प्यान्याने मा या निराध्याने । सूना सूना नवे । देशा वर्याधिवानी। यारावयाने याने सूरासूरायायाया सूर्यायर यर्या मुरासरा र्देशवर्शने सूर सूर विदेश सुवा मुराय हिताम सेताम विराम देश है ৽ৼৢ৴৽ৼ৾৽য়ৢ৾ৢ৾ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়ৢৢৢৢঢ়য়য়য়৽ড়ৢঢ়ৢ৽য়ঢ়য়ৢঢ়৽ ब्रूट्यी नदेव नर्से ब्रूट्या सुर्बून क्रिया म्हर्म ग्रैअवि । १६६४:में से ह्वासुनैदें के । विर्मेग १८ केंट न निवासे १ मा । इस मर द्वेद लेश गुरंदर सर्वेद । विश्व द्रा देवे व्योव पर हु यदःवयश्यीया दर्भः संस्थाने क्ष्या संस्थाने व्यवस्थाने व्यवस्थाने व्यवस्थाने व्यवस्थाने व्यवस्थाने व्यवस्थाने व ग्रेश र्पेट्य शुर्वा संपेद प्यता श्रेद के ते वा यथ रूट वी है वा सदे हैं। सर्भाश्चन्य भेटासेना सर्वेदर्नु कुट्यी तसन्य भाषा इसर्या ग्रीया है है। सूर्या धेतरहे। देर्या वीश्वाते । धराद्या या साधेतरा ह्या से वर्षे वाश्वास्त्रे ध्रेरःर्रे । विश्वामाश्चरश्वायदेःध्रेर। देःद्व। यदेराधराश्वरश्वायश्वायायः बुद्धायान्तरेत बुद्धाद्दा महिका बुद्धा बुद्धा न्या दे महिका है। बूट न धेत की रट या हैं अ हे बूट न अ धेत पदे है र त अ हिन है। अटश वसवासार्या भूरायवर ने सामु ग्वामा सिवा से विवासी विवासी विवासी र्वा वीश शरश क्रिश रहा श्रूहा तथा श्रे श्रूहा बेरा विदे हिंद्या अहश क्रुश तथा बूर-न-ने-भे-बूर-พर-गर्य-नुवे-रे-नेर-द्धय-नसूत्र-डस-य-वर्नेर-मवे-हीरा देशकारे जान्वकार के तर्दा प्याप्त प्राप्त के किया हिरा वर्द्य वर्ष

नुदे : भूनर्य शुर्धे श्वेर्य गहेरा ग्रीरा धुवा वहवान न ने उद्यानु या वन धुयाने या ळन् सामाहे सामान न् सें माया सम्भे सामा धुया से सें सम्स देशःगुरःधुवः उत्रःगहेशःगवेः गविः सम्रुत् से वेदः नः धरः वे सः सरः त् सः है। वेशामश्रुद्रशासदे द्वाया स्टारेदे अवश्राम्या स्टार्स्य गुट्या सद्या मुत्रा ग्री:यदे:देवाय:वेय:वाहेय:दवाव:यद:युव:येद:ह्वित:यहय:र्:बेद। सूवा: कंट.च.श्रेम्थ.सट.स्थ्र.ग्रट.ट्रे.क्षेट.चश्चेष.श्वेश.वश.ट्रेट.स.क्षेट.श्वेट्री निन्नायार्वात् हे हारायह्यायदे नेग्रास्य संदास केंगा हि हे ने याययराम्यरार्थिः सुप्तये रेमायरात्रया केंग्राम्यया अर्ग्नरे रेपयरा ग्रम्भर्त् से सुनर्दे रेग्ना माधिव मदि द्वीमा सामुन व से मा नेमान्या के सा देरःचया देःसूरः श्रॅदः नवेः र्ह्वे : धेरः चया देः सूरः श्रॅदः नवेः श्रद्धाः क्ष्यायसम्बद्धाः स्त्रे यर्दिन शुसानु हिंग्या सदी गुन सहिन भे भे या निया भें ना भें ना सदी हिं र है। यनेव गहिषायमा महिव परि भ्रम है वा गहिवा गीरा गुमा । विश हिते न्ग्रीयायिक्रागुनाष्ठ्रनाउन्। विशामश्चर्यायये भ्रीतान्ता मुयाळनाहेशा वर्रेन्त्र। हे स्रेन्याया शस्त्र न्धेन्यवे नेवास ने सास्या वर्रेन्यवे धेरा वर्रेरासे त्राहे। हे स्नेरामाय रेंतरसार्धेर छेरासे रामाय नेया लुय.सपु.मुर्म विय.स.प्रमा त्र्यूर.याश्रम.सूर्म क्रूम.र.र.प्रम.सर्य. श्यान् हे ग्रायाये कं नामा स्थान स्थान स्थाप क्रन्यायायम् द्वाप्या नेयान्यस्य स्थाप्याने विश्वायार्थे या क्ट्रायर से सेर सेर चादवाय कुंया चन्द्राय के से विष्टा विष्टे विष्ट

नः हैनाश्रासदे । इसासिह्य सीका है । से नामिनाश्रासदे । नामिनाश्री नामिना । मः अः न्वीत्राक्षः वेस्। धरः यः यक्ष। देकः हेः व्रः नः यः नविन्यः यविन्यः व र्देर-दे-स-म्बिम्स-स्य देश-दे-ध्र-न-म्बिम्स-सदे-म्बिम्स-र्देर-दे-स्रेन-स ग्रिंग्रां वित्राचीयात्रा वित्राचीयात्राम्यात्राहित् ग्रीयादि । स्वानावीयाया मदे निवेग्रार्टेर हे स्रेन मार्धिन सेन ने इन मदे दें वासेन मरावया यविष्यान्यते यविष्यार्देर विष्यः श्रीं सामार्देन स्तुर विष्या देर विष्या देशः ग्रेग्रंभितः भेरा भेरा देवे ग्रेग्रंभेर हैं र संस्था स्वारंभेर से दारे से प्राप्त से दारे से दारे से प्राप्त स बेवा धेःवेश:देश:दे:व्यु:च:वा:वावेषश:चवे:दें:दे:स्ट:वार्क्न:क्रे:वाहट:वश: रे.क्षरःश्चरात्रः भूतः स्वर्धितः स्वर्धिता दरार्धाः स्वरासितः कुं विवासेन्यर त्रया हिन् खुयावार प्यर से प्रहेत्य परे के साधेत परे धुरा वर्षरावश्या वर्रावाळ्यावहाचराया दूरवा स्थायहियाहीया न्वीन्य राष्ट्रे नुस्र राष्ट्रे न्वीन्य राष्ट्रे राष्ट्रे ते भेरा प्रेत राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र | यदेशक्षाम्याम्दाध्यायद्वेतायदे यदेतादे में में स्वाप्य प्राप्य । विष्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य । गहेश प्राया स्वापात् । इया यद्वित स्वीया है । सूर्या ग्री म्याया स्वाप्त । स्वाप्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स ग्री माने मार्था हिया हो सार्थ है । सार्थ है सार्थ हो सार्थ है । सार्थ हो सार्थ है । सार्थ हो सार्थ हो सार्थ है । सार्थ हो सार्थ हो सार्थ हो सार्थ हो सार्थ है । सार्थ हो हो सार्थ हो हो सार्थ हो सार्य हो सार्थ ह धेरा वर्षिर गशुमा वर्रे द ता क्रिया महित छी गहि गरि र दे र हे खेद र पासे द यर वया वर्रेन प्रवे सुरा हिन स्री इसासहित सुरा है स्थान या विश बूट तुन केट क्या यहित ही या है खेट या बयया कर यहित श्रुया र जाने जाया यानिहें सामा धिवायि ही राहे। इसा सिह्न मूर् हिना प्राचित स्थारी हिना स्थारी है सामा हिना मूर्

ग्रेग्रिंग्रं राते ही राते। इसायलिंग्यमा देखा भूत है गांग्रेश यर इस म्तितात्वराश्चेत्रासदे छे लेश श्चाहे त्राया गहेश श्वर त्रात्वरा छु त्य छ नवगः तः श्रॅटः नः देवे ग्राचे ग्रामवे देन स्वेश मुः हे श्रे दः मा श्रास्य स्वारा विष् सम्बारित के मान्या मान्या किरास्त्र सम्बार्थ मान्या मान्या मान्य मान्या श्चेत वर् पर श्रम्य पर दर्। विश्व गश्चित्य पर है श्वेर । वित श्वे। देवे ग्रेग्र देर वेश प्रदे ने श्र ह्या स्याय हित स्नू र के ग्र र र में प्र श्रें र र में श यदे ही रहे। हे स्वानाय कु या कु नविना मु र्से दान दे हैं त्या से रुदान दे ही रा ८८। देवे देव खेट मवे ही न नशुस्रामा नुन हो। इस सहिव ही साहे तह न म्रे। देशकें नामित्र द्वानी नामाना निष्य में सामाना देश से नामाना निष्य में सामाना निष्य मे धिर-८८। हे.लय-श्रम-श्रम-ग्रहा देवे.हे.के.य.च.याच्यमार्हर-वेम-स र्वसायसासाम्बर्धरसामदे मुःसळ्दाप्प्रिं मदे भ्री महिसार्श्वेसादाह्म सिंद्रेत्र क्री सुत्य क्री सुत्य व्यव्य मानवित्र न्या से द्वा से द्वा से द्वा से द्वा से द्वा से दे से से दे स धेरा हिर्रुगिक्षा केंगा देव माराययर सया केर हैंगा दुईं र सेर्पर प्ररापर र्वेदःळ५:वेर्याययानगवानु५:यदे:ब्रुदःक्षेत्रायदःर्वेयाळनःया५८:५५:देः नर्नेन्सूरनुत्वनेषासेन्गुरानेस्यत्वापस्यानवार्षेन्गुस्य

चित्रायाः श्रुः श्रुवायाः नित्रा चत्र्वाः चित्राः चित्रः स्त्रे वित्राः स्त्रे वित्रः स्त्रे स्त्रः स्त्रे वित्रः स्त्रे स्त्रः स्त्रे वित्रः स्त्रे स्त्रे स्त्रः स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रः स्त्रे स्त्रे

ई<br/>हुष्ठायद्देन्त्रायाय्त्रे । विश्वायश्चिष्ठायाः क्षेत्रायायः अत्रायाः अत्राया है मी अह इ प्यासु हमायायायायायी वियाययाया मेत्र हीता दु सी सम्बर्धे व्रैरमः दर वे गार हाद्या यो धेंदा हदार्दे। विश्वास्य द्विते श्रेया यो दी देवे पॅवन्द्रन्थरम् नुस्या स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् दर्चेर वेश प्रश्न इस गुर है। केश वेश पर्दे । देश गर्रे गाय पर्दे । वेश गर्भगः मदे ग्रीत्रायया विस्राय के हिन स्मा में वास्त्र में के वास्त्र में वास्त्र में वास्त्र में वास्त्र में व हीता क्ष्मायसेयानदेर्देवाधेवासमा देवे छो छो सुरादरक्ष हीमा सुमादर ग्रम्भः द्याः वः दरः रेदिः ग्रवरः रेसः रुः ग्रन् ग्रम् ग्रम् मुद्रः ग्रीः अः दरः सळस्यः श्चरावर्या गुष्पानुवाक्षी सर्हेगान्दायनेयान् भुन्दाययाकेरास्याया वह्रम वर्रे क्रिम्शासायां वह्रमासदे र्देव क्रिं । यदा मे मे स्वर्ध । वेश सुदे ब्रीट्यामी लाउ.व्रीयी व.व्रीयासक्समार्मेरायमी सु.ल्यं.लर्ययमी रेट्या यश्रामा प्राप्त के क्रिया यश्रामा विदेश के वार्ष विदेश नन्द्रमादी द्रमायहिद्दे केंग्राह्म हिंदायार्के मान्ना विकास हिंदायार है। यद्धराष्ट्री केंशने नविवाहेन नया स्टानविवाही सुँदायन्या स्यायसँ । ग्री:नर्जेंद्र:सः इस्रयः ग्रीय:यद्याने नयम्याय:सः स्वरः सुगाः धेदःस्यः दे ः सूरः नर्हेत्। नर्यसमान्द्रस्यासम्बद्धाः हेद्र-८८५ सम्बद्धाः स्त्रीम् हेव यश यन् श यदे खें व क्व न स्था श्री श श्री श्विन यदे हेव श्री न स्था व ने स्र-वर्हेन देवायाम्याहेयावज्ञनाक्षेत्रेत्रस्याम्याववापवयादे वेवः यंर मात्र रायदे भू भी तारा रायदे दे हिरा में हैं ना मात्र में मुना से हैं। यदेव गहेश यथा केंश इसस ग्व छी खुरा धेव छेरा किंश सूर वर्देन डेशन्ता नेदेन्द्रात्रवेषायमा क्रिंशवस्य उत्ती सुरादे वर्षे नावस्य उर-दे-चित्र-गिनेग्रश-सदे-दे-चे-त्रशासी-वर्द्द-चदे-ध्रेम् विश्व-ग्रस्त्र

यदे भ्रिम्प्रमा अव हे यथा ग्रमा के या ग्री भ्रा वे के या ग्री के वाया वे या ने हिन ने। गरागे हिरारे वहें व क्रिंसे केंद्र वे अंद्रशक्त सम्मार्क के विभाग नदेः देवः द्वी विश्वः मशुर्श्वः श्वी विदेरः देः देवः नश्चनः पदेः नश्चरः पदः प ૡુ૱ૡઃવકૄૢ૱૱ૡૺ૱ૡૡ૱૱ૢ૽ૺૡૢ૱૽૽ૺ૽૽૾૽ૼૡ૽૽ૼ૽૽ૹ૾૽ૺ૱ૡૡ૬ૢૢ૽ઌૢૻૠ૱ ग्रेर्देर्देर्यश्रक्षित्रार्श्वायार्श्वायात्रीः श्वायात्रात्रेर्देर् प्रमृत्राययात्रेया र्शे । याहेश्यास्त्राचारक्षे व्यवन्त्रन्ते न्याक्तास्त्रे स्थास्त्रे न्या चित्र न्या वर्षावयाहेव केरावयवायावयावयावयावया दे सूर वहें दावे धेर है। वर्वनाहिशायमा धेवाहवावसमायमागुवाहेवाधेमा किंगासूरावर्दिना डेशन्ता नेवे स्टावरोयायमा वहेना हेन सन्दावहेना हेन यं भावन्या मदे भेता मन मन्त्र मन मन्त्र मन्ति मन वेगर्रा श्रुप्तन्र्राप्त्राचीयाग्रा र्वेगयार्रास्य । इस ग्रम्य द्या भेरे ने नवित श्रुम्। विश गश्रम्य प्रदेश देन पर्ने गर्ने र्वेर-रेर-वेर-हेर-सुर्यः यदे यदः विवा वीयायन्तर दर्वीया है। देः पदा गुःपा क्रियायायम् विकास्त्रे मिन हो मार्थे मार्थाया मिनाया मार्था में प्राप्त कार्याया है। यार्थी । र्राचर्यार्थे । वाश्वरायायायाये हो यदेव वाहेश एका देवायाय देवा वयरार्ट्र.सूर्य. श्रीयाया सम्मार्थी. क्रूमायर्ट्सी विश्वानरा वर्ग्या बक्षियामें दिष्ट्रिटारेयायायाद्यास्य स्वर्धित हीत्र में वियायासुरयासदे धेरा यदेवे के के अभावेश में के अपने के अपने के प्राचित्र के देश के अपने अपने के अपने अपने के अ निवशः भ्रम्य अध्य स्त्रुवा यस् स्त्रुअ स्वते स्वत्य स्वतः स्वतः स्वति । विद्वः से ररःचवेत्रः इसः नृषाः धेत्रः धरः द्वें स्तुरः इसः नृषाः ग्रुरः रेषासः सदैः यणः हेसः धेव'राबाञ्च'राक्त्र'राखा ग्राह्मग्रामहेबार्रहाराहे ग्राह्मर

न्वरमान्याक्षराख्या देखेयाचर्दिनायदे कुःसळ्याचेना मन्यावा यान्याळ्याग्री शुर्भा श्री वाराया ने त्यूरा वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्येत्र वर् यश् ग्राटः गृ प्याञ्चान हु प्यें द प्रवे हिर है। नदेव महिरा र देवे वा विश्वास्था षदःवःवर्देरःकेषः इसस्य क्षेताः वर्षेत्रः देश विसंग्रह्मा स्वरंदिर वी त्रश्रास्त्रीय स्वर्ते त्यात्र । दिश्वास श्रास्त्र स्त्रुश्चास्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् रु: मुंदे: अदि: भुदे: भुदे: भुदे: द्वाः वः व्यायः व्यायः स्टे से से सर्यः है। गुः पः वियः सः खुअर्विवरं नश्चर शेर्विअर्यवे द्वेरिते। देळे वार्यायर नरायराया वहेनार्क्षेन्य र्दराहे गृर्ण कुला केहर रेश नहिरे रेश शुन श्रुर नहिरे हिर र्रे। । मार्थुयाय प्रति: द्ध्याय प्राया प्रति: निष्ठ्या शुरा प्रति: निष्ठ्या प्रति: रु:५८१ व्यर:५व्वे:न:इस्र र्वेद:येद:व्येत्र। विदेश:शु:५व्वेत्र:विद:दे। ५८: र्ने तर्ने तर्म के अर्भु निरामालक ने त्रु सम्बन् गुर्ने हिन मानुमाय भू माने या ल्रिंस्प्रे हिराही क्रिंस् सामाना क्रिंस सामाहिन निमाना हिना न्दीरमःविद्याः देश्वेरान्या । देश्वेरकुष्यव्यावयायान्या । श्वाकेषायाकुषा बु.क्रूंब.सद्। विश्व.वैटा त्रुष्ट. वर्षेट्र. वर्षेट्र अ.स.क्रूंच श्रामा श्रुष अदी । यर दे छेर यथा रह देव मानव देव देव देव रामा प्राप्त हो। दि या नहेत्रमदेग्गुतःह्निम्भुदिन्दि। विश्वाम्बुद्यम्बदेश्विम् देग्याम्बद्धः ग्रवशाद्युरावशासुरिंगिहेशार्चेवायाधेवाहे। देण्यरार्टाविवाग्रवशा रेग्राय्यस्र्रेर्नेहिन्भून्ट्रक्र्यादशुर्शीःरेग्रायस्याग्राच्यासःभू गहिराईनामाधितामदे श्रिमाही कुना स्थायका मेग्रायदी गहिरायका सरसः मुशः श्री । श्लुः नशुसः ईनः सर्देनः सः धेत्। । ननः संसः श्लुः ते ननः संः म्रे । महिरामाधेरा दे ही सामहिरा । विरामशुर्या मंदे ही मा महिरामा

गश्यान् नहीं राज्यान मान्यान म ने निष्ठिशामिते हेव में ने निष्ठ मुन्य निष्ठ स्थित स्थित हो स्था हो स्थित हो स्था हो स्थित हो स्थित हो स्था हो स्था हो स्था है स्था हो स्था है स्था हो स्था हो स्था हो स्था हो स्था हो स्था हो स्था है स्था है स्था हो स्था हो स्था हो स्था हो स्था है स्था हो स्था है स्था है स्था हो स्था हो स्था है स्था हो स्था है त्यश शु.गश्रम: न्या नीय संदय क्या छी । श्रु नश्रम पर दे ने य छ हो। [अन्यास्य द्या वी रेट रविव शी विव वर्ते हैं वर्ते र वह संय र वह वी बिर्मान्ता कुन्तस्यायमा नेविन्नग्रे स्वानिन्ति के नित्ता किन्न के र्रेदि: प्रेंत्र निवर्षे के विकासी स्वार्थ स्व गशुस्रान्यायीयायह्या । हेयायाशुस्यायये भ्रीम्। विवायासेन न्यासुर्ये ग्रैमःग्रदःभुःग्रुमःदुःचलदःमःमेदःमदेःभ्रेतः ग्रुमःमानेदेःद्वेतः ल्रेट्री इ.रू.धेट्र भे. ज्रूर्य दश भी. श्रीता भी. क्ष्या भी. येट्र त्या ही राष्ट्री ही राष वर्षेयानम् ने प्यटार्ट में हिन् ग्री सु या स्वीसाय दे न्त्री नियम या निव धेव प्रमा वेश दरा इ नमा रे में है द से स्मार्थ के नमा विशा इस्रायानिमाने प्याप्त मिन्ना निष्ठिमानि स्थापि स्यापि स्थापि स्थापि स्थापि स्थापि स्थापि स्थापि स्थापि स्थापि स्था रिनेर लिर है। हेर्स हिर श्री लेश के श्री केर श्री अके वा श्रव स्था श्चैन ग्री श्री न्वेद्दाश्चिता श्री क्या श्चित या लूच ता है। खूद र दिया लूट हू या वित्राश्चेतानेते भुगार्श्या शुंगे त्रात्र्या केंग्र भुगारे दिने भुगारे नेया क्रिंश् भुं ने निवे गार रुटा साधिव मदे क्रिंश भुं भे गार्य सन्ते नियं स्टूर पट उटा रेस्त्रेन्स्ट्राञ्चलानाम्याञ्चेत्रक्राण्ये भुष्णपटा उटानदे छेरा <u>र्राच्यात्रः भ्रेष्ट्री क्रियाः यार्थयः यथा यात्रवः र्याः वेः भ्रुयः यदेः भ्रुः यः इसः सरः</u> श्चेन'म'न्दः क्रायर श्चेन'म'रायाधीन'मदी'न्त्री'म्याभू ख्र स्रेने मर होन्दी वेश ग्रीहरू सह होता वह ते वह ते के के के के के निर्मा में हिर्म निर्मा योष्ट्रेश्राश्वर्थ। त्याः श्रीताः श्रीत्याष्ट्रेश्वा श्रीश्वर्थः श्रीत्रा श्रीत्र यः नः श्रे त्ये ग्रास्य स्ट्रेग्। पुरे यक्ष द्वा विष्य प्राप्त विष्य स्ट्री

गर्भर वर्षेट वर्षा र्रेन दर्भेन वह्रा द्या ग्राम्य प्राम्य दिने हिट सुद्र क्ष्यःश्चान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान तबर्यम्बता क्रूशंभी चेशाता क्षा मुकार्य चे यावी तर्रेय से रेप्राया से हीराते। क्रेंशावेंद्रशासुयामसुयानविदार्ते। । मासुयामासुनासे। योगया क्रियायाया प्रतास्त्र स्थायमाञ्चीताया प्रतास्त्र स्थाया स्थाया स्थापी । वियाया स्थापी विशामश्रम्भामते श्रेम दे दे द्वामें वास्त्र महे प्रमान स्थापन परि য়ঀৢৼয়ৼ৾৾য়৾৽য়৽য়য়য়য়ৼয়য়ৼয়ৢৼ৽য়য়৽য়ৢয়৽য়ৢ৽য়ৢয়৽য়য়৽য়ৣ৽য়৽ৼয়৽ৼৄয়৽ नरः चुरुः र्से । निवे नः रासकंसरु दी नेरा चुर्केरा उदा दे निवेदे रा सक्सरासद्यान्य स्थान्य मान्य मान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान स्यान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य देशसादेशमादाधेतायदादळदाकुळे भ्रानि देगा ठरात् विनानि सामित ध्रीराने। रेपाशायाहिशायात्रशादशुरास्त्रयाः श्रुवाः श्रुवाः श्रुवाः श्रुवाः श्रुवाः श्रुवाः श्रुवाः श्रुवाः श्र क्षियायायाद्वेयायया हेयायवर मुवायायायाय प्राप्त स्वरासे स्वरासे स्वरासे स्वरासे स्वरासे स्वरासे स्वरासे स्वरास ग्रवशादगुरावास्त्रम् मुगासदे द्वरादर्द्धराष्ट्राद्दराधे शेशास्य प्रामुवासः रुषासहस्रायराख्ररारेग्रायर् स्वायान्यस्य स्वायाः वित्रायान्यस्य दिन्त्रवि ग्रथरः ग्रुवः ग्रीः हेवः व्यूर्णरा हो। देः विवे विश्ववीयायः विवेश हेवः विवायः श्रीयः ग्रीयः ग्रीयः ग्रीयः ग्रीयः विस्रक्षःसः नृदः नेवे वृदः वृषः ग्राटः वावृषः देवाषः वर्षे व क्रुनः संवे हेव उवः ग्रेश विया सदि भ्रेर द्वा यावश रेग्राश वह वत्व सासव कर ग्रे पर्दे र ग्राचुग्रा ग्री हेत उत्र न्द्र ग्राचुग्रा सेद ग्री हेत उत् ग्री पळंट मु । प्रायय क्रुवासबयानासेनामवे क्रियाने ने यानावसामा वराष्ट्रायसाम्यानामवे

हेव.वव.मीश.विय.सद.वीर.हे। अर्रे.लशा वाद्रर.सदे.वावश.रवा.श्ररश वर्षात्री विश्वार्श्वम्यान्ता यहामनेम्यायया वर्हेनाम्यस्यान्तरः ग्रम्भारमेन । भेरम्भारमा भार्षे स्थामाराम्भारमेन मेरे हे हिरा देव. ग्रम्। दे न्यात्र्यास्यस्य नावस्य देवास्य नतुन्य स्यास्य स्वर् स्व न्या नात्र्यास्य स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स् विस्रक्षः सः निर्देशः स्रोद्धाः स्रोद्धाः स्रोद्धाः स्राप्ति स्रोद्धाः स्रोद्धाः स्रोद्धाः स्रोद्धाः स्रोद्धाः यदे हेव उव धेव है। यर् प्या ग्रम् ग्रम् ग्रम् ग्रम् विर्देद्रास्त्र न्या हिंद्र वर्स्टर मुद्री विश्व द्रा शा श्रेष्यश मुन्त्र मार्थे । पिस्र भारते मान्य मान्य नहें नक्षर है। वेश मार्श्वर भारते हिमा देरें श गहेत् ग्रीश श्रू र ग्रु र गोर्वे र खुंय पर्ने ने र गय नित्र ह के प्यर र र गावत नशःहरःग्रथःनिह्ना क्षेत्राय्याग्रीःग्रवशःभ्रम्याग्रविदःदरःग्रविदःद् यदिव नश्यान्य अस्य स्वार्थ निवा केव नी केवा या परे या परे से पार परे से या मदे ग्रुट सेस्स ग्री तसं वित्र हु सबर बुग मदे सहस्र नवग बारा से त्या कुवासबदे पो ने यान्दानुदासे समानी क्षेत्रा प्रसादे हे सु नुदे हे तर दे तहे व ग्रैं भे भ ने भ ने भ न भ में मिल के म नवगानी सहसामाना नवा मदे के पो भे साने दे ना ने ना सामि सानु है श्रेन् प्रते द्वारा स्थार्थ र देश के प्रति स्थार स्था स्थार स्था स्थार स्था स्थार स्थार स्था स्था स्था स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार र्न-न्-वहें ब-मवे-इस-हें ग्-रब-मवे-स्या-हेस-सस-ने-सासेन्-ग्र-न-न्-रस श्रदशःसदेः भ्रेत्र विवासे देः सःश्रदशः ग्रेःवरः दुने शः ग्रदेः सुत्रः सवदः द्वाः सर्देव दु त्यू र से खुन केट । दे दूर ज्ञाय न व के भा जु सबय द्या सर्देव गुर-ग्री-भे अन्स्यअःगुर्दार्श्वर-र्श्वन्यःग्वर-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रवेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रावेश-प्रवेश-प्राव-प्रावेश है। दमेर वा क्षेत्र होर श्रेश नगत मदे से गान विवर्ते। क्षिर मुन भूता

नवर भेगायवेदायमा भूनायमा के माद्रमानमा सुनि पहिलाहे निर्मे बर्द्रान्द्रिव सदे महिकासूर पहिषानदे नगाः कग्रामी दे सासासूरका मश्राह्म मिर्डमा त्यार्दे व द्यार्दर गाव हिंदा मिर्डमा उरा अर्दे व खुयार् श्रूर्या शेर् श्रीर्य परि श्री मात्रे । सत्र माहे सारे सायहें या विष्तु प्राप्त स्वार है सारे र्वे च दर्भ भी वर्षे वर्षे विष्य दर्भ इस न न द स्था है : श्रे द ग्रुव : श्रे द ग् हैंगायार्थेन्याने श्रेन्त्यी त्राया वेशन्ता सन्दुते कुन्ती सम्ब यदे नरक्त सेन वस ने हैं न ने निव के हिन वा कु वा कु नव ने हा सहसा यर'नवना'नवेद'य'द'नर'ळ<u>५'से</u>द'सस'ग्री'र्श'देदे'ळे'सहस'नवना देवे·वाबेवाशःर्देःद्रःवेशःग्रुःहेःश्रेदःधवेःह्रश्रःवःग्रुदःबदःग्रुदःशेःवळरःहेः বব্র-গান্ত্র শার্ট রেমির-রেমির-রেমির-রেমের-রেমের-রেমির वेशन्ता र्वेग्रासेन्व्यमाग्रीमाग्रमा हेन्सूनरकेंगाग्रीम्नावदेन्देगाममा इस्रायर से हिंगाय प्राप्त वस्रा वस्रा वर्ष व यंन्द्रः श्चेत्रः यं श्वतः श्चेतः श्वेताः यदः न्यादः तः त्रेताः यदे श्चेतः हैं हे । श्वः त्रेतेः हैर दे वहें ब कुषा वेष गुरुद्य पदे हुँ र दें। । य विय सळस्य या देर वया नरक्र सेर यस की हैं दे यम्मा हर ग्रह महत्र महार से हैं से दूर स ग्रुर्भायते भ्रेराने। श्रेरमाठेमा मेश्रासुर्द्रा भ्रेरान्यूरान प्रस्ति प्रयम मर्छिर यर सामुकाळे मुकार्य भ्री रान्युर मुका ग्रार क्षे विर्वे रास्य मुका सका रात्र <u>कर्भेर्ष्यस्रेर्यस्य व्यवस्य हेर्देश्चस्य मृत्यस्य स्वर्धेन व्यक्षेत्रस्रे</u> रुटाधिवायवे द्वीराहे। वराळटा से दायसा श्री सायवा हे सायहें वा सामुना यदे हिर है। इस नन्दायमा नर कर से दायस ही द्रा द देश सूय ही

য়ৄৼয়ৢ৽ৼ৾৽য়৾ৼ৽য়ৣৼ৽য়৽ৼৢৼ৽য়৾য়৽য়য়ড়ৼ৽য়য়৽ धेव मुं रें रें र नहमें अप्यों मार्चे न प्रते अप्येव हैं। प्रते या प्रमाय वसासानद्वते क्रुव क्रुव क्रुव क्रिया स्टिन्स स्टिन्स स्टिन्स स्टिन्स स्टिन्स स्टिन्स स्टिन्स स्टिन्स स्टिन्स स ॻॖऀॱॸॖऀॱॺॱॿॱॺॕॱॸॕॖॺॱ४॔ॺॱॴॸॱऄॸॱॻॸॱॿॸॱय़ॸॱॿॖॸॺॱय़ॱढ़॓ॺॱऄॱॻॖॱऄॢऻ र्देशमहेत्रधेशयम्हेशयव्याः देशमव्याः प्रदेशक दशः श्रेरः शे रुटः चदे केश ठदः न् र्रोट नदे वस अर्जेन मदे हिम् वेश मस्टिश सदे हिम् नेश द दर्मेन वरेवर्दरक्षार्थेयायमायविषार्यमायविषार्यात्रे यगाहेशाधेवादी । शुरायायादिवादी वराळन् सेनायसन् सावाया हेश'मुन'ळर'नर'नया नर'ळर'सेर'यस'मी'र्श्यातस'रे'गहर्वर्य भ्रेर्स्थे रुट्युम बेद्र पदे हिराहे। इस पत्र प्रायम देश भ्रय है स्ट्राय देॱबेदॱकेदॱक्षे<sub>र</sub>-से'तुदःचदेॱकेंशःक्षरःधेषःधदा वेशःगश्रुदशःमदेःह्येरः वासाहिताक्षे देर्भावाभेराकेरादेर्भे क्षेत्रकराक्षे भेर्भेराम्यादेर्भे धेद'य'दे'र्डस'य'भ्रेु'से'रुट'वी'र्केश'ठद'र्'युर्श'यश'स'हिन'यदे'रीट्र| स' गुनन्। वेगाळेद्र रेग्यारेश ग्रीश र्बेर एयस वर्वेर पाद्याप्तर रेंप र् नदेः प्यतः यमा भ्रेः से रहरामे के सारु तर्म स्वयं मि । दे तस दे र देवे द्वरावी राष्ट्री से श्रेन्यवे श्रेम वर्देन वा दे सर्वे राश्वर सराधे व पर वयावी दिवादरे दुरावदायायहिवावयागुवायहिवारें रावें या ग्राटायहिता त्रश्रातायवावातवीर.रेटा क्रिय.श्रवर.श्री.पवीर.वीश.श्रूर.क्ष्तायन्तर.श्रेट. दि। निःषःनिर्देनः थ्वानं ने दें वा नेवे के क्वानं समय नवे कुनाय केंट्र होना हैं गुरु सदे प्यस्र सामित्रीय र गुरु हैं न सदे हैं साम उद मी प्रस्ति स्राम हैं ग शुरानमायावानाधूराशुरायराष्ट्रया नदेवामहेशाशुरवशेयायरा नहेंबा युन्यन्य यद्भे हें मा यदे या चेंन्य यव द्या नमा कम्या द्रा न वर्ष हे हुन

वर्षानित्रमान्त्रेत्रामी भ्रम् वेषान्ता वह्रवासम् अस्यादवावास्याने श्चःधेरायर्देवःशुयायह्न। । हेरान्दा यर्दे यथ। ग्रद्धायाये स्रामी हुन व। देवे:भूद्रच्यायाहेशयवे:द्रुशः श्चे:इयः भ्रेंवःवयायः वःदेवे:कुद्रः श्चेः वयाः बेद्राधे भेषा श्रे ळव हेरा ग्रेग में ग्रव रदा में दिसा ग्री हेरा येव यथ न्द्रभःशुःश्चेःभुःनरःवय। वर्देनःमदेःध्वेरःवःश्वाद्यनःश्चे। नेदेःकेःवह्ययःनदेः इसाहिंगानी दें देवित्यसागुन क्रिंगा सूरात्रावाना हेटा बना सेटा धे भी साहे ळंत्रहेरःगडेगार्से द्रेशाग्रह्मा याद्रशास्त्रीय ग्राटा दे दि दे ग्रह्मा स्ट्रास्य रे.टे.ट्रश्रावशर्चेच पेट्राचेटे हो दे.ट्रश्रा हो प्राया पानव स्राचे हो हो श नरः कर् सेर् त्यस देश ग्राट बना सेर पो भेश हो क्वर हेर नि ने ने हे हु व्रेन्-मुन-पर्व-ध्रेन-हे। कुन-सम्वे-नुन-सुन-सम्व-न-ग्रेग-प्रेन-पर् देवे भूद डेग गड़ेश मदे के वेंद्र श्रुर द्युर वर सा वर् श्रुय भूरत वर्चस्रा ग्री हे मु ने दार दे हो सर् के निया निया में के मिर है है है है । वर्ष यासेन् प्रते भे भे से क्वाहे भ् इंगाई मारे वे से दिस में इंग साम है रेग्रयास्य स्थान्य विषय्य स्थान्य स्था यदे भ्रिम् वरेदे देव ग्रम्भी त्याय रे स्मादेव र में याय के स्माहे श्रिन ग्रुवःर्श्वेरःवीःवेशःश्रेवाशःग्रीःसर्देःदेःद्वाःद्दःदवायःदिवाशःद्दः। इसःहेवाः <u> अरशः कुशः श्ररः शे दर्शे 'चर 'दर्गम् 'सदे 'दृश्चेम् श' चश्रवः मी 'दें मूश्र शेवः </u> इ.ध.यद्र.ब्रेश.श.यर्.कंयायाग्री.रविर.स.क्र्यायायद्र.यर्.कंयायायुराये. वहेर नर्से वा की के भाभू र से वा से दा के वा धीव । धारा सक्व के दा सामा कि वा से प न्यायी अर्थे स्था हे न अर सम् न विषा प्रमा प्राप्त में भी की की सम् प्रकर्म वर्रे हे तु या विदासहेशायदे रेवा से रावत्वा की खुन्या हेवे खुन्य र

ग्रेग्रायुक्याव्याव्यार्थे । इस्मिन् क्षेत्राची विद्यार्थी प्राया स्थ्या प्रदेश प्राया विवित्ताचर्रः ह्रेचा चर्रः ह्रेच्याचा वशानेत्रः ह्रेचा सेन् न् वश्चर हे प्यासहितः गुर-त् भ्रे साम्रामा रंभाषीय है। देवे त्या शु से ह्या स्याया सर्व शुसा र् हेंग्रां सदे अर्दे सुरा भेर गुर सर्दे र् र् गुर स मुन स निव भेव सदे धैरा देशका हेदे ह्या बरायशा सर्स्य हु धैरायदे द्युराय श्रें से अ क्रियाया क्रि. त्राया त्राया स्वयं प्रति या स्वयं स यश्रादर्गामशुरश्रामाने पर्ने पर्दे निश्वामा वार्मे प्रमादाधीन है। विदेवे हेंगाय दरहेंगा ज्ञाय या इस ग्राह्म सरामा सम्बन्ध सामित्र हेग वर्रे र्भाश्च रश्चेन्य नयस्य व्यव्दे वर् र्मेयाने हिना साम्यस्य वर्षे राष्ट्री नुशाधिव मदे भ्रिम् वर्दे वर्दा नदे विन का सामिनमा सर्वे न वर्षा नमा करा दे रेश शुर्देव वहें व पदे वेव देगा दरा देश हें गा श्रया दु ए शुरु या या वे क्रिंश म्याया अंग्री अरह्म पर्वित्र अर्दित शुअर्दर गुत्र अवित सुन श्वाय अ नन्द्रासंस्वासासी निसामित उत्ति स्वासी में द्रित्ते हैं निसासित स्वासी में निसासित स्वासी स्व यदः ले श श्वरः हे वा यर विशुर्त त्र स्था यश्चित । यर श्वर हे वा यर विशुर द्वीयायते द्वीराते। हैं नायान्ययाद्वीराग्वी ह्वादर्वीरायदेव सुयाद्या रू सर्द्धरश्रासदिः ध्रीराते। यारा वया देवे स्तुराया हिया यारा या हेवा ग्रामा से दा स्तुरा कर्नेवे कुर्त्य से विवर्गन्य विवर्गनेवे कुराने रियेर व निवर्गनेव र्या विवर्गन नुदे छे नेदे कुन्य हैं नाय नहेना ग्रम्थेन से नित्र मेंदे नुष्य सुदर हैं नाय श्चे त्र वृत्तः नर्षे द्वे स्ति । इस वर्षे वा वर्षे कु दूर व्यव वरे । धेरा दिन्दे भ्रेम ग्रम्भ त्युर्स् । विमाग्रह्म महे भ्रेम दे दुमा ग्रेम नेशःहेंनाः सेनः हेनाः स्रमः हेनाः समायग्रम् ने ने नुषाः ग्रीः नियम् नेशः हेनाः

बेर्ग्यूरक्षरहेंग्यरव्यूरद्वेषि । सक्दिष्यवि धेर् यम् इसारमेयायम्। धेरार्थेरानेसामारे पर्देनम्। १ निवेदानमा भेर लालर्ष्यक्री विश्वाम्बर्धरमास्त्रिम् देखर्यस्त्रेम् विश्वमा ग्रया होत्रया नक्ष्रां व स्वेशान्या दे रहेग दे व्या ह्या स्वरे स्वर हेग गहिरापर इस में वाया से रापि के खुवा ने निवेद हैं न न्या है क्षा नावा गहेशसूरत्वत्वरुषः द्धाया द्धारविषाः पुरिष्टा प्याने वार्षः दिरा विष्या देवे । विषये विषये विषये । नेयानुःहे स्रेन्यायमा सम्यानी स्रुप्तार क्रियान विवाद स्रिम्याय विवाद ग्रम्यान् अर्देव शुस्र न्याचे ग्रम्य प्रेव हो। नेते के स्वे या चु ने सूर ग्रावया न'य'क्केन'ग्रेन'ग्रेक्षेशक्केन'र्हे हे स्नुत्रेत ग्रुट शेशका ग्रेक्षेय प्यापय पर कर वियासे। भ्रीतायाने प्रवासान प्राम्य स्वासान सम्बद्धा स्वास स व्याग्याद्राचन्यात्र अर्देत्र शुस्र तुः हैं गुर्स पदि ग्रोग्य स्त्रेत्र से दः पदे हीं र है। है। इस्रामन्द्रायस्य देवस्य भूदार्डेनामहैस्याया इस्रार्मेयायस भ्रेस मदे के ने अ गुःहे सू न य महि अ सू र तु न त अ कु य कु न व म हि से र न देवे ग्राह्मे गुरु प्रदेशेंदर भी अर्गु हिस्त्रेंदर प्रवस्था उदायमा सहित्य दुः क्षु दुः र नव्यायाः भूरासर्वि सुसार् याचेयासाया नेवे के लेसा स्वीता वर् सर् सुरसा य: इटा वेश मुश्रुद्य पदे धेर इटा दे चवेत द्वा रट यम हु र र चवेता ঀ৾য়৽য়৾য়য়৽য়৾৾ৼয়য়৽য়৸ৢৼয়৾য়৾য়য়৽য়ৢ৽য়ৢয়য়য়৽য়য়য়ড়৾য়৽য়ৢ৾ৼয়ৼ৽ या शुःरु:रःर्ह्नेव:मःवे:वदःद्वेत:रदःनवेव:धेव:मशःधे:वदःगुवःग्राययःनः वर्दे द्रे थेव स्याम्य मुन बस्य उद्याद्वित परे म्यूर कुत थेवा वेय वह्रसंसर्वेदिः विःरेदः वें स्कें स्पनः श्रूशः द्वाः वाशुरः है-। विरः दुः सः वितः

सक्सराया देर वया द्येर द्येश महिमासु देश मुद्र से सुर वर्ष स् बरःर्स्ने : षरः वरुरः बेदः दयः क्षुरः देरः से : बुवः यरः ग्रुयः यः विदः त् : देवेः गहेत्रं में नर कर सेर यस ग्रेस क्षेत्र स्त्र स्त्र से से र में के र कर हैं ठ्यां प्रदे विष्णा हे अ ग्री हमा के वा विष्ण विष्ण हो अ प्रदे प्रवास के प्रदे प्रदे हो वर्षायानम् नेविवेषाः प्राने न्याः भ्रेशामवै भ्रेम्या श्रीया सुव में सुनायान्य र्श्वे तसर नड्ट साक्षर दुर्श सहस्र र महेन से हो न र र से समुद्र सदे र्श्वेष्यश्चिषात्राचार्यः न्याः स्वार्थाः विष्यः न्याः इस्यः न्यन्यः वर्षे र्भे अ मी प्या ने न्या मी अ न सूर्य परि न म कि मो न पर्या भी अ परि र्भे न या ग्रैअर्देअःभ्रवाग्रीःश्वराग्रदेः अर्वेदावरायात्यायह्यायादे मुदार्या श्रुराया न्मक्षित्वम् नक्ष्मासूमानुभास्त्रम् नुभान्ता विभान्ता महेन्स्वि यना हे अ ग्री अ भी र सी र दर नदे के अ कत र र से दर नदे पर में न र न दे हें न यदे यस मी देवा सारे या इस में या यस दे राम माने प्राया से राम कर से रायस ग्रेशनभ्रेन्याधेवर्दे । विश्वाम्बर्धर्यायदे भ्रेम ने त्यां वितरो ने सूर्यो वन्नद्रायम् नया क्षे वयम् गर्हेद्राया ह्या में वाया या में प्राया क्षेत्रा के में वाया यदे हिराने। दे इस मूलालया मुका सर मुदे माने द में मुद्दा लाया हुँ र से रैग्रामायदे द्वीराव साह्य हो। देश दे ग्रिमा ग्रामा स्टर्से दायस रहा न्यासु न्दरने वे हे या सु न्दर्भी त्यमा हे या ग्री न्द्रों प्येत ग्री क्रा में व्याप्त या ग्रेमःश्वरः चुदेः द्रस्यः गहेवः चुदः र्ख्यः यः श्वेदः से । देयः विकासदेः भ्वेदः हो । देयः देवे दिस्यामहेन भे हो दाये हो र प्रति हो र प्रति हो देव हो दाये साम हिन्द के कि मान वर्ग्यदासी स्थानन्य विष्या ने वात्र मात्र विष्य नरा करा से दा यसन्दर्भसःम्बायायसःगद्गेर्यायायस्य मुद्दर्भः मुद्दर्यायायस्य नार्ने न नुस् सर्हर्रि विशामश्रुर्यायते हिन् कृत्यवयन्य स्यार्मेयायया देवे के

भुग्निवि केमारुर रुप्तेर्द्व रुप्तेर राधिव है। देवे के सूर दे सम्मानिय गॅंहेशःसूरःत्राःसदेःसहसःनवगःषेःवेशःदेःसहसःहेशःदेःर्गेःग्रेगःसदेः लेल्याक्रियासून सुन् देवे स्ट्रियासी न्यास्टर्सिन त्यसासी क्रिया है नि म्रीन निष्क मिर्ट में देश में प्राप्त निष्ठ में सक्त निष्ठ मारी मिन सबदान ने विद्या सून गुर हैं दा ने दे के ख़ूर गु के तथा गु ख़ूर न या गु से न या गु या गुव-र्स्सेट्र सेट्र स्ट्रियाया न दुवे सूचा सूचे विट्र से सेट्र सूचा सूच समय प्या यं वर्त्वरानवे हिन् न्यार्थे सुन हैं नेवे खुवाने नविन हैं न वर्षा नावें होन नविव केट्राइट के अरु अर्देव र् जुअ अर्याम् विव । देवे के क्षेत्र या बट्य ८८:सक्रमानवना धेरिका दे किया ब्रम्भ उदाया सर्दित सुमानु सुना यह ना यर ग्रुट कुन परे भ्रुर दर में ग्रुन हो इस नम्द स्था देवे के मे ষ্ট্রীব:রব্'মম্প্রুদেম'ম'ব্দা অদ'ব্বা'মরি'য়য়র'য়র্টর'র্'রৢম'ম'ব্দা केंशः भ्रासर्दिन प्राध्याप्ता विशाप्ता विशाप्ता विशाप्ता विशाप्ता विशाप्ता विशापता विश इस्नेश्वानुन्न विद्याक्षेदाहेशासुन्धास्त्रीया विदेशेयळ्वासासी वर्गुराधेरा । ग्रावर्थाया नहता धेरासी यहेर्या स्था । वियापरा देवे रहा दम्यायम् नर्देसाय्व पद्भावदे हिना पदे सार्च समय दना नना कना स <u> ५८:नठशाने इत्वशाने कि ना हेत् ग्री भ्रीता अळवा या ये प्रमुदाव ना वेदशा</u> ळ८. श्रेट. त्रश्र. ज्येवाश. त्रस्य स्थित हो र. हे. त्रहेव. तहव. त्रवे. ही र. ही विभागशुरमामित्रे भ्रम्या स्माधिक्र स्वीति देशावास्य 

ग्रिम्थायदे देन है से देन स्कार स्वार स्वा श्रूरः त्रनः मदे सद्धान्यव्या प्ये भी राधीतः मदे ही राद्या देवे हिरादे राद्या स ग्रेग्रं प्राप्त में त्रियात्र अप्याय अपनि स्वीत न्यान्ध्रिन्द्येन्त्ये स्वायान्य प्रयान्य व्याप्तया स्त्रेन्याने न्यान्य प्रयान्य प्रयाप्य प् स्वाराधित परि ही र है। स्राया न स्वार सेवा परी र परा ने र से पर से से र र हेन् ह्येर्स् हे खुरन न्दर हे ख्रेर संस्ति व सदे पो लेख महिका गा पीत प्यर पो नियाने के या है नाया है। क्षाना या हो दाया धीदा ही। है। ख्रेन या या हो दाया थीदा या गुर्ना हैन य है से दाया होता मधीत हो है से न सहित मा से दाविता वेशन्ता न्द्रिंशम् गुरुषा च उदाया सम्मान्य सम्मान्य विवायन विवा सर्दिन्तुः सहद्वायम् विभागस्य स्थानिकः स्थितः हि सारेगान्दायम् विमा गै'र्नेद'रे'र्थेन्'सदे'द्वेर'न्दा सर्ने'यशग्रदा ग्रुग्याद्वयशक्षेयर्वेदा वेशामात्रभा केंशासर्वेदाधितावेशादे प्रविदायानेयासामस्य प्रस्ता वेशा इटा येग्रयन्त्रभ्रद्भेटार्से यथा इटेंश्वार्स हुश्वार हताया सेगायर रदा नविव प्रनयः विवा अर्देव शुअ र् हेवाश वाशुद्रश य वे देव द्रय नदेव य सर्देव शुस्र न् हिंग्य परि देव के साउव पेन पार पेन पार पेव है। वेश र्श्रेग्रां भीत्र प्राया निया त्र निया त्य त्र निया त्य त्र निया त वियोशायाह्नियाशाच्यात्राच्या त्राच्या देशाग्रादाह्यायात्रायाः ग्रेनेम्श्रास्य वर्षा सः ग्रुनः सं देवे र्षेत्र हिनः हो श्रुन्य सः ग्रेनेम्श्रास्य ग्रीनेम्श्रास्य र यांच्रियायायम्।प्रयायोद्यान्वीयायवे श्वीमःही त्यायायाः हैयायादाः हैयाया नश्राधियासदासुरी विष्राहें में वाश्चिराश्रास्थायसम्बाधासी सिहितासप्ययः विगागीश अर्देव शुंश न् हिंगाश मंदे केंश ने पहला नदे हेश न्यंग थेंन

यदे हिराहे। दे सूर्र रुस्या नवर से मायहेर यथा मन्दर रुस्मायाया रेगाम्यारेगामवे में अंकेंद्रम्य वया वये क्षेत्रमें विश्वास्य प्रदेश मुन्। हग्रायाग्रेयायामुनास्री इयानन्दायया क्रियामययाउदाइयाया वस्र १८८५ में स्थान स्था ५८। बरक्ष्यावे विरात् कुर्या हेवाया प्रदे ५८। हेवाया प्रस्ते या ख्या यदे देव दर्ग सर्व सर्व सर्व सर्व सुम दुने माम दे देव पीव पदे ही र ५८। क्रॅट्स्बर्यका सरमामुमाग्रीस्य दे गहेमाभूटाविषानदे नग ळग्रासस्य स्थान्य स्था ग्रीमानस्मानदे केंगानसमाउद हेगा उद सदिन सुमान् सहित पाणीत विदा हैं क्षाना दर्भे दाया अधिकाय देखें भी या गाहिया दर्ग अहा हे या गशुरुरायदे भ्रिराद्रा यदेव गहिरायशा सिह्ने सिद भ्रद हेवा गहिना गीयाग्यदा | श्रेंग्यायार्थे | इन्हिग्यागिहियायात्रीयास्त्रे | देन्देरे छेन्स्रीया बद देशनाः वृष्युन् ग्रीः मात्रुपाराः भूतः ग्रीतः ग्रीतः वित्रां सः हपाराः निति नः ग्रीतः स्री देवे के गुन र्से द से द सर रें न की रेसे न त्या की सम् त्या सिर्य सी देवे श्रुवानरागुरामवे दे वदास्रवायस्य गुनामवे स्रीता देवे नद्या मेर्दे गुर्या यंदे-तृषासंद्रसाम्भिने सोदाग्रहाने देशस्य या उसासवदापया सराहे नृषासु वर्तुरावदेः भ्रेम् स्राप्तान्त्र्यास्रुयः ह्रावस्यापाया सुरास्यापाया विदार्ते। विनेत्रविभाष्यमा देवे के इस हैं वासे दार देवे। सिंद शिल्वा मारी भारती श्रेश्रश्राच्या हिना हु विश्वास्त्र स्राथा म्यास्त्र विश्वासा गुन हु वस्र रूट् द्विटा विश्वास्य सदे में हिन हो हे हे लेश र देवे

तर्रेर्विषयम्भुतर्भुत्यम्भुत्विर्वर्यर्गन्ति मुन्न्यम् इसम् इसम् इसम् इस् डेशाम्ब्रुद्रशासदि भ्रेत्र स्रात्रेश्वरात्र स्रात्रेश्वरात्र स्रात्रेश्वरात्र स्रात्रेश्वरात्र स्रात्रेश्वरात्र नविवा पि.योर्ट्रस्स.यंस.थंताचित्रासालर.कॅ.स्रे.स्रे.स्रु.स्.स्स. नभर् देग्राया प्राप्त सार्दे दारा होता स्वाया स चल्वेत्रन्त्रा वर्तेत्रःश्रूषाःचरःष्यरःसस्द्रस्यायःश्रूषाःसम्बरःसेन्यतेःश्रूषाःचः য়ৢয়য়য়য়য়য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়ড়৾য়ৼঢ়ৼয়য়৽ঢ়৾৽য়৽য়ৣ৾য়*৻*৾য়য়৽ঢ়৽ড়য়৽ড়য়৽ र्ट्री हि.यी अटश.भैश.भै.अर.ध्रेया.स.वेश.यन्ट्रि.स.याट.लट.स्र.स्बर. यदसानेदे हैं ना ज्या ही हैं ना याने ना सुसाना ही महें ना या ने सायाया नु याधिराने। इयादमेयायय। नेयामरामराया भूरें दादहेव। निवेरने पा हैंगायाधेता विशादमा कदासासदिमा सेमादम्यीयासास्यायास्त्रीया थी। हिंग्रासान्दान्यासद्यास्यास्य। विसासान्धीन्दान्त्री वहेत्रास्यः हैंगायप्तरा न्त्रभासवययमा यरप्तासाधेव ग्रवहेंगादी सिसमा र्ट्रभ्रम्भः विद्याप्रमान्त्रमः विष्यानिष्यः म्यूर्याच्याः च उत्ती श्रेश्वराश्रेश्वराष्ट्रितायर्द्धवायर्त्वत्यात्र्वत्यात्र्वेश्वराविष्यात्रवे हिंवा यन्ता र्रे रे हे ते त्रम्य विकास वि हैंगायर ने विद्यार्थ वालव ययदा अंअअ हुर यू ने इस विद्यार्थ । वरानी हैरावर हैं नायर वल्दायदे नाव्य प्रमुक्त मी हैं नाय दरा केंग इस्रायार्थे स्ट्रिंट् प्रदेश्वरायार्थे स्ट्रिं पारावेश्वराये स्ट्रिं हैंगानी हैंगान न्ता गुर्दे हैं त्या वैन मर्दे नाम दे त्यन वा वा वा वा यगानी पर द्वारवि हैं ना यदे श्रम् श्रुद्व श्रुप्त संस्वा स्वर्ण द्वारा स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण वहें तर्हे वा सन्दर्भ के श्रास्ट्र विष्यासदे हें वा सम्बद्धि सदे रासे दिए हु

८८: विराधर र वेवर रेगाय हेंगा वया धेवर धर वन र रें। रिगा गश्या ही हैंगायान्यानहें सायदर से दायान्वताय सुरामी हैंगाया सरसा मुसा ययर पॅर्ने। यरया मुया ग्री यर भ्रूयया यह वा न्त्रा पॅरा परे भ्री रा हैंगानी हैंगा सबद र्धिन दी विश्व स्वावत व्याप्त स्वावत विश्व गुश्रुद्रशःसदेः ध्रेत्र अं अं अं प्यदःद्रमः देवाः सः चत्रे वे प्यदः स्वतः ध्रेत्र वसम् व यसप्पन्नाची पर द्वा हैवा सदर छेंद्री दर् हैं व स्थान स्थान न्वेश्रासाधीत्राही वदीःवश्रामबदासेवी विदीःवश्रासमासेवी विदीःवश्रा यर्भासर्वे सूसाया सृत्वे सर्वे सुसा ग्री सिव्या निया विया विया प्रिया हो राहे। <u> अरशः क्रुशः ग्रेः अरः ग्रुरः स्र्रेणशः श्रेः नत्त्रः स्रुरः न्दरः अरशः क्रुशः यः </u> दे पदः नवे मुग्रास्पित् सर्गुन समय नवे गवे भ्रानस्य स्वानहित् पवे भ्रीत्र देशक र्वेद्र सदर्धेश पदिर्दे सूस्र पदि क्विंग् गृव क्विंद्र पदिव पदिव प्येव वेद न न्या धरावाडेम । ने हिमायाधिता बेरानान्या क्षेत्रवराने। अद्यास्या न्नरम्नेशन्दा हैं ना ज्ञा की प्येन में शानिश की शानिश हों ना होना हुन भ्रे.ब्रन:नरःसम्भः ब्रुव:वित्रके नवे क्षेत्रः ही वित्वा सर्ने वस्ता सेवावीः इसायरानेशायशार्केतार्यानेशाणी क्रियार्यात्वेशानेशाणितार्वे। विश न्निर्यासी त्रम् निर्वाच्या हिना न्यायाया ने तर्मा सामिना स्तरे ही राज्या वियासे। देशाद्यदानेशा ग्री हिंगा या विसाय स्थाय स्था ग्री भी प्रापादी स्थार भे दुर वदे हुर र्रे दिश्व देर् रें ग्रे पहे कि के वे प्रवाद विवा विर्देश श्रम ग्रीसाध्यानामाध्यमानेसामास्त्रीमानेसाम् नेप्यानेसानेसासेमानेसामानेसाम वयर साधियों पूरवी क्यायबायाता श्रुं मूं शाक्षव सूर्त सहर हिर तथा

|इस्रायात्रस्था उद्गादेशायरात्रीत्। | वेशाम्बुत्यायासीयत्रद्रायरात्रया वर्देन् प्रवेश्वेमा वर्षिम माश्रुस वा त्या त्या से में हिं । दिस के सा वर्षे न प्रवेश वर्षे न द्वीरशः बेर्ना अरशः कुशः शैः अरः देशः वेशः धेरः परः वयः से । वर्देरः यदे हिम वर्षिम नासुस स्पर्म सम्स हुस ही सम सहस है स दे में नहेंग कुंवार्धिन ने। अवसानवनाये ने सान्त है सार्चिन यो ने सानि सामिताया ग्रान्धित त्रस्य राज्य त्राय स्टिन् प्राप्त स्टिन् विष्यासूरामस्या उर्गान्यानु वासूरानि देशी वसा इसा सिन्ने वासूराया इसासिक्र तार्रा देश देश से स्वरासिक्त स्वरासिक्त महिता महिता स्वरासिक्त स्वरासिक यर से द ग्याद मात्र या शुर्भे के त्या यदे व स्वर प्रदे के शुर विमाल र शुर स्वर र हिंग्यासदि ध्रेर है। द्येर द श्रेग श्रेर ठद य दूर दर श्रेय न ग्रेर इसरानसूत्रकें पर्ने इसरा सेर सेर सूर विश्वास्था है। दे प्राही पर्वेत सर्वेर्स्सिवर ग्रीया ग्राटर्स्ट गीर्टिया द्यारि गुवा सेर्से स्थिर सेर्स स्थान देवे ८वाःवःनहेवःवसःसेरःसेंदेःह्रसःसःवळरःनःनिवःधेवःधेवःसेंदेःहे रहे। देवेः कें नरानी दें अन्तरा ने स्वरास्तर स्वापन त्विया यहा विदेशसूर स्वरास्त्र साया क्रूंशके.दे.क्रंर.क्रंट.क्रावय.क्ष.विकाय.यविव.दे.विविकाची.दंट.क्रंट्श.क्रेश. यदर दिव्यास दिवया विद्यार दिवेद स्वारादे से राहे। यस रेस यस। स रैवायान्यक्ष्यायायाने सूरासूरानदे देशात्र साधिवानी। वारा बवा ने त्याने । व्हर-बूद-वायासार्वेश-वर-अद्याक्तुश-रदावी देशाव्यादे व्हर-बूद-वदे क्ष्याची भाषाचित्राया भाषा दे स्मार्थिता वर्षा त्या विषया वर्षा विषया वर्षा विषया वर्षा विषया वर्षा विषया वर्षा र्नेव सेन ने ने ने से पो से राज्य सुन म पेन वर्ष सूर न स पी त पर पो से रा देशक्षान् । विश्वास्त्र विद्यान्य विद्यान्य । विद्यान्य । विद्यान्य । विद्यान्य । विद्यान्य । विद्यान्य । महारमानि से मानि स्तर्भानि स्तर्भानि

याष्ट्रियायाद्या यदावार्येदाद्यायोगायायाया कुरायद्याद्याद्याद्याद्या बूदःनदेः क्वें त्रशःबूदः यदंशदशः वयग्रशः दरंगे देशं त्रशः शे बूदः वदः वया र्रःश्रेरःदरःगदशःरेःश्रॅरःश्रूरःदरःरेःश्चृगःयरःश्रूरःवदेःगरःवगः ने निर्देश्य श्रूर द्वार श्रूर द्वार श्रूर है। ने स्ट्रिर साविष्य ने स्वतर ने ता श्रूर द्वार ही। क्सारावकराधरारदावी देसावसात्रात्रात्रारात्रात्रार्या देश्यारा रे से कुण यर सूर न न बिव र सुन में दर र र में रिश वश न देव यर हैं। सामन्त्रीयासराहि सूरामान्यास्य सासूरासूरायदे हिराने। दे सूरासूरायदे विष्याक्ति. बर्ना स्ट्रास्य स्ट्रास्य स्ट्री स्ट्रेस्य विष्य स्ट्रास्य स्ट्रीस्य स्ट्रास्य स्ट्रीस्य स्ट्रीस्य र्वेशन्वेदायाधेश हिल्हरासूटायादि विंदा विहेदाहे से शायास्य उर्दि। विस्थार उर्द सिंदि रामा सर्दिन सुरामा निमा निमा दिया रदावर्षेतात्वमा लदाद्यात्वराष्ट्री यात्वार्यम् मान्यत्वेत्वा यहेत्वमा भ्रीयायावित्वदे न्दियाचे वस्या उन् दस्याया वस्या उन् न् उपा उन् सदिन शुयानु याद्येत्र प्रयान् वयया उन् याद्येत पालेया द्वारी । वियानमा हिनामा धुषः इस्रयः भेरे यः पदी । क्रिंगयः देः समयः द्याः इसः भूरयः उदी । वेयः योशीटश्रात्रपुरी क्रूश्राध्यक्षा २८.श्रट्शः मैश्रादसयोश्रासपुर गीय हूँ या <u>५८. रूप. प्राथित स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र स्थान क्षेत्र स्थान स्थान</u> वार्धेशके मेग्रास्त्रेशन्तर वार्थेश नित्र वार्थेश क्षेत्र वार्थेश क्षेत्र वि द्देः श्रुः नः त्यः भ्रूष्ट्रं सामाद्वीतः ने रने नामाने साधीतः व्यादान सून् राये स्वर्तास धेव भरित्राम् भेव साधेव प्रति ही न निर्मे मुन है। हे हि न महिन महिन नु

म्यानाः क्रम् म्यान्त्र म्यान्त्य म्यान्त्र म्यान्य म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्य

श्चा वर्नेन वा वर्नेन हेन उन नुष्या वर्नेन यान वीवा वावन वाहे रावार नुम्मी हेव उव साधिव मदे ही य दर्निम् सुदे खुरा हेव उव मुख्या वर्रेन्सवे भ्रेम विव स्री ने त्य वर्रेन्स्य ग्रुयाय यान स्ट्रामी हेव उव ग्रीया ह्मिर्मिर स्ट्रिया पर्देन्स इन् पर्वेदिः सुर्या हेन् नुम्मा पर्देन् परि स्ट्रीया गहिरायाम् मे देनिया है। देनिया है स्थाया उत् ही ही या हुया है। देनिया है व यदे इसाय उत्री के ना सूय क्षा वित्य वित्र हो स्टिने वित्र वित्य वि यश दे:दगःदर्गेन सर्वें नंभेदाकेन सेराविष्य । श्रुन दर्भन केन भ्रे बद्दानि स्वर्थान्या । येदानि विद्दार्थित विद्दार्य विद्दार्य विद्दार्थित विद्दार्थित विद्दार्य विद्दार्थित वि धैरा हिनः ह्री ने नगरिंद्र हेन उन संधिन नर स्र निव सुन केंगान देवे भ्रिमा अम्भित्व मा अम्भावसम्भाग्नी सहसाहे सम्मा उँ समुमा नर वया क्षेत्र यस त्रेते होर त्र साध्या वित सर वया हे स वित हे स यदे देव लेंद्र सदे ही राव प्यास्त्र महिता है। हेंद्र हुव प्यश दे प्यार ही वाय ग्री:ग्राद्याः भ्राप्त्राः सहस्राध्याः प्रवाणायः स्त्राः भ्राप्त्राः स्त्राः भ्राप्ति सा धेव मुं अद्यानवगाने दे में नया यय में नाय या है या में ना हे या मुद्दा विया महारम्भारावे भी राज्या प्रमालकार विकास मिला

त्देरःश्चर्याः श्चु निवेदेः रेश्वे के स्वयादेः श्वेदः वाश्वरः द्र्याः विकाय विकाय विकाय विकाय विकाय विकाय विकाय हे सः निवेदः से विष्यः से वाश्वरे विकाय विक বশ্বদেশ দুর্বী শ্রমণ বর্ষী অংশ মার্কি শের্কী । ।

মার্মার্কি শের্কি শ্রমণ ব্রি শ্রমণ বর্কি শের্কি ক্রমণ ব্রী মার্

শ্রমণ ব্রমণ বর্তী শ্রমণ বর্কি শ্রমণ বর্মণ বর্ম

न्यसः निवाद्यात्र स्वाद्यायः स्वाद्यात्र स्वाद्य स्वाद्यात्र स्वाद्य स्वा

वियानराञ्चनयाग्री:केवायाशुःनवदायदे॥॥

## र्रेन्द्रिन्सु नन्न

मान्यानिक स्थानिक स्थिति । स्थिति । स्थानिक स

यानाधिताहे। हे हि सूरानायमा देखा सु हे मार्ने हिंदा है मानमा भूतर्था ग्रे<sup>.</sup>हेश सु: दब्दर्थ द्या निवाय प्राप्त प्राप्त प्रित प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प विशामश्रम्यायते द्विमानेमान्या योक्षाक्षा भूमान्यशामान देने केट्र सूर सूट्र दर्देर ट्वेर सेट्र प्रश्न सूर्य सुराते सूर्य दर्से न प्रया ही। अन्या की देनर र् व्याप्त या भी या दे राजा और मान्य राजा या या के मा श्रृ<u>त् नुशः ग्रम् शम्भ मुशः ग्रीः श्रमः में तित्र</u>ेमः सेत् हेशः तस्त्रापदेः श्रीमः हे। लेगार्यान्यन्तरम् मेराम्भेराम्भेराम्भेरायाः व्यक्षत्रम् म्राह्मिरायाः वे। र्वेन:श्वॅन:प्रथानी:मुदेःभ्वन्यानी:ह्यान्यःपन्नर्यान्यानान्यः धेव भ्री अरम मुमाग्री में व वे प्ये भेम दे द्वा ग्राट द्वीर से द पर्वे । विमा मुश्रम्यायदे द्वेम ने यादि वामे देवा येवा न्य क्याया या प्रवास वया प्रवाहतास्त्रमा स्वाहता स्व यदः द्विम् ह्यायः प्रः सं यावाया । यावायः स्वायः सं यावायः प्रदेशः धिमा हिनः स्रे। ने महिसार्ने न महिमान विनास विनास विनास है। ने सरसा मुरुष्यायायविवान्यार्थेन्यवे स्रित्राही स्त्राही स्त्राह्म स्वर्धिवानवा क्यायायवयास्तर्यास्त्रीम् वियापास्तर्यास्तरे स्त्रीम् वियासे वयवालेगाः वीर्देवःस्टर्भःक्वर्भाविःवःषाःधेदःसवेःदेवःधेवःसवेःश्चेत्र। देवेःदेवःधेदः मदे: भ्रेम वेश पळ प्रमा प्रत्तेगा यथ। सरशः मुश प्रवयः वेवा यः प्रि ग्री:मान्द्राया से दायदे भ्री साद्दा ने साम्याद्य स्थान साम स्थान साम स्थान साम स्थान साम साम साम साम साम साम स ररःचवेव र्रः क्रिं तुरः इयः द्वा वी रे के हिर्भु विहेश गा खेव हव र्य यम् अप्येत्र यम् वया वर्देन् यदे श्रीमा वर्देन् से त्रा है। ने गहिना येत् हराष्ट्राय्यक्त निरायाय्यक वित्राय्यक वित्रायि स्वर्थित हो स्वर्धित स्वर्थित स्वर्येत स्वर्ये यद्याम्यान्ययाम् वी | दिः वे दे दे त्रुप्यक्त दे दे त्या | यदिन द वि वि वि

<u> थः ५८. थे। । त्रवः तः के८. २. ५ वाः वरः श्री । विषः वाश्वरुषः यदः श्री म्री यशः</u> ग्रवसःसन्नरः मुग्नः वितः प्रवः प्रवः प्रदः स्राधितः सरः भ्राप्तः स्रोगः के प्राः बेट्रप्रद्रा श्रूट्यर्प्यस्य स्त्रुवार्धेव कृत्यः धेव व हेवायायस्य स्त्रुवा ग्रदाने स्मायग्रमान से मार्थ स्मायन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन यान्याग्राम् केया भेषा वियान्ता श्रम्याया सम्मानुना विवास धेव व हैं गुरु रा सबर बुग गुर धेव हव साधेव सर सर्द्ध रूप हैं। विश न्यायायाहिकास्व श्री वर्षीयायने वास्य स्त्रुया ने वे सक्व हिन ने स्वा स्त नविवाह्मसान्याः वी:कराशुरायदे ने किंसाउदा वर्गेया ननेवान्यया दें वे हेर्-भुः धेर्परे छेर छिरायाप्या ह्रायायुर हे। केंश उदारे धेर प्राया धेरा हिनः हो दें तें हेर् सुर्यं रूर्यं वेत स्वार्मा मेशक महेमा ग्रारं पेर यदे भ्रिम् है। इस्राम्बर्ग स्मा र्से सुमाइस्यान्या मेशास्त्र प्रमान् स्थान्या स्थान रद्दानिव क्याद्यायी क द्दा देवे के द्यों क्वें तुर क्याद्यायी क वे वर्ष या श्रुया भी मुन्दर दे दे दे दे हो भी बुरा श्री विश्व विश्व स्था सह सी सी वर्रेर्सी तुर्भे है। वर्गे मानिर्देशया गुता है नामित्र मानि मानि स्वीमा है। वर्गेगाना अर्देव पु. श्रुका ग्राट क्रेंट हिंदा अर्देव श्रुका पु. कार्हेग्र कार्य हे व्याप्त है व षराविक्षेत्र हिन्द्रेत्र श्रुप्य अदशक्त्र क्षेत्र विकास स्वास्त्र श्रुस दुः हेवा साम्या विया है। कुर सुराय भी वनदावेगा नगा कवा भा वेश से वाश वाशहरा मदे ही र व साहिया दें वा इसासहिव यदेव हैं र हैं सा उवा देर वया देवे धेरा छ्रिनं संप्रायमा हरामा सुना बेदा पर्देन से त्मा हिंदा सर्देव सुरा न्दें निया राषे निया विया या स्ति राषे ही राष्ट्री के या वस्या उन् ग्री से दारेन

सर्देव शुस्र नु हिन्न स्वरे ने पेंद्र संवे श्री माने व निकास माने ना स्वर्भ व वे वस्य र उद्येश विश र्से मुखा मासुर सार हे हि र है। सर्दे त्य सा मुदा गैर्यान्द्रिया गरिया ने निवेद हिन्स में दिया नि प्येया नि स्थिया नि स्था ग्राह ने निवेद हैट्-र्-अर्डेट्र । विश्वःश्वा । यटः र्वेट्-ग्रीः व्येट केत्रायः हेवाः वीः वाश्वरः दः रो रटः नविव इस नगामी कर गुरामदे के राहित भ्रास्त भाषीत है। विश्व गुर्शित मदे धिराते। श्रेन्यह्यायमा र्विर्वस्यार्स्य श्रेन्यास्य । विमायस्य यदे हिर हेर त्या हिन है। दे त्या नित्य महिरा स्था रेग्या पदे हेया वर्चरशर्रे वृद्धेरा श्लिंच या इस्रश्ची क्रिंग प्रदेश । वेस प्रदेश द र्देवायानुवायरावया यह्यानुयान्नी केंद्र्यानुवानी केंद्र्यानुवानी विकासी केंद्र्यानी केंद्र यानुनान्। भुन्दरमेशन्त्रात्रायायेन यम्। यद्यापार्वेन । द्वीद्यास्यः नविव ग्री अ इं अ पर न्वा पाया नवावा ग्रा क्रीं ग्रूर ग्री है अ श्रूर अ परे पर्व अ यर वया र्वेटरशर र नविव ग्रीश हमायर र ना मार्थे र प्रवे श्री सा हमाया र्सिट्य पर्देन्सी तुर्भाने। स्टानित्र श्री भाषा श्रुनामित के भाषेन्य से श्री स्टिन्सी विभागायामित्रामे दिन् मान्यविष्यम् यान्यामेनामाया मानविष्य ग्रीशाह्मसाम्यान्यासासीनामदीस्थितासा हिनासी प्राप्तिनामा बेद्रग्रह्म्ह्रविद्रश्चेत्रायाः श्रेषाया ग्रेयाद्याया प्रदेश स्वेत्राचेत्रा स्वया यसःद्वाःसःदरःतुसःसःद्वाःसःवाहेसःद्वेत्रःसे वाहेवाःसदेः ध्रेरःदे । । पदः र्वित्राचे। न्यायायाहेशाध्वाग्रीयन्त्रायाग्रुशाग्रीः भ्राचेतायळवाहेना बेचावा वर्चरार्च.क्र्याः श्रीक्र्याः वर्षा देवः मेन वर्षाः अन्ति माने निर्मा निर्म

न्द्ये मिले स्प्रें हिमा गुन्यहिन हैं निम्न मे। महामिले स्थानमानी ळर.शुर.चवे.टॅ.च्रे.वे.वे.चून.चे.चून.च.र.प्यट.चवे.चनेव.शुन.खेव.य.कुन. व्यः अन्दरन्त्र अविष्ठ स्थाने अन्वेद न्त्र विष्ठ ह्रा स्यापा द्वा स्यापा द्वा स्यापा द्वा स्यापा द्वा स्यापा स यर नठन रंगाया थे पर्हेन पर वया न्यान ठर प्रवर्भ से ही रा पर्हेन भे तु अ है। अर्दे भे न प्यत कर ग्री खुन्य अप हन दिया भे र पदे ही र है। ने भून न् ते गाळे व त्या अर्दे शे य प्यव कन ग्री अन्य कुय पवे ग्रुव पवे सबदः ह्या-वःसबदः द्वा-वी-स्वार्यः स्वा-वः दे। दिवा-वः ह्या-वः स्वः यरः वहरः इंसायायर्ट्रेट्राग्री:रवावा ग्रानवरायायायायायाय्ये हें सामरार्ह्ने खुवार् प्रकरानवे श्चनःयः स्टः द्वरः वदेः ह्वाःयः वे श्वेः स्वःयः द्रः स्टः वी श्वेः यः ह्वाः द्रेर्यः प्रभागेत्र साम्या विषय स्वाप्त र्यात्राच हेन हिंदे हे तु ता हरा है। के न र र न विव हमा न न र ही तुरः इसः द्वाः वीः कः विदेशः वौदः सुदः धेवः प्रशाद्धियः बेरः व। देः वः सदसः कुषा ग्री महिषा क्रेंट प्राचार वापा मी महमा से दार्श माया से परे से स्वया के या ववा नेरामणा नेवे भ्रीमा हिनामानिया ने निया भ्रामिनी मारा सुराधीन सरा शुरामवे न् श्रीत्राधिव मावे श्रीत्र इत्या वर्षे न स्वाविव द्वार वा मीं कर वया ने महिरा मार सुर मार विमा क्रें सुर हरा द्या मी करा धीर मदे हिमा वर्नेन वा सबस ह्या नहीं न मदे से वास की स ही हैन में तर् न हा वर्रेन् परि द्वीर व साविता वर्रेन् से व्राप्त है। इव रर वी नर कर सेन यसर्देव दसर्दे हें दे हो दे यो असे व असे असे असे से हो हो हो असे साम हिं व रे। ने या द्विन यर वया इसान भन त्या रेगा समि हे सार ज्राह्य हैं से धेरा विश्वासन्त्रम् नुमान्ध्रित्यदे देग्याने श्रामी हेत्यदे देव त्यास्य यंदे र्रायनेत्र इसर्या मी कर्रे हेर् धेद दें। विस् मास्र्र स्याये हेर्

निक्षास्य स्टाल्याया यह विक्षास्य स्वाल्य स्वालय स्वाल्य स्वालय स्

यदे देव ग्रीया वेय ग्रास्य यदे श्रीया ववे य दे। दे वे दे वे देश क्रिय क्रा भूतर्थायदेराष्ट्रन्यराम्**श्रमाधीयात्रम्यते।** स्वायदेष्ट्रन्यर्भनासेन् लेशकें क्ष्रिं क्षेर विवादिर व यःगुवःहःन्वायःश्रे। श्रुद्रशःयःन्दा देःर्वेदेष्टिन्यरःषेःवेशःनेन्वान्दः ग्राच्यायाः भ्राप्तिया प्रदेश स्त्राच्या स्त्रीया स्त्रीया स्त्रीया स्त्रीया स्त्रीया स्त्रीया स्त्रीया स्त्रीय वर्षानसूर्वे परिः द्वेर दर्भे नुवासे इत्या स्वापिते दे विद्यासी विमानासेन् मदे के सम्मान निष्या विस्तामस्य स्थान क्षे। इ.चरा ध्रम्भीय.ध्रम्भर्याता वृत्रायश्रेरत्र.सदु.ह्येरा यश्रम्भरायीय. श्रे। इन्तरा देन्त्यान्यरायविवासळवाकेर् उत्ता विशामश्रुरशासदे धेरा याधीताते। वनयामुः केतारीया वेता केटा केंया वयया कट्टा नदेता केंटा श्रुप्ता क्षात्र सहित श्रमात् हिनायायया वर्षेतायर विद्यूर प्रवेशिय हे। इति स श्चे प्रहेर्ग मार्था मार्था ही प्रदेश साधिकारा निर्मा स्टाम हिर स्टिन स्टाम स्टाम हिर स्टाम र्वेर्येर्यं प्राप्ता स्थाया है स्थाया प्राप्ता क्षेत्रा वा स्थाया है स न'८८। रट'नविव'म्रीश'र्देर्'नाशवानवे'सळंद'हेर्'र्स'रट'नविव'ठव' लेव.सह.हीमा रट.स्.रट.यहेश.स.चीय.ही किर.ध.स.सशा उर्थास. चिर्यालीट इसार्ची सेना विर्यामश्चरमा माशुस्य मानुस्य से। समदामहिरा न्गानि इसामर श्रम् । विभागश्रम् विना चिना चुना से। हेन से माने भा युःर्श्वेस्रशत्रह्वायी । श्वेतायास्रश्रायश्वेत्राचे वार्षेत्रात्रीया है। विश्वायास्त्रा हः यान्याना है। दे से दाहर समार्थिता से दार्था । इत्यादर्शिता है समार्था शुर्था 

नर्दे । विशानश्रम्भामये स्त्रीम ने के शास्त्र हता वे विश्व मित्र में विश्व मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र ळ्ट्र-वर्ट्र-इत्र-ब्रेश-माबय-र्र-भेट्र-मा व्यूच-प्रच. श्री-श्राच्य-स्थान्यवयः स्रेट्र-मा सु नविरःहेंगानेशन्यसार्सेर्या अदशःक्ष्राद्यदःविषायःसर्पर्यस ग्वित्र दर से सहसाया दे समाद्या साम्रे सम्म मुगा में पित्र हत वे मा श्चर्यात्रे स्ट्रान्द्र स्वर्धित स्वर्धित हो स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स् नमसासेन्या । सहसासेन्यायेते सहराष्ट्रमायदी । धिन्तु हत्ससमा न्यायरान्यायम् । दे में हिन् की भू ख्रा है। वेश स्वाया या सुरुषा हे ख्री र्देवः धर देवः विव कुः के ना श्रें गुर्शे धिव है। कुः के वे श्वेरः दर ग्रार्थः से द धेरा हिंगामोदेः ध्रयादेः सेदाधेरः ५८। विनयः विगानमा कन्या नरसः श्रद्भारश्चिम् । पावया सेन्या सें पाया सें में से साम से मार्थ में से साम से स बुरा वश्यायायावित्रारी हु.चू.धेराश्चारी श्रुवारी श्रुवारा वर्षा की किराया या वर्षा मुश्राम् प्रमास्य दे देवे मुद्दाया वर्षा में देवे मुद्दाया वर्षा में प्रमान विग र्विगासासेनामात्रसासेनामात्रीमा गहिसामासाम्यानामा सेससाउता वस्र १८८८ द्वार देवा से १८वीं साम मार्ने ५ द्वार सर्य कुरा सर विषय । इ. चर तर्र् र. थी हे. इंशायबाय चर व्या तर्र र. यह ही रा वर्र र. थी थी. ह्यास्त्रम् वर्देन्सदेः श्रीत्राव्या विवासराम्या तेषायग्यायः धेव-व-रराकु-ररावरुश-धर्मा द्वित-धरि-द्वीर-हे। इस-दर्वाय-प्यमा रेस-वनायन हेर् से वस्ता । सूना नस्य वरे कु उन्हेर् सुना । डेशः ग्राह्म संदे से र त सावित है। रेश दगद ने दे र रेश में ल र र कु र र चर्यायते द्वाये स्थापते स्थापते स्थापते स्थापता स्थापत या दे सूर शे भ्रे नर रेश दमद भ्रे न देवे भ्रेरा सुर श्रेमश सूमा मदेव

दर्नः स्टः कुः इत् हिट् शुनः र्वे । विश्वः यये देवा देवा । सेश्वः ययादः शेः यगुदः यः रेशायनारं प्रमुद्दाना पर्दे से हमा प्रवे दें तास धेता प्रदेश प्रदेश हेते ह्यू त ह्यायायदी से ह्या बेरे प्यट दे उस स्वायस सँस ह्या सर से प्टेंद्र संदे धेरा अवश्यान्स्रशारेशायग्यायायाधेत्रभेत्राव्यायाभे ग्रेट्यायाभे ग्रेट्यायाभे स् यार यो र र र विव या यहे या स र्थे द से द र के स से र ह या स र र द र ह या स र र वर्हेनामवे भ्रीमाने। नामने मान्यते स्वादान स्वादान धेव थर ह्वा यर वर्हेवा य दे खुर वी अर्देव य दर देवा अ यदे रह सर स्रावराया मुस्राया मार्ग स्रायम् । स्रायमेया यादा गीः स्टान्न वित्र यहे गाये दाया । देः यः यान्य स्वयः ह्या खेया नहें द्या । देयः दरा सहरायमा वर्मायाग्रमार्केमाह्यामिकी विभादरा सर्वेषमा ह्याः भारतह्रद्रासः बेरः बुवा छेषः श्रेवाषः विद्युत् । स्वरायक्षत्रः र्देशमें रेशरमायन प्रमा वर्शास मुश्रासेश वर्गाय नवे मिर्मास साम्री नशर्हेरशःश्री विश्वानश्रद्धान्यदेः धेना नेनशानशामः सुनः व देःवः नुसार्यदे र्वेनामान्दरनेदे के अक्षेत्रमानुसामान्दरनुसासक्रय तुन् गुनासर बला वुसामासेन्यमाने न्यायाना से सेन्यते हिमा साम्याना ने न्या र्वेगासासेन्यान्यान्य न्या नेप्नार्येन्यान्वेग वर्षायन्त्र रु:अ:गुन:ग्री:अळअअ:वहेंद्र:कु:अेर्-पवे:ग्रीमा वहेंद्रवा हिर्गावे:सेर् यदे विद्रक्षार्भेद्रायर त्रया तुमायदे क्षेत्राय द्रा देवे के माहेद तुमा गशुर्अं सेंट्रा इ नर वर्देन्त्रा ने न्यारेश वर्षाव नर वर्षा नुस्र सन्दर

द्रभः सहस्र मृत्या व्यापास्य स्थान्य स्थान्य

सन्दर्भन्यायाम्बर्धसायस्य नरास्त्रित्री मि.य.मी सक्र्याः श्रूपाः सर्ह्यः शुअ: ५ : सर्वे : नदे : नदः वनः धेव : वः श्रे : श्रे : यशः ५ नाः धवः करः धेवः पशः वियानेराता सुरक्षेण्यार्क्षेत्रायानुषाळेषारुद्या देरावया देवे छिता देरा वया नन्नाक्नानी सूर्व पासद्व श्रेस न् स्त्रेह्त त्र स्व स्व स्व स्व स्व स्व गरःवगःधेवःमवेःधेन इःनरःवर्देनःभेःत्रभःहे। हिन्यशःभूनःगहेशः गासाद्यापदे वादा बना धेवायदे हिराने हिंदाया है वायादसवायर खूटा बेट:रट:हेट<u>:इ</u>:दड्युव:र्सेग्रांश:ग्रेश:दे:वश्चेंग:हेंग: कें दे या न क्विंग हु से द रहे द स्वर्थ के न वे या द व या धे त न वे खे स द हो है वे न्वरःग्रीशःळेदिःन्शःग्रुशःभदेःदिगःतुःन्श्रुत्यःवरःश्लेःवरःवग्रुरःवःनेःधेदः मदे हिराने। यदे प्यर बुद र्सेट मी द्वर द्वर स्था प्या वित्र है। । मान्य प्यर न्नो र्श्वेर खूश ही व र दर यो नाश सूर र शेना शक्ति । हिर स्वया हिये धेरा हिनंगित्रा ह्वारास्त्र हिन्यहेरा हिन्यहेरा से सामान सर्दिन शुस्र न् अर्थेन। केंश ग्रान् देश नित्र केंद्र सिन् किन ग्री सूना ळंश त्रे ब्रुन ळंट् ट्र माशुट र्न प्याप्य प्याप्य द्व माहेश न बुट न दे ही रा

नर पर्देन से नुषाने। यथ सूर गहिषागा सार्गा परि गर बना पी का परि धैराहे। यश्रासान्वाराविन सूरावासान्वासानेवे धैरा दरासे गुना है। द्वराह्मेद्दे सळस्य सेट्र म्युस हुर पदि म्यूट विषय अर् ते ने नवित मिने मारा या विमार्थे र सर्वे र नवे मारा वना धेत सवे धेरा देवे द्वरायी अर्थर क्षराधेव पवे धेरा यहिकाय सुवा है। यहिका गाने निवेद मिलेग्राम बिंग हि सूर निवेश्यार बना धेद मदे सुरा धराप डेग । इस सिंदेर सरम मुस दर यद स्व स्व दिन दे से दे सुस मी हैं द सुय सालिवासरामया दे सहिवासुसान् हे नामा परि ग्रहा तसनामा सिंहा परि श्रीरा है। दे से हमा स सर्व सुस र हैं मुरा सदे हुर दसम्या हो हुर हो सहित याधिन सदी श्री माना श्री श्री स्था अधिन के अ ब्रिन् से ह्ना पर सर्दि शुसर् हें निया परे सर्दे शुस्य धेन न ब्रिन् सर्देन श्यान् हें न्यायाया हिन प्राप्त हिन प्राप्त हिन हो से हिन हो से स्वापा खुरान्य र्राचित्रवारायार्थे अपेत्र वार्याये स्थाया हैया प्रितायित स्थाये हिरादा प्राया विया वियासरावया इसायवेयायमा में वें मार्के रावें सर्वे रावें रावें रावें विष्यायात्रस्य उत्तरेयाय स्त्रीत्। विषया स्त्रीत्याय स्त्रीत्रा स्त्रीत्रा <u>षरः खुरः दर्ने अः ग्रुरः दसम्बर्गः ग्रीः अर्दे वः शुक्षः ग्री अः रे अः वः रे देः ह्र अः मृठे मः</u> वी द्वराय गुव देश द्वे शयर वसूव नेर वदर शे दबद य वि द्वे । । स वियः सळ्सरायः हेवारा च्यायः स्ट्री वर्त्रा चिराये विष्यः स्ट्री विष्यः स्ट्री विष्यः स्ट्री विष्यः स्ट्री वर्षेयायम्। नर्देमायमाभी ह्या ग्वित न् सेन्। नि प्यम न् नम् से स्य युवा विभागशुरमानवे भ्रीमा विन्मान विन्न सेसमास मिना यदः क्रुन् ग्री अर्थ दस्याय ग्री भ्रुप् ग्रुन् मुत्र मुत्र ग्री ग्राय प्राय ग्री स्था स्थित सुसार् हें गुरु या या यो गुरु हो दे हो हो या प्राप्त प्रमा विश्व हो विश्व हो या हो ले सा हो या

क्रुन्थ्र भेर परे भेरा पर्देन्ता क्रायहित्ये हमायर सर्वे असन् ग्रे-ब्रुग्य-ग्रे-ग्यर-नदे-हेर-रे-दहेव-दर-इय-यद्विव-इयय-यर्देव-श्रुय-रु:सर्हेग्रायरायया हिंद्रिर्देख्ररहेंग्रायायाक्षेत्रायाकुर्ध्वाधेत यदे हिम् हम्माप्तमा हिमार्से ने सूर सर्वेट न या विवय है न न ही न <u> ब्रेन्'बेन'ब'ने'क्रस्य रान्स्याम्बेम्'म्'क्रस्य राम्बेम्'क्रम्'स्र्रेन्'स्रस्त्</u> हिंग्याग्रमा देखाक्षेत्रयार्धेन्दाह्याग्रेवाग्रम्यहेत्र्युयानुःवेग्रयः शेर्हिन्यश्चित्रः भ्रेत्रः ने। दर्धाः नाद्येन निष्ठेशः सः देवे भ्रेत्रं दर्धाः नुत्रः है। ने भूर अर्हे ग्रायाय स्वाया स्वाया विदान विदान वार वार वार ग्राया याद्वीयाययावेता वहुयाबदायद्याक्त्याक्क्षाक्केत्राचेत्राकेत्रादे प्रेयादे । <u> ५८ इस महिना गुव हेना हर सर्वे सुरा देश प्रशास्त्र महिन से प्रवेश प्रवेश</u> हीरा वेशायळ र परा इसाय होयायशा हैं में शाके व में देश से में र यश । इस्रामा वस्रा उदारेशाय रात्रेत्। विसामा सुरसामा देशी माहिसा <u>षरः गर्छेगः अर्देदः शुअः नुः अर्घेदः दः गर्छेगः विशः ग्रादः अर्देदः शुअः नुः अर्घेदः </u> नमान्निनामासेन्यवे श्रीमाने। निमान्यसे सान् नासेन्यसे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स सर्वेदान्याने सामर्वेदाना निवाधीन परि श्री माने विकासमी व्या यन्दिमार्थि स्टानिव न् । क्रिं क्रा विश्व मार्थित समा विश्व मार्थित नः सेन् परिः धेन । क्रेंन्स वर्णून नेस नासवा सेन् धेन में । विसामसुन्स मदे हिमा मानव परा इस देशेय परा पहुल हु से द दे पेश दी। दि र्ने हिन् क्री अप्तर दिन है। हि अप्तास्त्र सम्बद्ध स्त्री हिन् कि अप्तारे सिर र्देव'स'गुन'सर'नथा ग्रुग्रां से ह्ग्रांसर'सर्देव'सुस'न्'सर्वेद'न'या

विष्याचे दार्वा में वाचे दाये दाया स्वाया वाच्या वा नरे ह्रा न्वेन येद प्राप्त क्षेत्र क्षा कर सर्देत शुस र हें न्य परे हैं ही र परे ने धियावी हैं में हिन ग्रीया स्टान्स वी हिया शुराय बुवाय है हिन होना विकाम्बर्धरमानवे देव प्राची विष्या होता स्तित व दे व्यून से भीता व विषय कुः बेदः वा वेशः परिः देशः ग्राह्यदः गीः देवः सः धेवः परिः श्रीतः वस्यः स्राह्येवः ग्रीशः रॅंट-५८:रट-शे-हण-धर-अर्देव-शुग्र-५:हेंगश-धरे-हें-दे-छूर-श्रे५-धर-दे-स धेव मदे हि महे। हि म हो मुक्त महत्र प्रवेश हो मा प्रमेश हो मा सहित विरायसम्बर्गा अर्देन सुमा की र्से राध्या समान विमान स्था । यह र्से स्थ ळेत्र सॅ ॱऄ॔ ग्रथः ग्री ॱर्नेत्र रम् रम् स्वापायने रम्हो सः यो र ग्री ः ह्रथः ग्री वे गः धेतः तः रर:अर्देव:शुंश:रु:हॅग्रथ:प्रथ:रर:र्र:गुंव:वरे:र्वेर:शेर्:गुं:ह्रथ:ग्रेवा: इसराहें न्याया हिनायर न्याय विताली है स्थाय है वि रदावर्रीयायम्। क्रभ्वमासेदायास्त्रीयमायिकेषासर्वेदायासे सुदावदेः धेरा वेशः भ्रूनः हेर: र् नर्गेरः मधेः धेरः हे। सुनः नरेः ह्रामा हेना रदा हेः न्होर्सेन् भ्रीं ह्या ग्रेम् मी हिन्यर केत्र में पेन्य प्रेया में या निया क्रिया भी विरायसम्बारा प्रवास्त्र करा श्री राष्ट्रे रास्त्र स्वर्धारा वर्षे मा स्वर होत्ने विश्वासानी क्रियाचन हो स्वास्त्र मान्य मान्य सामित्र नवनारात्यान्वे रायार्षे द्वारी है देन्द्रा देश है हा से न्द्रा ग्राह्म स्वराय गुंबः हैं वर्तुः श्रेष्ट्रः वरः श्रूटः वर्षे १ स्ट्रूटः श्रें श्रायः वर्त्तः यश्रास्वः हर्ते । धेरा देः धरः धेर हे। देः क्षरः दें सें इसी दर्भ ग्वरः विग धरः द्वारवें गुर ्रेट्न , हु, क्षे , यद्व, यद्व, युद्ध, य

र्ये ग्रुनः भ्रे दिन द्रायम् नदेन प्रश्रास्ट प्रवे के शहिद ग्री दिन ग्रुम प्रवे श्चा धीत स्वति स्व यं यथा । गावत ते 'दगद प्पंट प्पंट सेत है। । गाट है र दिनेत र प्टिन के सुर यश विश्वी: न्न्यक्ति: न्युन्ति विश्वास्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र मिलेदे के भारत तम्भारे में मासी प्राप्त प्रमान में मिलेदा है में मिला में जिन मिले के अरहे न मार्य न न ने में निर्मान के मिले अरम स्टिश्चे म वदःसर्वास्त्रस्याम् में निर्मा स्त्राम् स्त्राम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् ग्री-ब्रॅंट्र-लिक.टेट्री अष्ट्र्या-ब्रैक.केष.ब्रूब्य-क्रूब्य-क्रूब्य-क्राक्य-क्राक्य-क्राक्य-क्रा ૹૼૼ૾ૹૢ૽ૺૺૢઌૹ:૬૫,૬૮:ઌ૱ૹ:ઌ:કૢૹૹ:ૹ૽ૢ૽ૺૹદૣ૾૱ૹ૽ૺૹ:ૹૢ૽ૼ૱ઌ૽ૺઌ:ટ૾ૺ૾ૢ૾ઌૺૹ: यर ग्रु नवे के द प्येव प्येव श्री र है। देवे के द र म हे र नविषा । हे र र्श्यायाश्चित्राध्नेत्राक्ष्याः भूप्ता यस्त्राद्वी सुर्यास्त्रा वित्रास्त्रायाश्चिताः क्रिंश भी रेटा वेटा विश्व स्वाया क्रीया में बिरा में बिरा है र है। वर्गेषानम्। धरान्नामदेःगुनःह्निःहुन्दःनःहैः सूरःबेंबामशास्यःहः मुे.य.वे.शरश.मेश.र्रा.येर.क्य.श्रेशश.र्ययत्ररः। ४४.म्.श्र्याश्र्याश मदे हें दुः खुवा दुः इसामरा मलवा माधे दे हैं। विशादे व्हराम निदार में शा ग्री-ग्रुट-दमन्यायाप्यत् कद्-द्वर-र्थे-श्री-त्ययाद्वा-त्यद-क्रेयान्वद्-श्री-द्वर-है। दे या देवा वा सवा वार्वेद सम्बन्ध वा हे प्यव ख्रावा है। प्यव ख्रावा है। क्षे समुद्र मदे मुद्र पद पेंद्र मदे मुद्र में वदेवे मद्र में मुक्र मन्द्र प्रमा सरमामुमावरायवाद्धवाविंग्वदेशस्विःशुमामुःश्वित्।ध्याप्ता ग्रह्मा 

ववन । डेस-दर्ग येनस-वन्निसेस-वर्षेर-वर्षे सु-द्वनास-वर्ष्यास् देशनाः देरायाः केया केया देरा चिरा क्षेत्रा यो याया या केत्रा से त्या प्रत्याया य:८८:६४:५४:५४:५४:४:४४:४:८४:४:५५४:५८:४४:५८:४:५५४:५४:५४ यदे र भें भें जिया द्वारा इसका ग्री भें दि खुवा दि इसायर प्रविवारा धेर र्वे। वेशानसूरायदे धेरार्वे। विशामश्रद्धायदे धेरा वितरो इस सिंद्रेन्द्रिन सिंदे ह्या पर्दे र सिंद्र र स्था मी हिंद्र एएया पेन स्था सिंदिरनेदिरक्कें पर्देग्रमान्डन्यम् ग्रुप्ति पादे पीद्रापित सिंदि मान्या म्रे। अनेविःन्रीम् सः प्येतः तः स्रोहतः सुसः म्रीः म्रीनः प्ययः पीतः स्रीः नर्मे सः पवेः हीराने। इसासहिदायासर्दिन श्रुसार् होरासे ना ग्राटासर्दिन श्रुसा ग्रीसार्से वर्रेग्रायार्केर्प्याक्षायायायात्रिः द्वीरात्रे । क्षेत्रे स्रेरागे से स्वापार्देशस्य हेनायाः ग्रहासुः द्वार्थाः स्वारव्यान् विष्टा । या द्राया ह्रेया ह्रेया ह्रेया ह्रेया स्थान स्थान स्थान स्थान हिता सर्वि-श्रुम-त्र्भिन्व्यापन-वया क्यामिवन्ने हिन्छी सर्विन श्रुम छी हैं। वर्रेग्राम्याचर्यस्य मुन्यत्रः मृत्रे स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः म्रे। हिंद्रा शे अर्देव शुंश श्रें शर्दे भेंद्र मी मदेव शुंवा शे क्वें पर्दे माश्रा नहत मंदे हिराने हिराने दे निर्मा से ना स यसपीत्रपदे भ्रेम इनम्पर्दिन् से त्राने हैं नायस द हैं गडेगा गेरा यदेव गहिषाया है गा उस अर्देव शुक्ष तु र्शेट या केट पदि श्रिमा पट वि व रे। अदशः मुशः वदः यवः दुवः ग्रीः अर्देवः शुर्धः ग्रीः श्रुंदः पुत्रः सेदः प्रसः वर्षा <u> अरशः क्रुशः ह्वाः राष्पेदः यदेः युक्तः वेरः द्वाः उः र्हेः पेदः यथाः क्रेशः ग्राम्यः </u> ग्रीमा यत्र ते प्रतेया से द प्रविद पाद दें। विमा पास्ट्र से सामित्र र्दिन ग्रामा अम्याम्यानम् अम्यास्य द्वानी सम्य स्थानी स्मिन स्थानी स्

यद्वा विश्व क्षित्र विश्व क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र विष्ठ क्षित् । विश्व विष्ठ क्षित् । विश्व विष्ठ क्षित्र क्षित् क्षित्र क्

## लेशक्रिंशक्रिंशभुग्नित्रम्।

स्र-त्रस्य मुर्यादयवाया परे निवरं ने या ग्रीया र्सूस्यया पर पर्वा न्या यया थे त्या दे त्या द द्वार द्वार के या भी द के या दे ते वा द द द द वा द वा दे थे त्यातः श्रें नः यः नृतः विनः सेन् : नृष्यानः श्रें ग्रायः विग् । नृग्यः वसः श्रूसः यसः न्ध्रित्। यदाविक्वापिः विश्वास्त्रिं स्त्रास्त्रित्व व्यवस्त्रात्रा स्त्रास्त्रा स्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रा स्त्रास्त्रा स्त्रा स्त्र चलेर्'स्याष्ट्रमः बेर्'स् यर्या मुँग'यसम्याय'सदे'धे भार्थे खंद्र'हेर' गर्डनार्क्र अरुद्या देव दीना वर्षिन गर्श अर्थना हमा अर्थन हो इ.चरा चराक्ष्याक्ष्यास्थियकरास्थराक्ष्रान्ता विश्वासायश क्रुशामी.सी. वेशनिर्दिन्याधेव। विशामशुरशायवे भ्रीम इनमायदेन वा क्षेत्रन्येव दयम्बारायकाधोः विकासे स्वतः हेराम्डिमार्से र्राट्या केंबा हैरार्टे में हिरा अप्तः क्रूं र जाबे र प्रकाश के त्राया वर्षे र प्रवेश वर्षे र जा शुका श्रॅमा वर्षेत्र से तुर्य है। ब्रुव सवे में में हित् सुरी विवास से दाये हैं या য়ৼ৻৴য়৾৾৾ঀড়য়৻য়ৄয়৸৻য়ৣ৻ৠয়য়৻য়৻য়ৼয়৻য়ৢ৾য়৻য়ৣ৾৾৻য়ঢ়ৢ৻য়ঢ়৻য়৸৻য়৻৸৻৸৻য়৻ ने पानु प्येन हे त श्रे क्व हे र पाँचे पा प्येन हे श प्रक्र प्यम् वुर क्व र्धेग्रासम्बद्धा वर्षा इसामामस्याउदासिवाहेन्दिन्दा विषामदेन्यमः हुर नवे हिराने। ने क्षर क्रें र माने नर्रे अ शु माश्रुर अ नशा ने नगा नने न र्रेट्ट्र्न्ड्रिट्गी स्वयार्क्स हेट्गी सु प्येत्र लेग नव्दान्य केंग्री सु र्यदे विषा से दाये श्रे से स्वे स्वे र विषे या विषा प्रवेद ग्या प्रे श्रे श्रे से स्वे र से स्व अति से द से प्रदेश कर्म स्थान वर्रेग्राचेर्रो। देवा वस्यायायदेख्यायायविर्वे में देवावत्रयातु क्रूशःश्चरःलरःश्चः र्रः चरः वया देः द्वाः भेशः दरः क्रूशः श्रुदेः वावे सम्बद

रु: श्रे रुट नवे भ्रेर है। दे प्राम्भु रुस प्यट स प्रेर प्रेर भ्रेर हिम् मिशायेव थेव विदा विक्रियाशुर्या वर्दे दावा है द्वा केंश उदा धेव प्रवाहत र्द्रसः धरः संतरः वया ध्रिनः हतः सबरः बुगः ग्रहः सः धेता ग्रह्मः अन्या में प्राप्त के प गहिरामाञ्चा न्रामें सामुनामा वर्षा न्रामें सामा गुनामानेवे सेना हिना हो। ने महिना ने महिना ने में महिना वर्षिमा महिना महिना र्देशविषयाधेवा हर्षाश्रास्त्राचा इस्राचलर र्राष्ट्रिं श्रीशर्दे विष् भुर्नेन्।वर्षेनार्केमार्केमार्केमाभुरमाधीनातुमान्यानातुमान् सुमा इत्तरादर्नेन् वं श्रुभातुः यदः वदेवया यावदः हिंदः ययः श्रेषाः केः वः येदः यदः श्रया हिंदः वात्रम्भाउन्सिद्धित्रामार्थेत्राह्नत्राख्यान्। यानाम्भेत्रा यदः श्रेम वर्षमः वाश्वसः श्रम् स्मः श्रेम्स्यान वनः श्रेष्टा वहेतः यमा हिनः ग्रीमा लेखेशक्रें क्षेत्र होरान् हेना निरायदर दसन्य मार्थ क्रिंग होरा ही दयःग्रीः चः स्नुन् ग्राम् स्रो नित्रे चेन् चेन् चेन् चा विष्या विषयः स्नित्रे स्नु स्वी रम्द्रिन्द्रं मान्वर्द्वि मुंग्नि भागित्रे अपन्ते प्रत्ये प्रत्ये प्रत्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया धीवाही दें वा अद्यामुँ याये भी या शे क्वा हो ना पा विवा प्रदान देवे पा गुराणे भेगन मुन्दा ने नमुद्धा मार सुदा भेग मार सुदा के मार सुदा सुरा भी मार सुदा से मार सुदा सुरा से साम से स यश्चितःसरःत्रया वर्देन्।सवेःश्चेता वर्देन्। वेदशःश्लेवेःधेन्सः यमःविश्वासःक्रिश्चित्र देनःश्वया देवेःश्वेम विवस्याशुर्वे श्रेमा ह्याशः न्ननः भ्रे। भ्रे : क्व दी : या शुया में जार र र : धेव : या दे र जा श्रया क्रिंशः भ्राधितः पर्वे स्वार्थितः वर्षितः वर्षः वर्षः

श्च-वार-रुर-धेर-धेर-धिरा विवर-वाश्वया हिन-हो ने विवेश वः केंस्यः मं भेतरा महिना से दुरान दे हिन। साहिन सक्सरा या हमारा देर हमी ने स्त्रा भूर हिंद श्रीयापया सुरया परि श्रीया ने प्रावित र श्रीया भूपर वसेव हैं। विदे द्वा रूट केंग देर अववाय है अर अधिव हैं। विस्वाय में वर ग्रीयाधीनेयाकेयास्त्रीते त्रासूर नसूर परि सुर इया द्या से पति न वेर वेर त्या द्रित् र्रेट स्वानकुरायया न्या न्या मार्ग मार्ग मार्ग क्रिया है। सुर क्रिय है। सु सर्देव सर प्रक्रवा की राजे का सर प्रक्रवा न करें ने का रना ही। सर्देव प्र, ही वा में यान्त्रें तामरानुर्दे | विशादना यान्यरे यथा रे में हेराने भूदाये नेयाची भ्राद्भाद्भाव वायाची भ्राद्भाद्भाव वायाची स्थापन विद्या स्थापन विद्या स्थापन विद्या स्थापन विद्या स्थापन रमयस्याम्यान्यस्य विष्यान्त्रेत्रः भी विष्यान्यस्य स्यम् यायसम्बर्धा मुंबा मुंबा द्वारा प्रतिवास मान्य में वा प्रतिवास मान्य में वा प्रतिवास मान्य में वा प्रतिवास मान्य ग्रीः भुदेः वः सूर् स्वर् न सूर्व न वेर्या या दावद से दाय र न वेर संवेर ही र यार्वे दाने याष्ट्रना क्षेत्र वसन्यायास्यास्ट नेदाणे नेया ग्री सुनियार्केया ग्री शुःशुःवान्वित्रामवया यद्यास्याम्यास्यान्यास्यान्यास्यान्याः हेर्याहिना नेदे प्ये प्रेम यहनामाया पाया नर्गे हमा बेरा द्वा नेया परे प्रेम क्रिंशः भूते : इ. सूर् : द्रिंग विश्वानिया येता सरामया देश देते : सूर् विश्वासेन्यं नामान्त्रिया देशादेते देन प्याप्तिशासेन्यते स्वीता दरासे स्वीता है। देश सर्दे वदे निहेश की शासी है। या यो निहा की हो से दे निहान निहा से दे हीरा वर्षर नाश्यास्ता ह्यायाविया याद्यता देशाया विकाशी सुदेश श्रुन्।पर्यायेत्रायम् वया ने नेते वास्त्रन् श्रुन् श्रुं या न न न वास्त्र स्त्रेन्। हेनासः विया वर्देर्ना देश यह या मुयायदे प्ये प्रेया ग्री सुवर्देर् पा प्येया के या मिया श्चा क्षेत्र वर्षेत्र विद्या वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र व

वनाया गहिरारा मुनः हो देरा धे लेरा हो र कि न कि न धे लेरा हो । वसवासारा सबर बुवा हु विसाये दार बया सुर हैं दार्थे दार हो रा वर्रेन्त्रा नेशन्निमायाधेःवेशःश्चीः भ्रुवैः र्देन्।वशः स्ट्रायशः स्ट्रायशः वर्देनः यदे हिन हिन है। शुदे सुनाय या पो स्वेया है सुदे दें ते प्याया निवासे न यदे हिम वर्रेन्त्रा नेशने न्या धेर्य के शारी सुराविश खेत यर हाया ने त्या र्नेत्रः श्रुप्रः गार्ते अः गाराय्यः द्वार्यः स्वेत्रः ग्रुव्यः गाव्यः प्यारा यदे रर देव के अ अ देर मावन देव मावन अ माविक के पर्दे र पदे ही र है। देश:रट:कु:षो:वेशं:ग्री:क्वॅगश:यशःश्लेश:यदें:रट:दॅव:क्वॅशःश्लावेगः वर्देर्परि द्वेर है। देव केव वर्षेर वायश अरश कुश द्वर्य ही वार्वा ग्रे:भ्रा विश्वत्रव्यवार्क्षवावायवातुरावासी क्रियाग्रे:भ्रावे:वर्षेरावस् व। भूकतार्सा स्तेश स्त्राम्य त्याया विष्या विष्य प्रश्नित स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स् है। कैंश ग्री सुरी वेश निरा पेश केंग केंग सारा प्राची है। वेश पर दें निरा र्षेर् हिर्। वहुँर अ वे अ स हो अ वे अ स धित पर हे ही र । स सुन द । धे भे अ ग्री:क्रिम्थायश्वास्त्राद्धारश्वास्त्रीयाः यदेवः यदः व्यद्धाः स्वर्धाः । यावदः <u>त्तर्। वेष.क.जन्न शर्याक्रियायक्रात्र्यत्याद्ययायः क्री.श्</u>रे.वे.क्याया महेशहे महिम्स है सुर्द केंश है सुद्वि विश्व दर्श है स्तर केंश है सुर धीयद्येत्रायमात्री । इसँग्यात्रेश्वानत्त्राँतु नवेत्। । हेसात्ता हे हि सूराने त्यश क्रूशःश्रीः नेटा सर्वेटशः होत हो : श्रेसशः मश्री नः निष्न । स्यशः से । त्यनः यर बता देश जेश केश क्रिय सुदे त्ये व त्या ग्या से तर्दे । दे द द सहर श य्व मी सेसस्य न से द्वार मित्र में स्वार में स्वर में से स्वर में से स्वर में से स्वर से से से स्वर से से से स पि. हुच । लु. लु अ. कू अ. श्री चिर. क्या हुँ या अ अर्थे । जुरा प्राप्त के अर्थे ।

भ्राबेशनहिन्याधेता विशासदेगाब्रादितेत्रम्भ्रात्ते वार्षे विरादिन वेरःवा शेष्वर्यस्या रेष्ट्रायम्बर्या रेष्ट्रायम्बर्यस्य वर्षेष्ट्रे वर्षे यादसम्बारामा नहुंदामा अहे.या अहुंगारारहूंगेहे इस्राधेंद्याम् विग ने सूर नसूत मर पर्ने न केर हैं न स्वापत वि पर्की हैं न नर्भेत पर्ने। थे नेयावनया केयाननेया क्षेत्रान्येव नेरावर्गा स्क्रुपी गर्वेव स् न्ययः इस्राधिन्यते द्वेत् न्यार्थे विवास नर्न्य विदेश त्रश इस.पग्नेत.त्रर.हे.कैट.टेट.पर्ट्यू । क्षेट.मू.मकूच.त्रश.मीटा बुश. न्मा ब्रुच-नर्गेन्य-सु-प्यम्या वेय-न्मा ग्राम्य-स्याग्राम्रहेयाग्री भ्राः बेरा प्रमेयान पार त्रा पार मेरा मेरा महर द्वारा मारा मारा प्रमार मेरा मेरा मुध्रमान में क्रिया मार्थ त्या वर्ष है सामन में प्यान स्था सूर सहराशी मन्स्यारमा महिर्मेर निष्ठा विष्यान्त विम्यानिष्ठा मर्थर पर्यर प्रथा रे सूर व के माम्यय प्रतः हैं मुख र मुदे प्रवे र पर्ये नन् वेद केटा नेर प्रमुद्द र त्र मुक्त मार भू निवर पर्दे द त्या निवर त् 'द्यय' ग्रीश ग्राट विद्ये से स्ट्रिंट र्य वग्या व से विद्युत्त य द्वस्य है द्योयः सः दर्ने : गाहे अः ग्रीः हे अः शुः द्या हा स्था । वि अः गाही हु सा वर्षेयानामहेशन् मुन्सूरान्दार्ने माश्यायने महिशाधेन हैं। । यदार्वे वःरी देःद्वाःवीः श्रिवाशःश्याहिशः संविद्यावाः वः वदेरः वर्गेद्यवेः द्रदेशः श्रीः र्धेग्राश्चर्रा हिंद्रायम् वेराम्य स्था स्था स्थापारा स्ट्रीयः न्र्राणी स्थित्र म्रायायसम् सामा सामा निर्मा महिका स्था सेन् सिरे सिर है। श्लें न दर्भे त. चुर्म तदे न में द र द्या याया या से स ची स्वाया द र त्रः सः हुरः नवे : धेरः नरा वर्षरः नर्गेन् : ग्रे : हेन् : यदः यदः यदः वि : वर्ळे : न्दः क्रेंनः

द्रीं व रहे सार् देश सदि श्री र है। के सार ने सार्शिया श्री सार देश से भी सा नवनामवे भ्रेम है। यर नन र्या र्या भ्रम भ्रम मुस्य नवे भ्रम अराव केन वसन्य श्रेट्रमिष्टेशः भ्रुदे ग्राट्या देशाया है दाने स्त्रा श्री व्यवद् स्तर्वा दे महित्रा अदि मारकारेका रहा ता विरक्ति से स्थार महिन के स्थार महिन स्थार महिना स्थार महिना स्थार महिना स्थार महिना स्थार नुं ज्ञरमारेमा ग्रहायरेन। निक्रायर ज्ञरमारेमा यहेन परि हैं सा यर अविश्वासाय हेवा अवश्वादेर भुगि विश्वाद्या विश्वाद्या प्राप्ता विश्वाद्या । नविर-५८। धूर-प्यर-म्राट्य-रेश-सु-मुस्य-य-प्य-पि-हिना-व-रे। दें-वा देशम्बर्याद्यारेशम्भे यळवन्त्रेन् बुर्न्, देशन्वे याद्ये भेरा वर्देन् वा भ्र यहिरायरास्य स्थान्तिरायर वया दे यहिरासु यह सार्थ है से वर्रेन्से त्याने वास्यान्त्रे हो स्वास्य वितासे वाहेयायया गशुस्रासरं नदे सुर सँग्रास्था रि. र्वेदे सुग्रासा हिन्यर सासुर नर गहेशःश्रेमशःशुःग्रम्शःमेशःभेष्ट्रिः छेम। सम्देवःगविवः देवःग्रीः भ गहिभासुः मान्यानेयान्य पर्देन्या स्वीत्राया विषय विषय विषय विष्या विषय हिंद्रा ग्रे खुन्य अप्या सुदे ग्राद्य रहे अरक्षे सुद्र न्य स्वया हिंद्रा ग्रे खुन्य अप्या सुदे । ग्रह्मादेमान्या विकास्य स्थान्य स्थान् स्थान्य धेरा देशक्रेन् स्वर्मायरश्रादेशक्रेन्यायार्देवाश्राम्यक्रायाववाक्रे स्वरा र्सेट्रिश रे विवास्यरमारेमा विवास स्थान विवास स्थान विवास स्थान विवास स्थान स् न्वेराधिन्। ने प्रश्रासदासे नर्गेश्वर्त्त से प्रत्ने ने ने प्राम्यस्य निर्मे सॅर्न्यूट्संदेश्यदेरित्याधेवा देखादेख्रर्न्त्रु वर्षेत् देण्यत्र याधीवासवे सुराग्रासुयासेवाना ने प्यराने वि रेति व याधीवासवे स्त्रीमा विश्वा यः गुनः भ्रे। वेद्रभः भ्रुदेः द्वुः भ्रुः दृदः क्षेत्रभः दृदः भ्रद्रभः मुभः ग्रीः दृनदः वेशः इस्रश्राने ने व्यापाद ने द्वारा वाद ने द्वारा वाद के विष्य के ने विषय के विषय वा इ.स्.केट.श्रे.जूरम.श्रे.लु.चेश.कूरा.श्रे.श्रेया.श्रे.यु.चटा.र्टा.श. वर्चरश्रायव्यायान्त्रे त्राभु इययानेवे खूवायाचे शुँयानु सून से शुवायर वया अ.ज.रे.यधु.जश्र.धर्.य.श्र.वर्.यदु.बुरा स्वाशायश्रा वियासे। धर व.श्र.वर्रे.क्ष्य.लूरे.चष्ट्र.ब्रेरी वर्ट्र.वी श्र.क्ष्यश्र.ट्र.च्र.ब्रेर.श्र.क्र्र्याश्र. श्रूयाभुग्गश्रुसानुः श्रीप्दनुः नरः त्रया वर्देनः भरेते ही स् श्रूषा के प्यतः विनाभे गुडेग्रॅन्व्राय्र्ग्यार्वे । यदायाद्यमध्री येथ्राक्र्यासुर्दे विद्युत्र नस्यामयार्भेवासेना वेत्रात्मा वेत्रवरार्भाःस्यासायिक्याः यहिषाः सार् दर्'नर वया द्यान उदा दवर पदे भी र देर दे। यह अर या मुया यदि । ग्वि इस्र अंकें केंद्र में क्रिया में प्रति में क्रिया में स्य मुर्य यः रदः धेवः ग्रीः यदेवः यदि शः यदः सुदः यदि या से दः वः से वदः वः सः धेवः वदेः धिराने। ने या रदाधीव ग्री नें वाद्यायने वाया गरिया शुकार्के गाय वे शिया या गुनःवा देः इसमादेरः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः दुर्वः वर्षः वर्षः यव गरिवा दर्वी अर्थे। दिश ख़ूवा अदे ग्रद्य रेश देश द्वाद एक या प्रति अर श्री । यट मार्शन प्रसेट मी है य प्रसेट मि हिम स्रिन प्रसेत मी स्राम्य स्रिम प्रसेत मी स्राम्य स्राम यक्ष्यास्यार्थेताय्येत्राप्त्रियाप्त्रियाप्त्रियास्यात्र्यात्र्येत्रास्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् व्यामान्त्राक्षीयद्वेत्र वेरात्व दिन्ता मार्थर प्रवेदायया श्वेर क्रें न द्वेत्र श्वेरा ये न मुन्यर दे ने हिन्ये द्या श्रुया न श्रुया वे या दयं न या पार दा समुद यर सहरे हैं। विश्वाम्बर्ग राष्ट्री त्वर पर वया क्षेत्र रहें त्र की श्री ग्रुअपद्रेत्रके रे वे हे न भुपद्रेत्या ग्रेरपद्रेर मे न में रक्ष या धेत सदे

बुरा स्वायावया लटाइयाचन्द्राक्षेत्रहेयाववटावाद्या श्रामश्यावदेवः कें दें कें दें दें दें दें दें राम राम स्थान के मा दु व दें दें दें दें के स्था कु दा खू द र्बेदायसायमा इसामागुदाग्री सर्केना हु गुरायदे भ्रादे नासुसारे रेस यर. व्यापर स्त्री विशामश्री रशासदा ही र भी मश्रिमा स्राप्त र दे स्राप्त र वि दें व र्रेन निव की अर्रेन प्रमाने स्मानित्र के ने व के ने संस्थान से न ग्रीसार्ट्सासु वितासरावया देवे सूनसार्स्स्ताद्र्य ग्रीसानसून नर्देसाया नहेत्र-पदे-न्नो-न-क्रुनश-ळेत्र-चॅ-र्नेत्र-गृहेश-ग्री-क्रुर-नर्धेश-विद-ग्रुट-शेशशन्तराईवाधेवायवे धेरा वर्देनावा नेवे के श्रेनान्येव ग्रीशास्त र्देष-विर-क्ष्य-क्षेत्र-क्षेत्र-क्ष्य-स्त्र-क्ष्य-स्त्र-क्ष्य-स्त्र-स्त् वया वर्देन्यामरावेग इत्यम अराद्याह्यामायवे ग्रुटाकुनावर्देना विभागश्रम्भामवे धेरा विभाने। कुत्वहरमामव मी र्नेव र्गाने र विवे गर्डे ने कु धेत थर बूँ द से द पर से दुर के र्डे मासर बूँ द वर्के या न नविवा ग्रुट्र सेस्र भागी । यह के द्रान् ग्रुप्त मिर्दे में मावव देव मार्ग स् धेवः धरः ररः र्देवः वस्य यः उदः सिद्धेवः यः सः विवः यरः वाववः र्देवः सवरः वुवाः *बेप्दबूद्दानरः* नेश्वान्य गाँउ वें स्वान्त्र सेट्युट्य कुन दें तुः गुहेर नदे धे रा देवे कु सळ्द भे या पदे छे द द दिया अद द वा है वा या पदे हुन छून वर्द्री । डेश नश्रुद्रश पदे हिर द्रा इर ईन्श से दे गुर के से मुन्म स गर्डेग्। ग्रुम्। मार्थ्यः भाग्यान्। यहेन स्तर्रा विहेन स्तर् गशुर्याम् वेर्यापदे गशुर्यामु गर्दे में म्यादे मुस्या है गर्या महियाया बेदायराष्ट्रया देवे गर्डे में स्टार्ट्न ब्रह्म ख्राया बेदायवे स्वीमा वर्षिम गशुस्रार्थित। वित्रास्त्री वित्रः स्वताने त्यास्त्रत्यः हैं ग्रमः ग्रिसः गार्थितः प्रदेः धेराहे। ब्रामायमा ब्रास्ट्रियां देश महिमाहे। श्रूरमाया प्राम्

वियागश्रम्यायदे भ्रम वर्देन व्या क्षेत्र न्येव क्षेत्र मुग्गश्यादेव रहेवा गहेशगा नवेर ग्रम क्रुंब सूर में र्सेंब प्या ग्री सु गर्स में प्राप्त के से अं.जूर्या अं.श्रें.श्रें विश्वाता वेट्टें त्राय हों विश्वात्य वेश्वात्य वेश्वात्य विश्वात्य विश् श्चराचेराम्यादेवात्रकरायम् येवायानम्राम्यो स्वारानायया देवः गुद्रादशेयानाम्हेसासु देशे निवेदायमा मुद्रासूद दु म्सूद्र निस्मास दे केंसा क्रिया श्रीया विश्वाया विश्वाया विश्वाया स्थित स्थित स्थित स्थित हैं। अतःश्रूषःग्रीः इस्रान्नन् । गृहेश्रास्त्रवुतः सर्वान्ने । त्रिश्वान्य । गृहेश्रास्त्रान्ये । त्रिश्वान्य । गृहेश्रास्त्रान्ये । त्रिश्वान्य । त्रिश्वाय वस्रेरावर्शक्षे खेत्र नेर बिर हिन क्रेंर गडिया गडिया गडिया ने रास्ते र मे हिर खा क्ष्रनादी रदाधरासुदानरामुकात्यारदानी हेका क्षात्वदानादना ग्राह्यदा न्नर्सिर्देवासिकेवे व्यक्ष दुर्त् क्ष्यान वृत्र्र म्यो स्वा स्वा प्राप्त । येव व्यान्य व्याप्य व्यान्य व्याप्य व् केर द्राय निर्णात मारेर प्रमेर प्रमेर में हैं र प्रमार प्रमाय किया में र प्रमाय नःसूरारे रे उसासूरान ही हैं साद्दाद्वें साह्य धिदावी सुद्रमा वे साहें हे वकराबि देव में के नगव विक्रान विकालिया के मान करावें र्शः ग्रें के । सर्रे दर मुक् ग्रें सर क्या मुका सर्वे र क्या । विद्या पीर विद्यास्ति गुः खुन खून स्य बुमा विन स्य मिन्य सिन मिन्य मिन्य मिन्य सिन्य मिन्य सिन्य मिन्य सिन्य मिन्य सिन्य मिन्य सिन्य सिन्य मिन्य सिन्य सिन् न'वरेनमा विमानशुरमामासूर'सर्ने सुन'र्सूर'र्स्याउँमान्यावता दे यद्विमारी:र्मेन'लट'वसयामार्भियास्यिमारम्भाययार्भ्यायार्भेरावसेटा सेन्द्राहे सूर्या क्राचन्त्र के सह्या कु क्रायर स्वायन्त्र के जन न'नमुद्रशं हे' महस्र' राउँ साग्नीसाने सार्ता ग्री'सार्रे या हु 'ग्रीदापाने सामर'

वर्देन्-य-न्वा-वीय-हेवाय-केन्-न्-युय-वाशुन्य-य-सून-धेव-यय-नेन-य-वन्द्रावरायेव वर्षाया विद्रावर दुर्गे विद्राय गुर्ना श्री भारत्र अपनि महिष्या गाय श्री मार्थिता है। यह वित्त त्र स्था श्री भारी। न्नो नलेश सूना खुर न्नाम्य स र्ने स वत्र्ना न हैं व से न्या ग्रीय ग्रीय ग्रीय सहन वर्वायायविद्या रिंग्स्यार्गायम्याद्यार्यात्याय्याय्याय्याय्यायाः वर्डेन्द्र व्याचे अप्यम् न् र्डेन् व्यव द्रयया ग्रीय वार्वे वाया यहेन्। यह विर्व वसवीशासवुः हुः सुरि श्रीः कूशासेर श्रीर विशालुये सर्म वता इत्यर कूशा ग्री भी वेश मश्रुरश राजार वेजा ने के शहेन ग्री भी वेश राष्ट्र में लोग राष्ट्र ब्रेन्द्रसाह्या ह्यायानुनस्री हे हि सून्यायया क्रेन्ध्रियाययाकेया हेर्जी भ्राप्य के या ग्री भ्रावेय ग्रिये विया गरीरया हाया वसम्यास ग्राम्य वा क्रून.ग्री.भे.जुम.यूर्टि.म.लुया विमानपु.ट्रूम.यक्षेत्.ग्री.सरमाना गठेगार्थेर परंचया देवे दिस्य नमूत ग्री में केर भुषा ह्या श्री केर त क्रिंश हेर ग्री अया हिन सदे श्रीमा ह्या असा वर्रे र से स्था है। देवे र र् नश्रूव में ने त्या श्रूष्ट माने उदा में अपन्न माने हो ने त्या वा प्राया वा स्व कुनः र्सिम्या वया वययः उनः यद्विवः हेनः ननः मीः ननः मीयः सूनः यविः नसूवा क्रिंशः ग्रीः भ्रावेशः नर्हेनः संधित्। वेशः सशः ने 'न्याः नने वः श्रेंनः क्रिंशः हेन् ग्रीः शैंग्रयां प्रदेश सम्सामुका मुंश कें राम्ने स्वर्था सुर्विका मुक्त के ताम स्वर्थ के ताम स्वर्थ के ताम स्वर्थ के वःश्रे नगः कग्रान्दः नठशः मदेः श्रेतः मः सः स्रान्देन प्रदेः स्टः नर्वेद हेर्ग्ये नर्ग हेर् उद्यों कें अहेर् उस धेद या वेश म्युर्स सदे मुना वियासे। क्र्यानेन राज्याने या त्रीया विया प्राप्ता निया प्राप्ता निया विया प्राप्ता निया विया प्राप्ता निया रे। रैंबर्म्या श्री भ्राप्येव वर्षेवर्म्य प्रेवर्म्य प्रमाणिक प्रम

धेन। पर्नेन्ता श्चेनःव्या श्चेनःवया श्चेनःव्या नेतः श्चेनः पर्नेन्ता नेतः न्याननेतः प्रमाणा नेतः श्चेनः प्रमाणानेतः श्चेनः श्चेनः श्चेनः श्चेनः श्चेनः प्रमाणानेतः श्चेनः श्चेनः

गहेशमायायायम्बर्ग्यायन्त्रम् द्वा क्षित्रम् क्षित्रम् वयवार्या से हा वी साव इत् : इता विवास निवास के हा विवास व यदेर्देर्ने हेर्से वाया ग्रीयादेर्ने हेर्सु सर्देर वसूत्र ग्रुट्य मिया हेया र्सेनायःग्रीयःग्रुयःसरःनन्। यह्यंत्रंतेःवेयःसेनायःग्रीयःसेंदयःश्लुःसर्दरः नश्रमा समावनशायितरार्थित वया सरसामुसारमे स्ट्रान्सर वर्ति । डेस्रायदे वर्त्त क्रिंस क्रिंस वर्त्त वर्ता वर्त्त स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स् विशःश्रीम्याधियाश्चर्याञ्चायाद्वी दर्वे स्थयावि नदे यथान्तर्वी विश्वास्त्रण्या मुर्यास्य विश्वास्त्र विश्वास्त्र में किया है । में मुर्यास्य ने सूर पळ र त्रा के शारी सुर वेश ना हे र स धीता विशामा सुर से से दे दे र डे थित ले ता ने अर मार्य में दे ने किं में है न में किं में ने में ले मार्य हैं न याधीता विश्वानुमान्धीतायमार्केशहीमानेशमाने में ते मुन्नु ही शावशा क्रिंश ग्री भ्रु विश्व नहें दे प्राधिता विश्व ग्रीहर श्वर प्राधित हैं। दि सूर साधित वः इः नवे अर्देरः नभूवः ही। श्वापवे में में हिंदः भुः वे। विश्वपवे में में हिंदः नगवासर विश्वर नदे हिर् दर्भे शुन है है है है है है सूर न स्था है द है स नशक्त्राहेर ग्रे भाषाक्रिय ग्रे भावेय ग्रे है। वेय प्रा इस प्रोप प्रया

गरकेराग्रीमुन्धेयाध्याक्ष्यक्षित्रग्रीभ्यावक्ष्याग्रीभ्यावेयाग्री विया गश्रम्याम् मेर् माहेशमा क्रियामी क्रियामी मुन्यामेर मेर् क्रिंशः भ्रान्ते : बना सेन् : श्री : क्रिंश साह्ये द सदे : क्रिंश नवना सदे : भ्री : वर्ग होन् : सर वया दर्देदे के अर्थे सुरवेश में के अर्थ है न अर्थ है ૽૾ૼૹ<sup>੶</sup>૱૱૱૽૽૱૽ૺૢ૽ૺ૾ૻઌૺૹ૽૽૽૽ૺ૱ઌ૽૽૱૱૱ૹ૽ૢૼ૱૱૽૽ૼૹ૽૽૽ૼૹ૽ૹ૽૽ૼૹ૽૽૽૽ૢ૱ यासी होता परे होता हमाया महिया पायया तता है। के या हैता सु सम्बद्धार्थम् वार्षाः विद्याः वार्षाद्याः सन्देवः भ्रीतः वित्राः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्या श्रामया वर्देरायवे भ्रीमा वर्देरावा दे में हिन भ्रामदे मानस्वर् में भ्रामय श्र वियायते हे में दे विया की में विया में में वार्ष या विया में में चन्द्राचा क्षेत्राचन्द्रम् वर्षेत्र क्षेत्र चन्द्रम् च स्ति वर्षेत्र यदे हिम् हग्र र्रा हिन है। यर् मन्त्र क्र मन्त्र है र निर्मा क्र में र्देव गर्डे वा दर्वे रापदे श्रिम् वळ दासमा वार्केम प्रस्ते हाय या वार्केम दिन हो है । ८८ मुनः प्रदे विश्वः श्रीम् श्रामे दे स्यो स्वान्य स्व गरेगारेटा वेशमाशुरमा वर्नेटा नक्क्यायर्नेरामहत्वसर्रे में हेटा शुःनल्द्रा से स्टानर वया न द्रा दे द्रवा वी स्टान वित है के हिन श्रुस हैं त वुर्रेर्भर्भरम्भवार्षे । विश्वानम्द्रासम् हे विश्वरानायम् हे स्राप्त ग्रे-भ्र-दे-क्रॅंश-ग्रे-भ्र-वेश-ग्र-विश्व-धिर रे-दे-हे-र-ग्राण-धर-वर्गुर वाद्रा श्रुप्तिते द्वाधेवायते श्रिप्ति वाद्या श्रुप्ति वाद्या स्वाधित दे। वेशर्दरा इसरव्योवायमा गवनर्त्रक्रमः इसमाग्रीः भ्रान्ते कें माग्रीः 

त्रम्य स्वात्रात्र स्वात्त्र स्वात्

महिराधितावित्राक्षी।

महिराधितावित्राक्षी।

महिराधितावित्राक्षीतावित्राक्षी।

महिराधितावित्राक्षीतावित्राक्षी।

महिराधितावित्राक्षीतावित्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षित्राक्षीत्राक्षित्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षित्राक्षीत्राक्षीत्राक्षित्राक्षीत्राक्षीत्राक्षीत्राक्षित्राक्षित्राक्षीत्राक्षित्राक्षीत्राक्षित्राक्षीत्राक्षित्रात्राक्षित्राक्षित्रात्राक्षित्राक्षित्रात्रात्राक्षित्रात्राक्षित्रात्रात्

याश्चर्या क्ष्यां क्ष

मदे वस्य अरु न सिंहोत् । स्यान स्वाप्य प्रमासे स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य मुन। विनःह्री बेनःक्षःसर्वरःस्वरःस्वरःस्वरः मुना नेःगहेराःस्रवेः नस्रवः कुषामित्रमा स्त्री विषय में निष्य मे नस्रवःद्धयःयासे हिन्यदे द्विम ने या वा हो मासू नि विकास स्रवाद्धया न्। हिन्यराधिकार्क्ष्राक्ष्यान्। नेवे क्षान्याविनाम् र्वेर हें व परे मात्र ले हैं द दे। अंश दर एवं ले मा महिश मारे स्नाय श ने बुर-तुः गर्डे वेर-न १८ मा व्याप्त से दाया हे दाया है । वे त्या न हर हुवा वै। यि वेगा भ्रे वि वर्के दर्से य दर्भे व दर्भे व दर्भे व के श्री भ्रु वेश यहें द य धेवा विश्वास्त्री देशे देशे देशे देशे के स्वास्त्र में स्व र्केशहिद्र हेश के वा नर्हेश से 'द्रेवेश सम्बया दिन्श सुनविदे प्या ग्राया ग्री लेलेशक्राक्ष्याञ्चरार्वकर्पदेखेराहे। यहसामुस्यायदेख्राक्षेर मुंग्रासम्बद्धार्भग्रामा भेराक्षेराक्ष्य होराम् विमार्स क्रिंग भू बुराय गुरा वर्षायदेवास्त्रेतास्त्राद्ध्यास्त्राच्चा स्वर्षायाः ग्री:भ्रावेश:नर्हेर:राधित्। विशासदी:यग्रेय:नराग्रेर:यशेर:यश ग्रहः कुन्दें म्राथा समुद्राद्या द्या सम्माया म्राया सम्मा हो दारा हो दारा हो दारा हो दारा हो दारा हो हो। नवि'सबदे'न्द्रमीस'नसूस्य पदे सिंद्वित्रमाम्हिसान्दरम्यस्य पदे नक्षुःवे इनायाधेक्षा में के रामें के का में क्षा के का करें विकार में कि का के कि का कि का कि का कि का कि का कि का कि क वर्मेयानम् विराक्ष्याम् भ्रिम्यान्यान्यम् स्वा वर्षा वर्षा वर्षा यदे दसम्बार न इंदर्श्यम् न मान्दर न न दे हैं है न भू न सूद न न न महिराग्रीयानवरायराचया व्रवायदे रेजिंदि। डेयार्सिम्याग्री वराळवा बनाः सेन् भी र्के साने प्यो प्रेसा बना पा सेन् प्रेर कें सानि क्रानिस सुरसात्र स

ने नवा वने व से न व में ने के न सुर व वन न न विष्य प्रते हो । व कन पर वर्षेयानायम्। श्रुनामदेखेमानाम् । सर्वन्द्रेन् उत्योधेनाने। वेशामश्रुम्या यदे ही मा वर्ते निवा क्रियान निर्मे केंस हे नि ही सु विष्य वर्ह्म ने वाया प्राया क्रूशः भुः लेशः शुराया छे । त्यवाशाया श्रीवश्य स्रो दे १ १ मूर शुराया र्भुवार्येदायरात्रया कुषान्वप्दाग्रीकेषाभ्राविषायादेषेदाग्रदाकेषापेदा शैं-भु·क्रे-इस·दृ·गृ·षावेशन्हेंद्र-कुःषेत्र-सःस्याकेशकेशःशे-भूदेविशःइसःगृः ॴॿॕॎ॓शॱॸॕॱॸॕढ़ॱऄॖॖढ़ॱॸॣॱऄॱऒॸॕढ़ॱग़ढ़ॕয়ॱॺॖऀॴढ़ॴॱऄॗॸॱऄॗॗ॔ॸॱॷॗॕॸॱॷॗढ़ॱळेॸॱॸॖॱ नश्रवार्त्रिं लेशाह्यायरानन्दाया श्रेष्ठित्यरात्रु नन्दायरे हिराहे। वर्षेया नम् ने हेन् ग्रम् कें अहेन् ग्री सुर्धेव मायक कें वा ग्री सुर्दे । विवाद र्वेदे मुेव से सर्देव पर ग्रुश दश नश्रुव हैं विश ह्र सर पर पर पर विश गश्रम् देख्रामश्रम्भायते मुख्यत्यस्य नस्य नम् ग्री सुर्वे नावे ग सूस्रात्रान्त्रन्ताः धीत्राते। ग्रासेरायद्वीरायस्य सर्देरात्रागृत्रास्याद्वीरो गुहेशर्देव गुहेग् प्रश्ने रें केंद्र भ्रुक्त वर्षेश भूर प्रश्ने स्रुय पर्दे विशानश्रम्भारावे द्वेरा इसायर वेन् देशाय विराधर र वन् परे र्नेत्राधित्राते। इसायदे भ्रानार्नेन् वेशवा इसायान्या हिनायमान्या है। वर्षा र्अायाक्षेत्रार्म्यायाम् वाराम्यायाम् वाराम्यायाम् वित्यम् नित्राम्यान् वित्यम् लटल्ट्री हे.हि.कैट.य.जन्ना येवय.रे.य.ट्र.च्र.हेट.ययेया.तर.वर्धर. न-१८ दर्भानुभाशुः त्रयानाम्हा यो भी भाने प्रनामिने के दिन् भुः १८ दिने के न्वेर्येर्युरर्थेव्युः क्षेत्रः क्षेत्रः व्ययः नेवायः व्यवेर्ये क्षेत्रः व्यव्यान्वाः धेव मदे भ्रेम वरे सूम मन्दर्गिय है। मल्द परे है सूद इस वर्गिय र्सेनामा ग्री न निर्द्धा प्रकर होता धेता परि होता होता हुन हुन हिंगामा सन्ता वेश सेन्या श्रीया धोने या सर में क्रिया में प्राविष्य विरादि या सेन

यरः वया धेः वेशः ने 'द्रवाः कैंशः हेदः ग्रीः श्लुः सः धेवः यः वाववः चलदः द्खंयः बेर्-पदे-ध्रेर-स्रुव्याद-सृ-ध्री-व्यायद्रोया-पदे-र्स्नुद्र-बेर्-पर-प्रवय। ग्राल्ट-स् सदे वना से द भी रहें स दे दना ग्राद माद धेर्न वे ता ग्राद सुन से मास सम्मा वया वस्रयाउदासिक हो निरामा वियासिक निरामा हो। से सुना हु सामा निरामा हो। वकर्यायावह्यायवे द्वेरा वर्षेयावरा के अर्थे सुनार द्यायी विश्वाया वया वह्यायर हो नियायश्रद्य प्रदेश हो ने नगया द्ध्य दी वि वर्क्ट-न्स्य-भूत-भूत्वाराभूत्वार्यम्य प्रम्य-पर्म्न-पर्मा प्रम्य ने न्या भ्रु वाश्वरायश्याविव न्य प्रश्वराय स्थापित हो न्या ने स्थापश क्ष्र-त्र देशन्य-भ्रामशुर्यायश्चावत्र-त्राप्य-भ्रान्य विद् तर.यश्यात्रव.मी.ल..पेशाइसशाशरशामुशासशायस्यापर्या श्च-पाववःगश्चराग्रान्योगःग्रान्यानस्यानदेशः भ्री । विनःमाग्रान्यानयानेया क्रिंशावशास्त्रम् वर्षेयावरा दे द्वाची स्रम्म वेशादरा वर्षेत्रसे बन्दर्गियाः ब्रह्मार्थे स्थान्त्र स्था है । स्थान्य स्था वेशान्य स्थान्ते द्येत्रा दर्भायोः वेशाने प्राप्ता भूगाश्यायशाम्बन यो वाता सूर्व प्राप्ता शुर् स्र-रिवेरिधेरिस्रेरिवरमर्भुगर्यस्येत्। धेर्भेर्यानेर्वारेर्यस्य ग्वित ग्रुस यस ग्वित र्विस खेत र्वे स सर प्रया धे भे स रे र्वे षःभ्रानाववःनाशुस्रानारःष्परःसाधेवःमदेः छिनःसरःनाशुस्रान्दः स्वतःसदेः ब्रेरहे। यवश्रवणुरःश्चे छ्रिर्यर वर्षा यवश्रश्चे हिंग्य क्षर क्षेरे के उत् वदे द्ध्या ग्रीश श्रू दशाया भ्रू राजवा से दार्ग व्यास्त्र स्था है स्विद सर वनासेन् ग्री सेसस सेसस वुर नार सुर पित्रा वेन् प्रस ग्री विन पर वार्ववाराः भ्रानाहेराः भ्रेतः याद्वाराः क्रें राष्ट्रितः वित्राः स्वाराः स्वाराः र्'अद्यु-वर्षाः मुद्रेवः बुर्-वद्ये विर्'यरः इस्र अः श्रेष्ट्य परः र्'व अर्थदे स्रेर्

८८.सू.चीय.की वर्षातात्रा वार्थात्रास्त्राश्चीयात्रा विश्वावाश्चीयात्रात्रा बुरा भ्रामावव मश्रम पर्ने स्मामावश सूर मार्थे व पर्वे स्वाप्त महिरास मुनः स्री विमेषानम्। महिषासु सेन्यते सेस्यान्य सेस्याय साम्या वेश महारस्य प्रति होत्र देशमहास्य सेस्य सेस्य स्वार्थित यदे हिरा वाश्वास वात है। दर्वेष नरा इष दर्वेर नदे गुव हैं न ह देव हिर्नस्य उत्रसूर मासी निर्देश में विश्व दिर्दा के शासे दिराया से वार्या मदेर्देन ग्री ग्राम सद्भाषा वेश मासुरस मदे श्री माने में मासुस ग्रीस पदे क्षरावर्गाक्रेवाक्षेत्रे होरायदे होरा देशावाहरायराग्रुवार्ये वरे प्राप्त हु। हिर्न्स् ही सायरे पो लेश केंश सु सु नाव्य नाश्यायश हर है रेश यर विश्व खेत दर्गे श्रायदे श्रुव होत दु वर्गे द या धेत है। दे खूर हिन यर नभूत्रमान्त्रित्रचेत्रत्रस्याये वेषान्यस्य सुरानवे छेत्रत्रा देशाव सुन होत्रह्म प्राप्त प्रविद्धि स्ति। हेदे ये ग्रायन निर्मा के स्ति। विद्या स्ति। विर्युत्तराष्ट्री सायदेशादी रित्याप्तरा ब्रुट्याद्ये याराये कुः सळद् यसूदा हे र्षेव न्व ने न्वा सेन्व नन्वा क्रेव सेन् मित्र ही र नन्वा वहार कें र हैं व यःश्रेष्राश्रासेन्यम् वर्षे । विश्वामाश्रुद्धायि देश्वामान्त्रम् स्थानः नर-विश्वास्त्र-त्र्विश्वाद्येशन्त्र-त्राप्तराधेन्त्रेश्वास्त्र-त्रिन्त्रुप्तश्च अग्नावन न्याय स्थान स्था श्रुंतात् गुनानेत् श्रुवायवयावयावयावयाश्रुत्ते।विश्वासीयोत्तराम्यावदेः धैरर्रे । दिः भुः बुरः वरः श्रुवः यः हे : प्यवः श्रुशः विद्रशः गविः दर्वे दशः यः प्येवः है। इस्रायन्द्रायुक्ष वयासेद्राग्ची धेन्ने सादे प्रवास्त्रायास्त्र प्रवास्त्र प्रवास्त्र प्रवास्त्र प्रवास्त्र श्चीत्रित्राने न्यायी सूराम विश्वान्य याश्चीर यश्चीर यशा धिःविश्वार्टेश शुःरिः विष्ठाः विष्यान् विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठान् विष्ठान् विष्ठान् विष्ठान् विष्ठान् विष्ठान् विष्ठान्

यदे हिर वर्ग शुर्य में वर्ग दे हैं भु हुर वर हुन हो न स्थान गा हु বর্গীর-মূর-অব-শ্রুষ-মূী-বাধ্যর-বিদ্ধীর-মাইবাম-পির-**র্ট্**র-ভর-ধ্যুষ-মূর-ग्रयः प्रमः अप्यत्र प्रमः प्रमः श्रुरः ग्रयः द्वेषः द्वेषः द्वेषः द्वेषः व्या यर माशुक्ष प्रमः स्व प्यर क्षु माशुक्ष त्य या बुर पु । य विष् यो विष्य वे र वि व्रित्राञ्चयावित्राग्रदार्श्वेर्यरावन्तर्भः रेवायायायया सर्द्रयायया यव से मैं नय से । किंदा ख्या में स्वापित से प्रति मुन सूर यस न न दि। । ले. ले शक्त श्राप्ते ने त्यू मार्च न सम्मार्ग साम्यार्थ साम्यार् रिकेट्सिट्सेट्सेट्सर्म्स्वेट्या वियाम्बर्म्स्य स्थाने प्रति स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स उदान्ध्यामानादावेन कुः यह्य देयाह्य किंति ही सुर्या ग्राम् हिया उदायो नेशक्रिं भुन्न स्थापि हिंदा ने स्त्रा केंद्र स्था केंद्र स्था स्थापि स्यापि स्थापि स्यापि स्थापि स्य ग्वित्रः शत्रुर्वे व्याप्त विष्यः देश्यः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विष्यः विषयः विष सर्दरशासदे भी ने सर्दरशाग्रदावाश्वरा नु निम्न स्वरा कुन गश्यामन्द्राचीरावेचा देवा धेनेयाक्या भूवरातुरातुरातुरात्या भ्रानितर्भाराम्या महाराम्या महाराम्या महाराम्या व्यानिव त्यमा भ्राप्ति रायर प्रमुद्र प्रति हिर् विमानेर हैं। विदे द्रापि नेश हो दाया वर्गे देश दि। दे द्वा कुरु व नि द व दि व दि व दि व

या गुरानदे सुरा विनासे। नसून नभर ग्री में रिया यसुन पर्ने या पदे सुरा देशकाने खुशन सूत्र ने निर्देशका निर्देशका प्राप्त के निर्देशका निर नेश्रान्द्रिरः भ्राम्श्रुयः नुष्यात्र्यान्त्रन्तार्वि न त्वन् रहेशः बेरः है। वर्गेयानम् विक्रियानम् दिन्ते हिन्दे हिन्दे विका हिन्दे विका मान्या विका भी वै नाशुस्र वि विवासे विवासी विवासी स्वासी स्वासी स्वासी महिष्या स्वासी र्श्वेन-दर्भव-भेग्रभावव-द्याव-रे। नश्चव-नवद-देश-धर-में देश-धर्व क्षे-दर्वे अन्यरः त्रया दर्वे अन्यः धेंदन्त्वः क्षेत्रः अत्रुतः अद्वनः धेन्। इत्यान न्येर्न्त्रः विद्यादि हेन्द्र हिना या निवि हे प्रस्तु निश्चर भी निश्चर भी निश्चर भी निश्चर भी निश्चर भी निश्चर क्रिंशः भ्रुः सहदः यः वेशः चन्दः यः यः दर्गेशः यः वाशुसः विदः दे। स्रूरः चन्दः इव.क्रेन् विने तर चेशिया केवाने से चेशिया वीरालट आलुवे संदे क्रिया सेन विश्वायोत् नर्गेश्वायाः भ्रेत्यायो केनान्ता ने सूर्यात्वार केशा भ्राविश भ्रेत्रात्वा क्रिंशः भूतिः नभूतः नश्रदः नश्रदः न्दरः धोः भेषः ग्रीः भूः गरिषः ग्रामः में विदः क्रिया थः नहरः श्चरःश्चेदेःदिरः हे केदःदरः। केंशः श्चार्विः व दरः सहदः यः श्चरः व यः दे : व ययः <u> इट.लु.लेशक्र्याञ्च</u>तः यट्याः क्रेवः त्यं शः ह्यूटः यटः हैं यथः यदेः क्रेटः लेवः यदेः बुर्। रट.मू.चीय.क्री रे.भै.चिश्रम.चट.प्रट.श.लुप्र.मह.भैं.बर.चर.विश. व्येव द्वे राम दे खुरा क्या मेलग हु मार्थ साम निर्वे के स्वे हे रास ज्ञान निर मदेश्वारायाहें वारायदे छेटा धेरायदे छेटा है। वर्षेया यह वात्र द्वारा वर्रो नर्गेश्वराहे वर्ष्यस्वरायदे श्वायर श्वी वेश मासुर्याया सुवर्ष्वर वर्देवे वर्देन या हे नर न न न जे वर प्रवे न में अपये न न में अपन वेयाग्रह्यायदे भ्रम् देश्वरा वेयायाय वर्षायाय र्य-त्वर्ग्री:भैयश्राके.यर.यक्षेव्.च्चेव.यह.श्रंशश्राश्राभागां

गविव गर्युय नु स विद्यासी द के समूर पर् नु विष्य स्था निय प्राय निवा यादिदेवे:नुवायाग्रीयाहे केटा रु. भुगवावेदावाश्वयाव निरायदे दिवा हु कें या भुग गश्रद्याराष्ट्री विश्वामाश्रद्याराष्ट्रीय इस्राचन्द्राणी देवे स्वाचन्द्रम् र्द्यार्से । महिरायामुनासे। वर्षेयानम्। क्षेमायेतुम् मुरायदे द्रा वेश मश्रद्ध सदे हिमा मश्रम म मुन है। दर्म प्रमा कि म र सहरामञ्जूरानदे भ्रेरादरे अरात्राम्य स्थान प्रमान विकाम स्थान धेरा देशक्ष्मानविरानन्तर्भार्योशसाध्यासार्दरानरशाहे सिरासरा वया अन्तित्र ने निर्मा कुत् ही के गार्देत या सातु ग्रास से दारा देवे ही रा दरा द्वियायायाववर्ष्यायाग्री याश्वरास्य द्वारायायया भू नविस्य प्राप्त र श्रीतिवात्राचरात्राच्यां रावद्वात्राच्यां द्वात्राचरा द्वात्राचरा द्वात्राच्यात्राच्या वशः भ्रान्तविरः पश्रिरशः यः वस्रशः उद् स्थे । यगयः वरः वश्रुरः रे । विशः वरः र्रे । विश्वानाश्चर्यायदे द्वेर। स्वाया ग्री नेवाया वायेर देन ने हेन नस्या या इत्योवा र्यात्र्र्याया स्वायाया स्वाया है। द्यायायायम्बर्धाः क्रियायहर् क्षियाया होया यायेर वहीर द विद्

यश्राम्या नृत्ये प्राम्या नृत्ये प्राम्या नृत्ये प्राम्या निव्या मित्र प्राम्य प्राम प्राम प्राम्य प्राम प नदे हे रहत नेदे पा गुया इसका हु। गावन गान नुवन वह ना से हुन मदे धिराने। भुनिवे धिव नव निराधिर यम मानव त्या से नाम नवा वक्ष नाम न शेस्रश्रुलं सेन् पदे भ्रिम् हे। निम् त्रुम् निम् निम् निम् हे से सिम् श्रुल प्राम र्राम्बेगाविश्वास्त्रस्यात्राचेत्रावित्रां प्रमानेत्रा शुंके र्से ग्राम् शुंग्वत्य प्राप्त प्रम्य स्थान स्थान महिरास् यासाधित्रपदिः ध्रीराहे। देवे वरात् प्रस्थावसात् वे के पार्वे क्या ग्रीसा पिश्र धिर्श सदु हीर वर्त किर नेश्व कर्त मेर मिर्श हरा मी हिर पर मिर्श मिर्श हरा मिर्श हिर पर मिर्श मिर्श हरा मिर्स हरा मिर्श हरा मिर्श हरा मिर्श हरा मिर्श हरा मिर्श हरा मिर्श ह वाल्याकार्टावर मेन्यार्था । मूर्यो देखालेयाका वर्दे विविद्या सूवा गहेशया इसामर श्चेतायदे श्चापीत सेता श्ची शितासर लूटा हो विटाय हूँ रा अं.श्यांशायोटातावटाजूटशाओं.यु.क्र्यांशायायेशाग्री. यश्चीय. क्रेंट्रा श्चीय. ता र्टा रे.ज.क्रूंश.हे.श्रेंज.भ्रे.चर्वा.वर्यश.क्ष्य.लुव.चतु.हीरा श्रेंज.भ्रे.लवर. सक्ताः श्रुवः इसः श्रेवं प्रमेश्रुवः श्रुवः श्रिवायः श्रवः प्रमः श्रेवः प्रायः श्रेवः प्रवेः भुःवेश गुःश्रे। कुः सळ्दा क्रेंश संया क्रेंस हे स्याय स्रम ग्री भ्रेंम हे। ह्वाया श्चेत् श्चर्याम् श्रम् त्यानयमास् । स्थित्यायायाः स्थाने हे त्रेत्राधितायाराधिता ह्रव के कुर से द दें। | दे सु दे से द त्य हैं य है य है य वे या साम सम्मानी पी नेयादे प्यानेया क्रिया भूदे यळव हिन् दे न्दर इस सि हो दे निया हे या हो व के शन्ति न से में श्रे श से में मान में मान से मान स हैंग्रयाये भेया गुन्य प्रेमेश स्थापी अळ द हिन न होन य्या सर्ने हैं। म्बनम्बीयाम्बन् स्वायास्यायायास्यित्रायायरार्ट्रेन्द्रिन्सून्

<u>षदःवर्देरःश्चेर्दरःवःश्चेषश्चेशःवरःग्च। षदःदेःवःद्ग्चेःवःवगःश्चेदःष्येः</u> नियासे क्षेत्र हेरा महिमा सिंदा दे। दे त्या सदा सिंदा ही स्वा से दासे क्षेत्र हो कि स्वा दि से सिंदा है। कि सा सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। कि सा सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। कि सा सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा हो सिंदा हो सिंदा है। सिंदा हो सिंदा व्यटार्स्येयार्थान्याः यहिर्यायाः स्वर्ताः स्वर्ताः वर्ते वित्राः स्वर्ताः वर्ते वित्राः स्वर्ताः वर्ते वित्राः न'सबर'मार्स'न्स्। थ्र'म'बर'मर'न्ड्। तुम्'म'बेल'मोर्देर'न्जुन्। नत्र यर्हेन्स्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस्स्रिस् वरु: यः शें शें रः ष्पटः द्वा यरः देवा श्रः यवी वरु: वरिवा यः पें दशः द्वा निव निर्देशम् नि वहेन्यान्यानि वर्षे व्यानास्त्रमान्येनामास्या वरु नुनामान्यानेमा नवनानाशुमा नदुःनन्त्रःमःनभ्रेषःनःभः सदयःनदेः केंशःहेन। नर्छः नकुनः यानवाळवाराष्यराद्वावर्डेयाचा वद्धाद्वायात्रवाराहे केत्रेया हे.ल्.स <u> अद्याक्त्र्याची कें या या वर्षे या वर्षे यक्त्र्या हेरा वर्षे वा या या विदाय स्थार</u> ग्रे-ब्रे-क्र्यं ग्री-नर-विन्धिम्। यत्र यनानी न्त्री नर्वे नर्वे न्त्री नर्देशः मदे नकु ले नले। न्र क्षूर्य न न्र मदे सहित मा गहेरा है नकु ले नुगा थें न यदे श्रेम

मशुंश्रामार्हेन्यार्श्वेन्यायार्वित्यार्थे व्यापार्थेन्यवित्रहें स्थापित्यार्थेन्य विश्वास्थित्यार्थेन्य विश्वास्थित्यार्थेन्य विश्वास्थित्यार्थेन्य विश्वास्थित्य विश्वास्य वि

नगाना रहें वा ने दे रे से स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र में विस्त्र विस्तर विस्तर विस्तर विस्तर स्वास्त्र विस् सर्वेदःवयान्तरार्वसाधिवाग्तीयान्यसार् नत्रित्रात्रम् से स्वार्धान्ते न मदे: ध्रेर:र्रे । पर्रेर् से ज्या है। ये दु: नक्कर सर स्नामा अस प्रयाय पर प्रस् नन्दियां बें क्वरहें राम्हेमामी अर्दे आदारें केंद्र भ्रादे अर्दे रामन्द यदे. मुरा पर मिं तरो पे भे शक्ति सम्भासा नियर में सुरा स्राम्य नश्रूव मु: भ्रूनश शु: नले नर न निर भरे : भ्रुर स्व स मिन श्री ने न निर्मेश भरे : न्वरःधेवःवरःवन्नः वेवःववः द्वेतः वर्देनः भेः त्याने। क्रुयः वन्नः सूरः न्वें अर्थते ही न वर्षे यात्रा ने सूर भूनि र यें न सूत्र त्या पहिया या थे नेयाक्रियां भी वेयानाश्चर्यायदे हिम् यमार्था द्वानायाया लु ने शक्ता भें रू. यू. हे र भें श्रामाय के शाम है भी बेर यर विश्व विराधर वया देशने पर्देन परि श्रेमे व साहिया यट देश हे अन्य महिन पर सुर र्निस्त्रायम्।प्रायेत्यम् वया देशम् नुम् क्रिंग्री भुःवेशन्त्र्रि वेशम्यदेन्तरः श्रीश्रात्त्ररः द्रिशासुः नश्रवः पराप्तरायेवः वरः श्रीशः न्देशः शुः वसूत्रः धरः वर्दे दः धः वादः वेव वालुदः वदेः देवे वरः श्रीः ग्र्त्र भेत्र भरे सुर त्र साध्य

श्रुश्याम् येग्रयान्त्रित्र्येत्रकेत्रःग्रेत्रःग्रेत्रःग्रेत्। विष्यान्त्रःग्रेत्रःग्रेत्। विष्यान्त्रःग्रेत्। विष्यान्त्रःग्

यह्याभ्रीटामुन्यान्द्रायास्त्रीटाम्यान्यूर्या

न्यादः स्वतः स विक्रम् स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । व्यवः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । व्यवः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । व्यवः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । व्यवः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । व्यवः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । व्यवः स्वतः स्वतः

वियानराञ्चनयाग्री केंग्या शुरावहरायदे । ।।

मह्यस्य प्रत्योव प्रत्ये इत्र महि चर् प्रत्य प्रत्ये प्रस्ति स्व वेशःश्रीवाशःवाश्रुद्धा सम्यद्धित्यायामः हवा दःसे वद्यस् ग्रीः हेटारे वहें तर्धे त'त्वविष्यं ने अ'धे त' स्था विता बेरात्वा अरखावस्या शक्ता हो हो। क्रिंश उदा देर वया देवे श्वेरा वियामा प्रमास हमारा सुना है। दे यो भीरा क्रेंशः श्लाधीव मित्रे श्ली स्वार्व वर्षा वर्या वर्षा ग्रुट्यायदे भ्रेत्र वर्देन् भ्रेत्यात्र अत्यामुयायाद्वयात्र सेन् पदे वा क्षेत्रामायसम्बन्धाः कुन् ग्री दे केंबा उवा देन मा देवे श्रीमा हिनामाम्ब वर्देन्सी त्याने वस्य ननेव धीव मदी ही या पराव हैन से सूना मदी हैर देखहेत्रप्रवास्य भ्रीकेटादेखहेत्यार सुरावी श्रूराक प्रश्रियाक या यार्शेम् । यदाद्याः भेरत्याः अर्थेदान्य विष्याम् । विष्याम् अद्यास्यः हीर-व-साह्यनः भ्री सेसर्य-उद-सयामदे ने त्यान्वे निर्मामदे हीरा दर्नेन

व। इरायमम्भाग्री बर्मराग्री हिरारे यहेवाया वहेवावमा सुन्मरावश्चर न-न्म अवसाकुनाकोर-न्नुस्यारे रेन्स्यार्के अवता नेर मया देवे श्रूयं न ने श्रूर न रंश धेन निर देंन ने सूर स गुन सं सर धर पर दमन स यं अरे १ व्हर से अर व अर व क्षुर न इस अरे १ ५८ रे वे १ दे व हो ५ व अर व वे ही र है। येग्रयान्यन्त्रायोर् वसेरायया सदीर्द्याम्बरायार्थेरायार्थेरायार्थेराया য়৽য়ঢ়৻য়য়৽য়য়৽য়ৢ৽য়ঢ়৽য়ৼ৽য়ৢয়৽য়য়ৣয়৽য়৽য়য়য়৽ঢ়৾৽ঢ়৾৽য়৽য়ঀ৾য়৽ঢ়ৢ৽য়য়ৣয়৽ बैटःम्बेरःषःश्रेम्थःस्थःग्रहःदेःदहेदेःग्रःचान्तेदःत्यःसरःम्बदःदी विभागशुरभामते भ्रीमा ने मिल्रिन् गुन्मतृभाम से मेर्स भ्रा से मेर्स भ्रा से मेर्स भ्रा से मेरिन से से मेरिन से स ग्वी गुरुवहुरुद्रिग्रेग्रेग्रार्थ्यरावन्त्रंगुर्धाः व्याने। यूरानाष्ट्रमार्देवाचेराव्यामदेखेरा छ्रमास्री मदेवामहेयायया बूट-र्-एट्-एट्-एट्-र्नेन्-चेट्-र्न विश्वास्याम् स्वास्य स्वास्य विद्या ह्रम्यास्त्रम् हिंद्रिस्यानविवासाद्यास्यास्य स्वाराधितास्य हिराद्या म्यारा वर्षेट्रायम्भाग्रीद्रा देःद्रद्रदेवे ग्रुःच ग्रेट्र्न्य सर्च्यत्वर्द्री विमानस्द्रम यदे: द्वेरा धराव हेवा बर्पर दर में वक्कर वार दर धेव वा बेबका हेव-नर्भयामिव-नवि-नायानहेव-म्याद्यिनःही यहूर्याया नम्हिन्या कवार्या विरायानियः समयः विराम् श्रीत्रामधे स्त्रे स्त्रे स्त्रियः स्रो दे·दे·व्यःवहेत्रःयरःवन्दःर्रकाःधेतःयदेःद्वेर। इःवरःवर्देदःशेःत्रशःहे। नमसामाहत्र निवासानहेत्र माहे सूरामी निर्मेरमा धेत्र मदे हिरे नि दे निहेश निहेना निश्च स्ट्रिट्स दे निहेना स्ट्रिट से दिने शास्य स्ट्रिस स्ट्रिट से शुः इसः न निरायसः न निरायदे द्वीराते। वासेरावद्वीरायस्। हे सूरा सूरा व नश्यामान्त्र निव मान्य निहेत्र हैं। विश्व माश्रुरश निव हैं र निर्म हैं यत्तर्भ विषाम्बर्धाः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः

ररावी खुवाराया वर्षरावाह्र दरावा बुवारा से रावार सुरावी दिर्देश ग्रिलामहेत्रत्रास्टानी न्स्रीम्साध्यान् मुस्यि सार्से ग्रास्टा सार् यर रुर वीश द्विय यर श्रें व्यायदे हिर दे दे दे दे श्रेश रव रूर सहर्य व्यव के देवायायादी बद यर हिट हे प्रहें व की यह व हैन अने दिव पेर है। र्राची अरहे । इस रिसे वा अरध्या वर्षा वर रहे । सा खु अरधर हिन पर हिन रा न्मा कुरुप्यम् हे प्रयोद्यायम् होन्ययः वन्यम् वेश्वास्त्रः स्वीत्रः हो। इस्राचल्द्रात्यम् बद्रायराक्चीःस्रीटार्द्रवादे बद्रायराहे सास्रमायराह्यनायरा वेदायाद्याम्यायाचीदायवेद्वाद्वा विकामश्रुद्वायवेष्ट्वेद्या सर्द्वाया गहेशर्सेग्रासम्बद्धा न्त्रेन्द्राच्छर्थेन्ने। स्ट्रासेन्स्रेन्द्रुन्नान्वे यान्ध्रीमाश्रामानिता र्वेतासी से सामिता से नियम से से प्रमानिता प्रमानिता से प्रमान दशुर्नानित्यान्भेग्रामानित्रान्यानितान्यान्यान्यान्भावतान्यान्भावतान्यान्यान्भावतान्यान्यान्यान्भावतान्यान्यान् यामिहेशाहे महार्षेत्रयदे श्रीताही इत्यम् वत्यम् महार्थे। वेशान्ता वर्षेषानम् अन्तर्कुः नृदासे नृदास्तर्म् स्वार्धे नृदासे मार्थे नृदान्यमः र्थे दरद्रग्रस्ये दरद्रायाम्बरद्रद्रम्य सम्बेषाया विषात्र वा निर्मा इसामानवु द्रा वेसामासुरसामाने से नससामान्य में द्रिसामाने वासेस्राहेत्। तुराद्राया प्रतिवाद्या स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा हिरादे प्रदेशिक भारताद्वर अद्धरमा थून है देवामा दे। वदायर मदे हिरा दे वहें त्र में अर्द्धत है । या त्रुवाश उद न मुद्दा ल वह विद खूवा अ वाहे शाया शेशशाहेत्रमात्रम्थाः सेन् भी नर्देशमानिः ह्या वन्यम् भी निन्दे तथा हिरादे प्रदेश क्रीयाया वितासे। वार्ष वित्र स्थियायया दे प्रवासी। स्थित व्यास

र्षेत्र हत्र गुत्र गुर प्षेत्। विश मशुरश सः सूर मर्डे के नश हे द्वा र्श्वेश गुर-रूर-दर-अर्द्धरूष-धूव-वावव-प्यर-प्रेर्-अर्थ-द्वीर-हे। इस-व-१५-यूश र्रे.चे.वे.क्र्यान्वु.य.र्यम्यायदे हेररे यहेव र्राव्ये यार्गस्य सर्द्र्य स्व-८८-१८४। १५४। १५४। १५४। १५८। १५८। १५८। १५४। १५४। १५४। १५४। व्यत्र-१८ वर्षः पदे देत्र व्यत् पदे श्रीमा देवा साम ग्राम ग्रीन ग्रीन पद शःश्रेन्यशः ने प्राप्तः ने द्वेत्रायः या विष्टा यो विष्टा या विष्टा या विष्टा या विष्टा या विष्टा या विष्टा या ग्रे किरारे वहें ब महिमासुका से सुरामदे हिरा है। धेर हे र ग्री रे पा के सका गर्हेर्न्सः श्रेंग्रां प्येत्रं प्येत्रं द्वीत्रा वीत्रः हुः श्री देः श्री अकेन् ग्रान्यः वर्हेग्नाः र्षेट्रे ग्रम्थाया में या मे में या म શેં સું અळે ન ત્યા ત્ર સાવલ નું ના બેન શેં સું અळે ન ત્યા ત્ર અને શાં શેં : વન સ वह्नामदे भ्रीमा नम्भी न्या मार्ग्या मार्या मार्ग्या मार्ग्या मार्या मार्ग्या मार्ग्या मार्ग्या मार्ग्या मार्ग्या मार्ग्या मार्ग्य वक्तर्वहँग् ग्रदःग्रुग्यःग्रुग्यःग्रुः श्रुः अकेद्वायः वक्तर्वः द्वायः श्रुवः द्वेदः र्येद्रार्स् स्वायायात्रायात्रा भी सक्षेत्र त्या वर्षेत्र वाया वर्षेत्र वाया वर्षेत्र वाया वर्षेत्र वाया वर्षेत श्चे अळे ५ त्या वर्हे वा संदे ही र है। र्थे अँ वा या वर्ते । वर्षे वा ५६ वा वा या शे । श्चे सके द दर्भ श्रम् वा या निविद्य हर न दर देना निविद्य श्चे सके द धी व सवे र हिंदा शुःषां शे पहें वा पदे कु सक्त प्यें दादे । शुःषा देवा शाय दि कुत से द यदे स्त्रेम् वियासे स्वापाने प्रिम्पताने स्त्रिम्पताने स्त्रिम्पताने स्त्रिम्पताने स्त्रिम्पताने स्त्रिम्पतान वियासर होत् पर्वो अप्यारेवा अप्य इति क्वतः सेत् व वियासर हैं। से ख्रा संवे धिराने। रेवाशाक्कुरावानेशाया है। रेवाशायरा सास्वरायरा खुरा द्विया वरा र्श्वे. रेश्वेश्वेर.हें। हे.हि.बैर.य.ज्ञा क्ये.श्व. वक्ये.सर.हिय.सर.हिं. सन्वित्तार्यते कुः सळव र्षेन्ने हैं दें रेषा ही क्रेन्य रे सेन्य से ही हा हान

है। दे.कं.क.चरे.सर.लूरे.ये। देश.रर.मु.रश्चियात्रातीता हैर.क.लर.धिय. न्वीं अप्या क्रेंन्या नेवे नेवा अर्था प्यान सेन्य वित्ता है में विदेश याने से नवनामदे मु अळव थे प्रेन्। दे नहिषान बुन्या प्रथम व से प्रदे हिम् वितः हो। वर्देरः मञ्जासार हतः की ज्ञान्य रामा मञ्जासार मस्य स्वरः स्वरः व्या र्श्वेन्याने त्राने वाका उद्याधार सेन्त र्श्वे से मुनाम दे सेन् युनःस्री गर्भरःवर्षेरःवर्भा ग्राचुन्यशःठवःनकुन्ःग्रीःग्राचुन्यशाप्यशःस्रिवः कर्षा वर्षा वर्षा कर्षा वर्षा वरम वर्षा वर बेद्रान्य। वे बूद्रास्टर्देव द्राद्रा ने मविष्याय दिवा मदि कु सक्व के बूँया व.रे.चाहेशायह्या.सदाक्षी.सळ्य.लूर.री वसामायत्राप्यम्भावसमा ७८.री वर्त्ते.य.र्टर.म्बर.पेश.पु.रा.बर्ट.सर.ग्री.श्रूर् तिवा वर्टा प्रेत्रायश्ववा या धेव पर राष्ट्रेर न विद्यारे द्वेर दे द्वा में दिश्वारा पावव में श्राया व यानिकानी न्येन्या राजि स्टार्य सेटा सेटा यिता प्रमास से हिंद प्रमेषा प्रमा नन्दर्भि । सूरःसूरमः मदेः दक्षेग्रमः सर्वेदः उसः ग्रीमः हैरः दे दहेतः सुर वा वासर र श्रुट रहेव थे र है। हे श्रूट हर र होवास के द न ह जुट र हे वास नर्रेशः हे : दे : त्यः दक्षे माश्राद्याः शासाय विश्वः वदः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वर बर् पर रेज्ञ अर्थे रेज्ञ था केर उँ अप्यान्धे ज्ञा प्रश्राम् या मुन पर र्पर <u>षरः भेरायाचेत्। सुनावशाषराषरा स्रीत्र्रितायरा हे मार्चमारू वर्हेनाया</u> धेव परे दे मे अर्क्ष या धें द दे। के के में में में प्राया माया मार्थ अर्क्ष या महेश ग्रीश मेश प्रवेश से दे हिंदा दे दमा मी हो द त्या भी प्रवेश दे दि है। दर में वक्तरःग्रीशःश्रुवःसःदरः हावश्रुवःश्रुवःसःदरः। द्वाःसश्राद्यसःस्विदःवःवर्त्तेः वर्वेटा वेट्टा न्या न्या वर्षेत्र वर्षा हेर् वर्षा हेर्

द्वायर स्वाया विश्व श्रिष्ठ विश्व व

यून्यान्त्रं क्ष्र्र्यन्त्रायम्यान्यान्यान्त्रं क्ष्र्रा च्यान्त्रं क्ष्र्र्यान्त्रं क्ष्र्र्यः क्ष्र्यः क्ष्रे क्ष्रः क्ष्र्यः क्ष्रे क्ष्रः क्ष्रः क्ष्रे क्ष्रे क्ष्रे क्ष्रः क्ष्रे क्ष्रे क्ष्रे क्ष्रः क्ष्रे क्ष्ये क्ष्रे क्ष्ये क्ष्ये क्ष्यः क्ष्रे क्ष्रे क्ष्ये क्ष्ये क्ष्रे क्ष्ये क्ष्ये क्ष्ये क्ष्ये

श्रुमायते भ्रीमा ने या दार्मिया शुर्धा भी या के या भूमा सर्मे । या या निवासीया श्चन माधीव मंश्रादेव श्चित पार दे सूत्र देवी शा शी पो भी शा रेविश श्चा पो वा मार ब्रुवायार्डमाम्बर्धान्य देवार्श्वेत्राम्बर्धान्य स्थान्य क्षेत्राम्बर्धान्य स्थान्य स् यं इत्वोषाक्रे क्व र्ये र्येदे यह्वा हु क्वें राद्वें यायदे हिरो यवदादहर यायामिकियान्ये वियामिनिन्तु भी भी मकिरादेन के मन्दर्दि वित्र मुन वडेब्रच्याष्ट्रियास्त्रेरास्त्रेव्यक्त्र्याद्वेदार्भ्यार्ग्याद्वेद्यायात्रेयात्रे व। वरःगञ्जामः उवः ५८: दे सः धवः परः ५५: वे मः वशःगञ्जामः छुटः ५: न्द्रकेत्रसंख्यः स्वते विष्यानित्र मी देन में स्वतं संस्थान स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं स न-निल्धे निल्निक्ति हो ने नुनि वसासमित्र नित्त स्थानिक निल्निका हो निल्निक्ति हो । भ्रें अकेन निहेशन निहासी के निहासी मिल्र निहासी मिल्र निहासी मिल्र निहासी मिल्र निहासी मिल्र मिल्र मिल्र मिल्र कुंवाधित सम्प्रमा कुंबादिन मुक्षाम क्रिंग प्रमान कुंवाधित सम्प्रमान क्रिंग प्रमान क्रिंग क्रिंग प्रमान क्रिंग प्रमान क्रिंग प्रमान क्रिंग प्रमान क्रिंग प्रमान क्रिंग प्रमान क्रिंग क्रि यदः यद्देव द्ध्या धेव प्रदे भ्रिम वियाम विया ह्या या विया स्वीत स् मदे-नर्गेन्यामाधित-मदे-द्वेर-हे। ग्रेयेर-पद्येर-पया वयायावयन्दर-ह्या नेयाग्री नेयामर्देव द्रायवया है यक्तु द्राचेद या दी वि यक्तु र वेद या दर सन्तर्भे । विश्वानाश्चर्यायये मुना इत्यर पर्देन वा पर्यापाय पर्देन दर्षे बि'यम'बेय'गर्देद'ग्री'देदे'ग्रम्म'य'द्यास्मायद्रम्स्स्मेम'ये म'ग्री'दे'गहेस' वर्षात्रमात्रमा वर्देन्यवे धेम वर्देन् से त्राने हे हि न्यावर्ष यायदेरादे सायलदायदे श्रिया इसायर श्री द्रेया साम श्री दिले द्रा हिया गर्देवः र्सेसः पदः ग्राह्मारा रुदः हैयः ग्रीसः गर्देदः दगादः नसः ग्राह्मारा ग्रीः हैयः गर्वेद की ने नकुर नभर दश गार्ग श्राम श्री का श बेलाम्बेन् ग्री देशायन्द्र संदेश्वीर है। इसायन्द्र स्था म्ब्रम्भा स्व ग्रीः इसः वरः यः क्र्रें रः ग्रें रः वेयः गर्दे दः यत्। या ग्राच्या सामा व्याप्ता स्वरः या

यान्त्रन्याके धोदाले वा वात्रवाया त्रीया में या स्वाया में या स्वाया स्वया स्वाया स्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया है। दे विषा ग्री अपनिर्दे द ना विषा से द ना विषा ग्री अपनिर्दे न पद न द न पद र्वेन मर दशुर नवे भ्रेर रे । विश्वाम्य रूप मेर भ्रेर वर्दे द द्वा वि न कुर र्बेट्स्सर्यन्त्रे दर्शे स्वर्गे अस्य नम्दर्भ स्थानम्दर्भे खुरर्देव देवे धिरावासाध्याक्षी देशकेंगाण्यानाबुग्रासेनायवरानेसेनासूसा यानर्ह्मिना केनान् ने व्याप्त निम्ना स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत विस्र में द्वी दिस्य विश्व विस्तर में द्वी प्र विश्व विस्तर विश्व विस्तर शॅग्रथः त्रेयः ग्रीयः गर्देवः यरः ८ यरः यर्देरः यः ययः अ८वः यह्नेयः यदेः ह्यः वर्चेरने। बेलामर्वेन भ्रेष्यकेर ग्रेष्ट्रिंग श्रेष्यक्र विता भ्राम्य वर्दर-द्रियाशुःनभूवःगदेःदेःषुरःग्रुग्यःवेषःग्रीयःगर्देवःगरःसदयः वर्चेर नवे द्वा वर्चेर है। अन्य वर्षेर न्द्रिय शुन् वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र हेन् वरेदे न्रेस्य नमून यान् नम्य नेया नर्ते न ने यान्य निया <u>नमा विक्तिमा नेवा महिताम विक्तिमा नम्मिन महिताम नम्मिन स्त</u> यान्वन्यासासुप्दर्भेसाग्रीःक्षेप्त्रमान्वीर्म्यान्वीरम्बन्धर्द्दर्द्वायाः दे-दर्ग दे-क्षर-वर्भन्य-वर्भे नन्यने क्षे न्यानी स्वानी ना ने निष्ठ स्वानी स्वानी स्वानी स्वानी स्वानी स्वानी स ग्राबुग्राकेत्र में त्याक्षान्ये दे दिन्। दे क्ष्रम ही में त्य ही ग्राबुग्रा कुर दुः त्य क्ष्र निते ने नित्र निविष्टिं निविष् बेल'गर्देद'गहेश'गहेश'र्सें र'नदे'र्देद'धेद'नदे' स्वेरा ग्राह्याश के कुर' 

र्श्रेम्थरग्री:नेरक्रेन्स्री नडुन्ग्री:ब्रुदे:नेरन्नर्गन्मा भेदे:नेरन्यन्म र्बेद्राण्ची मानुमारा धेद्राद्रादेश मा से वेद्राय से सहसाम र वहेंगा मंदे: ध्रेर है। सर्रे यथा विषा श्रीया सददादया ने या ने दावीया श्रीया सददा व्यासर्वेटाक्षे दे त्रूरावर्षेयाचरावण्याचा वेयाम्युर्याचवे श्रीरा नेश अर्बेट वर्नेश राजा श्रुं अर्ची र्नेत पर्टें वे जात्र ग्री अस्ते श खूजा सर्वेद्राचीशासर्वेद्राचित्राचीशार्वेद्राद्वरासार्वेद्राच्याद्राद्वरात्राह्यासेद्राच्यासेद्राच्या ध्रमा मीश्रानेशासर्वेदा स्ट्रमान्या प्रशास्त्र ने स्ट्रमा प्रश्नेशासमा स्ट्रमा ने धैव मदे भ्रेम व मिन्मा ने या वर्षिव भी में नवे पिन में वर मर या वानुवास *સેઽઃધ૨ઃવઽ્:*ઌેશઃધવે:ર્સ્સૅઃૢ૱શઃફ્રીઃર્સ્વઃગ્રીઃૃવઃર્સેન્નઃર્સેન્ફઃકોવઃવૉર્ફેન્ફાઃ ने निया ने मलिव न् से सम्मिन्निया मर्विव श्री ने। नुसर में निया मर्विव श्री ने। नगर में बिया गर्वे व की ने निराम वे खें नाम के बिया महिता है ने की वे में मान वर् र्श्वेर श्वा वर्र निवेरे रे यवर अर्देर नश्च मुश निवर निवेश ग्री अर्दे ष्यरान्त्रभूतः दे। द्रयेर दर्श्वर्धे दर्शे नेषा प्रवितः मी भूत्र सा सर्वे प्रवे प्रया दर ग्रुग्रां से द्राप्त स्वतः विकास राष्ट्री द्राया की म्यू व्यास स्वतः से पार देवा स्वतः म्र्रेय्स् के विराहेय्त्र क्रिया क्राय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय व। बर्सिये से मिना धारा कर के विश्व कर से के के विश्व के देनाः क्रेंबः चें ·क्रेंबः चें ·क्षेंचः क्रेंब्यः चेंद्रः चेंच्यः चेंद्रः चेंद्रः चेंद्रः चेंद्रः चेंद्रः चेंद गत्रम्भ सेन् पर पर पर के स्थान के स र्रे र्रें द.स्.के.ये.र.केंय.त.स्य.त.ये.त्येंट.य.४४४१.त.यके.बुट.यांचेयाया है। वदःगञ्जम् वेयामावया क्षाक्षे प्यवः कदः सर्देनः नक्षवः ददः। द्येनः व'सव'क्द'कुश'न्वन्द'धेव'चेवे'छेंच कुश'न्वन्देवे श'ण्ट'द्वे देव'

गहेशा श्रेशाचल दारी दर्भ रात्रा वया दे निवेद र प्यवाळ दा शे दर्भ रहा र्नेव प्रेंन ने। क्रेंव में विश्व सामर्ने मानम्बाम में वार्मे व स्वासी शासी वे दे निविध्यानि दिन्। भे के निविध्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के दिन्द निविध्य के विध्य के विष न्ये प्येत प्रवे श्रिम् ने प्रवित नु बर्म अवे से हिंगा मी स्व न हु से स से प्र हैं र गविः शे र्हे गानी प्रत्यस्था स्वास्त्र हु है संगिविः शे हिंग प्रता प्रास्ति स्था प्रिने न्या इस मर यार यो कु प्रश्न चुर द्वा प्रिन हो दर में निव इस मर र्ट्स् यहिषाची कुष्याचुरा वेष्यानि स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व वुरावदे श्रेम नरे में बुवा श्रे इसाव वन वसी नर में विदेश हैं राम में महिराशी कु प्रशास्त्र निरान्ता विरान्ता महिरापर्या महिरा ळंत्र ने नाहे राहे रे सामा सूर ह्या वर न्दर में नाहे राष्ट्र राय है सामा स्वाप्त राय ह्यर नर्दे । विश्वाम्बर्धर श्रामेदे से महिश्वाम सुन स्थ्री ह्या नवि । वश्री स्राया स्रो स्राया स्राया में स्र त्रश दर्दे हे र्र्या राष्ट्र इस वर् ग्री सब् त्रश शुरू राष्ट्र विशावाश्य राष्ट्र मुना स्वायार्गे सुन्यायान्य राज्या

## वियानराञ्चनयाग्री केंग्यास्य नहरायदे॥॥

## म्रिका भीषु भीष्याचिया तकर ताया

🐐 पश्चिमा स्प्रामीये । त्या विष्या । व्यक्ष्य अञ्चिमा । न्मा माल्मार्ने वार्मे वार्षे न्यामा विष्यानमा गश्रुयायार्येट्यार्थेट्य्य्यायवे भ्रुपात्रुवायाणे भ्रुवे दे रे केंद्रायळ दार र्ये नुर्वत्वर में अ वनर ना वे अ नुर्व महिश्र मासक्व हेर् ग्री क्षें न्या वळन्याया इतम् अळ्यत्रे शुर्या द्वारा मिने हिन हिन द्धिरानन्गाकेन्यन्। विवाःकेन्द्रकेष्ट्रस्यार्धेन्यकेन्। विवासन्यार्धेन्या र्रोट्रियाश्रास्त्रम्यवेदा विशाद्या देवे वर्षेयायशायकद्याया सर्वर र्श्वेर ह्या या सद से प्राप्त हो । विया सदे न मा सुमा सुमा नुमा सामा सामा समा वियशः विवर्षः विदेशस्त्र स्टर् स्थान्य । विष्यः विषयः विवर्षः यर. ८ळट. तर् चि. श. इस्र श. त. श्रेष. च. ट्र. चशु. च. व. श्रेष श. राजा विया. न्दावन्यायिं रावेदि सक्तान्दा व्यापा वियासे वाया गुरा नेदे मुः सक्ता वकर्माया इन्निम् वर्षे यासळ्याची बेश हुरार्ही विशेषायम् सळ्यः गर-गेश सून-धर-छेर-धरी वेश र्शेग्श हुर्। द्ये छ्र- पळर् धणा ह नम् बुनःभेदेःभेदःभेः बद्याः अर्देगः दृनः । वियः भेवायः बुनः । द्योयः बुनः वस्य रहन ता वर्देन कवाय न्दर व्याय केंद्र श्री विय स्वयाय विदा वर्दे न्वा मी'सबद'न्धुन'स'त्य'न्यामा'यावया'श्वर'माशुस्रा न्रःसें'त्य'वि'हेया'व'से।

ग्रवश्रेश्यास्त्रास्त्रेत्रासेत्राति त्राचित्र्याम् देशे देशासास्त्रेत्र द्रोशः नक्कित्रा विद्रारेशासासामञ्जेत ग्रीतासेस्या विद्यार्श्वेत रेसामाचेनामा केव-संदे के अप्यायें द्रा सुद्राया द्रा देश मासूत्र के प्रकर् पर्दे विश वेर-न-न्ता धर कुन् थे श्रे इस श्री है स यव र वि देव वाद स र स र वि वा श्रेव वित्र व्यय विवर दे विवय यात्र श्रेति क्रिय देश यात्रे वा या केवा र्येदे के अन्ति त्याया हो न द्वार हो के अप्तासुर न से भेट्र इस पर देया प सळव निर्मा न कुव मिते भूते क्या माया मायव न न प्रकृत न से भेना वित्रिर्देशमात्राम्बद्धेरमुद्देशस्य वस्य स्रित्रे स्वार्थाम् में रुषादेषायाविक्तावायार्थेद्रायाः ग्रीनिक्तात्रुष्ट्राय्यायद्वयार्थः स्रेत्रायाः है। देशनान्यस्तरम् वर्षेत्रचेत्रचेत्राचेत्राम् देश्वामीश्राम्यास्य श्चर्यर देश या वृष्युत्र पुरिय वेरा वा वा वी वा तुषा वुष्या वेरिया वेरिया व ब् ख्र क्षेत्र चे स्वा दे ख्र से साया ख्र ख्र दे चे स्या सुदे सक्त है द द वर्हेना साधी वन्न सम्बन् ने वह दे रेश साम में वेर शासी है वह ना हो ना है बेर्याया अर्रे द्रा कु म्लूर इस द्रमा मी भेरा बेर्या सेर्य सेर्य मार विम नेरासाबन्ख्रारियासान्यस्याम्बिन्छेन्। यहासूरावदेखेन् नरासे सुना म्रे दिन नम्भार्भेदारो त्यमा देशायान वि उसाम निरामा सामित्रारा स् नेन्द्रायायरे सेदाया वदेशायान्त्र निद्राया स्वाप्ता स्वी वदे हीराते। येग्रायान्त्रप्रायोग्याया पर्नायानेयायाया ह्याना यावी र्रेव नश्या श्रेव से रेया नवि श्रे प्रविर निर्मा विवया निर र्द्रेव मः क्रिंश शुं है। विश्व मार्य साम्यास सम्मान मार्थ मिर्या से मिर्य से मिर्या से मिर्य से मिर्या से मिर्य से मिर्या से मिर्य से मिर् इटा विश्वासीर्श्यास्त्रः हीता यहिश्यासः वीतः ही ह्या तह्रश्राक्षेत्रः या ते त्या गर्ने र हो र गर सूर नवे हो र है। गर्य हो वे से स स है सू न नवे त र

नसूर्याययाम्बुद्याययाने त्यामिर्दे द्राये द्वीया वेद्यादक्षदायाया महोरा वर्षेटायमा देरामा वर्षेत्राच्या वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्या वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्या न्धन्यम् चुर्वे विश्वास्य स्व दे दे हे हे हे से इंस वह्या तृया स्वार शुःर्वेदशःशुःषःदेःवर्वेःवःश्रृद्वः इसःषदःसःमश्रुदशःसशःद्युदःसरः गुःन्वें रामार्थि वृद्रि विविधालमा ने वहारे मेरामा सुरक्षे विवर्णमा विविधालमा ने भ्रास्य देया पासु स्वित्ताया सु सु दान पासु दाया पासु गर्या गुरा गुरा हो द्रा हो इन सा सूर कें ना सा ना सुर सा मा दिरा परि सा पर देश या ग्रह्मा से स्वर्था विकास से स्वर्था में स्वर्था से स्वर्था से स्वर्था से स्वर्था से स्वर्था से स वया ने सूर सर्ने यम ग्राट न नि वृत संदे कुय रहन गुस्र सर्वे द श्रीम ग्रम्प्रम् विमाहित स्वाप्ति । स्व नन्त्र कुःनारःग्रेःग्रावः अधिवः द्वीमा महेवः दरः वेदःग्रेः कुष्यः वः महेवः यथः यह निष्य के स्वास्त्र के स्वास्त के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त् वयानेते भेरा नरामें ज्ञान है। भ्राया कें नया श्रायूरान है। सूनामें नर्गेन यदे अर्दे त्यमा सूना संदे न्यीय द न त्नाम निर्मे । सूना से ने दे दे दे से न ग्रम् । श्रूरि के व द्वर्म सम्म ग्री निर्देश्या वि । निर्देश ग्री म रिया सळसमा वियानायां ये प्रमायां विषया वि ह्या जि.य.यबुर.रे.वर्ग्न.त.र्जरा कि.क्र्यानायम् याराजेना जि. व्हरमारावादे निर्मा दि द्वादे वा वस्त्र वा वि वि निर्मे का भी वा यान्या वियान्ता यदास्ति हेत्यमा न्रम्य स्रमान्ति स्थान इसमाग्री वियानाइकार्वेरास्वमान्तरे कूरी विविधमाग्री इसामाञ्च

र्क्षेत्रार्थाः । भूगार्भेदेः नृग्रेवः तः इसः नत्नारः विना । वसरा उनः इतः वर्चेर ठव ग्रीय वस्ता विया परा वेर या सूवा गरिया मुता सुव सेर र मश्रम्भ क्ष्य प्या अर्दे ने हे न यथ। क्ष्य में महमा यम स्वापना स्वापना स्व | वे निव ने निवास स्थान हिंद के दा | विवाद दा विवास स्थान है नः अः धेतः प्रस्तरः निः श्रुवः प्रदेश्यम् अः ग्रुटः नत्वायः पः दे। अर्दे हेः हेर्यायमा रेर्नासूनार्सिके विरामिनेनामाना । सरमासुमासूनारानेरा याड्रियाः र्त्या विश्वास्त्र त्रियाः स्त्रास्त्र स्त्र त्रियाः स्त्र स्त ययर श्रुर से रुर निर्देश निर्वा निर्वाय ग्री हिया । स्रुपी र्येदे-द्रग्रेय-द्र-इस-प्रत्वाय-विद्या वियाना तुन्य ग्री-इस-ध-सूर्वेद न्यायी श्चनार्से नर्गे द्रायि द्रिया दिवस्त्री निर्मे के स्वार्थ के स्वार श्रेव सूना सें नर्गे द सदे ना सें सें त्या सें दश सून हिन सदे हि स दहा है नविन रुपिर रूर मी श्रुवाय रुप्त संदेश द्वीर है। श्रुवाय रुपा रूप वनशःग्रेगःर्रेष। । विशःसदेःवनशःग्रेगः हुःनत्ग्रां द्ध्यः धेरःसदेः हीरा इन्हिनायानिक्यारान्त्रीयासे। हेन्यईवन्त्रिययासमेविन्दीयाना क्रिय वळर न र्वेर नुः लेल र्श्वेर कृ नु र न मुश्र र हरे रेश र्देव श्वर र्रें नश <u> श्रःपाश्चरः चः श्रेषायः श्वः ऋषायः स्वायः स्वायः स्वरः चन्तरः स्वरः स्वरः स्व</u> क्र-सःसरा वर्हेनः द्वेतः सहनः क्रुवः से पळन्। न्या । सर्वेतः परायन् होनः र्बेन्-सन्दर्। ।ने-धी-र्ने-सेन्-सेन्-सेन्-सा । यन्ने-सेन्-सेन्स-ह्न-स्याध्न-यहूरी विभागशिरमासदासुरी विभान्नी सिरार्नमार्भे क्रूरामान्ना स्वामा

यश्रित्र यहेत्र या श्रुप्त श्र श्र्याश्र श्रु व्याश ह्र या श्र श्रु या श्र श्रु श्रु व्याश ह्र श्र श्रू व्याश ह्र श्र श्रू व्याश ह्र श्र श्र न्ह्री विश्वासदे द्वादक्ष्य कु. ल्या सदे हिराद्या दे प्यर प्येव हो दे सूर श्रुःकैंग्राश्रृद्धारानेशःग्राद्धारेशेश्रायदेःस्त्रित्ति। ग्रुत्यःत्रुदेःतश्रयःयदेःद्वदः गोर्याञ्चाञ्चरळें वार्यावाशुराइरारेयाञ्चरळें वार्याशुरावाशुर्यायदे श्वीराहे। देदेः इंशर्ने अवगारु कुर त्रायया हे सूर केंत्र ते सूर्के न्या ग्रीया विरातु ने निर्म्य सेन सम्बूटा वियान सुर्या सदे सेमा निस्ते स्था महार ने स्याप्त्रम् । कुन्त्रास्या क्रिया के स्याप्ति । क्रिया के प्राप्ति । क्रिया क्रिया के प्राप्ति । क्रिया वियः यद्याः तयदः श्रेयाशः दृषः । विषः ष्यदः वर्त्ते वः सः सुशः । । श्रद्धः मुशः गश्रद्राचीयाद्यत्र सहद्दे । अत्याय्वतः इस्रयायाः स्त्र स्त्र हिता हिया गशुरमः प्रवे: ध्रेम । ह्यनः स्रे । ह्यनः यन्याः हेमः प्रवे: देनः व्येनः प्रवे: ध्रेम । इः ह्रवाशावाशुस्रायापदा युवा स्ट्री विवाश से दारी शादी प्रमान विवा केंद्रअः श्रुंदः ह्रेन्य अन्यवेः अन्डेवे श्रुंदर्रे देते देते हिन् ग्रीः अन्य प्रेव ले व कुः इना गे। भ्री स्त्री दे। माञ्चमार्थे। भ्री सम्बद्धान प्रदार क्रिया क्रिया क्री प्रदेश क्रिया क्री प्रदेश क्रिया क्री प्रदेश क्रिया क् न्ग्रीयादिरिस्किन्सेन्यान्वावेषान्यस्य स्वरानान्या स्रेसासहेष्ट्राना वलेव-र्-अर्वेद-वर्गायानेय-प्रतिद्वित्रिन्-र्-ब्रूट-व-न्दा वालव-न्द-वालव-नुः ब्रूटः नशः नार्थे विदे दे विदे हिन्दुः ब्रूटः नः निर्मा विदः कुनः श्रेस्रशः निरम् *७*व.ब्रु.४.२८.कॅ.ज.ब्रू.वाश.स.च्यू.४.कॅ.वाश.ग्रीश.यड्रेश.सश.यड्रेश.सर. श्रूर-व-५८। गुव-माने क्रायर भेरा-पर्न मानि क्रायर भेरा-प 

र्वे हिन् ग्रे क्रून से ने नाम में विमानस्थान स्थान से नाम से भ्रामाशुक्षायानभूत्रायाया रहानी वर्ते राजावहिना हेतावत्राया यथा नन्भेर्धिरविरविरक्षित्रकेष्ठित्रक्षिक्षिक्षक्ष्यम् भूवास्त्रकेष्ठित्। हिना हु-द्रम्पिते के भागी भू भू दे की के दिन मि हे दे गुद्रा हु पर्दे निर्मा से दे परि | यर्था क्रिया वेर्षे द्रा हेर् हिया था भी क्रिया क्रिया क्रिया विषय पाता पार प्रेता है। यास्यापळ्याक्षा विभागस्य स्थापित स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप वर्चेर्रानायहैना हेत्रायश्वर्षायानश्वराष्ट्रीश्वर्धाष्ट्रिनायायेनाश्वरायरा यहर्ना ने नमून मिराया में शास्त्रा विष्या में प्राया में स्था विष्या में स्था में स्था विष्या में स्था म चलेव-र्-प्रहेवा-हेव-क्री-विस्था-गुव-र्-हिन-सर-विश्व-र्ख्या-चलेर्। वले नश्चेना केत्र श्री केंश्राया ह्रेन्या सम् स्प्रायम स्प्रायम स्वित्र केरा केश्रायम स्वायम नश्चर नदे शुरा श्रेन सहन पदे श्चे त्रा नश्चे न पदे श्चेर है। महान पह र्थेश रदानी पर्वेराचा वेश ददा प्रदेश हेत प्रदेश या यथ सामी साथे विया डेश.र्टा मेट.य.याहेश.स्या द्रावर.मी.यट.री.स्.क्र्याय.मैश.सरी वेशन्ता मत्तामश्रम्भा क्रिंग्मी भून के के नदिया हेत गुन हु वर्से विशन्ता महाराजवीयशर्येदशः सूर्वे हिवाशन्ता स्वायः सेना डेशमा इस्रा भी दिवान निर्देश स्ति महिला है। इन्हिन्य निर्देश से र्वेगामहेत्रक्ष्याम् स्टब्स्यास्य स्थान्य स्था न्दासळेत्। न्या भ्रान्दाळे साया हेवासायराये दसा श्रेन् छ्वान्दासहन्या न्यासे वर्षास्य स्थापन वर्षा वर्षा वर्षा हिना हो। देशाया हा स्वराह्य स्थान् सर्ह्यस्य दाने निया या वितासमा मान्य प्रतीत स्वीत स्वी

गुवःकैंशःन्त्रेंद्रशःषः अष्ठअः धरः चववाः धः ष्यदः अर्द्ध्दर्शः चनेवः धरः अनः धः यर सन्तर्भ मार्थ हैर है। दे नहिश्र ही क्षेत्र हित्र में क्षेत्र हित्र स्था हित्य स्था हित्र स्था हित्य स्था हित्र स्था हित्र स्था हित्र स्था हित्य स्था हि यक्षराल्ट्रियं मुद्रा मूट्रियावियायक्षयातास्यायायीयासे। यट्ट्रि क्रुव क्री प्रमेया ने या वेंद्र अ क्रिंद के क्रिया के वा हे वा हे व क्रिया है क्रिया है व क्रिया है व क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिया है क्रिया है क्रिया है क्रिय है क्रिया है क्रिया है क्रिया है क्रिया है क्रिया है क्रिय है क्रिय है क्रि विस्थान्त्रस्था उद्दाद्य दिन्दि । क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र दिन्द । स्वर्थ क्षेत्र क्षेत सक्तर्नाता श्रीत्रा क्रिंशायार्थेट्या श्रीतार्ह्मे वायायात्ता अहेत्यात्वा. मैर्याय प्राप्त विकार हो। विकार हो हो स्थाय हो हो से स्थाय हो हो से स्थाय हो से स्थाय हो हो हो हो हो हो हो हो है यश्राम्या विद्यार्श्वेन्द्रियाश्राम्यश्राम्यश्राम्यश्राम्य । विविद्यः विद्यार्थन्यः सून्यन्यः बिर-दर-अक्ष्य । भु-दर-क्रिंश-ह्रें न्या विर्म क्षेत्र में द्वा । अहंद्र या द्वा मेश्राच प्रमुख्या । विश्वामा स्वर्थ प्रमुख्य स्वर्थ के मार्थ प्रमुख्य स्वर्थ । इसरायायत्रकेटार्रित्यास्रे त्रास्रा द्वाराष्ट्रा याव्यापा देवा नसूर्यायमा सद्यामुर्याग्री विद्रामी द्रिया विद्रामं स्वाप्ताना वास न्न्यूर्न्न्न् लेशन्त्। अर्रे यथा श्रुयामन्त्रान्त्रम्य विशासदे सुरार्दे वासा सुनासर त्रया वेरिका भु दे रहा में प्रवित रहार र ८८ क्रुट्र ग्रेडेग्र पदे श्रुवाया सर में प्रतायन स्वीति ग्राप्त विवास पर नश्रवं सामाधीव संदे श्रियात्री देवे वित्तर्मिय नु श्रवं से स्वार्थ में प्राप्त स्वार्थ में यदे श्रुवा श्रु-रु, या से रु प्रदेश श्री र हो। रे प्रदेश रे या स्वर से स्वर श्री स नर्भूरे न खेर मेरे हिरा वर्षिर ग्रेश र्थेटा ग्रेष्ट्र पात्र स्था इ.पर्तिज.ग्रीम | क्र्यमानर.जूटमार्जूट्यार्ज्येर विमानर.यायमा विमानटा व्या. यर्थात्वर्गा क्रिया हैं निर्माण स्तु भी थे वार अर्थ के अत्रिय हो.

न्येयादिर्भ्युक्तिम् अर्थे स्वान्ति स्वानि स्वान्ति स्वानि स्वान यदयामुयाग्री विदार्यदयाशु द्वापा पद्दाचेवा पा केव सेवे के या ग्री विद्या र्श्वेर:ब्रॅंट:वर:अह्ट्र:पदे:ब्रेर:र्रे विश्व:पदे:ख्र्ट:ह्व:अ:ब्र्वाय:घर:घया कॅर्य भुरे अरय मुया ग्री वित्र सूर के वाया ग्रीया नर्भे राजा पर्या के या भू यानहेन्यान्दानेनायाळेन्यविद्यार्देन्यादेन्यावेद्यार्श्वेद्यार्श्वेद् नरः सहरायाया धेवायवे द्वीराहे। देवे विष्ट्रिया वार्या क्वार्य से दायवे द्वीरा য়ৢঀ৾য়৻য়৾ৼ৻ড়ৼ৻য়ৢ৾৾৾য়৽৻ঀ৾৾ঀঀ৻৻৸ৼ৻য়৻ঀঽ৾ঢ়৻ঢ়ৢ৾য়৻য়৻ঀঽ৾ঢ়৻ঢ়ৢ৾য়৻৸ यगानइ गहिरानमु न्रास्ट्रिं र से ग्रास में र द्रासे दि प्राप्त साथित ने ख्रेन ग्रे ज्यारमान्य स्थान वर्षे स्थान स र्राची खुरा सरसा कुरा ही विराव हैं द द्वारी प्रवेर हवा ही ज्वरसा है खेद र्धेन्याने स्रेन्यी मारमान्य स्वास्य स हलादे स्ट्रेन् ग्रे ज्ञान्याद्यायस्य स्ट्रायायस्य स्ट्रायायस्य स्ट्रायायस्य रेर वया कुत अववे नर कर सेर यस ही हैं र न या नित्र परे देंग सेत ग्री-हेत्र-ठत्रेंग्री-ग्रुट-शेस्र-१-त्य-ह्त्य-दे-श्रेद-ग्री-ग्रुट-स-द्र्य-सदे-वर्षिर मुक्त नर्भेर न सामित मंदे हिर् देर वया क्रुव सबदे नर कर सेर यसम्यायम् इत्रुष्ठासु ने व्यून्य में नियं नियं स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स र्शः भूर केवा वाहेश्यः याया वार्के के हे वे हिर्म भू दर रहा वी श्रूया वदे विहर इसशःश्रुषःश्रुरःवश्रुरःवायाधेवायवे श्रुरःहो वेदशःश्रुवे विदर्भःश्रुवे विदर्भः वदे रद्वी श्रुव भ्रुवे पदे प्रदे हिम विश्व र्षिव श्रूव विश्व हिम प्रवित् वासी सराम्याक्ष्रमात्रामध्याविसायाक्ष्रिक्षान्त्राची देवा क्रवा

श्रूगार्भे नर्गेन् परि सर्ने प्यथा नुया क्र सम्यया नि में प्रस्था उन् नि । यह था न्दी नं रन हु सहन्। विश्वास क्या ने निविद मिने में साम स्थित राम गैर्या । इस र्शेय द्वार दर्शे र उद इसस ५८० । दे द वर्षे स ध्व विवस गरेगानव्याय। सिगार्यद्वानानवियान्यस्यायान्यस्याया विया यदे सुरार्देव सामुन सर मया दे निवेद माने मारा सर में सूमारें नर्गेद मदे से दिस्स सुदे प्रदेश मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च प्राप्त मार्च मार मदेः द्वीरः है। वैरिका श्लुदे विर्वर पुर्वे व व व व व व व व व व विर हिर शेयशने न्वान्ता ने व श्रे वावशादेवा सेव ने व वर्ष स्वादन्य वित्रा <u> भुःदेःद्रवाःद्रः व्रवसः वाद्यवाः हुः भ्रूवाः देवेः दृष्णेवः दः वत्वासः विदः वससः</u> गृहत्यासहसामा नविषा पदि दुवा ग्रीसा नव्यासासासा धिता पदि श्रीमा वियाकी दे निविदानियायाया इसमा वियाया द्वारा इताय हिंदा उदा इसमा बेशन्त्र। वर्डेसाध्वाववशाम्हेमा हेसाया इससा ग्री देवारे वन् मुर्धिन यदे हिम् सर्ने वर्ने देने देन निम्याया हेना नर्म रायमा न निम्याया ब्रूट-न-न्दाबिश-स्नाय-नश्रुट्य-पदे-धुर-र्दे। विन्यय-सेन-ग्री-वेना-नब्य-शु-दे-वृत्र-व-वृद्-ध-दे-अर्दे-वदी-द्र-चेवा-ध-ळेत्र-धे-ख-द्रद्-ध-क्षेत्र-धादे-सर्दे-सर्दे-यर मिलेग्रास्त्रीम् स्वाप्त महेत्र त्रा हे । स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स् नन्द्रमानि हो द्रायि सर्दे निवा स्प्रिं प्रयो ही सर्दे स्था वा ह्या वा से स म्रे। अर्वेटर्टे हे अर्मेट सूर विव हु इया यर यर राय दे भा विय प्टा वेजानस्यायया वेंयामाहे स्वाननिव न्याये वितान्य वे त्रामित्र स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र हेर्र्सूर्यात्रा वेश्यादेख्रार्द्वायात्र्यायात्राया भ्रायर्गाण्या

रेशप्यार न न्नु न्दराविश्वर स्वाधार विद्वर सेर से न्दर न्नु दिन खंसाया गा है। तुवै-५ग्र-र्से-५८-इ। जुवै-अज्ञैव-ध-कृ-तुवै-र्सेव-र्से-५८-धर्ह्ने-कृ-तुवै-५अर-र्थे :श्रेन्य श्रुः श्रूटः नदेः श्लूदेः रूट्यायाया धितायदेः द्विताते। श्लूप्टियाया र्सेनार्यास्य स्थान्य विदेशमानुषानुषान्य स्थानि देशमान्य प्राप्त विग्रभार्शे । ग्रावदायमा अर्दे यथा श्वा श्वा रहतायशास्य स्वायर्धे साम्याय श्रृगान्तुश्रः सुंभे रे रेरान्त्वाशासरास में हरें। विशास स्था यायश हैं :क्ष्र-:त्रसःसमिय:क्रु:नदे:प्यसःपः:यहदःग्रातुग्रसःनवित:नु:ब्रुन:य:सर्वेदः। वेशामदे नर नर दे नविव र वेगान स्थायश ग्विव र र ग्विव र स्थर नसूराक्षरावारे व्यामार्वे दाने दाया सर्वे वा विशादमा द्राया सर्वे वा दस्यायारा सु सुन ग्रीया सुना शुराया नर्से दास्या हैं उत्र हस्यया ग्री द्वाद नःश्चेरःवेदर्गेरःग्चेःवरःरुःश्चःर्केषायःग्चयःयरःश्वेतःयहरःय। वियायः इस्रा की खेट हूँ ये साचीय सर हता सूर में में ने स्वरित की स्वर्ध साधित सदे भ्रिम् देम बया नित्य ग्रांच भ्रें म है । हिंद ग्री में भाम खु खूत देवे भ्रेम यहाम हमान्यो वर्षे रहेश मन्तर विदायमा भ्रम में रावेश यंदी सेस्र उद ग्विम प्रविष् वेस द्वा विष प्रवेश प्रश् विष्ठ सेस्र न्यवःन्दः कृतः विकान्दः व्याः विवानाः यात्रितः व्याः विवानाः न्याः विवानाः विव वर्त्रभासराश्वरावादरा विभादरा हे हु सम्भानेगावस्था सूरावादेश गर्वेर-होर-ग्रार-श्रूर-नमा वेस-मदे-सुर-रेव-स-ग्रुन-सर-नमा दरेदे-वर्षिर-र्-शुर-पवे ग्रुट-शेस्रश्रह्म श्रिक्ष श्रिवा श्री न स्वाद विव दे व्ययः ग्वित्रः नुर्धे दुरः नवे धेरा दर्धे ग्रुनः है। वर्षे रहेश मा ग्रुटः वसग्रास्त्रः

स्वा वी स वर्से र व धेव परि होरा विक्रा वा स्वा वा हो स या वा विका या विका या वा विका या विका या वा विका या विका या वा विका या वा विका या वा विका या वा वि ৾৾য়ঀ৽য়৽৾৾য়৽য়৽ঢ়ঢ়৽য়৽ৠয়৽য়৾য়৽য়৾য়৽য়য়৽য়য়৽য়ঢ়৽ঢ়৾৽ৠ<del>য়</del>৽য়৵ঢ়৽ मदे: भ्रेम श्रमाना त्राया वर्षेया मार्थिया श्री मार्थित हो। मेरि विर्वेषा स रे। ने वहते केंद्र अभूने केंद्र अभू कुर न जिस होर न न हा श्रुष अभू के त है। ग्रावर र ते विरुष भीते प्रवित्र र पर्वे निर्देश भूत र है वे के भीते हैं में र्सेनाया सेन्यते हिन्द्रा देना सेन्यू सूना से नर्गेन्य में अपने हे ने न्ने बेन्-मदे-धेन्-व-साध्याक्षी देन्। सूर्या-में-चर्येन्सदे-सदे-स्या देवा सेव क्ट्राम में म्र क्वा शाया विकास विकास विवाह । प्राप्त में विवास मे वर्चेर्यस्य न्या स्वेतं । सन्नु स्था वर्चेर्यस्य स्वा वर्चेर्यस्य स्वा वर्चेर्यस्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं मिं चर सूर्या से रेर वर्षे वस्य विकास दे नर की कर कारा के दे से प्रवस्था बिरायन्तर्भवे त्यवात् दे भी भी स्वार्तिया विरासिया भी सा क्ट्रायाकेत्रार्थे म्याया यह स्टायम् स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया |र्से ज्ञरःश्रूना र्से हेर पर्से प्रमा | श्रुन पर हे ना सुना परस्य में | विश मुश्रुद्रश्रांसप्तदेशस्यद्रशाक्तुशाक्षीःसबुशाक्षदःदेरप्तर्वे ताविमानवदःसदेः मुन्ति। अर्थामुश्रामुश्रामुश्रादर्मेद्रयावेश्वादेशयायायाद्रमेशयावेगार्थेद यदे हिराहे। अर्था क्रिया ग्री सह्या नारा वना है 'द्रमा क्षेत्र हैं हैं या अर्था मुर्भाग्री सञ्जूर्भ विस्र साम्युसार्से वस्य एउट् ग्राट्स रासुदे सिट् तु रे रे रे सर्दिन शुस्र नु तर्वो न शुना मदे शिमा श्रेषा मुना मुना ग्री मानु र ने निया मी सा श्रूषा अन्मून्य प्राचीता वेर नवर से विष्ट्र प्रमानिया निव्द रे निवा नी सार्वेद्र स भुं बुर-ए-नक्ष्व-धवे धेर-हे। बेग-नक्ष्य-ग्री-मित्र-भुं पक्ष्य-ग्रेन

यार विया हिन सम् कुर हा गुव यावे पर्दे न से पर्दे न न न न से सम् ही है। न्त्रिंश्यदे हिम् विदेशया श्री न्दर्भ व्याप्त है। हेवा नह्या या व्याप्त र्शेन् ह्यायायव सुरहेव धेन हे जिन्ती सुराया धेन वे वा सुर्वा यो धेन हैं। बेशर्सिन्स के हिंदि हैं दिन से दूर के दूर के कि कि हैं के दूर के ति हैं के कि हैं कि है कि हैं कि है कि हैं कि है कि हैं क यदे हिराहे। देवे हे अरश् श्रुषा भ्राप्त हैं के दे भ्रवे हिरायर हैं नहिर ग्रीसानन्द्रांचित दे सामना मेना नस्यायमा सुवानदे सुर्दे दे मे र्रे में देर भू संभी ता वे ता कु नकुर ग्रे भी में विश्व से ना स्वार से प्रेर है। वर्नेश्राने द्वारा न वित्र वेना न स्था शुः वेदश सुः हैं न सुः वश ग्रीस चेना केत् ग्री पर्चेन ग्रुदे नार्चे में ना बुनास भ्रुप्ट नर सन्मत्र पर वितः वार्डः वें प्रेवः प्रवे द्वीरः है। वेवा वस्य प्रया वेया विया विवासक्य हिन ग्रम् निर्मात्रा विभार्भग्रम् ग्राम्यात्रिम् विभार्भग्रम् विरुप्ता भीतु . ली ८ मी . इसा सम् भी भारा है । लार हे भारा खे . के दा मी . विरुप्त भी . धीव वेर वै। अपिश यापि केपाव रो दें वा देवे विर मी वुर से सर्थे वसम्बारायवराद्मसाने बामाईमायहेमात्रुनायरात्रया देबायायाया गर्डे में यदर इसलेश गरेग पर्देग द्वारा परे ही मा हगा पर्दे र वा क्रांत्रा अदि देश के शामी विक्रा का क्रांत्र का क्रांत्र वा क्रांत्र वा क्रांत्र वा क्रांत्र वा क्रांत्र वा बला वर्रेर्, सद. ब्रेरा वर्रेर वा रेद. इस लेख ग्री विरंत्र प्राच्या स्था नेश खेंद्र यम त्रवा वर्देद यदे दीम वर्देद त्रा दे केंश उदा हिंद शे वर्षेम 

नावन : भर देवे : इस में श शै : दिन : स्था क्षेत्र : न र श शै : इस में श न रे न : भे र यर वया श्रीय यर अरगी स्थाने अरथे द दे दे दि दि दे र अरथे द स्था सामित मदे भ्रीमाने। देवे प्रविमान्नेना नरुषा ग्री गुमारे बेसा मुना प्रविम् ह्रम्यास्त्रा हिनःस्री स्रीनःनडसःग्रीःग्रहःसेससःनेःन्नाःगीःनहम्यासःनेतः वर्षाव्याव्यावर्षा कुः विद्रायि द्विया वाश्यायम विदेश सुराधी उटा लटावान्त्रेय विट्याभ्रदेष्ट्यानेयायादेयायाव्यक्टानराच्या याप्तिः हेना देवे दिवः इस्रिन् स्वान्ते सामा सुरक्षे साधित्य प्रमान्त्र मान्या देवे हेन मान्याया श्चायानेते भीता वर्तेन्ता शेश्वराष्ठ्र श्चायत्र श्चा श्चेशायत्र श्चा श्चेशायत्र श्चा श्चेशायत्र श्चा श्चेशाय यर वया देवे मा व्याया ने वे से देवे से वे या प्राया शुरु व से श वियासमात्रयात्रा होमा विष्ठेव क्रिया सुर्था सुर्था साथा थ्रा स्वापनिया वियासमात्र्य स्वापनिया स् त्वर् नेरावा दे त्वर् पर वया केंद्र भू दे देश या खू खू व सक्व हिंदा खू यश क्रिंश में मिन प्रति के सक्व हिन स्था स्व निन प्रति हिन स्व निन नि देशासाक्षाक्ष्यां में व्याद्या हिंदा हिंगाया सदी सार्वा स्थान हिंदा सदी स्थान सदी स्थान स् मुना पि.क्रम.य.मी क्रूट्य.सेयु.प्रिम.मी.चिर.युम्यायायायायायायायाचर. श्रेश्रश्राच्युः यादवदाविषाचीशाद्यवा वेराश्राद्यदायराच्या वित्राः भूते वित्रायदर या वहु विते ह्यार से स्राय वित्र ही से वित्र हो से व इसमा वेमन्द्र। वार्मन्त्रेरायमा भूगन्त्रेत्वी नवेद्रायापरामान्यः गायाम्बर्यासाधिता वेरार्बेदाम्बरायम्याकराष्ट्रियार्मे विश ८८। भ्रुवसावर्षे वर्त्त्र द्वारायसाग्रदा सावद्वारायान्त्रसाहस्य ग्रीस

| दे : भृ: तु: भी: भूरः वा त्रे वा श्राप्त विशः वा श्रुट्यः प्रदे: भ्रीर् । प्रदः विश्व । तुः त्रेग रटः अट्याक्त्याक्त्रवार्ष्ट्रयाञ्चेताञ्चेताञ्चेत्र्येतायेयया उत्तर्यया वाक्स्यया हीः नर्भेर्वस्थासासुर्यामानर्षेस्ययामानदुःद्यूराग्रीयान्तरामदेःनाश्चाम्योरा सर्नेनानी तुःनानिकेना दशुन् दे निवेद तुःन सूदे तुःना सासु सामिति नर्सेन वस्रभावकुरव्यूराग्रीभाद्ये ग्रुद्रान्वदार्थे ग्रिक्ने व्यून द्ये ग्रुद्रानकुर इते नर्भे न त्रम्भानम् । दशूर ग्रीभाभी भार्य केत में दे सक्त न बद गारेगा त्य्या तकर्तत्यारामा अवाराये अक्षत्रामान्य क्षेत्र विश्व स्था स्रीतः द्युरःग्रीयःसर्हेरःशुःगेषयःदिवादय्वा देवेःनर्येरःदस्याः सूरःदर्युरः ग्रीसास्याम् सार्था मुक्षा मुद्देया हिन्द्र त्या है देवे नर्स द दस्य माद्र सार्थेद वङ्गायम्यामुयाग्री वाश्वराद्यर्याप्यवाया द्वा दुः वयुवासे। देव केवा वर्षेट्यायम् रूट्यूम्याम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् स्राम्याम् श्रुम्प्रमा विकासक्षा यदायमा द्वा द्वा द्वा स्था स्था स्था विकास दे न गश्रम्भ नेमना दें ना ने सूम प्रभावे न में ने में के के न प्रमे न में निष्य याधीत्रायम् वर्षेत्रायदे श्रीमा वर्षेत्रात्वा अद्याश्चर्या सर्व्यन्ते इस्र भी की नमूर्य देश में किया है दें में किया है दें न में किया है दें न में किया है है । धेरा वर्रेर से त्याने। गर्या ग्राम्ब्या से र र रेवे स्ट गर्य ग्रावी से र्देर-वर्ज्ञर-वर्ष्याधीव्यविद्धीर-हे। देव-क्रेव-वर्षेर-वर्ष-दर्शनान्यशा दे क्ष्र-अदशः मुशः ग्रीः पॅवः हवः वश्चनः यदेः वर्शे दः वसशः स्वदः से दः ग्रदः हैः स्र-प्रदेगाहेव प्रदे नर्भे न वस्य दुंग्या न हुर हो या या सास्या प्रापान हेन मर्दे। विश्वानश्चित्रामदे श्चित्रान्ता सर्दे पहुनाम स्वाया दुः सायशाग्चर

बुन भवे न शुवे तिर तु रे रे ग्रुर न के र वस्त्र ग्री कं र न बुर के तु का सर माश्चरमायार् होता वि.क्षेम मक्ष्यात्र प्रत्ये स्थमायार् सम्भाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थान र्वि'त्रश्रावश्चरानेरात्। वें'त्। दे'द्वार्क्षेष्रश्रामानेश्रासनराष्ट्रीत्रापदे प्रत्रश तु'स'भित्र'यर'त्रया दे'नर्सर्'त्रस्था ग्रे'केंग्रामि'त्राप्त्युन'पदे श्रेर वर्रेन्सी त्राने। ने कें ग्रामाने रास्त्र स्थित सदे ग्रामुग्रा में भी प्रामेत हीरा पर पर कि के विषय महिला ही कर महिला महिला है । वदे यगा हे अ यश गुर ने र त्वा दे से प्यन् पर मणा सळव दे पे रे रे सर्दिन्शुःग्राप्यसःविद्याग्रीः।विदेवान्गरानःनःनः। ग्राप्यस्याविवानःनःनः। अविरक्षे सहेराकिरान्नेयाम् अविरक्षे सहेराकिरानेयाम् निवाहारविष्यानान्या विनासम्बराधसामानुनाने सेसामानविवाहास्री वानुना गी'लग्। हेश लेव परे दे रहे। यहें हे नभूल नवर लगा क्षेत्र सळस्य ग्रे सिंद्र श्रु न से दूर दूर दूर न्य के हिर दूर न मूर न के श्रे के प्रदे प्रवास नुद्। वित्तराश्चादिवानाने द्वारा विस्तरा हो स्वादी विस्ति विस्तिया ग्रीमामी में त्रामाने नार्मे द्रामाने प्रतामान माने प्रताम मान वश्राशी वश्रास्त्र । भीव मुन्य वश्राम वश्राम वश्री वश्रास्त्र वश्र वश्रास्त्र वश्र वश्रास्त्र वश्र वश्रास्त्र वश्र वश्रास्त्र वश्रास्त्र वश्रास्त वश्रास्त वश्रास्त वश्रास्त वश्र वश्रास्त वश्रास्त वश्रास्त वश्रास्त वश्रास्त वश्रास वश्रास वश्र र्दिन् सबद प्रश्नाम् । विश्वास्य विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास । गश्रम्यायदे भ्रम् गविष्यापरा कृतः त्रायायमा हे स्मारे से से भी | मान्त्र-५८-मान्त्र-त्य-साम्य-५-५म् । डेय-५-५य। मार्चमा मार्चमा स्थाप ग्वितः र्शेटः शुरुषा । दे वे खुया ग्वितः र्शेटः त्र राषा । दे साळ टा श्री रारे र्शे दे। जिंद्यम् वस्य उर् जिंद्य हिंग्य पर्व सि व्यूर विव विय द्वेर चुरुर्भा | दे स्वरुप्ते चे द्वाराधेत ना । श्रेत दर द्वार विवरूप विवरूप

र्भेगम्। । इस्रायागुराग्री सर्केना ध्रमाये। । क्षेत्राय हेना ने ना नुगमा स्रा यर्हेन्। विश्वासद्यान्य मुस्याया स्वीत्यन्य स्वीत्या विश्वास्य स्वीत्या स्य <u> नश्चिरः सद्यः मञ्जूमारा प्रदेशः नद्यः स्त्री वाया प्रदेशः भी याया सुमा वाया सुमा वाया समा</u> য়৾ঀৢয়৽ঀয়ৢ৽ঀয়৽য়৽য়ৢঀ৽৻৻য়য়য়৽য়৾য়৽ঢ়৾য়৽ঀৢয়ঀ৽য়৻ড়ঢ়৻য়৽ঢ়য়৴৽য়ৢয়৴৽ ग्री मात्रम्या हिंग्या सर्धा द्या ना सामित्र स्तर भ्रित तुमा से मारे मा सा ळ्ट. व. श्रटश्र क्रिश क्री. वा बचाश श्रु श्रे त्या व. त्र न स्वतः रा. श्रं लेव. त्र दे हिर है। अळव निर्मे ने ने त्याने वे श्रीमा यम निर्मे अळव निर्मे ने निर्माय के मार्थ ग्री:क्रु:वार्ड:क्रे:क्रुट:ब्रूट:ब्रूट:बेट:बोट:बोट:देन यर्ट:बूट:य:यय। नेय: र्यायेट्यं अवायेट्यार्स्यायेद्यायेद्यायेद्याये । द्येव्यायाय्येट्ययाय्यायेट्यया रेगायर तुरुषा संभीता विरुप्तरा र्शेन्य द्वाप्य स्था प्रत्याप्तरी नग वस्य उर्दे । वियास्य ने यास्य देवार् ग्रास्य । वियास्य प्रास् वन्नद्रायम् नवा र्स्नेन प्रवेश्चेत्र स्वाया यम् स्वेत्र त्रया सम्यास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य क्रूर-क्रुर-ध-दे-प्यदःवेश-रवाक्ष-रवाक्षश्चार्यः धीव-धवे द्वीर-हे। यळवः र्ने इस्र विष्युन पाया के विषया विषय विषय के सहस्र साथित प्रति ही राहे। हिंद्राची द्वाराय विद्या स्थित स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप सर्वाचेरा यायमान्तराम्सममाग्री रदासर्वा सेरार्वे प्रीतापदावात्या चुते-द्यदःवीशः श्रृंदार्से :श्रृंवाशःशुःश्रूदः यः धेदः चेरःद्याः द्वाः द्वाः स्वः स्वः स्वः द्वाः देवः स्वः स व्यन्ते। नर्से वर्षे व युन्यवे यम्यायायायायाये रायर्मे मार्के या उद्या वि र्देवाः धेवः यसः चत्या असः वें धेवः यदे : द्वेतः व वें वस्ता व्यवेतः व वर्षेतः व व्यवेतः व वर्षेतः व वर्षेतः व ने के अञ्जा मिन्या अधिवासमात्रया नेपानु वे भ्रेष्ट्रे अकेन प्येवास वे स्थित है। कैंश उद देवे धेरा हिन हो। यनश्रामा मेर सर्मेन प्रमाश साधित मदे हिमा नेम बया खड़या कें न में खड़या धेन मदे हिम है। खड़या या नहीं

नःगशुक्राक्षर्भः नभूरायवे श्रिम् गहिकायायायाया गर्ने नारे के त्वरायमः वया शरशः मुशः ग्रीः सरः सर्दे वाः से सः से त्या वात्यः वात्यः से दः से सः से सः क्ष्यासेन्यते स्रीमाने। सरसामुसानेते मराने सर्मा सिन् स्री मिन्यो मिना नित्र नुःभ्रेन्ययम् अप्यान् ने मन्त्रान्य मुन्य से भ्रम्य निर्मेन स्यान निर्माय स्थान धेव। ग्ववरक्षे श्रूर नवे कुं बळव से द मवे हिर दर्ग देवे र द सर्वे गुरुव ग्री मार्चमारा भू ने त्यामालव ने त्यान्वमारा भू लेश र्श्वेरा याया नर्गे राया पर्य यदे ही । व हे म भु हे ह के न स्व ह है न मन। । हे स यदे ह के न ने विराकुः में प्राचित्राया में प्राचेता में प्रीप्तिताया में प्राचित्राया मे अदि र्रेट् अन् अवस्य यायापर कुर्जेट् बेर पर्ट्र आयापर कुर्जेट बेरा विद यं पर श्रुर वयान वर केंगा रादे हिरा दर में नुवा से। श्रुवा राद में रिया म्व त्यमा व में दे न्य प्र हे सु सूर्य है। इ दे यह या है है न द्या वर्डात्र भुः श्चन्त्र भुः श्रृं नः स्तृ सहस्य पर्दा विशाम् शुर्य पर्दे हिन् गहेशरा गुरु है। दे हे दे तथा धर द वर्दे स दे ह में द है। वेश गहर श यदे हिम् गश्रुम माज्य भे। गर्भेम प्रदेश प्रभा भीत हार्जे प्रमुक्त हिन ग्रान्याची वेशन्ता देव ग्रान्याचे न्यान्याची नर्गेन्याम स्थाने विभागशुरमामदे द्वीरा धराव हेन सह रायमा न्यार द्या सळदा ही. त्रशाचेर्या विशामश्रम्भायाः ह्रमानभ्रमा क्रियाचीर शामिश्राचीः नर्भेर्वस्थान्दराधे लेश ग्री किंग्या हैग्या द्यारे हेश नञ्जायान नश्चर सक्तरनिवे क्रुरकें वारा वाहेरा है वारा पर हो न हे हो है पदि है। नभूष'न'नकुदै'श्<sup>-</sup>र्रेष'त्रशत्त्राह्म'स्य'नशु'श्लेष'र्शेन|श'ग्री'नर्शेर्'त्रस्य'र् लेल्याग्री केंग्राह्म व्याप्य मान्या वेगा केता से वाया देया थी. <u> २२८.२.चेश.सदु.चश्रेष.कुष.कुष.चंरश.सु२.वश्रिश.कु.कू.वश्राची.कू.वश्राची.कू.वश्राची.कू.वश्राची.कृ.</u>

यदे हिम्। ह्यायापया पर्ने न्या ने नुयायया सक्तान्ये हिंगाया याया श्चेतःश्रवाशःग्रीः स्वाशः ह्वाशः सदेः वादः ववाः धेदः सदेः द्वेत्र। हवाशः श्रदः। हिन है। इन्नर देखासळवादी मारामारामी अन्यासरा हेरासदे कुमारा धेवा दि:दर:दे:वे:रन:ह्र्याय:संया । यळवं वे:वे:देन:द्या:धर:द्या:वेश्वा विभागश्रम्भामवे द्विम विभाग्ने त्वामानश्रमेषार्भेषार्भग्ने स्वामाने र्राने ह्या या या स्वा वित्र या वित्र वित्र स्व वि सक्तरे दिर्दे वर्षे वर्षे ही रे दिर्दे के राम हिंगे का निका र्श्रेन्थानी सुरार्देव स्प्रिं प्रदेशीय केन्या वर्ष प्रदेश स्वाया स्था है गुनःमश्यस्त्रमुनःन्। विशन्दा सस्त्रम्। भूनःमरःग्रेन्यदे कु ग्रां धेत्र या दे र ता हु हिंग्या यथा यळ दा शुया हु ह ग्रे शिया दे प्रां दर्ीट.हू-। । षुर्यायशिट्यायषु:हीरा लटाय.क्या ट्रयायाका.ह्यायाया वर्षानवना सदी मानुनारा भू हो। वेरिया भूदी सळव हिन ने स्वा वर्रेर्प्सरें भ्रेम वर्रेर्म् वा रे महिकार्येर्क्स भ्रेंर् हेंग्र वेकाय के मा बुर ग्रे केंद्र अः श्रें द्वार पर्देवाय राष्ट्र वाय विद्वार के वाय के वाय के वाय विद्वार विद्वार के वाय विद्वार विद्यार विद्वार विद्वार विद्यार विद्वार विद्वार विद्यार विद्वार विद्यार विद्यार विद्यार वि क्र्यातासूर्या होरे ह्याया क्ष्या ही कार्या या या या वर्षा तर्या सह होरा पर र्वि.य.म्। म्रा.च.क.र्य.क्ष.च्य.य.द्व.क.य्याञ्चयाञ्च.यहेवा.च्या व्या देशमाञ्चानाम् प्यान्येन सदी कंत्र स्वाने वर्देन सदी हो न वर्रेन्त्वा ने न्वावार्धेवाश्वात्रश्वार्थेवाश्वात्रवाश्वात्रश्वात्र्वेत्वा वर्देर्सी त्याने देश्वरार्धे म्यान्य पर्दे मार्यते हिरा मानव परा देखा श्रे ख्व मर्दे क वर्ष ने वर्दे वा पर वया वर्दे न परे ने वर्दे न वर्दे

क्षियायासु से से दायदे का द्या पर्दे वा पर प्रवा विष्ट्र से स्वा है। दे अःकैंग्राश्रःश्रृंद्रायदेः कःद्रशःदर्द्रग्रायदेः श्रेरःहे। ग्रुस्रशःयशा द्रयगः सेदः नस्याप्यास्यानाधिया । सेस्याउदार्देवागुदासुनामादी । विसामासुन्या यदः द्वेर लट्टायः द्वय देशायः कं कंष्यः क्री. क्र्रं श्री क्रिटायः दे व्यट्शः श्री. धेव वेर वा दें वा दे नुषा देश पार्विर पा है और सार्श्वे देश ग्री पर नत्ग्रामदेः भुष्वेत्रम् प्रया द्यान्यत्यव्यत्वद्यत्ये स्रेम् वर्देद्ये तुरा है। दे श्रेंश्रश्राच्या श्रीवाया प्रतासी वार्ष्या प्रति वार्ष्या प्रतासी प्रता र्सेनास-दर्गेस-मास्वि:केट्-ट्राश्चयानदेःसुनाहत्-ट्रानत्नासामासे-नेतेट्र मदे: भ्री मेना नसूर्य त्या वा वा महित्य हैं निया समाव मुमान है । वि यःश्रः वर्द्देनः वर्ष्क्षेत्रा । यद्यः क्रियः वर्ष्क्ष्यः यः वर्ष्क्षेत्रा । श्वेः न-नश्चेत्रपर-चु-नदे:धेर। । शॅं :शॅं र्रा नर्डे व न इस चुदे :धेर। । धूर-त् लूरमाश्रीश्रुवायदुःसुरा । यरमास्यास्यमानुःश्रुवायदेःश्री । यान्वरु नल्ग्रायरक्षेत्रवेद्दी विश्वाश्रुद्यायदेष्ठिय देत्वेद्दर्द्याय मुन कर मार्थेर मर मया वर्रेर मदे मुरान माहिया वर्रेर से नुसे है। ब्रैंग'नसूर्यायय। यायर हैंग्रयायर गुर कुन सूँद्र। यायर ने निवेद ह्या न्दः वन्या । द्राया प्राया प्राया प्राया प्राया । दे । विदः विदः वा विवाय । हवा । विदे भा विशागश्रम्भागवे भी

भ्री श्राचन स्थान हिंद्या स्थान स्यान स्थान स्य

महिश्यान हो निर्मा भी के राज्या नही स्वार्थ मार्थ निर्मा श्रुयान्हेर्द्रग्यार्ग्यः न्दर्ययान् श्रुर्द्या ग्रीप्रत्वेर्द्रविर स्वाया ग्री हिन के भारती में नियान है। या नियान स्थान के स्थान है। स्थान स्थान है। नवि'न्र-नेवे'नन्गाः क्रेत्र'यशः शुर-नवे'यें रशः श्रुंनः हें गश्रंपवे श्रुंन्ने श म्बर्यामहिर्यास्त्रित्राचित्राही नित्तामी वाली स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स यार्ग्यद्रशार्श्वेदार्ह्म्याश्वाराये स्नूरायस्त्री सर्देश्चे स्नुतायशा वेदिशा र्श्वेन हिन्य रायदे सम्या मुर्य हिन्। पि लेया ना नुन्य नहुन प्रमुन हिन्दी र मि वियान्ता उद्यार्गिया नेप्नार्गित्यार्श्वित्रहें न्यायास्त्रीति विष्ठेगाये क्रूट.लु.चेश.बटा क्रिट्श.ब्रेट.ह्र्यशतपु.से.ट.ह्र्यश्री ट्रि.लट.ट्रे.ज.की. वेराधिमा विजयायम्या वेयानमा वर्षेत्रायास्यिकित्योन्यायाः विवास त्यश क्रूटशर्झेटर्झ्यायायदे यह या मुया ग्री सुप्ये प्येट या वेदिया र्ग्नेट.ह्याय.तपु.यटय.भ्या.व्या.विय.विय.ट्रा याग्रन.पत्रीट.पाया वर्ने विद्यासूर न्वर्ग व देने देते कु धोव प्रया है के देते न ये प्रयानवित्ते विश्वाश्रह्णसंदे भ्रेत्र देशक नेश्व वर्षे के निष्क निष यर.भ.वर्। देवु.रेयर.लेश.क.लर.लेक.क.ई्यश.सर.क्रूरश.क्रूर.इर. भुःधेवःमदेः कःवयः वेद्रशः भूरः न न न या है। उड्डा वे स्था दनदः वे खः थे इसक्राचारा हि.वे.स्राक्ष्र्र हिन्या सुरार्से विशाम्सर्य स्री

ह्वाश बुर वाहेश या नद्या प्रव्या विद्या श्रीत हैया श प्रवे भु दिस वाद्या यावे। इत्तरा अळवावे शुआ इत्यावेशा श्रेम्य प्रार्टी द्रवे भी श्रेशा क्रिंग्याह्मियावर्ष्ट्यार्श्वेट्राह्में दावी । श्विट्राक्ष्यार्श्वेययात्रेययाकेद्राद्वेयया |क्रिंश'यः क्रिंग्यायें द्या स्ट्रींट्र श्रेंट्र श्रेंट्र पादी | विया पार्यु दया सदे श्रेट्र पार्वियाया यसन्भून् द्वा ग्री भून्य न्त्री व माने स्थान में स्थान में स्थान में स्थान स्य ग्रीः हैं वाया या क्रें दार्थे राजी वें रया भुग्ना प्रार्थित है प्रया हो वा के दारे वाया देशरान्द्रः क्रुन् ग्रिया यदे विद्रश्रे भून्द्रः गृहेश श्रेशक्ष स्टर्गे हें गृश यः श्रृंतः श्रॅटः नी व्यॅट्यः भ्रुः नाहे यः दृटः नाशुक्रः व्याचे श्रुक्रः विद्या नाशुक्रः यः श्रेः वर् न र्नुन नी न्ने कु र्थे न ने व्या क्र न से समान्य दस में विष् क्र न न न नुदःकुनःश्रेयशःद्र्यतः र्ह्वे व्येषः श्रेः चदः सः सः नुदेः नुदः कुनः श्रेयशः द्रेदेः वर्षिरः इन्द्रान्य व्यास्य सुन्द्रन्ता वेषाद्र वेतु इन्य स्वास्य यशः गुनः परिः विदापस्र सः इत्रापिः वरः द्वा विद्यः भुः देत् द्वा से द्वा न्गरन्तें स्वायास्य स्वाद्धः विद्यान्त्र प्रदेष्ट्रा स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व यक्षेत्रभेदिःक्ष्रभाष्ट्रान्यास्याङ्ग्वारायम्भेत्रभार्श्वेन्यविःन्ता वर्षिमाश्चेः निर्वाद्वित्रम्भायावे सामित्रम्भामित्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम्भान्त्रम् वर्षास्त्रवः प्रशानि निर्माति । स्त्रिम् स्त्राम् स्त्राम् स्त्राम् । द्वार्षे द्वार्भा द्वार र्टा ग्रेम् स्वास्त्रिम् स्वार्ट्या द्रिन् स्वार्ट्य म्या स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्व ग्रदःर्श्वागुःर्श्वेवायसाददःश्वायाः हेदःश्वायाः श्वादः स्वार्णेयाः ग्रीयाः स्वार्याः भादेः न्यानी भ्रासळव र्श्याया ग्राम् से त्या विमायस्य ग्डेग्'तु'य'णर'वि'र्देग्'से'दर्'नर'न्यसम्ग्रीस्से'विना दे'न्वेदर् <u> द्वीत्रश्चर्गेद्रायः श्रेष्यश्चरक्षेत्रः त्रेष्ट्रेरः हे। श्रद्धः कुश्यावेषाः वीः</u>

र्श्वेन'यम'न्ट'यमेन'म'ग्ट'ग्रुम'म'ने'म्यरम'मुम'नमम'ठन'ग्रीम'ने'र्निन होत्रायाधीताते। तेरभूत्तु। यर्देरशे क्वतायय। येंद्रयार्श्वेतर्हेषायायवेर पिस्र ग्राम् है। विश्वादा देवे विद्योयायायश दे या विद्या हैं देवाया यात्रीयहेषाहेत्राम्भीत्रयात्रयात्रयात्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र र्शेवाश्वास्त्रः वित्राद्वेति स्तर्वे । यदेशान्ते । वित्रास्त्राः वित्राः वित्राः वित्राः वित्राः वित्राः वित्र रा.श्रे.क्र्याया.क्रॅय.क्ष्या.लट.क्रॅया ट्रेश.य.ज्राटश.श्रे.वश्रथा.कट.शटश.क्रिश. मदे बिट विस्र अर्दे वा से दरे प्यट वहे वा हे द की विस्र स वाहे वा वी दें वा से द वया अरशः मुशः ग्रीः विदायश्या गरिया में दिया से दास धिदा है। भ्रीयाश वर्ष्वरे रे रेदर दहेवा हेव श्री विस्रकार्देवा सेव सम्बद प्यकास दरा श्रीवाका यद्वेदे : व्यान्य : व्याव्य : व्याव् गुवार्येदशः श्रुद्रिः ह्वाशासदेः श्रुद्रायळंदा कु. वार्वेवा स्वित्वा वेदाः वित्वा वेदाः नःलरःक्षेत्राःश्रान्तरःचर्याःक्ष्रा विश्वासःश्रान्तरः वे क्रियःश्रा क्यासूर कें भाउवा हिंदाय में द्राया स्थान वेगायाकेत्र रेविः कें सावा हेंग्रसाय रेविंद्सा श्रुट्य स्थात्र वेदिसा श्रुट्य हेंग्रस यन्ता र्क्षेषायापियाययायार्थेनयाययात्रुत्तरान्तार्थेन्त्रम् ब्रेन्यन्दर्क्ष्यः इस्यार्श्वेषाय्यावः शुः वियावहिन्याधेवायवेः ध्रेनः है। हे यर्थ्य य्वेष्ठ प्रमाणमा मूर्य स्वामा स्वास्त्र माना स्वामा स्वास्त्र स्वास्त् डिसन्दा दरेने के साईवास वेदस हैं दायी विसन्दा सरें है के त त्यश व्राट्स हिंदि हिंग्या राष्ट्र यह या हिया है । विया निया हिंगा केत्रके नर लेट्य क्रेंट्र हिर्वा वियागश्रम्य पदे हिर्वा

यव्यात्र्यात्यात्र

न्येश्वमुद्या इत्वेश्वन्यानुष्यन्ते वित्रदेश्यास्यान्यः विद्वार्यस्य वसवारामा वानुषानुदे वार्डे में त्या हैं राने कें राने राम होवा के दानी कें रा चल्यायायात्रस्ययाधिवायादेवे द्वीत् कृताके क्षेत्रस्य स्रमान्यत् दे स्रमान्यत् न्वें अ हे नावव इस्र श्रा वें द्र अ भूदे भ्रायदर ह वसुय से नार है अ र्देवाः श्रेवाश्रां सादेशः ग्रादः द्युश्राः स्रोदः श्लाः सळ्दः द्रवेशः वज्जुदः सादे । द्युद्रः सेः श्रेन वर्षिर रस्य या ग्रुर वसवाया शुर्य देया ग्रुर इति वार्या ग्रुरे वर्षिर तारा पर्वेत प्रित्र से स्था स्था के साम्या स्था साम्या स्था साम्या स्था साम्या स्था साम्या स्था साम्या स्था साम्या साम्य साम्या साम्य साम्या स षः ह्रिन्यशासर वेदिशः श्रीता द्वारा धीवा प्रदेश श्रीता प्रदेश स्त्रीता स्त्रीता स्त्रीता स्त्रीता स्त्रीता स्त द्रभायान्त्विम् शास्त्रीयायानानीयाग्रहासानेयानान्त्विम् न्यूर्यासदेः भ्रायळवर्रियाम्बुवर्यारे विद्यूर्या श्रेत्यवे श्रेत्र हिम् ह्याया बुर्यं दर्शे चुँन स्रे। देवे : भ्राख्याव देवा द्वीनय स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स नविव राधिव परि में राहे। सर् रिट मेगानसूरा मुदासार्शियार राहि देवे भ्रिम् गहेशमा गुनाक्षे प्रमुशास्त्रे भू दे क्षेत्रमा विषया प्राप्ति स्वासा क्रॅर-वर-५.वा५वः चुदेः ळ५ सम्भासक्रें र विदेश हवामाविमाया क्री देवे विद्रार्थं स्था सारे सारा सरा सरा मार्चा मुखा मुद्री विद्रार्थ सारा सारी सारा मारा वेग र्यूमायदे गर्या चार्या चारा व्याप्य मार्थे मार्थि मार्थे चुरार्ट में गुनः हो देवे वर्षे र उसाया र र मी ह्याया नवे हु। यह र मि हु र म र र छी। त्रिर्भायदास्याम् साम्यान्त्रम् वित्रान्त्रम् वित्रान्त्रम् वित्रान्त्रम् वित्रम् षरः भूनर्यादन्य स्थार्थन्य राष्ट्र स्थार्थन्य स्थार्थन्य स्थार्थन्य स्थार्थन्य स्थार्थन्य स्थार्थन्य स्थार्थन्य ह्याया बुराद्रार्थे यहिया युराक्षे दे त्रदान दे सूया न सर्वे त्यया न स्वराया र्देवे श्वेर दरा रेग्यायया ग्रह न्यूनया बेर पार्देवे श्वेर दरा बुर ग्युस

रा.लट.चीय.है। अटश.मैश.ग्री.ई.टर्सैज.श्रवट.लश.राश.सैयश.टयोट. वह्ना हेन की विस्रा समय प्राय पर प्राय की न श्रुवे हिर तुर वहेंगान गर्या गुरुवा गुरुवा भू के र्श्वेषाय दे मुरुद्धा के स्थानिय मुरुप्ती के स्थानिय मुरुप्ती मुरुप सहरायानस्यानीसासीनियासरानम्हायदेनीरारी । विसायासादित्रारी सर्ने नसूत्र नर्रे भागवत त्रभागें द्रभा भूते वित्र नवित्र नवित्र भूत्र शुः गुर दसम्बार्याच्या स्वराचा स्वराधिक स्वराधि रेवे विक्राया के वर्षे का क्षेत्र को नावे के स्थान कर्षे के का के विकास कर के विकास कर के विकास कर के विकास कर रु: क्रेअप्यदे प्रत्ये वा क्षेत्यम् वया देवे विष्यं रु: क्षुत्र विष्यं क्षेत्र विष्यं व्रापः द्वेषाः साम्रियः बेरः भर्षः मुकाः ग्रीः सबुकाः से व्यापः प्यापः प्रापः यश्रासु सु र्रे वार्य प्रें न सरे न विन स्रे न स्रे न स्रे मुन स्रे न स्र स्रो ने स्र स्रो ने स्र स्रो ने स्र स्रो ने स्र स्रोते इसारा उदा ग्री ग्रुट प्रयम् मारा प्रति द्या लेखा न न दि है । वि रेट गुरः अर्हे रः नवे : धुरः है। अळअअ अे र गुरु : पवे : खूरु : धुरु : खेरा आ अ र सुर म्रेग्र प्रत्यास्त्रीत् सेव त्या स्राम्य स्वर्ता प्रत्य स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता ह्री गर्या गुःचला के नाला द्वीर राज्य समय समय सामा गानी सामा र्वेदशः भ्राःवा अवदः है । सूरः दर्वे वा र्शे अश्वेवा वे दिः वी । हवाशः वाहेशः या देवे । वर्ष्ट्र-द्रयुक्षात्रायानुद्र-वसम्बर्गायुक्षानुद्रमः वेद्रकाञ्चवेद्रमः धैराने कुत्रः सूनार्से नर्गे दायदे सर्दे त्यमा दे त्यस्य राद्वाद्दा कुत्रः में भा 

सुर-१८५ वा ते सु मुरायर्थे। विष्ट-वी स्ट हवाया वासुयाय के या सुरया क्रिंग ग्राह्म स्वास्था स्वास यर वेद्या श्रुर् यर देश यदे श्रुर् ह्वाश विष्य स्था दर रें ग्रुर श्रे देश'म्रान्य'ग्रु'म्रान्य'म्रान्दर्य'ग्री'क्रॅश'म्शुर'द्गुरश'प्यत्यानुम'र्रु' र्शेनायाः ग्रीयायहेनाः हेत् ग्रीः विस्यया हिन् यस्य युवे स्वितः सूर्वे यावे स्वीतः ही स क्रुन्त् सः स्था दे निवेदा विनानन्त्र निवास निवास प्रमानिक स्था । म्, धेश्या । शरमाश्चित्राचीयाधियासह्याही । श्रेषाकियास्या क्रिंगः र्हेन हिन हिन से। विकामहादार हिन से। क्रिंमा महादार रेटि हिन नन्गारेशामशार्येदशास्त्रानसूत्र वनन्र्यम्थान्यन्त्रायशा वनर्हेलाक्षे नर्गेश्वर्षे सहरामा सूत्र सुत्र सुत्र मुना नर्गे न साम्रामा वेशराश्चान्त्रुरःध्ययःग्रीःगर्यः ग्रुःनंसूत्रा शरशः मुशःगश्चरः ग्रेशः हिनः सहरे.हे। अितातियास्याताक्र्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्षा गश्रुरःगेशःदद्देगःहेदःग्रेः।वस्रशःगुदःग्रुदःग्रुदःश्रुवःवःदःशःध्रुदःयः यदे हिरा ने निवेद नुसु सुन श्री भागार सुन मुस्य प्रस्ति परे दर दर क्रिंश भी ता वर्षेट्र राष्ट्र भैवरा तारा हेर्गे हैं रिया राष्ट्र क्र्या में भी रिक् ळेव प्रदेश हेव गुव हु प्रदेश नर सहर पर्श विश मासुर सप्ते श्रेर विया है। यह मा हेव गुव हु विया मंद्रे यह मा हेव गुव दे थिंद मंद्रे ही मा दे व। कुलक्ष्यक्षेत्रक्षुत्रस्य अन्दरस्य देवाहे न्या क्ष्यक्ष क्षेत्रस्य स्वर्त्त्र न्या स्वर देशनाक्षात्रेव रहेता ही ह्मान्य स्वावन्य सुराव। हुन हुन द्वान्य ते गायश नेशः भू में न मार्थरः कुन से प्रकर्मा दें में देश मार्ने विद्या में दिया यानसूत्रते । वियायासुर्स्त्रयान्दाम्बर्धाः महियारे देशायान्दार्धेद्याः र्श्वेर् देश सर नश्चित पर्वा सारे स्ट्रिय वित्र प्राप्त सार्व सार् नेसून हे देश मायू पद्देन मर सर्देन देश न से हिर से स्री के शास्त्र हैं ग्रवंशःश्रेंग्रथःन्तृ न्त्रः द्वा न्वरः ध्वा क्रेवः विषेष्ठः व्यवसः विष्ठा स्वरः वे ग्रम्भाद्रम् स्रम्भिद्रायाधेर्यम् मृत्युत्री। ह्युत्रम्भास्य स्रम्भास्य स्रम्भास्य स्रम्भास्य स्रम्भास्य स्रम् कुनःशेसशःन्यवः इसशःग्रीः विवर्त्तरःग्रीशः नर्श्वेरः न। श्रुवः नवेःश्वास्यवः पशः यः श्रु निव विन सम्म स्थानित विन स्थानित विन स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स विस्रायान्य स्वाया निर्देश विद्या स्वाया निर्देश स्वाया निर्देश स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय र्रेदे नात्र अर्देना से दाने अर्था नान्य प्य अर्थ प्रदास अर्थ प्रदेश स्मित्र ब्रि:सुत्र:सुत्र:स्र्वाय:य:मु:ऍट्य:सु:य:क्ट्-य:देर:देर्टर:सुट:स्र्व:श्रेयय: न्ययन्दरन्त्राह्मारुःचत्यायायाधेतायवे द्वीता द्वायवे त्रित्राह्मेन्यवे या यथा ग्रम्भाग्रह्मसम्बद्धम्यस्य विष्यम् । र्षेर्-रे। ह्र-रुव-श्रेयय-र्यययान्यःयान्ययाम् स्थयान्या यान्यः लूरमाश्चिमावसायोदारी भेत्र विमानदा निमान स्था क्षेत्र श्चानवा भीत्र गुरुयान्तर्वाद्वात्यया देवाः सेवानवयाययान्तर्त्वे । देवेदायदेवः शुअः ग्रुः नरः नवेत्। विशः दरः। कुतः श्रुमः में नर्गेतः सदेः सर्वे स्ववा मावयः सेन्।वरःग्वसःग्वतःयःषरः। विन्ःशेःन्शेयःविनःविनःविनःविनःविनःवि | सक्त-पन्न-स्यापाश्च किंग्याश्च | यायाश्च किंग्याश्च-पाने | सिन वर्गावर्शमवे देग्रामा शेवा विशादमा अर्दे शे वर्दे वे हो मानिवे षेतुःषशःग्रम्। निवेदशःवशःग्रमःर्सः ज्ञमःयहवः नम्जूनाः मीःर्देनः उवः क्रुवः न्दाब्रनाब्रूनान् अर्थानकुन्न्यायर्मन्य स्त्राम् कुनान् स्रामे स्त्रामे श्वेर में बेश शु नदे विर श्वेर र् मिने मेश श्वे विश्व श्वेर श्वेर

र्रेदे-देशःग्रीशः कुत्रः शेटः गेदेः ग्राद्वः द्वारायः ग्राट्यः कुतः श्रेश्रशः द्वादः द्वार वनशःगडेगः तुन्यस्य श्री विशामश्रुरशः प्रते भ्रीता प्रदेश देगा से दारे ग्रवश्रीयाश्वर्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र वर्षे वकुत्यर वहिंगा यदे कु सळव पेंद्र दे। द्येर व ग्वस्य रेग्स वहु नर्वःवहिंगामदे कुः सळव वे कुः सूँ समावह्या दरावन्य रावदे छे सुः देंगा गी रेस मदे क्वें त्रा पर्टेग म नवें तर् । पर्टर पर हेर क्वें नवे कु न यस नान्त्रः श्रेषः श्लेषः श्लेषायाययः यद्यायः विदेशः निहः श्लेषः यद्यायः सबयःत्रभाराः नेतः द्वारा न्यान्या मुकाः मु षश्चात्रं विष्णानी विद्रासर यह गुनासदे कुषळ द गुरा धेन सदे हिर है। वक्तर्यर युवायवे भ्रिया दर में युवा भ्री क्या वर्धे र भ्रित् ववे भाषभा न्तरक्तासेस्यान्ययायञ्चायाम्यायात्रस्ययाग्रीयायायञ्चार्यात्रा मूर्यायमायार रे.में. यहू। विमार्टा मैयमायम् यर्थेर वस्रशः द्वारा वे प्रमासे प्रमा विष्टा पर है विष्या पर स्था । साम है यात्री मात्र महस्य ग्रीया दि सु. तु. धी. सूर मार्च माया श्री विया मार्थ स्था यदे. मुर्ने यहिषाया मुना स्रो या से या या मुनाया मी प्रायया में या स्राय या स्रो प्रायया में या स्रो य न्यरः ध्रुया केवः संवैः यावशः स्प्रिः दे। वेशः याशुरशः सवैः ध्रुर। देशः वः नृतः शेश्रश्राम्या अहित्यश्र म्याची सहित्यश स्थितित्वर निर्मा स्था <u> नश्यः द्या । सः महिम्यः मञ्जूनयः महिम्या वियः मशुर्यः सयः ग्रह्सेः</u> र्वेदे:न्वरः वे सेन्यरः वस्त्रं संस्था धेतः पदे हो नेदे खुन्या था

ग्राबुग्रस्थायस्य यात्रस्य देवासः नडुः नतुत्रः ग्रीः देवाः स्रेतः स्थाः सर्वेः नदेः वार्ववार्थावस्थाः स्वत्र देदास्य वार्वायायाः सदिः द्वीरः द्वी विदः वी विदः सरः गहेशमानी व्राप्ता भी क्रून क्ष्मा क्ष न्वराबेचाखाख्य इसमार्सेवामान्दराख्य प्रति होना स्वाहित हो। हिना प्रमा र्टर्ट्रिंग्ग्री मुर्द्र्य केंग्राम नहें र्या रहा द्वारा सहित्य कुर् वळन्यन्ता नेन्यायार्ह्यायदेग्युन्रर्श्वन्यदेश्वन्युनन्ता ने क्षरः भुः नदः गशुदः नदः सहेन् यः नुः सरः क्षेत्रः षदः यदेत् विदः सदः यवितः नुः सः गुने सदस्य दे दि दे दे रहा निव दे साम् निव स्थान स् सह्रेन्या श्रु कें ग्रा क्रें व पाने श्रु कें ग्रा पाने पित हुन स्थान स्थाने से है न है। कुनुः सः यथा ग्रेंन् भूवायहन कुवा से प्रकन्ता विशासे ग्राय र्टा वियम्यत्वत्यक्रियक्षे स्त्रित्यम् स्त्रित्यम् स्त्रित्यम् र्देव या न्या मुद्दा निर्मा न्या मुना में विकास मिला में विकास मिला में विकास मिला में विकास मिला मिला मिला में न्नात्यःगुत्रःहर्नेनाः पदेः वनुः होनः स्रोनः यन्ना नुः स्रोनः स्रेतः पदः ने स्रोनः यासे वियानश्रम्यायदे द्वेर वेट्यास हैया कर्षा से से से के निया मार हैं व गहेशन्त्रध्वाहे। श्रुः ध्राः चन्त्राः स्राः वाराया वारायन्या श्रुवः यन्ता महात्या विवादिया हुते निवाद सामिता विवाद स्वाद स र्नेतः क्रेंत्रः या यहे गा हे तः ग्री । प्रस्य अः ग्रातः हुः श्वः क्रें ग्रयः या उतः पीतः यये । श्वीरः हे। कुर त्रुः सः यथ। श्रुः र्कें ग्रथः द्वार्थः र्के सः रेदर हो रः सदयः नवे ः भ्रुया । वे यः दरा रैंदे-दर्रेगा प्रश अंक्षित्र मदे-द्रशक्ष्य ग्री मश्रूर में देंद्र बेर सदद

नदेः भुरावियाम्या भुः क्षेत्रामा नदान्या सुदान हिनामा विया ८८। ट्रे.ध्रेट.जम भ्र.मे.क्र्यामाराष्ट्र.ट्रम्म.स्टरम्स.स.स.च.८८। ब्रेम.यास्टम. यदुः हीरा वियः है। ब्रुः क्षें वायान्य क्रिया है। वायान क्रियामानादे द्वार्त्य द्वारा क्रिया क्राय क्रिया क न्नानी भ्रीमार्से । मुन्स अर्था अर्केना अर्के अर्थ हेना अर्थे द्राया र्थेना | रदः चलेव के राष्ट्रे सुदः द्वेर ददा | लेया ग्रुद्य पदे द्वेर | ददः रेया व्यट्यार्श्वेट् न्तुः क्रें या श्वाद्या वाहे या प्रया व्यट्यार्श्वेट् पार्शे स्था क्षेत्र न्येदे रूर् नविव उव गशुर के शने न्या सुव पर नशूव है। विगय थी सहर्भाषान्द्रभाशुःगरुषानुवेशगर्वे में निमायसग्रा नकुन्त्रभारेग्राभा उत्राग्रुअ'गदि'दर्शे देव'सहर्'स'र्रः गुत्रहेंग'सेर्'स्य रेनर्'सेर्'सूत्र गुन गहिराधें ५ दे। नभूषान ग्राम्या से ५ द्वार से ६ हे वा में स्राप्त से दे न्वाया ग्रीया क्रिंत व्यया स्वाया सम्मानिया व्यव न्याय निया होता ग्री विष् हर्ने र तु थ ग्र्न र्रे र से द ग्रह महुष हुदे रे न र्रे र न ने विव पहुर नदे हिराने। क्रास्यायमा ह्राम्याद्ये क्रायहरम् । वर्षे देवाक्र श्चेत्वहर्ष्ट्विराद्रा । इसायर हिंगास्रेर ख़ूत सुनायर । विश्वादर विर्से नविन है। विश्व दर्भ दर्दे दर्भ मायश श्रुम्य श्री सह दर्भ देश दर्भे नवे क्यार्शेषाश्ची देव श्वनायाया नहें वायर यह दाया देवे श्विर यर वे क्या यर हैं वा या को दान विवाद ख़ुवा की का मुनाया धीदान विवाकी हैं रात्रि कुया कें। यध्ये हेर्। विमायशिरमासदास्त्रीमा ने क्रिमालया भी से क्र्यामाशि हेय. यर-दे-क्ष्र-द्रायानुन-भदे-व्यव-द्रान्ध्व-दे। व्यव्यानुनिक्ष्य-द्रान्धिक-द्रा न्वरन्तुः नुभाव। वेद्यासुभान्दरस्यावेदानुभानुनायाः श्रेषायाः शुः श्रूरः

षर:दे:क्ष्र-: अ: मुन:प: क्षुय:क्षुत:क्षुत्र:के: क्षुय:पावि:क्षुय:प:कुट:घ:दर: याक्षरार्बराषरारे क्षराया बीया यह विराधरार्दे क्षरायह विराही स्त्री क्षरा वि यायया युः क्वित्रान्दियागुराने प्यान्यति विवादियान्या न्याते गा त्या शुःश्वः स्वायायदे न्द्यार्य र श्वराया ने स्वराया श्वराया त्रूर-देवे·रूट-वर्वेद-तुन्युन-य-श्रेद-य-दे। श्रूट-व-त्रूर-रट-वर्वेद-ग्रीश्रासः गुनारान्द्राम्त्रियानु । विष्ठेषात्या ह्या झार्या नश्माश्रास्ये सुशास्त्र सुरा लर.टे.क्षेत्र.श.चेंच.सपूर्व विश्व.ट्रा क्रिट.ब.टर.स.स्र.क्ष्म्याश.श्र.श.चीच. ग्रदा वेशामश्रद्धान्य द्विता वितासर द्विता स्ति सामित्र शासिता स्ति सामित्र नमून्यश्रायर्थाक्त्रायात्रवा सदे वेद्राया सदे दे दे वेद्राया न वेद्राया यर नभू र परे ही र दे के अर हता अर द हिर्देश र र हिर्देश की में में न के नाम ग्वर द्वर इस ग्रुर में ग्वर द्वर र ग्वर ग्यूर ग्रुर ग्रे अळव हेर दर न्गर-देवि:क्रेंश-ग्री-स्टानबिदाग्री-सर्विदान्नी-सर्विदान्निया ग्रिश-श्रासेन्यदे यक्ष्यः हेर्र्र्र् यदे अळव के द ख दें द ख्व के । क्षेत्र के वाका की वावव द्वर की खें व क्वर द न्यायान्या न्यरायञ्जूनयान्या स्राथित्यो न्या वन्याय्यायन्या अञ्चर्या ग्री: प्राचित्र । व्यादित व्यादित व्याद्य । व्याद्य व्याद्य व्याद्य व्याद्य । व्याद्य व्याद्य व्याद्य व्याद्य व्याद्य । व्याद्य व्याद व्याद्य व्याद व्याद्य व्याद्य व्याद व्या रेगायर गुःश्रे वेश गशुरश्याय है हैर वर्रे वेदश श्रूय गुरु वर्षे क्यानन्त्राय्यायळवाहेत्याय्वायन्त्रायाचे देवे हेत्सुवे त्यायी देवे निवर विद्यासीया परिशानार सेव वि निक्ता वि निवर विद्या निवर वि

व्यवशादवीराज्यु लूप्रध्य थे पर्टा हेया है। सेरास् के व्यवशासीरा सह स्थाना स्रम् विदःस्रभायान्वदादर्वे राव। वने वराव्यवसायायान्वदादर्वे रावः न्म नश्रुवायायान्वरावर्ष्ट्रिया नगरावेदे के शत्रश्रुवायान्वरावर्ष्ट्रिया या लेखेशनविष्यन्तरावर्ष्ट्रियनान्दराष्ट्राक्षेत्रायानेवर्षेत्रीया वेगानसूत्रा यम। ग्रम्भाग्री:सुर-में शुर-भदे स्रीर-विर-दर-सुम-दर-सर्व-दर-देशे विर्वन्द्रित्ता नविर्यास्त्रयायात्रात्ता ही गर्वा स्राधित्रास्त्रा षान्वरावर्त्ते रावान्यार्के राववे सुरावे वित्रुराववे से हो । वावायार्वे वाये र विराळ्ट्रायेट्रायाकुळे विदेशवट्रावराम्बर्धायायाद्वरावर्धेरावाद्वा वर् ૾ઌૺૹૻ૽૽૾ૺૡૢઽ૾ૹ૽ૼૢૹૢૻૣૣૻ૱ૡ૽૽ૺ૾ૡ૾ૢૺ૱ૹ૽ઽ૽ઌ૽૽ૺ૽ૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹ૽૽૽૽ૢ૽૾ૡ૽ૼૼઌૹ૽૽૾૽ૡ૽ૼૺઌૹ૽૽૽૽ૡ૽ૺૺૺૺૺૺ मेदे के मुश्राम्म अर्थ कर्न के अरम्भूत मायान्य निर्देश मायान्य कर् सुरार्से गुरावदे भ्रिमाञ्चाया नामान्य मुक्तान नामान्य सुरार्से मुक्तान नामान्य सुरार्मे मुक्तान र्रिदे के राज्यान वा प्रति राज्य मान्य के राज्य यूर्यये भ्रेरे से वेंद्र सूर्य प्राप्त स्थान स्थान से स्थान से स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान नं सून मदे पो भी सामान्य एवं मानसान्य एवं मानसान विसा मर्बेट्यामदे भ्रेम वर्ष्या देश के भी के मान है। यह के मान व <u> ঐর্বার্যার প্রবাধার করি বিল্লার প্রকারী করে বিল্লার প্রকারী প্রকার করে বিল্লার করে বিল্লার পরি করে বিল্লার করি </u> यहर्नियायर में में निर्मे यूर न्या होया थे। | येन्या सुर्मे या या हे से नया श्वयाना अवदायमाना श्वी रहेवा इसमा येन ने विक्रामान स्वापित स्व वस्यायायदें त्राव्यायायादेयायादे हेव रुवा यद्या सुर्या सुर बेन्-मंदे-प्यन्-मंहेन्-नु-बेन्-मंदे-ह्याद्य-स्याग्री-म्यन्याय्य-ग्रान्-प्यन्य-संदे-

वर्षिरः दिरः नः नारः विन । हुत्यः ने खेनः ग्रीः नार्यः यया वर्षः प्रदेश्याः भू वर्चस्रास्यास्य संस्थाने स्वर्धे नित्र हिम् निर्मा स्वर्धे विरासेस्य स्था नडुःसःययरःयर्विरःह्यःरे स्रेर्ण्णे ग्रार्थः वेर्दर्यं स्थान्ने या रेष्या वन्यानाः भारते हिन् नेयान नियान निया क्रियायार्म्चन हिटा । नर्से न त्रयम स्वा क्रियाया यह त्या । विहास्त्र न स्वा । र्ययः इस्या स्वाप्ते । ध्यार् प्रयास्त्रीया स्वाप्ति । वियाप्ता सूरा श्चेर्गी नविष्ट्रा भूरे श्चेन नेश्वर्षेट्र श्विष्ट्री न्यू वा नुष्य नुर दयम्यार्थे अचितः स्रो स्मेर् नस्म् न वर्षे अन् स्थान्य अने वे वार्य वार्य वार्य वसम्भानम् निमान्यास्य निष्ठित्र हो ने भूत्र हो हे मा केवर निर्मे स्थाय स्व ग्रम्यायम् वेदम्भुत्दे ने ग्रुट्सेसम्बूर्मा यात्राम् व क्षित्रभागित्रभाग्यसम्बर्भ स्वाद्वीस्यासेन्यस्य स्वाद्वीस्य स्वाद्वीस्य स्वाद्वीस्य स्वाद्वीस्य स्वाद्वीस्य स्व इस्रशित्राचा सूराचर वर्षुर भी। र्श्वेसाय द्वार चर्साय से सु वै दिशासु सूर न स धीव वै । विशानस्य सदे हिर दिशा ग्राट शे हो न्धेग्राराष्ट्रेयानगरायाव्यास्य स्टान्ट्रियासुः या मुस्या ग्राट्टि त्या नडन् न्यान्धन्। गहेशामाञ्चनाक्षे। ननेवागहेशामश् शेस्रशास्त्रीती वर्रेर्न्यदेर्नेत्। र्रुग्नविवर्र्न्यः हुः श्रुचः श्रुदेः श्रुद्धः । देः व्यवः श्रुवः वदेः श्रेवः ग्री मुन् । गुन ह रन ह प्रमुद्द नर प्रमुद्दा । विश्व राज्या श्रुवा न प्रथा न श्रूयों न प्यता । हे सूर नवेद नवेद सक्व केद केद है। । सहद संगुत या यह गा यं निविषा विषाम्बर्धास्य स्थिति हैगा केवान्वित्यास स्वाम्बर्धास्य वर्रिः सूर्रायाः सूर्रा इरका सार्वा वीका ग्राटः विकार्का विकार्वा सूर्या वासे द

मदिःस्रिन्सः भुः नृत्। देन् स्रोन् स्रोदे हे सार्से म्याप्या स्रान्य स्त्रान्य स्वायाः वा ज्यामार्थेय क्षेत्र व न्यामार्थेय न्या के के के कि मार्थेय के विद्या कुँव पहुना नविव या ने विद्रास सुर पहें ना या यर ध्रिव प्याय स्त्री ना या सुर रूटा क्रित्रश्चरायीयराद्वीरशासँरायम् देखेरशासूरावशास्त्रस्यास्त्रेत्रे क्रिंग न्या विष्या में भीते हिन्य मन्त्र है। देश मा खा ख्र के ही हिंगा प्रश्रा के न्वें रामित्र वितास नेवें रामित्र नेवें से सेवासे नेवें से सेवें से सेवें से सेवें से सेवें से सेवें से सेवें नबुर-न-गर्यानुत्य-नुते क्लें स्राप्टकर-श्लुवे केन्-न्-नहग्रायायायायायान्यस्य ग्री:र्ट्य-दे-प्यश्रासेद्र-बेर-से-तुश्य-दे| श्रदश-क्रुश-ग्री-व-श्रुदे-तु-वा-रे-रेदे-र्षेत्र 'हत्र 'धर स्टर् सेट् 'सर् सर्टे 'से मुर्स 'दर 'रे मुर्स 'स्या गुर 'र सुन सरे ' <u> ब्रेम</u> सळ्त्र-द्रये प्दरे 'द्रया ळॅंग्रथ' याह्रेश प्रज्ञात्र या प्रज्ञात्र या हेश प्रेप्ट सेट्र ৼয়৻৴ৼ৻ৼ৾৾৴ৼয়৵৻ৼয়ৢ৾৾ঽ৻ৼ৻ড়৾য়ৢয়৻য়ঢ়ৢ৾য়৻য়য়৾য়য়ড়ৼয়৻য়ৼ৻ गर्डे र्नेर ग्रुग्राश्चर्याय वृत्य ये भेरा ये रहे ग्रायी ख्या हे रा गर्डे र्नेर श्रदशः ह्रेन्यशायाय वृद्धायते भ्रेत्रः द्वा श्रियायया केन

मशुक्रामार्हेन्यार्श्वेन्यायार्वित्ने । व्यन्याश्वान्ति । श्वेन्यायार्वित्ता श्वे । व्यवायात्र स्वया श्वे या वे त्याव्या व्याव्या व्याव्याय व्याव्याय व्याव्याय व्याव्या व्याव्याय व्याव्याय व्याव

धैराने। अर्थे र्थेदे र्थेद न्द्र न्य स्वाप्त स्वापत स्वा वर्देर्-से-वृश्व-हे। शर्वेना-सवे-नार-बना-नीश-नेर-सा-सर्वेन-सुस-र्-सर्वेर-नः बेदः मदें हुरः है। बहें दः यथा दे द्वा में दः बार्बेदः व बेदा हिया ग्रुट्यायदे धेरावाया विवासी दे हायस्याय में वारा प्राप्त विवास ग्री:इप्युवावायायानहेत्रपर्वे से भ्री:रदावायसादे व्हरायायर्वेदावेसा नभूद रस्याधीत परि द्वीर है। सर्हें द त्या हर्ष्य पावत नहेता स गर्ने ग्रायम् । ने न्या में दाया अर्थे दाया अर्था । वे या ग्राय अर्थ स्थे स् यर विं तरे। देवे वर्षिर वर्दे द हेव ठव शु शुर वसमाय इसय शु सेमा नेशःग्रेशःनेवेःग्रुग्राशस्त्रःश्रुयःनुःसर्वेदःनरःवण ननेवःग्रेशःयशः क्रिंशः भेषु भेष्याशी विरः क्षेत्रः श्रेश्रश्चरा स्था स्था । सियः र् नययःभ्रीयःभ्रेष्ट्रनःदशुरा वियागसुरयःपदेःभ्रेरा दर्देन्भ्रेष्त्रयःन्। देवा अदे हेव ग्री अवा के या ग्रीय ग्रीट अदे ग्रा ग्रीय अर्थेट अ श्रीट पदे ग्रीट है। सर्हें दायमा भेगा गैमा गैमा गैंदा सदे ग्रामुगमा साधिमा विमा ग्रामुद्र सदे नन्द्राच्याधेवायादे पद्भावदे नुद्रादयम्या मान्नीयार्वेदास्य मान्द्रादे दे नेश्रायायानहेदाद्रशासर्वेदानाधेदा ग्रुश्यायायावित्राचे देवे वित्रित्त्वर वसवाशः इस्रशः ग्रीः सेवान्वेशः ग्रीशः सेंद्रशः श्लाः सर्वेदः वरः वस्य वरेदः वहिशः ग्रे.प्रट. इंट्र अ. अ. बचा रावे . ट्रेंब . च्रांच रावे . ब्रेंच वेंच अ. अं. क्रूंच . उदा दे द्वर्यश्राभी सेवाले संभी वाद्यदानु धिव पर विषा दे द्वर्यस्थी सेवा नेशःग्रेशःसर्वेदःनवेःश्वेदःवःसःश्वन। विःस्दःसःमञ्जूनशःश्वेःर्रेयःदेवःत् युन'म'र्केश'ठवा शें भ्रेदे शेना नेश ग्री ना बुद ग्री पेत सम मा देवे शेना 

वानायवानमञ्जूनानवे भ्रीमाने। यो नामायवा सूनानी निनमाने या नुसा र्षेर्परिन्धेरा अविवादा वार्ययानरासूरायरासर्वेरावदे वे से करायरा भ्रे.भ्रेन्यम्बया वर्नेन्यनेव भ्रेम जलक प्यमा नेव भ्रेम केषा केषा केषा सर्वेदःवः स्पूर्यं स्थानिः सर्वेद्या वर्षेत्र वर्षेत्र स्थित् वर्षेत्र वर्षेत्र स्थानि सर्रे में मुन प्रमा पेंद्र पासी सर्वेद से दासे प्रमा विदे वह दे सुन न्या इसाराया विकामहरकाराक्षेत्वरायक्षिरा वर्षेत्रावर्षेत्रा वर्षेत्रावर्षेत्रा ૹ૾ૺઌૺ*ૹ*੶ઌ૱ૠૢ૾ૼૼૹ੶ઌ੶ૹઽ੶ઌૼૹ੶ઽ૽ૢ૽૽૾ઽઌ૽૱ઌ૽૾ૹઌ૾ૻૼઽૹ੶ૹૢૢૢૢૢ૽૾ૹૹ૽૽ૼૼૼૼઽ कॅट्याञ्जविः वात्ववायाः अर्वेटः वेटः वः हेवे वृगाः केवः विवेशः प्रदः वेवायः वन् श्वेदःर्से सँग्र १८८८ द्वा १ इस्य १ वर्षे असी वासी तर्हे श्वेर १ स्था के वासी विंद्राची स्वापित स्वा धेरा ग्रुमायायावितारी द्रायी क्रिमासीर्ट्याने समाधिमायहेमा गुःवहेवाग्रेदार्षा देरदेशासर्वेदान्देश्चेरावासान्त्रा विगर्दासा ग्राचुम्रास्त्री:र्स्यःर्देद्र:तुम्यःसःक्रियःउद्या देवे:स्रेम्येयःप्रेयःप्राचुः सु देवे ग्राबुद ग्रुम त्राया देवे से ग्राप्ते राष्ट्री देव प्रदेव ग्रीन प्येत प्रदेशीय। प्यर र्वि.य.मी जूरमाभेषु.योयश्च्या.श्रय.मीवीयाश्चात्रश्चा जूरमा अन्ते मानुम्याम्यया भी हेत उत्पीत पारे हिमा हमाय स्टा पर्दे द से व्याने देना बनाया श्राया में नाया परि हो हे नियय मा श्रया नार दिन संगिर्वासायवे भ्रिम्ते। दे विस्रसायासुसायसायद्रसायवे भ्रिम्ते। क्रुद सूनार्भे नर्गे द सदे सदे त्या दे निविद निविद्या निवास सदे से निद्या विस्तास वया ग्रम्था सेन्याम्याम्यान्यान्यान्या । यहार्म्याः वर्षाः हे यावसः

रालुषी विभार्या इया.यर्षेत्रात्या विषया.येश्वेत्रातात्रयात्रात्रात्रात्रात्रा यर यर्था सदे हुँ र पुषा न विषा मुख्य सदे हु र द स हिन है। यर्वर नशःनष्ट्रशःसत्रे विश्वशःगश्चिशःवशःवन्शःसरःनत्नः हेरःवन्शः र्द्ध्यः ययर र् अदे क्वें वर्ष निष्ठ्या पर्वे से स्टें वर्ष के से हैं। विश्वश्राचीश्रमः चिर्द्रः त्रीत् । त्रित्रः विश्वश्राचीश्रमः गर-रिट.स.लुप्र.सदु-विट.सर-एबर्स्सदु-बुर-प्रे.स.र्जे.सस्। याश्वेयासःग्री. मिस्र राष्ट्र निव्यानिक निर्मा निव्यानिक निव्य ग्रुग्राप्ययाग्री हेत्या पळंटा मु ख्या प्रयाद में या स्वा । प्यटावे तरे। बेगाळेदाग्री:भ्रम्ययायदेराषटायदेँदाविस्याग्री:ग्रुटायसग्यायीदाषटा क्रिया भीतुः यात्र शादिया सेत्र द्वार सेत्र स्था स्था सेत्र प्रसा दे प्री सेत्र र्टान् ब्रिन्य अप्ता विक्रान् स्था विक्रान् स्था विक्रान् स्था विक्रान् स्था म्रेम ग्वित्रः ग्वाञ्च म्याप्यस्य ग्रीः ग्रुटः सेस्यः ग्रुटः देरः से वर्षे वर्षे वरः वयः म्। निर्ध्याच्या म्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्राच्या म्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा वियासरामया विदाग्रीयाग्रहारेयायास्ये वहिंगास्यादेवासेया वहिंदाना श्रेश्रश्ना क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व वि नेवे भ्री मार्डमार्डेन मार्वि र्भ्रेन उत्र र्समाश्रास्त्र मारा रहेन मार र्वि'द'धेद'हे। सेसर्थ'ठद'वसंय'ठ८'रे'रे'द्रथ'यद्य'क्रुय'रेश'ग्री'स्र्र सूर देश या सूर देंद्र शाय दे र है र है। हैं या शा क्षेत्र क्षेट्र शायी सुरा ही र है दें र्'स.चेश.तर.शरश.भेश.तषु.यर.चया.सु.सुर.तषु.सुरा वेष.धे.सू.स नशक्रियामी । देश दासरामें विया हैयाश श्रेद श्रुरश याश्रुस सा ग्रुस सर

यद्याक्त्र्यायासेत् वेरावेदा वेद्याः भुष्यायित्र सेत्या विवायित्यः न्यान्ते न्यायायायाया स्राचे क्रें साम्यान्य स्राचे क्रिया स्राचे । विस्थायाया वि वःरी श्रेस्रशास्त्रस्यशास्त्रशास्त्रशास्त्राचित्रास्त्राचित्राचित्र यर वया देवे दुर्भ ग्री दे प्येंद सवे श्री र द प्याय हिन की वि र द या য়৾য়য়৾৽ঽ৾য়য়য়৽ঽ৾৾ঀয়ৼয়৽য়ৢয়৽য়৾য়৾৽য়ৼয়৽য়য়ঢ়ৢয়ঢ়ৣ৽ড়৾৾য়৽য়৽ড়৾৾ৼ৽ यर बता देव र्या ग्री दे प्रिंद प्रवे श्री वियाय विया श्रेस्य उदा बस्य देवे के सेस्र उद सद्य कुराय सेस्र उद पेद पर प्रमा देवे के য়৾য়য়৽ঽয়৾য়য়৽ঽয়৽ড়য়৽য়য়৽য়ৢ৾৴৽য়৽য়য়৽৻ঢ়ৢয়৽য়৾৻৾ঢ়৾ঢ়৾য়ৼৼ৽য়৽ঢ়ৢৼ৽ श्रेश्रश्चात्रश्चर्या के श्राचार के मित्र श्रेश्रश्चात्र स्था वित्र भी न्यानरदायम् परि द्विम् वर्देन् त्वा नेवे के मेना मान्यम् की मान्या नुवे ग्राम्या सेन्या वर्नेन्यवे धेन वर्नेन्से त्याने नेवे के मेग्या मश्रमाग्री मन्त्रा गुःषाळेषायेष्ट्रा क्षेत्रामश्री त्रामित्रा भीता स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर क्रिया में विदेश देश द्वारा या विदेश के विक्रम क्रिक् में विदेश के विक्रम क्रिक् में विदेश के दर्हर से कु नदे नुर से सम पेंद्र से द्रास्त्र में मान के दिया में पिर कि त रे। वर्ष्ट्र-वास्त्रवर्ष्ठ्र-साधित्राच्या वर्ष्ट्र-वास्त्रवास्त्रिन्। सेन्'यदे'न्स'से'सेन्'यदे'सेन् स'स्वन'स नेदे'न्स'में'वेंदस'सु'व'वर्विन र्षेर्'यर'वय'र्थे | वि'व् इ'यर'क्षे'यर्रेर्'ग्रूर'यर्रेप्यरेर्पार्वे'व् वि'रूर' यादें त्र दर्भा में लेगामदे त्रासे न सम्मा दर्भा में से न सदे त्रासे श्चेन् प्रवे भ्रीम् अष्ट्रिन स्वा द्विन प्रमः मन्या ने ने से ने न्या शुर्ध श्चेन प्रवे । धिराने। कैंशाउदारेवेधिरा मेंदार्यायाता देवेके दिर्श्वारेविवय्य तुः श्रेंग्राश्चित्रः सें प्राथित् प्रायः प्राया देवे व्यवस्तर् मुन्यूनं प्राथितः प्रवे

ध्रेम वियायायवीयार्गे । यम्पियम् । ध्रियायायाम्यवम् येयस्य व्यावियाः ग्रम्सेन्यदे न्याधेन्यम् त्रया सेसय उदावस्य उद्दान्य सेसय उद लेव.क्ट्र-अट्य.क्य.तदे.र्य.लूट्र-तदे.हीर.व.य.विया द्र.वी हीयाय.याट. वयर हु। मुदे अ र्वेव महिमा ग्राम से द पदे त्या प्रेम पदे स्या स्या सु मुदे स र्वेद म्बर्भ र उद द्या हु। गुदे र र वेद थेद र देवा द्या देव से दे द्या थेद यदे भ्रेम विमाय पर्योग हिम्बर सुना भ्रे भ्रिते स मिंद या भ्रे समय से मार भ्रासीन्यत्रित्रः ही । विश्वायायातित्रः हो स्रेस्रसारुद्वाधेदाळ दास्रम् मुशः त्रायदे यदः विवा छेशः देश यद्देव शुनः यरः त्रय। देवे : त्रार्धेदः सवेः धेरावायाष्ट्रवासे। सुवार्धे र्कें पदीपदायापह्ययावयायार्वेवाधेवाळदावेगा त्रायदे यदा विवा के शार्टिश यहें वाक्का येंदा प्राया देवे प्रशासित प्रयो धैरा छित्रासायश्चेता निहेशामात्यायेर्देरासी तुर्याही दे प्रवाद्या निवाया क्षिण्याक्षे श्रेन्यवे श्रेम्ते। ने न्यान्याव वात्राव वात्राव स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने व्यक्तायन्त्राय्यायारायवित्रायास्यव्यक्तिर्शेष्यायायवेत्।यारायदे व्य वर्विरः नः ग्रेन्। ग्रुरः सेन् रहेश रहन् से वहें तुः सं सें तुः निर्मा न विन् पा नविवः ग्लाः भ्लूनः प्यनः श्रुशः नदः हो स्वन्याः छेनः क्रेवः स्विः प्यनः नविवशः सः प्येवः द्ध्यार्ट्रेन्ट्रियान्यदेन्थ्रम् नुसायदेन्द्रसाविषान्यसेससाउन्याविषाःग्रदः बेद्रायर्भरमाकुमाळ्रावेदावेमान्निपादे द्रमान्वेनार्देमादद्देदा हो। त्रुतः सरः त्रया श्रेरः वर्षिरः तः या सम्रतः देशः वर्षितः या सम्रतः वर्षेतः रुषावेषार्द्रषायद्देवाभी मुनामये भ्रमा प्राप्ता भ्रमा विराम्याया स्टिस श्रेश्रश्चा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा क्षेत्रा की देवा वर्षा वर्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र यादेरावया वर्षिरावार्धेवाहोदाशेप्तिवासकेवावासुसाळदावास्सराया हिंद्रा शुः विविद्या विवादि । वेश देश विद्या स्वाद्या विद्या स्वाद्या । विद्या स्वाद्या ।

कर् सेर् गुर वेंग् सेर् उद से तु ता दें या है या है या विर सबद दरे वे या देया वहें त कु से द प्रते हो म इस्ने व्या वर्षिम न वेष्या सामवासे द दे । दि वा र्श्वा को दे हैं। को को हो हो के का साम हो हो हो हो हो हो हो है है। मुन्द्रम् वास्त्रप्रस्थासे द्रायस्य स्था विकास द्रा विवास स्था षया इतर्रे अइत् चु पळट् में इसया । प्यूट न वित्र हु हेट ट्याय है। भ्रे नदे न्त्रीत अर्के ना नशुक्ष र्के ना वा वा दे ना ना वा वा वे वा ना वा वे वा वा वा वे वा वा वा वा वा वा वा याधीवाने विविद्यान विवासिय कु क्रेवा के सिया के सिया के निया या किया था यदे नार वना य दे राहे अवदार राजकार माया धेताहे। यदे राज व दिस नः व्याप्ति । त्राप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति । विश्वाप्ता स्विति । स्विति । स्विति । स्विति । स्विति । स्विति । स्व गुरुवायायमाग्रहा दे द्वापि वदे विक्रिय दे में मास्ट्र मासे दे स्वर हेन्या ग्री ने किं व हिन ग्री पो के या ग्री कुन में स्वाय ग्रीया या ने मानवे हूँ व निर-इत्राधुर-न-इस्राधी दे साधिद है। यह गाहेद स्राधिद स्राधित स ग्री से अ हैं द से द सं पदे र्थें द स्विद सा खु स पा न से न सा पे र न न ता ला है। सबदःधॅर्मा हेर्ने वेश मासुरसायवे हिमा रे नविव र्ते मा केव रेमसा तदु.में.अक्ष्.श्र्यात्राश्चात्रीरत्रात्रत्राई.लय.त्रेत्रात्रेयात्रात्र्या શે ક્વેરિશ્સાસ વહુવાએ કોર્વિક પોતાર્તે કિંક વર વર્કે કરતા કેવે ક્યા શે હિક *घरः तुश्रः त्रशः वादः ववाः देः त्यः त्रदेः त्यूरः त्रदः त्रीः तुदः त्रवदः श्रेः तुदः त्ररः वत्या* ने प्रदेश नुभार्यस प्यार पर्ने विश्वार्टिश प्रदेश कु से न प्रियो हमा समाया हिन से हिन गवि सेन मर ने दे हिन के साद है व से मुन पदे हिर में विर्देर्ना देर्शः शैं विरमः भ्रु विरम्भेर् केषा देश वहें वा से स्ट्रान्स

वया वर्देर्-यवे द्वेरा वर्षेर ग्राशुया गानिय हुर अर्थे। विवर पर । कुर वर्वःक्ष्यः भ्रेः भ्रें व पा भ्रे। वे भार्ये र भा भ्राविक्राचा साम्रें र भावरात्र्वा भा मदे ध्रिर्द्रा दे निविद्र द्वायम्य विष्य स्वाय द्वाय के वाय के वा रवाम्बर्धाः व्याप्त्राम् विद्यान्त्र विद्यान्य विद्यान्त्र विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त विद्यान विद्यान्त विद्यान्त विद्यान विद्यान विद्यान्त विद्य कें न्दरविंदरविर दी अववक्त र्वेदर्भित्र वर्षेद्र अवस्थित सेदर सेदर सेदर से लेव.सप्त.हीमा नेम.बता प्रिम.स.हीम.क्म.हमाश्व.म.र्म. विमान्निनः इसमासन्धिमा देना नेमानः नेमानः पदिः निमानेन ळेत्। चुर छ्न : ग्री सर चुन छुर नवे : द्वीर रूप संक्षर धिन त्या अर्जुन दे सूर दिरानाने प्रविस्थानने स्थानन्त्रा प्रति । त्रा के किरासर दिया वर्द्यायां वर्षः भ्रावित्र विवासाय स्वरायने त्या स्वराय में वर्षे श्रभावि श्रम्भाया विभावि द्रमार्थ द्रमार्थ द्रमार्थ विभावाया विभावायाया विभावायाया विभावायाया विभावाया विभावाया नेवर्रं मुंबर्श्वराष्ट्रेर् की प्रविद्यस्य स्थित स्था नेवर्षे प्रविद्या स्था नेवर्षे सवतः वृद्धे सः वादः धदः सेदः सदेः द्वीरः देवे । स्व वाद्या द्वितः वः विवास सवतः सेर-दे। विश्वन्ता देवे प्रमेषाया केंगा ग्राया मी द्रायम्य स्था दे न्यार्वि देवे वर्षिर र वर्षिया अप्तर श्रम् अप्तर हिंग्या श्री देया ग्रीहर्या मदे भ्रीत्राम् वाष्ट्रमा स्रो प्रदे विकार्रका मनुदासे दाया प्राप्त स्रोता भ्रीता हे। नक्कु:नवे:न्रःहेगा:यथा ने:न्या:अ:क्वेंयाथ:नवे:यान:वया:य:ब्रेंथ:हे: समयन्तरम्यक्रमासाधिकाते। यदी उसाकायिक्रमा वर्षे वा देशासी तुर्या सदी धैरःर्रे । विश्वाम्बर्धरश्चार्यः धैर। इत्यरादर्देर् से वृश्वाने देवे महित्रेर्यः कृत्याक्षेत्रसंधित्वेदा देवे देवा ने वे देवा देवा के स्थान के त्र के स्थान के स्थान

नेट शेस्र भी र दावित दें द मार्थ पार पीत परि ही र है। शेस्र भी र द नविवार्देर्याययान्। दिःसाइस्यादेश्वीरतुरान। वियागशुर्यायदेश्वीरा ८८। देवे वर्षिर वर्षे में मार्थ समय से दार्ग मार्थ समय से दार्थ हो र हे। सर्ने प्यमा नगे र्सेन नगने सः नमान होन छैम प्रविस्त न न नम्स स्तुः वदे में र वद हत मुद्दा विशादर। वक्त न यश हे सूर शर्मे द समय सर्वेदाबिदा । देखार्चेनासार्थेदासेना । देखिन कुर्नेसाळदारीया भि नवर वर्ष राम्या वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष मार्थ से मेर्स निकान वर्षित नंयास्त्रवर्धेन्सेन्यने नने वानिकाया विकास विकास के विकास विकास र्षेद्र-हेद्रार्चेन्। सासेद्र-सादद्री-दिव्य-तान्वन्। तुर्यः सानद्र-द्रिकारी सम्बद न्गाययम्कुत्रकुः न्नम्भाश्यायार्थेन् सेन्से यद्यायम्भिग्ससेन् सर्द्धरमः धेत्रे ने न्युनमः ग्री त्र स्टिन्स त्र में में त्र स्टिन्स न्य स्टिन्स गुव-हु-ग्राञ्चन्य-क्रुद-व्य-देंद्य-य-भ्रेद-प्य-ग्राञ्चन्य-द्र-ग्राञ्चन्य-ग्री अ र्वेद प्रमम्भ हैं (ग्री) रैपाय कुद स कद सदे ही स् दे प्यद कद द दे दे रेग्रायद्वे कुर्उयापर श्रृंत्र र्या सराय श्रृंत्र रामराय श्रुर नदे हिराहे। दे अर् र र र ने प्या वर्षिर न व न व न है न है। अर्व व थिंद्रासाधिवामासा बदारी । क्रुन्द्रायब्रमा तुःहेद्राद्रादे । सळवाहेद्राद्रा वे अळव ग्वे छे । किंर पर कें कें र कें छे र पर है। विव पे र गर प्वार है। लट. रेटा । ट्रिश इसमा वसमा उट हेटा या लटा । ह्रें में सबत हे लेटा याणित्र । वियान्ता नुङ्कासायी निर्देरानायनयाविषायार्थेदाग्री सबदःर्षेत्रः या यो द्रायम् सा बद्रा शुः द्रेम् अस्य वर्षेत्रः या बस्य राज्यः या प्राय र्श्वामुः अवयः प्रिनः यः यो वा या विकान्या के माना अवायया है सूरः 

इसरायायर धेवार्त्री विरामश्रुररा मंद्री श्रीमा यराम हेना वर्ते। सर्दे न्म मुल्दानी मुश्रम्य स्थाने स्थाने स्थान शुःसानन्द्राचरात्रया येग्रसानन्द्रान्यस्य स्ट्रीरायस्य स्ट्रीयादेशासः या वेशर्श्रेमश्रामी देव मुनामित भी मित्रा मित्रा मुनामित मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्र सूर्वर्त्वामासी मुनायर माया वर्रेर यदे मुनाय मान्य से दे त्यारेमाया वृते त्र सूर्य सम्मूर पर देव कर नवे ही र इनवे सक्व हेर पकर पवे शुःनभूव डेट निहेश ग्री देव श्वाराय मध्य परि द्वीर है। इ नर् सळ्य वे शुर्य इं इ महिशादा | दिये वुद नकुद इंदे नदम हे द पदी | विश्व दें वे देशासवी देव द्वार्य विक्रा की देव द्वार्य शाम्बर्य सवी ही राहे। वदेश विद्या अति अळव हिन् ग्री देश पाय पन पन पति स्वी मही इस पन पन पर सळव वैं शुरा हु इ महिरा निर्म हुन। हेरा मत्रा हेमा मले के में दि हैं रा षः ह्रिवाश्वासराहे वरावेदशः ह्येत्रास्य वाश्वास्य वास्य यदे भु धेत पदे हिम वेश गश्रम्य गत्र पदि पदे दे दे हे मुं महम प्रा धेव मंद्रे भ्रीमा ने श्वास्थान श्वर्था भ्री मात्र में व्याप्य है। मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ गी'गश्चरःस्वादःदेश्यः वृदेश्वःश्वर्यः यन्त्राचन्त्रः। वेदःश्चेश्वेरः खुग्रशः यः र्र्भेन् नमून हेट। इस्रानन् वस्य रेन् नम् निर्देश प्रान्ते द्राप्य प्रे धेरर्रे विश्वायायावित्राचे भ्रवशावकुर्यायदेराने खेदर्देवान्रेशाशुः यानन्दायरात्रया वेद्रशास्त्रवे सक्तिके दिन्ती स्मन्या शुर्दे वे सिरादाया विया वर्देराक्षे त्राहे। त्राहेशायाद्या यात्राहेशायायाहेशायी देवा यद्यदीर्द्रम्भुग्नस्त्रम्भेर्याये द्वीराहे। इत्या देहिर्वर्याये प्राप्ति

धैरा हिनाया वेशयशर्त्रादेशयर्दा दह्येदायश्चीः भूत्रास् सु हः यम् अम्यामुकालेमाम्ययामामाम्मा विकार्यम्यायाम्यामेया यानसूत्रपदे सुना दे निहेश ग्री दर में अ विदश सूत्र निहेश मदि त्या ग्री हिर्न्सर्म्स्य विष्ठ <u> अद्यासुया ग्री विदाद्दादेर पर्वेद ग्री पर्वेद प्रयान वृद्य परे भ्री राहे</u>। विश्वासायादित्राचे द्वाक्षेत्रादित्यम् नत्विष्यास्य सक्तान्येशानक्ष्य मदे व्यापा अद्या क्रिया दे विद्या भ्रा धिव प्रमा वया व्यापन द्या प्रमा <mark>यळ्य. वु. श्रेय. वु. श्र. यो वु य. ८८. ८ में</mark> . चु ८. य कु ८. वु वे. य ८ या. वु ८. व्य. तू या. श्रेव वि वर नत्वाय परे श्रव परे ना त्वाय मा भी परे क्रिय हो। वि रश हो न क्रिश्मीतुः श्रीता नातुः क्रिया श्रीयः हेवः क्ष्यः श्रीः अरशः दसम् शः क्ष्यः कर् क्रांच्या अक्ष्यं निष्या मुक्त क्षेत्र बुन-दनरें प्रेन-परे द्वेर हिन-प्राप्तम देर बया केंग उन देवे द्वेर दे वनायाद्यनाधेवाने। देखेरावस्यानाववात्रास्यमीमात्याद्यान्यास्येतात् येत्रश्रायदे सहर् मान्ने रामान्त नि मारा नि माना स्त्री माना स्त्री स्त्रा स्त्रा स्त्री स्त्रा स्त्रा स्त्री यदे:ब्रेस्स् । प्यत्तिं दःसे। द्युश्यः सदःश्चादेशः सः दरा। वाशुरः देशः सः गहिरान्या हिंदा हो निर्मा विकास स्था हिंदा हो निर्मा होता है । वन्दर्भित्र वर्देन्से तुर्भाते। देनाहेशा ग्रीकंन्या देना द्वारा देश'य'द्रदःक्रॅश'देश'य'ग्रिश'यदेव'देग्राश'यदे'द्वेद'व'य'विन'स्रे। दे' न्यान्द्रासं यहिषार्देव यहिया । यहिषाया यहिषार्देव यहिया यदे हिरा वि रदाया विश्वानुत्याह्रमासी हमा महिषायहेश स्ट्रेन स्ट्रेन स्ट्राम्य प्रशासन र्केश महिशाददेव से देवाश सम वया देवे के भूट हेना स दूर भूट हेना यः यः प्रेतः स्वः त्राविनाः शुरः न्यायाः यहायः न्यायः यविनः विनः यः यहीन । देः सूरः वः वेर्षः स्वः व्याविनः शुरः विनः यः वहीन । देः सूरः

वर्देरःश्चर्याः दें सळ्दः क्षुः सळ्दें त्यमें द्रायरः देशः याः श्वा । ह्याः सेदः ह्याः यरः देशः यदेः सेद्रः सङ्ग्रीदः हें याश्चा । सर्वेदः यः सेदः ग्यादः याश्वरः सहेदः यदेः यारा ॥ सेस्रसः देशः यः दें सळ्दः हेः यदः श्क्रीश ।

स्व क्रिंग्य त्र्रीट म्वर्य स्व स्व क्रिंग्य विश्व क्रिंग्य क्रिं

विरःगेशःरेरःषरःम्रगशःहेशःविरःहःहे। । सर्वेरःचरःनगदःषरःवसःषरःदळरःचदेःभ्रु। । न्युरुशःगेठेगःधेवःषरःनुगःदुदेःषवःवगःठव। । नस्थःभःभेवःन्यवःभूगःगुवःदनुशःनेरःग्रुगःदळ्व। ।

 त्रुवः नश्रुवः देवः क्षेवः त्रेशः भूशः व्यावश्रुवः देवः क्षेवः त्रेशः भूशः व्यावश्रुवः व्यावः व्यावद्वां व्याव व्यावद्वां याने वाश्यः व्यावश्रिवः यो स्वावः व्यावद्वां याने वाश्यः व्यावः व्यावद्वां याने वाश्यः व्यावः व्याव व्यावद्वां याने वाश्यः व्यावः विष्यः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः विष्यः व्यावः वयः व्यावः व्या

## श्रुवः सुदे स्यान्वन स्वितः स्वितः न

इश्यादह्रवाता हुँ श्याना स्वाद्यात्र स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य त्या हुँ श्वाद्य त्या हुँ त्य

वर् नदे श्रुव भूवे हे अवहे द वा दे अग्रा हे वर् नदे वर्ष श्रुव से से द यहरायस्यायां सेन्यते धेराने। हिन् सून्यान इन्हें स्वयासहिताया सबर-ब्रुग-५८-पो भे राष्ट्र-दे रे द्रुश-कुर्-पृद्ध-पोद-पदे द्विरा साह्य दा ने न्या मी होन प्रश्रासेन प्रमा निर्मा मिन स्था स्था सम्स कुषायात्रमान्यते कुषानाकेषा उत्। विन्ति कुषानान्याने सूरायन्या न्त्रेशास्त्राच्या ब्रिनाग्नाग्नात्त्वा क्री स्वायान्यात्राच्या ग्रे विराश्चरमा सर्दे पुरा स्वर्थ स्वर्थ प्रस्य मारा धित स्वरि श्वेर है। हिंद सरसायसम्बद्धार्या स्वार्थित द्वार्स्च मार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार् अदिः आद्रिका क्रिका उद्या देरा वया अद्या वयवाया धिवा पदे हिरा वेरा वा दें वा अर्थाययम्भानेयाम्यानुयानुः धेवावानेयानुः मुन्दियानुयानुः धेवा द्वीं अप्यम् वया अद्याययायाधे द्वास्य म्या वात्रा व उदःगशुसःगार्थेद्राध्यासाध्याप्यदेश्चेत्रा सःग्रुवाद्या वेदसःभ्रुवेःभ्रु न्द्रशक्त्राक्ष्या नेरावया नेवे द्वीया वर्ष्या मुख्याची वर्देन मा अद्या वसम्बाराशुःद्वायशाद्व्याद्व्याच्यूद्वाह्याग्रीःदेवे मृत्याग्रासेदास्य वया वर्देर्प्यवे द्वीमा इप्तम वर्देर्प्ता वर्देर्प्य मेवाश शुश्राहु इप्तापी हेव उव मी क्वें से प्यें नवि मी वर्ने नवी वर्ने नवि नव्हेन मी खुरा हेव ग्री:इस:स:ठव:र्-व्यार्थे विर्देर्-स्रे:व्यार्श्व विरामः हेन विरामः ग्रे-ब्रुवानाधेदादाबुवाक्षाधिदान्याद्विनानेमात्रा यह्याक्रुयाग्रेयाद्वीया न्नद्रमीयासेस्रयाडेत्रहुँसँग्यासुःश्रुयानदेःश्रुयानहेंयाडत् देरावया देवे भ्रिम् । इन याम्या हर्मया मुन्ये हो। यद्या मुया ग्रीया दर्मिया दनरा ग्रीयासेस्रयाउत्रक्तास्याविषाः विषाः प्रितासे द्विमा द्विमा स्री द्विमासेस्र

न्नरः विनः पान्यः अर्थः कुषः कुषः अर्थः अर्थः कुषः ने । सूरः खूषः नः वर्तुरः नवे श्रेम्हे। ननम् नड्वे में न व्याप्त हो से मान प्रति हो के मान वतात्र्। विरूट्तवद्वित विश्वायात्वित्यत्र। क्वित्वश श्रद्धाः क्षिया यान्यमासेना । श्रुषायदे भुदि पर्देनामा श्रे । विसामस्य सासी प्रमन व.म.वियःहै। देश.मरमा क्रिया ग्री.मैता संद्राली में ग्री.मैता संद्रा रेग्री. गहेत्रीय। यद्याम्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या हु: ब्रेट्-पर्दे विशामश्रुद्यायदे: सुद्रे प्यट्रांच स्वे विश्वे सुद्रे सुवा सु गहेशरवायः बेरः व दिं व क्रुं श्रुवः धेव व गरिवार्वेश्वः स्थापितः प्रयाप्ति यरः वयः वी विर्देदः यदेः द्वेर वर्देदः वा वार्यः द्वः देः वर्षः वदेः द्वेरः दः गरामिवानी द्यारारा नक्ष्या परि क्षेत्र क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्षा देव भी राज्या देव भी राज्या देव भी राज्या ह्याशः श्रुवाः हो। देः वहतेः श्रुवः वर्षेदः प्रदेः श्रुवः वाद्यः श्रुवः वाद्यः श्रुवः वाद्यः श्रुवः वाद्यः वाद्यः श्रुवः वाद्यः वाद्यः श्रुवः वाद्यः वादः वाद्यः वादः वाद्यः वाद्यः वादः वादः वादः वाद ग्रान्त्रीशावन्यानवे क्यायाने प्रान्ते नक्ष्र्यायवे सुवे कावा सुना सुना वर्हेना-दर्गेश-सवे-धेर-हे। देवे-देव-धेर-सवे-धेर्य इन्यर-वर्देन से-त्रा है। नर्जे नः श्रुयः श्रुः धेवः नदेः श्रुरः है। ग्रारः अपवः श्रीः ह्ययः । उवः श्रीः श्रुयः भुः धेवः पते छेर। परापा हेग । श्रुषा भुः धेवः वः इसः पर श्रेवः पते श्रुषा भुः लुयान्यावियाच्याची मक्र्यासिताची स्रीतान्ती यच्चायासी पर्ता तार नर्ने सुयानेते सुयामंते सुगन सुया सुगनिहैं साने में त्रा केंद्री कर है। ने मानवा देवे श्रिम् हिन मान्या ह्वाया सुन्य है। दे वाहे या विकास हिम है। वदेव यहिमान्यायमा श्रूयामाधिमाने श्रूयामाध्या हिःसूनानेना नविव सळव हिर्दे विश्वाश्वर्य सदे हैं र इ नर वर्दे र से नुषा है।

श्चे न श्चया भु न्दर वर्षे न श्चया भु वाहे या वाद र धे न पदे श्वे र न्दा है गहेश द्वा श्रीत संये श्रुपे श्रुपे श्रुपे प्रिय से से से हो दे गहेश श्रीत रहा गे हिंग्य श्चेत सुर्य ग्रुय ग्रुय ग्रुय प्रेत ह्रय श्चेत से से सिंद स्था प्रेत स्था प्रेत स्था प्रेत स्था प्रेत के'नदे'श्रूव'श्लु'षेव'मदे'श्चेर'न्म। इस'मर'श्चेव'मदे'श्लु'षेव'सेव'ग्चे'र्नेव' र्षेर् मदे ही य पर पि हेन । सर्केन इस पी तर र र नी रहे र ही ना है यः वेता सः वाश्वसः मी वादः वता तः वेता सं वाश्वसः मी रहे सः विद्रः क्री रः वसः यदे कुयान गुरान्वेग्यान्य कुयान भेगा भे पहुँ सारे से द्रास्था के सार्वा नेर वया नेवे भ्रेता वर्नेन से जुर्या है। नम सेवे रम वी सुनिर्य भी वार्ष ग्रायाक्ष्वास्टा सेट्रायदे द्वीस्ट्राट्या द्वी सम्मास्ट्रायी स्नार्ट्या की सम्मास्ट्रायी स्नार्ट्या की सम्मास्ट्रायी स्नार्ट्या की सम्मास्ट्रायी सम्मास्ट्रा ररावी विषा ग्री शाक्षेत्रा या सूत्रा या राष्ट्रा या विष्य स्था या विष्य रो नन्नारुनानी र्सून्य भूगुः हुन या हो सर्दिः सुन्य या या यह नी स्रेर्स्य ही मुखानानेवे श्रूषां श्रुप्धेव ने स्वा वे व द्वा द्वा स्वा निव में वा साम श्री हे वे हि स वेग्।यः केत्रयायास्यायास्य मुग्राष्ट्रयायास्य क्रिया ग्रीस्य या धीत्रायरः नश्रू तथा वेगा सके देश साधित साया साधित लेखा लेखा सदे खुर देत वयायी क्रिंदारा क्रूर अरश कुशारा देवे क्रूयारा दर। अरश कुशा ग्री क्रूया ने नश्च ने में के दार्श से में पदी नगर से में मुश्न देश न विराध में देश में दिया धेव मदे भ्रेम है। द्यान उदाय बदा मदे भ्रेम यदा इया न न देवा माया व सुर-देवार्या विश्वामीर्या विश्वामा विश्

धेरा धरः इसः चल्दः रेगाः यरा सेदेः श्लेरः सेदः सेदः यरः सरसः सुसः हेदः येट्रा हे.क्रेर्. मुक्रम् मिन्स्य भी मान्य मिन्स्य है मान्य मिन्स्य मिनस्य मिनस् ग्र-र्-श्रेर-श्रुव्य-स-वि-द्वश्व-सर्-ह्वाश्व-स-नु-र-द्वन-स-स्द्व-स-नेर-के सूर मान्न रें नार्हे न सर है। माय हे श्रूय स ने से पर्दे न केर प्रशूर। वेशामश्रुद्रशामा दे शिवन प्रमाम माना दे निवित र कुर हे हैं है कि यशःग्राद्यन्त्रः स्थाः स्था यानेते श्रूयामा उसापामा प्रेता वेमात्रा दें तात्रत दें सार्थे मसावह्या त्रीमा त्रेःनःस्र्वेःनकुरः*भूगुः*श्चनःयःत्रेःनःस्रवाःनकुशःस*र्*दःयःकेषाःकरःनस्र्वः यर शे वर्रे द : यर वया देश दे हो : य व व व हा रें : हु द व हे व : यर शे वर्रे द यदे हिम् देशने दस्य अप्यव दुव गडिया गडिया गी सूय प्रमास्य से प्रेव यदे हिराहे। देश दाश्चाया यस के प्यर्देन यदे हिरा प्रविस्ता शुक्ष सिंदा स्टा खियायायार्ज्य में व्याची होते त्याया प्रमाणिया में विष्या में प्रमाणिया में विषया में प्रमाणिया में प्रमाणिय में प्रमाण वहीर वर्षा वर्षा निर्वास तु मार्श्वस ही हु हो दे हर वेदस सुदे द्वर वीस हुर यः स्रे। कुर् स्थायर से हिना स्वा स्थापन स्थापन ना से रापन है। वि नदे सु धीया व्ययासिक्र प्रमा विषाम्बर्धरमामके द्वीरा यरावा देशामा वृत्तरा है। विव सद मा विवास भी तहूं वा सर म्हा न निर्मा कर मही । निर्मा कर निर्मा नि भुःभुः नःश्रुवःभुः सर्केनाने श्रुवःभुः र्येन्य स्प्रिं कुर्वः वर्षा नर्वे दिः श्ची-य विद्युक्त की शिर्द्युत्र में स्था श्रेत्या शिर्म श्चिम श्चिम विद्या विद्या श्चिम श्चिम विद्या विद्या श्चिम श्चिम विद्या श्चिम श्चिम विद्या श्चिम श्चिम विद्या श्चिम विद्या श्चिम विद्या श्चिम श्चिम विद्या श्चीम विद्या श्च भुरदे दी | इसम्म में यापि विराम से किया में से में मंद्रवावि वे दे रेम नविव सरम मुम ग्री सूय नवे ने भू गमा नि । दे नवे

कुषार्चि स्वान्यावरप्रवासी स्तुरानु सिरानु मिषा स्रापन सुषा निषा ठना नी रेहें व पा इसमा धीव रेहें। । सरमा कुमा देसा ने द्वा के व र नुसा वसा श्रुवानायाने निर्मे श्रुवानि ग्राम् ने वास्त्रायाने निरम् श्रुवासानिया केगा कर दर गर्के प्रोवेर दु श्रुव न दर हु प्रस्वा पाया सुर से ग्राया र्थेन् प्रदेश्चिरिते। निर्मेर् दर्शेष्ट्र प्रायाणा इत्वादारी सञ्चात द्वारा के निर्देश र्थे न्नरायाञ्चे नर्छे नकुरार्थेराम्या सराय इ न तुन सरावेर निर्दार निर्देश नक्तुन्-नुस्रास्त्रस्राध्यस्य सुर्यान्यस्य स्वापन्यस्य निस्राचा निस्राच र्द्भेव मानि का श्रुवा नि मुन से मानि स्व मानि स र्सेट्न वार्षे विट्र वह्मा क्षेट्न हो ना स्वाप्त का से से हिंद्र वाश्या ही से ट्राकेत से गडिगान्दा बुव सेंदासाधिव सार्से दाळेव सें दे हो ना ब्रगान कु कुन नदारी ने मह्याने खेन कुन महिया प्रान्ता ने मह्याने खेन कुन महिया सही ने मह्यार्या ने खेट रेन विद्याय स्तु स्यार्क विवासे मानाय में सूर वृग्य सुन यापार मारका हे खेंद्रा पर्देदा सदे ही या श्रुव सेंदा साधिव या पदी पा पदी खूर न्मान्त्र प्रदेव स्थानिया ग्रम् स्थित स्थानिया स्थानिया ।

## वह्रीत्रायशा

भूतिः नित्वा होता । अध्यात् धुन् । चिष्ठा नित्वे त्या वे स्वर् । विष्ठा स्वर् । विष्ठ् स्वर् । विष्ठा स्वर् । विष्ठा स्वर् ।

डिगान ने वसग्रामा सूरान ने निविद्या विरायि ने मुस्या मुर्गित्र मुर्गित बेरा यायशरे हेशयबर प्रावह सम्बन्ध स्वर स्वर हे हैर बेर वा दें त वसवायासार्थेवायाणीयाद्वेदावद्येषाययाहेरावत्त्रार्थाञ्चयाञ्चादि वदे वर्षेत्रायमाधित्रायमाविकालेत्रायमात्राया न्यायकवावन्यते स्रीम्। वर्देनः वा वसम्बर्धां क्रिंग्यी भूष्या विद्यान्य वी विद्यान वि श्रुवा भु विं त्र विवासर विशा वें तार प्रवा वर्दे दा वर्दे दे हो। वर्दे दे हो। व्याने। क्रिंशार्येट्याञ्चायाञ्चात्रात्राच्याचेताक्रियाञ्चारात्र्यात्रात्रात्र्यात्रा यश दे निवेद दुः इस दिवेय दूर द्वा ध्व दुर दिव दिवे ने ना सुस ना स भुग्गश्रमागायाळे माभूमाग्रमान्य माने दे प्रदेव प्रमाश्रादर्ग विमा गुंश्रद्यासदे मुर्ग हिंदा स्रे। दे गुश्रुय ग्रायाय वेया सदे ग्रादा मारे ग्राश्या नेरासं वर्गन्त दुवायम। दूसायवीया दरान्हे नया द्या थ्वा रु.सू. यासुस ग्राह्मानवे न्द्रिंशानभूत ग्री केंशा भ्रान्ताने वे प्रवित प्रश्ने साम प्रति नित्र प्रति । याम्बेरावर्षेदावर्षेत्रावर्ष्यराम्बा देःस्ररावर्षेत्राम्ब्राचर्न्त्राची न्वित्रायाधित्रपरिष्ट्विम् नेमात्रया इसाम्बन्धा इपायसम्बन्धायिः नवेर्यर्स्स्म स्ट्रिन्स्य मङ्गेरिन्स विकासी मानवित्त सी मन्द्रे स्ट्रिस्स स्ट्रिस् विभागशुर्भागते भ्रीमा गविष्णा प्रमाभाग्याम् भागविष्य प्रदेश न्र्राचक्षेत्रः मुः वह्येयः त्राचार्यात्राः स्रीतः वह्येयः त्राच्याः मुद्राः त्राच्याः वह्याः स्रीतः वह्येयः व वया दे यः श्रुवः श्रुवे वद्येव यथः ग्रीयः चिवः पवे द्ये प्रत्य उत्तर वदा व यदे भ्रीमा वर्देन से त्राने। वर्दे वे नर्दे सामान स्वामी वे दिसा सुदे वे नि केव्रार्थिशाशान्यकुत्वराद्वराञ्चरान्द्राच्याद्वराष्ट्रिक्षाच्याद्वेवरा

यसःसँग्रासःपेंद्रःपदेःद्वेरःहे। इःचर। स्रद्यःक्त्रसःच्रेदःसँग्रा वेयः स्यामान्ता देव बर् की सर्जिया हियामान विकास है न की विस्था गर गूरे सुर गे हे स क्रेर र ग ह सके र र र र र दिया हे व ही । वस्य र रे न्नान् अर्थाः कुषान् वें साध्वायन्यानार है ख्रेन् वेना नत्नाया ने रादर्के र्भूट्रिन्द्रान्द्र्राह्म् व्यादे द्वायान्य वर्ष्ट्रेव्यात्र्यात्र्यात्र विद्या वेशामशुर्श्रामाते भ्रम् धरावि दाने क्षेत्र निर्मेद सेराम बरामी शारी क्षा क्रूशः भ्राप्ति वरः श्रुरः वेरः वयरा वर्षा श्रूरः द्वा श्रुरः द्वा श्रुरः वर्षा श्रुरः वर्षा श्रूरः वर्षा श्र न्द्रभानमूत्रामी विद्यास्य मान्या न्या नरुदादबर् मदे भी वर्देर से नुषा है। श्रुवा सुदे वर्धे न वर्ष र सार्थे र यानाराविन वेद्रशासुदे दे दुः सार्येदायदे भ्रिया दराये गुनासे। केनारा र्श्वेरास्त्रक्षराक्षेत्राविष्ठेरायसायाञ्चयाञ्चवित्वेरायसायाञ्चरत्वे सामवे श्वेरा है। दे अव कद वह्ना ध्राय क्षेत्र में व स्वाय स्वय सुदे न स्व प्राय विन पदे धिराने वर्धे क्रियं वित्वति वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे द्रायं वर्षे द्रायं वर्षे द्रायं वर्षे द विशःश्वायाः में द्वारे प्याप्ता स्था विश्वास मुना से वार्षिया पाया कर्वत्वह्या पुत्य ही नमूत्र याया वेदिया भूते नमूत्र या रे पेंद्र यदे ही र वशर्येदशःश्रुवःगदःषददःह्रसःहतःश्रुवं श्रुवः धराष्ट्रिवः धदेः श्रुवः हो यह् गः यदे.हीरा रे.क.र्व.य.री श्रूय.र्व्यय.वीश.ल.लेश.क्ष्य.श्रुदे.वहीय.वश्र.श. नन्ना से तम् नम् मा दे ता वेद्र मा की तम् से ता की तम् वः अः चित्रः भ्रे। देः निहेशः ग्रेः विद्येवः यशः ग्रेंदः सः नः यो विश्वः के शः भ्राः याः न यश्चर्यश्चर्रम्यन्द्रमित्रे श्चरित्रम् योष्ट्रम्य गुर्दे म्याप्ट्रम् वेदशः श्रुट् हेवाशः पदेः भ्रुः वः श्रवाशः परः श्रूटः वः वश्रुटः पदेः श्रुं वशः देवः वुः

नः अह्र-प्रभाव। मनुषा चुदे भ्रे विष्ट्र- वाषा महेव प्रदे ष्य प्रदे वन्ना र्रातानहेत्रत्याद्युरान्स्ययादे केंया ग्रीस्याचे प्रेति । वियान्यर्ग यदे हिर् किंतर या भेशकेश केश मुर्ति देश गिर्य गिर्व हैं देश हैं अर गर वया वर्षेत्रायमा इसमा दे वित्रायिक हिना मान्या हिनाया वित्राया वित्राय ज्ञुनः स्रे। जुरः सेस्र भाग्ने : क्वें नासः नाहिसः यः यन् । यः दिनः से दः से स्थानः ८८। ग्रावितः र्देवः ग्राञ्च ग्रायः भ्राविकः सदेः र्देवः स्रोदः सदः प्रवादः स्वावः स्रोत्रावः श्रीकः विग्रयार्थे । प्यरायाने ग्रा धोरवेशा के साम्रादेश्य प्रामुद्राय साम्राद्राय स्व नगरमी पॅर्निन्त्र। धे ने या के या सुदि वर्षे दाय या मी सक्द हिन्। ने निविद नुःश्रुवःश्लुवेःवश्चवर्षायवदःश्रुवः वेरावे योःवेशःक्रिंशः श्लुवः रहेन्दरः र्भामक्रमान् यानायि वर्षेत्रायमा के माउता ने दे हैं मा हिनाया विश्व ह्वाश्रः मुनः स्त्री देवे विश्वेष वश्याया मुनः पर्वे राया स्वार्थित व्याप्त स्वार्थित विश्व त्तुःनःधुवःवःधेन्यदेःवद्येवःवशःगहेशःधेन्यदेःद्येन। वर्नेन्योःवृशःहो। ने निर्मित्र अवस्था भी निर्मित्र में निर्मित में निर्मित्र में निर्मित में निर्मित्र में निर्मित में निर्मित्र में डेग रम्कु: भेश केंश क्षेत्र क्षेत्र क्षुत्र विदेश हुँ से स्मान्य की स्पेत्र हुत हो। भे नेयाक्रियां भूते पदीव प्या ही सक्व हेर्। ने पतिव र श्वापा भू प्यतर हुँ र बेरावा दें वा रटाकु धे लेश के शाक्षा दें त्या शुटा नवे कुया देंगार की धेंवा ह्रवाधिवाराने। सर्धिने वार्क्षेवा सुर्दे वित्ये वार्षा धिवारा वे सक्व किन रु'वर्हेग'रेगश'यर'वय। अळव'हेर'य'र्ट श्चु'श्चेर'ववे कु'अळव'र्पेर राषु.ब्रेम श्रिका.श्री.कवर.म्यायावर.श्रुम्य.क्वा.वि.श्रुया.क्या.ल्या.वि.साव.ब्रीम वर्रेन्त्र। रदेः भेने अक्तिं क्षेत्रः क्षेत्रः विश्ववित्रः विष्यः भेने अक्तिं । श्रुरिते हे अरु शुरु दुराव अष्टिय से स्वया वर्दे द सदे ही स्वर्दे दुर व स्वर केरी जूरशःशैकायारकःश्रीरःलरःवरी लरःविःश्रेय श्रियशःवर्टरःरेट्रशः

शुःगर्या गुःवर्षे दःयशहेरा नर्द्रार्ये गरा सुराया वर्षे दाया से प्येदा वा शर्थाक्त्राधितः वेरात् भ्रान्यादिरः न्रेर्थाः स्वार्थः वर्षे न-न्रमुख-नवे-सूना-नस्य-वे-नवे-वस्रेत-यस-य-वर्गेन्-मवे-ग्रुट-सेसस-क्रिंश उदा देर व्या देवे धेरा हिन या प्रया हम्या सुन हो हेर नत्त ही इटार्सेरावर्गेदायार्थे प्रेक्षिकायवे श्वेराहे। देवे द्रिया वसूका श्वी श्वटा सेस्रास सहरामार्थे भीतामवे भीताने। दे भीतामवे भीता समा वर्षे समाने। नदे यमा बेमा मदे नम् निर्मा नदे स्राम् निर्मा स्वादर्भि स्वादि स्वा यरयामुयाग्री सुन् ग्रीयादिया हेनाया स्यायर यात्रेयाया न प्राप्त स्थायर ग्रीप्यहेषा हेत् ग्रीप्यस्थापार गृदे ग्लाहर में ग्रीप्रा स्ट्रेन त ग्रहर केत न्या केन न्नम्भा भेमभाउदान्ध्रयानाकेदार्मान्नानुर्देतावेदासेस्माउदा वी'प्रश्चेत'प्रश्नाभीशाद्विय'बेर'त्। ह्र'प्रश्चुय'ग्रीश'दे'सूर'यर्गेद्'य'ळेंश'उत्। देर:बला देवे:ब्रेमा लराव:क्रेन । सरसःक्रुसःग्री:वर्धेदःससःसःमान्तः गुःने सूर वर्गे द रासे वा सेवा सेवा सेवा वा वी शाम्य ने रावा क्या रेट मैशाग्रामाने भूमानर्गेनाया सेनायमा स्ट्रेनायते होता स्ट्रेना सेनाये स्ट्रेना है। दे द्वा में शहरबुषाया नहें द्वा मात्या गुन्म गुन्म न सबदापर्या मा ल्र्यान्यत्रः भ्रीमा स्तरायः क्षेत्रा । देवे विश्वेषः स्थायः यान्यः वात्रः वात्रः वात्रः वात्रः वात्रः वात्रः व षयःविवायःग्रीयःवितःवेरःव। देःवःवार्षःवःवशुरःरवःवःवेर्याययाः यादर्गेर्म्सावरायायम्। त्वामाधिमाध्यायम्। वर्द्रमायदेश्चिम्। यमः वि हेव अन्य पर्वेद पर्वेद प्रथा हेर चर्त्र पर पर्वे द हो द हो द हो द प्रथा

ग्रे:धेव:पःसेन्:बेन्:वा दें:व:सन्सःमुसःग्रेवा:गैस:ग्रुन:सेससःश्रेन्:पः बः अः यः वार्ष्ठवाः वः वर्ष्ठमः कुः वर्षः बुवायः द्रयः वञ्जवः है। देयः ग्रमः दमः दुः नवेशःत्रशःश्रदशःकुशःसः५८:५्शःसहसः५्रेरःगोःदद्येतःयशःध्रुगाःसः हेर-हुनाःसहरायाचेनाःनीयानुयायासेरायराया रयानचरायहरा मावन भर्म अरमञ्जान अवस्थित । यो निर्मा अरम् । यो निर्मा अरम् । यो निर्मा अरम् । यो निर्मा अरम् । यो निर्मा अरम न्यानरदायम् पर्वे भी पर्वे न्त्रा यहे में वाया में में वाया ग्रियाचु म्द्रास्त्र सेंदायस में वापान दिया वापान से माना सुर्य में माना सुर्य में माना सुर्य में माना सुर्य में हु सेस्र न से दुर्ग वाया देवा सामी सामित वाया देवा सामित साम र्केशः इस्रशः ये :केंशः ग्रें। सेगः दृषः सेट् :केटः दे :सः दृटः त्रयः नः दृटः। वटः सेः श्चे भेशायदे वर्षेत्र याचेतायर वभूतायदे देवा सेतायर वया सर्ते देवा म्बर्भ मदे के विकान्य मिला है निकार के मिला महिला है । सर्ने ने मुश्रुद्रश्राम इस्र प्रदेश्वित एर ने न्दरने न्या प्रवर्गे न हो न साधिव यदे हिर्ने वि.य. खेला या खेरा यदे वा स्थान स्थान है वा स्थान वयर। ने न्या वर्षे न् हो न हो त्ये वर्ष वर्ष के व्याय न वर्ष के स्वी में हो न्यान्यत्यवन्यत्रे स्थित्। ने निवित्र नु स्थान्येन प्रमा

गहिश्यः संस्टा स्वार्थां ये विष्या श्री स्वित्त स्वार्थां स्वित स्वित्त स्वित स्वित स्वित स्वार्थां स्वित स्वित स्वार्थां स्वित स्वित स्वार्थां स्वित स्वित स्वार्थां स्वित स्वार्थां स्वित स्वार्थां स्वित स्वार्थां स्वित स्वार्थां स्वार्थां स्वार्थां स्वित स्वार्थां स्वार्यं स्वार्थां स्वार्थां स्वार्थां स्वार्थां स्वार्थां

सक्त हेरी श्रिया श्री ययदाप हैं सा श्री दे के सा ठवी दे हैं तर दर धे ते ही. हेर-नत्त्र-व्यन्दे। यस्यायादर्गेन-सहरात्त्वायन्यस्य वाचिनाः हेर नर्तरार्धेर् मदे भ्रेस हेर दुवार्धेर है। क्वें वायाययाया वाश्वया क्वें सायया याने व अर्वेदायमाया विवा क्षेत्रायमाया वर्गेदामवे दे वर्षे व क्षुदार्थेदा यदे भ्रेम प्रार्थ मुन हो इनमा वर्षे इसमा ने प्रवेश्यम प्रार्थ विमा र्श्वायाणी क्रियाया यह नाहिया चुटा यहिया या वात्र स्था हा यह से स्थया उदास्यमार्देव। वया क्रेंदामान्द्रेनाद्रा वेयाच्या पश्चामान्त्रे। इ नम् गहिरा वर्षे राज्या । विराह्मा नवि नः श्रीयाययाय वर्षे दः परे दे नर्जे नक्तर<sup>-</sup>र्धित्रदे। अप्राहेश्यास्य न्याशुस्रास्य प्राह्म । श्यावीय स्थान्य श রুবার্যবাধ্র্য্যথ্যবার্ত্তবা । শাবর্ব্বর্যাথ্যবার্ত্তবা শাবস্কুর্যাথ্যবার্ত্তীর্বা अन्त्वानायाविकान्त्र। अन्त्रज्ञायायविन्त्रित्वित्वार्धेन्यवे क्षेत्र। न्तः र्थे मुनः ह्री इप्तरा नहयन्दा वेशमाशुर्यायदे हिरा महेशपासुन ह्री इ.चर्। रेश्रमकाराजुरायारा वृषामश्रीरकारायुर्य मश्रीया मश्रीयायायीय म्रे। इन्नरा खुर्याच्दाहर्ययादी विराम् भीतान्ता विरामशुर्याय से ही रा न्ते न ज्ञन है। इन्नर् इन्छन सेसस न्यये। द्या इस सर न्या न्या वेशमाशुर्या यूनम्बान स्री इन्नम् देशमन्तम् । शेस्रशक्तम्बन्धे ळन् सेन नियाम्स्रिया द्वारा सुना से। इत्या सरसा मुसानसेन स्यामा वमा बर्ट्स स्प्रिमाश्चानिमान्ता विभागश्चरमा दश्यानु यान्वेनार्थेन्ने हार्द्रयम्यायाद्रमेन्यास्री विश्वासी क्रिन्न्मेन वसम्बार्थास्य ग्राम् भी वार्क्ष्य न्स्राम्य स्वेत्र मान्म होन निर्देश वर्षित यश्राप्तवेद्रपदि: म्रिम् इत्रिमा में भूत्रश्रा इस्राप्तव्दर्यश्रा धेःवेशः क्रिं भूदे पद्मेव प्रभावे क्रिंग उवा इसाम है श्री मह्म सर्ग प्रभावेद

यानुक्षा अर्ह्मा स्वान्त्र हो। इत्या वर्षा क्ष्रण व्या अर्थ क्ष्रण व्या क्ष्य व्या क्ष्रण व्या क्ष्य

८८। वेशःश्री । गहेशःयः ग्रुनः श्रे। ४८: नवेतः ग्रेश । श्रेटः यः हेटः ८८। विश्वासी | पश्चास मुना से । पहिश्वास । विश्वासी | दिवे पर्के प्रमुद र्षेर्दे । अ.महिश्रासाव्याव्याचित्रासायाचित्र । इत्रासायाचित्र । नर्द्र यर महिम नक्कर यर महिशा द्या नर महिमा । श नह नर पर्वे र परे वडुःगहेशः धेन् प्रदेश्चेम न्दर्भे ग्रुसः सुवासे। वहवन्दा वेशन्दा द्यीग्रायायाया वेयाद्रा स्याउदाक्ष्या दे स्पर्या क्षेत्र द्रा विया गश्रम्यायदे भ्रम् वर्षे न मुनास्री मुनास्त्रमा वर्से गाया न मिना र्शे वि.स.चीय.है। चिर.क्य.ह्य.टरा वेश.श्री वियास.यवी.यहिशाल्य. दे। अ:नडु:न:र्वेन:अ:वना:य:नाडेना भ्री:न:नाडेना:र्वेना:वी:नाशुअ। श्रेट:स: बःसायायमें दायदे पक्क दार्थे दायदे श्री सामा स्वामा पासुसा देसा प्रवेद है। सरमामुमाबिदा । इसायर द्याद्दा वेसाद्दा देसाय द्दा । सेसमा <del>७वॱर्</del>देवॱवेॱळ्ट्रायेट्र्ट्रा । यह्यः क्रुयः ब्रध्नेवः स्वायः प्रेवः हवः दृहा विशन्ता ग्रम्कुन प्यत वया वन्ति भित्रा श्रे से विशन्ता विश गश्रम्यायते स्रिम् वर्ष्या स्रिक्ति ने प्रमान्य स्मिन्य स्मिन् सेटावर्षेत्रायसायवटार्केटाहे। देवेंसावहेत्रावदेवसूनाविकाधितायादेवे बुरा वर्ष्ट्रायान् है वाद्वास्यास्य माळ्या स्वास्य देवे वर्ष्ट्रे दाय हेर-नर्तर्रा गुःषङ्कःदसःरेग्रासः होत्रःसुःनविदेःदस्तरायसःसुःदर्देरः यम् वेग्राम्यन्त्रम्रोस्यद्वेदःवर्श्वा

मुला भुगादित्या देन के निविद्या के स्वति स्व हिना स्वति स्व

षरित्रसे। क्रिन्दिन्त्री सुग्रामा त्यादिर नमून देवे न स्थाप सर्था दसम्बर्गा में मुम्बर्गार्वे दिवे दिवे दिवे दिवा का मिना में मुम्बर्गा के निष्म का स्वर्गा षोःनेशःक्रेंशःभ्रदेःवद्येदःवशःषोदःमदेःद्येरःदःसःव्रितःहरः। वर्रेदःसेःत्शः है। अद्यासुँयाग्री:भ्राद्याम्बुदामी:द्येदावयाग्रदाधे:वेयावायामहेदा यर हुर न से द परि भेरें दे भूग साया साद में दसाय है सुसाद मानी हु न ॻॖऀॱऄॕ॒ढ़ॱॸॖॱढ़क़ॕॱढ़ॏॸॱॵॱऄॺॱॻॖऀॱॾॆॺॱॶॱढ़ॕॼॸॱॸॱढ़ॏॺॱऒ॔ॴॺॱॴॶॸॺॱॸढ़॓ॱ ब्रेम यर्ग्वान्य अर्थाक्या शिष्ट्रीय व्यथा प्रीत्र वित्र मुद्रा प्रीत्र न्त्रीयास्य वाल्या वाल्याये याल्याये यात्रीया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषय यदः मुः सळवः परः द्वाः पेर्टः पदेः भ्री रः दः सः छिन। ह्वाशः सुनः सूरः नन्दुंग्री:अर्द्रवर्ह्नेवाशःक्ष्यायायायादावशःश्वरशःमुशःग्रीशःवद्येवःवशः द्देः सृ तु अ न गे नि र हे न सु न स्व भी अ के न धो त म दे ही न स न म पर्दे न से । तुराहे। यहरा मुरा ग्री वर्षे दायरा मुन प्रदेश में में प्राप्त कि ना มีมมาธรายมมาธราชิาวราหิรายมมาธราญารราชูามรมาชาชา वस्रेव यश्याया नहेव वशा मुद्दा नित्वशा मिन सदे से मुद्दा वह ना यशा ने निवेद अद्या कुषा सञ्च प्रेया निवेद निवेद ने से दाय सम् मूर्याय विष्याप्त विष्याप्त विष्याप्त विष्याप्त विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विष्य विषय विषय गटायमायर्गे नार्ग । मार्ट्स स्र्रायार्गे गटासक्ष्म । विमार्शे गमार्टा र्श्केत्रायमायम्। यदे या त्रम्भमा उद्गायन् या वर्षा । यसून या ह्रेदा द्रा नगुरः भ्रे: ५८। । नडमः हे । सुदः रेटः नद्याद्या वेया सँ न्याया से न्याया स्वाया स्व सर्वे द्वायम् स्वार्धि। यर्देर:श्रूशःश

448

सर्वेद्राचा सम्बद्धाः सम्बद्धाः स्वर्थाः स्वर्थः स्वर्थः सम्बद्धाः सम्बद्धा

न्यार में निर्देश्यम् स्थित निर्देश मुद्धार क्षेत्र क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मुद्धार क्षेत्र क

स्थासी निवास मित्र मित्र

खेट. हूं वाश की अक्षुत्र अटय वर्षा विष्ट्र प्रेट क्ष्यश हिंगा की या की विष्ट्र हों वा की या की या की विष्ट्र की विष्ट्र

त्यवाश्चार्यः वश्च्यः प्राच्यः व्यव्यव्यः व्यव्यव्यः व्यव्यव्यः व्यव्यव्यः व्यव्यव्यः व्यव्यः व्यव्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव

द्भग्नान्यस्य द्यान्यस्य द्यानस्य द

मुनःन्वरःर्वे व्ययः वर्षे वः सवे छेन् न् नर्थे । वन्ना ग्रामः सेना शामश्रु शास्त्री वः न् मान्य स्वानः स्वित । न्यना प्यश्चा स्वर्धा स्वर्धे न् स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धाः स्वर्धाः । स्वराध्य साम्यास्य स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्य

सर्वेनाम्बुस्यस्य द्वान्त्र्यं स्वित्यः विष्यः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स निर्मुसः सः स्वेनः स्वतः स्वितः स्वितः स्वितः । निर्मुसः सः स्वेनः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः । स्वित्यः सः स्वेनः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः । स्वित्यः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः ।

देशतिश्वास्त्राचित्रं के क्रियां मान्त्रे क्रिक्तं मान्य स्थान्य स्थान्त्रे स्थान्त्ये स्थान्त्ये स्थान्त्ये

२००१ | स्याधितः भ्रम्यश्यक्तितः स्वीतः स भ्रम्यः प्रवादः स्वीतः स्व

## अर्केन्-नाईन्।

२०० | दिश्वाचश्चाक्तां स्वास्त्र स्

यार्षेव् नृते नृत्य न्य या स्वाद्य स्

## বর্ষান্ত্র ক্রামান্ত্র

भून हिना अन्ति स्वार्थ अर्देश स्वार्थ स्वार्थ

यवत्त्व्यत्त्राच्या व्ययात्राक्ष्यां स्वाद्यात्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्यत्त्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्त्राच्याः व्यवत्यत्त्राच्याः व्यवत्त्रच्याः व्यवत्त्रच्याः व्यवत्त्रच्याः व्यवत्यः व्यवत्यवत्यः व्यवत्यः व्यवत्यः

ख्यायायाने से सुरानवे से मा ने सामा हे या के दाख्यायाया वर्षे दावस्य *ॸ*॔ॸॱॴॖॿॖॴऒॸॱय़ॎख़ॺॱॴढ़ऀॺॱढ़ॱॴॺॸॱॸॖ॔ॱढ़ख़॔ॸॱक़ॖॱॸॱऄॸॱय़ॸॱॸढ़ऻॸॱ यदे हिम्। यर मिनेमारायया यर्नेन प्रदेशियस्य न्या सुमारा सेन न्या | यरयः मुयः इयः परः पळं रः येः मु । वियः गशुरयः पवेः भ्रेतः । र्सेतः र्पेतः यान्य प्रात्रिक्षा क्रें तामित्र प्रात्ते प्राप्त प्राप्त प्रात्ति। प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प् য়ৼ৴য়য়ড়য়ড়৾য়ৠ৾য়ড়ৼয়ৼয়ৼয়য়ৢয়য়ৼয়ৼয়ৼৢঢ়ৢ৾৸য়ড়৾য়ড়৾ঢ়য় वा दे से प्रवर्धित हे ना से वर्ष से का अदशः क्रुशः ग्रेः अह्दः प्राञ्चे अह्दः प्रवेः श्रेषः भूषाः में प्रवे विदेशक्षे । श्रुषाः में प्रवे विदेशक्षे । यर्थः क्रियः वस्यः उद्द्वाः सेदः द्वा । यर्थः क्रियः सः शूरः वर्दे दः विस्यः सा | अरशः क्रुशः अहर् पार्शे अहर् दे विशामश्चरशास्त्रे हिम दे त्यावितः सहर्मान्द्र-। सहस्याम् अद्यामुयामान्याम् अष्ट्राह्माय्यामान्यामा য়ৼয়৾৽য়ৢয়৽য়ৢ৾৽য়ৼ৾৾ৢৼয়ৼয়ৢ৾ৼ৽য়৾৽ৼয়য়৸য়ৼয়য়৸য়৻ঢ়৾৾ঀয়য়য়ৢয়৽ सरसः मुसः धेवः पदे दे दे दे दे व से है। गुवः च हुसः प्रस् गदः द्यादः वर-त्-वृद्र-कुव-श्रेस्रश-द्भवे-श्रेंद्र-ध-ब्रस्थ-छन्-द्र-। यद्य-कुय-ग्री-श्रेंद्र-यापार वर्दे न सवे विस्र शासू व सवे वार वा वी विश्व वासुर शास वे हिर व.स.वियः वेश्वराजार्ष्य्यः मे वियासम्बर्ण विमःक्ष्यः श्रेस्यान्येदेः श्रेन यात्रस्य उद्दर्श सद्या मुखा भ्री क्षेत्रा प्याप्त वर्दे द्रा प्रदेश विस्रया सुर क्षेत्र यदे वार बवा में विश्व वाश्वरशायदे हो र परा वर्दे र यदे विश्वशास्त्र सुन यदे ने महिरा से नियन से नियम स

ग्रेप्टिं क्रिक्ष क्षेत्र प्रदेश्चेत्र सर्हेत् प्रमाण्या क्रेत्र प्राप्त सेत्र प्राप्त सेत्र प्राप्त सेत्र प्र कुन नरा निर्भय गित्रवास्त्र स्रमारे ना हे गाया गुन् हो थी र्स्त र मराका सर्वा विशः र्रेवः पः न्दः नशे सुः स्टः कुषः महिशः र्रेवाशः यसः दशः नशसः गहर्निन्दि सदे समदायानहेत्र दशासहस्र मत्या मुद्रा गुडेगा या महामहा गे'से'र्स्नेन'यस'र्नेन'यर'पर्नेन'य'न्द्रासुन्य'स्त्रुन्य'पेन'यदे'सेर्ने विया केव स्यायायायायाय र दुःदर्कर कुः यदे हेव यः देवा क्षेत्र वि दर देशः धर-८्रु-श्रेस्रश्ग्र्य, वर्देद-धर-घय। वैवास-सेद-ग्रीस-ग्रुट-दे-सूर-वर्देद-यानार विन सु सुन गरान विना वयन याना है है से परान विना क्षेत्र न्स्य-ज्ञाम्बर्ष्यायन्त्रवेता ध्रुसावनुसायायमाग्रहाने सूरामन्त्राय हिरा हर्गशन्दर्भे गुनः है। हैंगाने प्यन्य न्यम् प्यम् शार्मिम् सेर् भी भारते हे दे दे से दूर भार्ते हुं है वा भारते हुं हो भारत है भारत है साम हिसा मार्थित भारति है या निष्ठ निष्ठ विष्ठ विष गश्रुयः इसः धरः नव्याः धः हेर् ग्युरः श्चेतः द्वेतः ग्रीसः रहा ये । वसूतः वर्षेत्रं ग्री:भ्रम्यशःशु:दर्ने:भ्रम्यन्यन् रने:देवा:भ्रम्यः च्रम्यः स्ट्रायः हिवायः प्रदेः मुर्ग सरमाम्यान्ये सर्वे स्वायान्य स्वयान्य स्वयाय स् याम्याना स्रे देविदायमा वयम्यायामा है हे स्रे या वे महामा स्रोति स्रोति । ग्रे क्रें प्राया उदा वे या ग्राप्त या रे प्राया प्राया के वि या ग्राया के वि क्रिया बर्न्, वळर कु वर विदेशिय हैं वा वो ववर व वश हैं र वो शुरा ग्री क्रिंट के दे रित्र क्रेट दे पा क्षेत्र वे या ग्रा निया के दा प्रा प्र प्र वे या क्षेत्र के प्र गर्श्रदश्यादे हिन् ह्रम्थ ख्राया मुन स्री मान्य मार्ड ख्रे से हान हिन

ध्या केव सेंदे याव अ ने र सें र अ भूर अर अ कु अ र या या र विया वह अ तु ग्रेट-तृ-चुट-कुन-क्षेट-चे-हे-च्-न्न-तृ-सुय-भूर-वर्कट-कु-क्य-क्ष्र-चवे-बुरा हगरा बरादर में गुरा है। धुरा देतुरा रायरा गुर कुरा रोसरा न्यदेः ने अर्म्य श्रीः क्रिय्य दे न्यन् श्रुवा के द्राये दे दे व देवा हे दर् के अर निराम्बर्यास्य स्वर्त्त्र स्वर् द्वायास्य एक रामु निर्वाम्य स्वर हिरा गहेशमात्रुवाक्षेत्र वर्त्वसायमा नेशम्बराग्रीहिरायमहे हिराह्म ग्रे क्षेट रें र प्रमें र हेट रें बिया ग्राहर या पर पर हिन् या पर पर है गाय है। इस सिंदेर, हुरा साम्या, यो अर्था प्रस्माया जाता हुर अस्ति । हिया हुरा हिया है या या की रेहें व परि कार का वस्ता का परि का की कार का की परि का की की परि का की वयात्यात्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या दर्द्दाक्षात्र्या यद्दात्र्यात्र्या मुश्रासाम्यात्रे भेर्त्रेतायसान्यताची शास्त्राया समय प्रश्री प्रति सिम् हैंगाने विनरान स्था हैं नियान निर्देश में निर्मा निर्मेश सेस्था ठवः इसमायद्वायान्यः स्ट्राप्तः स्ट्रापतः स्ट् ग्री क्या या दे । द्या मी क्या हैं या यो द प्रवेद । द्विया प्रमा ग्रुम छेद । वे या दिया हे·बूटःप्यम्। ऍटमःशुः<del>ऍ</del>वामःपदेःक्रमःग्रेःश्लुःवेनःपदिःपित्रःपःदेःश्लेनः यर सुँग्राग्र पहुंचे पहेंचा हेव की प्रियं हिस्स्य स्थय सुवार हिस्स्य की स्था ग्रीयान्य केट मुद्दा से प्रकट पर से स्रया क्वा मी दिवा स्राह्म ना प्रवाद है ग तर. ग्रेन् क्राम्बुर्यायंद्रे श्रेम् ग्रुयायाया वित्राम् यर्या क्रुयाया वर्णा रादु.शक्र्या.यी.श्रेंज.श्रें.लूर.सर.घजा अटश.भ्रेंश.श्र.घया.रादु.श्रेंज.श्रें. लूर्तराष्ट्रियः युषात्रियः स्वायायीयः ही यर्याम्यायायायायायाः भीत्रायु लूर्यस्तुरी ध्रमायस्या सर्याभियातीः श्रैसाराषुः मुनार्यायः विवार्येटशः श्रुं दः ह्वांशराये श्रुं द्राद्राद्र्य सुर्खेवाश्रं राख्य विवार्य स्वा व्यश्चित्रवेद्याचान्नुवान्द्रवेद्याच्यान् व्यश्चित्र।

हिंदि के के क्ष्याचान्नुवान्द्रवेद्याच्यान् व्यश्चित्र।

हिंदि के क्षयाचानुवान्द्रवेद्याच्यान् व्यश्चित्र।

हिंदि के क्षयाच्याच्याच्याच्यान् व्यश्चित्र।

हिंदि के व्यश्चित्रवान्द्रवेद्याच्याः क्ष्याच्याः क्ष्याः क्षयः क्ष्याः क्षयः क्षयः

षिरः दशः देशः धरः वर्त्वुदः चर्तः द्यीयः दः वेशः गश्चिदशः धरे । वितः श्ले। यविषाःलभाषटा मि. २८. २ सर्भावसाय प्राययः २८. सक्षाः सः ५ व. सं . कुष्टः याः यः यमः मेराम्प्रम्भागानायनरानदेः नमय । सुःनेमायमेरानायम् राम र्टा विश विद्यार्भियार्थियाय्याय्याय्यायाः विश्वान्ता रटाय्येयायश सर्वे विरावसायायारेगायसावे निरात्रसर्वे निरात्रसर्वे नावसास्यायस्य वेशःगशुरुशःभवे भ्रीरः५८। ग्रुटःशेश्रशः क्षेत्रः में शःदे श्रीवाशः श्रूयः दशः सर्केन्यरप्पराचेन्। इन्हम्यान्यमहिन्यास्यान्त्रे हिमानोष्यम् चैराद्ध्या शेस्रयान्यदादेन्। यस्यामीयास्य सम्हिन्यास्य समावस्य स्थानियस्य र्षेर्-य-र्ग्मेग्-य-र्ग्मान्य-सर्हेर्-डेर-वेय-र्थे। इन्ह्रम्य-म्युय-य-गुन-है। हैंगानो प्यथा नरे नर मिनेग्राय हैंग्राय कुत्र नत्त्वाय स्यवत षश्चान्यायोशास्त्रयायोशास्त्रादासेन्यदे न्यायदे स्वारी सुवार्श्वन्या सदयम्ब्रियानदे केंद्राम्बर्द्रान्तु क्रुव्य म्ब्रियाया वेशाम्ब्रुद्र्या मदे से स् नेयात्रायात्र्यात्त्र्यात्रीत्र्यात्यात्र्यत्रेत्रात्रा द्वान्यत्रा न्त्रीत्रायात्र्या मुगाने केंश भूते में विश्वेष प्रमाय मा ने वे प्रमाय समय न्यायी अवर बुवा संक्षे वेद न्द्र अवद न्या वर्ते र अवर बुवा हेट सुवा नु चूर नदे भ्रेर ने या सुरय मदे भ्रेर महिया महिया देश स्था सहिद के या उदा क्रिंशः भुः विशान हेर् प्राये कुः सक्रवः व्यार्गितः दे। क्रिंशः क्रिंग्या गरिया यायाया सबर बुगा धेत प्रशक्ति भू लेश नाई द परि द्वेरा द्व सा श्वेर में दि रूट व्रे.न:विना:विना:वत्रुअ:अना:ग्रम्अने:यम:नर्केन्द्रअअ:न्दःधे:नेअ:ग्री:

ळॅं नाया न्यना पुरसे न पाने प्राप्त स्थान र्टा श्रिकाराका अवसारास्रेट्रायदे सबर ख्रिया पदी । प्रवाहन सम्मा न्याया हिंकि हैन के सुरक्ष है। विश्वास्त्र स्वीति सबरः बुगा परि धें त हता लेश परि दें तें पेंदा परि खें हो र दर । धे भेश केंश अःल्रिन्सदेः द्वेता देरः त्रवा देः क्षत्रः त्रें वार्या सेन् ग्राम्यते विद्या सेन् निर्मा र्वेत्रीयाः याहेत् स्परः चलेत्। दत्रसः स्थाः ग्राटः चल्तः सदेः द्वेत्र। हयायः दरः र्ये गुनः भ्रे। हैं गानो प्रवर्ग प्रथा प्रयाय प्रार्थे ग्राय से ग्रीय से विया यात्रभा र्वेत्रभाद्रायदेवाश्वापाद्रभाक्ष्यामुश्रामु केरासायदेशाया यार्शेन्यश्रास्त्रे के शामी मिन्या मि |गहेशना गुना है। गुना सहिन नहीगा गहेन छिशा ने त्या के सारी सुन्स यामहिकाने वर्षा ग्रुका मुका पर्दा वर्षा मार्थे विकाम स्वार मित्र मार्थे हिना वियासे। देवे प्रमानुका ग्री सु दे अरका मुका शु ग्री द पर्वे ग्री द किंका ध्वेत मुश्रासुन्द्रिन्। प्रदेश्क्रिंशः ग्रीः स्टान्वित्रः हे । त्रान्वित्रः विश्वानाश्चर्याः प्रदेशस्त्रे स्वान्यः गश्यायाम् प्राप्ता यात्राया मार्चियायाम् स्त्राया मार्चियाम् स्त्राया स्त्राय स्त्राया स्त्राया स्त्राया स्त्राय स्त् वर वर्देर सद बेश वाश्वरम सद द्वेर विव है। खर देश लेश केश केंग हैं। नश्रव पर र्श्वेन प्रेव के नाम स्वर पर प्रवेत प्रेव हिंगा ने प्रवर में यश वर्नराधे के अन्ते रहें अन्ते मुन्नराविता है। के अर्मन की सार्मिय हुन यक्तर्स्यायम् मान्यायम् विकासम्बन्धा मानुमारा ૹ૽૾ૺૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૢ૽ૺઌ૽૽ૢૺૹૢૢૢૢૢૢૢૹૢૢૢૢૢૢૢૹૢ૽૱૱ૡ૽૽ૢૼૢૼ૱૱૱ૹૢૢૢઌ૱ૡ૽૽૱ ૹ૽૽ૺૹૢૢૢૢૢૢ૽૽ૼઌ૽૽ૹ૽ઌ૽ૺૹઌ૽૽ૺૹૢૢ૽ૺૹૢૢઌૹ૽૽ઌ૽૽૱૱ૡ૽૽ૺઌૹઌ૽૽ૹઌઌ૽૽૱ૹઌ૽૽ૺૹઌઌ૽૽ૺઌૺઌ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૺૹ हीरा देशवासुनविराद्ये देवाशासरामया हिंशासुनविश हिंशासूरा नस्यात्राम्याया वित्राचेता स्थान स्य

याद्यात्र विश्वा स्वाप्त विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्य

ररास्यायायाञ्चायाद्ये वात्रायाप्राप्ताचे अस्याद्ये वार्ष्या र् रही न वर्ष रही न वर्ष रही न इस मार्थ के प्राप्त रही रा रटार्ट्रेव के अ भु रहा वावव र्ह्रेव वा ब्राया अ वा वे या के राख्या यश रम्द्रिंगविव देव देव देव स्था भुद्रम् वी । दे प्या च हेव परि गुव हेव अन्द्रिन्ति वियन्ता देवायायात्वा दुवाद्वायया वर्येन्द्रययाये विया यं अ शुर नदी । नुस्र य महिस से में में न यर में मा हिस से । मासुस र र ही यःलूरे.री क्र्यानूर्यासीयायशिषानूरे त्युर्या भर्त्र में भी गश्याद्यामीयायद्यामुर्याणी । श्रुप्तस्यायर ते लेया ग्रुश्री । विया गुश्रुद्रशासदे द्वीत्र। धूराविदा द्ध्या दुः सार्थेदा दे। वर्षोया वन् त्यशा थे नेयःक्रेंयःश्ला यः न्दः संयोषः ग्रीयः सर्वेदः नदे संदयः श्ला कुदः न्दः । यः नडु मिं न्यां यर्षेट्र नंदे केंद्र अं कु के नरें प्र एक्र वरेंद्र वे नाये र क्रेटर या र्ट्-र्ट्-हेन्-भू। धेन्विशक्त्राःभू। वेट्राःभू। क्यायरःश्चेवायवेःश्चयःभून-। क्या श्चेत्र सेंत्र सदी श्वापा भु न्रेंट ख्र र पर्टेंद्र पह्र र प्रयान्यया माना से सात्रे। दे सें हेर श्री क्रूश की श्री लेखेश की श्री क्रूरश श्री श्रवा श्री र हर हर वर्र र री सरस् भ्रम् भ्रम् स्त्रे प्यन्वाकेन स्वर् । विस्यावासुरस्य स्त्रे क्रिया स्वर् स्वर् स्वर भूदे-५ ते न न मुख्य-५ वे दूर अर्थे ५ हैं न में नदे भू ५ ६ सुर्य मुद्दे ले म गुंश्रद्यायदे हिन्। भ्रेग हेन्द्र हु है दिन। गुंग यदे दिन हु गुंप दह्य

र्यायानिक्रामाने व मान्या में अपार्ट्स मान्या मान्या में मार्ट्स मान्या में मार्ट्स मान्या मा ॻॖऀॳॱ**ॸॕॱॸऀॸॱॸॸॱऄ॔ॸॳॱॷॕॸॱॾॕ॒**ॴॳॱॸॸॱॿॖऺॺॱय़ॸॱऄॗढ़ॱय़ॱॸॗॸॱॷॗॺॱ यन्दर्ह्या मुद्रि वियन्दर्भ क्षे कित्र वियन्त्र वियन्त्र वियन्त्र वियन्त्र वियन्त्र वियन्त्र वियन्त्र वियन्त्र स्राश्चित्र्म्यात्राः श्चित्राचित्रः श्चित्राचित्रः श्चित्रः श्चित्यः श्चित्रः श्चित र्रे के दे की भू दर हैं के शरी भू के लिया दे दा चुन के दा चुर कुन सके ना नी वर्षेत्राचात्रम् हेर्ने हिन्सु नहा विद्या हुन हिन्या यान्या हुन हिन्या यान्या । क्रिंश-तरा धेःभेश-हे-भुँख-र्त-दे-बेश-वाशुरश-सदे-धुरा भूवैश-दिर-भ्रु निवेर पर्देर या दर भे पर्देर परि भ्रु नार्दे वा भे भी में परि हो। वस नाया यं. म्या के विष्ठे न का हु गार दर्ग रह गोहे हस्य भी नवे से नय वर्देरः शेष्ट्री श्रुवार्देव शेरावबरा अवश्यक्षा निर्वे हुरा विके नुङ्काली म्याया अन्याय देरा भुगवि निष्ठ्व पर पर्दे न याप्त्र धित पर्दे हिरा वहर्द्धयार्थेर्ने हे श्रूरायश रे हे हमाया श्रुसर्रेणायर हा क्रें विशामश्रीरश्रामाया है क्रूराया बुरा वा नदे रहेया नु प्रत्मे या न प्रति । पर दें में हिन ग्री भ्राप्य सेवास मधि न्त्री नस स्मान नि प्येत प्रसानिस न्ता वहसान्यवाम्यासदे वर्षेया केत्रायशा ग्रामा ने प्यामें में दि ग्री:शु:र्ना ले:लेश:ग्री:शु:र्ना व्हरशःश्रुंर्ह्णशःसदे:शु:र्ना श्रुवःसदे: अदि विभागश्रद्भारवे भ्रीता दे त्या स्वार्मित देव संग्रामा भी ग्रीता स्वार्मित गुंशुअ:र्.चंरअ:रेअ:यर.पर्ट्राय:रे.श्र.पवर.यर.वला इ.यरा इस.स्. नविरक्षियान्य विष्यान्य क्षियान्य क्षियान्य विष्यान्य विष्यान्य विषया श्चित्रार्टे में ते क्रिया के क्षा के त्रा के त यदे गर्राट्य मे र्स्त्रित दे से दार मारा मिला के सामे हैं दे साम है हैं दार महि हैं

५.७४.सप्र. मुच्.में य. थ. मुं य. त. त्रीया त्रीया है . यू माया में य. मुं य. मुं य. मुं य. मुं य. मुं य. मुं य नयार्रे में देरे में भी ताकूरा की भी खेरा में खेरा चेरे से में वसवाश्वासद्वःवाश्वरः दे। ज्ञरः क्रुवः सुवाशः सम्भवः विश्वः स्वाशः श्रीशः धेः नेयाक्रियाक्ष्यान्य व्याचित्र प्रमाण्या क्षुरान्य व्याच्या क्षुरान्य व्याच्या क्षुरान्य व्याच्या क्ष्या व्याच्या क्ष्या व्याच्या क्ष्या व्याच्या व् नेर वया गुल्ट ने श दे के दे हिंदा अपन वा गुर कुन मुयायायवियाच्यायाण्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या गुनः सः नेदेः भ्रेमः वर्षे नः न भ्रुनः संदेः रे किन् भुः दे। वर्षे न भः ग्री भः न भ्रूनः यदे दे से द सर वया वर्दे द सवे हि स है सूर ये या ग्वित द के सम्मा ग्रे:भ्रु:दे:कॅशःभ्रु:वाशुरशःयाधेदायदे:ध्रेत् दें:दें:हेत्:वगवा:यर:द्युर:रें: वेशंगश्रुद्रशः यदे द्वेर द्वा दे ता क्षेत्र द्वेत सुद द्वर या प्रदे के सु वशुरायासाद्यनाम्बुरसामाधेताते। श्रुनामये सँग्रास दे दे वित्र सूर्य वेर्'र्' वरक्त सुँग्रासम्बन्धंग्राम् । विरास्तामिकं विरास्तामिकं श्चापकराग्रेरात्रायेषायेषायेषाये भ्रीता देरात्रया वाँगेरायमेरायमा क्रिया मैं अ:बेद:र्केंद्र:य:दे:श्लु:र्केम्अ:यर:मशुर्यःयय:र्ये:बेय:मशुर्यःयदे: धैर-१८। श्रेंन-१र्वन्वन्तिन्तिः मदेनाशुर-व-रे। श्रु-नविर-वर्देन-मासे-वन्न-यर वया भ्राम्बुस वि द धेर परे हिरा देर वया भ्राम्बर परे दे भेर सर्न्रभु नाशुंसार्भ्रेन हो न ही न ही न सर्ने एक न नाशुंसा त्या न नि साहु न न ने ते ही र वेश गर्शेट्य है। द्या व्रव यथा वर्डे य व्यव यद्य याय य सु गर्श व शुरा है द रु:वावर : पर वे अ : गु : नदे : कें वा वा शु अ : दर अर्दे : वावर : यथ : गुर : वा शु र अ : यदे हिर्दे नेर व याह्य है। दे केंद्र सुद्र पे लेय हैं या सुर्व या है र ८८.कूरा. १४८.ता. ता. त्रीट्याय अस्य स्ट्रिक्य पाश्या श्रीया श्रीय स्तरी मुन् यर् में मुन्यया केंग इसमा गुन में ने नविन हिन । मुन नहिंग

न्ग्रासदे सळव हे न ने विशन मा गुव सिव न विग्रामहेव के से स वर्षेयानम् केष्रास्य उद्यापादिकाते दि में हिन् ग्री दिन प्रसान इसमा याधिताने वियानाशुर्यायदे श्रीमा धरामि तरमे सूनाया शुः खुवाया शुः <u> स्वायाययाञ्चात्रात्र्यायायां शुयाद्रारे हेर् भ्रीप्ययाययायहयाहेर</u> षेलेशव्देव रवि द्वीराव प्यान्य मुना स्रो व्याना वा से दाये लेशव्देर षरःभ्रुःग्रेगिः तृःग्व्याः प्रदेः भ्रेम् अः वितः सळस्य सः ग्रीः ह्या सः ग्रुनः स्रो। न्यास्त्रायम् सुन्दरम्यस्तरम् सुन्दरम्यस्तरम् सुन्यस्तरम् निवानस्तरम् ने हिन् ग्री यस सम्मासहमा महिन प्येत हैं विश्व महिन परि ही मा आहुता ग्रम्भु निवेर निवर में भी त्या निवा ने क्षेत्र क्षेत्र में मुर्ग निवा मुर्ग स्व यश्रां न्या न्या स्टान् वित्रायि द्विम् द्विन द्विम् या व्या वित्रास्य वित्रास्य वित्रास्य वित्रास्य वित्रास्य बेट्रपदेर्धेःवेशग्रीःर्देर्नेदेर्केशग्रीःश्लुःब्रेष्वेशपदेर्वेशग्वट्ट्र्या यर नव्या संसेर की बिसार्से । भ्रिवारे प्यर सेर पर प्रया भ्राम्सुस र् क्रिंशः भ्रात्यः दर्भः तुभः दर्दश्यः सः तुभः विश्वेशः स्रोः वदेः दर्भः तुभः देः प्षेः नेशःमुःभुःषेत्रः सरः सम्वतः गुराःषेत्रः सदेः मुरा न्त्रीयाः यादेतः स्योवः सः त्या क्रूम.ग्री.भ्राच्च.स्यामामहेमाहे। वर्गाग्रमान्दरावर्गामान्यामाद्र वेशामश्रुद्रशासर्वे द्वेत् रहु मेहि दारी सुशासर्देर नश्रुद्र स्था इसाया निन्दे प्यतः द्या महेद्र विश्वास्य भू निन्दे निष्ट्र स्था स्था सर्नेर नमूत्र ग्री कें रा भ्रा विया प्रयाणे भी या कें या भ्रा नमूत पाया धीता परे हीरः वेशः भ्रुः भ्रे। मुग्रांशः कः यथा अर्देरः तभ्रवः पदेः केंगः दरः वहशः यः अः निवरावरा त्रास्याने दे स्टार्गयन्य होर्या हे से हियान्य लेंब-दे-बेश-मश्रुर्य-प्रदे-हेर्। हिंद्-हे-अर्य-कुर-यदे-ह्-रह्न-हेंग्य-

सम्बद्धार्सियायाः भू र्वेत्वयाः सुर्वा निर्मात्याः स्वर्वा हे राम् राष्ट्रियाः सुराहे राम राष्ट्रियाः सुराहे राष्ट्रियाः सुराहे राम राष्ट्रियाः सुराहे राष्ट्रे राष्ट्रियाः सुराहे राष्ट्रे राष्ट्रे राष्ट्रे राष्ट्रे राष्ट्रे राष्ट्रे राष अन्यान्त्र विष्ट्र में भीता है । या वा मानि स्वीता में स्वीता मे स्वीता में स विवाहामा कराये निवाह निवाह में मुन्या क्रिंशः भूरः न १९ र मः १८ र वायः न गरावेग वेरः सर्रे १८ र पर र वाया र्वेग्रास्त्रेन्ग्रीःस्वारान्दाधान्यायानवेःस्त्रेम् ह्वारान्दार्भे। हैं ना नो प्यन्तर न त्या धे भी अप्तर मा बुवा अप्तर मी भुगा शुर्य र्षेत्रमन्तरम् विश्वस्य मान्यस्य स्थानस्य स्थानस्य विश्वस्य स्थानस्य विश्वस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य ने केन त्यमा वने र पो भी माने के माने के माने के निर्माण के निर्माण के माने के माने के माने के माने के माने के हीरा ह्वार्यामहिरायाम् । धुराकेत र्से त्या हे नवित मनेग्राया वेशाम्ब्रुट्यायदे भ्रिम् ह्म्यायाय्य स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय वसम्यासम्बन्धित्रास्त्रेन् मुक्तिस्त्राम् सून्यम् सून्यम् स्वित्राम् वे के अंग्री सूर नसूत वेश गुरुद्य पदे द्वीर पद वि के गुरुरो सूर्य वर्तेराञ्चानविरावर्तेराक्षेत्रवर्तेराम्हरामहोत्रे न्युःवस्याम्बर्धानेसानहर र्या त्रेष्ट्रा अपया वर्षेत्र प्रम्या स्वापाया स्टा त्रिया श्रीया नसूर्यामं विवासी प्रतिस्थानम् विवासी विवास मान्या नियम् क्र्यानदः द्वेम ह्यायायया वर्ने मधी वर्षे याते वर्षे याते वर्षे याते वर्षे याते वर्षे याते वर्षे याते वर्षे या शुः सेन् प्रदे सेस्र राज्य स्थान वर्षेट वर्ष वर्ष वर्षेट भू नर्षेट नव्या या वे भू ने न्दर ने धिव से वर्षेट्र ही नवट र्नु श्रुमानमार्भे विभागमुँदमानदे भी प्राप्ति के मान माने माने मार्के मा

भुःभुःगशुम्रान्दुःवरःभूनःदर्भनःभेरःचवरःभ्रेःचवेदःवरःवय। गर्भरः व्येट्रेन्ने खुर्र्ने वे से राज्या हुन स्रे। सुर्विर नविषा से नविषा वहर रुष ने निर्ने ने निर्मान के निर्मेन के निर्मे के निर्मेन के निर्मेन के निर्मेन के निर्मेन के निर्मेन के निर्मे के निर्मेन के निर्मे के निर्मेन के निर्मे के निर्मेन के नि षरःगशुसःन् ग्राह्मार्यः देयः सरः चित्रे । सदे स्वाधीयः चसूयः सरः वर्दे नः सदेः धेरा इस्रानम्दायमा कुयानदे स्रमार्चा भेटाने नवट रेम् मागुट स्नानिहर यहर्मित्रे न्त्रे न्त्रे न्यू रुषा धेत्री भुगाशुयानु यायनु यायम् नित्रे यायेत् र्वे विशामाश्चर्या पर्वे द्वीरा लटामा हुमा यारी ला त्रा क्रू मा श्री है। क्ष्य हेर ग्रेग्किंश्राच्या दें ने हिन् भुष्येय प्रम्यया दें ने हिन् भूते कः प्राधित मदे: ध्रीरावासाधिय। श्रमायायां वित्तारी दे के साठवा रहाँ वर्षेवा इसादयाः गै दिन्दि है द सुदे क धेव पर प्रया अ विय पर देवे हिरा पर्दे द वा अदश मुरुष्यते के रे हेन् ग्री कर महिम्या यह न्यते भ्रीता यह निर्धा व्याने। यद्यामुयायदे केंयाने द्याधिव प्रमाने प्राया ही माना स्वार है विया ह्यायायुनासे। यहयाक्त्यायदे केंया हेन्या धेवाया धेवायदे हीना है। बर्बा कुबा बर्वे गुवार्ट्वा नदेव पाधेव प्रवेश द्वीरा द्विराग्रुबा देखा বিবেং না বংক্রমণতর্য মনমাক্রমণমনিক্রমান্ত্রির প্রত্যান্তর্যামণন্ত্র बला देवे कर वार्दे वार्य संदे ही र द स हिया।

## र्स्निन्नु।

मूर्या श्री श्रैया श्रीय पर्ताय पर्ताय हु. मूर्य हुर श्री ले प्रमुख्य श्री

द्रास्ति हिन् स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्व

न्यायी क न्मा क्रिं सुम् इस न्यायी क यहि स र्येन् प्रेसे स्रीमा इस न्यन् यथा रदःवविवः इयः दवा वी : कः ददः देवे : श्रेदः वी : श्रें : तुरः इयः दवा वी : कः वे : हीर् धरामक्षेत्रं द्रार्भ न्यायायाहेशास्त्र ही सुरिहिन हिंगासासेराया व्यायेयया उव की कुन्यायेन प्रमाण्यम नुष्यम क्षाया के प्रायय निष्य विगाया मुत्रायमा भ्राप्तविदे मित्र स्वाप्ते दे हे मा वर्षेत्र मा दे हे स्वाप्त उवा रेशायनायानाधीनायानाथा वर्देनाळुवानेवे छेना वर्देनावा हो। ह्रमाः सराम्या रेकायमयाया धेरायवे द्वीराता साम्रिता हो। रेकायमया वार्ट्यास्त्रास्याद्यादान्ता वर्षास्यात्र्यास्याद्यादानामहेयात्रेत्रा न्वीयामदे हिन्। इयानम्ना न्रेयामे नेयाम न्यापान न्यापा त्रुअ:रेअ:दग्वदादि: विट्रायर:अ:सेट्रायशर्देरअ:र्अ:बेअ:ग्रुट्अ:यदे: धेरा धराव हेना वरो दे विदेश अरम मुमारी मुनन वर्षा वर्ष यम्हे सूर्यो सुर्धे संस्थानन्त्र वेम्त्र दित्त हे सूर्यस्य ने त्या सुलेस न्ह्रित्याद्वीत्वेशायशादीः भ्रानित्राशासानमानभूदायमात्रा नात्राहेशः ने नसूत रहें या तब दाये ही या रोत्र प्रसेट या या है सूट वी के वा ही सरा र्रे ने हिन् भ्रु भ्रु न प्रमाय प्रमाय स्वर्भन सं प्रमाय स्वर्भन सं स्वर्भन सं स्वर्भन सं स्वर्भन सं स्वर्भन स यायाडेगार्श्वालेशायश्रदशायदे श्रेता वर्तेत्वा दे सदशास्त्रा श्रे रे प्रेत्रा ह्रवास्त्रम् स्वास्त्र स्वर्षा वर्देन सवे हिन वर्देन वा नेवे विकास र्द्याप्यायायेत्राचरात्रया दे स्वितासी स्वितासी सामारामी पिताहतासायित यदे हिमा वर्रे न से तुरु हो। ने वे हे वा य के व में नवा य वाहे रु ह्व ही। भुष्यःभूरायदेवर्याधेवायदेष्ट्रीयः इयावन्तरायया देविहेराभुष्यर्यः मुँ अरबर्द्धद हिन्दा साधीव पर क्षु ना दे क्षेता पान अरग्र टिके अर्थे ना के ले अर

यशिरमाराष्ट्रा स्त्रिया यावयालया कु.स्ययाका कूयाम्यायमास्रीयमास्या इंशाशुरव्यम् द्रशादेशाम् श्रम् शास्या सम्या स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स् न्वेर्स्येर्ग्यरप्ये नेश्चे क्वरहेर्म्याईया वर्वेर्म्य क्वेर्यन्तरयीश्वरवेर् डेशन्त्रन्तः सः स्पेतः सरः वया ग्रालुदः नेशः भुः ने न्ये न्यायाः सः सम्भ्रतः यदे हिम् ह्यायापया वर्षिम याश्या वर्षेन से त्रा है। दे से हिन स्था षेभी अर्थे : इव हेर वाडेवा नसूत्र ग्राट षेभी अर्थे : श्रेंर न कु वी दुवा वर्डेट यार्श्वाची पावरा भ्रावरा प्रदासंस्व के प्राचा प्राचित्र प्राची वार्ष बुरा ८८.सू.चीय.क्षे। ध्यायमुजालका श्री.बुकायकूरानानु.वा.कूर्य.मु. यावर्थः भ्रम्यर्थः ग्रीः हेर्यः शुः दर्यदः विदेशः वाद्यायः याद्यायः याद्यायः विर्वार्थे। याद्येयः या गुनःस्री नर्गेन्यः कुनःयय। ने दस्ययः ग्रीः यळ्व हिनः चन्नः पाने ने दस्ययः ग्री कुरे नावश भ्रानश ग्री हेश शु प्रान्य रामश देश नाश रश प्रीत्र रर स्वाराया नवाराविकाञ्चराष्ट्रीयन्त्रायात्वराष्ट्रीयुरी रेटे हिन्सूदे यळवरहेन। न्हेरवर्रायवेवरह्मान्यायोर्नेर्ना क्रेंस्त्ररह्मान्यायो दे निहेश स्ति। शासक्षश्यास्य मुशा में शाहि दर से दि मुद्र स सायमः दनदःविगानगाः कणमानस्माञ्चारमः भ्रीता विमानता ग्रीसेनः वस्रेटायम् वनवाविनाने सहसामुमानिन्नाया प्रदारमि । विभार्मे । हिन र्श्वरायापाठेवात्राचे। दे र्वेद्वेदाश्चायरया मुखाया धेत्रायर वया दे खेयया उव वस्त्र अर की क्रिन त्या के निया के ब्रिट्याम्द्रित्वयान्द्राधिराद्दी वियाम्बर्धरयामदेः भ्रिट्रावायान्द्रावा द्रावा र्रे.में हेर्भु यसस्य त्वारा दर्भे न यस द यह पेर् स्मा दे से सरा उत्राचसर्यो उत्राय पेर्ट्राय स्टानित्र मात्र सार्य मात्र स्टाहित्य स्थेत्य से धेरः वर्देन्त्रा यससातुनासाद्दर्स्यायसादाहेद्रस्याद्दर्भेरास्चीता

ने निवान में में हिन भु र्येन मिन हिन है। में में हिन भु राया सक्त हिन क.र्नेय.वुच.रम्अ.स्यु.हुरा क्रिंट.ध.राज्या टु.ज.राट्याम्या ग्रेमावी हि.स्.धेराभ्यां मक्ष्यां हेर् हा मिर्ट्राच प्रवाहन हा हिन महेर्र्रियास्य है। विश्वास्य स्टिस् हिन है। सक्र हेर् हैर श्चे प्रहेग ग्रम्भ ग्रम प्रमाद्या न न प्रमाद्या में प्रमाद में में प्रमाद में यन्दरमिष्ठेशसेद्रन्दर। श्रीयासमाश्रुसायशर्मेवायान्दर। स्टानविवाग्रीया राद्र.शक्ष्य.धेर.कं.राज्य.शुरा क्रिंट.धं.श्रात्रश्रा पर्यश्रात्रश इस-रिवेर-सेर्। सिवयः महिस-रिमावे स्थरमान्या किंत्र सेर्सिने साची र्श्वेयरायह्मामी श्विनामार्थरायराजे देरास्यास्त्री । देरसेन स्यापर हिमा बेन-नन्। । इत्यावर्धिन-इस्रयाग्री-धुवाधिन भ्रिम् । क्रियान् ग्रीन्यार्ने में हिन ग्रेम है। । न्या सदे श्रेम द देन या मधा नदे। । वेम या श्रम पदे श्रेम । हन है। यक्ष्यं हे द खंदे माशुस्राया ही न माशुस्रायस हो याया हिनायस दिएयस सः (वृत्रायः तः सेन् : प्रदेश वायो सः विद्यायः । सर्वतः हेन् : पार्श्वयः प्रयः यदे स्त्रीम् नावव पर दे त्यसासा तुना सामा है। यान्यायान्त्रेशास्त्र न्यायान्य वित्रास्त्र वित्रास्त्र न्यास्त्र वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्रास् विमार्धेर् प्रमेश सदि श्रीमा देम मान कु के नशामानय प्रसेर सदे र्धेर ह्या म्हरूर्श्यम् भी स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया हिना ने दे स्थानिया स्या स्थानिया स् शुर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वात्वर्वा व्यव्यात्वर्वात्वर्वा व्यव्या मुर्अप्यययः विवासी भ्रीयः वाहिर्अप्यवाः कवार्यान्य प्रयास्य स्थाप्याः प्रयास्य स्थितः

हर्वास्त्रमः श्रुपाः स्रे प्पेर्वाहर्वा स्थाप्तरा स्थाप्त स्थाप्त स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप ध्रेर-५८: ग्रह्म से १ किया मेरे १ सुवा के से अप के से स्ट्रा स्वयद विया यवा.कवाश.यवश.श्रेरश.श्रेमा विश.वाश्यरश.सप्त.श्रेमा अक्ष्य.स.स्रेन. यदे : वि : प्रता : प्र न्दायमामानुगमान्यादे से मार्थे प्राप्त से प् दर्न निहेशन्दर सर्व हेर्न निश्चार स्थाने हैं न स्थान्दर स्थान स्वापान र्षेर्पराचराचग्वाचे विशामश्रुरशासदे द्वेरा धराम देव हे दे हैर भ्र क्र्या. स्रोत् वर्षा स्रोस्य उत् मी मुत्राय स्रोत् प्रत्य मुयात्य स्राप्त वर मुत्र वारेकावनावानाधेवानकाक्षेत्रं मान्यात्रम् वित्राचे वे वास्य देवि । वित्राचानिका मःक्रिंश ठतः भ्रेष्ट्रमायमः वया मेशायमयायायाधितः परिद्विमा सामुनाता सः द्वितायर न क्रिंग हिंद विवास ने शायवाय न धेव सम्बया हिंद विवा मःरेशःवनावःनवेःह्नाःमःधेवःमवेःश्वेम् देमःत्रमा हिन्देशःवनावःनवेः न्द्रभः सं प्रेव प्रेत्र हो न ने निवेद न् गा नुस ने भावनाय सं निया हो ग्रेना यःश्रेष्यश्चारःवयेव। पाववः धरःश्लेषः यसः वर्षेष्यशः वर्षः धरः प्रमः वया वरः कवः धवः नवः द्वेर् कुर् न्नः यायय। दर्भिवः भ्रान्ते वयायायय। वियानदे र्पेन न्न इसर दिर स्वा विराम्सर राषे ही रा

## लेख्यःक्ष्यःभू।

भ गहेशना भेशक्षा हैं वाना ने सुरा सुन्दर्शन स्व

वित्रेश्वाद्यात्त्रीत्त्र वित्राच्यात्त्र वित्राच्यात्त्र वित्र व

सवत्त्व्यत्याया विकितात्राचे हेन्ध्राहे स्ट्रेत्वस्य उत्सदिन सुस न्यां वेया शरा दे ते शरा दे । यो ते शर्के शर्मे दे सक्द हिन् वेर दा अरश वसम्बार्शी:श्रमानेशक्षाक्षा हानेशक्षा है । से हैं। श्रेन् प्रसम् कर्त्रस्त सुमान् विषय स्वित्र स्वित्र स्वित्र विषय दिन वया अद्यादयम्या मुद्दा भी स्वेताया धिता भी वर्षे स्वेता स्वेता वन्याग्री भी या प्रमय्ये उन् स्थापा म्या स्थापा वर्षा स्थापा म्या स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा न्वेर्यायमा नर्ष्यास्वायन्याम् । इसाम्यायम् विषापामस्यायम् । है। न्नरमेशधीतःमदेः धेरातः इयामा नहिना हु। यह सामुरा मुनः बनान्वेर्यायया भ्रानेयायदे रतान्वेरमी नगरमा अर्थाम्य ग्रीमायरमासुमाहेराग्री ग्वमाञ्गनमान सुरमायमान पीराग्री हैं निवन र्'र्यर संदे क्लें क्रम राष्ट्रिय खुल खेरम सुरग्रें र प्रमालेश पास्र स

मदे हिम्। दिन्य दे अदय कुय ग्रीय यम प्रमान के या ग्रीय ग्रीय ग्रीय या स् दह्मान्त्रेन्यानसून्रेन् । मान्नाधान्यास्य स्थान्यान्य । स्वाधान्य ग्रीय कें या वस्त्र रहें निया सम् वया देते प्रामु प्रमान सहें प्राभी निया सम् गुरः वस्र अं उर्दे सिंदे स्तरे । भेरे अं हेर् रेर सूर विर ने अं में साथे त सदे धेरा दर्भवे क्रेंन्य नक्रेंद्रभवे स्ट्रिंग्य वह्य द्रम्य दे निवेद दुरे नवित्रामिनम्भारं प्रति महिमार् हिन् श्रीशा ग्रामा निमाश्या विस् विस् निम्नि सक्दररेरेश ग्रम्पा विषय स्त्री । देरविदर् र्र् स्वीय कर्र र् इसमाशुरदेना हेत् नी विसमार्या यहासमा वसमा उत् र्गा ने नामार्थे वेशामश्रुद्रशासदिष्ट्वेम् देर्त्नाने प्रमास्त्रेशासाधितासम्बन्धा धेरिशाहेन ग्राह्मना भूर भूर प्राप्त प्राप्त स्त्री स्त्र स ने सूर भेर गुर नगर में दे ह्यें र क्रें र ग्रें श सूर ग्रे हे श शु दग्र र ग भेर मदे हिम् सर्ने ने हिन्यमा स्वायहासमा सम्य सम्बन्ध स्वाय स्वय स्वाय वयर-र्वर-संदे-र्सेन-र्सेन-र्सेन-री-हेश-शु-दर्यर-प्रश्नाह्म स्याप्तर-प्रविचा-र्मि-वेश-मश्रुरमःमदेः भ्रेम पर में ५ स् भ्रेष्टे साममः सुनः यमदः विमानः मे यहमाः यायमः सेस्रमादवावापमार्ने भ्राधिमासर्दिन सुसासर्दि। विश्वद्रमारामा यदयाक्त्रयाची स्रोध्ययासीस्याची स्थान्त्रयाची स्थानित्रयाची स्थानित्ययाची स्थानित्ययाच गडेगाहेरावह्याक्षेराचे नास्राम्यक्षेत्रस्यास्रायाम्यस्यास्याधेरासरः वया अदशः कुशः ग्रीः अदः शेस्रशः शेस्रशः ग्रुदः सेदः प्रदेः धेदा ह्याशः विश्वा तर्रेन्त्र। नर्रेन्यायमा हिन्द्रिन्द्रवत्त्वेषाची योश्वेषा छेषा विषा द्वा वस्त उर्। हिरायन्य गर्भे विशानिश्वर्यास्य से तहर स्था से देवा से दे ब्रेम वर्द्र से बुर्म है। धे ने म निष्ण विष्ण है न बुर्म मु न्यू म विष्ण है न स्था न कि म न्याना क्षेत्र प्रवे श्रिम् कृता त्रुप्त त्रिमा व्या व्याप्त व्यापत व्यापत

गडेगाने दाया वार्या के माने वार्या के माने वार्या व तुशः ठेवा उरः तुः नहेव वृशः वावशः धरः भेशः धरः हुदैः वेशः वाशुरशः धदेः ध्रीमः यहामि हेना नमे। सर्केना नी श्रुवा भ्रु ने महिना सामह्र रहा धेन ही। श्रेश्वराश्चेर्व देव्यव्याश्चर्या क्रियं में स्त्रेर्या सक्ता सक्ता में स्वराश्चर या शेश्रश से नाम हो ने प्रमान में में प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के वयाकी । वर्देन सदे श्रेम वर्देन स्रे तुर्या है। नुरी वा वाहे दर्ये वाया यह सुरा रु:समान्निर्मिते हीमा सर्रे हे कुन नहीं ना नहेन प्रमेण न प्रमा सुन्र गुश्रुद्र-द्रिम्थःश्रुवःनवेःश्रुद्रःनवेः बन्यःग्रीःवयः उद्र-हे वियाम्युद्यः यदे.ह्येर् अटशःक्रुशःग्रे.ब्रुवाशःग्रेःब्रुवःगशःत्र्राःकुःश्रेवःश्रेवाशःग्रेः श्चें न इत पर न वर्ष से स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य या बेदायदे सुना वर्देदा बेर्या तुर्या है। दे द्वा अर्दे वसूत वर्षे या दुः समान विद यदे हिराहे। ह्यार्मेर्यायया ह्याया है व्यापादे व्यापाद्या गरा ग्रीयन्त्रेयः रवः द्यवः प्रयः ग्रहः क्रियः सः सं प्यदः स्री स्री राहे ग्रयः प्रदः सहतः य-५८-। इत-य-१ समाम्य प्रमाम्य मिन्न गश्रद्यासदे द्विम् गल्य प्या अर्ने के क्रिय र के प्राय निया श्री मार्थ श्रुवारात्रे नारानी अत्रादेश हैं नायायर शुरायर नाव्द शे अंअया श्रुवा वंशक्ष्याक्ष्रेत्राधरामह्दायावेषाम्बर्धायाच्या व्यव्या ग्रीयाञ्चाया हे भ्री में मान्य ग्री सेयया ग्री किया ने संविद्या में स्वाप मान्य विगासें र प्रदे भी मावव पर । श्रुम्थ गुव ह न हें र प्रदे कें द्रश्व से र यम् वया व्यायाग्त्रात् में मादे के त्युवा मुर्या सेसया उत्र के या से नेयामळें यानेयामम्यास्तामान्याम् । विष्याम्याम्याम्या यदे हिम् इन्नर वर्देन से तुर्य है। के व्युव्य म्युस व्येन से दे हिम्

गो'वनर'न'व्यथा हु'वधुव्य'न्द-। गुत्र'ह'नईद्र'प'न्दा हेथाशुःअधुत्र याद्राष्ट्रवासदे के त्युवाद्रात्वका या के विकाम शुरुका सदे हिया वा मिंडिमान्देने अन्वडुंन्वरंतुः धेन्वे अन्तुन्त्रे प्रकट्षा अद्या कुर्या प्रदे के रेगार्यः क्रुवः कर्वत्रारे निविषः हेर्यं विषाः धेर्वे नेरावा दें वार्यार्थः मुर्भास्यर पो भी भार्के भारत्रा से स्वास्था द्रभाव उदाय वदा से विश्व दिन बे'त्राने। ने'र्षेन्'मवे'र्धेमा नेम'त्रवा ने'प्पम'न्वा'ग्वार्ट्स्न'पीत'र्सवे' हीरा ट्रेर.वता लु.स्रेश.क्ष्य.श्ले.ब्र्ट्स.श्ले.ब्र्य.श्ले.वाश्चरावाताट्या. गुव हैं न प्षेव प्रदे श्रीमा वर्षेय केवे प्रशा श्रु खूँ वा संग्रह्म प्राप्त प्रमा यदे गुर्दे न हु सूर य वेश ग्रुर्श यदे हुर दे भूत तु कुत सु तर हु ग यश ग्राचीशःभ्रामित्रेशःग्राम्प्यान्याम् म्राम्प्राम् वर्षेत्राम् क्रिंश दशाने शासर मुद्रा देश माश्रुरश सदे मुर्ग सदश मुशा मी अदे हिर रे वहें त महेना में शाबस्था हर ग्री पुराया वहुना सर वया नरेत महेश यश अद्येत्रपदेः भून हिना नहिना नी शर्या माने शर्या हिन न्ये या दिन र गुन वियः ह्या वियागश्रम्यायदे श्रेम वर्देन वा यम्यः मुयाग्री हिन हे वहेतः गठेगानी अः र्श्वेस अपद्गान्ग् त्यार्श्वेस अपद्गागुर हो न्यर वया वर्नेन यदे भ्रिम् वर्देन हा ने वहवे हिन ने वह हमाने वा में ने क्रिस्य वह वा नवा गायरधेत्रयरवया वर्देरविदेश्चेरत्याष्ठ्रवाश्चे। अद्याक्च्याग्चेरिर दे प्रदेव गडिना र्श्वेसरा प्रह्मा नृत्या प्राप्तह्मा ग्राप्त र्श्वेसरा प्रह्मा नृत्या नृत् यायदेशायराम्बर्यायये धेरा यह्मायमेया र् सर्रे इर्यायायया हैरा देःवहेव वे क्रेंब्र व स्ट्वा सर क्रेंव क्रेंब्र व सर वहवा स हिट दे वहेव र् क्रिंब ग्राम् ने निविद्यानिया वार्ष के मिर्ट विद्याय विदेश या या नाम प्राप्त से न विदानेशाम्बर्धारम् स्ट्रिम् यदामाविमान्याम् अद्यास्याम् स्ट्रिया

त्यान्यात्याः वी खूँ न प्रदुन प्रस्था उन खूट पर प्रस्था ने या ने प्रस्था वर्षिव राष्ट्रिय वियासे नेयासविव व सूरावयासविव नर्गेयासवे धेम। यसमेसकुराम्या नेसाम्हेस्येनायास्याहेनायायाहेरयेनायाः । र्ट्रेन् इस्था सूर प्रेर्विश किर विश मार्श्वरश प्रदे हिमा पर्ट्रेन वा सरश क्रिश ग्रीभासान्यानिये र्सेन्य उत्तानीय भासन्यया वर्नेन्य वे सेन्य व। अन्वानवे र्र्येन वर्षन वर्रेन्तः अस्तार्वतेश्वरः नःग्रिम् अस्य वर्षेन् वर्रेन् वर्षेन् वर्षेन् वा नरेव श्रूर ग्रें ग्रें ग्रें र श्रूर श्रूर वर्षे र श्रूर वर वर्षे र श्रूर वर्षे र श्रूर वर्षे र श्रूर वर्षे र श्रूर वर्षे र श गरः वगः गवरायः श्रूरः रायाया से हैं या सराधे भे या है या भ्राया श्रूरा गरा त्याने। यदयामुयाग्री पोश्वेयाया सदादेया द्यादे शे सूदा पदे भी स्व र्मसाक्षरादायम् जावदायादे।सूरासूराचायासासूर्यापरायरमासुर्याची रटार्ट्र अप्तरास्त्र स्था अप्तर्भे दिन्द्र स्था अप्तर्भा स्था अप्तर्भा स्था अप्तर्भा स्था अप्तर्भा स्था अप्तर्भ क्रुशः ग्रीः श्रमः द्वाः प्रदेः श्रेन् । वहुनः द्वाः प्रवाः प्रदेः श्रेन् । वहुनः प्रेन् स्रोनः ग्रीः विराधरासेराधरात्रया नरेतासूरासेससाउतायासूराचायासार्देशाधरा षेषेशक्रें अः भ्रापाञ्चर प्रदेश हो । पर्देर भ्रा तु अ हो । अर अ कु अ ग्री अर अ यसन्सायमा देवे दर्भे देव स्मानुमा ग्री सर में ना देव से दाय देश महारमायदास्त्रीम्। हम्मायामहियामास्त्राचारस्री यसामेसाययः महियामास्त्री शन्तरमु विवास्य विवास धीत के विवास विवास स्वीत विवास व द्र.य.शर्भाभिभाग्री.लु.स्वेशायाविषाः बैटालूटासरायता हेशायारेयाः सद्रा बूट न वस्त र न विवास परि हिर द स हिन हिन स सुन है। दे पर्दे र

सदसः मुसः ग्री कें सास यहे सामा वह यहिया मार्से मार्से ही मारे हैं। यह दस्स मार्से से सामा से स्वास कें मार्से ही मार्से हो मार्से हो मार्से हो से सामा से सा

गहेशमार्यात्रम्याया विविधाराया सम्भित्रकेरासस्य स्थित मदे थे भे राने। थे भे राकें राज्ञदे सक्त हेन। यें ताहत सबमा बुवा वी थे नेयन्ता स्यानुहानी धेर्नया सर्ह्या सेन् मी धेर्न्य मेन् यदः भेश इसामहितः इसमा इसामा द्रमा भेता है। वह्मा प्रमेशा समा व्यादासेन् प्रति भाने प्राप्ता वे सान्ता सम्मान्य सामान्य सम्मान्य धिरार्ने । ने ने अद्धर्याया बेन या प्याप्त प्रेन हैं। ने न्याय या बेन या विश्वर ५८। वैदिन्द्रासेद्रासदेः ध्रेरार्रे विकामस्द्रित्रा सदे ध्रेरा स्वया श्रीका से दिन त्थ्र'न'सिहेर्र'पदे'ने'न्। हे स्ट्रेन्'स'सिहेर्र'पदे'ने'गहेरा हेन्'यर र्सेर होःतःषेःवेत्रःष्ट्रःश्ले। क्रॅत्रः<u>५ही</u>रत्रःषेःवेत्रः५८ः। त्रेःवेदःष्ट्रःनुदेःषेःवेत्रः नः गुनः मदेः भेने राष्ट्रः भें दिन्हे। सर्दे स्ट्रे मुनः यथ। से में दः भेने रासे नार्धेः श्रे । । धेः वे अ मा श्रु अ दे 'दे 'ख महेता । अहअ म हे द द र र र र र हे मा श [चु:नः गुनःमः विं वदे विकान्ता मुनः नवेनिका स्वा के का ग्री:न् ग्रीन्का <u> र्रा भेशकार्य वर्ष म्या प्राप्त वर्ष मार्थ में मुद्र वर्षे या प्राप्त प्राप्त</u> ग्रदः। अदशः मुशःग्रेः के शःष्ट्रः से के शःग्रेः द्वीदशः द्वादः से विदः सुः तुदेः से नेयायार्थेषायायायवियायय्यार्थे वियादमा यर्ने से मुदायया दे प्रविद हे<u>र</u>-वेश:बस्था:उर्-द्रया । वर्झेस:य:यश:दे:प्पर:द्या:दर्गु:रा । वेश:दरः।

सक्त नहें न त्या विच निवासी भी शाक्ष निवासी विकार ना वहसा न्ययानिक्रामहेन् क्रीयम्याया से विद्युत्तान्य सहस्रामहेन् दरा अं अं रें क्रिंग्याय दरा इ.य. मुयाय पर्दा कें या में दिया मुखा यर-द्यान के प्राचेश खेरे यद्या हे द उद लेश म्यूर्य सदे है र क्ष्य.ग्रीश.म्री.य.ग्रीटा क्षेत्र.म्रीयाशासम्बद्धाय स्थासम्बद्धाय म्री.य.स्थी.क्ष्य.धेरः गठेगान्दा र्रे रेर्स् संक्षेत्र नकुन्दा ले जुगार्थेन ने। श्रे क्व हेर गठेगार्दे व्यटः स्त्रुनः स्त्रिम् अध्यक्षुतः दटः महिम् स्ट्रिंग् स्वाधितः विद्याने स्वाधितः स्वरः यः नकुर् र्रा मार्था अवरः क्षे मार्थः क्षेत्रयः यह्मा र्म् र्रा निवा वरः यर नहु न्दा श्री श्री मार्ने न ही सके न न हुन न न है न से न से न न न नत्वा र्रेवन्वर्थायिवन्दर्गम्। सर्वन्वर्थायः दर्ग् र्रास्यः न्यान्त्रयान्वते प्रत्यकु। धेर्म्यक्षान्यान्वते प्रत्यकुः यक्षिय न्यरान्यकुः न्यावरुषि के के नियावरुष्ट्रावरुष्य के वहेग्यायावि न्यावरुष्ट्रा यद्ये श्रुट्यासेट्याम् स्यान्यास्य प्राप्त हेर्या हेर्या हेर्या हेर्या हेर्या हेर्या हेर्या हेर्या हेर्या हेर्य नुग नश्रेषानाशे सदयनवे के अन्ति द्वा नग्रस्त नग्रस्त न्यान्वर्ष्ट्रसामान्द्रान्वर्ष्ट्रान्त्वर्ष्ट्रान् श्राप्त्रमान वर्डे वर्मु ५ ५ ५ १ वर्षा वर्षा स्थायित स्थायित स्थायित प्राथित वर्षा स्थायित स्थाय स्थायित स्थायित स्थायित स्थायित स्थायित स्थाय स्थायित स्थाय स् हेर-गरेगार्थेन-भन्ने धेरा गाव्य-इससास्र प्रनाविता इसासहित्हे श्रूरःयमःवर्देरःद्ध्यःवविःवन्दर्भः श्रःयःयेग्रमःग्रुद्मःवेद-। वेगः चु-नदुका-नसूका-धान्नसका-ठन्-सिन्नि-धका-इसा-सिन्नि-स्टा-सिन्निका-चुका-सि हिः क्षुः हे स्ट्रेन् ग्री कें अम्बस्य उन् ठेवा उन समें व सुस्र न्या वेवाय सदे थे। नियां सबर खुगाने। इसास हित की सळव हिन प्येत है। यने व पहिता प्रेरा प्रया सविव सद अर हिना गडिया गीय ग्रामा । नेया निव र निव प्रामित स्मित इदा विश्वान्त्र पहुनायम्यायात्र स्ट्री विश्वान्य स्वरस्य स्वेत्र

वसवाश शेर वहर छुवा दी श्रें व दर्श दे श्रु विद व विद र्द्धितायः स्वायाः याद्याः स्वायाः यो यो याः यो स्वायः यो स्वायः यो स्वायः यो स्वायः यो स्वायः यो स्वायः यो स्व लुख्याक्ष्याश्चरायर्वात्रयात्राचन्द्राचित्र क्ष्याक्षरावया व्रात्रक्ष्याक्षे मुर्यायान्या व्ययाक्ष्याच्या व्ययाक्ष्याची व्यव्याचित्रामा वे पादियामा क्रियामा क्रायामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रियामा क्रि सर्देव सर नहें दारे विश्व द्वारा दे । विश्व दिया विश्व दिया विश्व दिया विश्व दिया विश्व दिया विश्व दिया विश्व द वर्षेटायमा वेमानुः नार्ते सूटासह्दायार्से नामाना हेना नी प्येताया र्सूना न्स्य-लट्ट्रिड्र इंश-शुःदर्यट्ट्र विशन्दर्। इस्रायन्तरायस्य सावर्स्ः वेशम्बर्धरम्भारते द्वेर देखा र्रेन दर्भन्यम्भारा दर्भ व्यास्त्रम् क्रिंगःग्रीःश्नावेशान्हेन्याधेत्। विशानवे क्रिंगःश्लेशक्रिंगःक्रिंशःश्लेशः ब्रेन्सर हैं के दिसा के दिसा है ने स्वर किया के सामित के स्वर है सामित के सामित के सामित के सामित के सामित के स देर वया केंग हेर भु लेग नहें र या धेता विशयन र रेग या गर हेन र्श्वेर प्रतर मेश हैं राष्ट्री भावेश महित्य प्रती विश्व श्रेर उस प्रति प्रति धेरा यामुनाम इराद्ध्ये हेया श्रेमया ग्रीया यसून परे दि विद्यासी है यर वया स मुन स देवे भी स देन ता मुन सवे दें के ने के स से मान ग्रीभानभूतामदे में भें निभा भें नाम माना वर्षेन मदे निभा वर्षेन वर्षेन वा बुन वया वर्देर् यदे भ्रेम क्रियं ब्रुट यथा नावव रेना दी ब्रुच यदे दें केंद्र भ्रु वै। विया ने हेन ग्रम् कें यह ने ग्री सुर्धित प्रया कें या ग्री सुर्दे। विया में में वि मुन् भे अर्देन पर गुरा द्राय प्रमुद हैं द्राय प्रमुद हैं

इस्राचन्द्रात्यम्। दस्यार्थायार्जेषार्थायार्थेत्रार्थायाव्याद्वात्रे सुवायदे वेश ग्रु नदे वेश श्री । पार्शेर पद्मेर पश् श्रु नवेर पर्दे र प्राथश पावत यानेशामश्रुदशायदे द्वीमः देशाग्रुद्धा मोर्केद्दायमः त्रया श्रुपायदे दिन्दे हेर्भुन्। |श्रेन्थर्८-। इटक्त्यः स्नित्यश्यम् व्याधार्याः निवृत्याहेशः ग्वित् प्यतः र्स्त् न दर्भे व अद्याययायः कुर् छै । छिर् क्रिया ग्रुस हेर्.मु.श्रेश्राट्ट.श्रुश्या.मैंट.प्रेश्या.कूरा.क्री. यट्य.मेश.मी.संया. ग्रेंशाग्रीशाग्रदासानस्थापदेशम् । विनामानिया दर्शादे क्यानन् रदःस्यायायाः भ्राम्यास्याद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्यायात्राद्यायात्राद्यायात्राद्यायात्राद्यायात्राद्याया विवायार्थे विद्रावी हवायावियाया है या साथ द्वार दिन दे हिंदी है न सुरासा वर्षेया यम्बार्यासास्त्राचाता देशने सामस्रायमा देशने स्टापीदायदे हुँया ग्रीयायानस्यानानान्त्रिया क्रियातेन ग्रीयाक्रियात्व स्थाप्ति स्थापति स्था हुरः इसमार्के भाउत्। एतुमासाह्यमाधेतासरामया रिने हित्सु धेतासरे ब्रीमा ह्यायापया ह्यायायहियामायाच्याचा वेद्याञ्चयायहियागुरा र्रे. में देर भ्रम्य नम्य पर मारा देय दे के या दे र में या के या के या विकास यदे द्धाराष्ट्रीय न्यूयायदे द्वीय वर्देन वा दे रे के निसु व्याप्त के या है या नदेः भुष्टक्षन् से देवायायम् वया ने विष्यामे में हिन् भुयावस्यायानेदेः बुर्। वियामार्भ्यायवियाम्यास्यार्भा भेराभूतात्र क्रियाय्या ग्विया र्यात्रे इतादर्र्भः मदे त्या वेंद्यार्श्वे द्वायामान्य व्यव्या गुर-नमून-याधेन-यथ। वेजियानीयानु नमून-यायाधेन यर द्यार दे

वेशामश्रुद्रशामवे द्वीरा दे या वित्रा दे विद्रशासुया महिशासु नुरानर स्थायन्त्रित्वे होराबेरावा देवा भेषा है साम्राध्या सुरायरा हुसावया नन्दःरेवार्यः प्रस्थः देः बुरः नः ग्रुर्यः दः नेदः हे के दः रे वे वार्यः भ्रवः द्रः सिवशः श्रीयः क्रेवः सं. यहसः श्रीयोशः दरः श्रीटः दरः दर्वेशः स्रीयोशः यशः यनिरः यदे हिम दर में मुन है। दतु स है र मैंदे मर द में या या यो यो या में या दर ग्राच्यायान्द्रः ग्रास्ट्राची भ्राम्यास्य स्त्रिया वर्षेत्रः स्त्रेया वर्षेत्रः स्त्रेया वर्षेत्रः स्त्रेया स्त ग्री:भु:पीत्र तें विभाद्र-। अळ्ता में दार्याया छेत्र यथा छेत्रा ग्री:भू पहित्रा यात्रैं के शाह्मश्रश्मी प्रद्या हिन् उत्ते निराह्म हिन हिन श्री मुश्राया से मुश्राया व्याहे श्रेट्र्इसाया वस्या उट्या हो वायदे प्यो प्रेया हो सबर व्यापित नर-रु:बूट-नदे:कॅश-ग्री-कुवाधित-मदे-ध्रीर-र्रे-विशामशुट्यामदे-ध्रीरा गहेशरा गुन है। कुर यथा श्रु खंदे नर्ग हेर उद वेश र्रा वेर हिद केव कें जिया ने निविद्यानिवाय साने त्या कें या ग्री सुन्ता वा निवाय ग्री सु षेलेशक्षेः भ्रुः बुरः रुँ प्रमृत् प्रवे श्रुरा कुतः श्रूरः प्रमः रेग्रमः प्रदे हेतः ग्रीयान्याकेया ग्री भ्री प्यतास्त्रीयाया भिर्मा प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य नविर-न-१८-यः भ्रुं गशुअ-५-वर्दे ५-यदे वसग्रथ-सः श्रेग्रथ-वि चित्र से । अभागश्यामि वरारे या प्राया या या राजसूत प्राया है । सह्याः र्वेषायाः शुः र्केयाः सुदेः सुर्याः येतु द्वादाः विदे सुदः स्वयः । वार्वेषा शुनिवर्गन्त्र वर्षा दे दे हिर्गे देश देवाया नवया नद्य दे दे हिर्गे हे या वु नदे श्रुदे सह्वार्चिवारा सु रहेरा ही भू वे या वु नदे श्रु से प्रवृत्त न स् भू दे गश्यार्मि वर्षे लेया बेरार्से लेया श्री विश्वामालवा भ्राप्तविस वर्षे द्रारा देया वायान्य त्युक्त भ्रेम् व्यव्याव्य क्ष्य क्य क्ष्य क्ष

गश्यामार्केन्श्रिमायार्विन्दाने। श्रूमार्श्वनाहिन्द्रेया ठवा धरान्याग्तरहेंना अधिवासरा वया इया ग्राम्या सेवास है नित्रास धेव मदे है मन्य महिन है। दे प्यम् न्या गुव हैं न मम् स्था ग्रम्थ सेव मदे र्देव-द्रयाम्बेश-गाः धेव-मंदे द्वेरा द्वायाञ्चर-यायया यर-द्याग्वरहेवः ग्री-दि-ति-हिन्गुर-पोद-पादका देविकानिक निकानिक ट्र.च्र.केट.क्यट.ष्र.चयावात्रा.खेषायाश्वरषायाद्य.क्येटी यटकाक्यका.क्या वर्रेश्वानार्वे नकुर्वित्रम् देशासराम्या कुरादर्रेरारे सूरान्वरासदे धेरावासाध्या पर्देनावा सरमामुमाग्रीसळवार्यामहेमान्दान्ये प्रद नक्तुन्दुःरे:रे:व्याळेंयाच्वा यायदेयायावर्षे नक्तुन्वान्दुन्धेवायर वया अरमा मुमा ग्री के माया देश मायी माया भरमा मुश्रामी केंश्रानमु न्दरनि निरुदे मुद्रशायाय देत मुदे कंतरा पेतर पदे धेरा देरम्बयः अद्यामुयाग्री केयायायदेयायायमु द्राप्तवी यह पेर यदे. में प्राचित्र वित्र विश्व अद्यामुया ग्री के याया पर्देयाया प्रमु प्राचित्र वि र्षेर्ने भ्रेम्प्राकेन्मेरियळन्यास्याद्यः सामहेरार्नियान्या

इ.ररा इस.स.वस्था.वर.रेग.यधु.ररा र.यह.क्रेंयश.यवे.ररा श. वहिषायायावि द्रा इदायाहे वराववणायाम् सुरावा श्रूरावा से दाया गशुरु-१८। शुग्रुश हे केत्र में १८८। नश्चेय न से सदस्व में कें रे १८८८ । चनाःकनाशाःषदःद्वाःचर्ड्याःसःददः। इयःसः त्रस्यः उदःग्रीःसर्केनाःसित्रः यायदेशायाधीवाव। अद्यामुयाग्री केंयायायदेशायावर्रे वमुद्राद्राया वर्रेश्वानाम् निर्मानित्रं वित्र য়ৢ৾৾৽ড়ৄ৵৻য়৾৾য়৾৻৴ঀ৾য়৻য়ৢ৾৻ৼ৻য়৻য়য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৾য়৻ গ্রী:ক্বম:ঘম:নত্তুবি:নম:র্ক্তমাতবদ্ধ মানেইমানান্তরিমানা नकु:न्द्रःनवे नडु:न्द्रःधेद्रःभरःत्रय। अदशःकुशःग्रेःके शःयःदर्भः यःलीवःसदःस्रेत्र वियःसःविया ह्यायःस्रुतःस्रे यद्यःस्रुत्रःस्रे वर्रेश्वान्त्रंश्वान्त्रं व्यादेश्वेत् देत्रवया श्वान्त्राम् श्राम् विश्वान्त्राम् यदे भ्रेम ने निविद्या ने निवास मान हु नदे सर्ने हैं ना ने मान मान स्वार ने न्नानी दे अन्य कुषा ही केंबा अवदान्त न्तुया सेनाम कु धिदार्दे विषा यविश्व अर्थाकुर्याची द्वयायर वराया वर्षे देश अर्था कुर्याची के या या दर्ने अ: सः श्रुः अ: यक्कुः दें : दर्न : दे अ: या श्रुष्ट अ: सदे : श्रुः : स्वे : स्वे : स्वे : स्वे : स्वे : स वळन्यम् बन्यम्यञ् धेयन्याक्षेन्यन्। विश्वन्य वर्षेयायायश् शन्दरकु:दर: से:दर:कुर:दर:केंत्र:सें:दर:तथा वद:सर:क्स:स:नहु:दर: वेश हुर-। ने प्यर अर्दे यथा बन पर भ्रे अकेन वह हे पर के श्रे भी शनर कु:न्द्राक्षे:न्द्राक्षुद्र:न्द्रार्थेव:वि:न्द्राक्षेत्र:वि:न्द्रान्त्र:वि:क्षे बद्रायरान्तकुद्रादेदाः बद्रायराह्मस्रायरान्त्रेशायाद्या बद्रायराह्मस्रायाद्येरा वेशमिते देव क्रिंव सर इ वर्षेय हुर।

सन्दर्भ न्यायास्य विश्वास्य विष्ठेताः दर्भ नयसः निष्ठ मी न्यसः निष्ठ मी ग्रिल्यानहेत्रत्र्याध्यानञ्जानार दुराग्रीयाद्यनामर ह्ये त्र्यानवे हिरारे वहें तं भी शास्त्रा सर्द्धर शायुत्र प्रताप्त र तह वा वी विद्या में विद्या स्तर स्त्री स्त्रा पर ह्या वी विद्या सक्तं हैन्न् रिव्हिंगा बेर्ना बन्यर त्रसास्त्र स्वरं स ग्रे भ्रे अकेन ग्रे भ्रें समाप्त्रा पादिया पादिया ने प्रक्रिया के पादिया वया सर्वेद गुरेवे भ्रेम वर्दे द द्वा नश्यामान्द ग्री दिशामाने त्या नहेत यर बया वर्देन पवे श्रेमा वर्देन सी त्रा मी मार्गा सेन श्री निर्माणित यानहेत्रामाधेतामवे द्विमा देमामया वन्यमामामामामामामामामा यानहेत्रपदे धेरा रदादमेयायया वर्षरमे भे अकेर्प्ययापिया वे मा बुग्रा से द प्राप्त मा प्राप्त के प्रा धेव प्रमाधिय प्रमा हिंदा ही अळव हे दे त्वर सह ही यह दे दे वा बर यर:ग्री:श्रूंस्था:तह्ना:त्:ग्रूर:यदे:श्रेस्था:दट:र्ळेर:दर्:श्रेन्थ:श्रेस्था:ग्रूट: बर्यर में भूर्यस्य पह्ना धेर प्रदेश हेरा हेर बया हे स्पर्य हेरा गुर नित्रायम् वर्पराञ्ची सकेर् इसमा ग्री विमान तमा दे प्रासर्ह्य यर खूत परे सेसम प्राचे सेसम प्रमाय महाराज हम मारे वि से सकेर हेश मुद्रे लेश मासुरस मदे मुन् पर पि हेगा तरे। बर पर मी याधीव प्रश्ना हिन हेर वा हिन स्था हिन हो स्था सके दे ही प्रश्नी सके दे हिन है स ठता ने पहिरामा साधित पर वया वैन पर श्री क्री सकेन धेत पर देश ही रा

हिन साम्बर्ध वर्देन से तुबा है। दे महिबा मा धेव सवे हिन। मार्थेन प्रदेश यश देखा वर्षम् क्रुंटमी द्रिम्था या मुन्य वर्षा नुदे हुं अरे के महिरागार प्रशुर पा बेर्या महिर्या प्रदेशी । व हिमान हो बिराधर ग्रुग्रारुद्र'न्द्रुं श्री द्रियायायादी ग्रुग्रायी भ्री सकेदायेदाय प्रमा गुर्भर दिश्वेर प्यम्। बर् प्रर गृत्वम्भ उत् नर्त गुरे निभेग्य पर ते गृत्वम्भ ग्री भ्री अकेन न् अहें न त्रोयायमा वेमा ग्रीन्मा मदे भ्री हान भ्री न वर्षेयायमाग्रदा वर्देदायान् भेंदावीयमाग्री भें सकेदाधेन दें निमा गश्रुद्रश्रापदिः द्वेरावेरात्र। दे त्राह्मसा वराद्रदा वेषा गहेत् की द्रिया सारा द्युरःचवे सःचव्या ग्रुरः बर् सर्ग्ये द्वेया सः सर्द्या सदे विर् सर्धेः तबर्परावया बर्पराग्ची दक्षेत्रायायाच्यायाग्ची भ्रेष्ट्री सकेर वित्राधीत ग्रु-वर्दे केन्-नु-अ-र्रेग्याय-द्युन्-व-वि-विवा-वर्दे भ्रेम ग्रुव-वर्ष्य-यया डेदे-धुर-वर्-पर-भ्रे-अळेर्-इस-प्र-गृहेश-प्र-सँग्र-पर-गृद्ग्र-प्र-वे व वेश मार्य द्या हिन हो। गुव न तुश दर ते गायश इस वर दर:बेल:वर्देद:ब्री:द्रिवाय:स:ल:द्रीट:वर्दे:स:ववा:सर:बर्:सर:ब्री: द्रियाशास्त्र नव्यास्त्र मुःसळ्दार्थित दे विशामश्रुद्रशास्त्र भ्रिम् वर्दे न्नात्यः क्रेत्रः सर्भेदरः द्वियः सर्ग्नेरः वर्षेरः वर्षः न्युर्भः स्थः स्ट बर्-र्धर्वा विक्वावरी बर्पर्र्रिक्तुर्धे सेस्य हेव्यस्य गहर नवे मदे नर्देश गवे किं र धेर मर नया सर्दे न यथा न सस गहर सबदःवःवेशःदरः। सरःवशेषायशा नशसःगित्वःचविःसःविःवसःविः र्टे. खें अ. चार्यरस्य स्वे. से इ. स्व. से से च. ८८ अधुव । भर चे मा केव : भ्रम्य अ । यदी र :हे : श्रूष्ट : यू र : यू अ । या हव : या र :

नहेत्रसर्धेन्द्रम् अति द्वीमा नार्थम्यद्वीत्यमा हे सूर्यः सूर्यन्यस याह्रवःचित्रायः यहेव वे बिशन्दा हे सूदायशः यहा वश्यः याह्रवः दरः र्वेत्यार्श्वेत्राश्चात्रस्यश्चन्यस्यात्रात्यार्श्वेत्र्यात्रात्रीत्रात्रात्रात्रीत्रात्रात्रात्रीत्रात्या सर-वर्वायर-वर्णुर-व-दे-व्हर-विशामाश्चरशासदे-ध्रीर। छ्वान्ह्रे। बर-सर-ग्री ह्या नावना अर्दे दिन मुन्न नावद यश है सूट नायय नदे प्रीमा देर वया वद्यर क्रिटे वें दर द्वे व दर हेव दर हेंदर ख्यादर सळव सदर ने भीन या होन द्वारा निरासिक स्थान मही अकेन मानवाया के प्रहें मा प्रवे हु सळ्य.रट.प्रमा.क्रु.ची.चर.रचीर.चीश्र.चीश.चलर.स.क्षे.ची.क्रू.च सेन्-प्रश्नित्रः प्रविषाः सविषाः प्राप्तान्यवरः द्विरः वदेः द्विर। विषेत्रः वद्वेरः यथा क्याप्ते सूर वन्य पर पर पर के पार्श र मन स्था स्था से सूर दनदःवेगानी हिन्दे रूपा शुर्भू रामश्राक्षीया मुस्या प्रदेश हो मान्त्रा प्रदेश हो मान्त्रा प्रदेश हो । बर्परस्थायासार्देशाम्बर्धायात्रेषासेर्परस्था रेप्याम्बर्मराधीः से सक्रेन् ग्रीमा दिन प्रते से मा हिन् ग्रीमा दिन ग्रीमा सिन् ग्रीमा सिन ग्रीमा सिन् ग्रीमा सिन ग ग्री.खर-ट्रेंब-क्षर-पत्र-द्येर। इ.चर-पर्ट्र-वि वसवीश-तशःश्रुवा-चर्दः श्रानान्द्रिंशाम्बर्धानास्य स्वापान्त्रिं स्वाप्तान्त्रिं स्वाप्तान्त्रिं स्वाप्तान्त्रिं स्वाप्तान्त्रे स्वाप ग्रवश्यास्त्रेत्रप्रेत्षेत्र। सःग्रुतावायाविद्-। बद्धार्यस्थायाव्यायाः ग्रेःश्चे अकेन ग्रेश द्विन पर तुन्। वर्नेन न् वार्यर वार्य र्वे अः क्ष्रूरः वाकोरः के वाका शुः वञ्चरः से खुवः चरः ववा दे व्यः वाकोरः देरे अः ग्रम्भारम् शुराया विवासे दार्थे श्रीया वर्दे दासे तुर्या है। दे वदा विवासे दा यदे स्त्रीम् वार्येम प्रस्नेम प्रयोग्येम प्रदेश मिलेम विमाया स्त्रीम प्रमाया मिलेस प्रस्ति मिलेस प्र र्सेश्वास्त्राच्यात्रम्यम् वश्चराया इस्रयाने वित्ताय विदान् विदानेशा

गशुरुरा मंदे द्वीरा म्वदायर रादे दिर्मा मवि यस । दसम्रामा स्था स्था यन्दरावेशायावया देन्द्रेन्थ्राद्देन्थ्र्य्यस्यायान्दराहेन्थ्रेद्राग्रीन्यस्तुन्त्र्भुसः न-दे-भिर्म-नविन-दु-देर-प्रशुर-हे-विश्व-प्रदे-देन् श्रे-प्रश्न-प्रस्था श्रेंकुः से से गुरु गार पुर है : श्रेन से साम दे : श्रेन : श्रेन : श्रेन साम प्राप्त साम विश्व साम विश्व स मासाधितामदे द्विम् विमास्रे हे श्रेन् ग्रीम्य न्त्रान्य विसाससामा निमान दे शेट्र नुमुस्य दे नश्रम दे किंद्र नविद्य नुमुस्ति । ग्रम्भाराम् । व्याप्त विकास वीशः वदः धरः शेरः रेविः द्वदः वीशः दर्देशः रें 'दे 'वाशेरः दुः वश्चरः वः साधीतः यदे हिम अ गुन व गुनुवाय उद ही जन पर पर पर व गुनुवाय है। अहे र क्रिमाह्यम्य स्तुन्। वर्नेन्त्वा हे खून वया वन यम सेम सेवे नवन वीया वै मात्रम्था से र से र स्थाप न प्रताम से र प्रतास र प्रमुद्द पर र से प्रतास र प्रमुद्द पर र से प्रतास र प्रमुद्द पर र से प्रतास र प्रमुद्द र र प्रमुद र प्रमुद र प्रमुद्द र प्रमुद र प त्यःश्रीम् श्राप्ते विश्वाम् श्रीद्रश्चार्यः श्री विश्वाद्या विश्व अःर्शेग्रयायायो स्पर्वे स्वाप्तर विष्युर निराधित । या विष्या । विष्या । विष्या । विष्या । विष्या । विष्या । विषय म्रे। गर्भर-५, इस्राधर वशुर वर हो ५ हे साम दे दिन विगा पे ५ मदे ही रा लट्टाय हेन वसन्य स्थान्य स्थान व। दें त अदे नर्देश गावे प्यथा हे श्रेन ग्री नर न् न श्रुर न ने विंत न वितः नुःवशुरःवेशःगशुरशःयःशेःवबन्धरःवरःवय। नेशःनैःगशेरःनुःवश्चरःवः गर्भरं संप्येत सदे हिन हिन है। स्थाय है है है दिन है नर दुन हैं र ने वित्रान्ति व प्रति । प्रति ग्रेन्'त्रार्थे'वेय'ग्रास्ट्य'पदे'धेन। ग्वन्य'पट्। दयग्याय'पया वर्गः सेस-वर्षेग्।से-तुस-पर-प्रवः देस-सुवःपदेः वदःपर-से से सः धेतःपदेः

धेरा वर्रेराक्षेत्रभाने। रेप्द्रवेप्ट्रमुखाग्रीभाक्षुप्रवादर्वप्रभार्द्यागी गर्रः सेशः नश्चेग्रं मः श्रॅग्रायः त्युनः मदेः द्वेरा है। श्वरः प्रश्ना वरः मरः सेदेः न्नर्गेशके विश्वास्त्रम्। धेर्शसुःह्यात्रस्य विश्वास्तरे न्याद्रसे বিষশ:গ্রীশ:রিশ:শ্রীবা:ম:অ:শ্রুবাশ:ম:রেরীব:মম:বরীম:মু:রিশ:বাগিংশ: यदे हिम् ग्वित पर है सूर प्रमा वर पर से दे र पर गीम है । ग्राव हु खेव संदर्भ महत्र मह विहास के दिन से ने निर्मा के मान से महत्र साम हे<u>न न्दर ब्रेश प्रदेशें के ब्रिया सेन प्रस्था</u> सन्य स्थेते हुं सकेन ही से र र्देशमात्र्यस्य श्रुष्यस्य विवासेर्यस्य द्विम् । द्विसः स्रे देवे से देवे संप्तिस्य वात्र्यः याञ्चलायार्थेद्रायदे द्वेत्र देत्रवया देशाम् दर्गमार वर्देद्रायादे दरादे नर्श्वेषान्त्रभारान्द्रभाश्चार्यायार्थेद्रान्त्रदेश्चित्र। हित्रःश्चेषात्राः मेदे मळ्द हेट धेद मदे हैं । गुरं नहुरायया मेदे प्रमाय भारावे दा कं न हे द दें ले अ दर-। गुव न ह अ दर हे ग त्या अर्क हे द वे देश या नविव:न् विश्वास्य क्रां विदः श्रेषा य न्दाः विश्वास्य स्वरः श्रेम्। यदः मिर्छमान्द्रासे बदासरार्श्वेसासदि हेन्सी मिन्दाया श्री बेराना महाम्यासि ग्रें बद्दार्य स्वयायावय द्दार द्वया भी या ग्रें दे पादिया के विषय से विषय से विषय से विषय से विषय से विषय से वरःवया वरःवरः क्षेत्रः यदे हेत् से वित्रः वरः वरः यदे हेरा हवायावया वर्देन्सी त्याने। ने नर्से सामवि विस्थान सुरा निवे हेत् उत् विन्यवि ही न सहैं दायर्था प्राचित्राया से दाने सामित्र मान्या प्राची होते प्रमानिक स्वाप्त से सिंद प्रमानिक स्वाप्त से सिंद यदे बद् प्रम् प्रवादि विस्रयाम् सुस्र प्रदे हेव उत् प्रवासि विस्र म्सू प्रदे होरा बर्यस्य स्वायायक्र ग्राम्यस्य म्यायस्य मिस्स मिस्स स्वा दे श्रीत्वर्प्तर्वा ध्रम् स्वास्त्रास्त्रास्त्रे प्रमेत्रास्त्रे स्वास्त्रास्त्रे स्व

स्याधितः हेत् वित्रान्त्रान्त्रान्त्रे स्वर्षः स्वरं स्वर्षः स्वरं स्वर

ररास्यायाया वर्पराश्ची सकेरायासक्याहेरा रहेरा हेता हेता हेता हुँरा कुंया सक्तरमा ने धेन या होन समा भी सकेन पान्तर या भे तहें ना मदे मु अळवा देश ळें ना द्रना प्या है कें दे कें रा नड़ है रैग्रायाप्रधेग्रायाप्रदे हिरारे प्रदेव के यार्तर निर्देश सुद्र ग्री सेस्य सेस्य ग्रुट मी देवाय दे। देवे सक्द हेट पेद है। ग्राद प्र यश हिरारे वहें व दर्भियारव दर दे दर सक्दिया सर स्वापित से सम् ८८.श्रम्भाष्यभावीर.यदा.क्ष्माभाषी.वर.तर.वी.श्री.सक्ष्रेर.द्रमावीर् विश्वार्थे। भगहेशामानी नहीं नामकु थिनानी बनायमाश्रान्ता कुन्ता थे ५८। क्रूप्ट्या क्रूब में ५८% केर में ५८। ५ सर में ५८। ५ मर में के बर्'यर'वकुर्'द्रा वस्यावयद्र द्रम्ले स्रे ही बर्'यर विक्राद्र वहा हेत्र ना बुना रा से द ना है रा निस्त्र रा ना सुना ना ने से द र हेब उब विं बर अहँ ५ 'दशेख 'दशेख 'च १५ '५ वा 'शेख रें। । श्रेस्र ४ 'हेब '५८ ' र्ये न क्रुन् न अअ मान्त्र न वि मान्त्र अवि अ मानु मान्य मान्त्र मान्त्र भ यानहेत्रम्मस्रिं द्राद्रान्यस्यामहत्रम् विष्णायदर्ग्नहेत्रमायेम्। नविः कुः सर्वेदः दंशः ग्रीशः वदः धरः कुदेः हेदः दे दहेदः दव्हदः वः वहः वुदे । वाश्ररः त् अत्र र्ख्य व्य त्रेन्त्र वर्ष्ण वर्षः निष्य महिषाणिन मते हिमा निर्माण हेता प्रिमाण हेता प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व

नः श्रें गुश्राधेन् समुद्रागुद्रशासुः श्रें श्रें गुश्राच्या नदे श्रें न् स्कुश्राग्नान नन्तः रिवास्य स्वार्था स्वार्थित वार्थित स्वविदेश्चन श्री सुनिद्धि विद्या विद्या विद्या स्वर्थी स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य दनर न सम्मा संदे सुर से दरा है मारा से मारा ग्री मारा स्था सुर प्रमुद यः वाया वाया स्वाप्त्र वाया स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्व र्थेव में न्दर सेर में सर्नेद गाँवे से किंग न्दर रस सेर में छ नु न्दर नुसर र्थे निवः द्वितः गवि स्रोः हिंगान्दा स्यान्सरः वितः न्यानः वित्यः स्रान्यः स्यान्यः <u> अदशःश्रसःदशःदग्रद्धः सुदेश्वदः वदः प्रदः र्वः वक्कदःददः। हेर्गः सःददः</u> रे.र्थे.रट.क्रॅंश.ये.वोट.पेट.वोश.वोल्योश.राष्ट्र.वोषश.श्री.शर्के.वोट.सूर. नविदे नु ना निर्दे न्यदे न्या सम्प्रदर्भ नुस न्र न्या स्थानित निर्मा वर्डन्द्रशन्यानु वान्त्र रहासी के वा वर्तेन् प्रदेशसर सेदे वेन् ग्रीस है वा यायार्सेनाप्त्रासूरावदेर्ग्रीयाय्विरावर्ष्यात्र्रास्त्रस्थित्राग्रीर्ध्यायास्त्रेत् नर-नडुः ऍन्:मदे: सुरा धेन्:य: होन्:र्स्यः ऍन्:ने हेना मदसः रे खेःदसः श्रुयानु नार नुर नीया नार्धे नाया परि नायया यया स्वीर नुर से नाया र से नाया यंने न्या अर्बेट यदे याद्या धीन न्य अर्बुव यर श्रूव यने यर दर्गा द्या नममान्त्राचाह्रवाद्यायायाः कुःकुःव्यार्थाः स्वित्रे स्वित्राचाद्यायाः वर्षाणराद्रराणरातुः विषयायरा होदायादे । धोवायवे । होदा वर्षा वर्ष यर क्री क्रेर प्रशासित वर पर मात्र मात्र प्रशासिक कर मात्र मार्ट स शःग्रोशेर:र्'वश्चर:व:श्रॅम्शःग्री:वश्चर:ववे:इव्युव्य:वश्चव वर्दे:यर:द्यः सिवशास्त्रासिवायायम् द्वार्यात् चरासराम् सिक्या में सामित्रा सिक्या सिक् र्श्वेर-न-न्द-श्रेर्-श्रेर-पद्मन्त्रा-र-श्रेत्र-त्रश्चेश्वेश-स-व्यश्चेत्राश्चान्य-स्वान्त्र-स्वान्त्य-स्वान्त्र-स्वान्त्य-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वा यर अदे दिर्भागविर यन्त्र वर्षा वर पर भ्रे अकेर यवे पवे वि वर पर्हेग रेवायाने। वाञ्चवायारेवावानेयावाज्ञवायायं व्याची।वययावययाय्याया विसामश्चरमायते द्वेत्। विसामश्चरमायते द्वेत्। विसामश्चरमायते विसामश्चरमा द्वितायत् द्वेत्। विसामश्चरमायते द्वेत्।

र्हेन-र्श्वेद-प्य-वेद-प्य-हेवा-ब-दे। अदश-क्षुश-प्य-द्युद्-श्चे-वर्शे-वर्शेद-हुद-बूट र्धिट है। सरस मुस ग्रे से मुना सदे हिट दे वहें तथा स नावे गेट हुस दह्रमायायावी गोटानुया ग्रीया द्वियायमा से । सूटायमाया हे । या या या वि ग्रेटर्रुश्राश्चार्थ्वर्या देर्प्यया देख्योटर्रुश्राश्चीय्वार्यात्रह्रु ग्राह्मकाराह्मकार् श्रुमानार्वसाधिकाराये द्विमा ग्राह्मकार् मान्यस् ग्रेटर्रुशःश्रे म्ब्रम्थः नह्रुवः म्ब्रम्थः नह्रुवः नुः श्रूटः नः धेवः श्रे म्रोटर्रुशः शुः *भ्रार्श्वराचशादब्वियाचास्रदाचाचात्राव*्यक्त्रम् । स्वराह्या स्वराह्या स्वराह्या । ठेगातःरो अद्याक्त्यायाये विदान्दानी ग्रुन्नवित ग्री गार्ग्याय सहत ग्रुन् नविव-तु-भूद-वेर-व। द्र-व-शद्श-मुश्रायान्वन्श-नह्रव-रदारे याः भूद-न थूर-अूट-नर-वया अट्या कुर्यायां से विट ने ने नुर्न ने ने नु ने ने नु ने ने ने विश्वयानामान्त्र वर्षा भेतान्त्र वर्षा दे त्यामा व्याका निक्ता सूर रहें या देवे धेरा वर्रेर्-भ्रे:वृश्रःहे। सरसःवयम्यार्यः ने:वम्यःग्वरः वर्राग्रे:क्रेंरसः विवः मदे नार बना धेर्म मदे हिमा पक्के से द सह दिन खरा ग्रामा सह रे के सहना याधीत्। धेत्राप्तताकुष्यक्षात्राच्यात् हिरादे प्रदेशिया प्यरासामाने गोरासुसाम्रीसाम्चिया यस सूराया सूरासेसापीता य्याका श्रृक् स्वाक्षर विरा | विकाय सम्भित्र श्रिष्ट श्रृह स्वाहित या विकाय सम्भित्र । विक

## म्रिट्शःश्चीःयथरःया

सक्चानी स्ट्रा हैं - हैं ने स्ट्रा ने स्ट्रा ने स्ट्रा हैं - हैं ने स्ट्रा ने स्ट्रा हैं - हैं ने स्ट्रा ने स्ट्रा हैं - हैं ने स्ट्रा ने स्ट्रा हैं - हें ने स्ट्रा ने स्ट्रा हैं - हें ने स्ट्रा हैं - हैं ने स्ट्रा हैं - हें ने स्ट्रा हैं - हैं ने स्ट्रा हैं - हें ने स्ट्रा हैं - हैं ने स्ट्र हैं - हैं ने स्ट्रा हैं - हैं न

क्रिंशः भी दुर्भाता के किया देव दि निर्मा क्षेत्र निर्मा स्थान क्षेत्र निर्मा विष्य यादी अक्ष्यान्येशास्त्रभारादे दिना स्रेत्रात्रित्र पत्तिन्य प्रति ना स्त्री क्रिंश उद्या वित्रा र्श्वेट हैं वाया परि सूराविट दी वेवा पा केव सिंदे के या वा क्रिंशः श्रुंत्रायः श्रेष्यायः देयायः व्यव्यात्रीः श्रुः त्रीत्रायवे । श्रेष्ट्रायायः व्यव्यात्रीत्रायः यानशुर्यायम। न्दार्यायानार्वनानारी देशायाष्ट्राष्ट्रवात्रीःश्रुयाः भ्राप्यन वेरावा दें वाश्वयाश्चानुबारेबायायिरायायार्थेत्यायराञ्चारेबायायळेवा द्येश्वमुत्र्यंश्रीगृश्वित्रराव्वाश्वाश्वाली । विष्यादेशः यायाय्वतात्रेतात्रेत्राचित्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र भारेषा विर्यम् भी तक्ष्य क्षेत्र विष्य क्षेत्र विष्य क्षेत्र विष्य क्षेत्र विष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र व ग्री। विद्रायर दे तदा धेत्रायदे भी देवा वस्त्रायस्य विद्रम स्त्री दे स्वासाय मुन्ना के त्या प्राप्त के त्या प्राप्त के त्या विकास के त्या क धुर। लटाप.क्रम.य.र्र। मूर्यस.ह्यास.मार्थम्याध्यायायका.स्यायायकः नर्वः क्रीःद्वाः श्रेवः वित्रः अरुषः क्रुषः बेरः वा देः श्रेः वेश्वरः धरः श्रवा वावयः गर्डरः श्रुरुषः है। देवे श्रेरः गी ग्वाय असे ग्वायः वर्षे न सुद्रा द्वारा स्वेतः ग्वर्थावे र्या श्रुर्थाव्या विवा श्रेव श्रुवा से द्राया प्राया । प्याप्ता । शरमाभिमार्ट्र सरमाभिमा विषातारा हु सुराद्र र दक्र भी विषा मुश्रास्य दे न्या व्याश्वास्य न्या स्याश्वास्य विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्यास्य विश्यास्य विश्यास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य सरमामुसामिते सुरादासामिता वर्देनाता हेगाळेदान्ता सेससासुग्रासा 

नञ्जन्त्र मी देना से द ना बद र परे देना से द र से दे भी से दे द र से तु र । है। वार्ववाशावस्थावाद्यारीवाशावर्षे निक्कृत्रायावस्यावहरास्रवे सेरादा नगरः ध्रुमा केवः सेवैः मावका सेन् प्रवे सेन्। इता वर्षे राष्ट्रे र ग्रवश्यार्दरः सः इस्रशः स्रशः प्रदार्शः पादः द्वार्यः स्रा वित्रः स्रितः वित्रशः स्रितः वित्रशः स्रितः दे। गुरःद्ध्यःश्रेस्रश्रद्भयःयदुःयःग्वर्शःयः इस्रशःग्रेशःशःवदुः देवा भेर भेर दावार पार्ट ख़िर देवा भेर भेर भर हिन बेर दा देवा भेवःभ्रुवाःमें नर्गेदःमर्केशः उदा देरः त्रया देवे हिन हिनः माप्या वर्देदः श्चीत्रान्ते व्यामान्त्रात्राच्यायान्याय्यायान्यायायाः यदे नशुरायश द्रमया थ्रवाश्वा स्वार्भि किता द्रिता द्रमा स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार् गश्चरमायदे हिन। माहिनान। केंटमा भूदे पर्वर, रे. भुमायदे भन्न रहा हैन यरः वयः वी । या वियाया देवे ही सा वर्दे दा थी तु या है। दे या श्री वा या या यह र्श्वेयान्त्रीयायवे स्वायर्श्वेम स्वायर्श्वेम स्वायि याय्या या वर्षाया इस्रशः श्रीश्राशान्य निर्देश्वर्था निर्देश निर निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश निर्देश परायांचेयातारी देवाः श्रेत्रः श्रूयाः संस्वर्गेन्याने स्थर्भा कुर्या हैन्य स्था कु नवि नात्र सेत ने स्ता वि ते से हैं मान्त ने सके ना नी सुवा सुरा नि न न्तृयानदे न्त्रम् अप्येत्यम् न्या देव सेव सूना में नर्गे द्रम् से द्रा सून सरसाक्तु नवे म्वस्या धोव मवे द्वीता वर्षेत्र से तुर्या है। वेवा सेव सूर्यों से नर्गेर्पार्यास्यास्य स्ट्रिंप्स्य स्ट्रिंप्स्य स्ट्रिंप्स्य स्ट्रिंप्स्य स्ट्रिंप्स्य स्ट्रिंप्स्य स्ट्रिंप्स्य र्हे हे जान्तर ने क्राया श्रीय नित्र नित्य नित्र नित्य नित्र नित्य यश ग्रह्मसे ग्रह्म महरा है स्वास्थान । दिना से द सुना से हसे स

न्यायन् । यारान्या अर्था कुषाने र श्रद्धा कुषा । श्रुवारा हैं विया यर्नेरायक्रम् मु लेशामशुर्शायये भ्रीता धराम हिमान से वार्ने से मुन यथा दे नविव वर्गा से द द ही दश्य वर्षा ग्राहरी । शहर मुश्राद्य गा है से द वर्तेश्वित्। विह्नामार्थमानी यह्नामा विभीश्वश्चरामा सहित्यर वर्रेत्। विभागशुरमासमार्येदमाञ्चाममास्त्राच्यमास्त्राच्या वह्ना निरुवा ने रात्र श्रेस्य रहत रे ने या राद्य राज्य मान्य प्राप्त स्था से स्था स्था से स्था र्शे र्शेर्-प्रत्यायाः सूर्र-प्रयुषाः तुः श्चेत्रायाः धोत्। प्रायाः स्था स्थान्याः उर् ग्री विर प्र भ्रेंस्थ पर्ह्या याचेया धीत परि द्वीरा ह्याया प्रमा पर्हेर ता ने संभित्र सम् वया वे द्रा भी मुस्सार गुर के वार निर हें त यस निर वीरा वर्षित्रः म्री: न्री: वर्षित्रः न्रम् । अस्यः मुयः ग्री: बेम्। अस्यः न्रम् अस्यः मुयः ग्री: बेम्। अस्यः न्रम् वह्नान्दा क्रेंशलाबेंदशार्श्वेन्सन्दा सहन्यवे हो जनानन्त मन्त याधीतामदे भीता दरार्थे मुतासी सर्दे से मुदादमेया नायश सेंद्र सेंद्र क्रियायाया ते प्रदेगा हेत् ग्री प्रयं या बस्य उद प्रविद ग्री द्रीय प्रविद ते र्टा देवु त्योवा नभर वया वर्षर र्ल्या सुर्वर सुर्वे नुवा है वर्षर ग्री-द्रशिषावित्रम्भी ग्री-ज्ञानि विषामाशुर्यायवे भ्रीत्र ह्रम्यामाहेयायः ग्रमः भ्रे। वेदशः भ्रदेः वेदः श्रुः कें ग्रमः पदेः वेदः यायः वेयः ददा वेदः यायः वैतृहःषशः गुनःमः श्रेमशः १८८ प्रदेश्वेम विशेषः नःषशः श्रदशः सुशः ग्रेः विर-८र-विश्वासदे प्रमेयान्त्रियान्य विर-मी मु मा में र्योद्या में र में प्रमास यदे भ्रात्यायदे अदश मुशा ग्री बिट हे किया ग्री स्टान बिद प्येत या या यदे यरम् मुमाग्री विद्ये ने दुइदे रदानविदाधेदारा दे कृतु या में ग्रासर्दे वेशम्बर्धरश्रमदे द्वेम हम्बरम्बर्धराम् सुनः है। सळद्यप्यम् सन्दर्भः याधिरामवे भ्रीमा यदे श्रे मुदायमेया मन्दायशा यळदा में निमाने

नियम् वर्षेत्रम्यवास्त्रेन् चुः वर्षा इस्यम् सूर्यस्त्र हे स्य चुः वर्षे सुः वुः यःश्रेष्राश्चार्यः वेशः पश्चित्रः प्रदेशे स्ट्रिशः वे दिशः वे दिश्यः स्ट्रिशः वे दिशः अविनामसयानरामभूरान्। हिनासामिन स्वानासे। अप्यारान्गरार्भे भूयायान्दरक्रे किरालरा में क्रियाया लूटा सपुरा हो या वर्षाया येतरा स्थित इस्राचन्द्रात्यम् द्यादःवियाः हुःसर्वेदः दिन्न द्याः क्रुवः स्याः देश्याः द्याः विवास् यश वर्षियात्राची देशता श्रेष्ट्र वाश किया मूर्या मुर्गिया व देश प्रविवाश निरा विश्वास्यरम् से हिम् ह्याया दुर्गा सम्मान है। के साया न दुर्गि इस्राम्बनान्द्र। क्वें क्वेंस्राधाः वद्रान्यः स्राम्बन् विना केत् क्वें केंस्राधेद्रस्य शुः ह्रियाश्वारते से त्राप्त त्राप्त र मी प्रमास स्मास स यश क्रिंग्यार्येट्यार्सेट्राह्म्ययायान्ट्राह्म्यायान्द्राह्म्यायान्त्र्या क्रिया वार्वेदशः र्रेट्ट्वाशायवे हो ज्ञाने शान्य उपाद हो के शाम ज्ञान र्सेनायायदे के या भी हो हा निर्माय स्था हो या साथ हो हो मान मान निर्मा यः गुनः स्रे। नगरायः च ५५ वर्षः वस्त्राचंदे:हीम हिन्यमाने वन्त्राधान सर्मे ही हिन्यस्य विद्याहिन क्रियायायायायायात्र्यात्राह्या । विविद्गार्ये द्यास्त्र न्यास्त्र निर्मात्र स्व वर्षेयानम्दायमा अह्दायदे में नियम् में मिराक्ष्य से समाद्वाय द्वा र्वित्राचे देन्द्रमण्येन्वेन्यम् अन्यम् वेन्यमेन्यी वेन्यमेन्यी अन्य गश्रद्धारावे दूर्रित्या से र श्रुवा श्रुवित से वित्र से दे श्रुवा श्रु धीत प्रभारे श्रुवा अवित श्री वें दर्भ श्रु श्रुवा रावे श्री स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्व

त्याने। देन्द्रम्याः सेन्दिर्याः भूतेः ग्रम्याः इतुः उत्तर्नः यन् स्वासा र्षेट्रमदे: भ्रेन श्री: हेदे: अळव नहेंद्र प्रमेष न व्यव्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व विर्म्पर उत्रे में भेत्र दर मात्र अप महा उत्र दर । यदे पा उत्रे दर विश गश्रम्यान्तरे सेना पराव हेना विनया भूते सळव हेन रेया न स्थान श्रुभावयाम्यादेशायादेवा सेवासीवा मुनावयादि वा भुनेयाया सळवाद्येया नमुन्यामिन्न केंगानेशामानेगाकेन वनवानेग विविन्दिर नेशामानुहा श्रेश्रश्चायायायात्व स्रूचा नामाचि त्राचर्मे राजा त्यारेशाया विकास या र्ष्ट्रेरशानरान् नत्नाशानरानेशामा नेराता दे तार्येरशास्त्राकेशास्त्रा देना श्रेव मी मावस मि वर नव्यास सर नया हिंद मी मावस रेस द्वार प्रम यदे से वर्दे द्वा देवा से वर्से का माने कि वर्ष कर माने कि वर्ष कर माने का विवास कर ग्री मात्र अपि त्र मात्र अपि स्वी मा पर्दे द्वा दे दिया से द्वा से स्वी मात्र प्राप्त स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा विटान् वात्र मारा स्थित स्वराम्य वर्षेत्र स्वरेष्ट्रीय वर्षेत्र से स्वर्थ हो से क्रियाया ग्रीया नक्ष्याया स्त्रा स्त् र्येदे अर्दे त्यमा सं ज्ञर पहरा दूर्या में तर ह्या मुन पर खूर खूर हु । स्थानमुद्रास्य स्थासेर्द्र स्य स्यूट स्रे विश्वादर। द्वास स्रेट सेंदि दें मेया सहर्ग्यी वित्रक्ष्य यी या बेश माश्चरया परि वित्र मात्र या देश र्द्रूट्याश्वामी सूट्र केन सदि पहेना हेन मी प्रमा मी सूट्य स्वासन के यु:नदे:नावय:पशापट:वस:सपिदे:ब्रिंद:सूर:पट्य:पदे:सें:ब्रट:क्रु:क्रे:नः सर्हे.य.चरावेच । चावयायमापरादेव सेराची वामायायाया इसमादेद बेरके अदे दें न्दर अवसावेर देव में के सूर्के ग्रासदे दें नु बेर दिन स

षरःषेत्रा सुःहेगाः नरःषाङ्कः हेवः नरः नैतः सुः सँग्रां ग्रीः सेरः नः वसुरः नः नरः रेत्र र्रे के खूर कें न्या ग्री नर्जे खूर नदे नावय प्यापर दिन नेर नक्तुय सर्द्धेत्रम्भाग्नद्भासेद्रावर्द्धे नवे नात्रभाग्नी विद्रान्य नास्य स्वरायदे धेरा हिर्मरर्द्रिं धेराहे। हैं गाने प्रवर्गन यथा ब्रैंट गशुस ही ब्रेंट केव में दि पहेना हेव मी नियं या भी खेट व दिना सेव वेया मानवा प्रया पिरावेशन्ता अर्वे विरावसास्रायरायारे वा सावे भी वा सुर्वे ना वसास्रायरा दरःसहसःसद्रः बेशः मश्रद्धा अन्यादम् नत्त्रः इःयः यथा देवाः सेतः ग्वियाप्यसामरात्वी | देशेदासर्वित्त्वात्राचरानवेदा | देशाम्बर्धास्त्री हीरा दर्नरहिंगानो दनराना धराधर धराइरका सामे दन्ने वा के मार्ग स्वीर यश्चरमा द्वार श्रीम् शन्दर धे भी शक्ति शक्ति । भी प्राप्त से माना स्वर में भी श्री से माना स ब्रुटः चरः अर्वेदः दुषः धेदः दे। । व्रिट् : घरः गरिषः यः स्रेटः गर्धे गरा गरा नेदः म्.ष्टु.क्रॅ.क्र्यायात्रयाचीय.टुट.पूर्टातयर.क्ष्यालट.तक्ष्टी.तरावता टु.र्ह्नर. सर्ने दरस्यावरायरायन्तर्यदे द्वेता सूना से नर्गे द्या सर्वे त्यरा विदाने दे से द न से द न से से हिला से दे हैं है है हैं से वित ह सहे सा दि न वित हर यात्रमः भेषाया विरामी वराव विरामी सर्केम विषादरा नृतु सार्श्वरामें यश देव केव प्रवस्तव प्रविष्ण प्रशापन । विष् ने वे से के त्रा व के से दे वनम् विभागश्रम्भामदे भ्रम् छन्। सम्माश्रमामा प्रमान स्रो सि हेगा गे'इ'न'इट'रेव'र्से के'ब्रु'र्के ग्रथा ग्री'नर्ने क्र्रेर'नदे देंद्'नेर'हे' अदे देंद्'हूर' वर्से नवे भ्रेम अर्मे व्यव अरका मुका गुका भ्रेम भ्रेका भ्रम । गुका करा वबर रेदि सूना रे दे। दि सानविव पुरानु वया सूरा दिया ग्री सी पर्मेन दे व सेन्। विकानमा न्तुःस क्षेत्र में त्यं या सु है ना से मान प्रमुम न न दिव केव श्वरकें नाम द्राया । श्वरकें नाम त्यम श्री निवेश

८८। ह्रियाची तनर न तक्या वार वास्य सुरहेवा वी खेर न वसुर न वेते रहा सुवा र्षेर्न्यने दे सु हैना ने खेर न व्यह्म नर्दे । ने प्यम हस य र् सदे से देने में के भू कें न्यायायायां सर्वे प्राप्त प्रमुख्याया होया व्यविस देशमानुदावसम्बार्धात्वरान्त्रीयमाने । पदार्था विष्टा गश्याः ध्रतः ग्रीः तुश्राः गरिशाः ध्रतः ग्रीः तुश्राः ईतः ध्रतः ग्रीः तुश्राः नविसः श्रदशः कुशः वस्रशः उदः भ्रुषाः सॅरः नत्षायः हे केंशः ग्रेः देवः द्वसः सरः यहेदः सरः सहरायदे भ्रम स्वार्धायमें रायायमा तुमा इसाय विर्धायसमा उराता | यर्थः क्रुयः इस्या क्रियः द्याया | स्या दः चत्यायः पदेः द्या स्या है। | इसायराष्ट्री नार्यापुरमार्थिय । असाम् अस्याय्येष्ट्रमा । असामार्थिय विरुभः भुः वस्र अरु र देवि । सर्भः मुर्भः पदे द्वृता रे । वर्गे दः परि वरः नव्यायाचेराम् अरयामुयाम्बदामुः वेर्यास्य सुदे वेरायदर सूमार्थाः नर्गेन्-जुद्दार्ध्यार्थेन् सेन् स्वापायने स्वप याडेया सु: अ: प्येत: प्रमा अया अया से या प्रेत: प्रमेत स्था मुका ही : विरामान्त्र, रास्तर निस्न मासुसायका यह सामा के निस्न सह सम् नर्डेसन्ध्रतप्रत्यायदयामुयाग्रीविदासूनार्धेष्यवदावेनार्डेयायादया <u>शर्थः भ्रुः भ्रे : वेदः जाववः द्याः ग्रदः भ्रें देशः जाश्रद्धः भ्रेत्र। जाववः </u> षदा भूगानर्गेद्रायाधेद्रायदेश्यद्याक्तुयाग्चीविदाद्र्याधेद्रायद्या भूदा गशुअःग्रे:सःर्रेयःहुःसद्यःग्रुअःग्रे:बिदःग्रे:चःश्रेदःद्यगःवज्ञुद्रःदद्यःसदेः म्रेट्यू मार्था मुश्रास्ट्रिश्य प्रेट्यू प्रमानित्य में प्राचित्र प्रमानित्य प्रमानित्य में प्रमानित्य प्रमानि मुलार्सि विदाददा अरासदे मुलार्सि विदार्सिया सार्या मुका ग्री विदाद्यया हु: बेद-य-पेर्द-यदे-ब्रिन् बर्दे-प्यथा यदय-क्रुय-ग्री:वेद-त्री:व-क्रूर-स्रगः

नकुः सर्भे ग्रुरकुन सेससर्परे वित्र ग्रे केंग्य ग्रेस नकुन परितर् षरश्वेरळे न न्या पेंदर्रे वेश महरश्य है स् मव्य परा देवे विवर्त्र निरम्भेस्यावित्र साधितासराम्या वह्नामा सूरार्र रेशाञ्चायासदे। वर्षितः सदसः मुका ग्री विदः ह्या ग्री ग्राद्या स्क्रीत ग्री वर्षित स्वित स्वित होता हेता वया स्मार्च नर्गेन पर रूट मेश सुया परि सुया सुने से ने नर सुने नर सुने किया चल्यासारिष्ट्रीम्। सर्नेष्यसा नेप्तया स्वार्धिते विरामिनेयासासा । सरसा मुर्थाञ्चायायाचे नायाया । ह्वा हु स्यादर्चे स्यह्मायस्य । द्वायाया न्नान्दरम्बन्यान्वेनार्स्य। वियानासुन्यासदे भ्रीता धनाम वेनाँ दारी वर्षिरः ग्रुटः शेस्रशः ग्रुटः शःवज्ञवः विषाः वेरः नः से व्यवः प्रयः वया देवेः वशादेराश्चे नार्येदायदे से मुवासूदायशाग्रदा ग्रुटा सेस्रासायहाया वेशन्ता है स्वायाया सेया या पड़ाया है या द्याया है या है है सु सी या अन्यानिवायार्थे। वियादया वायेरावर्षयाया र्सेनाद्येत्राची विदाया प्राया विकास <u>ब्</u>च-अ-८्या-वी-याश्चर-अर्था याञ्चयार्था ग्री-हेद-अ-५५८-५५८-हेद-४द-५-यार्थर-र् अट्यामुयायार्षेर् सर् प्रया वेट्या भुम् देवा प्रत्रि प्र क्रियामाना विवास रवासमा समा स्वास्त्र में स्वास नेर वया देवा से दर्ग स र्श्वेर्ययम्भेर्व्ययम्भेर्यः वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे वित्रवर्षे चुःषःयदः केदः दुः ह्वः वा त्वाया यः कुः दूदः यः वस्य यः ठदः दः श्वरः वः वहः तुः धीदः यदे हिम् हिम्मो त्वर वायश भ्रामश्रम हमा पर विमाय हिन् हिन न्यें क्षेत्र स्टर्मी नसूत्र नर्डे या ग्री सून्य शुरदे सून नत्न है। देना सेत्र

**ग्री:सॅ:ब्रह्न,अह्य.तर:र्ह्म्याय.तर.वेह:क्र्य.तप्त.यर्ह्न.ता.प्रेया.प्रया** र्द्रेव् ग्री भुग्रा ग्री प्रवर्गी श श्रुष प्रवे भूश वस्र श उर्द वा श यर वर्डेर् य लेश रहा कुर सूर्य में वस्य उर लेट र कुर सूर्य |ग्राम्याग्राम्योग्राम्यम्यवृत्राम् | देःयाने क्ष्रम्यवृत्रामास्री | विश्वा महारमायदे हो मानवा पर। महमाय हो हेव पा पर्दे प्रायदे हेव उव रूप ग्रथर.री.पक्टामी.य.लूर.सर.यता द्वा.श्रुय.री.जूरअरअरश.मीश. मन्दर्नुश्रासहस्र-तुन्ववाध्यम् मुर्गे स्वर्न्नुन्ववाश्रास्ये सूर्वः सूर्वः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं सरसद्रमदे से हैं वा वो दनर न प्रशा देवा से द वी से न हैं से न हैं से द यरः ह्रेवाशःसरः ग्रुटः कुवः सदेः सेट् व्याः बेशः द्राः विषयः ध्रुवः ग्रीः से । व्यादः ध्रुवः ग्रीः से । व्यादः यवीयात्रास्त्र्याः त्रम् अद्रान्ते वित्राच्या व्याप्त्रम् अद्रशः मुत्राः मु ळॅं नायायाळें रानाहे नायार नायायायाया ही विदेशान जुनाये दे रहे या नु हिने यर विश्वासर मुद्दी विश्वासा सुरश्चार से दे मुना पर पर में के में से दिए से स नेशक्रिस्माञ्चाधितः हेर्स्त देर्क्ष्मा हारा हिर्म्भेस्मा प्रमाना प्रमाना प्रमान ग्री सिंदिर श्रम् ग्री हिंदिर प्राया प्रति स्वार श्री प्रायत हिंदा में। वेंद्रमःभुःषः गुदः वसवायः अवः कदः ग्रीः सद्दरः सुयः ग्रीः र्सेृदः अवः ग्रीयः वियासदासुर्मे भियान्नरात्रमा भी समासरामह्यासाद्री दे विराक्ष्या श्रेश्रश्चरश्रेश्वराद्यतः क्षेत्रः स्वाच्युः त्याचत्विष्याः या इस्वराद्याः वृत् डेगा डेश ५८१ व्हेंगा ग्रथ एयश ग्रहा इस्र उर्धें देश है । वेश ५८१ भुन्यादर्गे नत्त्रहुपायय। यानहुपादी ग्वयाह्यया ग्रीया दि सुन् ल्.भूर.वात्रवायायाया वियावायुरयायदे द्वीरा इतर दर्दे द्वा दे क्या वर्षे चिरः यसमाया ग्रीः सर्द्रवः श्रयः ग्रीः श्रुंदः खुवाः धेवः परः त्रवा ग्रदः यसमायः

णवःकर्णेः ने स्वरः प्येवः विदेश्चेर ह्वाकाः विद्या विद्या स्वरः विद्या विद्या स्वरः विद्या व

ग्रेशरास्टास्यायाया देशसाय्यस्य ग्रीम्य्यस्य स्था दे। विद्यासुदेश्यळवाहेता देवायाष्ट्राधितादे। ग्रवशादेवायाँ सुन्देवाया वर्षिर देशमा केंशदेशमा त्रादेशमा शुर्णित्मवे भ्रीता वार्यादेगा श्रेवःचावयः धर्मः विदः कुः नियम् अत्यायावयः निरः स्वरुधः विदः। द्वेः सः होः नवेः देर्-ठव-मुव-भूग-रे-नर्गेर्-यर-देश-यर। भु-देश-य-सळव-र्धेश-भूश-या वर्षेत्ररेशाया ग्रहार वयवाया प्यत् कहा ग्री द्वार वर्षेत्र हिंदा हिंदी वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र यदः सबदः से विवास या के सारे साम विवास के दारि के सा नुसारे सा इस्र भीत सदे हिम दर में जुन है। तु ज्वाम ग्री म दें न से द न निय लम्पानर रे. ये। विमानर में से से सम्बा यायमा सम्मान मान न्यर। वित्यकार्क्षाकृषार्विदेन्त्रीयादिक्रात्व विद्वादर्गत्यावया पर्यापरा विशादरा हैंगानी प्रवर्गनायश हूँ रामशुर्या हैं राहेता र्रेदिःवहेग्।हेद्रान्त्री।विस्रारानी स्ट्रेट्व देवा सेद्रावेश वीता विद्यारी प्राविध सेट्रावट र्शेग्राश्चरम्। द्वासार्श्वरार्शे येथ। देव केव प्रवस्तव प्रविष्ण प्रशापना

र्पित् नेर क्रिंत्र सामक् स्रेत्र प्रमा निवित्त सर्वे न समित सर्वे साम निव्या सर्वे न वस समित सहसामर्दे विकाम सुरका मदे हिमा हिन सम महिकाम गुनः स्रे। इन्नम् अळ्वादे शुसा इन्मिष्ठ सन्मा । द्रमे गुन्न मुन् हुदे नन्मार्छेन् पदी विशान्ता सक्तान्हेंन प्रमेणान स्मा क्रिंत पाष्ट्र यर ठव सळव दर द्रे जुर श्रेश न क्वार य वेश माशुर श संदे श्रेर । जुर यर मार्थिय संग्रीय है। यर्टे यथा क्षेत्री में रिग्रीय प्रवित्राय स्था मार्थे नव्यामा । भरमः मुमामा सर्वे नाम्ममा विदाया । दे या नव्यामः विदा गर्नम्भायहेत्रम्। दियापर्चे माम्याम्भामाने मुना निर्धासम्बद्धाः श्रे माने माना । विश्व द्वा क्रिं है श्रादि स्प्रिं प्रमाण्य माने प्रमाण । विश्व द्वा क्रिं है श्रादि स्प्रमाण । विश्व द्वा क्रिं है श्रादि स्प्रमाण । यःश्र्याश्रामालेशन्दा ह्यानश्रा शामञ्जायात्रीमा दिःष्ट्रा युःधीः भूरः वां वेवायाः श्री वियान्ता वायोरः वर्षेरः वया क्रुतः सूरः नृतरः इरकेर अप्रहायान वृग्यामा इस्राप्टर वे अप्रह्म प्रशास्त्र प्राप्टर् ग्रीशानित्रामा शान्य मान्यामान्या प्राप्तिन विद्या निरार्श्वेत प्राप्तामा करा षर-दे-क्षर-र्रे-बेश-मशुरश-पदे-द्वेर। हिट्-पर-चबे-प-गुन-क्षे। वर्षिर-<u> अरशःक्रुशःग्रुरःश्रेशशः द्वश्रशःग्रागुरः दयग्रशः यदः खरः द्वश्रशःग्रीः अदृशः</u> र्धे न क्रुव मदे अर्दे मया केव क्षु तु दूरा अर्देद के अप्यानदेर नाव अर्थे क्रिंशः इसः सरः सूरः नवे सर्दे र्नरः। न्ययः स्रेरः सर्दे र्नरः। ने नवे व हे नः परः न्नास्त्रवर्न्त्रह्में क्रिंश्चे राज्यान्त्र व्यास्त्रवर्ष्ट्रवाष्ट्र तु'ग्रिय'त्रिते'र्ग्यस्य प्राप्त्रर'ह्या'यर'क्कित्से'वळत्पर'सेर्'स्रवि'यर' र्श्रेव परि हिना सर्ने त्यमा वर्षिन ही है वामाने न्या ने न्या हु हुन

कुन शेसर न्यव शेसर न्यव केत में इसर या नन्य में से से र र र वी'दसवास'सदे'धे'भेस'ग्रीस'हेवास'सदे'श्रेंद्र'धुय'ग्री'वाहस'दर्। सर्वेदः नदे केंश्रायानने नराम्बर्गायदे केंश्राद्यां सुप्त प्रशादन्यामार्चेन पर ग्रेन्'मदे'भ्रे'सदे'समदे'सुन्'ग्र्ग्यार्ग्यारम्'र्स्न्'हेन्हेल्याग्रुन्या र्ह्याहेय ग्रमा केंशाह्यन्त्रम् उदायाहेशासेन् ग्री केंशा सूदा देशान्मा विमासर् यथा हुरकेत्र इस्रायाचेता सास्रे वा नी वेर्या केंद्र हुन हुन देशेर सदे न्वायः नः न्दः नि नः न्दः क्षेत्रः यः स्वः न्वायः नः द्वेत्रः यः ने सः विसः वासुदसः यदे सुन। विनःश्रे। यर्ने ने न्वार्वेषा स्रेव त्यम सुनः न श्रूषा यदे सुनः स्रेसमा र्भेग्नराग्रीसः वर्देरः चल्दः राधितः यदेः द्वेर। स्नृगः सिदः सर्देः यस। सः वर्द्धः यः धे अर्दे केंग दरा वेश राज्या अर्दे से इस राय से क्या राय । से या सुरा स्ट्रि म्बन्द्रमा स्थाप्तर प्रमुद्दा स्थिता सेदि मुद्दे मुद्दे से प्दे । सिद्दे से गुद यश्रायम्याश्राम् धेत्। विश्वाम्ब्रुद्रश्चार्यः द्वेत् वदे व्हृतः वेश्वादः वेदिशः अति चेना केन कें शादिर से पार प्रदेश प्रति हैं तथा प्रति सुन कें नाथा केन में नगल लूर सद जुनाग नजर बैर चुर चुर चुर के हूर गहूर । विर सर ख्रायात्रुकारेकायात्रेवित्राचिते श्री अववे व्याप्त श्री प्रवासी वित्राच्या । व्यापात्रुकारेकायात्रेवित्राचित्र । हु नत्वारा धीत है। यह वा सायरा वर्षे में या नर हु यह वा हेत वर्षे र स्र-ह्म विश्वन्ता रदावनेयायया सुवदे वे वर्षिरान हे सेन्यर वहेगाहेदाग्ची वर्चे रावदे क्षर् र्यावस्थान पर प्येदार्चे विसार्टा कुर सः विभारता क्रियायायाया वर्षायायायाया विभारावे व्याप्त विभारती क्रिया यर-रहीर-सेन्-पर-पह्ना-य-प्यन-सेन्-स-हे-सेन्-ग्री-वर-न्-वस्य-ग्रीस श्चीयामालेशान्य। न्यातृगायशा नेशास्त्रीयाग्रीशावस्थायदे सुप्यत्रशा

स्र-निश्च निर्मा स्थानिक स्था

वाश्वाराः हेन् श्रेन्यावित्राने। विन्याञ्चानेयायाः व्यवस्थायत्रान् यर बता दे देश या खा खून की हित्या के प्रति हो देर बता दे ता देन नस्यार्भेन्ये रसे स्थाप्या विस्यासे देश विस्यासे सुना मदे से स हर्मेश-१८-में मुन-क्षे मुश्रेर-व्येद-वश्व वदी-वादेश-वाय्यक्तिन्द्व-र् या वे दें ने न सूर्य कें वा से ना नियाना निविद्य निविद न यक्तिं शुः भ्रे विशायाज्यायशायाभ्यम् तालेशाम् शुर्यायाभे स्वाया द्राणुयालया क्रूपाञ्चा द्वारा वा वी विषय अप्तान विषय विषय हीरा नेर मया नेदे के देश राष्ट्र स्वत्यक्त हो र ख ख्र हो भी त्याय सद हिरा क्रुन्त्वन्त्रत्वेगायमा क्रिमः भूकिन प्रदेशस्व हिराखा थ्वा ध्रितः महारमायद्भीम्। इन्ह्रम्यायाम्बेयायाच्चानास्री नेयास्रित्यास्रीत्वायासा बर् बेग् नसूर् द्रायम् नर्भ महिंद्र परि द्वेर मार्थेर प्रसेट स्था दरे नशन्धन्यम् नुदे लेशमाशुम्य मदे भ्रिम्य साम्वा स्रो देवायाम स्या यशमिर्देन्स्य मर्देन्द्रम्याविरः चवमा यदे भ्रेत्र । द्रभन्य स्त्रितं वेशः वस्राक्तर्नु स्ट्रिं स्वार्धित हिंग्यास्य द्रार्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर र्टालेशरादे देव सामुनासर मार्ग वेट्र भुष्टिन हैव मी विस्रामा उद्दर्शे क्रिंव परि द्वीर व साहिय। ह्याय युव क्री यावय देया पर वहर

यदुः ब्रेम लट्या देशाया शुः ध्वा क्षेत्रा भुः खेना भुः खेना है । क्रेंशा ववा यर दर यर दुः शे सूर वर वुश वर्ष सुर राष्ट्रे व राषे सुर साथ व यर वया भुरेश राश्चिर सबदे वर सळ्द र्येश वक्ष्य राष्ट्रितर देश रा धेव परि ही में या गुन वा भु रेया पर नुन वर्षे द से नुया है। हे बदे हुया र्येदे के द : द : से : सद : सूद : अपि के : दूद : से नि स : सूद : से द से स : सूद : यन्ता क्षेन्तराम्ब्रःश्चेशादन्यानदेः द्वेरः म्वारंदिः म्ब्रायासः स्यायान्यात्रात्रात्रेत्रवात्रम् स्वायान्यत् स्वायान्य ८८ श्री हो । विश्वास्तर वर्षे विश्वास्तर वर्षे श्री विश्वास्तर स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त वदिः द्वार् भे स्टायेव साया श्री म्याया विष्या प्राया विष्या स्व ग्रीका श्रीव रहे खेँ वा फु सर्देव सर लेव सबे हैं व स व दुव नवे हैं व दु हैं व यदे ग्राञ्च म्राञ्च व्यापाद्या के द्वर्य म्राञ्च व्याप्त दे द्वर्य म्राज्य वि तथा श्रैया, यदुः भें. वु. कें य. ब्री अ. ट्रे. शु. बैट. यर विश्व थ . लट. लट. ट्रे. श्रैया. यागुनातुः ह्रेनियि देश्वेरार्दे विशायदे दिन् के त्यन् परायया श्रेना स्रेने स् वर-र्-सळव्र-द्रवेदे-भ्रु-स्रे व्युक्त-वर-वत्व्यायान्यदे-श्रुव्य-भ्रु-स्रे विक् र्र-विया द्रमाराक् केय की सिया भी लूर राष्ट्र ही री द्रिया मायमा वर्ष्ट्र गुश्रमा गुल्य भरा श्रुवारादे श्रुप्पर भरा थर से सूर नर से हो र सर मा देशना भ्राया भ्राया मुर्गे विदाय है ना विदाय सुरा विदाय विदाय है । श्चित्रपदे श्चेश्चर्याचे वा विष्य र त्यूरायर वया सर्रे श्चे मुद्रायशा सर्या मुर्भाने द्वारा विषय वार्ति द्वारा मुन्या । हेन प्यारा मुन्या विषय विषय मुन्या यदे हिर हेर ते साहित है। दे सर्या क्रिया वस्ता हर ही पार्या स्ता हैत

क्रिंशः भ्रासी वर्षः नवि रासे रासे दिन प्रिंत प्रिंत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्व অঝাঁ ই'অ'য়ৼয়'য়ৢয়'য়য়য়'ড়ৼ'য়ৢ৾৾৾য়ৢঢ়য়য়ৼৼৼৼ৾য়য় ग्रुट्यं परे द्वेर इन्द्रिंद्रिं से व्यापे व्यापे विकार विका रेग्रास्यायार्थःभिराहाक्षात्र्यायर्थे नार्यम्याव्यायार्थे प्राप्ताया र्ट्सर्म्सर्मित्रम् मित्रम् स्थित् । यहस्य प्रमाय मित्रम् स्था । वर्रे ख. है। ब. चर. खे. बी वर्रे के हैं। बैंचेश की स्ट्रेस के चेंद्र के वर्षे म्रद्भार्य केदे विदाह भू नुवे पर्मे नाद्दा हुन नद्दि है साभू नुवे पर्मे नाद्दा क्र में भागी हार स्वार क्षानु दे र र में निया के साम के मान का स्वार स्व क्षे.येश.पम्.यष्ट्र.षेश.यश्चिरश.यष्ट्र.द्वेर। लट.शटश.मेश.यष्ट्र.सेयश.य. <u> अर्थः भ्रुषः पश्चित्रां दिद्यः अरः संः धेदः देशः सदेः यदः पश्चाः धिरः दि। पः</u> विमानारी पहेमाहेन मी प्रमानम्भागविमान सरमा मुमार्थेन त्यापहेना हेन ग्री प्रमाना नावत त्र मारमा मुमा से प्रमुद्द ने मान्तर प्राप्त के प्रमा हेत য়ৣ৾৾৽৻ঀয়৵৻য়য়৵৻ঽ৾৾ঽ৻৵ৼ৵৻য়ৢ৵৻ঀ৾৾ঽঀ৾৾৻ঀ৾য়৻য়ৼ৾৾ৼ৾৻য়৻য়ৼ৾ৼ৾য়ৣ৾৾৻৾য়ৼ৾৾৻ र्वेशः सर्यः कुर्यः पदिः सर्द्रः प्राधेः सर्द्रः वेम् । यायः दामे । सर्यः कुर्यः ग्रम्यम्या श्वेन गहेशश्वम्य प्रदेश्वे राष्ट्राप्यम्यम्य स्विन <u> ५८.स.चीयाक्षी ह्यू. १५. १९८१ मध्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र</u> रे। दे श्रेन्द्रप्टिमाहेन् श्रीप्यस्यम् महिमान स्पन्यने श्रेन्द्रप्टिमाहेन য়ৢ৾৾৽৻ঀয়৵৽ঀ৻ঀয়ৼ৾৻৵ৼ৾৾৵৽য়৽য়য়৽য়য়ৢৼয়৽য়য়৽য়ৢৼয়৽য়য়৽য়ৢৼ৻ यहिमारा युना स्री वर्षेयान १५ दे हिनासमा वहिमा हेत की विसमा सममा उर्-द-भरभाक्तिं नार्डेना विन्द लेना द्वा अर से अर्दे सर हैन भासर सरसामुसारा दे से दार्दे विसा बेरार्दे विसा नासुरसारा दे हिरा नासुसारा युनः ह्री वर्षेयान वर्षेर्पे हेरायश सर्या मुसाने सर्वे सर्वे विवाधिन या

विश्वाश्वाहरू स्वे स्वाहर्त्वाहरू में क्षेत्र स्वे स्वाहर्त्वाहरू स्वे स्वाहरू स्वे स्वाहर्त्वाहरू स्वाहर्त्वाहरू स्वाहर्त्वाहरू स्वाहरू स्वा

> र्ट् सळ्ट्र छे सर पर्ट् द सरस कुस गुद्दा । रुस निवेर पर्ट्र स पर्ट स समय दस सामित समय । र्सेर न निवेग्स पर्टे स्था समय से स्था निवे समय । कुष सुस पर्टे र कु स समय है । या स्थित ।

ने भूते सुन कें नाम प्रतिमाय नाम सुरा स्था |

वियायदीः भ्राड्यां भ्राड्यां स्वायाः स्वयाः स्वयः स्

## श्रुवाः भ्री

🔻 निवं रा श्रुपा मदे भुति। इन्नि निर्मे मर मेश श्री र पर है श्री र पर विश वियासदुः श्रुला भें क्यें प्रायकरी विशायरा वर्षा र सिर. भ्रुःगश्रुअःनभूत्र<sup>्</sup>त्रभःनेतिःमःभ्रुत्यःमदेःभ्रुःतिशःमदेःभ्रुःनेःवस्रशःउनःननः बुद्रार्श्वरात्रात्र्या नृगुः बुद्यारा त्यार्थे न्यायायाया वात्रात्याया वात्रात्याया वात्रात्याया वात्रात्याया नःहै:श्रेन्यरप्रहेणाहेवाग्री।प्रथमात्रथम् उन्नुःशेयंभाउवाह्यस्यभग्रीः वर्रेन्यदेर्नेव्यक्रयमान्त्रेन्न्यह्नायदेर्भ्यनेवियायक्या क्रुव्ये वकर्माधेमाने माने विकास विकास विकास के गवित भर भुरायदे त्या र्रे न मार्च विकास देश में ग्रामा न इते पहेना हेत ग्री।प्रसमारम्याःसेन्।सबदःसेन्।सन्।त्राःबसमाउन्।न्।नेवामा यान्यान्वर्ष्यायाष्यरान्यायरार्ह्यायाययाञ्चर्यायाञ्चर्र्वेत्रायाञ्चर्यायाञ्चर्यायाञ्चर्यायाञ्चर्याया उदायसभाउदाग्री दिवासहदा देश सँग्रामा ग्री देवायळदा समासायोग पदी। व्दा गहेशमादी भूगः ह्यामार्थे ग्राम्य स्थाना हा से दार्ग में में के सारवा श्रुवारादे भ्राधिदाने। श्रेन् सबदे नर नुन्यास न्या यो दर्शे ने या नुर्देश शु ब्रूट द्रशासंदारा श्रुक्तिवाश सहरा प्रते स्नु धिदापते स्री रा यशिषाताः भवतः रशिराताः यशिषां तथा ररासा वि. कुया स. मी अरुषाः

कुरायार्से न्यायाये पुरादे ५५५५ प्राची रायार्से न्याया विराधिय प्राची प्राची राया व्हाराम ने अन्य मुअन्त्र अर्थे मुअन्दिर द्या भे भे अन्यू मा अन्य सुवा वर्षे वर्षे बेर-वा दें त-अरअ-कुअ-विं-त-दर्भना-केत-दर्भना-अ-स-दर-वित्वें अ र्श्रेवार्यायाश्वरायाञ्चराद्ध्यार्श्वेदायायाधेदायरात्रया हिन्गीर्यायन्तराद्ध्या त्वर् मते भी वर्रेर्न् । यर्य मुयाय स्वाया स्वाया मिया भी राष्ट्रिया स्वीया त्यःश्र्याश्रान्यत्रम् श्रुःगश्रुसःनश्रृदःदशःवेशःगश्रुदशःसःसःसःवद्यदःसरः बलाखें। विर्देरासदे हिना हिना है। विदेश अदश हिं अवदास्त हुंदा खुला र्ने अंक्ष्या स्वाप्त विदायमाया प्राप्त प्राप्त स्वाप्त क्ष्या विदार्ष या दर्श्वे भ्रे त्यम देवा प्यतं कर्दित्र तु सर्वे वा वी श्रूय भ्रे न स्व प्रते हिरा र्राम्याना स्री वार्य रावर्ष रावर्षा सरमा मुर्या में प्राप्त रावर्ष रावर्ष दब्रेट लक्ष सक्रेन हु द्वा पदे दर्जे न दनदि वेन ल सक्रेन दे रे स्ट सक्रेन तर.बैर.यदु.याबीयाश्री.ता.क्षेत्रायत्रा.सूर्यात्रा.सी.रट.खेत्रा.याबीट्या.सह. ध्रेम विमः भ्रे नगामदे दर्भे नायमय विमा हेश मश्चामयम् । विमा यन्तर्वरेष्ट्रीय ह्वारामशुरायागुराश्री मुर्गरावर्षेटावर्गा द्याया न्या यहिशागदे यन्त्य हु या सळव न्येदे या बुग्रा उदान् श्रूर नदे य स्त्रित्य द्वा विद्या स्त्रिय स्त्रि वेश सदे देव पो ने श दे के श भू दर श्रेम श विद वश विद श भू दे श्वर न श्रुवः भूदे भूदः न गहिशान भ्रुदः मदे न श्रुवः माना हिशावा र्श्रुदः ने स्त्रु दे र्श्रुवः 

नश्चेर्प्तते नर्भेर्व्यस्य ग्री स्वित्र म्या स्वित्र में मुल्यस्य स्वित्र में स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत क्रिंग्रागहिराणी कर्मा वास्यास्य सर्म्राम्य में विष्य केत् यया गश्रम्यायदे हिम् हर्गया प्राचित है। देवे वर् ग्री क्रिय स्वर त्याया ह्या वर्चे र परे गुर हैं न ह रें द हिंद पर उद श्वर न न श्रे द परे वे श प द श इसायाबस्याउदासिहोदायादे प्रविदायाने यात्राया इसाहेदा की हीं दास्या द् शुरारा धे भे अ शे कें गुरायश शुरारा है कें अ शे भ्रुप्ते अ गुरुर्स सदे मुन्। इयानन्त्राय्यायान्। यदयामुयादित्ववे सदेव सुयामी र्मेन्या क्रिंयात्रयातुरायात्रेयात्र्यायात्रीयात्रीया ह्यायायात्रेयायात्र्यायाः केत्रायमा अर्केना हु न्वायन विमाय तमा नावय नु से न ये न से न वस्रा मी के वारा नर्याया या स्वरंत दिने या इसा सर सहे या सदी सु दि क्षरा विरायसम्बारायम् कर्का क्षराम् स्वारायस्य स्वाराम् स्वाराम् मुनःस्री वर्मेयः केतःयथा नर्सेन् तस्य न्दा धेनेयः मे स्वीयः मे स्वीयः मे त्तुरः नः त्रीरुष्यः प्रदः देवः विकार्यः विकार्यः विकार्या श्रीरुष्यः । विकार्यः विकार्यः विकार्यः विकार्यः विकार्यः विकार्यः विकार्या श्रीरुष्यः । र्यदे हिर्दर्भ इस्रायन्दरायम्। सर्केनानी हुत्य सुर्दे केंन्य निहेश गदि कः नर्यम् अप्याने व्यानि स्त्रा स्त्रीत्र स्त्री स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा नगनान्याः भेराके अर्थे : क्ष्यः हेरान्येना न्दार्शेन्य । विदाययाः विदाययाः नश्रुव पर प्रकर प्रवर्भवि मु से प्रवर्भ प्रभी भी के मी के प्री के प्राप्त प्रभी के प्रमाण र्सेनायामिटात्यानसेट्रत्ययाग्रीःसेनायाद्या सेनायानियागदिःस्यया धेरा देर वया धे वेश ग्री केंग्र ग्री यग हैं श गर्ड में र केंश श्ला ग्रुटा

नर्भेन् त्रस्य ग्री कें न्या शी स्वा हे स नहिं कें न्ये न्या सुदे सक्त न्ये न्य क्रूट्यालीया.सू.यटाउट्ट्रिटाया.स्ययातयीटा क्रूट्या.सीयु.लु.सीया.मी.कातया सक्र्याः श्रुवः ग्रीः श्रुवाशः ८८ः वर्शे ८ : द्रश्रशः ग्रीः कः वशः सक्र्याः श्रुवः श्रुवः ग्रीः सक्रदः द्ये अँगुरु द्वुर वदे भ्रेम हग्रुर र र मुन स्रो देव के देवेर व तथा क्र्यामी भेर्या विकास लेया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विष्या विष्याम्बर्धरम् सदि श्रिम् ह्मायामहियास श्रुम से देव केव वर्षेट्यायया अट्याक्त्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र क्रियायाययात्त्रहा वियायात्रुदयायदे स्ट्रीम् यासुसायात्रा स्ट्री <u>सरसः मुसः ग्रेः ब्रुवासः वाडेवाः वीः श्लेटः वीः र्क्वेवासः वाहेसः ग्रीः कः वाडेवाः वीसः</u> ब्रिट्ये न स्वा न मुद्रे म् ब्रुवाय सुन्ये न स्वा न मुर्ये वाय सुवा सुन्य स्व षर्याया विवार वर्षा वहेव वर्षा वैवर्षा स्वीर्य देवा स्वार्य द्वा द्वा स्वार्य स्वार्य नर्सेन्द्रम्याधिः वेयायया तुरानदी । न्याया निव्या वेया वेया वेया वेया न्या कृत्त्वात्रात्रेगायम। सरमाकृषायीः भेषान्वेषाक्षेत्रान्वेषास्भावीः व बुँगानकुःयः सँग्रास्य सम्बद्धायास्य स्यान्य द्वार्षि स्टर्न् नहेत् द्वार्ग्य द्वार तर ने या सर मित्र विकास श्रीत्या स्ट्रीय स्ट्र श्रेव मान्या श्रुवाका स्रोत श्रेव स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत सर्क्रिया मी श्रुत्य श्रुति सहंदारा न व्हा निहेश मिं वर हेश होर वा दें वा सक्रिया मी श्रुष भूदे श्रुषं पदे मूर्य प्राप्त स्प्राप्त स्प्राप्त मुद्र स्प्राप्त स्प्राप्त स्प्राप्त स्प्राप्त स्प्र सहर्ने सम्बु मुँदेश मिन्सरेश सम्बेद श्रीमा वर्ने न से मुस्य है। मन्य है। বাংনেরাংনের্নাট্রাঞ্জনেরাংকার্মার্রান্যার্ম্যার্ম্যার্ম্যার্ चुराद्याक्षा क्री कर केंद्र में प्रवेषया प्रवेष्ट्रीय प्रवास प्रवेश कर केंद्र ग्रुयः ग्रुः हे : चले द ख्रुयः यः धेश | क्षुयः यः धेशः दे ख्रें ग्रुशः चग्राद्यश

|नश्रवासारीवाळेवाळरासवासथा | विहेवाहेवाद्वरासदीवितातीता श्री डिसाम्बर्धस्यास्त्रः द्वीरा वियासे। यदिया विदेशम्बर्धाः स्रेरास्यायहेगाः हेत्रायशायन्यायवे वरायान होता परिष्ठिराहे। हेर्गा गौष्यनरायाया वन में अपन्य स्टार्स अरु अपन्य निकु होत्र प्राप्त कर्य साम्य प्रमेश हेत् र्भुट्रिन्द्रान्द्रम् । केव्या केव्या केव्या केव्या केव्या केट्या केव्या <u> दे.र्या.ग्रेश.ब्रियाश.बन्नश.क्र.विय.त्र.विश.वश्र.विश.संदू.ब्रिया</u> ग्वितः परा रुषः ग्रुषः रूर् सेर् सदे खुषः हित् ही सः नक्ष्य सेरे सेरः नश्रीमार्चिनःयः प्राप्तेत्रायश्चानः विचायः श्रीम्थाः स्रोप्तायः वया सहप्ताः वर्षु विदेश वित्यर देश यदे ही या वर्रे दावा के प्रवर्ग पर वया दे व्हर न्वरार्थे खार्श्वेषाश्चितायान्या सान्वायये विरान्वायये विरान् ही साम्रीया वक्षवश्याश्चिष्याधेन्यदे द्वेत्र । द्वास्त्रेत्राच्या द्यावश्वराळंद से<u>न प्रमुख केन प्रमा</u> । सम्यामुख विमाने सुन सुस कें गया । वियानमा हैंगानो प्रवर्गन प्रथा प्रवर्भाम प्रवर्भ मानुमानी प्रभाव हैं। बेद्रमदेख्याचेद्रम्भः होद्रम्भः होद्रम् व्यवस्थान्यः विद्रम्भः स्थान्यः विद्रम्भः धरः विद्या विद्या स्त्रा विद्या स्त्रा विद्या स्त्रा विद्या स्त्री हित्र स्त्री हित्र स्त्री हित्र स्त्री हित्र स्त्री बर्-रर-सुर्य-सर्य-कुर्य-बेर-र्-छेर्। सर्य-कुर्य-ग्री-बेर-रर-सुर्य-सु-नश्चरानःश्रेषाशानुदारादे श्वेरा श्वनायदे सहदायानश्चरानुशासी श्विनागुदा म्राट्यार्ययार्ये दिन्त्यार्यद्वारायद्वायाष्ट्रयात्र्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्य श्रुवार्द्धवा कुन् सुरायया श्रुवायाहे के दार्य या हे वा हे दा यह वा हैं दःगुद्राया में वेपाया द्या दे। किया ग्री भूष्या या या प्रिया पदी रदःचित्रः श्रुः र्क्षेष्वयः ग्रीया वियः गशुद्रयः यः दरः तृगाः ययः चन्द्री श्रुः चः

वह्रमान्द्र-चक्षुस्रसान्द्र। वित्रें धी महस्रायास्य साम्सान्द्र। विद्व श्रित्विर क्रिंश रेवास ५८। | देश वर्त्वर ५ ग्रायन श्रुप्त सप्ता । व्या क्रिया श्वेदःस्र्राचनेनायायाद्या वितृत्भे वर्षेयाद्या हिन्यायायाची । श्विद्यस्य क्रूबाग्री त्रिर्य्य प्राप्त । श्रिर्द्य प्रद्य प्रम्य मिन्न । भ्रिर्वा शुःसः द्याः विदः इससः शु। श्चिदः सः हैः श्चेदः यादसः सम्ब्रह्य। विसः याशुदसः वा र्वेन् ग्री मह केव ने नाय स्थाव मे। नाय स्वत वया वर्षे न न न स्था ब्रेन् बेरा ने प्यायाययाया कुरार्सेन या स्वायाययाय स्वायाययाय स्वायाय स्वयाय स्वायाय स्वयाय स्याय स्वयाय याधीत्रास्त्राच्या निराहाकेतार्सात्राञ्चनान्दार्चेनायायोदाकेता यश्यन्त्रन्तिः भ्रीम् देम् वया मेव केव प्रवेद्या वया श्रीदाहे वे प्रवा युव वर्ष निवास पर में निवास र निवास में निवास से द ति वर्ष से प्रमा वह्या.हेव.बी.विश्वश्वश्वश्वर्थ. १५.श्वर्था. श्वर्थः श्वर्थः विषयः विषयः श्वर्षः ग्रवश्चर्यान्यस्या वेसाम्यस्य वैस्यास्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान <u> </u>
ळेत्रॱसॅं, ब्रॅं, प्रते प्रमः क्री अरु अक्ता क्री अहं प्राप्त कुर प्रते अप्ते प्राप्त स्थितः वेशन्ता न्रत्वेगायमा नेत्रमासहन्यानद्वानिकाग्रीन्दार्भेन्नातः व्यान्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रेत्रेत्रीटानुष्ये नान्टा निष्यात्राणुयानी व्यूयया शुःदह्मानान्द्रात्वेशाम्बुद्रशास्त्रे ध्रिम् देशावान्यवास्वावशाद्रे ना गर्डे रे र यहेत्र म सु श्रुराया नहेत्र मर श्रूरा यर द्वाय स्वत् न न्वाय श्रीया इटार्सराग्चेदाराध्याराष्ट्रीतात्रासराक्षेत्र विषयास्त्रीतात्राह्मेत्र विषयास्त्रीतात्राह्मेत्र विषयास्त्रीतात्राह्मेत्र विषयास्त्रीतात्र विषयास्त्रीत्र विषयास लेग्राश्वर दर रोट नवट इसर्य ग्रीय नित्र पदे हिम् देर वण वेग

नस्यायम। सूयापदे सुर्वे न्याय स्व रेशी यावसाव नव्याया प्राप्त साम् है। दर्ग न न दे ले अ न दे। अर्दे हे मुद्र में उम्य को प्रमे न्यादः स्व न्याव अन्य न्य त्या अन्य न्या अन्य न्या स्व व न्या दे स्व अन्य अवय । उत् वस्रयार्द्ध भी देवा शुः ना इस्रया दे त्या स्वाप्यया सदी श्री सार्दि । हिंगा गे.त्यर.य.त्रश्राचिरा इ.यदु.रे.यध्येय.येय्यश्राच्याच्यय. য়ৢ৽য়ৢয়য়৻য়৻য়৻য়য়য়৻য়৻য়য়য়৻য়য়য়৻য়য়য়৻য়৾ঢ়য়৻য়য়৻য়য়ৼয়ৢ৻ श्रेयश्राद्यस्य स्वत्राच्या श्राद्यम् मार्थेद्राते । वेशाम् श्रुर्या स्वतः श्रेर र्टा वर्ग्यायार्ट्रेन्याश्रयायशास्त्राम् र्यायास्त्रम् स्थान्यस्य स्थान्त्रम् यायार्श्वेषायायागुरामुङ्ग्रियायम् सुमायात्रीया विषया स्वाव मावस्य प्राप्त प्राप्त स्वाव स्व स्वाव स्वाव स्वाव स्वाव स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स चर्ड् निहेशः ग्रे में नाया नुसारस्य से कें नायर मया निवाद स्वाद सार्या र्वेनासर हो र त सुस्र स त्वास र र र यह स्र स र र व हे वा कु हो र र विस्तर स दे हीरा देराचया अर्दे प्रत्येवा नसूर्य प्रत्येवार्या सूर्य हो सा ग्राह्म सूर्य स् नश्चेत्राचित्र स्वेत्र स्वा न्याय स्वात्र स्वा नस्यायया नगरास्य में ग्वाययात्र नत्यायायात्र न मही दर्गन न्त्र नक्ष्रभागन्दालेशन्दा हेनाने वनरानायश न्नवायम् नि ग्रवश्वात्रम्यात्रम्यात्रम्या दर्वे नात्रम्य नात्रम्य मान्यात्रम्य । धेरा दरतेगायमा द्यायध्वरद्धे न्याद्वर्षे स्वीद्वर्षे स्वति स्वीद्वरे स्वीद्वर्ये स्वीद्वर्ये स्वीद्वरे स्वति यानसूर्ययानाचेना तुर्वे वियाना सुर्या यदे श्रीमा नदुः नेहिया निर्वे निर्वे निर्वे

क्षेट:हो:न:झन:नक्कु:इससःसु:सहंद:य:नडु:न्हेस:हो:न:झन:नक्कु:हेना: ठर-५,नसूत्र-पर-कु:केर-रेंग-धा शुन-ध-५वें(रश-कुत-५८। हेंगा-वो: वनर न न्वा वीश न विराधित हेरा हरा हता हता स्ट्रीट सेंदि वर्ग या प्र यश वह्रमञ्चरचे न स्वानकु न्वा हु न्वा वस्त्र की से ज्ञान न्वा व मर्जिनासरासहरारी वर्षानारा धुस्रमासुः त्नामानारा निर्वेत्त् र्रेषायान्या नहुन् स्रिःयोर्वराष्ट्री न्यान्यान्यान्या सर्वायराष्ट्री वर्ता नगदवाश्चन्यन्। व्यास्त्रिं श्वेरार्धेराम्भेग्रायान्। नर्रायर्वानार्दा व्यद्यान्यात्रात्रात्रात्रा क्रियात्री व्यद्यान्या ग्रेः सहराया गुवाह क्रेंवाय हेराय ग्रुट रें विया ग्रुट या ये रे भेरा र्यूर्यात्रयात्रात् यर्याम्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रयात्रायाः र्शेवार्यायाः भूवित्रायम् सहित्याने सात्युर्यायमः भूतिविवात्यः भूवित्यमः सहित् र्दे लेश मार्श्वरश्चारी माल्य प्या सहर सम्बद्ध माहिता है। द्या व व्याद्याय्याया विष्याच्याया विष्याच्याया विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विषया व उर-५८। नक्ष्रभारा हो न नक्षु हेना उर सह ५ म सेन्या थित पर प्रश् नन्गारुगानी सूँ तास्या सूँ ताम्युयानी सूँ ताळे तार्मित सूँ तानि वे प्रह्मा श्चेराचे ना स्वाप्तकु त्या ने त्या वार्ते दा से पहुंदे त्या प्वाप्य स्वाप्त के साम्राप्त वि युसरासहें साग्री युसरा सु त्वारा भेट में या दान करा नदे हैं नर संदे से महेदे न्त्र्व महित्र है है है के साम द्वा ही से हैं भू मास हिया पक मा বর-র্ম-বঞ্মম-ঘ-ট্র-ব-প্রদা-বস্কু-উল্।ডম-র্-মের্ল-ঘে-ঐর-র্ট্র-ম্

यविरमः मितामितात्वातात्वा क्षेत्रामात्वा क्षेत्रामा स्वापना स्वापना स्वापना स्वापना स्वापना स्वापना स्वापना स्व उर्-मुद्रायहें शासाहे खेरामा देशामा से माने मिरामदे परि परि परि परि मी वेशसर्केन् इश्रास्त्रवशास्त्रम् धीवायदे स्रीमा नेमायया नर्गेन्यायस्रीया त्रशा वह्रमान्यता श्रुता प्रदे भू र्वेत प्रदे वन्य ता सावसाय दे हें दाना सुस ग्रे-क्रॅंट-क्रेव-रेंदि-अँटश-क्रुशें-ग्रे-बिट-व्रस्थ-उट्-ट्-वट्ना-रेंट-ग्राम्थ-यदसः श्रेष्ठ मार्क स्युः मार्क स्वितः द्वीसः द्वार्म वर्षः सः <u>न्म भ्र</u>ोजन्म वर्षेत्रयायार्वेत्र्यार्थेत्र्यार्वेत्रयम् वर्षुम्य प्रायः यः श्रुट्रायदे छेषा उरातु गुवातु र्रेष्ट्रवाया दे पार्ट्रिटा याद्वायर वेशःगशुरुशःभवे धेरा हिनःश्रे। देरःचया श्वनःनश्रवः है देरःयशा नन्नारुना ने देवारा नुग्रेते कुलारी वर्षे साथी सहेन वहेना हेत् श्री विस्र यने हिनाया क्रीन निवेदे यहेवा हेव हो न खवा नक्का थेन सामानी यहेवा हेवरेरेरेरप्परासहरायावरुगिहेशरेरेरेष्ट्रे। रेष्ट्ररसहरायावरुगिहेश वे.य.स्यायका.द्रया.वर.रे.यक्षेत्र.ब्रेश्स्याया.रेटा क्रेट.क्रे.ही.स्यायया वह्रान्त्रेरान्ते नास्यानकुरान्यूण्य स्वायाया सहित्यान्ते वाहिर्याणी स्वायाने नःस्वान्त्रकुः केवा करः भ्रें बार्चे। दिः प्यरः द्वादः स्व कीः वाव शावसः वशावसः नः होः नःस्रवानकुःदेवाःदरः र्देष्ट्रेदः हे दया अयः कृषः तुः र्देदः वुनः भ्रान्यस्ययः यदे द्ध्या हो ना स्वा नकु केवा कर सूर्वे वा शा सूर्व के बेश स्वा में वा सुर भ मदे:हीम्। मान्य प्यान्त्रेया केया ख्या या निराय देवे पर्या सामा विषय । नकुरःसहर्भागरुःगहेशाद्ये नामकुः हेना हरात् नसूत्रायरात्रया वेगाकेत्रास्यायाने वित्यार्थे नेरासर्गित्र नक्ष्रेत्र वर्षेया गहियाग्या यन्त्र हे.लय.श्रश्ची.श्रम्थायवेट.क्याट्र हेग्। कुट्र हे हे ह्याट्ट र्देयामश्यास्त्राधितायदे स्ति हम्या निर्मात् सुनि निर्माद से या ग्रीशः सूँदः ग्राह्मसः ग्रीः सूँदः केदः सँदः सहदः सः यद्धः ग्रिशः हे ग्राः हरः यसूदः यर ने भिर्व मुद्रा मुख्य मुख्य मुः अर्दे ख्या मुः न स्वा न मुद्रे स्वे र द्या स्वा कुषानत्वीयासरानभूनाभीवायानस्ययाः विवायाः भवायाः विवायाः विवायाः स्र-योग्रास्त्रम् श्रीयाग्र-प्रम्पन्यते स्रीम् नेर त्रया नेर्मेन्याय श्रीया श्री र्बूट्यम्बर्ध्यानी क्रेंट्र केदारी अट्यानुयानी विट वस्य उट्टर् वेय ट्टा न्गवन्तः श्रुन् नवदे हेना हर गुद्दा हु श्रुद्दा न न विष्य हु । सर्ने तथा मुखान है। सही निविद्यमा शहे हिट इस शही न निक्र द्वार है। षरः रनः हुः ग्रन्थ । क्रुव्यः नवेः ररः ग्रेः धें दः हुदः ग्रुवः ग्रेः वेदः हुस्य श्रम्थः उर् नक्क ने भी व मु स्थान स्था हेत् ग्री प्रमम् र्याद्यम् मास्य स्थान प्रमान सम्मान द्वार मेर् व.चर्ववाश.स.ब्र्वा.स.सहंद.वश.एब्र्.च.रटा दहेवा.स.रटा स्थारा. नत्ग्रासन्दरा नक्ष्रस्यान्दरा वदानी में दार्डे रात्नत्ग्रासन्दरा सर्देव सर वर्त्वर न प्रायन क्षेत्र सर्व स्थान क्षेत्र स्थान न्वास्त्रःवानेवाश्वःसःन्दः। वर्तः वर्त्यः वःन्दः अर्देवः सरः ह्वाश्वःसरः ग्रुदः कुन मन्दर। मुर्शेयान नहन मन्दर। क्रेंश ग्री प्रिंत्र में के दार्थे स्वार् नर्भेर्यान्दा शुःद्रमाथसायद्रसाया केत्राचेरावेरे केदाद्रा लेसा गशुरुरायदे भ्रेम ग्रावन परा यह सम्भेर में न स्वापन सुर सह र स नदुःगहेशःतुःनःस्रगःनकुःरुगःउरःनसूत्रःयरःत्रय। देःसूरःत्ःसूरःनन् यदे सर्दे सा वदा कु रेवा दर हे वा वो विवर वा वसा व वदा या सुर हे प्यवः

श्रशःग्रिशःग्रदःचलेदःसवेद्येत्र कुःकेःद्रवादायशा वहेवाःहेदःग्रीःविस्रशः दर्गास्यास्य वार्यास्त्रीरावि केत्रास्य दिवा हेत् की विस्वा ही वास्य वि दरावेशायावशा देवा सेदाग्री खूदे देश ग्री गांच वा वक्का वा सूरावा सुरा वी स र्द्धेट के दे में दे पदिया हे द शी विस्था या है या है या शिष्टी है या यो प्यान याया र्रेटावश्याची र्रेटाळे व स्ति पहेवा हेव ची विस्था ची सेटाव देवा सेव वेश तुः नदे व्या दे छेद व्या नव्याय नवेव दुः दह्य सेट हो नः स्रा नकु:न्नाः हु:न्नादः धूदः क्रीः सें : ब्रह्मः व व्वायाः यः विवायः यह न्दे : वर्षे : व ८८। व्युस्रमासुरद्वारार्टा व्युस्रमाद्वारात्रात्वा नव्यस्यमारा ८८। ग्रेविव त् रेथ भर्टा नहुवं सेंदि दिवर मी वर्ष न व्याय भर्प ५८। सर्देवःसरःवर्त्वुदःवःददः। द्यायःवःश्चेदःसःददः। ग्रुदःक्ष्वःग्रीःश्वेदःसेरः ग्नेग्रं प्रदा नर्र पर्यान प्राप्त अर्देन पर हैंग्रं पर जुर कुन प र्टा क्रूश.मु.र्वपूर.मू.र.चर.चश्चराच.रटा त्रूटश.श्र.श्र.रा.य. वन्यायाळेत्रासार्भेत्रायार्थेत्र्यायार्थेत्र्यायात्त्राची वेयार्थेत्र्यायात्त्रा हेदे नबेर म क्रम श्रम श्रम श्रम श्रम श्रम म स्वापन म स्वापन स्वाप यश सदसः कुरुः भेः भेरा नहिना हिनः न्युन्य भेः भेः नुः नः स्रमः नक्ति यः র্মবাঝানামঘনামানামান্মান্তবা,এমান্তবা,বাইবার্মানার্মানমান্ত্রি वेशन्ता र्क्स्याम्ब्रुसायश्रम् वन्नारमा में स्वापः वृग्निते मुलार्से विन् श्रे सहेर वहेना हेन ग्री विस्था वहे हिर ग्लेट वहेन हेन ग्री न सन वकुः वित्रान्यानी भ्रीतान विवेष्य देया हेवा से स्रायता सहता या वर्ष गहेशरे रे हे रे हर सहर यह र या वह गहेश है वा ख्या वहा रुश गहेग हैं। नश्रव विशादमा कुर् थे के इसायश ग्रमा दे या कुयान वृग्य स्वायश विशासन्त्रम् सहर्भागङ्गाहित्राग्रीः द्वारान्त्रीः नास्त्रम् विगाउरः रुद्धितः

र्वे। । ने प्यम् न्याय थूर्य श्री यात्र यात्र या वर्षा या श्री या श्री या वर्षा या वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्या वर्षा वर्षा वर्या वर्या वर्या वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्या वर्या र्देवाहे। देनविवाद्यापना कुषार्देश वशाना हत्या वे ना स्वापन कुर्दर पुरास्त्र याध्रययायहेयाचे नायवानकु न्दा अयाक्याच नेत्रमुन स्राच्या यदे दुया हो न स्वाप्तक्ष तुर्वा हे वा हर तुर्वे वा हो प्रवे वा तुर्वे वा तुर र्रेला हेन : सहन : सह : नई तर्से दे : वित्र : की अर्थे : स्वापान हा । दे अर सरे वर्ग्युम्प्यान्ता नुमालयार्श्वेन्यान्ता ग्रम्युम्प्यान्तीः विम्पन्नम्प्यान्या न्दा नन्द्रायन्त्रान्द्रा अर्देव्यमःह्निवायायम् अद्यानुष्याप्रद्रा क्रूशःग्री:वर्ष्ट्ररःज्ञ्रं नर्श्नेरःचः नरा श्रः द्वः यशः वर्षः यदे स्वः ग्रेः च स्वाः नकुःरेना रुमः तुः भूवः हे विशामाशुम्या मदिः धुमा मविवः प्यमः सहनः या नदुः गहेशा हो ना स्वाप्तक हेगा उरा नस्वापरा ने नस्वापरा स्वाप यु:इ८:५८:हे:देव:वॅ:ळेश:गु८:कुश:धर:वन्द्र-धवे:धेरा देर:घवा व्वेटः ग्वर ग्रुअर्, श्रेम्प्रियर प्रदेश क्षेर हो न अग्निस क्रेर क्षेर ग्रेम विवा वी.घट.श्रेसश.क्ष्य.चबुट.ट्स.स.ह्या.ट्यार.५र्स्स.हे.चर.ट्रे.च.सळ्ट. द्येशःश्रूशःमःश्लेरःचित्रेःचः अग्नाम्युः देद्ःश्रीशःमाश्रयःचःश्लेरः वेर्षःशःमाः व्यु: नदे दे ता तीया क्षेत्रया यह या ग्री तीया थी. विवाया तया के टावा श्रीया ग्रीया ग्रीया ग्रीया ग्रीया ग्रीया स्वानकुः अदः सूदः वस्य छितः सदे छितः है। इसं वाववा देसं ख्रायस। दे अदः न्वरार्धिः क्रें वरावश्रूराने हे सूराश्चे वा वीका वीका विवास विद्युरा छुवा श्रेश्रश्चात्रंश्वस्त्रं त्राच्या वित्राच्या क्षेत्रं वित्राश्चा के प्राचित्रं त् श्रेन्यानरामान्यान्याम्यापायायात्रात्र्यान्यान्यान्यान् । श्रेन्या য়ঀ<sup>ॱ</sup>ঀয়ৢॱড়ৼ৽ঀ৾ঀ৾ঀ৾৽য়ৼ৽য়ৠৼয়৽য়য়ড়ড়৽য়ৼ৽য়ৢ৾ৼ<sup>৽</sup>ঢ়৾৽ঀ৾য়৽ঀৠৼয়৽ यदे हिन हिन है। ने निवेद नु सर्हें न प्रोयायम ग्रम हिन हुन सेसम न्ययः वे नियम् व निव व ने विव सुन सुन सुन सक्ष न न न न से सुन ने हिन सी

म्रेम श्रेन्यायान्यायान्यायान्यायायाः भ्रुयान्याः श्रुयायाः श्रुन्यवाः स्रीन्यवे वे न स्वा नकु सूर नर सहर हैं लेश नशुर्श परि छेर हिन है। इस ग्विग्।गे।सुरःसर्देर्।द्रमेषःमु।सुरःग्रेशःग्रस्विरःमु।नःस्वानमु:र्वादः युव्यव्यायम् वर्षः व इस्राचन्द्रात्वम् वृद्रासेस्रम् न्वादाध्य द्रस्य वर्षे व न'न्रावर्ते'महिस'र्नेत्रमार्चमा'धेत्रम्य । वेसम्बर्धस्य मित्रम्य देसात्रः बूर-नल्द-स-दे-द्वा-वबद-सर-बवा धेद-क्रेश-ग्री-खुर-सद-रे-दे-वदर-र्नोद्रशांत्रशर्देशांग्रुशांयश दे सूर्याहराया ने स्वा वक्तुःत्राविवाःत्वस्रवायरासर्रिः से किर्मे केरार्रियायाद्या वया गुवा ५८। ल्य-५४.५८.ल.चेश्वायायह्यायदे सर्वे स्था ग्राह्म अदशक्ता ग्री ख्यास्त्रवरञ्ज्ञारादे ख्या इसमा ग्रीया ख्या रे रेया ग्राट प्वाद ख्या ग्री ग्रवश्वराद्यां भे प्रदेश नायमा भ्रे नायमा अर्देव समाय व्यापन निवास के या ग्री:विवर्षरावे निर्मेरावरावभ्रवावादा धिर्वासु सु । स्वर्गासु स्वराय । केत्र में क्रिंत तें लेश गशुर्श मदे सुश सबद मुश म लेश मदे दें त्युन वह्रमारान्द्रमार्वमानद्रमारान्द्र। भ्रीनामित्रमान्द्रमा वर्देन्या विद्रशः श्रुप्तिन्द्रम् विष्ठी अर्देव श्रुप्तिन्द्र । प्रायः श्रुप्तिन्द्र । प्रायः श्रुप्तिन्द्र । प्रायः श्रुप्तिन्द्र । दरःवर्व। अरअःकुअःयःदरःवकुद्। वाशुरःस्वं प्यवःववाःवञ्जवाःवेशःग्रेः वेषा के दर्के अरदिन प्रमुप्ति अरुपार्के अरुपार्के के स्व विद्या वर्त्य वर्ष न्मा न्यायः स्वायक्षायस्य नान्मा बार्यास्य त्याया व्यायक्षाय व्यायक्षाय विषय

इससः भुगमाया नमून परि दीन। यदेन नगर भुन पर्मा नगर मुन पर मसान्याः म्याः न्याः वर्षेत्रामा वर्येत्रामा वर्येत्रामा वर्षेत्रामा वर्येत्रामा वर्येत्रामा वर्येत्रामा वर्येत्रामा वर्येत्रा गठिगारु नसूर्य यदे हिमा वर्दे द से त्राही दगाय सूर नहर न सुर्य न वयासिवरग्रेट वयायसादे वद्यास्य स्यास्य स्यासे व्यावेश वस्य वि यहर्तिताकुर्ध्यात्वियात्त्रियात्त्रिया द्रियात्त्रात्या देःस्मद्रानुष्टेयां याकेवा र्ये कु के र रें स्थायाय अपने अदस्याया वृत्या से र नो रे र ने दि र निवासी | सर्देव:सर:नुर:कुन:नबेद:स:यदी | विश्व दे:कें:कुय:न:समियःहें है। मूल्यार्थित्याचीव्याः मुका यार्थित्याः मी वै। हिंहे सु नुवे हेर वहें व क्या । वर्त वे वर्ष अप सर अहं द सर वर्ष्य | भूगुः सर्गेदः रें रें रें रें रें श्री | प्रें भेश तुः से दे से वा सर्वेद र से वा स्वाद र से वा से वा स्वाद र से वा से वा स्वाद र से वा स्वाद र से वा स्वाद र से वा स्वाद र से व र्टा शरमाभितालान्त्रेयाज्ञाना द्वाराष्ट्रीयान्त्रीयानालया । यास्या सेन्-मासुस-न्-र्स्टिम्स-नसम्बन्धः ग्राट्ना । यद्ने-र्देन्-सि-र्ह्म्म्स-ने-रन्द्रम् । हेः षरः अधिव केर वहें व मवया । दे के नदे मे ने मुर्ग मुंब मुंब मुरा । इस वुरक्तिं उव दे नक्किंग्यावया विया वुरक्ति क्षेरकेर में र नव्याय व्या | न्युरकेव न्त्र क्ष्यार्य वहूरा है। । श्रेस्य उद व बुर वर गुरविः मुन्। क्रिंश ग्री प्रिंपर वें नर्जे र नर्दे। विश्व मासुरस प्रिट्टी मान्तर प्यर सहरामान्युः निवेशायान्यन्य स्थान् । स्थानेनानस्था वर्षान्वन्यान्दा गुवानहृषाहाद्योवावर्षान्वन्यान्दा नृतुःषार्श्वेदा मुद्रायम् वात्रायक्षायक्षायक्षायः । क्रियम् स्वायाक्षायक्षायक्षायः

यन्ता सर्देवन्यरावद्युरावन्ता सुःश्चेषायाच्याचीःषावन्तुःषानेषायाः <u>र्दा र्गायनः श्रृंर्यार्दा अर्देवायरः ह्रेग्यायरा ग्रुटः कुरायार्दा केंया</u> ग्री:पवित्रः वर्भे रः नः ५८। व्यटका शुः शुः ह्यः प्रकार दिका पा शुरका यदे से वर् या श्रु ह्या दश्वा रा प्राप्त प्राप्त प्राप्त से सामित्र प्राप्त से सामित्र प्राप्त से सामित्र से स ह्वार्यानिहरूमा सुनास्त्री गुरानहुर्यायय। ने निविद्यानिवार्यामयस ग्रीसाक्षी वियासामारावे त्रा मारार्मायाध्य मी मारार्मायाध्य मी मारार्मायाध्य मी मारार्मायाध्य मी मारार्मायाध्य वर्डरः ब्रे : व्याक्षाः श्रुः श्रुः द्वरायकायन् का यदे । वरः नुः ग्रुदः क्षुवः क्षेत्रका न्यदेः र्श्वेर्-पः वस्रयः उर्-र्र-यर्यः क्रयः ग्रीः श्रेर्-पः पर पर्देर्-पदे विस्ययः शुः क्रूॅंद्र-प्रदे: याद: ब्रांग्नें ब्रेंद्र-पासुद्रस्थ : यद्र हिन स्रों स्ट्र क्रांनें स्ट्र हिन स्रों कुंवायानसूत्र में टाग्जूटा शेयया ग्री कुंवानसूत्र या देवे से दाया दाया या सरसः मुसः ग्रीः सहंदः प्रयः चन्दः प्रवेश धेरा दरः हेगाः के सः सहेदः मुः सकेंदेः श्वेदःसं त्यम। सह्दःमन्द्रःमहेमःग्रीःस्म्यानुदःद्धनःस्रेस्याद्वादेःस्नेद्दः वस्रा उद्दर्श सर्ग क्रुया ही होंद्रा पर्देद्र विस्रा शुः हेंद्र पादे द्रा सर्क्रेमामी श्रुवा भूते द्वर दुन्य संप्रीत विश्वामा सुरुषा माशुसा यन्तुः सर्भेदः रेदिः दर्शेषः यः हेन् ने वित्यरः नः यथ। अद्यः कुषः अदः रेषः वर्वानदे भेस्र उद्यम्स्र अवर्षा द्वीय द्वीय प्रास्त्रीय प्राप्त विवाद ग्रवशः परः नृगः यरः वश्रवः सः नृहः। वद्धवः सेविः विविरः वः वत्वावायः सः नृहः। सर्देव हुर ५८। ५गवन हुँ ५ स ५८। वर् ५५५ स वर्षा वर्षा सर्देव सर विरःक्ष्यामान्दा क्रिंभाग्नी प्रिंम्भ्यान्या स्वान्या स्व

वन्यामा केत्रासी न्यामवे केया वात्यामा या सेवाया स्थाना स्थाना न्या वन्नद्रायते भ्रीत्र देत्रम्या वद्रेत्रभी द्रात्र्राम् भेग्राया सामग्राद्रात्र न्यासदे के यान्य या सहन के त्रान्य रामदे हो । विनासे । न्यासदे क्रिंश पहेना मदे सा मुहान प्रतृह स्था सुहान सूत्र त्या सुनाया ने हुते यह या मुशाग्री प्रविस्पर्त्यामा गुर्यामा भूषा नवर गुर येयया सँग्राय प्रिस्या ग्र-नदे-न्तुश-शु-नश्रुत-दनर-श-न्द-नश्रुत-स-दनर-नदे-शृग्श-गश्रद्यासदे भ्रिम् देम मा देवे के यह या मुया ग्री विदायस्य उपार्चिया हु:वार्धेश्वःविद्राक्षे :क्रिवाःवी:क्रद्रः व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य वर्ग्यात्रात्रे मित्र व्याप्त स्थित व्याप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्था | नवर में न गुरायर्थ यर प्रमुर्ग | विस्था परि परि र प्रमाय परि ग है। विकास्त्रेरावयावी विद्यास्त्राची विद्यास्त्री विद्यास्ते विद्यास्त्री विद्यास्त्री विद्यास्त वदे वसूत्र य वसूर वदे वशी | दि सूर सूर्व य दूर वर्षे त य वसूत्र शीया [शेश्रश्रास्त्र स्त्रास्त्र स्त्रीत निश्रास्त्र स्वाश्र हिना पर् यश्चित्रामान्त्र क्रूराकेन्यां से राकेन्यां स्थान स्था नः चुना रु: नार्थे भा भे रे नानी कर ननभा अन्तर्रा निर्मा सुनिर यर शुराने। दे १ द्वरायत् अष्ये प्रवित्रायाने वारायास्य प्राप्त्रया वि वेशमात्रमा येग्रसार्वेशम् चार्चेत्रम् वेशमाश्चरमायदे स्रीमा चविष्य त्रेम । श्रुव्यः नवे स्टानिवे त्र श्रु वाया ग्रीया । वया ध्रम्य शुः या नवा विदः इसशःशुं । श्रेन्यः है श्रेन्यावयः यमः हूँ व। वियः गश्रम्यः यः सूमः सहनः यान्यकुरम्हिराक्षेत्राक्षेत्राक्ष्मे प्रमान्यम् दे त्रमासहद्गान्यक्षाक्षेत्रे

र्भे 'न्याय खूर म्री 'यादश दश दे 'यहंश नु 'ग्ली म 'न्या प्रकार । য়ঀঀ৽৻ড়৾ঀ৽ঀ৾ৢয়ৼয়৽য়ৢয়৽৾ঀ৾ঀয়ৢৼ৽ঀ৾৽য়ৢৼ৽৻ৢয়৽ঀ৾ৼয়৽য়ঀ৾৽৻ৢয়৽য়ৢৼ৽ कुन में न परि क्रें न प्यस न न न किर कर र सर हैं न म हुन न र प्रेरे न पर यार्नेनान्गरान् भ्रेशने। वे हो नायान्य इस्तिन्द्रास्य प्रान्तिन्त्र वशास्त्र मस्या भी देवासहर माधीव है। यान्याय माध्या हे हेवे के कर है श्रेन्यने श्रेन्त्र महाराष्ट्र महिना हिना है। ने अन्याद व्यामदे के कि रहा मुन पर निष्ठ के मुन प्राप्त स्था मुन न्वादःध्वःमदेः क्रेंदेः क्षन् हो नः व्यः नहुँ सः नन्द्रानः सः यः हुवा हुः वादसः यर नन् निर्धित् दे प्यर क्रिंट म् शुक्ष क्री निवर न् विकास क्षेत्र नन् निर्ध *ॡॸॱॸ्वावः*ख़्वॱढ़ॺॱढ़ॺॕॱॸॱक़ॖॆॱॸॱख़ॺॱॸक़ॗॱॸ॔ॸॱॿ॓ॺॱख़॓ढ़ॱॿॖढ़ॱख़ॕॸॱॺॱॡॸॱ व.मुंग्रान्यकृतेत्वहेग्।हेव.मुं।विस्रान्यात्वस्रान्मु।सर्के वस्रान्य-५-५ न्वादःध्रवः क्रीःवावयः वयः वर्षे वः क्रीः वः ख्रवः वक्रुः न्दाः व्यवः व्यवः विवः व्यवः व्यवः व्यवः विवः व्यवः यहेगाहेराग्री।प्रथमान्यायग्रीममान्यायक्षेत्रान्यायाध्यायम्। वर्चित्रम् मुं मक्टू र्सूर्य पालीय मदि द्वीर | दर में मुन स्री द्वीरमा वर्षेष यश र्रेट मशुरा में सेंट कें ते देर अदश मुरा में विट वसश उट र निवा र्र्य-च्यायायवया ब्रेव-व्यवयास्य च्यायायायवे व्रियान्य स्वर्यान्य इटावेशाम्ब्रुट्शायदे द्वेरा महेशाय त्रुव सेंट सेव या मुन है। सर्दे यया र्रे के त्या दे निवेद मिने निया स्था है निया निवेद में निया स्था क्रिंशःग्री:द्रश्चेर्याग्री:ग्रुयायात्र्यायावि:विस्थार्याःग्री:सन्नदःगृह्ग्यायायाः र्यः व्युस्रश्नामु सर्के वस्रा उद्दु व्हिना हेत् श्री विस्रा रे रे दूर श्री र रे रे ८८.सेंतु.ब्रिय.क्षा.मु.मुम.रचेव.क्षेय.ब्री.वेषायका.वेश.वे.वसू.य.रट.क्षेत्रका. शुःदह्याःमः ५८: वेशः याशुरशः मदेः ध्रेरा

गहेश्यासुस्रासुर्विष्यास्त्रास्त्राचे देवे स्राप्ट में हिसादेर केंत्रसाम्बेग्रसंभियासेन्सरसहस्राम्पन्। वृत्रमाहिसामाने रेंपि अग्निन्न्द्रिः र्रे ग्रम् र्रे ग्रम् ग्रम् ग्रम् या स्थाना स्थान स्थित । स्थित स्थित स्थित । स श्रुवःवर्द्धेवःचः ५८। क्षूत्रः नाशुस्रः च नात्रः व नातः व नातः च ळ्यान्यार् से हिंयान्य प्रस्ति साम्य देवा में देवा मान्य से मान्य से मान्य से मान्य से मान्य से मान्य से मान्य विगायायायत्रअभिरासे हिंगाक्त्रअभार्या उद्दार्श्यायद्वायात्री नाविषा विषा स्वामा स् ग्रीकावित्रकारामा ग्रुमारा द्वारा व्हर्काव्यायमा सम्मातामा स्वीत्रकारी अन् यन्ता क्ष्यात्वाराक्त्यार्यदेशस्त्रे के स्रस्यवरस्येयार्वेषायेवास्त्र क्रवार्श्रेम्बार्यस्यम्बार्या वृत्रायतुत्रायात्त्रियातुः म्बेरातृत्वार्वेरातुः शुः हेना नैदु इः श्रेनाश्राणी महिराम श्रेना देशा व श्रुशान श्रुरा श्रे खेटे विरा बेला ग्री मर्देव। सुभाभेसभान्यायन स्त्रीन संदे देन न्दर न ग्रुन प्रतुरा नवे सुरा ने शक बेर परे र बेया गर्वे कर से सिर हिर विवे र ही र हा सा स्टूर में क्ष्यान्वर्रः वृदे ह्वानाकाया भूराया कुषा की न्या सुष्या या से हिंदाया न्या यदे रुष: रुष्युर छेव वय रुग्य सके य दुग्य थ्व (व्यव सर से य स रूर सक्रस:र्विर:वे:न:स्वा:नक्कु:र्र:विर:विस्थर:र्न:विस्थर:स्वस्थ:व्यास्थर:व्यास्थर:विस्थर: सुस्र (त्वार के वा कर सहर है। देवे के द्वार सुर द्वार स्व वंश्रव रावे ग्रुट शेश्रथ ग्री वर दें व ग्री व श्वा व मुवस रव व ग्रुश्य विद ग्रे.च.स्या.च्यित्रा.बुटावर्षा.मी.सकूरु.कूर्यात्रा.तर.योगता.चर.येत्रा.पंत्रा धुयाची खूयया शु वह्ना या दे खेद हेना उर न सूद यदे छेरा ह्नाया दर र्ये नुन के किन न्यें नुम निम्म निम्म है । किन के निम्म निम् र्वेग्राम्यानुराकुनार्यस्यान्ययस्य स्वतः दराद्ये नुरायरार्के पेर्यस्य सुर

वह्रमार्गे । हो न समानकु प्यर वर्दे दे रे दें र हो सूर न स मासय नर हो र रे वेशन्ता नेवे इसम्बन्द्र हेवे महत्यम हित्यवे हे न स्वानहार षर: बुर: श्रेश्रश्चर: र्रे.व. यावशः शशः याश्चरः चुर: रे.वेशः याशुरशः मदे हिराहे। सहदारमेलायमा ग्रामा हिराह्य सेसमा द्वार दे स्मा दे हेर्गी हिर शेर्पर वर स्थाय व्यवस्था पुरा ही ख़ुर्स् स्था सुर हिन पा हीर नवि हो न समानकुर सूर नर सहर दें विश्व दर्ग कु केर दें या या यश कु.चर्.र्जंदु.धि.च.४.ता.सैर.भ.कीता.बी.र्थ.शी.तीशाचार्य.सूर धर्थातपु. वयाल्यायार्था लेयायासुरयायदे स्ट्रीम् इन्ह्यायायाहेयाय लेटाप्ययासु सक्र्र-सर्यादर्गान्याद्यस्याक्ष्याक्ष्यां सक्रियान्याद्यान्या सर्ने सय केत प्रभा ने निवित मिने मार्थ स्था है मार्थ निवित है ते ही । বিষশ মন বেট্ৰমশ ক্ৰি:মঠ্ৰে: ছমশ ডেব্ ব্ বেট্ৰ বা দ্বিৰ গ্ৰী বিষশ ম ম বিশ্ব भ्रीत्राचे प्रेप्ता प्रवादा स्वादा स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्व वह्नामान्द्रातेशाम्ब्राह्मामान्द्रेमा सुस्रशासुन्त्रमान्द्रेमा व-देव-में किये।वट-सये वट-म्री वाश्या वेट वाश्या म्री ख्या तु ह्वा वा वेड्ये नर-त्-नत्नामानाधेत्नि कुःकेर-रेवानायमा भू-नर-नरमानिविवि हेव व देव देव प्रक्रिय प्रदान देव पर्य नाम स्थान स्यान स्थान नवित्रः तुः विद्राया न हे वा या या दे । इया या या से या से विया वा सुद्रया यदे । धुरा यर दे हिर्यश हर हुन शेश्रश्रद्य सदे दुया व दुवा स दे वह भे न्येर्न्द्रसे से दिन्नी न्ये वादिर्द्रन्त्रा या वादिर्त्नी न्ये वादिर्द्रसूर्त्न नविदःहे विशःगशुरशःमवे धुरा

गशुयः सः भ्रुः नः ध्रयः सः राष्ट्रेः नः ध्रमः नक्षुः हे गः हरः नः ध्रवः सः धेवः हे। बियामिर्देदासे हर्दे से सामित्र मादे हाया सुस्रामा सुरत्नामाने दासु हैं दा हु। नामिया ८८.य२४.तरु, धै.य.य2.ह्याय.तरु, रेयीय.धे.य.केट.पकेट.धे.यटु, धै.यटु, थे. য়ৢ৴য়য়ৢয়য়ৣ৽য়ৢ৾ৼৣয়ৢ৸ঀড়য়য়৸য়৾য়ড়৻ড়৻ড়৻য়৸৸৻৴৻য়ৣঀৢয়৸ঀৢয়৸ৣয়৻ खूदे में अगा भी गादे क्षेट र्गन्त दर्दर अन्य यय यह या कुय विट न के ग्राय हो। वर्द्धाः वात्रव्यायाः ने वात्रवायाः निष्यायाः मुख्यायाः विष्यायाः विषयाः विष्यायाः विषयाः विषयः व सर्केन:इरान्नाचुन:नदे:धुन:हे। दन्य:न:इराद्येन:यर्था नर्देश:ध्रुन: ૡઽૹ੶ૹ૽ૢૺ૾૱ૢઽૹ૽ૺૹૹ੶ૣૢૢૢૢૢૢ૽૾૱૽ઌઙૢૢૢ૽૽ૡઽૹ૽ઌૢૹ૽૽ૢ૽૾ૡૢૢૹૹઌ૱ૹ૽૽૱ૡૢૹૹ૽ૻઌ देवे के लेशन्ता वर्षाम हैंगायश दावे श्वाय संदय र हा नह ग्वर यादे त्र अ ते अ द्राया अदेव ग्राया भी अदेव श्राया में भी अप या में भी अप या में भी अप या में भी अप या में भी अप उर्-रु-गुर-कुन-श्रेश्रश-र्भवः ह्य-न-गुर-प्रदेव-त्शावेश-र्रा सर्रे-यश <u>देॱॾॖॱज़ॱज़ॹॖॱख़॔ॸॱढ़ॺॱॺढ़ॎॱॺॣॕॱॻऻॴॺॱय़ॱढ़ॺॱड़ढ़ॱऀऄॱज़ढ़ॏढ़ॱॸ॔ॖख़ॸख़ॱॻॖऀॱ</u> द्वे अया यार्गेयायम् सुरया हे वेयादमा देवे के खुर्निम निस्ति ही दर्गा है सहेर्न्निः स्ट्रान्यामिक्षास्त्रम् स्वापित्रिन्ने स्वापित्रम् स्वापित्रम् मुर्थः श्रे. बुंशः वोशेरशः सह मुर् । हेरः श्रः बर्। वोबरः तरः शर्रे विश्वा विरः श्रेश्रश्रावरामान्यकेष्राश्रामान्यकेष्ट्राच्याः विद्यान्त्रा विश्वान्ता सुदि कुत्या र्रे द्वाद र्रे द्वाद विश्व के श्रा के श्रा के का कि स्था के स र्शे विकु: विवादराक्षरमान्दावहिना हेव क्रिंटानाय सेनामाना स्थित तु नकुः भ्रें रः अरः से 'न्या ग्रुरः श्रे अशः नडशः अः वयः हुः भ्रें शः खुः श्रूः कें या शः न्रः। ह्याम्पनाग्री:हासामहिकाद्दारेवार्चे केवे मह्मूका शुरावर ग्रुट हैं विका गुश्रद्भारादे हिर्। अद्भाक्त्याचर्यात्याकृषाचे दि श्रेत्र क्षात् पृथ्या

शुयादुः इपादिया चुदाबेदा चक्ष्रययात्रयाशुयानसूत्रायायेदायरास्चित्रया नविर में अप्यानत्व नत्व में रावशासीय में ने क्षुन्य माना प्राप्त की द्रो र्वे अप्य में राम हो प्राप्त का मान का म वश्रूर नर ग्रु विश क्रें र में अप नर्त में र व्या क्रिय में अप में र है नर्त यरं मात्राको प्रति प्रदेश हेता हेता ता सुरा कु से वि । प्रति ते प्रति भी मात्रा वक्षेत्रे च सम् प्रमुद्र है स क्षेत्र प्रस्थ से माने वे सुन सुन स स्था से स्था ठत<sup>ॱ</sup>बस्यारुट् ग्रीॱत्रात्त्रः त्रात्रः सेट् स्ट्राह्ये त्रेया ग्राह्य व्याप्तात्रः स्ट्राह्य स्ट्राह्य व्याप्ता र्वेषायानत्त्रार्वेरार्रे। । नत्तान्यानत्त्राग्रीःश्रेषावेषायराग्रवेरावेषाग्रा र्धेनार्थालयार्थार्यार्थार्थार्थार्थ्यार्थेस्य विश्वान्य विष्य विश्वान्य विष्य विष्य विश्वान्य विश्वान्य विश्वान्य विष्य विष्य विष्य विष सर्ट्र. सया क्रेन्यमा नक्ष्ममा स्ट्रा नमु मुन्द्र स्ट्रमा समा स्ट्रमा स दरा ग्रम्भावर्गेदासदरा वीमासामह्मास्ट्रें समान्या हिंग्रमामहरा क्यायर पश्चिम्याय प्राप्ता सेट मेदि श्वास्त्रे के स्वाप्ता स्वापता सर्दे यथ। शुभाग्रदानभूत पासेदानर लेगामात्रमा नर्दा प्राप्त मे यर्विसायम् मुर्दे विद्यायास्य स्थान

चित्रा निर्मा हेत्र निर्मा हित्र निर्मा श्री स्था निर्मा निर्मा

र्श्विक्टर्येशक्रिक्ति देन्त्रान्यस्यम् । विसन्दर्भ सयार्थे के यस् यस न्दा वर्ते न्दा क्रु ह्या न्दा देवा यदे वाद्या वस्य वस्य वद्या निवास निवास विकास वित गर्वित तृते राग्त के तर प्राप्त । विकाग श्रुरक प्रते हिमा देवे धिया देवाका इमारुदे इन्वि र्थेन्ने कुळेर रेथायायमा ग्रेमावर रेशायन्यायायी में मिट न सुन्या केंद्र स्पर्ध से में प्रमा निर्देष्ट्रे से में प्रमा स्पर्ध से र्श्वेद में पी मी त्या अहति पी मी तया नहित पी मी तया पुराया महित पी मो प्रमा पाना देरे पी मो प्रमा इन्दरे पी मो प्रमा पी मे पानी प्रमा क्रमा यर वे नदे थे ने प्रमा कुया की थे ने प्रमा खेदे थे ने प्रमा सूदे थे ने त्या गर्ने न हो ने जो जो त्या है हिर थे में त्या के त्या है दे थे में त्या हूँ त्र हे के दर्भ देश को त्या क्षाया क्षाया की की की निया है। ह्रेट्यो थे में प्रमा दे द्वारा ही प्रिंचे र विदेश के प्रमा दि से दिश थे मे त्या अ सुदे खूदे थे मे त्या नर सूर मे खूदे थे मे त्या न्ता मे नःयरः र्ह्येन् ग्रीः यो वस्य इरमी श्रु श्रे श्रु श्रु श्रीः यो वस्य वर्षे श्रु श्र वसम्बर्धियो में वस्त्र निव्या नवना मदि थे में वस्त्र नक्ष्य मदि थे में वस्त्र मु सर्देवे थी मेदसा हैं हेवे थी मे दसा हो र थे मा दरा यह मी थी मे दसा इसासर्वेराग्री भी वेसा देरमासे राग्री भी वेसा वसूत वर्षे मार्सेरा नदे थे ने द्या है अ नर्ज़े र नदे थे ने द्या नदे न्या र नर्ज़े र नदे थे गे द्या नवगरानर्रे रानदे थे गे द्या महाम्या ने स्वार्थिया गे द्या कैंगायम् महिनासु मिन्य सदे केंगामी सक्सन ग्री थे मो प्रमा केंगामी सळ्सराच्ड्र-न्तृत्पदे नर्मु 'भे मो 'दस्य ह्या स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप में त्या अभ्यय् उर्ग्मुद्र त्युर्ग्म र्यो देवा राष्ट्र या वि

मदे थी में प्रमा इसामर पर्ने सम्बद्धियो में प्रमा इस र्से समी नगय हुन शुन् प्रदे थी मो प्रमा द्वारेश प्रति थी मो प्रमा श्रामक प्रति थी मो प्रमा वसा स्रावतः नक्षः नवे त्ये जो तस्र व्या व्या व्यान्त्र वा स्वान्त्वा व्यान्त्वा व्यान्त्वा व्यान्त्वा व्यान्त्वा व गे.त्या ग्रम्भ.ग्री.लु.ग्रे.त्या हीय.क्यामायदे.लु.ग्रे.त्या हमास्यस्य यदे थि में प्रमा नुस्वदे थी में प्रमा मास्वदे थी मो प्रमा मुदे थी मो प्रमा सु उद्ग्गुद्रानुभूद्रम्पदे थी मो प्रमा प्रमुद्रम्भ माम अर्था स्मूद्रम्भ स्मित्र थी मो वया ग्रेश्वेन न्यें व ग्रे थे मे नुम ह उन वे ये नम मे वर वे य नन्य थ ग्रान्त्रभ्रमः हे अः म्रासुरअः सदेः भ्रीत्र। दर्ने सः धेः म्रोत्वे अः सः मर्त्र स्हुः स्हुरः म्रासः तुगारु इ नविर सूर रुवा ने शार्शे विरे र रे वि नवि रे र न स र गुरु स नडुःगहेशः ५८। मुरुषः हो ५ गाः श्रेम्थः श्रें नविः धेतः हे। गवितः ५ हि। ह्याः য়য়৽৻ৼড়য়৽ড়য়৽ড়৽য়ৼৢ৾ৼ৽য়য়৽৻ঽৼৢ৾৾য়ৢয়৽য়য়য়৽৻ঽৼ৾য়৽ঢ়য়৽য়৾য়য়ৣৼ৽ ने निवेद नुः श्रु निहेन समानन्य सेन सिते श्रु न्ता श्रे निहेन समानन्य र्रे निव-५.ल८मा सदे न्दा अव नार्हेन ममा वर्षे नदे प्यमम नदास नदे <u> दरा अ.चर्ह्रेर.सश्रात्म्.च.धु.च.धु.च.घर.चतु.दरा स्री.चर्ह्रेर.सश्रात्म्</u> नः वे द्रमयः वे द्रमयः नद्रा भे निह्ने द्रम्भः वे भः मः नर्ष्यः नः यशः नुदः नवेः दरा कै'न्रहें राम्यादमम्यायाये यस है द्वीदी किं नहें राम्या हु ते वक्षायदे दर्। के वर्हे द्रायक हु द्रस्य वत्य वत्र वि वते क वर्हे द्रायक नर्गामी न से वहुर नवे र्रा कृश निर्दे र समाक्षेत्र म त्रापि है हुर नदे हिमा वर्नम् नामया होन् सँ निले प्येत्र है। गान् हेन् प्रमायमा ही हसा भ्रेत्र त्यः तह् वा स्वरे भ्रेत्रः दृहः। वि स्थे :क्रॅश्वः गृतः तहा स्वरः द्वा स्वरः द्वा स्वरः द्वा स्वरः वि धेशळॅंशः वनः पदेः ५८। वः धेशः अस्वाः वीः विष्ठं खुनाः वीः धेटः र्हेनाः सूनाः

र जेश प्रमुख्या इस सर द्वा सदे द्रा उ जेश र्रे नमयानदे द्रा ननेवःयःनवेःन्दः। कं लेश पर्दे द कवाश श्रुद्दश परि द ह । इं ले कि ले इं'धेश'दके'त्रेन्'ग्रे'न्स्र्रंक्रं याउन्'स्थ'न्र' १ धेशक्षायर होत्। तःधेश यशक्षित कत्या द्रा ह धेश दे न नवना मदे दरा न धेरा द्युवा स दर वर्द कर वर्दा इ धेरा धुवा से वार्टर न-न्दा हाधीशाहें दार्शे द्यान विश्वासि द्या नुप्ति न्या निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा यदे हिम्। ञ्चनास नडु न्न्। पेंन्ने। ५ प्येश ने हिन्स प्रदेश प्रान्ता वा धेशः भूत्रमः भूत्रामः से प्रदेशमा प्राप्तः । ५ प्रमः भ्रेतः ५८ त्यः ५८ प्राप्तः न्यार्ट्स्यान्दर्देशान्दर्दा इ.श्रेशाव्यवाश्वर्त्तर्न्ता व.श्रेशा श्रीर मात्रुम्बर भी वासदे प्रदा न प्रोक्ष में द्वा प्राप्त प्रदा साधिवा प्रमुक्ष तुःह्नेद्रायायदिवादुःतुःवाददा। वाधियाववेदयायाययाह्यायदावदाया दर्। इ.लुश्राश्चित्रायद्देगायदरा अ.लुश्राटाक्नियायायावे. नर-गुःन-न्दा धाधीयाळें यादी व्यानिव प्रात्ति वा राधिया द्वाया व व्यन्वविद्यास्य सेन्य स्विन्य स्वरं निवास्य स्वरं विद्यास्य स्वित्य स्वरं विद्यास्य स्वरं विद्यास्य स्वरं विद्य यन्ता सःधेशचेनायासर्केनानीन्ता नाधेशन्निनात्रशस्त्रनासर्वेता P: धेशः भ्रे : सकेन : इना निर्वा : केन समें में शाहन : प्रे शाहन न्दा अ'थेअ'वस्रारं द्रासिव्यापे थे ने अ'न्दा सर्वे पर हित स्तर हित सित स्तर हित स्तर हित स्तर हित स्तर हित स्तर बुरा क्यानहेंद्रायमाधीयोदेखनराष्ट्रीताहेळेमानममाउदानहेंद्रात्सेदा मदे वेश मदे सु व से नश्च रा के रा ही से नहु से द न र र से द हु द न र र र र र्गुर्यं स्थित श्रुम् श्रुम् राष्ट्रिया द्वार्यं स्थाने स्

यःश्चेतःन्येत्रःद्वाधिययःनश्चित्यःग्चेयःसहन्दायायया श्चुःइवःनुनादुः विश्वान्यायार्भेग्रायाया क्षुःह्रयार्भेयार्भेदेशसस्त्राहेन्द्री क्षुंग्रिये चि.य.बुश्राचित्र्। वियाःक्ष्याःक्ष्यः निर्धित्रश्चाःक्ष्यः यद्भन्ते वर्षे वरत वे छे श्रुम् भून । धि गो न्या वे भून न्या श्रुव प्या शर्के व कर्ष नहण यन्त्रं विविषात्रवर्शन्द्रवे स्वाये न्द्रा स्वास्त्रं स्वान्द्रा विर्मे दरहेर वर्षे अपादर । विषय की अर्क के दिन वा करिं। विर्म बुरार्दे हे नहमाय परा । भेरार्ने प्यामी यळव के प्राप्ता । बुगा ह प्रचीव र्बेबारान्दा दिनविवार्दे हे प्रयेषायान्या विषयक्षा यह न्दर द्याया ५८। कि.ल. ब्रैंट.य. केट. २८ वी। १८८ अट. दे. यत्वेव देगा छेट. वर्ट्वा। ब्रेंट. हतार्ट्य के भी वारात्र रहा अर्क्ष के के के सम्बद्ध में के सम्बद्ध में में के सम्बद्ध में में में में में में में इस्रयात्री मार्थी निर्मा । भी इस्रयामित्र निर्मा मेर्ने प्रमानी निर्मा । भी स्थान वर्चेन्यन् चेन्यन् । । अर्केन्न स्त्रीत्युन्यन् । । श्रेम्यान् । बेन्-मूर-भें-हा । अळव हेन्-न्र-वे न्यान-क्षेत्र-न्रा । वर्तुन-में क्षर्या ही । गर्से नर्दे । बद्य द्र स्वित्र न गर्ये र द्र है। विर द्र द्र में से दिने य ५८। १रे कें कें तर्र कें ५ ना दी विकास सम्मार ने ५ ना में रिका निवा हि अर्गान्त्रक्षिमार्रमाराद्रा विश्वाद्रमाश्रद्रमाश्रद्रमाहेत् विश्वा यस्वेश मु: दे प्राची अ इत्य द्वा इ इ प्रवेश विश विश व सुरश प्रवे धेरा इरसेस्य गर्वेद दुरे य गुद हु र्वेद ख्य र्पेट्टी वर र्वेद छी तु न्याः भूतः वेयाः वेदः सम्यः ग्रातः तुः स्टिः भूत्र सः वियाः त्र सः यावेयाः तुरः सदेः <u>ब्रामान इत्रें से देश में मार्च मा</u> व्रायशक्रमाञ्जेशाम्या पृष्णाम्याम्य स्वर्था ग्रीशायाना मुयार्धाया पवित्र व् र्नेव गुन पर्ने सुरासिव न्दर सुर इसरा ग्रीया गर्वेव तु पर्ने रन हु ग्रूर व क्रियायाये अर्था क्या शादक्र विदा विभाव पावयाव प्रतिक्रा क्या श्रुर नरः गुःबेशः ब्राय्या न्याः वात्रः वे वित्रः भ्रायाः वात्रः वित्रः भ्रायाः वित्रः वित्रः भ्रायाः वित्रः वित् नेयायायायी निर्म्यार्थे | निरम्यार्थे इतात्वयायम् विवायायायात्री सेश रें सेट में त्रम्य में मात्रस रुदस मात् मृत्र स भूग मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र उर्-ग्री-नहर-अ-तुब-धर-ग्रुट-बोसय-देश-तुर्य-हे-सूद-प्यशः स्रीय-ग्रुट-वरुशाने विवास विविद्या स्था सुरुष त्राया प्रशास स्था से रासे विवासी स বৼৢৼয়৽ঢ়৾৽ঀ৾৻ঀৢ৽য়ৣ৽য়য়য়৸য়৾ৼ৽য়ৣ৾৾ঀ৽য়ৄ৾ৼ৽ঢ়ৢ৾ৼ৽য়য়য়৽ড়ৼ৽য়ৣঀ৽য়ৣ৾ঀঢ়৽য়ৼৼ৽ शुराने। वर्दे हेवे अर्ध्याप्याम्बिन त्रिन् शुना श्री अर्थे वित्यान्या रुदे मुद्राच्याया व्यास्त्राचमुः सूराषायायाच्याच्याव्याच्यायायाय स्वार् हु: हुर शेस्र भी प्रतेष भी मार पर्वा साम प्रति भी मार प्रति भी मार र्टा स्याः स्ट्रिया स्या स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्या स्ट्रिया गहेर-रु-बुग-मदे-लुय-बिंद-मदे-बिर-तु-बुर-चर-अद्दे-बिंद-मर-ग्राग्या निदा विद्राश्चेशश्चर्यासदे श्चार्रिय विद्राप्त विद्रापत व

यथा दे नविव र अर्केट अरा प्राप्ता थे मे प्राप्ता विवार है अर्पा वार अ इयादर्ग निराहदेश्ववशादर्ग सदयान्तिः ववशादर्ग वहत्यादर्ग सर्वित्रा न्यवानान्ता वर्गेन्स्रिन्यान्ता स्वायागुर्यासुरावनयान्ता विग्रासदे वर्षान्या सर्वार् स्वरात होर सूर व न्या वर्ष न-दर्। यहेन सूर्यन्दा विसार्सेनयन्दा विराद्धेनयन्दा न्वर यद्रा इयात्रद्रा द्व्यायद्रा गृवेगायद्रा गृवेगायद्रा शे वर्क्ष्र-वर्ष्यान्तर्दा मन्दर्भ मन्दर्भमान्तर्दा भ्राम्यम्भानरादर्भमा लयर्दा रे.ब्रॅर्ना ग्रम्मायर्दा ग्रम्मायर्थे व्ययर्भि न्धनःन्दा बेदेःवयःन्दा रेवःबेदेःन्बन्यःश्चःन्दा ग्रःन्दा श्चःन्दा धी मी स्मानाश्वर से मार्के स्पन्ता मानस निया मान स्वतामान निया है निर्धे र्टा व्रिर्टा क्षेण्यर्टा वर्षेट्यक्ष्यर्ग्य्र्रा र्देर-तुःर्द्धदःश्रेशःश्चर-न-८८। में शःर्द्धदःश्चेशःनश्चर-न-८८। श्रेनाःवस्याः ग्रे-नग्रन्ता भ्रे-वयाग्रे-नग्रन्ता ग्रदे-भ्रन्नेन ग्रन्थेन ग्रे-वर्ष न्या भ्रेश्यानवे सक्तान्या म्राम्ये केवे सक्तान्या हवे सक्तान्या न यर मी अळव दरा रहे अळव दरा सुगामी अळव दरा हिंदे अळव न्दा नेयान्ययान्दा मुद्देयायर र्श्वेराच न्द्रा हर्रे सुराच न्दा र्थेत ग्री:रनश्राद्या क्रिंब ग्रुटान द्या देवा ग्रेटा श्राप्त क्रिंब प्राप्त है व यदे के ना न्दा थे में श्वे प्यान्दा के ना श्वेन मान्दा अर्के न श्वेन श्व ग्रन्त भ्रम्भः अदे ख्रम्भः न्दा ग्रम्भः उदः ग्रीः ख्रम्भः न्दा द्वाया द्वीरः ग्रीः

स्वायान्द्रा ययाग्री र्क्षवायान्द्रा ही ह्ववायादे स्ववायान्द्रा रूपा है प्रवा यन्ता स्रम्तु नदे स्वाम्यन्ता कृदे स्वाम्यन्ता स्रम्य प्रेम्या स्रम्य स्वाम्य ५८। व्यन्तर्भेर्युयाश्राभेत्रप्ता यात्रवरक्षेत्राश्राभेर्भेत्रयाश्राभेर्भेत्रप्ता क्र भ्रेग्रां ग्री विद्या वित्रात्रि रात्रा श्रांकेया में व्यय प्राप्त विद्या विद्य नर्वेग'न्रा वें'स'इ'न'न्रा ब्रेंशक्ष्रूर'न'य'सेग्रायदे क्षुःस्य प्रदेग हेव-म-न्दा व्य-न्द्रिश्यमायन्यायन्यम्। इसमाउन्यानुद्रक्तामेसमान्ययः वनवःविमाह्यन्यमः न्यायायायमः श्रीमः नियाम् अन्यायवे श्रीमा ने वशहेरावारा भ्रम् असे हिंदे के जिर्मे अस्त भ्रम् में का हेव प्राम्य वरः न् न्व्याया ने न्याया वेदा है या वेद्या हें न् केदाया वर्षे या नहुन सेवि सर्केन्। मृत्यदानभूत्राकेदा। यापर्के समा पर्नाप्तराप्ते दाराप्त विषय याया विस्तवार्यास्यान्त्रीत्रामार्थिवार्यासहेत्रा विस्तर्त्यास्त्रेत्रास्त्रेत्रास्त्र ग्रयान्य । मुखासळ्दा हे स्ट्राम्ययादासहेश । स्वारासूरायाधेदा है। देःवाब्र्याम्बद्दाद्यीयाद्यार्याम्बद्दार्यादेवाळेदाद्वाय्या <u> २८:श्र.भेग.मी.ट्र.भका.ब्रट.चक्क.क्रॅट.इ.स.२८।</u> श्र.भेग.२४४.स्.च वर. र्वेशःश्वरायदेःग्रोरःग्रीःदर्वेरःन्यायर्केन्न्नेन्य्यायःयरःयहन्यःन्ना ह्यरःश्रेश्रशःग्रीःवर्षिरःध्रःग्लुःश्रेषाश्वात्रश्वात्रःह्याः हित्रःदर्श्वरश्वारः वर्द्धवाः हेवः क्रिंदः नः द्या यो अर्द्यादः नदेः क्षु व्यत्ति व स्था व्यतः स्था व्यतः स्था व्यतः स्था व्यतः स्था व्यतः स्था श्रेश्रश्नात्मवर्ष्यव्यात्मित्रः श्रीः वदावायात्मात्मात्मा व्याप्ता स्रा न्मा गर्वेन श्रेन न्मा दे न नमा श्रेम प्रेम प्रमाय स्थापिक श्रेम नमा भ्रीत्यारी द्रा देश विद्यो के दार्थी दिया विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या हेवःर्भेट्रान्त्रः, स्वान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रात्र्वे स्वान्त्र्वे स्वान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम्

हैं। विश्वानाश्चर्यायदेः भ्रेम। ने प्ष्रम हेम ख्राया ख्रुन्य या हा स्था हेम न मुन मकुः र्के मुद्रे नर्भे निविदे नर्भु । निविद्य निविद्य निविद्य । निविद्य निविद्य निविद्य । र्देशर्च वेशरावे विरासे हि या देवा सेवे सुर्वे न्या ही या से प्रवेर ये नया यस्तरः स्रूरः मस्तिरः वृद्यायायाया विवाया तुरायाववः विवाः हुः स्रूरः वर्षान्स् हेराठवान्या नेपानेवान्त्र विवर्षान्य विवर्षान्य विवर्षान्य विवर्षान्य विवर्षान्य विवर्षान्य विवर्षान न्द्रान्त्रे त्राभेट्रास्य द्रापेत्रा स्वेत्या मान्य स्वेतः स्वेत व-र्यः व-सुव-सुम्रः र्क्ष्यार्क्ष्यायः यात्रीयायः वयः र्यः सुर्वे यः ययः रवः र्रः युद्रः नर-नवेर्-मभा मेर्-होर-मेः क्षें-नवेर-न्युर-मेः क्षेंमभः प्यतः यमा नवेशः नश्रुद्रशःद्रशः स्प्रद्राचे द्राञ्चे द्राञ्चे द्राच्या दक्ष द्राच्या देश स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स वर्त्रयायाञ्चर्याया राषीयायाये राष्ट्रित्यात्राच्याया । दित्रत्यायदित्यी बन्दरर्देव दशुवाशी विद्वास धे वर्षेया या हो दाया में राह्या हुवा हुव ग्रीयानम्बर्यानात्त्वान्त्रीत्। विश्वाद्यस्त्रीत्त्वान्त्रीत्याम्बर्याम् वळर:र्भासर्वियरम्यूट्याधेवरहे। देर्भायुदेरमु:वेरवदेर्म्भ्याधेय श्रेरःश्रुदेःश्रः इस्रश्राम्बद्धाः युदेः नर्गेदः स्राम्पुन्यः नदः कुषः सक्त स्वारा स्वार्धित वर्षित स्वार्धित स्वार्धित स्वार्धित सामित यानहेन्यासान्या नृग्विते खुवान्दा में खुवान्दा गुन् खुवाव्यसावन्सा हे *बे* 'वे 'यदे 'युव्य' ग्री 'र्जे र 'ह्वा 'वे श ग्रु 'न 'व श र प्रमा 'कं न 'तुम 'तु ग्रु र 'बे सश ' ध्रेत्राम्यात्रयायम्याप्रमान्यात्राम्यात्रे ध्रिम् यर्दे यया न्यो श्लेम्प्रमाने त्या इटक्त सेसस द्रस्य कॅट हिर के से जिल पहिट के से वा पर देवा वसःग्रांचयायरार्द्रम अरासदे वर्षाः कृषाद्राः स्वाप्यार्द्रम देशः ५८। ५वो.श्चॅर-५वा.ने.क्षर-द्यर-क्ष्य-श्रेश्वर-र्यर-स्ट्रिय-वर्यः

धुयः ग्रीः भ्रें रः हयः वेशः ग्रुः राष्ट्रश्याः हर् । तुष्राः ग्रुः ग्रुरः श्रेस्रशः ध्रेवः प्रशः वसायरमासराम् मुराही विभागस्रित्सारादे स्त्रीता देसाव स्तरास्य ग्रीशक्षेत्र-द्वापा-देर्देश-वेदिःवेद-र्दा-द्वाप्-विश्वेद-प्रतः ह्वाश्वाप्-रावहित याधीवाते। देवे के विक्राया मार्वे राष्ट्री वार्वे राष्ट्री वार नग्रे विर क्रुव र्र र व नवर के नवा या नगाय ववा य त्वा य श्री र विवा पवा <u>शःदे वित्व सः श्चर विवा वी सर्के दः हेव विश्व श्वा शादी दः सदः सदः सदः वित्व सः </u> क्षर वेजानी अर्केन हेन न्यान्या ने न्यान हुन सुन राया में या विन ने नर श्रूर व विन् र श्रुम हु स नश्रम रमा हिर मा ख्र: इसम्यानाईना: सुन: ग्री: न्याः क्षेत्र: ग्री: न्याः न्याः न्याः स्वाः न्याः स्वाः स्वः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वः स्वाः स्वा गर्द्यास्त्राञ्चरशासदे सर्हेन हेन र् ज्यामशा नेशन ग्रम्यान स्त्री खू व्यूट्याव्यायव्ययाते। रवाव्यूटावर्येवायाः ह्यायायरायहं दिरा हेरा न्ग्रामान्द्रभार्यदेशस्यामान्द्रमामान्द्रमामान् ने मानामान इरःश्चेमाः सुरुषः परिः सर्वेदः हेतः दः ग्राम्यायायाये छिर। सर्वः श्वेरयया द्वः अप्यर्टा ने मक् विवायायहर ने में याद्र श्रीमा में वावया नमे श्रिट विवा गुश्रदशःमदेः द्वेर। देःवशःभ्रः इस्रशः ग्रीशः गुरः श्रेस्रशः रगः दुः ग्रुदः वसः <u> अरशः क्रुशः हैं :क्रॅशः ग्रीः वर्षे र :वेंश्वरः व्यश्य अवशः व्यत् र :ववेः</u> मु: सर्ळे: प्रश्नान सुत्यात्र शायके से दार्गी द्वी दशाया वर्गे दार्चे स्वाया वर्षे द उर्डेर्दिनाः भेर्नास्म हिना हेरा माना साधिता है। सर्ने स्मा मेनिसार्से द्वा गर्वेद तु देव गुन रन ह गुर दे वेद रावदा अपाय वेद दरा उर्डे इटाना विदेश अद्भार स्ट्रा नर दे । अदि । यह ने प्यार निष्य न विना कु न कु न है

द्वाःश्वः क्षेत्रः त्राण्यायायः स्त्रः त्र्यः त्राः त

वर्वःयःवगवःयःश्रुं दःद्धयःवश्रवःयःवे। देःत्यःवयःवह्यःश्चेदःवः <u>ढ़ॖॱॸढ़ॱॶॖॺॱॸक़ॖॱड़ॖॖॖॖॗज़ॱढ़ॖॱढ़ॺॱढ़ॖॆॺॱॸक़ॖॱॸॣॸॱॶॖॺॱढ़ॖॱढ़ॺॱफ़ॣॸॱय़ॱढ़ॻ॔क़ॱॺढ़ॖ</u> वे रवाहं प्रमुखान् न्यायान् निवानि निवानि स्वाप्ति । मितानि । मिता ्वायःविटः दटः सॅटः कुः व्वायः द्वाः वाडेवाः वाबेयः दयः द्वादः वाङ्गः प्रयः। सर्नेगः र्रे अट.र् शुरा दे तथाय त्र अप्य विषा विष्य ति विषय विषय विषय ब्रुवः श्रुद्वः प्रथा अर्देवाः श्रुं अदः ष्ठः श्रीदः गुद्दा हते । स्वर्धा वर्षः दे नर्भागुराकुराहेषावर् मार्वमार्वि दानि स्थार्थ स्राध्रायमा दे द्रभा वर्षाचे प्यत्रक्षे व वर्षा व वर्षे व व यर से जुग मे नर र् र्गय में अर्थ में अर्थ प्राप्त से मार्थ में से मार्थ में से साम से मार्थ में से स क्ट.च.इच.च.च.श्रम.ज.श्रैव.चर.चेश.चतु.बुरा भट्ट.जना नावदाविच. नश्यामहर्मनश्यामहर्म् हेन्। । श्रुः से । श्रुमा । श्रिमा नहुः महिशास्त्रा । । श्रेमा याम्बुसार्वारु वर्षा विकाम्बुर्कायदे सुरा देवा वे पर्देन या वर्षेत् वस्रात्री सम्बद्धरम् भेटा दे प्यटान्गदा भुन्ती सम्बन्धरम् स्यास्य मुर्यात् दवे वित्रम् इस नि दय द्वा मुन् स्वर सूर सूर सूर सूर प्रमानित का नि नन्ना नी अ। वि : ब अ : र न । य : तु : र अ : न् र अ ते : ब्रो द वे : ब्रिं : ब्रे द : ब्रे दे : ब्रे वे अ : गशुरुषात्रे। ग्रुरायेययाग्रीयाद्वरार्चाद्वरासुनुनुयाद्वयानुर्योगया भ्रेुशःस्रशःहेदःग्रेगःन्वेदःर् न्रसःरे नक्कुर्नक्कुःयः वसः भ्रेरः वेदः नद्गः वी:बर्अ:ब्रॅंश:सर्थ:बुद:स्कृत:श्रेस्रश:द्रपद:ब्रु:द:सेद:स:प्य:पद:द्रवा:सर:क्रेंवाश: यर अर्था कु प्रस्ति वा डेश क्रेंब यथा प्रत्य डेटा विट सेस्था ग्रीया व्रद ग्रीशः मैं गुश्रः में 'द्वा'विदः श्रुरः में शः मैं रः दशः सुवा'दरः हिंदः वश्रेदः वेशः हैं। सळर वेश ने हॅर प्रशादर्रेट ख़ु दुवा दश देवा से द की नर र् वा वा शास्ते । धुरा भर्रे यथा रथ स्वार्य र्रे हिंदा य दे सुरक परे ही रा वेश य द्या वित्रास्य अञ्चर वित्र कुवा श्रेन वित्र है। स्वा न्राहिन सावा सेस्र साव हुन यःर्देश्यक्षरः हे प्दर्ने स्वतः तुः तुरावदे विश्वाश्चा विवा । गैर्यार्द्रमा सेत्र नर र र में द्रायर शुर हैं। विश्व सें। दि त्राया मुनदे नदुःनविदेःस्रेंद्रंभ्वसंत्रनस्र न्दःक्रेंस्रानिसःनविस्रान्दिः कुःनरःहेदःक्रुसः र्थे निर्मेत में में निर्मा निष्य में निष्य मे नःश्चरःनरःनःश्वरःने दें सायवःनत्वःत् हेरःहिरःन्यः सवैःश्वेरःसवैःदेः सर्वत्रभः त्रुवा राज्ञें भः पदे वें सर्पराद्या चेतु सेवा भः नया वे भः हवा भः वकुर्भरविरः धूर्यादेश वुरः कुरार्चेरा यर भेराभीर से रिया यहिर हेर्य कुषानन्न व्यान्य मिना से मिना स्थान्त र से स्थान्त निर्माया भ्रेमायदे वियान् सूर्वायान्त्वायाने योग्याभ्रेमाययादे सुगासूर है उद मुकानिक्रमा मित्र केर्या निम्नित्र निम्निक्ष निम्निक्य निम्निक्ष निम्निक्स निम्निक्ष निम्निक्य निम्निक्य निम्निक्ष निम्निक्ष निम्निक्ष निम्निक्ष न

नकुर्यान्तर्रुताक्षेत्रार्थेरायानेनायाद्ध्यार्थेराते। देवयायर्देवा यर ह्रियाश्वर श्वरश क्रिश यर यत्ने द राया है हे याद्वर दु स्वाया श्वर র্ম'বার্ঝম'ট্রি'মনম'রুম'রয়য়য়'ভর'য়৾র্বর'য়য়'ৼৄবায়'য়য়'য়৻য় याधितायमा देरामिनेम्बरायदेःखस्यापारुःकुर्वेदानम्भिनानुःनायसः तुरानार्थेवार्यानवेशावशाई हे गानवाग्री गुराख्यां भेरावारे गायो किंगा गी नकुर्विते दुर्द्द्र रेव में केवे वि अर दे श्वेर नर्गे र केर कुर सेस्र र्द् निर-हुर-वी-दे-श्रेद-य-पर-विवाय-ग्रह्म द्यद-य-य-स्यास्य रादि-विद्र-<u> इरःद्धनःविरःदुरःध</u>्वेदःहेःनश्चेरःनःनत्त्वःसद्दःदशःकुवेःकेःस्यात्वःदरः इ.य.हीर.यक्षेत्र.धे.यात्रात्रार्यर.यर्थेया श्रह्म.यहंत्रात्रहेत्र वर्ष्ट्र. र्रे के यथा नगदन हें न्यन्त वया वया गर्यया न न्यन्य क्रा ही होता र्वेर-नत्र-पान्द-नत्र्वायायान्द-त्रेय-नद्दा सर्दे-प्यया ग्रुट-कुन-ग्री-पेद-

नक्ष-द्विन् नक्ष्य-न्य-द्विन् क्ष्य-विन् क्ष्य-विन क्षय-विन क्ष्य-विन क्षय-विन क

सूसात्र सार्स ना से सर्वे ता का से रहें ना साद समाया सारी है ना नी तरे हैं न र्न'न्र्र'से हेंग'मी सु र्रो न्र्र छुद से ग्रुर छुत ग्री किर नक्कद सर कुर सदे ब्रेम देवस्थ भ्रेम उदा क्रीस सेंदा सार्येदस स्विम हिंदा क्री न सेंदा दसस दे दश. ग्रीय वर राजा वा वर्षेत क्ष्रिय राजा । ग्रीट सेसय ग्रीय जाहत रासेट यदे अर्केन श्रेत गरिया यो अ पर्नेन पदे न न न श्रुया र्वेन त न स या न न न प એ<u>ુ ત્રુવે ત્રું સુવાના અને સુવાના સુવાના સુવાના સુવાના સુવાનો કે</u> वसान्त्राधिसादवे सकेंद्रा श्रेवाद्यार में हिंदा धेवादा हिंदा छी सकेंद्रा श्रेवा न्यर में शुः धेव विश्वास्त्र स्था ह्या सेया हैया उव साय दे दे प्रे योत्या वर्रवर केंश केंश ही श्वा केंद्र से श्रेंद या श्वा हिय हर। यह है। र्बे नहत्यादिन ने न स्वानम्बद्धान्य विषया विषय विषय विषय ग्रम्भेर्यायात्रयार्थे सुराव्याहे सुन्यासुर्याया ने ने नविवाने विदेशे नन्नाः वः सर्देवः शुक्रः स्री विदेवः ग्राटः स्थः न्दारः स्वेरः नक्षः न्वाटः से न्वारं स्वेरः श्चराहे। नर्रानुर्मेणायाई प्यम्याना सूरार्मेशाली। श्वरायमानुर्मेशानुर बेद्राची पहुँ अपार्श्वा अप्या श्री महिषान सूत्र ग्राट ग्रीट से स्था नित्र पहुँ पहुँ यः<u>धू</u>तःर्से न्दर्निरःधुनानी रे न्दरन्वर से नश्चरान श्चर से खूर की तर् त्य नमायदें प्रायते हे मार्य मार्थ प्रायति मार्थ प्रायति मार्थ प्रायति । गें ख़दे तु इसम ग्रेम नर्त इसम न इ तुग गेम क्षर ने नर्त न्युर भेर्वह्मणामी म्राह्म द्राप्त स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वर वस्त्रप्रत्वेर्त्रत्र शुराहे। देवे के वर्त्य है न सुमा हु से हुन दर्मिन विगारे नर नर्य हे अद्या कुया सर्वे दान्य नुदा कुन हु से सया न भेट याधीत परि भ्रीमा अर्दे त्यमा ह्यामापदे ग्रुम कुन मेसमा मिते हिनमा

इत्यःश्रुश्वार्थितः । चिःतःश्रुश्वार्धः विषाः विश्वार्धः श्रुः विश्वार्धः विश्वार्धः विश्वार्धः विश्वार्धः विश्वार्धः विश्वार्थः विश्वर्थः विश्वर्ये विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्थः विश्वर्यः विश्वर्ये विश्वर्य

नडुं सं सर्देन सर नुदः द्धन सं दे। र्से नुना सं हुं सर्देन सुना सं सुना वदे वर्त्रवर्ष्ट्र साम्पर्या वर्ष्ट्र वा वर्ष्ट्र वा सुवा वर्ष्ट्र वा सुवा वर्षे <u> २२। वर् २ तथा मुयावदे मुयासळे ४ २ ८ वर्षे ८ या स्टर</u> वर्षासद्यामराह्म्यायायम् अत्याक्ष्यायाध्येत्राते। स्रान्न्यायावेयायावे । सक्ता स्वाम स्वाम मी माना है। नदे के मान हैं स्वेदे से न पान न न न न न न *हेश*ॱतयःग्रीःश्रुत्रं दरःर्ये त्यः नश्यःगित्रः पतिः दरः स्वरे सेगः त्यशः पोः नेशः सर्हर् नवे देवा मा सर्व द्वा न्य मा देव मा न्य मा न इक्रमदे पो भी शासर्वेद्राचदे देवा मासर्वेद्र दुन्तु शा दे द्रशास्त्र मु । रेट्याभ्नर्यदे त्या ग्री के स्वर्ट्य विर के द्राया हेत वर्षेया वर्ष प्रिया द्रा नदेव मं निलेश भिरावन मार्ग्व वर्ष अर्वेद निर्मा मार्थ देव द्वा वर्ष हे अर् डेग् ग्रेंग् ग्रेंग् ग्रेंश सर्देव सर हैंग्रेश सर सरस क्रुंस सरे प्रेंब सदे हीमा सर्ने त्यमा ने तमा हार सेसमा वेमामा तमा हमा ही का सूरि या खूरी भैगायमाधेनेमामर्कितानिमामाम्यानिमानिमानिमानिमानि वयाग्री ग्राम्ब्रुवायार्थेव ग्राव्याहेशाशु इव प्रति प्रेश्वेशासर्वे मार्थि देवा मा वेशन्ता नगे र्सेन्नगने स्रूर्य ग्रुत्स्य सेस्य न्यवस्य ग्री क सूर्सु रेट्यावळर्पवि:त्याग्री:कें स्वह्रावि:केंद्राठ्याव वियायवया अर्देवः <u> शुव्राचुःनःग्रान्देःप्परः सुरः श्रेःने व्यव्यवारुन् शेव्यवारीः भ्रूनः रेगाःग्रेगान्तः</u> त् अर्देव पर अरश कुश वश रेग पा गुरु अर्वेच वे वेश दर। वर्ष नःग्रात्रान्यान्ये न्यान्यां स्थान्य । नर्वे साध्यान्य ह्यान्यान्य यानर्डेबायूनायन्याग्रीयाञ्चानायेन्यये ग्रुटा कुनायरेन् न्यह्नायर गर्सय नमान्द्रमाध्य प्रमाध्य प्रमाधिय निष्य प्रमाधिय निष्य मुश्रद्यारादे भ्रेत्र देया देया द्वा दि द त्या यह या मुयारा धेदा है। यह या मुश्रादशासि देवे वर्षाय प्रतिवाशासी दार्के शादि र न्यू र वर्षाय प्रति । हीरा ह्रेंगानो प्यर्गन स्था कु म्यर्था से मार्थिस री प्रधान स्था र्वि:वर्द्ध । देवार्य:याशुर्य:या:यूदे:श्रेवा:यश:यो:वेर्य:सर्वेद:देवा:यः न्मा र्वेदाम्बर्याहेशासु प्रदासदे यो भी या अर्वे मान देवा मान प्रदान विषय गुवःबर् प्रदे थे भे बार्बेर प्रदे रेगाय गुरुष थेव वि । दे वय अट हेगा ने या यहेगा हेत् श्री विस्राय सम्भाउन सूर वर श्रुवा संविद्या सुवार वहुवे वहिना हेत् श्री विस्रशास्त्रस्य उत् इसाम दुना तृ नार्थे नार्से नासा सहत प्रशा <u> अर्थः क्रुथः व्यथः उर्ः ग्रेथः ग्रदः दे न्ववेदः मन्वेष्यः यः अर्ददः यरः हेष्यः ।</u> यर यर यह या कुया या यो वाया थें हो दा है । कें या ही ह वा वा साह वा वा सुर ना है । न्यायीश ग्राम् भूरायाशुं अरशी प्रदेश हे वा हे वा परे परे के वे प्राप्त वा वे या ग्रीयाविनयामराग्रुराने। श्रिम्यानद्वति।वस्याग्राम्यस्य स्थित्यानद्वते। विराशेशशादराञ्चात्रसम्भाग्नीशावर्ष्याशावर्षेत्र,यासद्दादी । ह्रितान्नी

<u> यट्यामुयाद्ययाण्चेयात्र स्थानासूरायट्यामु ग्रीयाण्टानेटाना</u> र्नेगानी कर सुरार्थे त्वा उया नग्रय पर ग्रूर पदे हिराने। देश दे नवितः मिलेम्बर्सिक्षेर्द्रास्त्रेर्द्रान्ते निवास्त्रास्त्रे क्षित्रा मुल्यास्त्रे हि । क्षेत्र र्येर-पर्वियास्य वसस्य उद्दरम् हित्र-प्रक्तिन श्री श्रीदर हिन्द नुवास्य सदस्य मुर्यायस्य उद् द्वेरियाया प्यटाद्वा सर् दे प्रदेश निर के या द्वीर्या बुग्रास्, कुन्यायमान्त्रे नासेन्य मान्याय स्त्राय स्त् वशःवना नत्त्र सना नत्त्र तु कु रेवा क्षेत्र सुत्र सेटा नवे रेट्र कें शायित्र सःनर्भेरःनः बुद्रःसेरः सेदः सदेः द्वाः द्वाः सेवाशः क्षेः क्षेत्रः नर्द्रः नर्वः नः ५८। वर्षःस्याःयादेशःसरःयावषःदस्यःश्चेःयावशःश्वःसर्धःसर्वः गश्रम्यायदे द्वेम यर्ने श्रेष्यम वर्ष्याय्व वर्ष्यायम्या <u>श्रम् भार्य स्तर्भ स्त</u> न्नराग्चेन्ग्यीः भ्राह्मराग्यीः वदावयाने यार्थेन्यया स्वार्थित्या ने वया बैरायर्नेरामश्रुरश्रासाबैराग्चे नास्यानमुद्री मान्य प्रसुवान्यराग्चेराग्चे याधीवाहे। यान्यस्यादेश्यर्देश्यया यहेनाहेवानस्यायदेरानद्गाहेश्वरा धेव-भागवेव। ध्रिम्यामञ्जदे पहेना हेव ग्री प्रयम्भागम्य ग्री ग्री मानवे यः यहेवा हेव की विश्व या से से ये वावव यस्य या नव र की र की वावया शुर् थे व मुलार्स न्वर श्रुर ग्री मावया से दानद गी वें र ग्रा रेव से किये निया मराप्यर <u> अरशः क्रुशः ग्रेः बैदः ग्रेः नः श्रवान्य इदेः हवः श्रेदः ग्रेः ग्रुटः श्रेयशः श्रेदः वदः ग्रूटः </u> हे विश्वान्ता सर्ने हे हे तथ्या ह्ये त्यविदे विश्वास्त्र स्वा वितास सर्हे हैं। न'नविद्र'न्'वहेगा'हेद'ग्री'विस्रामस्य रहन्नु'आर'क्रेंश'नसूद्र'म'स्रवर

लश्रासर मुराहे विशानश्रीरशासद द्वीर खिर द्वी सायदेश विरावस्था मु सर्द्धराक्ष्यानम्य प्रतानित्राचित्राच्येषायमः ग्रमा क्रिम्माश्याग्रीक्षिमकेत्रमित्रियमित्रमित्रमित्रम्भ्याउन्न्तिले मन्त्रम् सम्यानुत्वहुनामानम् नर्द्रभामानम् भ्रेतानम् वर्देनामाया वेदिशः श्रें द्रायाद्या अदेव यर द्रश्चर यद्या द्रगवाय श्रें द्रायाद्या हेगा डेर-गुर्व-हु-ब्रेंब-ध-५८। दे-बार्नेट-घ-५८। बर्देब-धर-गुर-कुव-धवे-देश यःगुरुःहुर्द्वःयःधेरुःयरःचक्षःयरःचुर्दे। विशःगशुरुशःयरःगुरुःह्वेशः याची नास्रमानका गुनाहार्भेन समालेश मिनाधेन स्वीमा हेरे हरे हरा नभर्तरा क्रुत्तः प्रस्तेगायम। सरमाक्रमायी सेन्तरा ग्रुग्राग्रीःभ्राग्रे न स्वाप्तकुः यः स्वायायस्य सम्बदः यस्य सः त्राकेषाः उरः र्नित्रहेव वया ग्रेवया सम्वेया सम्बद्धित वेया द्वा मुम्म है । भूम भ्रे न गडेग में बेंग्य पदे दया है न ख्रा न हु अर दिने हैं दें दिन है अ खूर वर हो द दिल्ला देश देश है स्राप्त स्रीत वि स्वाप्त स्त श्रेश्रश्चरार्दे व म्वर्श्वरायदिवे श्रूराय म्यायायर हो र दें वेशन्ता बुन नश्रू न ही दिन तथा। यह गा हे न हो न खगा न कु व्यू न भ न गा गी हो न ने रेरायरासहरामान्युःगिहेसारे रेस्ट्रे वेसार्टा रेप्यराक्त्या वसाम्बद्धाः याची नास्या नकी स्यापार है। किर ही ही किया तथा निया है निया स्था वयादम् नात्री नास्यानकु रेया रे रात्र भूव है । वेयायावया सार्वा सार्वा सार्वा सार्वा वन्यासवे द्ध्या हो ना स्रमानका हेगा हर न् क्रेंब हे बेया म्यूर्य सवे ही रा मुन्तः सःयथ। ऍरशः सुः सः नगः विदः हस्यशः सु। अिनः सः हैः अेनः ग्वयः तर कूर्य विश्वास्था प्रहेता हेत् श्री प्रमाश्वस्था हर् पुर्वा प्रमाश्वस्य क्रॅम्थानरात्। अहंतायावरुषि अव्हेंत्रायरावन्त्रायविष्ट्रीय। प्रसित्ते गा यम् अह्र-सःग्रार-तुः क्रें व व र्षे दमः सुः सः दगः प्रदे वि दः इसमः सुदे । रुषः वे श्रेर्यः हे श्रेर्यावयः यसः श्रृं वः यसः यहं रुद्दे। वेयः याशुरयः यदेः मुन्। विवानिर्वेदासे हमायहित्या मदे यात्रा मुर्या मदे सिद्धा स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स ऍट्रे र्रे : इ.स.कैचेश उचेंचे.स.श्रम्भ स्था केश सर भींचे हूर श्रूचेश ट्रेटी र्शे.चर्च.स.छ.६.त.अ८४.भिश.सर.भिषश.सकूत्रा.चलि८.कूर्या.स्वारा য়ৣ৾৾৻ৼ৾৾ঀ৾৻ৼ৻ড়৾ঀ৾৵৻য়৾৾য়৻৸৻৸ৼ৵৻য়৾৵৻ৼৼ৻য়৾৻ৼয়৾৻৸য়ড়ৄঀ৾৻য়৾৾ঽ৻ঌ৾৻ৼৄ৾ঽ৻য়৾ঽ৻ न्ययान्दावि देव में के दें न वे म की यहें न क्या न शुक्ष खें न यक ही का के संधित्रहे। सरमामुमान्याये वि: तुना दर्वी भारायाये निहना खूना हेरा र्से नित्त या धेतात सम्मा कुरा त्रा ले नित्र प्रकुर निरा की विष्ठ व यदः श्रेम नेमात्रया अम्या स्थान्य विष्यं स्थाने स्थ ८८। र्रेस्य-दर्स्य-योग्य-ध्य-गहियासत्त्व-धर-शुर-पदे-ध्रेर-हे। हेनानो दनर न तथा कु मूर्य से द र मा मुस्य द र न सम्बर्ध र स्था में र न न स्था से र स्था से र से र से र से र से र से र <u> इरावर्श्वरात्रुंदावरासास्यूरायायदास्रादेग्यासार्खालेसाद्दा हे व्या</u> यन्तर्भायम् क्रेंशाय्र्रिं मान्यार्भार्भायाः वत् । सार्गर्भारः वतः सूर धीः नात्रमा । श्रीमाना माना मिन्द्रमान्त्रमा । विश्वमान्त्रमा मिन्द्रमान्त्रमा । वै। वि:सव:र्मेर-१८:श्वानवर्गन्ता । सेर-भुव:माद्यामी:र्मेर-हिर-हे। नि इसमा शु ते मुन पा श्री भी भा सके ना के रे के रे न त्ना भा ति श्र है गश्चायात्रवार्षित्त्त् । श्चित्रश्ची विग्नायाः श्वायाः यवि श्चे। विग्नायाः विग्वायाः विग्वायः विग्वयः विग्वायः विग्वायः विग ग्रम्भार्यादेश क्रियास्त्रीयमाग्रीस्त्राम्भार्याद्वास्त्राम् वर्दरशेर श्रुवे में र यव में नइ निवादर। अवव थें र र वेर ना श्रम इरावरुशास्त्रे से निले दर्श अव शे विषय सुनिले विवर सुना ने निलेश वडुःग्रेग्'यःर्केशःविदःवर्भेरःद्वयःधिरःदे। श्रें'त्र्ग्यःष्ट्याधियर्केगः युग्रासंस्थानी सेंदिसाग्वे रे हिर्मा मार्च स्थान स नदेःदिरःनर्वे समानर्वर् रेक्ट्रिंशः से मासुरसः या देः परानर्वर् दराधेरः इरळ्न:वेर:इर:रु:नब्नामा नर्त्र:गहेम:मरःक्रेंर:नाशुस:रु:पळना:पर: यहर्। नर्व गशुस्य पर ग्रुट कुन भेट त्य शुक्र से पहुंस पर ग्रेनिया नर्वानवे नदे के निर्वा की की महिला के निर्वा कर् द्यायश्चायप्रत्यमालुश्राण्यमायदेवा हेवान् श्वम्शास्त्र साम्रास्य स्वाप्त्र साम्रास्य स्वाप्त्र स्वाप्ति स्वाप्त श्चाःकेवःम् न्दः श्वरःश्रेयशः द्यम् स्रोदः खुदः यः नश्चवः यरः स्रुः दवः यशः स्रोः व्दवः वेशः मशुर्या नत्वः धः सरः धुवः द्वः द्वः देशः देः नवेदः मने मशः यः नहरः न बुरः ने । नाव यः वः न त्वाया नहरः न बुरः श्रें न यः सुरः कुयः ह्ययः ग्रीसारे निवेदामानेग्रासदे भ्रात्यायदानत्तरे रे ग्रीसार्थे । देवे सुरि निवास वीयानदे न तुः सेदानहेया वस्यया उदा ग्रीया सुवाद्दान के दिन निया है। | नर्व-वृत्रा-भदे-ळे:वेर-ं कु:मूँ - इर-र्-जुन-कु:मुक्र ग्रीयानसया दे तुर्या दे निवेद मिलेग्य प्रयाग्य स्थान है ये में या प्रदास में दिया दर्ग द्वेब्रयरद्वायवाचे वर्षे वर्षे व्याया मुद्रम् वर्वे वर्षे कें कें र दें द गार्चे द द र न बर में गड़े शारी भूर है सुवा कें कुवा के द नविशानाश्चराष्ट्री खूरानवेदानवि सुत्यान द्वी श्चिरानी काश्चेदानर द्वीरश वसासामवेसा दे मविवादान्य मी मविवादा मैत्रके मविद्या विवा

ग्री:नवि:न्मा भ्रुवा:वी:नवि:न्मा देवी:श्रुम:वेवि:नवि:न्मा देव:वी:के:ब्रथ्यः उर्'यशः गुरु'रादे 'सूर' नवर्'निते स्रयायानियामा मुया केत्र नित्रा ररकेराविरादरायक्षायकात्रोक्षियाञ्चेत्राविरायाञ्चाकावत्रवाक्षाञ्चा न्व्रम्यायेष्ठाः सेवाः र्हेनायान्याः सेवाः स्रुवः न्यान्यसः हेः र्हेतेः स्रुवः निर्वे नवि विषय हे से हिंगा में या नगर दया स्वाप न खूर नने र गरे गरे हु र न कुर नमः सहिन्त्रमा श्रूमः है सुम्याने या महिन सुमान है । वशक्तराक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रच्चरावर्षेत्रावर्षेत्रावर्षेत्रावरे व्यवस्था स्वराचित्र नव्यायाया ने मु: में स्वीया क्या मार्थिता क्या स्वाया स्वीया स्वी वाश्चरत्राचा । दवा चायायायाया दे स्वराव द्वारा । विष्ट्रित के किया के व र्से से में अहें दाया किया इसमा वसमा उदादे सासे दाया सुद्या विया गर्रायानायहराम्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्याः षर-द्याक्षेद्र-द्र-देश-धवे देवाश-द्र-सादेश-धवे देवाश-द्र-विवाधन-देश यदः देवायः वाशुयः विद्याया दरः विद्यास्य देया देश वर्षाः देशः यरः वर्षा रेगाशः करः द्या वें गाः यदेः रेगाशः वहरः श्रूँ स्थाः ग्रुटः यशः वा र्वेन में सेन नर्वेन गहेश दर्य सुसारा शास्त्र में निने न शान्य नर्त न्दा नेदावस्य भी वया वया या सुर्या विता से दा सुर्या हो ते हो । सुर्या हो ते हो । याहिंदाद्यार्वे नियार्थे दार्शियायायायायायाया द्यो र्थेटाद्यादे अद याबेराञ्चरायया देप्तवादवीः श्चेंद्रातु स्वीत्र वित्रयाया वर्त्र देप्तववाया या तुर्भाने 'ने 'ने बेत माने मार्था या श्रेत संदे 'वर्' के भार्य प्रमुखा है । वशक् र्सून हा नवे के शानवे वे रहे त हा हो ता के शानवि र न से र न शाहा र्थेशन्त्र नर्देशर्मेन व्यन्तम् निश्चन्त्र निर्मा स्तर्ने प्यन्ते प्यन्त्र स

यः इवा ५८ : १ के दाया के निक्त दे निक्त के निक् क्रिंश वित्र हो न अवा नक् हेवा हर र् न भ्री र न धे द पदे हो र व व छेद यम। भूभेमान्यायम्यान्यम् । व्याप्तायम् । व्याप्तायम् । ब्रु:र्क्टिग्र-१ च्चित्रयः शु:ग्राद्या । ग्रादाः यह यः यह यः यह यः यह दः यह दः नव्यामा विमान्ता धराययाकेतायमा र्मियमात्तममा ग्रावानावीता इस्राम्भाम् अर्के सूर्या विषया ह्युस्याया ह्यूस्याम् स्राम्भा दि द्वायाया र्धेनायात्राम् नियात्रया । वियाप्ता । देयायात्रयायात्रमायास्याः स्वी सर्ने वर्षा देश गडिमा न १ मा न ग्रीमिस्र मा मिर्मि द्वीया ग्री सा वर्ष मा दे मिर्मि मा वर्ष नराया <u>शरमाम्याम्याम्यादेवाः हेवःम्रीः विस्रयाद्याः स्वितः दर्शस्याः वस्या उद</u> ग्रे भ्रेट रे रे र सह द पान हु निहें अपने द मुराय दे रहे के रा योष्ट्रभार्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याः वह्या तुःक्षेरःत्रे नः अग्निक्रः कुषानः भूगः श्रुंनः मर्गस् सहरः मान्युः ग्रेशः ग्रेः क्षान्ते न स्वानक्ष्र द्वेत्र दे लेश निया सु सुन हो सु न स्वान स्व यथ। द्वा.श्रुव.मी.स्.यर.री.अर्ट्य.तर.ह्वाया.तर.मीर.क्य.तर्प.श्रुवा. ग्री:बॅर-प्य:बेश-प:दश् प्रह्मानु:ब्रीट:ग्री-प:ब्रम्-पक्तु:दग्:ह्र-द्गप्य:ब्रह्म ग्रे में ज्ञर्व नत्व्वराय में वास्य सहि। वर्षे न नहा वर्ष य न न न न न त्र्वान-प्रदेव-प्रमः<u>ह</u>्वाश-प्रमः ग्रुट-कुन-प्र-प्रा क्रेश-ग्री-विवित्रः क्र्यान्त्रीराचार्टा ल्राम्यान्त्री क्राप्तान्त्री विष्यान्त्री विष्यान्त्री विषयान्त्री विषयान्ति विषयान् <u> अद्याक्त्र्याची अह्दाया गुवाह क्षेत्राय हेटा वच्च दावेया गुरुद्याय दे छित्र</u> वह्रान्त्रीरान्ने नास्यानमु विशेष्ट्रा सहर्पाराग्वाहर्षेत्रायायहेश्यीः र्देव-दे-ल्य्-प्रवे-ब्रेन् दे-नलेव-दु-ब्र-नक्तुन-वि-ननेव-स-सर्वेद्र। म्यान्य-स-

तार्श्याश्वात्रात्रे,यप्तात्रे,त्रात्रा मूर्यात्रप्ति विधिक्षात्रेशाय्या विष्य ह्य। श्चरः मूर्टिरः यरे खेर र्नं यो नेवाय र या र वाद से र र र वाद से र या सन्देवन्यायानर्गेत्। देवसाकुःसूरावेन्द्रःवदेन्द्रश्रम् सुराकुराकुराकुराकुराकुरा श्रुट विर्वेद खू नकु देट । कु सुट दें र श्रुट दर मू थ दें र श्रुट मिहें श रे रे यायिरिक्षान्तुः व्यान्तुः रे से दे द्वा से दिस्य स्थान कर द्वा नहें सर्वा <u>दे हे अ लू देवे तु द्राद्र सेंद्र प्रवाय ग्री तु वाहे अ पिर्दे र हे अ व ग्रु यु वह अ </u> <u> न्यान्वर्ष्ठभाष्ट्रमा नेदे के अम्याक्त्यान वे क्ष्रमान कुष्ट्रमा हे मान्य</u> यःभी इत्रामातामा कुयारी ह्यानवदायित सुया कुयारी द्वाददारे रे रे.प्रिंस्क्रेंस्क्रेंस्क्रेंप्रेंप्रवेंस्प्त्यां हिं च्या क्रेंस्प्राच्याया निया है कुर्निस्त्रम्यान्दर्भासहस्यान्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् मैं अप्याश्चित्याया यहित्रात्या सहस्रायम् सहत्ते। तुर्याय विमेर हा कृत् यथा क्रूंब मथा गुर्मे न सुर में न में भारत मार्थ में सुर स्था न में म रयः मश्रद्या वियामश्रद्या यदेः द्वेत दे त्र यह्यायदे द्वर्या ग्रद्धः द्यायशाद्यस्यावसार्वे द्वाप्तम् व्या न्या न्या स्वाप्ते प्राप्ता प्राप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वा वा वेश मंशुरश प्रशः भ्रासा प्राप्त विश्व पर्वे वे स्वाप्त विश्व स्वाप्त विश्व स्वाप्त विश्व स्वाप्त विश्व स्वाप्त विश्व स्वाप्त विश्व स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व द्यायसायद्यानेसामास्याम् सार्वास्याम् सार्वास्यान्त्रात्याः श्रीत्राचीत्रा देशः श्चेतःग्रवः वदः पदे श्चदः वद्यः र्वेतः वयः विः त्याः वश्चः वद्यः ग्राम्या ग्रीया के या के द्वारा प्राप्त निर्माण विष्त विष्ठा विष्त विष्ठा विष् श्रेश्रश्रास्यास्य कर्ष्णे श्रुरादर्श्यास्य ग्रुश्यात्र्यास्य श्रुरादर्शः वर्रे र खुवा क्रें न मते वो तुः धोन मते हो मा मुख्यू में भोने मा वो दुवे व मोवा

क्रेव यथ। वे वन हि सुन नि अर्रे से यन म स्व वर्षे र सूर् द्यम् क्रिम् सुर्मे स्था सार्वा स्था स्था सुर्मे सुर् यात्रमा देशात्र सिंग्याधीत्रास्त्र सुर्यास्त्र स्तर सिंद्र में स्त्रमा सामेर मदे सु द्वाप्त विकास प्याप्त द्वाप्त स्त्र है वाका मदे का का की का निकास है विशन्ता वर्षेयाक्षेत्रायश शामादेष्ठते भ्रुम्रे मेर्स्य भ्रम्यात्र वर्षे साध्य वर्षान्युग्रः सुराया सर्देव वर्षा स्वाया सर्या स्वया सुर्या है । स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्व नर्भूर-दश्चेग्।याग्रुअःर्भूद्ययर-सहर्-ते। ह्यान-वर्षुःग्रुश्याद्यापदेः क्षयः भ्री द्वारा मारावया दरारे दि यद्या मुयाद्वयया परारे विया यशिरमाराष्ट्रा श्रीमा श्रिमाञ्ची मरमाश्चिमात्रमात्राम्यात्राम्या ग्रम् अः म्राह्म न्यान् द्वानिक्षाम् अः म्राह्म न्यानिक्षाम् वित्रा वित् षशःग्रम्। दवाःसदेः ह्वः नः नम् स्वाः धेवः धवः स्वाः <u>इ</u>.च.चडु.चाहेश.स.चचा.स.लुच.बुट.बुश.चाशुटश.स.लुचाश.सर.चलट.स. र्विन धेन के । निर्मार के के निर्मा के के के कार्य है निर के वा वा खुका ही कि निर्मा <u>ख्राध्ययः र् र्जे वर्ते। वर्ज्य ज्ञे वर्त्य स्वर्थः य स्वर्थायः स्वर्धे वर्षायः य स्वर्धायः वर्ष</u> तुः इसर्या ग्री : सेंस्या प्रदेश केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र स्वाया केंद्र कें ब्र-५न्-प्राच-भूर-ब्र-न-भूर-एत्रेट-र्यदे-४-प्रायु-पुत्यायशायेनशायाधेत मदे. द्वेर अय. श्रे. तथा श्रेया इ. इ. यश्या श्रीया दी. त्येत त्या ने या या वि वक्तुः च्चेत्र-दरः स्वरूषः सायाः स्वायाः सविः वर्दे दः साद्दः वाबुवाया तः स्वेदः सवेः ब्रेदे थे न न स्वार के का न स्वार के न स्वार स्व

यार्वम् हें हे ने नारा तार्य ने भारत सहया स्थान स्थान

सद्राम्यकुं नहेश्यां सह्राम्यक्ता स्थान्य स्थान्त स्थान स्यान स्थान स

ह्मराम यहराक्रियात्म्यराक्षीयहितात्वर्गित्राक्ष्या।

ख्रानिक्ष्यान्त्रम् स्र्वान्यतेष्ठ्यात्रम् । वर्ष्णात्रक्ष्यान्त्रम् स्रित्रेष्ट्रात्यस्य क्ष्यान्यस्य । व्याप्त्रक्ष्यान्त्रम् स्रित्रेष्ट्रात्यस्य क्ष्यान्यस्य ।

नडुः गिरु शः यद्देव द्धायः सद्धि शः श्विः श्वीः श्व्या । स्राह्मित्र स्त्रीत् स्त्रुत् । नश्चित्र स्त्रा स्त्रुतः स्त्रुतः । न्या स्त्रुतः स्त्रु

## वश्चेत्रायश्चन्त्रा

यदे हिम्। सबदम्बर्याया वि हेवा दर्भ दर्भ दर्भ वार्थ मुन्ति वि वि दर्भ व यश्राधितः यसः वया र्सेन दर्भेन देन मान्य होन होन होन देन होन प्रति होन वः अः द्वित्र ह्या स्वान्त्र स्थे वासे रः दर्शे दः त्या स्वासः ही वासे स्वासः हो वासे स्वासः ही वासे स्वासः ही वासे स्वासः ही वासे स्वासः ही वासे स्वासः हो हो स्वासः हो हो स्वासः हो सहरायरायरें रार्टे वियागशुर्यायये द्वीरा इत्यरायरें रात्रा हैं कें हिर भू यर बया वर्देन यदे शेरा वर्देन के त्राते। दे के हिन सुन्य वर्षेत वर्ष हेर-नर्त्र-गहिरायायराप्टरायराज्य ही प्रतियान सेर मंदे ही र वया गर्भरत्वेरःयया अन्दर्भेन्द्रसाधेवन्यायान्वेद्रयावयाः गश्यावेशामश्रद्धारादे द्वेरा यारामा देवा दार्श वर्षेत्रायशाहेर वर्षेत्र श्रुवाः भुः विः दिवे दिवे दिवा वा वा विद्या स्वाप्त हो । दे । दे स्वरः दिवा वा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ध्रें र द र्श्नेय प्रस्त पर्दे वे खुग्र था स्वर्ग ह मुर्थ है । स्वर्ग है । सूर त्या र्श्वियायाय द्वेताय देवा हेव श्रीप्यया द्वया शुःश्रीयाया द्वयया श्रीया क्ष्र्व ग्रीश ग्रुव केट क्रुव से प्रकट पर शेस्र क्व ग्री देव स् कें प्रश् वह्नायर हो द्रायत के का जात्र अप्यास्य कुर प्रदेश देश्व त्य अप्रो द्राय द र् अहर् दे लेश मेश्वर्य हीरा मार्थर पद्मेर प्या पद्मेर प्या भू भू भू मार्थ गश्याप्तरायमाप्तरायमाप्रमाप्तरायम् वर्रेट्रम् अ.तबर्यम्बना ट्रे.लु.चेशक्त्राश्चेत्रावर्षेत्रकालाच्या मुर्म इत्यम् क्रूम् अहर्न्य न्यान्य विष्याम् विष यदे भ्रिम् वर्षेया केर्यया थे भ्रेम मिर्म मार्म प्रमान में अन्-र्-पाश्रुम्य-हे वियापाश्रुम्य-प्रदेश्चिम्। यम्।पः हेपान् मे। ने नविनः विशासदे ने शुर्था श्रुपा श्रुपा श्रुपा श्री मार्था स्वा श्री मार्था श्री मार्था स्वा श्री मार्था स्वा श्री मार्थी स्व श्री स्व श्री मार्थी स्व श्री मार्थी स्व श्री मार्थी स्व श्री मार्थी स्व श्री स्व स्व श्री स्व श्र नेयाक्रियां भू निर्मुर निर्मुर

ग्री:सर्दर:नमृत:५८। क्रिंश:ग्री:भ्रु:धी:वद्येत:वशःदी विशःसदे:क्रिंश:भ्रु:धी: नेयान् रें नेंदिर्पर्र्युयान्दें द्वीरा न्येर्प्यदेर्प्यया देर्पित्रे याबेशामश्रुर्श्यायदे भ्रीत्र इन्तर पर्दे दाशी त्राते हैं इन्त्रे प्रतेष प्रतेष मुश्रात श्वा भु न्दर श्वें र न्वें श सदे श्वेर इ नर श्वे र सदे श्वा भु कुत से पळन |रे·नर्वितःवेशःगश्चरशःमदेःधेरःहे| इस्रानन्दःयश्| इं'नरेदेःदर्शयःधेः नगरन् गुरुष्तर्ने नविद्यावेशायाञ्चायाञ्चा प्राप्त ने विद्या भीता ने विद्या में प्राप्त ने विद्या में प्राप्त न क्रिंशः भ्रात्यः सह्दः हैं त्वेशः वाशुद्रशः सदिः द्वेत्र। यदः वि वि वा सद्रशः मुर्भाभी पद्मेर प्रभाषियाया विभाषियायाय कर वास्त्री राम्मा विभानेर वा यस संविध्या में प्रमान स्थान स्था यदे पर्ये त्य श्रेत रेके अरवता हेर मार्था हे वे से हिमा हमा अर्था है। हे प्यें र यदः श्रेम वर्गे क्ष्म अवि वदे व्यव व्यव विवादि । विवादि विवादि । है। येश्ररतिहर्तिया द्यःश्रर्यास्त्रयान्त्रःश्रेत्रेत्रत्य्रे नः इस्यः ग्रीः स्या नश्यावि न नश्चन मदे यस सहर मार्वे साम्स्री सामित्री हो ने सामर्स वःरी अरमः मुभः ग्रीः वर्षेवः यमः धेवः वा यमः सः विवामः वः धेरः ममः विवः यापमा हवामाञ्चा वर्देदाशे त्माने। ध्वायाने रात्वायमाना वर्षे वर्षेत्रायमाधित्रपदेः भ्रीमा देमात्राया केंग्रमायमायाय वर्षे प्रायम्भ्रमा र्श्वेरायमायायम्यायदे नित्रा भेर्नेरायमायायम् वार्षेत्रायदे वार्षेत्राप्तरे वार्षेत्राप्तरे वार्षेत्राप्तरे वा । क्षेत्रायम्यायविषायदे पद्मेत्रायम्य वर्षे न क्षेत्रायम् पद्मेत्रायम् ग्रीय है। वर्गे इसरा वे नदे त्यरा नद्दे । निर्मे इसरा नवे ता वर्गे र मा

त्रीयः त्राह्म स्थान्त्र स्थान्य स्था

ग्रे'स्यायायस्य मित्रास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

देवाश्वानक्षेत्र हिनः निन्ता श्रे निः हे प्रकटः । । अर्वे वित्र ने वे प्रवेश में वित्र स्व क्षेत्र में वित्र । । अर्वे वित्र क्षेत्र में वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र में वित्र । । सुर्वे निर्माणका से वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हिन । ।

र्वेदशःश्रुवःस्रेशःस्य स्वार्यःस्ते त्येष्यः यत्वन् ग्ये। ।

र्वा ग्रेन् सर्केन प्रेंब् र्श्वः ग्रेंब् त्वेन हिन्हः केवे। ।

र्वे र्श्वेरः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः । ।

यत्वा र्श्वेरः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः । ।

यन्तर्वित्त्वत् । व्यवायात्र्यात् व्यवायात्र्वेत् । व्यवायात्र्यात् । व्यवायात्र्यात्र्यात्र्यात् । व्यवायात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्

कुषः नः श्रुशः नव्यः द्व्ययः गुः गुंदः कुषः गुः रः देन। हेदः देदः दव्वेदः द्वुदः नश्चुः येदः नदेदः पदेः यद्यश।। क्रियः ददेः सुंग्यः दुषः गुदः कुषः गुः रः देन।।

डेश्रास्य श्रित् श्रीः स्रव्यत् नुर्धेत् । त्रश्रास्य स्रव्याः स्रीत् । त्रित्रः स्रव्यः स्रीतः स्रव्यः स्रवे स्रवे

यप्रशादर्भार्यतात्रेयायात्र्यास्त्रेशाङ्गीयाययात्र्याश्याक्र्याय्रापरा ळंत्र गुत्र ५८ म् म् तर्द्धा न ळें राहेश हेश ५८ ५ मार म् रोरेर मे र्वे पा उत् ५८ । यावदादर्ग्ने साम्यका उर्ग्णे गर्डे से त्यन ग्रे स्र्रेन सदे र्त्न में र रेर न स्रेया त्येश.ये.बै.कूर्यश्चर्टर.श्व.स्थायम्थेर.त.रेट.यक्षा रय.द्येशशःश्च.य. दग्द्रवर्द्रम् भेरद्र्वर्श्वेशद्रग्रस्थियः सङ्ग्यद्रद्रवरुश् र्द्धवार्थः ग्रीसङ्ग्यः ररावी तत्वा र्वत दर्ग विराधर अराई शासरे स्वाश श्रुपति द्वारा से र्नेवःश्चित्रं मृत्राक्षात्रात्रा रदावी मृत्वत्र स्वाया स्वयाया द्राया वनरःगहेशःग्रेशःवसःरेसःसर्केन्द्रेत्रःस्रह्यःकेःयेग्रस्त्रव्यःक्रन्नः नरुशाने न भुत्यान दे दिन न मानि शार्भी सामान साम यत् गुन केरं। मुल नमा सुर नमून परे कें मानु के दे में नगा के मा दिला र् हैं वार्या सदी सर्या क्या की या वार्ते वासे महरा स्ना वास्यय विश्व से हिरा इनानमु: ५८: श्रें नाशुमा अटम: मुम: १६८: केंगः विदः न भूर: दर्भाः दर्भाः दर्भाः वि र्बूट्रायु निकुट्र में निकुट्र केंद्र साह्य प्रस्ता है सामा सामि हिंदेर केंद्र सर्वे हैं यदः वः सकूरे क्षेत्र सुद्दः रेशः शी विक्रियः रेगे श्रूरः सरः हुशः तहसः रेग्यरश वलेर्पदेर्देर्भ्यासूर्प्यादिशाग्रार्कुणवदेरवसूत्रार्धेव्यार्त्र्यागुत्र हु: ५२: बिट: कुरु: धर: कुर: हेग ।।

## धरः ग्रुटः क्रेंब रहेंग

मुर्वेष निया मित्र मित्र

क्षेत्राः वी त्राह्म त

द्यर-दु-तश्चुद-प्ये द्वय-त्यार-सुद-प्रेंदिः स्व्यू । ।

यद्या के साम्री द्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वय् । ।

यद्या के साम्री द्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वय् । ।

देशः स्वया शक्ति स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वय् । ।

देशः स्वया शक्ति स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः । ।

देशः स्वया शक्ति स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः । ।

डेशनायदे पाराने रात्राधे र श्वारा की कुरान क्षेत्रा स्वीत सेवा र्सेट धे<sup>ॱ</sup>बर्'मश्याप्रशर्षेट्रशः केंश्वाध्य भी विरात्त्र वास्त्र प्रमुद्धार्य सेवासे के हिन से दि सूर न सूर पनर न ने ने सेर में सूना स रस न् हम है स यर नुर्या र्से मार्थ र स्वास्त्र मार्थ स्वास्त्र मार्थ स्वास्त्र मार्थ स्वास्त्र स्वास गर्वेद्रक्षः मु: मुद्रेर्भूद्रः वादे हेद्रारे विदर् द्राद्रारा वाद्राया वाद्रेर्ग वाद्रेर्ग वाद्रेर वाद्राया नर्देवे मुद्रार्के मुश्रासर्के सूरानर्देयान पदी द्वा सूना सेट दु ले लेट। हुट र्धेग्राभेर्नेन्।वानाउदान्।वसूदायदे से में सूरायनस्र प्रविदागर्भेशने मु:ग्रन्थ्याय:पदे:व्रूट्य:पदेन:यट. मुन:पदे:पतेन:द्र्येट्य:दे:य:येन् य: न्र: क्रुश: शु: वर्षे व: श्रुन: प्रम्य: श्रुन: प्रम्य: श्रुव: वर्षे : सेन्: वि'नदे'यस'र्स्ट्रिन'हस'यदेव'वृग्य'सेद्वेदे'रेट'स्प्राय स्ट्वेर्'ग्रुव'दस'क्रुस'स' र्सेनामात्रस्याधुन्येनामार्सेनामानुःसदे केनानुन्द्रसेनामा वटानसून सुनः सबदःरेशःसेन् ग्रीःगश्रुदःरवःन्यरःन् वर्श्ववःन्दःवश्चवःवश्चरःगदःयदः न्नरः र्ह्वे नवरः नसूत्र प्रदेत् कुः सर्के शः श्रुरः नर्दे।।।।